

2020-21

PEDAGOGY &
EDUCATIONAL PSYCHOLOGY

यूथ
कॉम्प्युटिशन
डाइम्स

**NVS/KVS
DSSSB**

प्राइमरी टीचर टीजीटी/पीजीटी

शिक्षण विधियाँ, शिक्षा मनोविज्ञान व शिक्षा शास्त्र

सॉल्लड पेपर

22 पिछले प्रश्न पत्रों की व्याख्या हल सहित

NVS

NVS-TGT-18.09.2019
NVS-TGT-2017
NVS-PGT-19.09.2019
NVS-PGT-2018
NVS-PGT-2016

KVS

KVS-TGT-2018
KVS-TGT-08.10.2017
KVS-PRT-16.12.2017
KVS-PRT-16.12.2017
KVS-PRT-04.10.2015
KVS-PRT-15.12.2013
KVS-PRT-2010
KVS-PRT-31.08.2014

DSSSB

DSSSB-29.10.2017
DSSSB-02.02.2014
DSSSB-19.10.2014
DSSSB-25.08.2013
DSSSB-28.07.2013
DSSSB-29.08.2014
DSSSB-PRT-2018
DSSSB-PRT-2017
DSSSB-PRT-2016

NVS/KVS/DSSSB

शिक्षण विधियाँ, शिक्षा मनोविज्ञान व शिक्षाशास्त्र

अध्यायवार सॉल्ड पेपर्स

व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र

प्रस्तुति

यूथ कॉम्पिटिशन टाइम्स

NVS परीक्षा विशेषज्ञ समिति

आंतरिक सज्जा

बालकृष्ण, चरन सिंह, अनुराग पाण्डेय

संपादकीय कार्यालय

यूथ कॉम्पिटिशन टाइम्स

12, चर्च लेन, प्रयागराज-21102

मो. : 9415650134

Email : yctap12@gmail.com

website : www.yctbooks.com

प्रकाशन घोषणा

सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने रूप प्रिंटिंग प्रेस, प्रयागराज से मुद्रित करवाकर,
यूथ कॉम्पिटिशन टाइम्स, 12, चर्च लेन, प्रयागराज-2 के लिए प्रकाशित किया।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है।
फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सुझाव और सहयोग सादर अपेक्षित है।

किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

मूल्य : 195/-

विषय-सूची

■ NVS/DSSSB/KVS पूर्व प्रश्न-पत्रों का विश्लेषण चार्ट	4
■ शिक्षण अभिस्थिति	5-50
■ शिक्षण का अर्थ, उद्देश्य, स्तर एवं शिक्षण कार्य	5
■ शिक्षण के सिद्धांत, विधियाँ, युक्तियाँ एवं शिक्षण-सूत्र	10
■ सूक्ष्म शिक्षण एवं शिक्षण के आधारभूत कौशल	18
■ शिक्षण के उपागम (शिक्षक केन्द्रित उपागम, अध्येता-केन्द्रित उपागम, दक्षता आधारित उपागम, रचनात्मक उपागम-जीन पियाजे एवं लिव सिमोनोविच वाइगोत्सकी, बण्डूरा	23
■ शिक्षण में संप्रेषण कौशल	28
■ प्रभावशाली शिक्षण में शिक्षक की भूमिका, एवं शिक्षण को प्रभावित करने वाले कारक	29
■ शिक्षण प्रतिमान एवं शिक्षक व्यवहार में सुधार	37
■ शिक्षण में नवाचार	37
■ शिक्षा में नवीन तकनीकें	42
■ प्रगतिशील एवं बाल केन्द्रित शिक्षा	47
■ शिक्षा के मनोवैज्ञानिक आधार	51-85
■ शिक्षा मनोविज्ञान का अर्थ, सम्बन्ध, प्रकृति क्षेत्र एवं उपयोगिता	51
■ बाल विकास की अवधारणा, सिद्धांत, क्षेत्र एवं अवस्थाएँ (पियाजे, बूनर, मैक्डूगल, कोहलबर्ग, वाइगोत्सकी, कोलिन्स, बरनाडो)	52
■ वंशानुक्रम एवं वातावरण	66
■ अधिगम का अर्थ, सिद्धांत, अधिगम अंतरण एवं शिक्षण में इनकी व्यवहारिक उपयोगिता	68
■ अभिप्रेरणा एवं अधिगम	73
■ संवेग एवं अधिगम	74
■ बुद्धि का अर्थ, सिद्धांत एवं बुद्धि मापन	75
■ व्यक्तित्व एवं व्यक्तित्व मापन	79
■ सृजनात्मकता	81
■ रुचि, चिंतन, सृति, समस्या समाधान	83
■ स्वास्थ्य एवं शिक्षा	85
■ शिक्षा में समावेशन तथा निर्देशन एवं परामर्श	86-92
■ विशिष्ट बालक का अर्थ, प्रकार, विशेषताएँ एवं उनकी शिक्षा	86
■ एकीकृत शिक्षा	91

■ अधिगम अक्षमता का अर्थ, वर्गीकरण एवं अधिगम अक्षम बालकों की शिक्षा	91
■ निर्देशन एवं परामर्श	92
■ शैक्षिक मूल्यांकन	93-109
■ मूल्यांकन की प्रमुख तकनीकें-अवलोकन तकनीक, स्व-आकलन तकनीक, परीक्षण तकनीक, समाजसितीय तकनीक, प्रक्षेपीय तकनीक	93
■ मूल्यांकन में प्रयुक्त उपकरण— अवलोकन, परीक्षण, पोर्टफोलियो, एनेकडोटल, अभिलेख, ग्रेडिंग सिस्टम, वार्षिक परीक्षा, सेमेस्टर परीक्षा, प्रतिशतांक.....	96
■ अच्छे मापक उपकरण की विशेषताएँ.....	98
■ निदानात्मक एवं उपचारात्मक आकलन.....	101
■ रचनात्मक एवं योगात्मक आकलन.....	104
■ सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन	107
■ शिक्षक निर्मित एवं मानक संदर्भित परीक्षण.....	108
■ शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय आधार.....	110-120
■ प्रकृतिवाद, आदर्शवाद, प्रयोजनवाद, अस्तित्ववाद, महात्मा गांधी, रविन्द्रनाथ टैगोर, श्री अरबिन्द, गीजू भाई बधेका, स्वामी विवेकानन्द, जे. कृष्णमूर्ति, रसो, प्लेटो, जॉन डिवी, मारिया मांटेसरी, फ्रोबेल, प्रिंगल, स्कवेसिंगर हॉलिंस, जेम्स प्राउट, फिष्ट, फिनन, हरग्रीव्स, जॉन लॉक.....	110
■ शिक्षा में लैंगिकता	117
■ शिक्षा और समाज.....	118
■ ज्ञान एवं पाठ्यचर्चा	121-123
■ वर्तमान भारतीय शिक्षा एवं नीतियाँ	124-129
■ शिक्षा से सम्बन्धित प्रमुख संस्थायें एवं उनके कार्य	130-132
■ शिक्षा में व्यवस्थागत सुधार एवं एन.सी.एफ.	133-140
■ विद्यालय प्रबन्धन एवं प्रशासन	141-143
■ शिक्षा में शोध एवं सांख्यिकी	144-146
■ विभिन्न विषयों का शिक्षण	147-207
■ भाषा शिक्षण.....	147
■ पर्यावरण शिक्षण.....	158
■ गणित शिक्षण	167
■ विज्ञान शिक्षण.....	183
■ सामाजिक विज्ञान शिक्षण	193
■ विविध	208-209

NVS/DSSSB/KVS पूर्व प्रश्न-पत्रों का विश्लेषण चार्ट
NVS/DSSSB/KVS Previous Papers Analysis Chart

S.N.	Exam NAME	EXAM DATE/TIME	No. of Questions
<u>NVS</u>			
1.	NVS, TGT	18.09.2019	30
2.	NVS, TGT	2017	50
3.	NVS, PGT	19.09.2019	60
4.	NVS, PGT	2018	50
5.	NVS, PGT	2016	50
<u>KVS</u>			
6.	KVS, TGT	2018	50
7.	KVS, TGT	08.10.2017	90
8.	KVS, PRT	16.12.2017	90
9.	KVS, PRT	04.10.2015	40
10.	KVS, PRT	15.12.2013	40
11.	KVS, PRT	2010	25
12.	KVS, Assistant Teacher (Nursery)	31.08.2014	65
<u>NCERT</u>			
13.	NCERT, PRT	30.07.2017	40
<u>DSSSB</u>			
14.	DSSSB, PRT	2018	50
15.	DSSSB, PRT	2017	50
16.	DSSSB, TGT	2016	50
17.	DSSSB, PRT, Post Code-16/17	29.10.2017	90
18.	DSSSB, PRT, Post Code-70/09	02.02.2014	100
19.	DSSSB, PRT, Post Code-150/14	19.10.2014	100
20.	DSSSB, PRT, Post Code-71/09 & 101/12	25.08.2013	100
21.	DSSSB, PRT (Special Education), Post Code-01/13	28.07.2013	100
22.	DSSSB, PRT (Cancelled), Post Code-70/90	29.12.2013	100
Total			1420

नोट- उपरोक्त प्रश्न-पत्रों के सम्यक विश्लेषण के उपरान्त **NVS/PGT-TGT, DSSSB, KVS/PRT** से सम्बन्धित कुल प्रश्न = **1420** प्रश्नों को अध्यायवार प्रस्तुत किया गया है। दुहराव वाले एवं सामान प्रकृति वाले प्रश्नों का समावेश किया गया है ताकि प्रश्न पूछने की तकनीकि का प्रतियोगियों को लाभ मिल सके।

1.

शिक्षण अभिरुचि

1. शिक्षण का अर्थ, उद्देश्य, स्तर एवं शिक्षण कार्य

NVS, TGT 18-09-2019 (II)

Ans : (a) एक शिक्षिका अपने छात्रों से राज्य में हाल की घटनाओं के बारे में समाचार पढ़ने के लिए कहती है। फिर छात्रों को घटनाओं को विभिन्न ‘शासन प्रणालियों’ में वर्गीकृत करने के लिए कहा जाता है। इस शिक्षण गतिविधि का उद्देश्य प्रकरण को समझाना है। ऐसी गतिविधियों से विद्यार्थी स्वयं क्रिया करके अनुभव प्राप्त करते हैं जिससे उनका अधिगम स्थायी होता है और उनमें रचनात्मकता का विकास होता है।

2. अध्यापन के विषय में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

 - (a) अध्यापन में यह भावना निहित होती है कि कोई कुछ न कुछ सीखता ही है
 - (b) अध्यापन की यह विशेषता है कि अध्यापक और अध्येता के मध्य एक विशेष संबंध होता है
 - (c) अध्यापन शिक्षा की एक आवश्यक शर्त तो होती है परंतु पर्याप्त नहीं
 - (d) अध्यापन के परिणाम स्वरूप बच्चे अनिवार्यत सीखते ही हैं

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (d) 'अध्यापन के परिणाम स्वरूप बच्चे अनिवार्यतः सीखते ही हैं।' यह कथन अध्यापन के विषय में सही नहीं हैं। क्योंकि कभी-कभी अध्यापन बच्चों की आवश्यकताओं, अभिक्षमताओं, योग्यता, रुचि, मनोवृत्ति के अनुरूप न होने के कारण वे नहीं सीख पाते हैं।

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (b) ब्रसू आर. जोयस तथा माशविल ने अपनी पुस्तक 'Models of Teaching' में विभिन्न उपलब्ध अध्यापन प्रतिरूपों को चार स्पष्ट वर्गों (समूहों) में बांटा है-

- (i) अंतः प्रक्रिया वर्ग
 - (ii) सूचना प्रक्रमण वर्ग
 - (iii) वैयक्तिक वर्ग
 - (iv) व्यवहार रूपान्तरण वर्ग

4. यदि कूट निम्न प्रकार दिए गए हैं—
ज्ञान (i), समझ (ii), अनुप्रयोग (iii), विश्लेषण (iv),
संश्लेषण (v), मूल्यांकन (vi) ज्ञानात्मक पक्ष के लिए
ब्लूम के वर्गीकरण में सही क्रम पहचानिए।

(a) i, iii, vi, v, ii, iv (b) ii, iii, iv, v, i
(c) i, iv, ii, iii, vi, v (d) i, ii, iii, iv, v, vi

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (d) ज्ञानात्मक पक्ष के लिए ब्लूम के वर्गीकरण का क्रम निम्नानुसार है-

- ज्ञान (knowledge)
 - बोध (comprehension)
 - अनुप्रयोग (application)
 - विश्लेषण (analysis)
 - संश्लेषण (synthesis)
 - मूल्यांकन (evaluation)

5. निम्नांकित में से कौन-सा हर्बर्ट के औपचारिक शिक्षण के पदों का भाग नहीं है?

 - नई सामग्री का प्रस्तुतीकरण
 - तुलना और संक्षिप्तीकरण
 - सामान्यीकरण
 - आकलन और मूल्यांकन

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (d) हरबर्ट ने स्मृति स्तर के शिक्षण प्रतिमान की संरचना का निर्माण पाँच पदों में किया है जो हर्बर्ट पंचपद प्रणाली के नाम से प्रसिद्ध है। ये पाँच पद निम्न हैं-

- (i) प्रस्तावना अथवा तैयारी
(ii) प्रस्तुतीकरण
(iii) स्पष्टीकरण तथा तुलना
(iv) सामान्यीकरण
(v) प्रयोग तथा अभ्यास

6. ब्लूम के अनुक्रम में, कौशल से जुड़ा है।

(a) संज्ञानात्मक डोमेन (b) मनोप्रेरणा डोमेन
(c) प्रभावी डोमेन (d) उपर्युक्त सभी

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (d) ब्लूम के अनुक्रम में, कौशल संज्ञानात्मक डोमेन, प्रभावी डोमेन तथा मनोप्रेरणा डोमेन तीनों से जुड़ा है।

7. संज्ञानात्मक डोमेन के किस चरण से नीचे दिया गया प्रश्न संबंधित है?

“व्याकरण तत्त्व धोने से डायरिया रोगों की घटनाओं में कमी आती है?”

- (a) समावेशन/संश्लेषण
- (b) लागू करना
- (c) विश्लेषण
- (d) मूल्यांकन

KVS-PRT Post Code 16/17, 29–10–2017

Ans : (a) उपर्युक्त दिया गया प्रश्न समावेशन से सम्बंधित है। समावेशन में विभिन्न तत्त्वों तथा भागों को क्रमबद्ध करके समग्र की रचना करना सम्मिलित होता है।

8. प्रभावी डोमेन में के स्तर पर संक्षिप्त ज्ञान बनाया जाता है।

- (a) अंकन
- (b) आयोजन
- (c) निरूपन
- (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

KVS-PRT Post Code 16/17, 29–10–2017

Ans : (d) प्रभावी डोमेन में उपर्युक्त में से किसी भी स्तर पर संक्षिप्त ज्ञान नहीं बनाया जाता है। प्रभावी डोमेन के अंतर्गत वे उद्देश्य आते हैं जिनका संबंध भावों, वृष्टिकोणों, मूल्यों, संवेगों, मनोवृत्ति, रूचियों आदि से होता है। इसलिए इस डोमेन में संक्षिप्त ज्ञान पर बल नहीं दिया जाता है।

9. सुश्री शैलजा, जो कक्षा पाँच की अध्यापिका है, अपने विद्यार्थियों से शैक्षिक उपलब्धि तथा सामाजिक व्यवहार सम्बन्धी उच्च अपेक्षाएँ रखती हैं, उसके अनुसार यह महत्वपूर्ण है कि कक्षा का परिवेश स्नेही हो, प्रोत्साहित करने वाला हो तथा बच्चों की आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील हो अपने विचारों में वह दृढ़ है, परन्तु कक्षा सम्बन्धी नियमों का तर्काधार देने में थोड़ा समय लेती है, उसका विश्वास है कि जब विद्यार्थी नियमों का उल्लंघन करें, तो उन्हें दण्ड मिलना चाहिए, परन्तु वह ऐसी सजा देना चाहती है जो उचित हो, परन्तु बच्चे अवमानित अनुभव न करे।

- (a) सत्तावादी
- (b) प्रमाणिक
- (c) उन्मुक्त
- (d) अहसतक्षेप

PRT-KVS 07–01–2017

Ans : (c) उन्मुक्त वातावरण वाली कक्षा में शिक्षक एक सर्वमान्य बौद्धिक नेता के रूप में शिक्षार्थियों को नेतृत्व प्रदान करता है। उसका शिक्षार्थियों पर कठोर नियंत्रण नहीं होता है वरन् वह उनकी जरूरतों व समस्याओं को समझकर उनका मार्गदर्शन करते हुए शिक्षण कार्य सम्पादित करता है।

10. उद्देश्य : ‘इस इकाई के पूर्ण होने पर शिक्षार्थी कहानी की मुख्य घटनाओं का व्याकरण शुद्ध रूप में संक्षिप्त कर सकेंगे।’ यह ज्ञानात्मक उद्देश्य से सम्बंधित है।

- (a) समझ
- (b) संश्लेषण
- (c) ज्ञान का प्रयोग
- (d) मूल्यांकन

PRT-KVS 07–01–2017

Ans : (a) ‘इस इकाई के पूर्ण होने पर शिक्षार्थी कहानी की मुख्य घटनाओं का व्याकरण शुद्ध रूप में संक्षिप्त कर सकेंगे।’ यह ज्ञानात्मक उद्देश्य के बोध या समझ स्तर से संबंधित है।

11. निम्नलिखित में से कौन–सा कथन किसी विषय के अध्यापन के एक पक्ष के रूप में उद्देश्यों से सम्बन्धित नहीं है?

- (a) उद्देश्य तात्कालिक तथा प्राप्य होते हैं।
- (b) उद्देश्य व्यापक और सामान्य होते हैं।
- (c) उद्देश्य विषयवस्तु के चयन के लिए सन्दर्भ प्रदान करते हैं।
- (d) उद्देश्य सम्भावित उपलब्धि के साध्य बिन्दु होते हैं।

PRT-KVS 07–01–2017

Ans : (b) किसी विषय के अध्यापन के एक पक्ष के रूप में उद्देश्यों की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं—

- (i) उद्देश्य तात्कालिक तथा प्राप्य होते हैं।
 - (ii) उद्देश्य विषयवस्तु के चयन के लिए सन्दर्भ प्रदान करते हैं।
 - (iii) उद्देश्य सम्भावित उपलब्धि के साध्य बिन्दु होते हैं।
- “उद्देश्य व्यापक और सामान्य होते हैं।” यह कथन किसी विषय के अध्यापन के एक पक्ष के रूप में उद्देश्यों से सम्बन्धित नहीं है।

12. उद्देश्यों के कथन के लिए प्रयुक्त व्यवहारगत पद, जैसे परिवर्तन लाना, गणना करना, खोजना, निर्देशित करना, अनुरूपित करना, संशोधित करना, संक्रिया करना, भविष्य कथन करना, तैयार करना, सम्बन्ध बताना, दिखाना, हल करना इत्यादि निम्नलिखित में से किस वर्ग से सम्बन्धित है?

- (a) अनुप्रयोग
- (b) संश्लेषण
- (c) विश्लेषण
- (d) मूल्यांकन

PRT-KVS 07–01–2017

Ans : (a) उद्देश्यों के कथन के लिए प्रयुक्त व्यवहारगत पद, जैसे परिवर्तन लाना, गणना करना, खोजना, निर्देशित करना, अनुरूपित करना, संशोधित करना, संक्रिया करना, भविष्य कथन करना, तैयार करना, सम्बन्ध बताना, दिखाना, हल करना इत्यादि अनुप्रयोग वर्ग से सम्बन्धित हैं। अनुप्रयोग उद्देश्य स्तर पर छात्र विभिन्न स्थूल अथवा विशिष्ट परिस्थितियों में अपने ज्ञान व बोध के आधार पर किये गये अमूर्तकरण का उपयोग करते हैं।

13. कक्षा 5 के विद्यार्थियों को वर्ग का प्रत्यय पढ़ाने के बाद एक शिक्षक ने दो प्रश्न किए—

(A) वर्ग की क्या परिभाषा है?

(B) एक वर्ग की रचना करो।

यह बताइए कि ये प्रश्न ज्ञानात्मक विकास के स्तर से सम्बन्धित किन उद्देश्यों को मापते हैं?

- (a) (A) ज्ञान तथा (B) ज्ञान का प्रयोग
- (b) (A) समझ तथा (B) ज्ञान का प्रयोग
- (c) (A) समझ तथा (B) संश्लेषण
- (d) (A) ज्ञान तथा (B) संश्लेषण

PRT-KVS 07–01–2017

Ans : (a) उपर्युक्त प्रश्न (A) ज्ञान तथा प्रश्न (B) ज्ञान के प्रयोग से संबंधी उद्देश्यों को मापते हैं।

ज्ञान उद्देश्य की मुख्य विशेषता पुनःस्मरण है। दूसरे शब्दों में कहा जा सकता है कि ज्ञान उद्देश्य सीखने वाले व्यक्ति की उन क्रियाओं का वर्णन करता है जो मुख्य रूप से स्मृति से सम्बन्धित होती है। अतः ज्ञान उद्देश्य के अन्तर्गत विभिन्न पदों, प्रत्ययों, संकेतों, परिभाषाओं, सिद्धांतों, सूत्रों, प्रक्रियाओं, विधियों, संरचनाओं आदि का पुनः स्मरण तथा पहचान करने से सम्बन्धित व्यवहार सम्प्लित होते हैं। वहीं ज्ञान के प्रयोग संबंधी उद्देश्य का मतलब है कि ज्ञान उद्देश्य के गुणों को व्यवहारिक रूप प्रदान करना।

PRT-KVS 07-01-2017

Ans : (b) उन्मुक्त शैली- उन्मुक्त शैली में शिक्षक एक सर्वमान्य बौद्धिक नेता के रूप में शिक्षार्थियों को नेतृत्व प्रदान करता है। उसका शिक्षार्थियों पर कठोर नियंत्रण नहीं होता है वरन् वह उनकी जरूरतों व समस्याओं को समझकर उनका मार्गदर्शन करते हुए शिक्षण कार्य सम्पादित करता है।

15. कक्षा—अध्यापन के पश्चात् अध्यापक देखता है, कि एक विद्यार्थी एक सुव्यवस्थित निबन्ध लिख लेता है, एक सूजनात्मक लघु कथा, एक सुनियोजित व्याख्यान दे सकता है और एक प्रयोग की योजना बनाकर प्रस्तुत करता है, यह विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त अधिगम को किसी समस्या के समाधान के लिए संगठित कर लेता है।

अध्यापक की दृष्टि से इस विद्यार्थी ने शैक्षिक उद्देश्यों के किस स्तर को पापन कर लिया है?

- (a) समझ या बोध स्तर (b) विश्लेषण स्तर
 (c) अनप्रयोग स्तर (d) संश्लेषण स्तर

Ans : (d) शिक्षण के परिणामस्वरूप छात्रों के व्यवहार में होने वाले परिवर्तन के आधार पर ही बैंजामिन एस.ब्लूम ने शिक्षण-अधिगम के उद्देश्यों को तीन भागों- (i) ज्ञानात्मक उद्देश्य, (ii) भावात्मक उद्देश्य तथा (iii) मनोचालक उद्देश्य में विभाजित किया था।

(i) ज्ञानात्मक क्षेत्र के उद्देश्य— ज्ञानात्मक क्षेत्र के उद्देश्य को अग्रलिखित भागों में विभाजित किया गया है— (i) ज्ञान, (ii) बोध, (iii) अपार्श्वा (iv) विकल्पेश्वा (v) संवर्तनेश्वा तथा (vi) प्रबन्धनात्मक।

(v) संश्लेषण— संश्लेषण में विभिन्न तत्त्वों तथा भागों को क्रमबद्ध

करके समग्र की रचना करना समिलित होता है। स्पष्ट है कि संश्लेषण में छात्र विभिन्न भागों, अंशों तथा तत्त्वों के साथ कार्य करके उन्हें इस तरह से व्यवस्थित करते हैं कि कोई ऐसी रचना तैयार हो सके जो पहले उनके सम्मुख प्रस्तुत नहीं थी या उनकी जानकारी में नहीं थी। उपर्युक्त उदाहरण में विद्यार्थी ने शैक्षिक उद्देश्यों के संश्लेषण स्तर को प्राप्त कर लिया है।

16. निम्न में से कौन सबसे व्यापक है—

NCERT PRT 30-07-2017

Ans : (b) लक्ष्य सबसे व्यापक होता है जबकि उद्देश्य का क्षेत्र सीमित होता है। लक्ष्य एक सामान्य कथन है- जबकि उद्देश्य एक निश्चित कथन है। लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सम्पूर्ण विद्यालय कार्यक्रम, समाज तथा राष्ट्र उत्तरदायी होता है जबकि उद्देश्य की छोटी-छोटी शाखाएँ होती हैं। अतः उनकी प्राप्ति का दायित्व शिक्षक तथा पाठ विशेष की विषयवस्तु पर होता है।

17. सीखने के उद्देश्यों के सर्वोच्च पायदान पर है—

NCERT PRT 30-07-2017

Ans : (c) मूल्यांकन सीखने के उद्देश्यों के सर्वोच्च पायदान पर है। सीखने के संज्ञानात्मक उद्देश्यों के छः स्तर निम्न हैं— ज्ञान, बोध, अनुप्रयोग, विश्लेषण, संश्लेषण, मूल्यांकन। किसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए आवश्यक सामग्री तथा विधियों के मूल्य के निर्धारण से सम्बन्धित निर्णय लेना मूल्यांकन उद्देश्य के अंतर्गत आता है।

18. B.S. ब्लूम के शैक्षिक उद्देश्यों के वर्गीकरण में निम्न में से कौन ज्ञानक्षेत्र नहीं है?

NCERT PRT 30-07-2017

Ans : (d) बी.एस. ब्लूम के शैक्षिक उद्देश्यों को तीन भागों में वर्गीकृत किया गया है। ये तीन भाग निम्न हैं-

- (1) ज्ञानात्मक क्षेत्र
 - (2) भावात्मक क्षेत्र
 - (3) मनोगत्यात्मक क्षेत्र

19. एक प्रभावी शिक्षण प्रक्रिया का निम्नलिखित में से किससे न्यनतम सम्बन्ध होना चाहिए?

Ans : (a) एक प्रभावी शिक्षण प्रक्रिया का न्यूनतम सम्बन्ध रटने से होना चाहिए। शिक्षण में रटने पर बल देना वर्तमान शिक्षण व्यवस्था का उद्देश्य नहीं है बल्कि छात्रों के समझ और चिंतन स्तर के शिक्षण पर ज्यादा जोर दिया रहा है।

20. आम अर्थ में शिक्षण अभिक्षमता का अभिप्राय है—

- (a) शिक्षा देने के तीव्र इच्छा
- (b) शिक्षण के प्रति समर्पण
- (c) शिक्षा देने की क्षमता रखना
- (d) उपर्युक्त सभी

PRT KVS 04–10–2015

Ans : (d) शिक्षण अभिक्षमता से तात्पर्य शिक्षक के उस रुक्षान, रुचि या योग्यता से होता है जो शिक्षण कार्य, पाठ्यक्रम या शिक्षण व्यवसाय में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक व महत्वपूर्ण होती है। शिक्षण अभिक्षमता शिक्षण क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने का सही ढंग से पूर्व कथन करने वाली बीजभूत योग्यताओं को इंगित करती है।

21. शिक्षा का मुख्य उद्देश्य होता है व्यक्ति के/की का विकास करना।

- (a) ज्ञान
- (b) शरीर
- (c) व्यक्तित्व
- (d) बुद्धिमत्ता

PRT KVS 04–10–2015

Ans : (c) शिक्षा का मुख्य उद्देश्य होता है व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास करना। प्रमुख शिक्षाशास्त्री ‘टी.पी.नन’ ने शिक्षा को परिभाषित करते हुए लिखा है— “शिक्षा व्यक्तित्व का पूर्ण विकास करता है, जिससे कि व्यक्ति अपनी पूर्ण योग्यता के अनुसार मानव जीवन को योगदान दे सके।”

22. एक विद्यार्थी उसके साथियों के साथ बर्ताव में आक्रमणशील है और यह स्कूल के नियमों के अनुरूप नहीं होता है। इस विद्यार्थी को इस मद की जरूरत है—

- (a) उच्चतर प्रणाली की सोच निपुणता
- (b) संज्ञानात्मक क्षेत्र
- (c) मनोविज्ञान प्रेरक क्षेत्र
- (d) भावनात्मक क्षेत्र

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31–08–2014

Ans : (d) एक विद्यार्थी उसके साथियों के साथ बर्ताव में आक्रमणशील है और यह स्कूल के नियमों के अनुरूप नहीं होता है तो इसका मतलब है कि इस विद्यार्थी को संवेगात्मक या भावनात्मक क्षेत्र में मदद की जरूरत है। व्यक्ति के व्यवहार का सम्बन्ध संवेगों से होता है तथा शिक्षा का सम्बन्ध व्यवहार का परिशोधन करने से होता है। शिक्ष के द्वारा अवांछित संवेगों को नियंत्रित करने तथा वांछित संवेगों को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जाना चाहिए।

23. एक अध्यापिका विद्यार्थियों को दी गई संख्याओं के समूह में से पूर्ण वर्ग संख्याओं पर गोला करने को कहती है। इस क्रिया द्वारा प्राप्त उद्देश्य है—

- (a) ज्ञानात्मक
- (b) अनुप्रयोगात्मक
- (c) कौशलात्मक
- (d) अवबोधात्मक

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (d) यदि एक अध्यापिका विद्यार्थियों को दी गयी संख्याओं के समूह में से पूर्ण वर्ग संख्याओं पर गोला करने को कहती है तो इस क्रिया द्वारा प्राप्त उद्देश्य अवबोधात्मक स्तर का होगा क्योंकि दी गयी संख्याओं में से पूर्ण वर्ग संख्याओं पर गोला करना है अर्थात् उनको अन्य संख्याओं से अलग या वर्गीकृत करना है। वर्गीकरण करना, अंतर करना, परिवर्तित करना, अनुमान लगाना, पुनर्लेखन करना आदि अवबोधात्मक उद्देश्य के अंतर्गत आते हैं।

24. कौशलात्मक उद्देश्य (Skill objective) के विशिष्टीकरण का उदाहरण है—

- (a) गणना कर सकेंगे
- (b) निष्कर्ष निकाल सकेंगे
- (c) गणितीय आकृतियाँ बना सकेंगे
- (d) समस्या समाधान कर सकेंगे

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) कौशलात्मक उद्देश्य के विशिष्टीकरण का उदाहरण है—‘गणितीय आकृतियाँ बना सकेंगे’ कौशलात्मक उद्देश्य का संबंध मांसपेशियों के विकास तथा प्रयोग एवं शारीरिक क्रियाओं के समन्वय की योग्यता से है। कौशलात्मक उद्देश्य के अंतर्गत बालक किसी कौशल के गत्यात्मक पक्ष को सीखता है।

25. ‘निजी क्षेत्र उद्योग के दो उदाहरण दीजिए।’ यह प्रश्न उद्देश्य पर आधारित है।

- (a) ज्ञान
- (b) कौशल
- (c) अवबोध
- (d) ज्ञानोपयोग

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) ‘निजी क्षेत्र उद्योग के दो उदाहरण दीजिए।’ यह प्रश्न अवबोधात्मक उद्देश्य पर आधारित है। अवबोधात्मक उद्देश्य के अंतर्गत अंतर करना, उदाहरण प्रस्तुत करना, उद्धरण देना, समानता लागू करना, अनुवाद करना, वर्गों में बाँटना, विवरण देना, स्पष्ट करना आदि कौशल प्राप्त किये जाते हैं।

26. कोई प्रशिक्षणार्थी शिक्षक एक अनुदेशात्मक उद्देश्य (Instructional objective) को इस प्रकार लिखती है— “विद्यार्थी खरीफ और रबी की फसलों में अन्तर कर सकेंगे।” यह उद्देश्य जिस क्षेत्र में आता है, वह है—

- (a) मनोक्रियात्मक
- (b) अभिभावात्मक
- (c) संज्ञानात्मक
- (d) कौशलात्मक

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) यदि कोई प्रशिक्षणार्थी शिक्षक एक अनुदेशात्मक उद्देश्य को इस प्रकार लिखती है— ‘विद्यार्थी खरीफ और रबी की फसलों में अंतर कर सकेंगे।’ तो इसका मतलब है कि वह संज्ञानात्मक स्तर के उद्देश्य लिख रही है। संज्ञानात्मक उद्देश्य के बोध स्तर पर विद्यार्थी परिवर्तित कर सकते हैं, बचाव कर सकते हैं, अंतर कर सकते हैं, अनुमान कर सकते हैं, वर्णन कर सकते हैं, सामान्यीकरण कर सकते हैं, व्याख्या कर सकते हैं, अनुवाद कर सकते हैं आदि।

27. यदि बालक अपने विज्ञान सम्बन्धी प्रयोगों में अथवा कथनों में स्पष्ट रूप से त्रुटियों का पता कर लेता है, तो बालक द्वारा प्राप्त उद्देश्य है—

- (a) ज्ञानात्मक
- (b) अभिभावात्मक
- (c) मनोक्रियात्मक
- (d) कौशलात्मक

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (a) यदि बालक अपने विश्वास सम्बन्धी सम्बन्धी प्रयोग में अथवा कथनों में स्पष्ट रूप में त्रुतियों का पता कर लेता है, तो बालक द्वारा प्राप्त उद्देश्य ज्ञानात्मक होगा। ज्ञानात्मक उद्देश्य के मूल्यांकन स्तर पर विद्यार्थी मूल्यांकन करता है, तुलना करता है, निष्कर्ष निकालता है, विषमता पहचानता है, आलोचना करता है, वर्णन करता है, भेद करता है, आकलन करता है, वर्णन करता है, व्याख्या करता है, औचित्य सिद्ध करता है, सम्बन्ध बनाता है, सरांशेंकृत करता है, समर्थन करता है।

28. एक अध्यापक विद्यार्थियों को दी गई संख्याओं में से पूर्ण घन संख्याएँ छाँटने को कहता है। इस क्रिया द्वारा प्राप्त उद्देश्य है—

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (b) यदि एक अध्यापक विद्यार्थियों को दी गयी संख्याओं में से पूर्ण घन संख्याएँ छाँटने को कहता है तो इस क्रिया द्वारा प्राप्त उद्देश्य अवबोधात्मक स्तर का होगा। अवबोधात्मक स्तर के उद्देश्यों में, अंतर करना, तुलना करना, वर्गीक्रण करना, स्पष्ट करना, विवरण देना, सही मिलान करना आदि कौशल प्राप्त किये जाते हैं।

29. यदि समकोण त्रिभुज की दो भुजाएँ दी गई हैं, तो बालक उस त्रिभुज की तीसरी भुजा की गणना कर सकता है। उपर्युक्त प्रदर्शित व्यवहारगत परिवर्तन सम्बन्धित हैं—

- (a) ज्ञानात्मक उद्देश्य के
 - (b) अनुप्रयोगात्मक उद्देश्य के (Application objective)
 - (c) कौशलात्मक उद्देश्य के
 - (d) दृष्टिकोण उद्देश्य के

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (b) यदि समकोण त्रिभुज की दो भुजाएँ दी गयी हैं, तो बालक उस त्रिभुज की तीसरी भुजा की गणना कर सकता है। उपर्युक्त प्रदर्शित व्यवहारगत परिवर्तन अनुप्रयोगात्मक उद्देश्य से संबंधित है। अनुप्रयोगात्मक उद्देश्य के अंतर्गत अनुप्रयोग करना, बदलाव करना, गणना करना, निर्माण करना, प्रदर्शित करना, खोज करना, हेरफेर करना, रूपान्तरण करना, भविष्यवाणी, तैयार करना, उत्पादित करना, सम्बंध स्थापित करना, दिखाना, हल करना जैसे कौशलों को प्राप्त करने का प्रयास किया जाता है।

30. अवबोधात्मक उद्देश्य (understanding objective) के विशिष्टीकरण (specification) का उदाहरण है-

- (a) वर्गीकरण कर सकेंगे (b) पहचान कर सकेंगे
 (c) अन्तर कर सकेंगे (d) उपरोक्त सभी

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (d) अवबोधात्मक उद्देश्य के विशिष्टीकरण के निम्नलिखित उदाहरण हैं—

- अंतर करना
 - समानता लागू करना
 - वर्गीकरण करना
 - तुलना करना
 - त्रुटि पता कर सुधार करना
 - सही मिलान करना
 - स्पष्ट करना
 - विवरण देना

नोट— चूंकि पहचान करना ज्ञानात्मक उद्देश्य की मुख्य विशेषता है तथा ज्ञानात्मक उद्देश्य अवबोधात्मक उद्देश्य की पूर्ववर्ती अवस्था है इसलिए प्रश्न में ‘पहचान करना’ को भी अवबोधात्मक उद्देश्य की विशेषता मान लिया गया है।

31. एक शिक्षक प्रशिक्षणार्थी एक अनुदेशनात्मक उद्देश्य (Instructional objective) इस प्रकार लिखती है— “विद्यार्थी लोकतंत्र के अर्थ का वर्णन कर पाएंगे।” यह उद्देश्य किस क्षेत्र में आता है?

- (a) कौशल
 - (b) संश्लेषण (Synthesis)
 - (c) बोधन
 - (d) विश्लेषण

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) यदि कोई शिक्षक प्रशिक्षणार्थी एक अनुदेशनात्मक उद्देश्य इस प्रकार लिखती है कि- “विद्यार्थी लोकतंत्र के अर्थ का वर्णन कर पायेंगे।” इस प्रकार का उद्देश्य बोधात्मक उद्देश्य के अंतर्गत आयेगा। बोधात्मक उद्देश्य के अंतर्गत उद्धरण देना, कार्य प्रभाव संबंध पता लगाना, सही स्थिति बताना, स्वयं के शब्दों में अर्थ बताना, स्पष्ट करना, विवरण देना, वर्गों में बाँटना, अनुवाद करना आदि कौशल शामिल होते हैं।

32. प्रदत्त शैक्षिक उद्देश्यों/प्राप्त उद्देश्यों (Taxonomy of education aims/objective) का वर्गीकरण किया गया—

PRT Post Code 71/09 & 101/12 25.08.2013

Ans : (b) प्रदत्त शैक्षिक उद्देश्यों/प्राप्य उद्देश्यों का वर्गीक्रण बेंजामिन एस. ब्लूम व उनके सहयोगियों ने सन् 1956 में किया। उन लोगों के अनुसार अधिगमकर्ता के व्यवहार में परिवर्तन व विकास संज्ञानात्मक, भावात्मक व क्रियात्मक क्षेत्रों में हो सकता है। मानसिक योग्यताओं के विकास के क्रम का ध्यान रखते हुए सभी क्षेत्रों के अंतर्गत शैक्षिक उद्देश्य को तार्किक व मनोवैज्ञानिक रूप से प्रस्तुत किया गया है।

3.3. वर्गस्वपद से शिक्षा के लिए क्या आवश्यक है?

- (a) उचित पर्यावरण
 - (b) छात्रों की जिज्ञासावृत्ति
 - (c) पारंगत (सीखा हुआ) शिक्षक
 - (d) उपरोक्त सभी

**PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013**

Ans : (d) वर्गखण्ड में प्रभावी शिक्षा के लिए निम्न चीजों का होना आवश्यक है-

- उपयुक्त वातावरण
 - छात्रों की जिज्ञासावृत्ति
 - पारंगत (सीखा हुआ) शिक्षक
 - उपयुक्त शिक्षण सहायक सामग्री
 - रोचक शिक्षण विधि
 - रचनात्मक कक्षा शिक्षण आदि।

34. तालीम का ज्ञानात्मक सिद्धांत (cognitive theory) किसने प्रतिपादित किया?

**PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013**

Ans : (a) तालीम का ज्ञानात्मक सिद्धांत एन.एल. गेज द्वारा प्रतिपादित किया गया। यह सिद्धांत अध्यापकों से अपेक्षा करता है कि वे विद्यार्थियों की संज्ञानात्मक योग्यताओं एवं क्षमताओं का सर्वोत्तम उपयोग करने हेतु अपनी शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को संज्ञानात्मक अधिगम के प्रक्रियाकरण तथा सोचने समझने तथा समाधान की स्वतंत्रता आदि से अनुप्रेरित करने का प्रयत्न करेंगे।

35. निम्न में से कौन-सा तालीम शिक्षण का स्तर नहीं है?

- (a) असमानता स्तर (b) यादाशत स्तर
 (c) चिन्तनशील स्तर (d) समझ स्तर

**PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013**

Ans : (a) असमानता स्तर तालीम शिक्षण का स्तर नहीं है, जबकि यादाशत स्तर, समझ स्तर और चिन्तनशील स्तर शिक्षण के तीन स्तर हैं। शिक्षण का उद्देश्य होता है, छात्र को विचारहीन अवस्था से विचारपूर्ण अवस्था तक ले जाना। छात्र को विचारहीन अवस्था से विचारपूर्ण अवस्था तक ले जाने की इस प्रक्रिया में आने वाले स्तर ही शिक्षण के स्तर होते हैं।

36. सत्तावादी स्तर पर तालीम है—

- (a) अध्यापक केन्द्रित (b) शिशु केन्द्रित
 (c) हेड मास्टर केन्द्रित (d) अनुभव आधारित

**PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013**

Ans : (a) सत्तावादी स्तर पर तालीम अध्यापक केन्द्रित होता है। सत्तात्मक वातावरण में कक्षा शिक्षण के दौरान शिक्षक का सम्पूर्ण कक्षा व क्रियाकलापों पर पूर्ण नियंत्रण रहता है। नियोजन, क्रियान्वयन व मूल्यांकन तीनों प्रकार की गतिविधियों को केन्द्र बिन्दु में रखकर वह शिक्षार्थियों के अधिगम को प्रोत्साहित करता है।

37. अध्यापन का सर्वप्रथम परिणाम है—

- (a) विद्यार्थियों के व्यवहार का इच्छित दिशा में बदलाव
 (b) विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सम्पूर्ण विकास
 (c) विद्यार्थियों के चरित्र का विकास
 (d) उचित काम में नियुक्त होना

**PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013**

Ans : (a) अध्यापन का सर्वप्रथम परिणाम है— विद्यार्थियों के व्यवहार का इच्छित दिशा में बदलाव। एन.एल. गेज ने प्रजातंत्रात्मक शिक्षण को परिभाषित करते हुए कहा है, “व्यक्ति या बालक के व्यवहारों को आवश्यक दिशा तथा मात्रा में प्रभावित करने हेतु पारस्परिक संबंधों की स्थापना का स्वरूप ही शिक्षण है।” इसमें शिक्षक एक पथ प्रदर्शक के रूप में होता है और छात्र अधिक क्रियाशील रहते हैं।

38. प्रभावी शिक्षण के मानक हैं—

- (i) संयुक्त उत्पादक गतिविधि
 (ii) भाषा का विकास एवं प्रसंगाधीन
 (iii) चुनौतीपूर्ण गतिविधियाँ और निर्देशात्मक वार्तालाप
 (a) i, ii और iii (b) ii और iii
 (c) केवल i (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (d) प्रभावी शिक्षण के मानक निम्न हैं—

- वैयक्तिक उत्पादक गतिविधि
 - अभिव्यक्ति क्षमता का विकास
 - चुनौतीपूर्ण गतिविधियाँ एवं सहयोगात्मक वार्तालाप
 - स्थानीय परिवेश के अनुसार अनुकूलन
 - विद्यार्थियों की सांस्कृतिक पारिवारिक परिस्थितियों का ज्ञान
- अतः उपर्युक्त विकल्पों में से कोई भी प्रभावी शिक्षण के मानक नहीं हो सकते हैं।

39. व्यवहार का ‘क्रियात्मक पहलू’ आता है—

- (a) अधिगम के मनोवैज्ञानिक क्षेत्र के अंतर्गत
 (b) अधिगम के संज्ञानात्मक क्षेत्र के अंतर्गत
 (c) अधिगम के प्रभावशील क्षेत्र के अंतर्गत
 (d) इनमें से किसी के अंतर्गत नहीं

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (d) व्यवहार का ‘क्रियात्मक पहलू’ मनोचालक क्षेत्र (Psycho-Motor Domain) के अन्तर्गत आता है। मनोचालक क्षेत्र का संबंध मांसपेशियों के विकास तथा प्रयोग एवं शारीरिक क्रियाओं के समन्वय की योग्यता से है। मनोचालक क्षेत्र से संबंधित शैक्षिक उद्देश्यों का वर्गीकरण सिम्पसन ने 1966 में किया था। सिम्पसन ने अपनी पुस्तक ‘द क्लासीफिकेशन ऑफ एजुकेशनल आबजेक्टीव्स साइको मोटर डोमेन’ (1960) में लिखा है कि मनोचालक क्षेत्र में उन उद्देश्यों को सम्मिलित किया जाता है जो शारीरिक तथा क्रियात्मक या गामक कौशल से संबंधित होते हैं।

2. शिक्षण के सिद्धांत, विधियाँ, युक्तियाँ एवं शिक्षण-सूत्र

40. सिनेमा क्लिप को देखने के बाद कक्षा में छात्रों के अधिगम को सुनिश्चित करने की उपयुक्त विधि है।

- (a) प्रयोगशाला कार्य (b) कक्षा वार्तालाप
 (c) अधिन्यास लिखना (d) परियोजना कार्य

NVS, PGT 19-09-2019

Ans : (c) कक्षा में किसी सिनेमा के क्लिप दिखाने के बाद विद्यार्थियों में अधिगम को सुनिश्चित करने के लिए सबसे उपयुक्त तरीका अधिन्यास (Assignment) लिखने के लिए देना है। अधिन्यास लिखने में वे अपने अर्जित ज्ञान तथा अनुभव का प्रयोग करेंगे।

41. कक्षा में खोजपूर्ण सर्वेक्षण को एक विधि के रूप में इस्तेमाल करना शिक्षार्थियों में को बढ़ाता है।

- (a) अनुसंधान कौशल (b) चिंता
 (c) जिज्ञासा (d) अन्वेषण कौशल

NVS, PGT 19-09-2019

Ans : (c) कक्षा में खोजपूर्ण सर्वेक्षण को एक विधि के रूप में इस्तेमाल करना शिक्षार्थियों में जिज्ञासा को बढ़ाता है। ऐसे क्रियाकलाप में छात्र शारीरिक तथा मानसिक रूप से सक्रिय रहते हुए ज्ञान की खोज करते हैं अर्थात् स्वयं सीखते हैं। इसमें शिक्षक समस्यात्मक वातावरण का निर्माण करता है और सभी छात्र समस्या के संबंध में चिन्तन तथा निरीक्षण करते हैं अंत में निर्णय निकालते हैं।

42. सभी बच्चों से एक जैसा उत्तर प्राप्त करने पर जोर देने के क्या विपरीत प्रभाव हो सकते हैं?

- (a) यह बच्चों को एक दूसरे से नकल करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।
- (b) यह बच्चों को शिक्षकों की बात सुनने के प्रति प्रोत्साहित करेगा।
- (c) बच्चे कक्षा में बोलने से हिचकेंगे।
- (d) बच्चों की अपनी समझ और कल्पना के विकास में बाधा पड़ेगी।

NVS, TGT 18-09-2019

Ans : (d) सभी बच्चों से एक जैसा उत्तर प्राप्त करने पर जोर देने पर बच्चों की अपनी समझ और कल्पना के विकास में बाधा पड़ेगी। इसलिए बच्चों से मुक्त उत्तरी प्रश्न पूछे जाते हैं ताकि बच्चे अपनी कल्पना, समझ और अनुभवों का उपयोग करते हुए प्रश्न का उत्तर दे सकें।

43. शिक्षण के अन्वेषण दृष्टिकोण में, सबसे महत्वपूर्ण शिक्षण परिणाम होता है।

- (a) हेरफेर
- (b) संकल्पनात्मक समझ
- (c) प्रबलन
- (d) रटना

NVS, PGT 17-09-2019 II

Ans : (b) शिक्षण के अन्वेषण दृष्टिकोण में, सबसे महत्वपूर्ण शिक्षण परिणाम संकल्पनात्मक समझ होता है। अन्वेषणात्मक दृष्टिकोण में छात्र समस्या की अनुभूति करते हैं, उसके विषय में सोचते हैं, निरीक्षण एवं परीक्षण करते हैं तथा निष्कर्ष निकालते हैं। इससे छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और संकल्पनात्मक समझ विकसित होती है।

44. अन्वेषण अधिगम की प्रक्रिया में, छात्र खुद को मानते हैं।

- (a) खोजकर्ता
- (b) सुविधा प्रदाता
- (c) शिक्षक
- (d) वैज्ञानिक

NVS, PGT 17-09-2019

Ans : (d) अन्वेषण अधिगम की प्रक्रिया में, छात्र खुद को वैज्ञानिक मानते हैं। अन्वेषण नीति उसको कहते हैं जिसमें छात्र शारीरिक तथा मानसिक रूप से सक्रिय रहते हुए ज्ञान की खोज करते हैं अर्थात् स्वयं सीखते हैं। इस विधि में शिक्षक ऐसे वातावरण का निर्माण करता है कि छात्रों के सामने समस्या उत्पन्न हो जाये। सभी छात्र समस्या के सम्बन्ध में चिंतन तथा निरीक्षण करते हैं तथा अंत में निर्णय निकालते हैं।

45. व्याख्यान विधि किस स्थिति में सर्वाधिक उपयुक्त विधि होगी?

- (a) अभिरुचि के विकास और पाठ्य सामग्री के संपूरक के रूप में
- (b) जब पाठ्य सामग्री का पूर्ण रूप से प्रतिपादन करना हो
- (c) जब विवादास्पद विषयों को पढ़ाना हो
- (d) उपद्रवी कक्षा का ध्यान आकृष्ट करने के लिए

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (a) व्याख्यान विधि अभिरुचि के विकास और पाठ्य सामग्री के संपूरक के रूप में सर्वाधिक उपयुक्त विधि होगी। व्याख्यान विधि से अधिक विषय वस्तु को कम समय में पढ़ाया जा सकता है।

46. प्रकृति अनुसार शिक्षित करने से अभिप्राय है-

- (a) प्रकृति के नियमों का अध्ययन करना और शैक्षिक प्रक्रिया में उन का उपयोग करना
- (b) जीवन में कृत्रिम की बजाए प्राकृतिक की ओर अभिमुख होना
- (c) प्राचीन काल के आश्रम पद्धति की भाँति प्रकृति की गोद में शैक्षिक संस्थाएँ स्थापित करना
- (d) मानव विकास में “प्राकृतिक नियमों” के अनुसार शिक्षित करना

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (d) प्रकृति अनुसार शिक्षित करने से अभिप्राय है- मानव विकास में “प्राकृतिक नियमों” के अनुसार शिक्षित करना। प्रकृतिवाद रटने तथा निष्क्रिय अध्यास की विधि का विरोध करता है। प्रकृतिवाद ‘करके सीखने’ एवं ‘अनुभव द्वारा सीखने’ के सिद्धांतों पर आधारित विधियों के प्रयोग पर बल देता है।

47. एक कक्षाकक्ष में विद्यार्थियों को कुछ नहीं बताया जाता है और उन्हें सावधानीपूर्वक बनाए गए प्रश्नों के माध्यम से हल तक पहुँचाया जाता है। वे पास में उपलब्ध पुस्तकों और अन्य सामग्री प्रयोग में ला सकते हैं- प्रयोग में लाई गई शिक्षण विधि है-

- (a) प्रयोगशाला विधि
- (b) ह्यूरिस्टिक विधि
- (c) समाधान विधि
- (d) प्रोजेक्ट विधि

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (b) उपर्युक्त प्रश्न में प्रयोग में लायी गयी शिक्षण विधि ह्यूरिस्टिक विधि है। इस विधि का सबसे पहले प्रयोग प्रो. आर्मस्ट्रांग ने किया था। इसे अन्वेषण या खोज विधि भी कहा जाता है। इसमें छात्र शारीरिक तथा मानसिक रूप से सक्रिय रहते हुए ज्ञान की खोज करते हैं अर्थात् स्वयं सीखते हैं। इसमें शिक्षक ऐसे वातावरण का निर्माण करता है कि छात्रों के सामने समस्या उत्पन्न हो जाये। सभी छात्र समस्या के सम्बन्ध में चिंतन तथा निरीक्षण करते हैं तथा अन्त में निर्णय निकालते हैं। संक्षेप में इसके अंतर्गत-

1. शिक्षक छात्रों के सामने समस्या उत्पन्न करता है।
2. समस्याओं को सुलझाने के लिए उपयुक्त सामग्री प्रस्तुत करता है।
3. आवश्यकता पड़ने पर पथ-प्रदर्शक का कार्य करता है जिससे वे अपनी रुचि के अनुसार अन्वेषक के रूप में पुस्तकों तथा साधनों द्वारा समस्या को सुलझाकर नवीन ज्ञान की खोज करें।

48. शिक्षा की डॉल्टन प्रणाली द्वारा विकसित की गई है।

- (a) मारिया मॉन्टेसरी
- (b) जॉन डेवेय
- (c) हेलेन पार्कहस्ट
- (d) टी. रेमोन्ट

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (c) शिक्षा की डाल्टन प्रणाली हेलेन पार्कहस्ट द्वारा विकसित की गई है। सन् 1912 में अमरीका की शिक्षाशास्त्रिणी कुमारी हेलेन पार्कहस्ट ने 8 से 12 वर्ष के बीच की अवस्था वाले बालकों के लिए एक नई शिक्षा योजना बनाई। इस प्रयोगशाला योजना के दो मुख्य सिद्धांत हैं—

- (i) विभिन्न विषयों के लिए निश्चित घंटों और समयसारणी के कठोर बंधनों को नष्ट करके बच्चे को स्वतंत्रापूर्वक काम करने की सुविधा देना।
- (ii) बालक की रुचि जिस विषय में अधिक हो उसे उस विषय को जितनी देर तक वह चाहे अध्ययन करने देना।

49. व्याख्यान विधि का एक लाभ है कि—

- (a) समस्या सुलझाने को सुगम बनाता है
- (b) विद्यार्थियों में उच्च अभिग्राह्यता होती है
- (c) एक लघु अवधि में तथ्यात्मक सूचना का बड़ा भाग प्रकट करता है
- (d) उपर्युक्त सभी

KVS-PRT Post Code 16/17, 29–10–2017

Ans : (c) व्याख्यान विधि का एक लाभ है कि एक लघु अवधि में तथ्यात्मक सूचना का बड़ा भाग प्रकट करता है।

50. किंडरगार्टन स्कूल सबसे पहले कहाँ स्थापित किए गए?

- | | |
|------------|--------------|
| (a) यूएसए | (b) यूके |
| (c) जर्मनी | (d) डेनमार्ग |

KVS-PRT Post Code 16/17, 29–10–2017

Ans : (c) किंडरगार्टन स्कूल सबसे पहले जर्मनी में स्थापित किए गए। किंडरगार्टन छोटे बच्चों के लिए शिक्षा का एक रूप है जो घरेलू शिक्षा से बदल कर अधिक औपचारिक स्कूली शिक्षा में संक्रमित हो गया है। किंडरगार्टन में बच्चों को रचनात्मक खेल और सामाजिक बातचीत के माध्यम से ज्ञान दिया जाता है और उनमें बुनियादी कुशलताओं का विकास किया जाता है।

51. किस गतिविधि में प्रत्यक्ष पठन शामिल नहीं है?

- (a) व्याख्यान
- (b) समूह चर्चा
- (c) विद्यार्थी वाद-विवाद
- (d) पाठन द्वारा पठन

KVS-PRT Post Code 16/17, 29–10–2017

Ans : (a) व्याख्यान गतिविधि में प्रत्यक्ष पठन शामिल नहीं है। व्याख्यान का तात्पर्य है कि विद्यार्थी भी पाठ को भाषण के रूप में पढ़ाने से है। इसमें किताब का प्रत्यक्षतः उपयोग नहीं किया जाता है।

52. निम्नलिखित में से कौन-सा परियोजना आधारित निर्देशों का एक लाभ नहीं है?

- (a) चुनाव करने की अनुमति देते हुए विद्यार्थी प्रेरणा को बढ़ाता है
- (b) दोहराव द्वारा सीखने को सुधारता है
- (c) विद्यालय आधारित निर्देश को वास्तविक जीवन से जोड़ता है
- (d) उपर्युक्त सभी

KVS-PRT Post Code 16/17, 29–10–2017

Ans : (b) परियोजना आधारित निर्देशों के निम्नलिखित लाभ हैं—

- (i) चुनाव करने की अनुमति देते हुए विद्यार्थी प्रेरणा को बढ़ाता है।
- (ii) विद्यालय आधारित निर्देश को वास्तविक जीवन से जोड़ता है।

जबकि दोहराव द्वारा सीखने को सुधारता है— यह परियोजना आधारित निर्देशों का लाभ नहीं है।

53. समूह परियोजन कार्य के विकास में सहायता करते हैं।

- (a) मजबूत अंतरा-समूह प्रतिस्पर्धा
- (b) प्राप्ति की वैयक्तिक संवेदना
- (c) सहयोग और समस्या सुलझाने का कौशल
- (d) उपर्युक्त सभी

KVS-PRT Post Code 16/17, 29–10–2017

Ans : (c) समूह परियोजन कार्य सहयोग और समस्या सुलझाने के कौशल के विकास में सहायता करते हैं। साथ ही विभिन्न सामूहिक योजनाएँ छात्रों में सामाजिकता की भावना का विकास करते हैं।

54. बच्चों को छनन क्रिया के बारे में बताने का सर्वश्रेष्ठ तरीका होगा

- (a) प्रक्रिया के बारे में बताते हुए व्याख्यान देना
- (b) कक्षा चर्चा करना
- (c) बोर्ड पर विस्तृत आरेख बनाना
- (d) प्रक्रिया का प्रदर्शन करना

KVS-PRT Post Code 16/17, 29–10–2017

Ans : (d) बच्चों को छनन क्रिया के बारे में बताने का सर्वश्रेष्ठ तरीका प्रक्रिया का प्रदर्शन करना होगा। साथ ही प्रदर्शन के साथ-साथ उसके बारे में बताने से अधिक अधिक प्रभावी होता है।

55. कौन-सा एक अच्छे व्याख्यान की विशेषता नहीं है?

- (a) चित्रों और उदाहरणों का प्रयोग
- (b) मौजूदा ज्ञान पर ही आगे बढ़ना
- (c) एक ही व्याख्यान में कई परिकल्पनाएँ बताना
- (d) अत्यधिक लंबा नहीं होना चाहिए

KVS-PRT Post Code 16/17, 29–10–2017

Ans : (c) एक अच्छे व्याख्यान की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं—

- (i) चित्रों और उदाहरणों का प्रयोग।
 - (ii) मौजूदा ज्ञान पर ही आगे बढ़ना।
 - (iii) व्याख्यान अत्यधिक लम्बा नहीं होना चाहिए।
 - (iv) व्याख्यान देते समय विषय से बाहर की बातें नहीं आनी चाहिए।
 - (v) व्याख्यान के मध्य अंतः प्रक्रिया अवश्य होनी चाहिए।
- एक ही व्याख्यान में कई परिकल्पनाएँ बताने पर व्याख्यान उलझाऊ और नीरस हो जाता है।

56. अनुमानी शिक्षण विधि के लिए कौन-सा सत्य नहीं है?

- (a) स्व-अनुभव द्वारा सीखना
- (b) शिक्षा के प्राथमिक स्तर पर उपयोगी
- (c) समस्या समाधान शामिल करता है
- (d) विद्यार्थी संपूर्ण पठन क्रिया के दौरान सक्रिय होते हैं

KVS-PRT Post Code 16/17, 29–10–2017

Ans : (b) अनुमानी शिक्षण विधि की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं—

- (i) स्व-अनुभव द्वारा सीखना।
 - (ii) समस्या समाधान शामिल करना है।
 - (iii) विद्यार्थी संपूर्ण पठन क्रिया के दौरान सक्रिय होते हैं।
- अनुमानी शिक्षण विधि प्राथमिक स्तर पर उपयोगी नहीं है।

57. शिक्षण की अनुमानी विधि (Heuristic Method)

- द्वारा विकसित की गई।
 (a) डेकर (b) आर्मस्ट्रांग
 (c) हर्बर्ट स्पेसर (d) मोनरो

KVS-PRT Post Code 16/17, 29–10–2017

Ans : (b) शिक्षण की अनुमानी विधि के जन्मदाता आर्मस्ट्रांग हैं। इस विधि के अनुसार बालकों को बताया न जाए, उनको जितना सम्भव हो खोजने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। इस विधि में विद्यार्थी को अपने निरीक्षण तथा प्रयोग से स्वयं खोजना होता है। अध्यापक विद्यार्थी को बहुत से क्रियाकलाप बताते हैं। फिर विद्यार्थी स्वयं प्रयोग करके निष्कर्ष निकालता है।

58. व्याख्यान विधि के कुछ अवगुण द्वारा दूर किए जा सकते हैं।

1. व्याख्यान की अवधि बढ़ाकर
 2. विषय को संगठित तरीके से प्रस्तुत करके
 3. दृश्य-श्रव्य उपादान प्रयोग करके
 4. विद्यार्थी अनुशासन सुनिश्चित करके
- (a) 1 और 2 (b) 2 और 3
 (c) 3 और 4 (d) 2, 3 और 4

KVS-PRT Post Code 16/17, 29–10–2017

Ans : (d) व्याख्यान विधि के कुछ अवगुण निम्नलिखित कार्यों द्वारा दूर किये जा सकते हैं—

1. विषय को संगठित तरीके से प्रस्तुत करके।
2. दृश्य-श्रव्य उपादान प्रयोग करके।
3. विद्यार्थी अनुशासन सुनिश्चित करके।

59. एक शिक्षक इस प्रकार का उत्तेजन दे सकता है, जिससे बालक नौसिखिया बन सकता है।

- (a) गुणी (b) सामाजिक
 (c) दिलचस्प (d) क्रियाशील

PRT-KVS Post Code 150/14, 19–10–2014

Ans : (d) एक शिक्षक इस प्रकार का उत्तेजन दे सकता है जिससे बालक क्रियाशील नौसिखिया बन सकता है। वर्तमान रचनात्मक कक्ष में शिक्षक ऐसे अधिगम परिस्थिति का निर्माण करता है जिसमें विद्यार्थी स्वयं सक्रिय होकर अधिगम अनुभव प्राप्त करता है। इसलिए वर्तमान में एक शिक्षक की भूमिका सुलभकर्ता या सुविधा प्रदाता की हो गयी है।

60. प्रणाली को उपयोग से सफल शिक्षण तरीके विकसित हुए हैं।

- (a) सादृश्यमूल (b) वैज्ञानिक
 (c) यथार्थ (d) तकनीकी

PRT-KVS Post Code 150/14, 19–10–2014

Ans : (b) वैज्ञानिक प्रणाली के उपयोग से सफल शिक्षण तरीके विकसित हुए हैं। वर्तमान में मनोवैज्ञानिक विधियों के प्रयोग से शिक्षण अधिक प्रभावी तथा विद्यार्थी केन्द्रित बन पायी है। अब शिक्षण की परम्परागत विधियों का स्थान रचनात्मकता ने ले लिया है जो अधिगम अनुभव प्राप्त करने को अधिक व्यवहारिक सहज व प्रभावी बनाता है।

61. समस्या समाधान विधि के जन्मदाता है—

- (a) कार्ल मार्क्स
 (b) सुकरात एवं सेन्ट थॉमरा
 (c) विलियम एडम
 (d) जॉन डी.वी.

NCERT PRT 30–07–2017

Ans : (b) समस्या-समाधान विधि के जन्मदाता सुकरात एवं सेन्ट थॉमरा को माना जाता है।

62. योजना विधि का पहला पद क्या है?

- (a) गतिविधियों का निर्धारण
 (b) उद्देश्यों का निर्धारण
 (c) गतिविधियों का आयोजन
 (d) कार्य वितरण

NCERT PRT 30–07–2017

Ans : (b) योजना विधि का पहला पद उद्देश्यों का निर्धारण करना होता है। पाठ योजना बनाते समय शिक्षक पाठ्य-वस्तु से प्राप्त होने वाले उद्देश्यों का निर्धारण करता है, तत्पश्चात् छात्रों के पूर्व अनुभवों या पूर्व ज्ञान की जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रस्तावनात्मक प्रश्नों का निर्माण करता है।

63. निम्न में से कौन-सा शिक्षण का मनोवैज्ञानिक सिद्धांत नहीं है?

- (a) सूक्ष्म से स्थूल की ओर
 (b) जटिल से सरल की ओर
 (c) ज्ञात से अज्ञात की ओर
 (d) सरल से कठिन की ओर

NCERT PRT 30–07–2017

Ans : (b) जटिल से सरल की ओर, शिक्षण का मनोवैज्ञानिक सिद्धांत नहीं है जबकि सूक्ष्म से स्थूल की ओर, ज्ञात से अज्ञात की ओर, सरल से कठिन की ओर, विशिष्ट से सामान्य की ओर, सम्पूर्ण से अंश की ओर, प्रत्यक्ष से अप्रत्यक्ष की ओर तथा विश्लेषण से संश्लेषण की ओर आदि शिक्षण के मनोवैज्ञानिक सिद्धांत हैं।

64. विशिष्ट से सामान्य की ओर किस विधि में बढ़ते हैं?

- (a) आगमन विधि में (b) निगमन विधि में
 (c) अभ्यास विधि में (d) विचार-विमर्श विधि में

NCERT PRT 30–07–2017

Ans : (a) आगमन विधि में—

- विशिष्ट से सामान्य की ओर,
- मूर्त से अमूर्त की ओर, तथा
- प्रत्यक्ष से अप्रत्यक्ष की ओर शिक्षण सूत्रों को अपनाया जाता है। आगमन विधि में अनेक विशिष्ट उदाहरणों के आधार पर सामान्यीकरण करने का प्रयास किया जाता है।

65. आपकी राय में छात्रों को प्रेरित करने के लिए सर्वोत्तम साधन क्या है?

- (a) दृश्य-श्रव्य सहायक सामग्री का प्रयोग
 (b) पाठ को सबसे रोचक बनाना
 (c) छात्रों का सहयोग करना
 (d) छात्रों के माता-पिता से नियमित रूप से मिलना

PRT KVS 04–10–2015

Ans : (b) छात्रों को प्रेरित करने के लिए सर्वोत्तम साधन किसी भी पाठ को सबसे रोचक बनाकर पढ़ाना है। जब अध्यापक पाठ को विभिन्न उदाहरणों, जो विद्यार्थी के जीवन से संबंधित होता है, के माध्यम से पढ़ता है तो विद्यार्थी उसमें रुचि लेते हैं और शिक्षण अधिगम प्रक्रिया प्रभावी होता है।

66. योजना पद्धति (Project Method) से विज्ञान पढ़ाई में प्रमुख कमियों में से एक है—

- (a) विभिन्न विषयों की संकलनाओं का सम्मिलित रूप हासिल किया जा सकता है
- (b) विद्यार्थियों को अतिरिक्त मानसिक और दैहिक काम करना पड़ता है
- (c) वह मनोवैज्ञानिक तरीका है
- (d) ज्ञान को क्रमिक तरीके से नहीं प्राप्त किया जाता

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31–08–2014

Ans : (b) योजना पद्धति से विज्ञान पढ़ाई में प्रमुख कमियों में से एक यह है कि इस विधि में विषयवस्तु की क्रमबद्धता का अभाव रहता है और इसके लिए अधिक संसाधनों की आवश्यकता होती है। इसलिए विद्यार्थी को अतिरिक्त मानसिक और दैहिक काम करना पड़ता है।

67. प्ले–वे विधि के प्रवर्तक हैं—

- (a) फ्रोबेल
- (b) डाल्टन
- (c) सिगमंड
- (d) मॉटेसरी

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31–08–2014

Ans : (a) प्ले–वे विधि के प्रवर्तक फ्रेडरिक फ्रोबेल हैं। फ्रेडरिक विलियम फ्रोबेल जर्मनी के प्रसिद्ध शिक्षाशास्त्री थे। वे पेस्टालॉजी के शिष्य थे। उन्होंने किंडर गार्टन की संकलना दी तथा शैक्षणिक खिलौनों का विकास किया, जिन्हें फ्रोबेल उपहार के नाम से जाना जाता है।

68. बाल विहार (Kindergarten) शिक्षण पद्धति इनकी देन है—

- (a) टी.पी. नन्ना
- (b) स्पेन्सर
- (c) फ्रोबेल
- (d) मॉटेसरी

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31–08–2014

Ans : (c) बाल विहार (kindergarten) शिक्षण पद्धति की संकलना फ्रेडरिक फ्रोबेल द्वारा दी गयी थी। किंडरगार्टन एक कक्षागत कार्यक्रम है जिसमें तीन से सात वर्ष के बालकों को सम्मिलित किया जाता है।

69. एक विज्ञान शिक्षक को अपनी कक्षा में ‘फसल उत्पादन’ पढ़ाना है। इस प्रकरण को पढ़ाने की सबसे संप्रयुक्त विधि है—

- (a) फसल उत्पादन के विभिन्न चरणों से सम्बन्धित चार्ट दिखाना।
- (b) पाठ्यपुस्तक में से पाठ पढ़ाना।
- (c) कक्षा में सम्बन्धित क्रियाएँ करवाकर।
- (d) अपने आस-पास के खेत या नर्सरी में जाकर तथा वहाँ फसल उत्पादन के विभिन्न चरणों से सम्बन्धित सूचना एकत्र कर उसका एक आलेख तैयार करवाकर।

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (d) यदि किसी विज्ञान शिक्षक को अपनी कक्षा में ‘फसल उत्पादन’ पढ़ाना हो, तो इसके लिए सबसे उत्तम विधि प्रायोजना विधि हो सकती है। प्रायोजना विधि के अंतर्गत अपने आस-पास के खेत या नर्सरी में जाकर तथा वहाँ फसल उत्पादन के विभिन्न चरणों से सम्बन्धित सूचना एकत्र कर उसका एक आलेख तैयार करवाकर उनके अधिगम को साकार किया जा सकता है।

70. प्राथमिक स्तर पर अंकगणित पढ़ाने की सबसे उपयुक्त

शिक्षण विधि—

- | | |
|-------------------|-------------------|
| (a) खेल विधि | (b) समीकरण विधि |
| (c) प्रदर्शन विधि | (d) संश्लेषण विधि |

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (a) प्राथमिक स्तर पर अंकगणित पढ़ाने की सबसे उपयुक्त शिक्षण विधि खेल विधि है। खेल विधि के माध्यम से पढ़ाने से विद्यार्थियों का ज्ञान अधिक स्थायी होता है, क्योंकि यह प्रयोगिक तरीके से सम्पन्न कराई जाती है। इस पद्धति में बालक को थकान महसूस नहीं होती है। इस विधि से गणना करना, जोड़, बाकी करना आदि सिखाया जा सकता है।

71. एक अध्यापिका ने क्षेत्रमिति पढ़ाना प्रारम्भ करते समय सबसे पहले सभी सूत्र श्यामपट्ट पर लिख दिए। इससे पता लगता है कि वह अनुसरण कर रही है—

- (a) आगमन उपागम का
- (b) निगमन उपागम का
- (c) प्रायोगिक उपागम का
- (d) व्यवहारिक उपागम का

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (b) यदि अध्यापिका ने क्षेत्रमिति पढ़ाना प्रारम्भ करते समय सबसे पहले सभी सूत्र श्यामपट्ट पर लिख दिये हैं तो इससे पता लगता है कि वह निगमन उपागम का अनुसरण कर रही है। निगमन उपागम में ‘सामान्यीकरण से विशिष्ट की ओर’ तथा ‘सूक्ष्म से स्थूल की ओर’ शिक्षण सूत्रों का प्रयोग किया जाता है। इस उपागम में पहले नियम बताये जाते हैं फिर उससे संबंधित उदाहरणों को प्रस्तुत किया जाता है। इस उपागम का प्रयोग सामान्यतः ऊँची कक्षाओं के लिए किया जाता है।

72. ह्यूरिस्टिक विधि के जन्मदाता हैं—

- (a) आर्मस्ट्रांग
- (b) किलपेट्रिक
- (c) यूलर
- (d) फ्रॉबेल

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (a) ह्यूरिस्टिक विधि के जन्मदाता प्रो. एच.ई. आर्मस्ट्रांग माने जाते हैं। इन्होंने विज्ञान के विषयों में शिक्षण देने के लिए ह्यूरिस्टिक पद्धति का प्रयोग किया। उन्होंने ह्यूरिस्टिक विधि को परिभाषित करते हुए कहा— “बालकों को जितना कम से कम सम्भव हो उतना बताया जाय और जितना अधिक से अधिक सम्भव हो उतना खोजने के लिए प्रोत्साहित किया जाये।”

73. आगमन विधि में प्रयुक्त होने वाला शिक्षण सूत्र है—

- (a) अज्ञात से ज्ञात की ओर
- (b) अमूर्त से मूर्त की ओर
- (c) सामान्य से विशिष्ट की ओर
- (d) ज्ञात से अज्ञात की ओर

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (d) आगमन विधि में प्रयुक्त होने वाला शिक्षण सूत्र है- ज्ञात से अज्ञात की ओर, मूर्त से अमूर्त की ओर, विशिष्ट से सामान्य की ओर। आगमन विधि के द्वारा किसी समस्या को हल करने के लिए पहले से ज्ञात तथ्यों या नियमों का सहारा नहीं लिया जाता है बल्कि विद्यार्थियों को कुछ उदाहरण प्रस्तुत किये जाते हैं, जिससे वह अपनी सूझ-बूझ तथा तर्क शक्ति का प्रयोग करते हुए इन उदाहरणों का मूर्त तथ्यों का सामान्यीकरण करते हुए किसी नियम या सिद्धांत तक पहुँचते हैं।

74. सामाजिक विज्ञान शिक्षण की प्राचीन विधि है-

- (a) निरीक्षण समाधान विधि
- (b) निरीक्षण विधि
- (c) व्याख्यान विधि
- (d) प्रायोगिक विधि

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) सामाजिक विज्ञान शिक्षण की प्राचीन विधि व्याख्यान विधि है। जेम्स एम.ली. के अनुसार व्याख्यान एक शिक्षण शास्त्रीय विधि है जिसमें शिक्षक औपचारिक रूप से तथा नियोजित रूप से किसी विषय या समस्या पर भाषण देता है तथा सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनते हैं। यह शिक्षक केन्द्रित शिक्षण विधि है जिसमें छात्र निष्क्रिय श्रोता मात्र होते हैं।

75. सामाजिक अध्ययन विषय की एक अध्यापिका कक्षा आठ के विद्यार्थियों को 'मतदान प्रक्रिया' के बारे में पढ़ाना चाहती हैं। सबसे उपयुक्त विधि, जिसका उपयोग किया जाना चाहिए-

- (a) आगमन-निगमन विधि
- (b) पाठ्य-पुस्तक विधि
- (c) प्रायोजना विधि
- (d) डाल्टन विधि

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) यदि सामाजिक अध्ययन विषय की एक अध्यापिका कक्षा आठ के विद्यार्थियों को 'मतदान प्रक्रिया' के बारे में पढ़ाना चाहती है तो सबसे उपयुक्त विधि प्रायोजना विधि होगी। प्रायोजना विधि के माध्यम से वह बच्चों को मतदान करने, मतदान में प्रयुक्त सामग्री, मतदान के कार्यकलापों आदि वास्तविक परिस्थिति में सक्रिय सहभागिता के माध्यम से सिखा सकती है।

76. प्राथमिक स्तर पर इतिहास पढ़ाने की सबसे महत्वपूर्ण व प्रभावी शिक्षण विधि है-

- (a) कहानी कथन विधि
- (b) व्याख्यान विधि
- (c) परिचर्चा विधि
- (d) प्रश्नोत्तर विधि

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (a) प्राथमिक स्तर पर इतिहास पढ़ाने की सबसे महत्वपूर्ण व प्रभावी शिक्षण विधि कहानी कथन विधि है। कहानी के द्वारा बालक की न केवल कल्पना शक्ति का विकास होता है वरन् वे गम्भीर से गम्भीर विचारों व समस्याओं को रोचक तरीके से सहजता से समझ लेते हैं। कहानी से विषय-वस्तु बोधगम्य हो जाती है। उच्च कक्षाओं में भी इसका प्रयोग सम्भव हो सकता है।

77. एक अध्यापिका कक्षा में 'रामायण' पढ़ाना चाहती है। उसके द्वारा अपनाई जाने वाली विधि होनी चाहिए-

- (a) ह्यूरिस्टिक विधि
- (b) क्षेत्र-भूषण विधि
- (c) कहानी विधि
- (d) व्याख्यान विधि

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) यदि कोई अध्यापिका कक्षा में 'रामायण' पढ़ाना चाहती है तो उसके द्वारा अपनायी जाने वाली सर्वाधिक उचित विधि होगी- कहानी विधि। कहानी विधि में किसी विषय-वस्तु को कहानी के माध्यम से पढ़ाया जाता है तथा बच्चों को सक्रिय रखने के लिए बीच-बीच में प्रश्न पूछा जाता है। चूंकि रामायण से सम्बन्धित पात्रों के बारे में सभी छात्र कुछ न कुछ अवश्य जानते रहते हैं इसलिए रामायण को कहानी के माध्यम से पढ़ाया जा सकता है।

78. प्रायोजना विधि (Project method) के जन्मदाता हैं-

- | | |
|------------------|------------------|
| (a) आर्मस्ट्रांग | (b) सिम्पसन |
| (c) किलपैट्रिक | (d) बी.एस. ब्लूम |

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) प्रायोजना विधि के जन्मदाता डब्ल्यू.एस. किलपैट्रिक माने जाते हैं जबकि अन्वेषण विधि के जन्मदाता प्रो. एच.ई. आर्मस्ट्रांग माने जाते हैं। प्रायोजना विधि को परिभाषित करते हुए किलपैट्रिक ने कहा है- "प्रायोजना एक सहदय, सोदेश्य कार्यविधि है जो पूर्णतः मन लगाकर लगन के साथ सामाजिक वातावरण में पूर्ण की जाती है।"

79. एक अध्यापक को कक्षा सात में 'पुष्प की संरचना' (Structure of Flower) पढ़ाना है। सबसे उपयुक्त विधि, जो कि एक विज्ञान के अध्यापक को इस प्रकारण को पढ़ाने के लिए अपनानी चाहिए-

- (a) व्याख्यान विधि
- (b) समस्या समाधान विधि
- (c) प्रदर्शन विधि
- (d) मूल्यांकन उपागम विधि

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) यदि अध्यापक को कक्षा सात में पुष्प की संरचना पढ़ाना है, तो सबसे उपयुक्त विधि, जो कि एक विज्ञान के अध्यापक को इस प्रकारण को पढ़ाने के लिए अपनानी चाहिए वह है प्रदर्शन विधि क्योंकि प्रदर्शन विधि में शिक्षक विद्यार्थियों के समक्ष प्रयोग का प्रदर्शन करता है और सम्बन्धित तथ्यों की व्याख्या भी करता है। शिक्षक प्रयोग से सम्बन्धित प्रश्न भी पूछता रहता है एवं आवश्यकतानुसार विद्यार्थियों से प्रदर्शन कार्य में सहयोग भी लेता रहता है जिससे विद्यार्थी कक्षा में सक्रिय बने रहते हैं।

80. "गति का तृतीय नियम" पढ़ाने के लिए सबसे उपयुक्त विधि है-

- (a) निगमन विधि
- (b) प्रदर्शन विधि
- (c) व्याख्यान विधि
- (d) आगमन विधि

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (d) 'गति का नियम' पढ़ाने के लिए सबसे उपयुक्त विधि आगमन विधि है। आगमन विधि में विद्यार्थियों के सामने कुछ उदाहरण प्रस्तुत किये जाते हैं, जिससे वह अपनी सूझबूझ तथा तर्कशक्ति का प्रयोग करते हुए इन उदाहरणों के मूर्त तथ्यों का सामान्यीकरण करते हुए किसी नियम या सिद्धांत तक पहुँचते हैं। इस प्रकार यह विधि पर्याप्त संख्या में स्थूल उदाहरणों से कोई फार्मूला, नियम या सिद्धांत निकालने की विधि है।

81. उच्च प्राथमिक स्तर पर बीजगणित (Algebra) की सबसे उपयुक्त शिक्षण विधि है-

- (a) प्रायोगिक विधि
- (b) आगमन विधि
- (c) समीकरण विधि
- (d) खेल विधि

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) उच्च प्राथमिक स्तर पर बीजगणित का सबसे उपयुक्त शिक्षण विधि समीकरण विधि है। बीजगणित से विद्यार्थियों का प्रथम परिचय उच्च प्राथमिक स्तर पर ही कराया जाता है। इस स्तर पर विद्यार्थीगण संख्या बोध से संख्या पैटर्न की ओर चलते हुए, संख्याओं में परस्पर सम्बन्ध को समझते हुए और सामान्यीकरण को महसूस करते हुए, बीजगणितीय सर्वसमिकाओं से परिचय की ओर अग्रसर होते हैं। बीजगणित के अध्ययन से विद्यार्थियों को गणित की अमूर्त प्रकृति के बारे में जानकारी मिलती है।

82. समस्या समाधान विधि के जन्मदाता हैं-

- (a) जॉन डी.वी.
- (b) कार्ल मार्क्स
- (c) विलियम एडम
- (d) सुकरात एवं सेन्ट थॉमस

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (d) समस्या—समाधान विधि के जन्मदाता सुकरात एवं सेन्ट थॉमस माने जाते हैं। इस विधि में किसी भी शैक्षिक समस्या को पहचान कर व्यवस्थित रूप से विभिन्न कौशलों का उपयोग करते हुए उसका समाधान प्राप्त किया जा सकता है। इसके चार प्रमुख चरण हैं—

- (i) समस्या को समझना
- (ii) विभिन्न समस्याओं को पहचानना
- (iii) सूचनाओं का एकीकरण, परीक्षण एवं सत्यापन
- (iv) विश्लेषण एवं निष्कर्ष निकालना

83. शिक्षण विधि, जो कि उच्च प्राथमिक कक्षाओं में विज्ञान पढ़ाने के लिए उपयुक्त नहीं है—

- (a) प्रदर्शन विधि
- (b) क्रिया आधारित विधि
- (c) व्याख्यान विधि
- (d) आगमन विधि

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) शिक्षण की व्याख्यान विधि उच्च प्राथमिक कक्षाओं में विज्ञान पढ़ाने के लिए उपयुक्त नहीं मानी जाती है, क्योंकि इस विधि में शिक्षक समस्त विषय-वस्तु को कक्षा में स्वयं ही संप्रेषित करता है। विद्यार्थी केवल श्रोता मात्र ही होते हैं। इस विधि में विद्यार्थी को तर्क एवं चिंतन का अवसर नहीं मिल पाता है। साथ ही यह बालकेन्द्रित सिद्धांत के विपरीत भी होता है।

84. छात्रों को शैक्षिक-भ्रमण के लिए ले जाते हैं, इसलिए कि—

- (a) अध्ययन बोझ के रूप में नहीं समझा जाये
- (b) छात्रों के माता-पिता को संतुष्ट किया जाता है
- (c) छात्र इससे ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं
- (d) छात्र आनन्द ले सकते हैं

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (c) छात्रों को शैक्षिक-भ्रमण के लिए ले जाते हैं, इसलिए कि छात्र इससे प्रत्यक्ष, मूर्त व व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त करना विद्यार्थियों के लिए सदैव सजीव, आकर्षक तथा यथार्थ होता है। प्रत्यक्ष अनुभवों द्वारा अर्जित ज्ञान न केवल स्थायी होता है वरन् कल्पना के विकास में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करता है।

85. “किन्डर गार्टन” पद का अर्थ है—

- | | |
|---------------------|-------------------------|
| (a) बच्चों का | (b) बच्चों का घर |
| (c) बच्चों का स्कूल | (d) बच्चों का खेल मैदान |

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (c) ‘किन्डर गार्टन’ पद का अर्थ है बच्चों का स्कूल। किन्डर गार्टन पद का प्रतिपादन फ्रेडरिक फ्रोबेल ने किया था। किन्डर गार्टन का शाब्दिक अर्थ है ‘बच्चों का बगीचा’। फ्रोबेल ने बालक को पौधा, स्कूल को बाग तथा शिक्षक को माली की संज्ञा देते हुए कहा है कि विद्यालय एक बाग है, जिसमें बालक रूपी पौधा शिक्षक रूपी माली की देखरेख में अपने आंतरिक नियमों के अनुसार स्वाभाविक रूप से विकसित होता रहता है। माली की भाँति शिक्षक का कार्य अनुकूल वातावरण प्रस्तुत करना है, जिससे बालक का स्वभाविक विकास हो सके।

86. सार्थक अध्यापन में शामिल है कि—

- (a) अध्यापक क्रियाशील है परंतु विद्यार्थी क्रियाशील हो या न हो
- (b) अध्यापक क्रियाशील हो या न हो परंतु विद्यार्थी क्रियाशील है
- (c) अध्यापक क्रियाशील है और विद्यार्थी क्रियाशील है
- (d) उपरोक्त सभी परिस्थिति

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (c) सार्थक अध्यापन में अध्यापक और विद्यार्थी दोनों क्रियाशील होते हैं। शिक्षण की क्रियाशीलता का सिद्धांत इस बात पर जोर देता है कि सीखने के लिए शिक्षक तथा विद्यार्थी दोनों को क्रियाशील होना आवश्यक है। वस्तुतः यदि शिक्षण व अध्ययन के समय शिक्षक व विद्यार्थी क्रियाशील नहीं होते हैं तो शिक्षण अधिगम के उद्देश्य समुचित ढंग से प्राप्त नहीं हो पाते हैं।

87. निर्देशात्मक वार्तालाप का अर्थ है—

- (a) पाठ्यक्रम में भाषा का विकास
- (b) बातचीत के माध्यम से अध्यापन
- (c) जटिल विचारों का अध्यापन
- (d) छात्रों के जीवन से स्कूल को जोड़ना

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (b) निर्देशात्मक वार्तालाप का अर्थ है बातचीत के माध्यम से अध्यापन। निर्देशात्मक वार्तालाप में अध्यापक ही सम्पूर्ण प्रक्रिया का निर्णायक होता है, वह गतिविधि को अपने अनुसार निर्देशित करता है। इसे कभी-कभी आदेशात्मक वार्तालाप भी कहते हैं।

88. एक शिक्षिका अपने शिक्षण में श्रव्य-दृश्य सामग्री तथा शारीरिक गतिविधियों का उपयोग करती है, क्योंकि उनसे—

- (a) प्रभावपूर्ण आकलन सुगम होता है
- (b) शिक्षार्थियों को विराम मिलता है
- (c) अधिगम बढ़ाने के लिए अधिकतम इन्द्रियों का उपयोग होता है
- (d) शिक्षक को राहत मिलती है

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (c) एक शिक्षिका अपने शिक्षण में श्रव्य-दृश्य सामग्री तथा शारीरिक गतिविधियों का उपयोग करती है, क्योंकि उनसे अधिगम बढ़ाने के लिए अधिकतम इन्ड्रियों का उपयोग होता है। शिक्षा में ज्ञानेन्द्रियों पर आधारित ज्ञान ज्यादा स्थायी माना गया है। श्रव्य-दृश्य सामग्री में भी ज्ञानेन्द्रियों द्वारा शिक्षा पर विशेष बल दिया जाता है। इसीलिए मैकोन तथा राबर्ट्स ने श्रव्य-दृश्य सामग्री के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा है— “शिक्षक श्रव्य-दृश्य सामग्री के द्वारा छात्रों की एक से अधिक इन्ड्रियों को प्रभावित करके पाठ्य-वस्तु को सरल, रुचिकर तथा प्रभावशाली बनाते हैं।

89. शिक्षार्थियों को प्रोत्साहित नहीं करना चाहिए-

- (a) कक्षा के अन्दर और बाहर यथासंभव अनेक प्रश्न पूछने के लिए
- (b) समूह कार्य में अन्य शिक्षार्थियों के साथ सक्रिय परस्पर संवाद करने के लिए
- (c) यथासंभव अनेक सहपाठ्यगामी गतिविधियों में भाग लेने के लिए
- (d) शिक्षक द्वारा पूछे जा सकने वाले सभी प्रश्नों के उत्तर याद करने के लिए

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (d) शिक्षार्थियों को निम्न कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए—

- कक्षा के अंदर और बाहर यथासंभव अनेक प्रश्न पूछने के लिए।
- समूह कार्य में अन्य शिक्षार्थियों के साथ सक्रिय परस्पर संवाद करने के लिए
- यथासंभव अनेक सहपाठ्यगामी गतिविधियों में भाग लेने के लिए
- विभिन्न मुद्दों पर सृजनात्मक चिंतन करने के लिए

अतः शिक्षार्थियों को शिक्षक द्वारा पूछे जा सकने वाले सभी प्रश्नों के उत्तर याद करने के लिए प्रोत्साहित नहीं करना चाहिए क्योंकि यह बच्चों की रचनात्मकता को नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। शिक्षण के रचनावादी उपागम में शिक्षार्थी को सक्रिय अन्वेषक माना जाता है न कि उन्हें ज्ञान ग्रहणकर्ता या स्मरणकर्ता के रूप में।

90. एक समूह परिस्थिति में एक विद्यार्थी का कार्य-

- | | |
|-------------------|-----------------------|
| (a) दूषित होता है | (b) वही रहता है |
| (c) उन्नत होता है | (d) इनमें से कोई नहीं |

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (c) एक समूह परिस्थिति में एक विद्यार्थी का कार्य उन्नत होता है। समूह में विद्यार्थी का सामाजिक विकास बेहतर होता है तथा उनमें सहयोग, सद्भावना, दया जैसे गुणों का विकास होता है। साथ सकारात्मक प्रतिस्पर्द्धा की भावना से प्रेरित होकर विद्यार्थी अच्छा प्रदर्शन करने का प्रयास करता है।

91. निम्न कक्षाओं में शिक्षण की खेल-विधि पद्धति आधारित है?

- (a) शारीरिक शिक्षा कार्यक्रम के सिद्धांत पर
- (b) शिक्षण पद्धति के सिद्धांतों पर
- (c) शिक्षण पद्धति के सिद्धांतों पर
- (d) विकास के समाजशास्त्रीय सिद्धांतों पर

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (c) निम्न कक्षाओं में शिक्षण की खेल विधि निम्नलिखित सिद्धांतों पर आधारित है—

- अंतःशक्तियों का अभिव्यक्तिकरण का सिद्धांत
- नैसर्गिक स्वभाव का सिद्धांत
- पूर्ण स्वतंत्रता का सिद्धांत
- वृद्धि और विकास के मनोवैज्ञानिक सिद्धांत
- क्रियाकलाप का सिद्धांत
- इच्छापूर्ति का सिद्धांत
- आनन्द का सिद्धांत
- सृजनात्मक का सिद्धांत
- जिम्मेदारी का सिद्धांत

92. शिक्षार्थी वैयक्तिक भिन्नता प्रदर्शित करते हैं। अतः

शिक्षक को—

- (a) कठोर अनुशासन सुनिश्चित करना चाहिए
- (b) परीक्षाओं की संख्या बढ़ा देनी चाहिए
- (c) अधिगम की एकसमान गति पर बल देना चाहिए
- (d) सीखने के विविध अनुभवों को उपलब्ध कराना चाहिए

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (d) शिक्षार्थी वैयक्तिक भिन्नता प्रदर्शित करते हैं। अतः शिक्षक को सीखने के विविध अनुभवों को उपलब्ध कराना चाहिए ताकि शिक्षार्थी अपनी योग्यता व क्षमता के अनुसार अधिगम अनुभव प्राप्त कर सके।

93. जब बच्चा कार्य करते हुए ऊबने लगता है, तो यह इस बात का संकेत है कि

- (a) बच्चा बुद्धिमान नहीं है
- (b) बच्चे में सीखने की योग्यता नहीं है
- (c) बच्चे को अनुशासित करने की जरूरत है
- (d) संभवतः कार्य यांत्रिक रूप से बार-बार हो रहा है

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (d) जब बच्चा कार्य करते हुए ऊबने लगता है, तो यह इस बात का संकेत है कि संभवतः कार्य यांत्रिक रूप से बार-बार हो रहा है। ऐसी परिस्थिति में शिक्षक को चाहिए कि या तो शिक्षण विधि बदल दे या शिक्षण को रोचक बनाने के लिए शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के बीच में थोड़ा आराम दे।

94. शिक्षण—अधिगम प्रक्रिया में व्यक्तिगत रूप से ध्यान देना महत्वपूर्ण है, क्योंकि

- (a) शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में ऐसा ही बताया गया है
- (b) इससे प्रत्येक शिक्षार्थी को अनुशासित करने के लिए शिक्षकों को बेहतर अवसर मिलते हैं
- (c) बच्चों की विकास दर भिन्न होती है और वे भिन्न तरीकों से सीख सकते हैं
- (d) शिक्षार्थी हमेशा समूहों में ही बेहतर सीखते हैं

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (c) शिक्षण—अधिगम प्रक्रिया में व्यक्तिगत रूप से ध्यान देना महत्वपूर्ण है, क्योंकि बच्चों की विकास दर भिन्न होती है और वे भिन्न तरीकों से सीख सकते हैं। इसलिए एक शिक्षक को बाल-विकास के मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों एवं वैयक्तिक भिन्नता का पूर्ण ज्ञान होना आवश्यक होता है।

95. शिक्षिका ने कक्षा V में समाचार-पत्र वितरित करके छात्रों से सबसे बाद के मैच में भारतीय टीम के खिलाड़ियों के क्रिकेट के स्कोर को पढ़ने के लिए कहा। इसके पश्चात उसने छात्रों से इन स्कोरों का दण्ड ग्राफ खींचने के लिए कहा। वह शिक्षिका प्रयास कर रही थी-

- (a) परियोजना उपागमन द्वारा छात्रों को शिक्षा देने की
- (b) कक्षा को आनन्दमय एवं अभियुक्तशील बनाने की
- (c) छात्रों की तार्किक क्षमता में वृद्धि करने की
- (d) छात्रों की, वास्तविक जीवन और गणितीय संकल्पनाओं के बीच सम्बन्ध जानने में, सहायता करने की

DSSSB TGT 2016

Ans : (a) उपर्युक्त प्रश्न में शिक्षिका परियोजना उपागम द्वारा छात्रों को शिक्षा देने का प्रयास कर रही थी। परियोजना उपागम में छात्रों के जीवन से संबंधित समस्याओं को वास्तविक रूप में प्रस्तुत किया जाता है। ये समस्या समाधान की योजना बनाते हैं, अनेक सूचनाएँ एकत्रित करते हैं तथा स्वयं विषय-वस्तु का अध्ययन करके उसका समाधान करते हैं। शिक्षक केवल निर्देशन का कार्य करता है।

96. निम्नलिखित में से कौन-सा आप अपनी कक्षा में समवयस्क (peer) अधिगम के लिए अनुशंसित करेंगे?

- (a) शोध प्रयोगशालाओं में भ्रमण
- (b) नाटक
- (c) कंप्यूटर सहयोगी अधिगम
- (d) केवल रोजमर्रा की गतिविधियों में भागीदारिता

DSSSB TGT 2016

Ans : (b) एक शिक्षक को समवयस्क अधिगम के लिए नाटक को अनुशंसित करना चाहिए। समवयस्क अधिगम में छात्र एक दूसरे से क्रियाओं, अनुभवों और अंतक्रिया के द्वारा सीखते हैं। समवयस्क अधिगम के लिए नाटक बेहतर इसलिए होगा क्योंकि इससे कम से कम तीन उद्देश्यों की प्राप्ति हो सकती है-

- (i) शैक्षिक उपलब्धि हेतु
 - (ii) विभिन्नता की स्वीकृति हेतु
 - (iii) सामाजिक कौशल का विकास हेतु
- ये तीनों उद्देश्य समवयस्क अधिगम के प्रमुख लक्ष्य हैं।

3. सूक्ष्म शिक्षण एवं शिक्षण के आधारभूत कौशल

97. सूक्ष्म शिक्षण से अभिप्राय है-

- (a) अवधारणाओं तथा सिद्धांतों का विस्तृत विवरण देना
- (b) विभिन्न अध्यापन कौशलों का पृथक रूप में अभ्यास करना
- (c) विषय की सूक्ष्म अवधारणाओं को समझाना
- (d) सूक्ष्म स्तर पर अध्यापन करना

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (b) सूक्ष्म शिक्षण से अभिप्राय है - विभिन्न अध्यापन कौशलों का पृथक रूप में अभ्यास करना।

डी.डब्लू.एलन के अनुसार, "यह शिक्षण का लघुरूप होता है इसमें कक्षा का आकार तथा समय भी कम होता है।"

सूक्ष्म शिक्षण एक वर्तमान तथा नवीन खोज है। यह शिक्षक तथा अध्यापकों के व्यवहार परिवर्तन की एक महत्वपूर्ण प्रविधि है। इसमें कक्षा के छोटे आकार को पढ़ाया जाता है, समय, प्रकरण तथा कौशल का रूप भी छोटा कर लिया जाता है।

98. सूक्ष्म शिक्षण की खोज द्वारा की गई है।

- (a) लियो लॉ
- (b) रीड हेस्टिंग्स
- (c) स्टीव सॅप्सन
- (d) ड्वाइट एलन

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (d) सूक्ष्म शिक्षण की खोज ड्वाइट एलन ने स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय अमेरिका में किया। एलन के अनुसार - "सूक्ष्म शिक्षण कक्षा आकार, पाठ की विषयवस्तु, समय तथा शिक्षण की जटिलता को कम करने वाली संक्षिप्तीकृत कक्षा-शिक्षण विधि है।"

99. विद्यार्थियों को नियमित गृहकार्य देने का सबसे बड़ा लाभ क्या है?

- (a) विद्यार्थियों को व्यस्त रखना और शरारतों से दूर रखना
- (b) विद्यार्थियों में स्वाध्ययन की आदत डालना
- (c) अभिभावकों को ज्ञात रहता है कि बच्चा क्या अध्ययन कर रहा है
- (d) शिक्षकों के कार्य का बोझ कम हो जाता है

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (b) विद्यार्थियों को नियमित गृहकार्य देने का सबसे बड़ा लाभ विद्यार्थियों में स्वाध्ययन की आदत डालना है। गृहकार्य का दूसरा लाभ यह है कि बच्चे स्वतंत्र बातावरण में सीखने के लिए प्रेरित होते हैं।

100. स्कूल में दिन के आरम्भ में निम्न में से कौन-सी गतिविधि करना - न्यूनतम उपयुक्त है।

- (a) प्रश्नोत्तरी
- (b) एकत्र होना
- (c) गृहकार्य देना
- (d) शारीरिक प्रशिक्षण

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (c) स्कूल में दिन के आरम्भ में गृहकार्य देना न्यूनतम उपयुक्त होगा। गृहकार्य कक्षा के अंत में दिया जाता है जब कक्षा-शिक्षण में बच्चे अधिगम अनुभव प्राप्त कर लेते हैं। दिन में आरम्भ में गृहकार्य देने से बच्चे गृह कार्य को स्कूल में ही करने का प्रयास करने लगते हैं, जिससे गृहकार्य देने के मुख्य उद्देश्यों की प्राप्ति नहीं हो पाती है।

101. ब्लैकबोर्ड पर लिखते समय क्या अत्यधिक महत्वपूर्ण है?

- (a) अच्छी लिखाई
- (b) लिखने में स्पष्टता
- (c) बड़े अक्षरों में लिखना
- (d) छोटे अक्षरों में लिखना

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (a) ब्लैकबोर्ड पर स्वच्छ, सुन्दर एवं स्पष्ट लेखन के लिए निम्न बातों पर ध्यान देना चाहिए-

- श्यामपट्ट पर लिखे गये शब्द वाक्य सीधी रेखा में होना चाहिए।
- दो पक्कियों के बीच समान अंतर होना चाहिए।
- लिखावट में ओवर राइटिंग नहीं होना चाहिए।
- श्यामपट्ट पर उतनी ही बातें रहनी चाहिए, जो छात्रों का ध्यान विषय वस्तु पर केन्द्रित करने के लिए आवश्यक हों।
- लिखावट का प्रत्येक अक्षर अलग एवं स्पष्ट होना चाहिए।

102. विद्यार्थियों को गृह काम देने का यह फायदा है-

- (a) वे घर में व्यस्त रहते हैं
- (b) घर में पढ़ाई करते हैं
- (c) उनकी प्रगति घरवाने जाँच सके
- (d) स्व-अध्ययन की आदत डाल सके

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (d) विद्यार्थियों को गृहकार्य इसलिए दिया जाता है ताकि वे स्वतंत्र वातावरण में अध्ययन के अभ्यस्त हो सके तथा स्वतंत्र वातावरण में रचनात्मकता का विकास किया जा सके।

103. पाठ योजना का निम्न में से कौन-सा केन्द्र बिन्दु है?

- (a) प्रिंसिपल
- (b) शिक्षक
- (c) विद्यार्थी
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (c) पाठ योजना का केन्द्रबिन्दु विद्यार्थी होता है। अध्यापक पाठ योजना का निर्माण करते समय विद्यार्थियों की योग्यता, उनका बौद्धिक स्तर, उनके पूर्व ज्ञान, उनकी क्षमता आदि को ध्यान में रखता है। यदि पाठ योजना विद्यार्थी केन्द्रित नहीं होता है तो निर्धारित उद्देश्यों की प्राप्ति नहीं हो पाती है।

104. जवान बच्चों का एक समूह क्लास में ध्यान नहीं दे रहा है। उनका ध्यान वापस लाने के लिए निम्न में से कौन-सी नीति अधिक उपयुक्त रहेगी।

- (a) अल्पकालीन शारीरिक गतिविधि
- (b) उस घण्टे को स्थगित किया जाये
- (c) बच्चों को ध्यान देने के लिए कहना चाहिए
- (d) पूरी क्लास को खेलने भेजना चाहिए

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (a) यदि जवान बच्चों का एक समूह कक्षा में ध्यान नहीं दे रहा है, तो उनका ध्यान वापस लाने के लिए अल्पकालीन शारीरिक गतिविधि का आयोजन करना चाहिए, जिसमें सभी बच्चे शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से सक्रिय रहें। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों का कक्षा में ध्यान लाने के लिए शिक्षण विधि में भी परिवर्तन करके विषय-वस्तु को रोचक ढंग से प्रस्तुत किया जा सकता है।

105. शिक्षक क्लास में इसलिए प्रश्न पूछता है-

- (a) विद्यार्थियों को व्यस्त रखने के लिए
- (b) अनुशासन बनाये रखने के लिए
- (c) विद्यार्थियों का ध्यान आकर्षित करने के लिए
- (d) अध्यापक के लिए

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (c) शिक्षक क्लास में इसलिए प्रश्न पूछता है ताकि विद्यार्थियों का ध्यान आकर्षित किया जा सके। कक्षा में प्रश्न पूछने के कई उद्देश्य होते हैं, जैसे विद्यार्थियों को अधिगम हेतु प्रेरित करने के लिए, कक्षा में अनुशासन बनाये रखने के लिए, विद्यार्थियों के ज्ञान को जागृत करने के लिए, विद्यार्थियों का ध्यान आकर्षित करने के लिए, विद्यार्थियों को कक्षा में सक्रिय रखने के लिए आदि।

106. विद्यार्थियों की क्लास में दिलचस्पी बनाये रखने के लिए शिक्षक को-

- (a) ब्लैकबोर्ड का उपयोग करना चाहिए
- (b) परिचर्चा करनी चाहिए
- (c) कहानियाँ सुनाना चाहिए
- (d) प्रश्न पूछने चाहिए

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (d) विद्यार्थियों की क्लास में दिलचस्पी बनाये रखने के लिए शिक्षक को प्रश्न पूछने चाहिए। प्रश्न शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया का महत्वपूर्ण अंग होता है। यह छात्रों की शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता को सुनिश्चित करता है, उन्हें अधिगम के लिए प्रेरित करता है, उनकी जिज्ञासा को बढ़ावा देता है तथा उन्हें नये प्रकार के ज्ञान खोजने के लिए प्रोत्साहित करता है।

107. आप शिक्षक में निम्न में से कौन-सा कौशल अत्यंत अत्यावश्यक मानते हैं?

- (a) बालकों को पाठ पूर्ण तरह से समझाने में सहायता करने की योग्यता
- (b) बालकों का सभी अभ्यास पूर्ण करने में सहायता करने की योग्यता
- (c) पाठ से संभाव्य असर को उठाने की योग्यता
- (d) पाठ पर बालकों का अपना खुद का विचार बनाने में सहायता करने की योग्यता

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (d) एक कुशल शिक्षक में अन्य गुणों के अतिरिक्त यह कौशल अत्यंत आवश्यक है कि वह पाठ पर बालकों का अपना खुद का विचार बनाने में सहायता करने की योग्यता रखता हो। दूसरे शब्दों में शिक्षक एक प्रकार से सुविधा प्रदाता होता है। वह छात्रों के सम्मुख ऐसी परिस्थिति का निर्माण करता है जो छात्रों को स्वयं खोजने, अपने विचार रखने और तर्क-वितर्क करने की स्वतंत्रता देता है न कि उन पर किसी भी प्रकार का दबाव बनाता है।

108. अध्यापक द्वारा किसी विषय की विषयवस्तु के प्रस्तुतीकरण में निम्नलिखित में से कौन-सा असंगत है?

- (a) विद्यार्थियों का संज्ञानात्मक स्तर
- (b) निर्धारित उद्देश्य
- (c) परीक्षा योजना
- (d) वर्तमान कक्षा की अवस्थाएँ

PRT-KVS 07-01-2017

Ans : (c) अध्यापक द्वारा किसी विषय की विषयवस्तु के प्रस्तुतीकरण के लिए निम्न बातों पर ध्यान देना आवश्यक है-

- (i) विद्यार्थियों का संज्ञानात्मक स्तर
- (ii) निर्धारित उद्देश्य
- (iii) वर्तमान कक्षा की अवस्थाएँ
- (iv) वास्तविक जीवन से संबद्धता
- (v) बच्चों की सक्रियता आदि

109. पाठ्योजना के बारे में निम्न में से कौन सही नहीं है?

- (a) यह अध्यापक का मनोबल बढ़ाता है
- (b) यह क्रमबद्ध प्रस्तुतीकरण में मदद करता है
- (c) यह विद्यार्थियों द्वारा विकसित किया जाता है
- (d) यह अस्त-व्यस्त शिक्षण से बचाव करता है

NCERT PRT 30-07-2017

Ans : (c) पाठ्योजना विषय वस्तु छोटी इकाईयों के सम्बन्ध में शिक्षक द्वारा तैयार लिखित रूपरेखा है जिसे वह निश्चित कालांश में पूर्ण करता है। पाठ्योजना शिक्षण के उद्देश्यों का विवरण स्पष्ट व व्यवहारिक रूप से बोध कराता है। यह अस्त-व्यस्त शिक्षण से बचाव करता है तथा पाठ्यवस्तु को क्रमबद्ध रूप से व्यवस्थित कर प्रस्तुतीकरण करने में शिक्षक की सहायता करता है। अतः पाठ्योजना विद्यार्थियों द्वारा विकसित किया जाता है, यह कथन सही नहीं है।

110. वह योजना जो शिक्षार्थी के विषय से अलग सम्बन्धों को खोजने के अवसर प्रदान करती है—
- इकाई योजना
 - ऊर्ध्व योजना
 - शास्त्रीय योजना
 - आधारित योजना

NCERT PRT 30-07-2017

Ans : (a) वह योजना जो शिक्षार्थी के विषय से अलग सम्बन्धों को खोजने के अवसर प्रदान करती है, इकाई योजना कहलाती है। मौरीसन का कथन है कि इकाई योजना की क्रियाओं की व्यवस्था इस प्रकार होनी चाहिए जिससे उद्देश्यों का बोध स्पष्ट रूप से हो सके। शिक्षक को अपने क्रियाओं की जानकारी हो सके। साथ ही इकाई योजना का स्वरूप सैद्धांतिक न होकर व्यावहारिक होना चाहिए जिससे शिक्षक समुचित अधिगम परिस्थितियों को उत्पन्न कर सके हैं।

111. कौन-सा विकल्प निम्न शिक्षण क्रियाओं को क्रमबद्ध रूप में प्रस्तुत करता है—

- नए प्रश्न को पूर्व ज्ञान से जोड़ना
 - मूल्यांकन
 - पुनर्शिक्षण
 - उद्देश्य निर्धारण
 - सामग्री
- (I), (II), (III), (IV), (V)
 - (II), (I), (III), (IV), (V)
 - (V), (IV), (III), (I), (II)
 - (IV), (I), (V), (II), (III)

NCERT PRT 30-07-2017

Ans : (d) शिक्षण क्रियाओं का क्रमबद्ध रूप है—

- उद्देश्य निर्धारण
- नए प्रश्न को पूर्व ज्ञान से जोड़ना
- सामग्री प्रस्तुतीकरण
- मूल्यांकन
- पुनर्शिक्षण

112. कक्षा-कक्ष अनुशासन किसके बढ़ावे के लिए अभिमुख होना चाहिए?

- सामाजिक अनुरूपता
- स्व: निदेशन
- वैयक्तिक तथा सामाजिक समंजन
- स्वीकार्य कक्षा-कक्ष व्यवहार

PRT KVS 2010

Ans : (c) कक्षा-कक्ष अनुशासन वैयक्तिक तथा सामाजिक समंजन के बढ़ावे के लिए अभिमुख होना चाहिए।

113. यदि आप अपनी शिक्षण क्षमताओं का अनुमान लगाना चाहते हैं तो उत्तम होगा—

- अपने घर के बच्चों को कुछ दिन पढ़ाएं तथा स्वयं की क्षमताओं का पता लगाएं
- प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र पर जाकर अपनी क्षमता का पता लगाए
- अपने अनुभवी अध्यापकों से वार्तालाप करें
- आप ट्यूशन पढ़ाएं तथा जात करें

PRT KVS 15-12-2013

Ans : (c) यदि एक शिक्षक अपनी शिक्षण क्षमताओं का अनुमान लगाना चाहता है तो उत्तम होगा कि वह अनुभवी अध्यापकों से वार्तालाप करें और उनके अध्यापन अनुभवों का उपयोग अपने शिक्षण क्षमताओं को विकसित करने के लिए करे।

114. शिक्षण-प्रशिक्षण क्यों आवश्यक है?

- सरल बोधगम्यता
- बेहतर भाषा-प्रयोग का विकास
- रचनात्मकता का विकास
- अर्थनिरूपण की योग्यता का विकास

PRT KVS 15-12-2013

Ans : (d) विभिन्न कार्यों के सफल निष्पादन हेतु व्यावहारिक ज्ञान एवं विशिष्ट निपुणताओं की आवश्यकता होती है, जो कि प्रशिक्षण द्वारा ही पूरा किया जा सकता है। शिक्षण-प्रशिक्षण अध्यापन कुशलताओं की वृद्धि के लिए, शाला व्यवस्था विधियों को समझने के लिए, विषय के ज्ञान की वृद्धि आदि के लिए आवश्यक है।

115. अध्यापन कुशलताओं के विकास के लिए आवश्यक है—

- सतत पुनरावृत्ति और अद्यतन जानकारी
- प्राधिकारवादी और अनुशासनप्रिय व्यक्तिव का होना
- सतत प्रयोग और धैर्य
- नियमितता और कक्षा नियंत्रण

PRT KVS 15-12-2013

Ans : (a) अध्यापन कुशलताओं के विकास के लिए सतत पुनरावृत्ति और अद्यतन जानकारी आवश्यक है। अध्यापक अपनी अध्यापन कुशलताओं में पुनरावृत्ति व अभ्यास के द्वारा लगातार परिमार्जन करता रहता है तथा अपने विषय से संबंधित नवीन खोजों व जानकारियों से अवगत रहे।

116. पूर्व-पठन कार्य इसके लिए होते हैं—

- शिक्षार्थियों के पढ़ने की निपुणता जाँचने के लिए
- कठिन शब्द और वाक्यांश का मतलब बताने के लिए
- मुख्य बोध का परिचय देने के लिए और शिक्षार्थियों को प्रेरित करने के लिए
- पढ़ने के पाठ में व्याकरणीय विषय समझाने के लिए

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (c) पूर्व-पठन कार्य मुख्य बोध का परिचय देने के लिए और शिक्षार्थियों को प्रेरित करने के लिए किया जाता है। इससे नये पाठ के प्रति विद्यार्थियों में रुचि उत्पन्न होती है और वे नवीन ज्ञान अर्जित करने के लिए जिजासु होते हैं।

117. स्वीकृतात्मक मौखिक कौशल (receptive oral skill) है—

- लिखना
- बोलना
- सुनना
- पढ़ना

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) स्वीकृतात्मक मौखिक कौशल सुनना सुनना होता है जबकि स्वीकृतात्मक कौशल के अंतर्गत सुनना और पढ़ना दोनों कौशल आते हैं। चूँकि इन दोनों कौशलों में ही भाषा को ग्रहण तो किया जाता है किन्तु प्रेषित नहीं किया जाता है इसलिए इन कौशलों को निष्क्रिय कौशल भी कहा जाता है। वहीं लिखना और बोलना कौशल को उत्पादक कौशल कहा जाता है।

- 118. प्रकरण (Topic) 'कृषि' पर पाठ-योजना तैयार करते समय, आपके द्वारा लिया गया प्रथम चरण क्या होगा?**
- शिक्षण सामग्री का चयन
 - उद्देश्यों का निर्माण
 - प्रकरण को कई बार पढ़ना
 - प्रस्तावना प्रश्न (introductory question) बनाना

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (b) प्रकरण 'कृषि' पर पाठ-योजना तैयार करते समय एक शिक्षक द्वारा लिया गया प्रथम चरण होता है, उद्देश्यों का निर्माण करना। दूसरा चरण होता है विषय-वस्तु से संबंधित पूर्व-ज्ञान की जानकारी के लिए प्रस्तावनात्मक प्रश्नों का निर्माण करना। पाठ योजना का तीसरा चरण होता है नवीन अनुभवों का प्रस्तुतीकरण। चौथा चरण होता है संक्षिप्त विवरण, पाँचवा चरण होता है- अभ्यास तथा पुनरावृत्ति, छठा चरण होता है- मूल्यांकन और अंत में गृहकार्य का विवरण।

- 119. शिक्षक को पाठ पढ़ाने के पहले क्या करना चाहिए?**
- एक छात्र द्वारा पाठ तैयार किया जाना चाहिए
 - शिक्षक को पाठ के मुख्य मुद्दे बताना चाहिए
 - शिक्षक को पहले, पाठ में आने वाले कठिन शब्दों को बता देना चाहिए
 - शिक्षक को पहले, पाठ के प्रश्नों के उत्तर दे देने चाहिए

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (b) शिक्षक को पाठ पढ़ाने के पहले पाठ के मुख्य मुद्दे बताना चाहिए ताकि विद्यार्थी मानसिक रूप से नये अनुभवों को सीखने के लिए तैयार हो सके।

- 120. शिक्षक को पाठ पढ़ाने के बाद क्या करना चाहिए?**
- शिक्षक को पाठ के प्रश्नोत्तरी (प्रश्न उत्तर पूछना) करनी चाहिए
 - शिक्षक को पाठ के प्रश्नों के उत्तर देने चाहिए
 - शिक्षक को, छात्र इसे लिख सकते हैं या नहीं यह जानना चाहिए
 - शिक्षक को छात्रों में समझ आ गई है, इसका परीक्षण करना चाहिए

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (d) शिक्षक को पढ़ाने के बाद छात्रों में समझ आ गयी है या नहीं इसका परीक्षण करना चाहिए। इसके लिए शिक्षक मूल्यांकन प्रश्न या पुनरावृत्ति के प्रश्न पूछता है। तत्पश्चात् वह प्राप्त उत्तरों के आधार पर उपचारात्मक शिक्षण करता है।

- 121. यदि कोई छात्र आपको प्रश्नों का उत्तर न दे सके, तो-**
- शिक्षक को उसका उत्तर देना चाहिए
 - शिक्षक को उस प्रश्न को अन्य मामलों से पूछना चाहिए
 - शिक्षक को उन्हें बार-बार पूछना चाहिए
 - शिक्षक को उत्तर देना चाहिए और उन्हें याद रखने के लिए कहना चाहिए

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (b) यदि कोई छात्र आपके प्रश्नों को उत्तर न दे सके तो शिक्षक को उस प्रश्न को अन्य मामलों से पूछना चाहिए। तथा अन्य मामलों से प्राप्त उत्तरों के आधार पर पहले वाले छात्र से पुनः वही प्रश्न पूछने चाहिए।

- 122. छात्रों को गृहकार्य देना चाहिए, क्यों?**

- छात्र घर पर अध्ययन कर सके
- छात्रों के विकास के लिए
- छात्रों ने पाठ को कितना समझा है, ये जानने के लिए
- लेखन कौशल के विकास के लिए

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (c) छात्रों को गृहकार्य देना चाहिए ताकि यह जाना जा सके कि उन्होंने पाठ को कितना समझा है। गृह कार्य बच्चों को इसलिए भी दिया जाता है ताकि वे स्वतंत्र वातावरण में चिंतन कर अपना मानसिक विकास कर सके।

- 123. यदि कोई छात्र दिए गए प्रश्नों का उत्तर न दे सके, तो-**

- शिक्षक को उन्हें उत्तर देना चाहिए
- शिक्षक को अन्य छात्रों को पूछना चाहिए
- शिक्षक को छात्र को उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए
- शिक्षक को छात्र को सजा (दण्ड) देना चाहिए

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (b) यदि कोई छात्र दिये गये प्रश्नों का उत्तर न दे सके तो शिक्षक को या तो संकेतात्मक प्रश्न उसी छात्र से पूछने चाहिए या फिर वही प्रश्न दूसरे छात्र से पूछने चाहिए और ऐसा तब तक करते रहना चाहिए जब तक सही उत्तर की प्राप्ति नहीं हो जाती। प्राप्त सही उत्तर की सहायता से पहले छात्र को उत्तर देने के लिए प्रेरित करना चाहिए। इस प्रकार के प्रश्न को अनुशीलन प्रश्न कहते हैं।

- 124. कौन-से विश्वविद्यालय में 1969 में माइक्रो-टीचिंग पद्धति (microteaching system) की शुरुआत की गई?**

- स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय
- ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय
- दिल्ली विश्वविद्यालय
- एम.एस. विश्वविद्यालय, बरोडा (भारत)

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (a) स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय में वर्ष 1969 में माइक्रो-टीचिंग पद्धति की शुरुआत की गयी। सन् 1961 में एचीसन, बुश तथा एलन ने सर्वप्रथम नियंत्रित रूप में संकुचित-अध्ययन-अभ्यास क्रम प्रारम्भ किये, जिनके अंतर्गत प्रत्येक छात्राध्यापक 5 से 10 छात्रों को एक छोटा सा पाठ पढ़ाता था और अन्य छात्राध्यापक विभिन्न प्रकार की भूमिका का निर्वहन करते थे।

- 125. शिक्षण कौशल तालीम का निर्धारक है-**

- | | |
|--------------|-----------------------|
| (a) घटक | (b) विद्यार्थी-शिक्षक |
| (c) निरीक्षक | (d) हेडमास्टर |

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (a) शिक्षण कौशल तालीम का निर्धारक घटक होता है। सभी शिक्षण कौशलों के अपने-अपने घटक होते हैं जो उनके स्वरूप को निर्धारित करते हैं। उदाहरण के लिए पाठ प्रस्तावना कौशल के निम्नलिखित घटक होते हैं—

- पूर्व ज्ञान से सम्बन्ध
- प्रेरणा हेतु उपयुक्त युक्ति व शैक्षिक साधनों का चयन
- आदन्त ज्ञान से तुलना
- प्रश्नों में तारतम्य
- उद्दीपन प्रभाव

126. निम्न में से कौन-सा तालीम कौशल से संबंधित है?

- श्याम-फलक पर लिखना
- प्रश्नों को सुलझाना
- प्रश्न पूछना
- उपरोक्त सभी

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (d) तालीम कौशल या शिक्षण कौशल अधोलिखित प्रकार के होते हैं—

- श्याम-फलक पर लिखना या श्यामपट्ट कौशल
- प्रश्नों को सुलझाना
- प्रश्न पूछना या प्रश्नीकरण कौशल
- उद्देश्य लेखन कौशल
- पाठ प्रस्तावना कौशल
- पुनर्बलन कौशल
- दृष्टिकोण कौशल
- व्याख्यान कौशल
- उद्दीपन परिवर्तन कौशल
- पाठ समापन कौशल

127. अध्यापक की कार्यक्षमता की प्राथमिक आवश्यकता है—

- अध्यापन कौशल में निपुणता के प्रयोग में
- अध्यापन की विविध तकनीकी निपुणता
- अध्यापन में माध्यम और टेक्नोलॉजी के सही प्रयोग में निपुणता
- उपरोक्त सभी

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (d) अध्यापक की कार्यक्षमता की प्राथमिक आवश्यकता निम्न है—

- अध्यापन कौशल में निपुणता के प्रयोग में।
- अध्यापन की विविध तकनीकी निपुणता।
- अध्यापन में माध्यम और टेक्नोलॉजी के सही प्रयोग में निपुणता।
- मूल्यांकन के लिए मानदण्ड परीक्षण का नियोजन करने में निपुणता आदि।

128. अध्यापन में प्रश्नावली का कौशल बहुत जरूरी है—

- शिक्षण में विद्यार्थियों के क्रियात्मक भाग लेने को निश्चित करने में
- विद्यार्थियों को तथ्य याद रखने में

(c) विद्यार्थियों को अनुशासित करने में

(d) विद्यार्थियों को इम्तिहान के लिए तैयार करने में

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (a) अध्यापन में प्रश्नावली का कौशल बहुत जरूरी है ताकि शिक्षण में विद्यार्थियों के क्रियात्मक भाग लेने को निश्चित किया जा सके। प्रश्नीकरण/प्रश्नावली कौशल के द्वारा छात्रों की कल्पना, तर्क, चिंतन आदि शक्तियों को विकसित करके उनके मस्तिष्क को जागृत, विचारशील और क्रियाशील बनाया जाता है। इसके लिए अध्यापक शिक्षण के दौरान तीन प्रकार के प्रश्न पूछते हैं—

- परीक्षण प्रश्न
- शिक्षण प्रश्न या अन्वेषण प्रश्न और
- मूल्यांकन प्रश्न या पुनरावृत्ति प्रश्न।

129. अध्यापन से पहले एक अध्यापक करता है—

- हेतुओं (identification) की पहचान
- अध्यापन पाठ की तैयारी
- विद्यार्थियों की रुचि की जानकारी
- उपरोक्त सभी

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (d) अध्यापन से पहले एक अध्यापक निम्न कार्य करता है—

- हेतुओं या उद्देश्यों की पहचान
- अध्यापन पाठ की योजना बनाना
- विद्यार्थियों के पूर्वज्ञान, रुचि, अभिवृत्ति आदि की जानकारी।

130. अध्यापन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण कौशल है—

- विद्यार्थियों को समझ में आना जो अध्यापक कह रहा हो
- विषय का पाठ्यक्रम पूरा करना
- अध्यापन के समय विद्यार्थियों को तनाव रहित रखना
- वर्ग नियमित रूप से लेना

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (a) अध्यापन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण कौशल है, विद्यार्थियों को समझ में आना जो अध्यापक कह रहा हो। इसके लिए आवश्यक है कि वह संप्रेषण कौशल में निपुण हो तथा बच्चों के साथ मित्रता एवं सहानुभूति का व्यवहार करता हो। क्योंकि इन दोनों के अभाव में अध्यापक और विद्यार्थी के बीच अंतःप्रतिक्रियात्मक अवरोध उत्पन्न होगा और शिक्षण अधिगम प्रक्रिया बाधित होगी।

131. ज्यादा तौर पे प्रभावी अध्यापन एक कार्य है—

- वर्ग में शिस्त (discipline) बनाये रखने में
- अध्यापक की प्रमाणिकता में
- जिनमें अध्यापक विद्यार्थियों को पढ़ाएं और वह उनको समझ में आए
- अध्यापक को पढ़ाने के कार्य में रुचि होना

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (c) ज्यादा तौर पे प्रभावी अध्यापन एक कार्य है जिसमें अध्यापक विद्यार्थियों को पढ़ाएं और वह उनको समझ में आए। यदि विद्यार्थियों को पढ़ाये गये विषय-वस्तु समझ में नहीं आती है तो अध्यापन उद्देश्यों की प्राप्ति नहीं होगी। ऐसी स्थिति में उनके व्यवहार में परिमार्जन भी नहीं होगा जो अध्यापन अधिगम प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य होता है।

132. शिक्षक-शिक्षा के दौरान, सूक्ष्म-शिक्षण निम्नलिखित में से किसकी ओर संकेत करता है?

- (a) एक समय में कम विषय-वस्तु को पढ़ाना
- (b) शिक्षक-प्रशिक्षक का बारीकी से अवलोकन करने के द्वारा शिक्षण
- (c) ऐसी छोटी कक्षा को पढ़ाना जिसमें सहपाठी शिक्षार्थियों की भूमिका निर्वाह कर रहे हों
- (d) छोटे समूहों में शिक्षार्थियों को पढ़ाना

DSSSB TGT 2016

Ans : (c) सूक्ष्म शिक्षण में कक्षा का आकार छोटा होता है अर्थात् छात्रों की संख्या पाँच से दस तक होती है, जिसमें प्रायः सहपाठी छात्राध्यापक या छात्राध्यापिकाएँ ही छात्रों की भूमिका का निर्वहन करते हैं। सेवा पूर्व तथा सेवारत शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए यह एक उपयोगी विधि है।

4. शिक्षण के उपागम (शिक्षक-केन्द्रित उपागम अध्येता-केन्द्रित उपागम, दक्षता आधारित उपागम, रचनात्मक उपागम-जीन प्रियाजे एवं लिव सिमोनोविच वाइगोत्सकी, बण्डूरा)

133. निम्नलिखित में से कौन-सा तत्त्व न्यूनतम अधिगम स्तर (एम.एल.एल.) की महत्त्वपूर्ण विशिष्टता नहीं था?

- (a) अधिगम निपुणता
- (b) लघु पद
- (c) व्यक्तिगत विभिन्नताएं
- (d) सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (सी.सी.ई.)

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (b) न्यूनतम अधिगम स्तर (एम.एल.एल.) की महत्त्वपूर्ण विशेषता लघु पद नहीं है जबकि अन्य अधिगम निपुणता, व्यक्तिगत विभिन्नताएं तथा सतत एवं व्यापक मूल्यांकन एम.एल.एल. की विशेषताएँ हैं। ध्यातव्य है कि लघु पद, अभिक्रियता अनुदेशन की विशेषता है।

134. कौन-सा पियाजे द्वारा प्रस्तावित एक ज्ञान का प्रकार नहीं है?

- (a) भौतिक
- (b) तार्किक गणित
- (c) सामाजिक
- (d) भाषाविद

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (d) भाषाविद पियाजे द्वारा प्रस्तावित एक ज्ञान का प्रकार नहीं है।

135. जानकारी 'दी गई और पूर्ण' द्वारा स्वीकृत नहीं है।

- (a) व्यवहारवाद
- (b) संज्ञानात्मक
- (c) संरचनावाद
- (d) उपर्युक्त सभी

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (c) जानकारी 'दी गई और पूर्ण' संरचनावाद द्वारा स्वीकृत नहीं है। संरचनावाद का मानना है कि बच्चे सक्रिय अन्वेषक होते हैं और वे अपने ज्ञान का निर्माण करते हैं। इसलिए शिक्षक का कार्य ज्ञान देना नहीं है बल्कि ऐसे अधिगम वातावरण का निर्माण करना है जिसमें बच्चे स्वयं सक्रिय होकर अधिगम अनुभव प्राप्त कर सकें।

136. वैज्ञानिक अवधारणाओं को बढ़ाने की कौन-सी विधि सर्वाधिक कम प्रभावी होगी?

- (a) एक बड़े अध्यापन कक्ष को व्याख्यान देना
- (b) एक छोटे समूह को वैज्ञानिक नियमों का दर्शन देना
- (c) विद्यार्थियों द्वारा किए गए प्रयोगशालीय प्रयोग
- (d) विज्ञान परियोजनाएं

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (a) एक बड़े अध्यापन कक्ष को व्याख्यान देना, वैज्ञानिक अवधारणाओं को बढ़ाने के लिए सर्वाधिक कम प्रभावी विधि होगी। क्योंकि व्याख्यान विधि में बच्चे निष्क्रिय श्रोता मात्र बने रहेंगे जबकि वैज्ञानिक अवधारणाओं के विकास के लिए विद्यार्थियों द्वारा स्वयं ज्ञान की खोज करना आवश्यक है।

137. सामाजिक संरचनावादी दृष्टिकोण के अनुसार, अध्यापक की भूमिका की होती है।

- (a) मूल्यांकन
- (b) प्रशिक्षक
- (c) व्याख्याता
- (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (b) सामाजिक संरचनावादी दृष्टिकोण के अनुसार, अध्यापक की भूमिका एक प्रशिक्षक की होती है। अध्यापक बच्चों के ज्ञानेन्द्रियों, संवेगों, मनोभावों आदि को प्रशिक्षित करता है ताकि वे सामाजिक वातावरण में अधिगम अनुभव प्राप्त कर सकें।

138. एक प्राथमिक विद्यालय में एक विद्यार्थी के रूप में समुचित व्यवहार सीखना है।

- (a) सामान्य सामाजिकता
- (b) द्वितीयक सामाजिकता
- (c) पुनर्सामाजिकता
- (d) अग्रिम सामाजिकता

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (b) एक प्राथमिक विद्यालय में एक विद्यार्थी के रूप में समुचित व्यवहार सीखना द्वितीयक सामाजिकता है। ध्यातव्य है कि बच्चों का सामाजिक विकास उनके परिवार, पास-पड़ोस, समुदाय आदि से ही प्रारम्भ होता है।

139. निचली कक्षाओं में सीखने को बढ़ावा देने का सबसे अच्छा तरीका है—

- (a) सीखने के प्रत्येक चरण में प्रोत्साहन देना
- (b) गणित में अभ्यास
- (c) उपहार पाए विद्यार्थियों की प्रशंसा करना
- (d) सामग्री को विद्यार्थियों के जीवन से जोड़ना

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (d) निचली कक्षाओं में सीखने को बढ़ावा देने का सबसे अच्छा तरीका है— सामग्री को विद्यार्थियों के जीवन से जोड़ना। जब विषय-वस्तु या सामग्री को विद्यार्थियों के वास्तविक जीवन से जोड़कर प्रस्तुत किया जाता है तो विद्यार्थियों का अधिगम प्रभावी व स्थायी होता है।

140. शिक्षक प्रक्रिया से निकट रूप से जुड़े होते हैं।

- (a) अध्ययन
- (b) अधिगम
- (c) मानांकन
- (d) अवलोकन

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (b) शिक्षक अधिगम प्रक्रिया से निकट रूप से जुड़े होते हैं।

वे शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में स्वतंत्र चर की भूमिका में होते हैं। शिक्षण का नियोजन, व्यवस्था तथा उसका परिचालन शिक्षक पर निर्भर रहता है। शिक्षक अधिगम अनुभव प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करता है, उचित परामर्श देता है और उनकी समस्याओं का समाधान करता है। इस प्रकार वह विद्यार्थी और अधिगम दोनों से घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए होते हैं।

141. निम्नलिखित में से कौन से क्रियाकलाप विज्ञान और भाषा अधिगम के सर्वोत्तम सहसम्बन्ध को प्रदर्शित करेंगे?

- (a) वातावरण की खोजबीन के उद्देश्य से एक व्यापक क्षेत्र भ्रमण की व्यवस्था करना और बाद में विद्यार्थियों से एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करवाना
- (b) भाषा अध्यापकों के लिए विज्ञान की पाठ्यचर्या पर एक रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन करना।
- (c) बच्चों को कहना कि वे प्राभाषिक शब्दावली को याद करें
- (d) विद्यार्थियों से कहना कि वे किसी वैज्ञानिक विषय पर एक निबन्ध लिखें।

PRT-KVS 07-01-2017

Ans : (a) वातावरण की खोजबीन के उद्देश्य से एक व्यापक क्षेत्र भ्रमण की व्यवस्था करना और बाद में विद्यार्थियों से एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करवाना, विज्ञान और भाषा अधिगम के सर्वोत्तम सहसम्बन्ध को प्रदर्शित करेंगे। इस क्रियाकलाप के माध्यम से भाषा और विज्ञान दोनों के शिक्षण अधिगम उद्देश्यों की प्राप्ति होगी।

142. विद्यालयों में आजकल ज्यादा बल दिया जा रहा है?

- (a) रटने की प्रवृत्ति पर
- (b) मानसिक ज्ञान वृद्धि पर
- (c) ज्ञान संग्रह पर
- (d) समस्या समाधान पर

PRT KVS 15-12-2013

Ans : (b) विद्यालयों में आजकल मानसिक ज्ञान वृद्धि पर बल दिया जा रहा है। मानसिक ज्ञान वृद्धि होने पर बालक समस्याओं का शीघ्रता से समाधान, सामाजिक समायोजन, जैसे क्रियाओं को शीघ्र कर लेता है।

143. कक्षा में 'मानवीय वातावरण' तैयार करने का तात्पर्य है—

- (a) छात्रों के बहुमुखी व्यक्तित्व के निर्माण से
- (b) छात्रों के उचित शिक्षण से
- (c) छात्रों को भौतिक सुख-सुविधाओं से सुसज्जित करने से
- (d) छात्रों के साथ मानवीय सम्बन्धों की स्थापना से

PRT KVS 15-12-2013

Ans : (d) कक्षा में मानवीय वातावरण तैयार करने का तात्पर्य है—छात्रों के साथ मानवीय संबंधों की स्थापना। कक्षाकक्ष का वातावरण सहानुभूतिपूर्ण, सहयोगात्मक तथा एक दूसरे के विचारों, भावनाओं अनुभवों आदि का सम्मान करने वाला होना चाहिए। इसके लिए शिक्षक-छात्रों के मध्य और छात्रों-छात्रों के मध्य मानवीय संबंधों का होना आवश्यक है।

144. छात्रों में श्रम (मेहनत) की भावना विकसित करने के लिए एक शिक्षक को क्या करना चाहिए?

- (a) मेहनत करने वाले लोगों का उदाहरण देना चाहिए
- (b) शिक्षक को मेहनत के काम में लगाना चाहिए
- (c) मेहनत के महत्व पर विस्तृत व्याख्यान देना चाहिए
- (d) छात्रों को प्रायः मेहनत करने के मौके देने चाहिए।

PRT KVS 04-10-2015

Ans : (d) छात्रों में मेहनत की भावना विकसित करने के लिए एक शिक्षक को छात्रों को प्रायः मेहनत करने का मौका देना चाहिए ताकि वे श्रम के मूल्य के स्वयं अनुभव कर सकें।

145. शिक्षक का मुख्य उद्देश्य क्या होना चाहिए?

- (a) छात्रों को परीक्षा पास करने के लिए तैयार करना
- (b) अच्छे नोट बोलकर लिखवाना
- (c) विषय से संबंधित अपेक्षित सूचना उपलब्ध कराना
- (d) छात्रों की सोचने की शक्ति विकसित करना

PRT KVS 04-10-2015

Ans : (d) शिक्षक का मुख्य उद्देश्य छात्रों की सोचने की शक्ति विकसित करना होता है। शिक्षक विभिन्न शिक्षण अधिगम परिस्थितियों के माध्यम से बच्चों में समस्या-समाधान क्षमता, सृजनात्मकता, कल्पनाशीलता, जैसे कौशलों का विकास करता है।

146. शैक्षणिक दौरों के दौरान अपने बच्चों से आपकी क्या अपेक्षाएँ नहीं होनी चाहिए—

- (a) बच्चों को दौरे का आनंद लेना चाहिए
- (b) बच्चों को अवलोकन करने और प्रश्न पूछने चाहिए
- (c) बच्चों को कोई भी प्रश्न नहीं पूछना चाहिए
- (d) बच्चों को अवलोकन करके अपनी डायरी में प्रश्न लिख लेने चाहिए

PRT KVS 04-10-2015

Ans : (c) शैक्षणिक दौरों के दौरान अपने बच्चों से यह अपेक्षा नहीं होनी चाहिए कि वे कोई भी प्रश्न न पूछें क्योंकि प्रश्न पूछकर ही वे वहाँ प्राप्त नवीन जानकारियों से सीख सकते हैं तथा उस ज्ञान का समायोजन कर सकेंगे। इसलिए शैक्षणिक दौरों के दौरान बच्चों से ये अपेक्षा की जाती है कि वे दौरे का आनंद ले तथा अवलोकन करके अपनी डायरी में प्रश्न लिख लें और प्रश्न पूछें।

147. शिक्षण के प्रति अतिसक्रिय रवैए (दृष्टिकोण) का अर्थ है—

- (a) गतिविधियों के माध्यम से सीखना
- (b) सशक्त और प्रभावकारी शिक्षण
- (c) शिक्षक अनिवार्य ऊर्जावान और अतिसक्रिय हो
- (d) विषय अतिसक्रिय होने चाहिए न कि स्थिर (शांत)

PRT KVS 04-10-2015

Ans : (a) शिक्षण के प्रति अतिसक्रिय रवैए (दृष्टिकोण) का अर्थ है गतिविधियों के माध्यम से सीखना। गतिविधि आधारित अधिगम आवश्यक रूप से शिक्षार्थी केन्द्रित उपागम है। इस उपागम में बच्चा इच्छापूर्वक एवं तुरंत नये उत्साह के साथ सहभागिता करता है और अपेक्षित अधिगम परिणामों को ग्रहण करता है।

148. बोलने की निपुणता का उत्कृष्ट तरह से विकास शिक्षार्थियों को इसका मौका देकर किया जा सकता है—

- (a) चुनौतीपूर्ण और कठिन पाठ्य पढ़कर
- (b) वास्तविक-जीवन स्थिति से बात-चीत कर
- (c) शिक्षक द्वारा उपलब्ध किये गई डॉल को सुनकर
- (d) बोलते वक्त गलतियों को टालकर

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (b) शिक्षार्थियों से वास्तविक जीवन स्थिति के विषय में बातचीत करके उनके बोलने की निपुणता का उत्कृष्ट तरह से विकास किया जा सकता है, क्योंकि शिक्षार्थियों से सम्बन्धित विषयों पर चर्चा करने से वे उसमें रुचि लेते हैं तथा सामाजिक अंतःक्रिया स्थापित करने के लिए प्रेरित होते हैं। इससे उनके वाक् कौशल में निपुणता आती है।

149. निम्न में से कौन-सी निपुणता शिक्षक शिक्षार्थियों में विकसित करना चाहता है?

- (a) वर्गीकरण निपुणता
- (b) सोचने की निपुणता
- (c) भावनात्मक निपुणता
- (d) अवलोकन निपुणता

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (b) शिक्षक, शिक्षार्थी में सोचने की निपुणता विकसित करना चाहता है। शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य ही व्यक्तित्व का विकास करना होता है। शिक्षक छात्रों को सलाह व मार्गदर्शन देने का कार्य करता है तथा वह उसके संज्ञानात्मक तथा संवेगात्मक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शिक्षक चाहता है कि शिक्षार्थी सोचने की निपुणता हासिल करे ताकि वह जीवन में अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सजग हो सके।

150. एक शिक्षिका अपने शिक्षार्थियों को सामूहिक चर्चा, सामूहिक परियोजना जैसी सामूहिक गतिविधियों में शामिल करती है। वह यह ज्ञान का आयाम दर्शाती है—

- (a) मनोरंजन के द्वारा ज्ञान प्राप्ति
- (b) भाषा-निर्देशित ज्ञान प्राप्ति
- (c) प्रतियोगिता-आधारित ज्ञान प्राप्ति
- (d) सामाजिक गतिविधि के रूप में ज्ञान प्राप्ति

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (d) सामूहिक चर्चा या सामूहिक परियोजना में शामिल होकर ज्ञान प्राप्त करना सामाजिक गतिविधि के रूप में ज्ञान प्राप्ति का आयाम होता है। समूह में कार्य करना विद्यार्थियों को सोचने, संवाद कार्यम करने, समझने, विचारों का अदान-प्रदान करने और निर्णय लेने के लिए प्रेरित करने का प्रभावी तरीका है। इसमें छात्र दूसरों को सिखा भी सकते हैं और उनसे सीख भी सकते हैं। यह सीखने का एक सशक्त और सक्रिय तरीका है।

151. विद्यार्थियों में वैज्ञानिक अभिवृत्ति का विकास करने के लिए एक विज्ञान अध्यापक को चाहिए कि वह नहीं करे—

- (a) शिक्षक-केन्द्रित शिक्षण विधियों का प्रयोग
- (b) पाठ्य-सहगामी क्रियाओं का आयोजन
- (c) शिक्षण की नवाचार विधियों का प्रयोग
- (d) विद्यार्थियों की उत्सुकता को शान्त करना

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (a) विद्यार्थियों में वैज्ञानिक अभिवृत्ति का विकास करने के लिए एक अध्यापक को शिक्षक-केन्द्रित शिक्षण विधियों का प्रयोग नहीं करना चाहिए क्योंकि शिक्षक केन्द्रित शिक्षण विधियों में छात्र निष्क्रिय रहते हैं, उनकी आवश्यकताओं और मनोवैज्ञानिक पृष्ठभूमि पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दिया जाता है तथा यह शिक्षण स्मृति स्तर पर होता है और इनके माध्यम से केवल ज्ञानात्मक उद्देश्यों की प्राप्ति की जाती है।

152. बालकों के साथ की गई क्रियाएँ प्रभावी होंगी, यदि—

- (a) अध्यापिका नहीं जानती कि वह इसे क्यों कर रही है।
- (b) अध्यापिका अपनी ‘पाठ योजना’ को पूर्ण करने के लिए उन्हें संचालित करती है।
- (c) प्रधानाध्यापक द्वारा क्रिया प्रधान अधिगम के लिए दिए गए निर्देशों की अनुपालन करने हेतु अध्यापिका उन क्रियाओं को करती है।
- (d) वह मानती हैं कि क्रिया प्रधान शिक्षा बालक को संकल्पना (Concept) समझने में सहायता करेगी।

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (d) बालकों के साथ की गयी क्रियाएँ प्रभावी होंगी यदि वह मानती है कि क्रिया प्रधान शिक्षा बालक को संकल्पना समझने में सहायता करती है। बच्चे क्रिया आधारित गतिविधियों के माध्यम से बेहतर सीखते हैं। इसलिए विषय-वस्तु की संकल्पनाओं को समझाने के लिए उन्हें क्रिया आधारित गतिविधियों में शामिल करना चाहिए।

153. ‘बीज अंकुरण’ (Seed germination) की संकल्पना को सर्वश्रेष्ठ ढंग से पढ़ाया जा सकता है—

- (a) बीज-अंकुरण के चित्र दिखाकर
- (b) कक्ष में अंकुरित बीज दिखाते हुए अंकुरण की प्रक्रिया को समझाकर
- (c) श्यामपट्ट पर चित्र के माध्यम से समझाकर
- (d) बीज बोने, विभिन्न अवस्थाओं को अवलोकन करने तथा उनके चित्र बनाने से सम्बन्धित गतिविधि विद्यार्थियों को करने के लिए कहकर

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (d) बीज अंकुरण की संकल्पना को सर्वश्रेष्ठ ढंग से समझाने के लिए शिक्षण की परियोजना विधि का प्रयोग किया जा सकता है। परियोजना विधि के द्वारा बीज बोने, विभिन्न अवस्थाओं का अवलोकन करने तथा उनके चित्र बनाने से सम्बन्धित गतिविधि विद्यार्थियों को करने के लिए कहा जा सकता है। परियोजना विधि में विद्यार्थियों द्वारा कार्य वास्तविक परिस्थिति में स्वभाविक रूप से किया जाता है तथा विद्यार्थी स्वयं के अनुभव द्वारा ज्ञान प्राप्त करते हैं।

154. वर्ग में पोषण—आहार का विषय अधिक असरकारक रूप से प्रस्तुत करने के लिए एक शिक्षक को—

- (a) मनुष्य की बत्तीसी का मॉडल दिखाना चाहिए
- (b) विद्यार्थियों को अपने टिफिन बॉक्स खोलकर, उसमें रहे पदार्थों का निरीक्षण करने की सूचना देनी चाहिए, बाद में अपना विवरण देना चाहिए
- (c) अधिक पोषण—आहार के दृष्टिकोण से प्रस्तुत करने के लिए एक शिक्षक को विद्यार्थियों को अपने टिफिन बॉक्स खोलकर, उसमें रहे पदार्थों का निरीक्षण करने की सूचना देनी चाहिए बाद में अपना विवरण देना चाहिए
- (d) पाचनतंत्र का चित्र बनाना चाहिए

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (b) वर्ग में पोषण—आधार का विषय अधिक असरकार रूप से प्रस्तुत करने के लिए एक शिक्षक को विद्यार्थियों को अपने टिफिन बॉक्स खोलकर, उसमें रहे पदार्थों का निरीक्षण करने की सूचना देनी चाहिए बाद में अपना विवरण देना चाहिए। इस प्रकार विद्यार्थी जब विषय वस्तु से सम्बन्धित उदाहरण का प्रत्यक्ष अनुभव करते हैं तो वे बेहतर सीखते हैं।

155. इस समकालीन परिवेश में, वही शिक्षक सफल है, जो—

- (a) वर्गखण्ड में आधुनिक वस्तु पहनकर आते हैं
- (b) वर्गखण्ड में समाचार पत्र या मोबाइल फोन लेकर आते हैं
- (c) वर्गखण्ड में कुछ पढ़ाते समय स्थिति का निर्माण करता है
- (d) छात्रों के साथ असरकारक सम्पर्क के कौशल बनाता है

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (c) इस समकालीन परिवेश में, वही शिक्षक सफल है, जो वर्गखण्ड में कुछ पढ़ाते समय स्थिति का निर्माण करता है। वर्तमान शिक्षण व्यवस्था में रचनात्मकता को विशेष महत्व दिया जा रहा है। रचनात्मक कक्षा कक्ष में शिक्षक ऐसे अधिगम परिस्थिति का निर्माण करता है जिसमें छात्र स्वयं सक्रिय होकर अपने पूर्व अनुभवों का प्रयोग करते हुए अधिगम अनुभव प्राप्त करते हैं।

156. विद्यार्थी को सही/उपयुक्त ज्ञान कैसे दिया जाता है?

- (a) पाठ को याद करके
- (b) पाठ को समझाकर
- (c) विद्यार्थी को स्व-अध्ययन द्वारा
- (d) रुचिकर तरीके से शिक्षण देकर

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (c) विद्यार्थी को सही/उपयुक्त ज्ञान उन्हें स्व-अध्ययन के लिए प्रेरित करके दिया जा सकता है। स्व-अध्ययन एक आवश्यक जीवन कौशल है जिसका लाभ उन्हें शिक्षा ही नहीं, अपितु जीवन के किसी भी क्षेत्र में मिलता है। स्व अध्ययन छात्र को स्वावलंबी बनाता है और उसके भीतर स्वयं शिक्षण ग्रहण करने की इच्छा को जागृत करता है। स्व-अध्ययन नवाचार का मूल उद्देश्य भी यह है कि छात्र अपने वास्तविक कौशल और क्षमता को पहचाने, जिज्ञासु बने और स्वयं पढ़ने के लिए प्रेरित हो।

157. छात्र को विज्ञान विषय कैसे सीखना चाहिए?

- (a) प्रश्न-उत्तर दे कर
- (b) प्रयोग दिखाकर
- (c) छात्रों द्वारा प्रयोग करवा कर
- (d) रुचिकर तरीके से

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (c) छात्रों को विज्ञान विषय उनसे प्रयोग करवाकर सिखाना चाहिए। इस प्रकार शिक्षण की प्रयोगशाला विधि को विज्ञान शिक्षण में सर्वाधिक उपयुक्त माना जाता है। इस विधि में विद्यार्थी स्वयं प्रयोग करता है, निरीक्षण करता है तथा निष्कर्ष प्रदान करता है। विद्यार्थियों की क्रियाशीलता को बनाये रखना, छात्रों में वैयक्तिक गुणों का विकास करना, अनुभवजनित स्थायी ज्ञान प्रदान करना इस विधि की कुछ महत्वपूर्ण विशेषताएँ हैं।

158. निम्नलिखित में से स्कूली संस्कृति का कौन—सा मानदण्ड शिक्षक ज्ञान और गुणों में शामिल परिवर्तनों को सुगम बनाता है?

- (a) अत्यधिक उम्मीदें, प्रयोग, सहशासन, प्रशंसा, निर्णय लेने और देखभाल में भागीदारी
- (b) प्रयोग, ठोस समर्थन, ज्ञान के आधार पर जिक्र, सहशासन अत्यधिक उम्मीद और भरोसा और विश्वास
- (c) प्रशंसा, महत्वपूर्ण चीजों की सुरक्षा, अत्यधिक उम्मीदें, निर्णय लेना, देखभाल और हास्य और विश्वास और आत्मविश्वास
- (d) प्रशंसा, महत्वपूर्ण चीजों की सुरक्षा, अत्यधिक उम्मीदें, प्रयोग, ठोस समर्थन, ज्ञान के आधार पर जिक्र

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (b) प्रयोग, ठोस समर्थन, ज्ञान के आधार पर जिक्र, सहशासन, अत्यधिक उम्मीद, भरोसा और विश्वास जैसे स्कूली संस्कृति के मानदण्ड अपनाकर शिक्षक ज्ञान और गुणों में शामिल परिवर्तनों को सुगम बनाता है। वर्तमान प्रगतिशील शिक्षा के संदर्भ में ज्ञान को बाहरी दुनिया से जोड़ने पर बल दिया जा रहा है। बच्चा जो कुछ विद्यालय में सीखता है वह उसका प्रयोग अपने व्यावहारिक जीवन में कर पाये इसके लिए उसे समझ और क्रिया आधारित ज्ञान प्रदान करने के लिए शिक्षक द्वारा परिस्थिति का निर्माण किया जाता है। शिक्षक बच्चों से यह अपेक्षा रखता है कि वे अपने ज्ञान का निर्माण स्वयं करेंगे जो उनके जीवन को सुगम बनायेंगे। इसके लिए वह अपने शिक्षार्थियों में विश्वास रखते हुए सृजनशील शिक्षण—अधिगम परिस्थिति का निर्माण करता है।

159. सहज अवधारणाओं पर छात्रों के अधिग्रहण का परिणाम है, और वैज्ञानिक अवधारणाओं पर उनके अधिग्रहण का परिणाम है।

- (a) सैद्धांतिक अनुभवजन्य
- (b) व्यावहारिक सैद्धांतिक
- (c) अनुभवजन्य, सैद्धांतिक
- (d) इनमें से कोई नहीं

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (c) अनुभवजन्य सहज अवधारणाओं पर छात्रों के अधिग्रहण का परिणाम है, और सैद्धांतिक अध्ययन वैज्ञानिक अवधारणाओं पर उनके अधिग्रहण का परिणाम है। अर्थात् अनुभवजन्य अवधारणाएँ विद्यार्थी सहजतापूर्वक अपने आस-पास के वातावरण से प्राप्त करते हैं जबकि सैद्धांतिक अवधारणाओं के लिए उन्हें किसी औपचारिक संस्था की सहायता लेनी पड़ती है।

160. मोहन खिलौनों के घटकों के अन्वेषण के लिए उन्हें तोड़कर अलग-अलग कर देता है। आप क्या करेंगे?

- (a) मोहन को कभी खिलौनों से नहीं खेलने देंगे।
- (b) सदैव कड़ी नजर रखेंगे।
- (c) उसके स्वभाव को प्रोत्साहित करते हुए उसकी ऊर्जा को सही दिशा प्रदान करेंगे।
- (d) उसे समझाएँगे कि खिलौने नहीं तोड़ने चाहिए।

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (c) यदि मोहन खिलौनों के घटकों के अन्वेषण के लिए उन्हें तोड़कर अलग-अलग कर देता है तो हमें उसके स्वभाव को प्रोत्साहित करते हुए उसकी ऊर्जा को सही दिशा प्रदान करनी चाहिए क्योंकि बच्चे जन्मजात जिज्ञासु प्रवृत्ति के होते हैं। उनकी यह जिज्ञासा उनके अधिगम में सहायक होती है तथा उन्हें सीखने के लिए प्रेरित करती है।

161. शिक्षार्थी जो सीख चुके हैं, उसे दोहराने अथवा याद करने में सहायता करना महत्वपूर्ण है क्योंकि—

- (a) किसी भी कक्षा अनुदेश हेतु यही सुविधानजक शुरूआत है
- (b) पूर्वज्ञान को नई जानकारी से जोड़ना अधिगम को बढ़ाता है
- (c) पुराने पाठों को दोहराने का यही प्रभावपूर्ण तरीका है
- (d) यह शिक्षार्थी की स्मृति को बढ़ाता है और इससे अधिगम को सशक्त बनाने में मदद मिलत है

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (b) शिक्षार्थी जो सीख चुके हैं, उसे दोहराने अथवा याद करने में सहायता करना महत्वपूर्ण है क्योंकि पूर्वज्ञान को नई जानकारी से जोड़ता अधिगम को बढ़ाता है। शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के दौरान शिक्षक पाठ को पढ़ाने से पहले बच्चों से प्रस्तावनात्मक प्रश्न करता है ताकि उनके पूर्व ज्ञान को नवीन ज्ञान से जोड़ते हुए प्रस्तुत करता है। इस प्रक्रिया से बच्चे नवीन ज्ञान का सहजतापूर्ण अधिगम कर लेते हैं।

162. “बच्चे दुनिया के बारे में अपनी समझ का सक्रियता से निर्माण करते हैं” यह कथन है—

- (a) पियाजे
- (b) पावलोव
- (c) कोहलबर्ग
- (d) स्किनर

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (a) पियाजे के अनुसार “बच्चे दुनिया के बारे में अपनी समझ का सक्रियता से निर्माण करते हैं।” इस बात को प्रमाणित करने के लिए इन्होंने संज्ञानात्मक निर्मितवाद की अवधारणा का प्रतिपादन किया। इस अवधारण के अनुसार इसमें अधिगमकर्ता अपने विकासात्मक स्तर एवं अधिगम तरीकों से समझ विकसित करता है। यहाँ पर अधिगमकर्ता की सक्रियता महत्वपूर्ण होती है।

163. छोटे शिक्षार्थियों को कक्षा-कक्ष में समवयस्कों के साथ अंतःक्रिया करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए—
जिससे—

- (a) पाठ्यक्रम को बहुत जल्दी पूरा किया जा सके
- (b) वे पढ़ने के दौरान सामाजिक कौशल सीख सके

(c) शिक्षक कक्षा-कक्ष को बेहतर तरीके से नियंत्रित कर सके

(d) वे एक-दूसरे से प्रश्नों के उत्तर सीख सकें

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (b) छोटे शिक्षार्थियों को कक्षा-कक्ष में समवयस्कों के साथ अंतःक्रिया करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए जिससे वे पढ़ने के दौरान सामाजिक कौशल सीख सकें। वाइगेट्सकी का भी मानना है कि समवयस्कों के साथ अंतःक्रिया से बच्चे अपने ज्ञान का निर्माण करते हैं तथा सामाजिक कौशल सीखते हैं।

164. बीजों का अंकुरण संकल्पना के शिक्षण की सबसे प्रभावी पद्धति है—

- (a) श्यामपट्ट पर चित्र बनाना और वर्णन करना
- (b) बीज की वृद्धि के चित्र दिखाना
- (c) विस्तृत व्याख्या करना
- (d) विद्यार्थियों द्वारा पौधे के बीज बोना और उसके अंकुरण के चरणों का अवलोकन करना

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (d) बीजों का अंकुरण संकल्पना के शिक्षण की सबसे प्रभावी पद्धति है सक्रिय सहभागिता के द्वारा शिक्षण। इसके लिए विद्यार्थियों द्वारा पौधे के बीज बोना और उसके अंकुरण के चरणों का अवलोकन करके सीखना बेहतर होगा। यह पद्धति शिक्षण के क्रियाशीलता के सिद्धांत और जीवन से सम्बन्ध होने के सिद्धांत दोनों को संपोषित करती है।

165. एक शिक्षिका पाठ्य-वस्तु और फल-सब्जियों के कुछ चित्रों का प्रयोग करती है और अपने विद्यार्थियों से चर्चा करती है। विद्यार्थी इस जानकारी को अपने पूर्व ज्ञान से जोड़ते हैं और पोषण की संकल्पना को सीखते हैं। यह उपागम पर आधारित है।

- (a) पुनर्बलन के सिद्धांत
- (b) अधिगम के सक्रिय अनुबंधन
- (c) ज्ञान के निर्माण
- (d) अधिगम के शास्त्रीय अनुबंधन

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (c) उपर्युक्त उदाहरण ज्ञान के निर्माण उपागम पर आधारित है। इस उपागम को रचनावादी उपागम भी कहते हैं। कक्षा में एक रचनावादी शिक्षक समस्याएँ छात्रों के समक्ष प्रस्तुत करता है और छात्रों के अन्वेषण की निगरानी करती है, उन्हें सही दिशा में निर्देशित करता है और नये तरीके से सोच को बढ़ावा देता है। इससे कक्षा में छात्रों को खोज करके निर्णय लेने की स्वतंत्रता दी जाती है इससे छात्र अपने पूर्व अनुभव के अधार पर ज्ञान का निर्माण करते हैं।

166. एक शिक्षिका अपने—आप से कभी भी प्रश्नों के उत्तर नहीं देती। वह अपने विद्यार्थियों को उत्तर देने के लिए, समूह चर्चाएँ और सहयोगात्मक अधिगम अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है। यह उपागम के सिद्धांत पर आधारित है।

- (a) अच्छा उदाहरण प्रस्तुत करना और भूमिका प्रतिरूप बनना
- (b) सीखने की तत्परता
- (c) सक्रिय भागीदारिता
- (d) अनुदेशनात्मक सामग्री के उचित संगठन

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (c) उपर्युक्त उदाहरण सक्रिय भागीदारिता के सिद्धांत पर आधारित है। इस सिद्धांत के अनुसार सीखने के लिए शिक्षक तथा विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। वस्तुतः यदि शिक्षण व अध्ययन के समय शिक्षक व शिक्षार्थी सक्रिय नहीं होते हैं तो शिक्षण-अधिगम के उद्देश्य समुचित ढंग से प्राप्त नहीं हो पाते हैं। इसीलिए शिक्षिका शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता हेतु विद्यार्थियों को उत्तर देने समूह चर्चाएँ करने और सहयोगात्मक अधिगम अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है।

167. वाइगोत्सकी बच्चों के सीखने में निम्नलिखित में से किस कारक की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल देते हैं?

- | | |
|-------------|---------------|
| (a) नैतिक | (b) शारीरिक |
| (c) सामाजिक | (d) आनुवांशिक |

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (c) वाइगोत्सकी बच्चों के सीखने में सामाजिक कारक की भूमिका को महत्वपूर्ण मानते हैं। वस्तुतः सभी मनोवैज्ञानिक वाइगोत्सकी ने बालक के संज्ञानात्मक विकास में समाज एवं उसके सांस्कृतिक संबंधों के बीच संवाद को एक महत्वपूर्ण आयाम घोषित किया। इसीलिए वाइगोत्सकी के सिद्धांत को सामाजिक निर्मितवाद कहा जाता है।

168. 'समवयस्कों के ज्ञान और पांडित्य (knowledge and wisdom of peers) के महत्व को समझने' को किस परिपेक्ष्य में महत्व दिया गया है?

- (a) रचनावादी
- (b) संज्ञानात्मक (Cognitive)
- (c) संवेगात्मक (Emotive)
- (d) व्यवहारवादी

DSSSB TGT 2016

Ans : (a) 'समवयस्कों के ज्ञान और पांडित्य (knowledge and wisdom of peers) के महत्व को समझने' को रचनावादी परिपेक्ष्य में महत्व दिया गया है। रचनावादी वाइगोत्सकी के अनुसार बालक एक वयस्क या सहकर्मी जो उसकी तुलना में अधिक समझ रखता है, के सहयोग से सीखता है।

5. शिक्षण के संप्रेषण कौशल

169. अभिप्रेरणा के सिद्धांतों के अनुसार एक शिक्षक ज्ञान को ऐसे बढ़ा सकता है-

- (a) अपेक्षा के एक समान मानक सामने रखकर
- (b) अपने विद्यार्थियों से कोई अपेक्षा न रखते हुए
- (c) बहुत उच्च अपेक्षायें सामने रखकर
- (d) विद्यार्थियों से यथार्थवादी अपेक्षायें सामने रखकर

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (d) अभिप्रेरणा के सिद्धांतों के अनुसार एक शिक्षक विद्यार्थियों की योग्यता के अनुरूप उनसे यथार्थवादी अपेक्षायें सामने रखकर ज्ञान को बढ़ा सकता है। यदि शिक्षक विद्यार्थियों से उच्च अपेक्षाएँ रखता है तो शिक्षार्थी उसकी अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य नहीं कर सकेंगे जिससे उनमें कुण्ठा की भावना उत्पन्न होगी। इसी प्रकार निम्न अपेक्षाएँ भी उन्हें उपलब्ध प्राप्त करने में हतोत्साहित करेंगी।

170. लेखित वार्तालाप संचारण व्यूह (practical knowledge of language) में शामिल है-

- (a) एलगोरीथम (Algorithms)
- (b) डीसिजन टेबल (Decision Table)
- (c) (a) और (b) दोनों
- (d) इनमें से कोई नहीं

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (c) लेखित वार्तालाप संचारण व्यूह में एलगोरिदम और डीसिजन टेबल दोनों शामिल होते हैं।

171. एक अच्छे वार्तालाप संचारण में जरूरी है-

- (a) विचारों की स्पष्टता
- (b) नाटकीय प्रस्तुति
- (c) नरम आवाज से बोलना
- (d) रुके बिना बोलना

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (a) एक अच्छे वार्तालाप संचारण में विचारों की स्पष्टता जरूरी है। वार्तालाप दो या दो से अधिक व्यक्तियों के बीच विचारों, भावनाओं, सूचनाओं आदि का आदान-प्रदान है। जब कोई व्यक्ति अपने विचारों, भावनाओं आदि को अभिव्यक्त करना चाहता है तो सर्वप्रथम वह भाषा या संकेतों के माध्यम से संकेतीकरण करता है। यह संकेतीकरण ग्रहीता या श्रोता के रुचि, योग्यता, अनुभव या क्षमता के अनुरूप होता है ताकि वह विचारों, भावनाओं, सूचनाओं आदि को सही-सही ग्रಹण कर सके तथा प्रतिपादित प्रदान कर सके। इसके लिए विचारों की स्पष्टता आवश्यक होती है।

172. वर्ग शिक्षण में सूचना माध्यम वर्ग से दूर रहना और चले जाना को प्रभावित करती है-

- (a) सहमत है
- (b) कह नहीं सकते
- (c) सहमत नहीं है
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (a) वर्ग शिक्षण में सूचना माध्यम वर्ग से दूर रहना और चले जाना सहमति को प्रभावित करती है। यदि अध्यापक कक्षा में सूचना संप्रेषित कर रहा है तथा विद्यार्थी कक्षा में पीछे वाली बैंच पर बैठा है और अचानक कक्षा छोड़कर बाहर चला जाता है। इसका मतलब है कि वह अध्यापक के बातों से सहमत नहीं है।

173. व्याख्यान में अच्छा वार्तालाप संचारण होगा यदि अध्यापक-

- (a) तैयार नोट में से पढ़ेंगे
- (b) पूर्व तैयारी कर नोट बनाएंगे और उनका मार्गदर्शक के रूप में इस्तेमाल करेंगे
- (c) सहसा वक्तव्य देंगे
- (d) अन्य विषयों में से दृष्टिकोण लेकर सहसा वक्तव्य देनें

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (d) व्याख्यान में अच्छा वार्तालाप संचारण होगा यदि अध्यापक अन्य विषयों में से दृष्टांत लेकर सहसा वक्तव्य देंगे। एक कुशल अध्यापक विद्यार्थियों के पूर्व अनुभव के साथ-साथ अन्य विषयों से संबंधित उदाहरण प्रस्तुत कर व्याख्यान को रोचक तथा प्रभावशाली बनाता है। इसके लिए आवश्यक है एक अध्यापक को अपने विषय का पूर्ण ज्ञान होने के साथ-साथ अन्य विषयों की भी पर्याप्त समझ हो तथा उसे विद्यार्थियों के मनोविज्ञान का भी पूर्ण ज्ञानकारी हो।

174. आवश्यक कौशल और दक्षता हासिल करने के तरीके में शामिल हो सकते हैं—

- (a) स्व: शिक्षा कार्यक्रम
- (b) शैक्षणिक पाठ्यक्रम
- (c) सलाह और अनुशिष्टण का संबंध
- (d) उपरोक्त सभी

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (d) आवश्यक कौशल और दक्षता हासिल करने के निम्नलिखित तरीके हो सकते हैं—

- स्व: शिक्षा कार्यक्रम
- शैक्षणिक पाठ्यक्रम
- सलाह और अनुशिष्टण का सम्बन्ध जीवन कौशल ऐसी सक्षमताएँ हैं जो आपका आत्मविश्वास जगाती है और आसानी से जीवन की समस्याओं का सामना करने में सहायता पहुँचाती है। ये मनोसामाजिक और अंतरवैयक्तिक स्पर्धाओं की तरफ इंगित करती हैं जिनमें अनेक आदतों का एक समूह शामिल होता है।

6. प्रभावशाली शिक्षण में शिक्षक की भूमिका, एवं शिक्षण को प्रभावित करने वाले कारक

175. यदि कोई छात्र बार-बार स्कूल का काम करने में असमर्थता का अनुभव करता है, तो इसकी परिणीति के रूप में हो सकती है।

- (a) अधिगम मूर्खता
- (b) अपरिपक्वता
- (c) खराब आदतें
- (d) गलतफहमी

NVS, PGT 19-09-2019

Ans : (a) यदि कोई छात्र बार-बार स्कूल का काम करने में असमर्थता का अनुभव करता है, तो इसकी परिणीति अधिगम मूर्खता के रूप में हो सकती है। यदि बालक बार-बार स्कूल का कार्य नहीं करना चाहता है तो उसे वांछित अधिगम की प्राप्ति नहीं हो पायेगी और जिसका परिणाम अधिगम मूर्खता के रूप में होगा।

176. यदि विद्यालयों को समाज की अपेक्षाओं पर खरा उतरना है तो नीचे दिए गए कथनों में से तीन कथन ऐसे हैं जिन्हें अध्यापकों को अनिवार्य रूप से करना चाहिए। जो नहीं करना चाहिए वह कौन-सा है?

- (a) उन्हें चाहिए कि विद्यालय को प्रौढ़ समाज की एक प्रतिकृति का रूप प्रदान करें
- (b) उन्हें विद्यालयों की सांस्कृतिक धरोहर को जानना चाहिए
- (c) उन्हें चाहिए कि विद्यालयी क्रियाकलाप को सांस्कृतिक प्रतिरूपों से संबंधित करें
- (d) उन्हें चाहिए कि व्यवहार को सामाजिक अन्योन्य क्रिया के लिए निर्देशित करें और उसका रिकॉर्ड रखें

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (a) यदि विद्यालयों को समाज की अपेक्षाओं पर खरा उतरना है तो उस विद्यालय के अध्यापकों को सांस्कृतिक धरोहर को जानना चाहिए, विद्यालयी क्रियाकलाप को सांस्कृतिक प्रतिरूपों से सम्बन्धित करना चाहिए तथा व्यवहार को सामाजिक अन्योन्यक्रिया के लिए निर्देशित करना चाहिए और उसका रिकॉर्ड रखना चाहिए।

177. शिक्षक का प्रथम दायित्व किसके प्रति होता है?

- (a) उसके द्वारा पढ़ाए जाने वाला विषय
- (b) विद्यार्थी
- (c) विद्यालय प्रशासन
- (d) समुदाय

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (b) शिक्षक का प्रथम दायित्व विद्यार्थी के प्रति होता है क्योंकि विद्यालयी परिवेश में शिक्षक ही वह व्यक्ति होता है जिसे बालक अपना आदर्श मानकर उसका अनुकरण करता है। शिक्षक विद्यार्थी के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करने में सहायक होता है। अध्यापक का कार्य केवल विषय का ज्ञान विद्यार्थी तक संप्रेषित करना नहीं होता है, अपितु पाठ में प्रयुक्त उद्देश्यात्मकता, नैतिकता का बोध कराना भी होता है।

178. कक्षा में तीन विद्यार्थी सदैव पीछे बैठते हैं और लगातार बात करके पूरी कक्षा का ध्यान भंग करते हैं। इन विद्यार्थियों के लिए आप क्या उपाय अपनायेंगे?

- (a) उन्हें अलग बैठने को कहेंगे
- (b) कक्षा आरंभ होने से पहले उन्हें बाहर जाने को कहेंगे
- (c) प्रधानाध्यापक को उन्हें विद्यालय से निकालने को कहेंगे
- (d) उन्हें नजरअंदाज करेंगे

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (a) यदि कक्षा में तीन विद्यार्थी सदैव पीछे बैठते हैं और लगातार बात करके पूरी कक्षा का ध्यान भंग करते हैं तो कक्षा में अनुशासन बनाये रखने के लिए हम उन्हें अलग बैठने को कहेंगे तथा ऐसा शिक्षण अधिगम परिस्थिति का निर्माण करेंगे जिसमें वे व्यस्त रहें।

179. शिक्षक के पास होना चाहिए—

- (a) विषय का ज्ञान
- (b) अध्यापन का ज्ञान
- (c) विद्यार्थियों का ज्ञान
- (d) उपरोक्त सभी

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (b) एक आदर्श शिक्षक में निम्न गुण होने चाहिए—

- विषय का पूर्ण ज्ञान।
- अध्यापन का ज्ञान।
- अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठा।
- पाठ्य सहगामी क्रियाओं में रुचि।
- प्रयोग एवं अनुसंधान में रुचि।
- विद्यार्थियों के मनोविज्ञान का ज्ञान।
- समस्या की पहचान करने की क्षमता।
- मित्रता एवं सहानुभूमिपूर्ण व्यवहार आदि।

180. कक्षा में प्रभावी अधिगम सुनिश्चित करने के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा कथन अप्रासंगिक है?

- (a) अध्यापक यह सुनिश्चित करें कि सीखी जाने वाली सूचना छोटे-छोटे चरणों में प्रस्तुत की जाए।
- (b) बच्चों के अधिगम की परिशुद्धता के विषय में उन्हें तुरन्त प्रतिपुष्टि प्रदान की जाए।
- (c) कक्षा में एकदम खामोशी हो ताकि अध्यापक शांति से पढ़ा सके।
- (d) अध्यापक यह सुनिश्चित करें कि विद्यार्थी अपनी-अपनी गति से सीखने में सक्षम है।

PRT-KVS 07-01-2017

Ans : (c) कक्षा में प्रभावी अधिगम सुनिश्चित करने के संदर्भ में निम्नलिखित कथन प्रासंगिक है—

- (i) अध्यापक यह सुनिश्चित करें कि सीखी जाने वाली सूचना छोटे-छोटे चरणों में प्रस्तुत की जाए।
- (ii) बच्चों के अधिगम की परिशुद्धता के विषय में उन्हें तुरन्त प्रतिपुष्टि प्रदान की जाए।
- (iii) अध्यापक यह सुनिश्चित करें कि विद्यार्थी अपनी-अपनी गति से सीखने में सक्षम है।

“कक्षा में एकदम खामोशी हो ताकि अध्यापक शांति से पढ़ा सके।” यह कथन प्रभावी अधिगम सुनिश्चित करने के सन्दर्भ में अप्रासंगिक है।

181. किसी विद्यार्थी को एक विशिष्ट प्रकार का व्यवहार प्रदर्शित करने अथवा किसी अनुचित व्यवहार का परिहार करने के लिए स्मरण कराने हेतु अध्यापक द्वारा दिए गए शाब्दिक अथवा गैर-शाब्दिक संकेत को क्या कहा जाता है?

- (a) क्यू (संकेत)
- (b) प्रबलक
- (c) प्रोत्साहन
- (d) उत्तेक

PRT-KVS 07-01-2017

Ans : (b) किसी विद्यार्थी को एक विशिष्ट प्रकार का व्यवहार प्रदर्शित करने अथवा किसी अनुचित व्यवहार का परिहार करने के लिए स्मरण कराने हेतु अध्यापक द्वारा दिये गये शाब्दिक अथवा गैर-शाब्दिक संकेत को प्रबलक कहा जाता है। अतः किसी अनुक्रिया का पुनर्बलक वह है जिसकी प्रस्तुति अथवा विलगता से अनुक्रिया के दोहराये जाने की प्रायिकता बढ़ जाती है।

182. एक विद्यार्थी कक्षा में अध्यापक से एक प्रश्न पूछता है, जो अध्यापक की दृष्टि में एक मूर्खतापूर्ण प्रश्न है और अध्यापक उस बच्चे को डाँट देता है, अध्यापक के ऐसे व्यवहार से शेष विद्यार्थी निराश हो जाते हैं और प्रश्न पूछना ही बंद कर देते हैं, ऐसी स्थिति को निम्नलिखित में से क्या संज्ञा दी जा सकती है?

- (a) प्रतिनिधिक दण्ड
- (b) आत्मप्रबलन
- (c) कक्षाकक्ष नैतिकता
- (d) सुकारक प्रभाव

PRT-KVS 07-01-2017

Ans : (a) प्रतिनिधिक दण्ड— जब अध्यापक द्वारा किसी एक विद्यार्थी को दिये गए दण्ड का प्रभाव अन्य विद्यार्थियों पर पड़ता है तो ऐसे दण्ड को प्रतिनिधिक दण्ड कहते हैं।

उपर्युक्त प्रश्न में अध्यापक द्वारा दिये गए दण्ड को प्रतिनिधिक दण्ड की संज्ञा दी जा सकती है।

183. यदि विद्यार्थी आपके शिक्षण में रुचि नहीं ले रहे हैं तो आप क्या करेंगे?

- (a) उन्हें नजरअंदाज कर देंगे
- (b) कक्षा छोड़कर चले जाएंगे
- (c) अपनी शिक्षण विधि में परिवर्तन लाएंगे
- (d) उन्हें ध्यान केन्द्रित करने को कहेंगे

NCERT PRT 30-07-2017

Ans : (c) यदि विद्यार्थी शिक्षण में रुचि नहीं ले रहे हैं तो एक अध्यापक को अपनी शिक्षण विधि में परिवर्तन करना चाहिए। शिक्षण विधि शिक्षार्थियों की रुचि, आवश्यकता और मनोवैज्ञानिक स्थिति के अनुसार होने से शिक्षार्थी शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।

184. कठोर दण्ड प्रक्रिया सहायता करती है—

- (a) बुरी आदतों को छोड़ने में
- (b) बुरी आदतों को मजबूत करने में
- (c) बुरी आदतों को दुर्बल बनाने में
- (d) बुरी आदतों की पुनरावृत्ति से भय उत्पन्न करने में

PRT KVS 15-12-2013

Ans : (d) कठोर दण्ड प्रक्रिया बालकों में बुरी आदतों की पुनरावृत्ति से भय उत्पन्न करने में सहायता करती है। छात्रों के व्यवहार में सुधार करने के लिए दण्ड एक उपयोगी निषेधात्मक अभिप्रेक का कार्य करता है। अनुशासन भंग करने, अध्यापकों व छात्रों के साथ दुर्व्यवहार करने, गृहकार्य न करने जैसी स्थितियों में दण्ड देकर बालकों के व्यवहार को सुधारा जा सकता है।

185. पूर्व-प्राथमिक स्तर के छात्र के लिए न्यूनतम दण्ड विधान जोकि उचित है, वह होगा—

- (a) उसे कक्षा के अन्य छात्रों से पृथक कर दिया जाए
- (b) उसे विद्यालय की सुविधाओं से पृथक कर दिया जाए
- (c) उसे प्रार्थना स्थल पर समस्त छात्रों के सम्मुख प्रताड़ित किया जाए
- (d) उसे क्षमा याचना के लिए बाध्य किया जाए

PRT KVS 15-12-2013

Ans : (a) पूर्व-प्राथमिक स्तर के छात्र के लिए न्यूनतम दण्ड विधान यह है कि उसे कक्षा के अन्य छात्रों से पृथक कर दिया जाए। ऐसे दण्ड से वह अपने व्यवहारों को सुधारने के लिए प्रेरित होगा।

186. विकलांग बालकों के साथ शिक्षक का उपर्युक्त व्यवहार होगा—

- (a) प्रेम एवं स्नेहपूर्ण
- (b) दुराग्रह एवं खीझपूर्ण
- (c) सामान्य से हेय मानकर
- (d) सुरक्षात्मक

PRT KVS 15-12-2013

Ans : (a) विकलांग बालकों के साथ शिक्षक का व्यवहार प्रेम एवं स्नेहपूर्ण होना चाहिए। विकलांग बालकों में शारीरिक दोष अवश्य होता है। परन्तु यह आवश्यक नहीं कि वे मानसिक दृष्टि से भी अयोग्य हों। विकलांग बालकों की मानसिक योग्यता प्रायः साधारण व तीव्र होती है परन्तु शारीरिक दोष के कारण उनमें हीन भावना आ जाती है। इसलिए ऐसे बालकों के साथ शिक्षक का व्यवहार प्रेम व स्नेहपूर्ण होना चाहिए। जिससे वे अपना समुचित विकास करने के लिए प्रेरित हो सकें।

- 187.** वे शिक्षक सर्वाधिक खुश कहे जा सकते हैं, जोकि—
- अपने व्यवसाय को ईमानदारी से सम्पन्न करते हैं
 - अपने व्यावसायिक दायित्वों की पूर्ति के लिए सतत् प्रयत्नशील रहते हैं
 - अपनी प्रबन्ध समिति से व्यक्तिगत लाभहित के लिए लड़ते रहते हैं
 - अपने दायित्वों से ज्ञान शून्य बने रहते हैं

PRT KVS 15–12–2013

Ans : (b) वे शिक्षक सर्वाधिक खुश कहे जा सकते हैं, जोकि अपने व्यावसायिक दायित्वों की पूर्ति के लिए सतत् प्रयत्नशील रहते हैं।

- 188.** छात्रों पर निम्नलिखित में से कौन–से शिक्षक व्यवहार का सर्वाधिक हानिकारक प्रभाव पड़ेगा?
- शिक्षक की संवेगात्मक अस्थिरता
 - शिक्षक द्वारा छात्रों का शारीरिक उत्पीड़न
 - शिक्षक द्वारा कक्षा में समय बर्बाद करना
 - शिक्षक द्वारा पक्षपातपूर्ण व्यवहार

PRT KVS 15–12–2013

Ans : (a) छात्रों पर शिक्षक की संवेगात्मक अस्थिरता का सर्वाधिक हानिकारक प्रभाव पड़ेगा। एक अच्छे शिक्षक में संवेगात्मक स्थिरता का होना आवश्यक है। छात्रों के प्रश्न पूछने पर उसे उत्खड़ना नहीं चाहिए। बहुत सोच–समझकर उनके प्रश्नों का उत्तर देना चाहिए।

- 189.** शिक्षक व्यवसाय के लिए सर्वाधिक उपयुक्त गुण हैं—
- उच्च श्रवण एवं पैरी दृष्टि
 - छात्रों के प्रति स्नेह भावना
 - उच्च अन्तर्मुखी व्यक्तित्व
 - उच्च आत्मविश्वास

PRT KVS 15–12–2013

Ans : (b) शिक्षक व्यवसाय के लिए सर्वाधिक उपयुक्त गुण छात्रों के प्रति स्नेह भावना है। एक अच्छा शिक्षक एक विद्यार्थी का सबसे अच्छा दोस्त, सबसे अच्छा मार्गदर्शक, सबसे अच्छा सलाहकार, सबसे अच्छा आदर्श होता है। अतः शिक्षकों का शिक्षार्थियों के प्रति आदर्शमय व्यवहार होना चाहिए।

- 190.** एक शिक्षक का गम्भीर दोष है—
- शारीरिक विकलांगता
 - निम्न सामाजिक–आर्थिक स्तर
 - दुर्बलकाय व्यक्तित्व
 - अपरिपक्व मानसिक विकास

PRT KVS 15–12–2013

Ans : (d) एक शिक्षक का गम्भीर दोष है उसका अपरिपक्व मानसिक विकास। शिक्षा के उद्देश्य की पूर्ति करने तथा बालकों को मन से स्वस्थ बनाने के लिए सर्वप्रथम शिक्षक को मानसिक रूप से स्वस्थ होना जरूरी है।

- 191.** प्रायः शिक्षक होते हैं—
- निम्न आर्थिक पृष्ठभूमि वाले
 - निम्न आर्थिक आस्था वाले
 - संकुचित विचारों वाले
 - इनमें से कोई नहीं

PRT KVS 15–12–2013

Ans : (d) एक अच्छे शिक्षक में धैर्य, नेतृत्व शक्ति, विनोदप्रियता, उत्साह, आत्म–सम्मान, मनोविज्ञान का ज्ञान, सम्बन्ध स्थापित करने का गुण, विद्यार्थियों के साथ अच्छे सम्बन्ध, उच्चगुणवत्ता, छात्रों से प्रेम व सहानुभूति, कुशल वक्ता, समय का पाबन्द, विषय का पूर्ण ज्ञान, शिक्षण विधियों का प्रयोग आदि प्रकार के गुण होने चाहिए।

192. शिक्षकों की नियुक्ति का उद्देश्य होना चाहिए—

- शिक्षण व्यवसाय का द्वारा सभी के लिए हो
- शिक्षण व्यवसाय केवल उचित योग्यता तथा रुचि लेने वालों के लिए हो
- मात्र उच्च योग्यता वाले अभ्यर्थियों के लिए हो
- किसी भी कथन को अन्तिम रूप से स्वीकार नहीं किया जा सकता है

PRT KVS 15–12–2013

Ans : (b) एक अध्यापक के लिए स्तर अनुसार न्यूनतम शिक्षक योग्यता का होना अनिवार्य है। साथ ही अध्यापक का प्रशिक्षित होना भी आवश्यक है। अध्यापक को अध्यापन व्यवसाय में रुचि और उसके प्रति निष्ठा होनी चाहिए। उसे शिक्षण व्यवसाय को केवल कमाई का साधन नहीं समझना चाहिए।

193. सेवाकाल में शिक्षक–प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाती है, क्योंकि—

- शिक्षक का बौद्धिक विकास हो सके
- शिक्षक की बौद्धिक हास समुन्नत हो सके
- शिक्षक को कुछ समय के लिए कार्य मुक्ति मिल सके
- शिक्षक को तरोताजा किया जा सके

PRT KVS 15–12–2013

Ans : (a) सेवा काल में शिक्षक–प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाती है, क्योंकि शिक्षक का बौद्धिक विकास हो सके। इसके अतिरिक्त सेवा–काल शिक्षक–प्रशिक्षण के निम्न उद्देश्य होते हैं—

- नवीन शिक्षण की भूमिका निर्वहन करने हेतु अध्यापक की दक्षता और शिक्षाशास्त्र की ज्ञान विधा को उन्नति की ओर अग्रसारित करना।
- अध्यापक के विषय और विषय–वस्तु ज्ञान को उन्नत एवं पूर्णता प्रदान करना।
- अध्यापक को सम्पूर्ण औपचारिक और अनौपचारिक शिक्षा अभिकरणों के प्रयोग हेतु सक्षम बनाना।

194. शिक्षक की सफलता निहित है—

- छात्रों की तैयारी एवं उपलब्धि में
- शिक्षक के उत्तम गुण में
- शिक्षक के उत्तम शिक्षण में
- शिक्षक के वैयक्तिक गुणों में

PRT KVS 15–12–2013

Ans : (c) शिक्षक की सफलता उसके उत्तम शिक्षण में निहित होता है। अच्छा शिक्षण सुनियोजित, प्रेरणादायक, प्रगतिपूर्ण, क्रियाशील एवं गतिशील होता है। अच्छे शिक्षण के लिए मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों का उपयोग आवश्यक है।

195. शिक्षण व्यवसाय की ग्राह्यता का आपकी दृष्टि में कारण है—

- (a) आर्थिक सुनिश्चितता
- (b) सामाजिक सेवा
- (c) सामाजिक सुयश व आत्मसंतुष्टि
- (d) सेवा निवृत्ति के उपरान्त के लाभ

PRT KVS 15–12–2013

Ans : (c) शिक्षण व्यवसाय की ग्राह्यता का कारण सामाजिक सुयश व आत्मसंतुष्टि है।

196. शिक्षण व्यवसाय के लिए तैयारी का प्रथम प्रवेशद्वार है—

- (a) अपेक्षित रुचि एवं इच्छा का होना
- (b) वेतन एवं अन्य सुविधाओं पर विचार
- (c) सामाजिक सुयश की अभिलाषा
- (d) सरल रोजगार की प्राप्ति

PRT KVS 15–12–2013

Ans : (a) शिक्षण व्यवसाय के लिए तैयारी का प्रथम प्रवेशद्वार अपेक्षित रुचि एवं इच्छा का होना है। जब तक शिक्षण कार्य में रुचि एवं इच्छा नहीं होगी तब तक एक शिक्षक अपने व्यवसाय के प्रति ईमानदार नहीं होगा।

197. निम्नलिखित में से किस कथन को आप एक शिक्षक के सन्दर्भ में अनुपयुक्त मानते हैं?

- (a) शिक्षक जनसेवी हो
- (b) शिक्षक छात्र समस्याओं का निस्तारण मात्र करे
- (c) शिक्षक मात्र छात्र-अभिलेख तैयार करे
- (d) शिक्षक शिक्षण त्यागकर उपर्युक्त सभी कार्य करे

PRT KVS 15–12–2013

Ans : (d) शिक्षक का कार्य जनसेवा करना, छात्र समस्याओं का निस्तारण करना तथा छात्र अभिलेख तैयार करना मात्र नहीं है बल्कि इन सबके साथ-साथ उसका मुख्य कार्य शिक्षण करना, पाठ्यक्रम निर्माण में सहयोग देना तथा विद्यार्थियों को भविष्य के लिए तैयार करना भी है।

198. कक्षा में बाते करना व अनुशासनहीनता किस बात का संकेत है?

- (a) छात्रों की निम्न पृष्ठभूमि
- (b) पुनरावृत्तिजन्य ऊब
- (c) जानाकारी सम्बन्धी सभ्रम
- (d) शिक्षण बिन्दुओं के संक्षेपण का अभाव

PRT KVS 15–12–2013

Ans : (b) कक्षा में बातें करना व अनुशासनहीनता पुनरावृत्तिजन्य ऊब की ओर संकेत करता है। जब कक्षा में एक ही विषय या पाठ को एक ही प्रकार के शिक्षण युक्तियों का प्रयोग करते हुए पढ़ाया जाता है तो बच्चे इस दोहराव के कारण ऊब जाते हैं और कक्षा में अनुशासनहीनता की समस्या उत्पन्न हो जाती है।

199. छात्रों के प्रति अध्यापक का व्यवहार कैसा नहीं होना चाहिए?

- (a) व्यंगपूर्ण
- (b) विनोदपूर्ण
- (c) दृढ़
- (d) उदार

PRT KVS 15–12–2013

Ans : (a) एक अध्यापक समाज का अहम नागरिक होता है जो समाज में छात्रों को आगे बढ़ाने का साधन है। शिक्षक का व्यवहार छात्रों के प्रति स्वेहपूर्ण, उदार, विनोदपूर्ण, दृढ़ तथा सहनभूतिपूर्ण होना चाहिए, जिससे छात्र अपनी समस्याओं को शिक्षक के सामने बेहिचक प्रस्तुत कर सके, यदि शिक्षक का छात्रों के प्रति कठोर व व्यंगपूर्ण व्यवहार होगा तो छात्र शिक्षक और विद्यालय दोनों से डरेगा और अपनी समस्याओं को नहीं बतायेगा।

200. अच्छे अध्यापक में कौन-सा गुण होना स्वभाविक रूप से आवश्यक है?

- (a) विनोदप्रियता
- (b) अपने विषय पर अच्छी पकड़
- (c) संवेगों पर नियंत्रण
- (d) शारीरिक बल

PRT KVS 15–12–2013

Ans : (c) शिक्षक समाज का आईना होता है। उसे अपने कार्य एवं व्यवहार से समाज व बच्चों के सामने सदैव आदर्श के रूप में स्वयं को प्रस्तुत करना चाहिए। शिक्षकों में संतुलित व्यक्तित्व, अच्छा स्वास्थ्य, संवेगात्मक स्थिरता, नेतृत्व गुण, सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार, आशावादी दृष्टिकोण जैसे गुण अपेक्षित हैं। एक अच्छे शिक्षक में संवेगात्मक स्थिरता होना आवश्यक है। छात्रों के प्रश्न पूछने पर उसे उखङ्गना नहीं चाहिए। बात-बात में झुंझलाना नहीं चाहिए। बल्कि धैर्य के साथ सोच-समझकर उनके प्रश्नों के उत्तर देकर उन्हें सन्तुष्ट करना चाहिए।

201. यदि बुलाए जाने पर कुछ छात्रों के माता-पिता या अभिभावक आकर शिक्षक से नहीं मिलते तो शिक्षक को क्या करना चाहिए।

- (a) माता-पिता अभिभावक को लिखना चाहिए
- (b) जाकर उनसे मिलना चाहिए
- (c) वैसे छात्रों को दंडित करना चाहिए
- (d) वैसे छात्रों को अनदेखा करना शुरू कर देना चाहिए

PRT KVS 04–10–2015

Ans : (a) यदि बुलाए जाने पर कुछ छात्रों के माता-पिता, अभिभावक आकर शिक्षक से नहीं मिलते हैं तो शिक्षक को पहले माता-पिता को पत्र लिखना चाहिए और अगर उसके बाद भी नहीं मिलते तो शिक्षक को स्वयं जाकर उनसे मिलना चाहिए।

202. कक्षा के माहोल (परिवेश) में एक सकारात्मक पढ़ाई वातावरण स्थापित और मजबूत करने में अनुशासन

- (a) बढ़ावा नहीं देता
- (b) बढ़ावा देता है
- (c) से कुछ लेना-देना नहीं होता
- (d) की जरूरत नहीं होता

PRT KVS 04–10–2015

Ans : (c) कक्षा के परिवेश में एक सकारात्मक पढ़ाई वातावरण स्थापित और मजबूत करने में अनुशासन से कुछ लेना-देना नहीं होता है, क्योंकि अनेक शिक्षाविदों जैसे- फ्रॉबेल, पेस्टालॉजी आदि का मत था कि कक्षा के बालकों में उचित अनुशासन बनाने शिक्षा प्रदान करने के लिए उन्हें उनकी अभिरुचि के अनुरूप एक ऐसे स्वतंत्र व अनुकूल वातावरण में रखना आवश्यक है जिसमें वे सक्रिय ढंग से अपनी समस्याओं का समाधान कर सकें। इस विचारधारा की मान्यता थी कि बालक मूलतः अच्छे स्वभाव के होते हैं तथा उन्हें अनुशासित करने के लिए उन पर किसी बाह्य दण्ड या दबाव की जरूरत नहीं है वरन् एक स्वतंत्र व खुले वातावरण की जरूरत होती है, जहाँ वे अपनी इच्छा व अभिरुचि के अनुकूल कार्य करते हुए सीख सकें। ऐसा होने पर छात्र स्वतः अनुशासित रहेंगे तथा अनुशासनहीनता की कोई समस्या उत्पन्न नहीं हो सकती है।

203. एक शिक्षक को समाज में सम्मान मिलना चाहिए जब वह—

- (a) एक आदर्श जीवन जीता हो
- (b) निष्ठापूर्वक अपनी ड्यूटी करता हो
- (c) प्रभावकारी तरीके से पढ़ाने में सक्षम हो
- (d) उपर्युक्त सभी

PRT KVS 04–10–2015

Ans : (d) एक शिक्षक को समाज में सम्मान मिलना चाहिए जब वह एक आदर्श जीवन जीता हो, निष्ठापूर्वक अपनी ड्यूटी करता हो तथा प्रभावकारी तरीके से पढ़ाने में सक्षम हो। अपने कार्यों के प्रति जागरूकता, कड़ी मेहनत एवं मधुर सम्भाषण अध्यापक का स्तर उठाने में सहायक होते हैं।

204. निम्नलिखित में से कौन–सा गुण एक शिक्षक के लिए सबसे अनिवार्य माना जाता है?

- (a) उसे विषय का विशेषज्ञ होना चाहिए
- (b) उसे एक विद्वान व्यक्ति होना चाहिए
- (c) उसे अनिवार्य रूप से अच्छे पहनावे वाला व्यक्ति होना चाहिए
- (d) उसमें भरपूर धैर्य (संयम) होना चाहिए

PRT KVS 04–10–2015

Ans : (a) एक शिक्षक के लिए सबसे अनिवार्य गुण है— उसे विषय का विशेषज्ञ होना चाहिए। शिक्षक में अपने विषय का नवीनतम ज्ञान, अपने व्यवसाय की पूरी जानकारी तथा बालकों के व्यवहार को समझने की क्षमता विशेष रूप से अपेक्षित होती है।

205. एक शिक्षक को सफल माना जाता है। यदि वह—

- (a) छात्रों को विषय की जानाकारी देता/देती है
- (b) विषय–वस्तु को एक सुव्यवस्थित तरीके से प्रस्तुत करता/करती हो
- (c) छात्रों को परीक्षाएं पास करने के लिए तैयार करता/करती हो
- (d) छात्रों को स्वास्थ्य के प्रति सचेत करता/करती हो

PRT KVS 04–10–2015

Ans : (b) एक शिक्षक को सफल माना जाता है यदि वह विषय–वस्तु को एक सुव्यवस्थित तरीके से प्रस्तुत करता है क्योंकि जब छात्रों के समक्ष विषय–वस्तु को क्रमिक रूप से या व्यवस्थित क्रम से प्रस्तुत किया जाता है तो वे विषय–वस्तु का सहजतापूर्वक अधिगम कर लेते हैं तथा उनकी अवधारणाएँ स्पष्ट हो जाती हैं। यदि उनके सामने विषय–वस्तु को व्यवस्थित क्रम में नहीं प्रस्तुत किया जाता है तो वे भ्रमित होते हैं और अधिगम प्रक्रिया बाधित होती है।

206. निम्नलिखित में से कौन–सा महत्त्वपूर्ण प्रभाव शिक्षण की प्रभावकारिता पर निर्भर करती है?

- (a) विद्यालय की संरचना
- (b) शिक्षक को विषय की समझ
- (c) शिक्षक की योग्यता
- (d) शिक्षक की लिखावट

PRT KVS 04–10–2015

Ans : (b) प्रभावशाली शिक्षण के लिए शिक्षक में निम्न व्यवसायिक गुणों का होना आवश्यक है—

1. शिक्षक को विषय की समझ होनी चाहिए
2. अपने कर्तव्य (व्यवसाय) के प्रति निष्ठावान होना चाहिए
3. पाठ्य सहगामी क्रियाओं में रुचि होनी चाहिए
4. प्रयोग एवं अनुसंधान में रुचि होनी चाहिए
5. व्यावसायिक प्रशिक्षण का अभ्यास होना चाहिए

207. शिक्षकों को अपने शिक्षार्थियों को दैहिक सजा (Corporal punishment) नहीं देनी चाहिए क्योंकि—

- (a) यह माता–पिताओं को बहुत गुस्सा दिलाता है
- (b) वह जोखिमी है
- (c) शिक्षार्थियों में यह दबाव और चिन्ना पैदा करता है
- (d) शिक्षकों के लिए वह केवल भावात्मक रिहाई है

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31–08–2014

Ans : (c) शिक्षकों को अपने शिक्षार्थियों को दैहिक सजा नहीं देना चाहिए क्योंकि यह शिक्षार्थियों में दबाव और चिन्ना पैदा करता है। दण्ड का सम्बन्ध भय से होता है। अतः दण्ड के अत्यधिक भय से बालक का संवेगात्मक संतुलन बिगड़ सकता है।

208. आदर्श शिक्षक कैसा होता है?

- (a) सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पढ़ाने वाला
- (b) विद्यार्थियों को उनके पढ़ाई में सहायता करने वाला
- (c) मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक बनकर
- (d) अच्छा अनुशासन बनाए रख कर

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31–08–2014

Ans : (c) आदर्श शिक्षक मित्र, दार्शनिक, मार्गदर्शक, परामर्शदाता, सुविधाप्रदाता, सुलभकर्ता, अभिभावक आदि के रूप में होना चाहिए।

209. अंतरंग—सेवा (In–Service) शिक्षक प्रशिक्षण को कैसे प्रभावी बनाया जा सकता है?

- (a) प्रशिक्षण पैकेज को पहले से ही तैयार कर
- (b) निवासीय प्रशिक्षण बनाकर
- (c) सहकारिता का प्रस्ताव उपयोग में लाकर
- (d) प्रशिक्षण के अनुवर्तन तरीकों (follow up) का अभ्यास कर

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31–08–2014

Ans : (d) अंतरंग—सेवा शिक्षक प्रशिक्षण को प्रशिक्षण के अनुवर्तन तरीकों का अभ्यास कर प्रभावी बनाया जा सकता है। यह प्रशिक्षण शिक्षकों के व्यवसायी विकास के लिए एक आवश्यक उपकरण है जो उनके ज्ञान तथा शिक्षण अधिगम स्तर को उच्च तथा ज्यादा प्रभावी बनाने में सहायक होता है।

210. क्लास में विद्यार्थियों की दिलचस्पी कायम रखने के लिए शिक्षक को क्या करना चाहिए?

- (a) ब्लैकबोर्ड का उपयोग
- (b) चर्चा
- (c) कहानी बताना
- (d) प्रश्न पूछना

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31–08–2014

Ans : (d) कक्षा में विद्यार्थियों की दिलचस्पी कायम रखने के लिए शिक्षक को प्रश्न पूछना चाहिए। प्रश्न पूछने से विद्यार्थी शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया में सक्रिय हो जाते हैं। पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्नों पर उनकी रुचि उत्पन्न होती है और साथ ही वे सीखने के लिए प्रेरित भी होते हैं।

211. शिक्षक की सफलता होती है—

- (a) विद्यार्थियों की उच्च उपलब्धि
- (b) उसकी/उसका व्यक्तित्व की अच्छी विशेषता
- (c) उसकी/उसका अच्छा पठन
- (d) उसकी/उसका अच्छा चरित्र

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31–08–2014

Ans : (a) शिक्षक की सफलता विद्यार्थियों की उपलब्धि स्तर से निर्धारित होती है। बालकेन्द्रित शिक्षा में सभी विद्यार्थियों की योग्यता एवं क्षमता में विश्वास किया जाता है और यह माना जाता है कि सभी विद्यार्थी सीख सकते हैं। ऐसी परिस्थिति में एक शिक्षक को तभी सफल माना जाता है जब उसके सभी विद्यार्थी अपनी योग्यता व क्षमता के अनुसार उपलब्धि स्तर को प्राप्त कर सकें।

212. शिक्षण प्रक्रिया में का महत्वपूर्ण स्थान होता है।

- (a) प्रधानाध्यापक
- (b) प्रबन्धक
- (c) शिक्षक
- (d) पाठ्यपुस्तक

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) शिक्षण प्रक्रिया में शिक्षक का महत्वपूर्ण स्थान होता है। शिक्षण प्रक्रिया में शिक्षक स्वतंत्र चर होता है जिस पर शिक्षण की व्यवस्था, नियोजन तथा उसका परिचालन निर्भर करता है। शिक्षण प्रक्रिया में शिक्षक यह निर्णय लेता है कि छात्रों का पूर्व व्यवहार तथा पूर्व ज्ञान क्या है, जिसके आधार पर वह नवीन ज्ञान को सीख सकें तथा उद्देश्यों की प्राप्ति हो सके।

213. एक अच्छा शिक्षक—

- (a) अपनी आँखें वर्गखण्ड के सभी छात्रों पर रखेंगे
- (b) आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को मदद करेंगे
- (c) कमजोर छात्रों पर और अधिक ध्यान देंगे
- (d) गरीब छात्रों की मदद के लिए पैसे देंगे

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (a) एक अच्छा शिक्षक अपनी आँखें वर्गखण्ड के सभी छात्रों पर रखता है। वह कक्षा-कक्ष में प्रत्येक छात्रों के क्रियाकलापों और व्यवहारों पर नजर रखता है।

214. आप एक शिक्षक हैं और आपका स्थानान्तरण एक गाँव की संस्था में से एक शहर में हुआ है आप उन्हें कैसे पढ़ाएंगे?

- (a) आपको कुछ समय शहर में रहना होगा और बाद में पढ़ाने के लिए जाना पड़ेगा
- (b) आपकी शैक्षिक प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं आएगा
- (c) आपको पढ़ाने में नये आयामों जैसे कि इंटरनेट आदि की सहायता लेनी होगी
- (d) आपको अन्य शिक्षकों से बात करनी चाहिए और बाद में आधुनिक ढंग से पढ़ाना चाहिए

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (b) यदि आप एक शिक्षक हैं और आपका स्थानान्तरण एक गाँव की संस्था में से एक शहर में हुआ है तो ऐसी स्थिति में आपकी शैक्षिक योग्यता में कोई बदलाव नहीं आना चाहिए क्योंकि एक कुशल अध्यापक ग्रामीण और शहरी विद्यालयों के बच्चों में कोई भेदभाव नहीं करता है यद्यपि वह वैयक्तिक भिन्नताओं को अवश्य ध्यान में रखता है।

215. स्कूल में अनुपस्थित रहना और भाग जाना; इनके कारण हैं—

- (a) अभ्यास क्रम में रुचि का अभाव
- (b) शिक्षण की निर्बल पद्धति
- (c) अप्रभावी शिक्षक
- (d) उपरोक्त सभी

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (d) स्कूल में अनुपस्थित रहने और भाग जाने के निम्नलिखित कारण हो सकते हैं—

- अभ्यास क्रम में रुचि का अभाव
- शिक्षण की निर्बल पद्धति
- अप्रभावी शिक्षक
- शिक्षक का व्यक्तिगत व्यवहार
- बच्चे का अध्यापन में रुचि न होना
- कक्षा कक्ष का भौतिक वातावरण आदि।

216. अध्यापक का आचरण जरूरी है—

- (a) प्रशासकीय
- (b) सूचनात्मक
- (c) आदर्श
- (d) निर्देशात्मक

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (c) अध्यापक का आचरण आदर्शात्मक होना जरूरी है। आदर्श शिक्षक को 'मनुष्य का निर्माता', 'राष्ट्रनिर्माता', 'शिक्षा पद्धति की आधारशिला', 'समाज को गति प्रदान करने वाला' आदि माना जाता है। डॉ. एफ. एल. क्लैप ने आदर्श शिक्षक के 10 गुण बताये हैं—

- | | |
|-----------------|------------------------|
| (i) संबोधन | (ii) आशावादिता |
| (iii) उत्साह | (iv) वैयक्तिक आकृति |
| (v) संयम | (vi) मानसिक निष्पक्षता |
| (vii) शुभ चिंतन | (viii) सहानुभूमि |
| (ix) जीवन शक्ति | (x) विद्वता |

217. विद्यार्थियों की जरूरत और रुचि के विषय में अध्यापकों का ज्ञान जिस विषय में समाविष्ट है, वह है—

- (a) शिक्षण की फिलॉस्फी
- (b) शिक्षण का मानसशास्त्र
- (c) शिक्षण का समाजशास्त्र
- (d) शिक्षण की राजनीति

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (b) विद्यार्थियों की जरूरत और रुचि के विषय में अध्यापकों का ज्ञान जिस विषय में समाविष्ट है उसे शिक्षण का मानसशास्त्र कहा जाता है। आधुनिक युग में मनोविज्ञान, विशेषकर बाल मनोविज्ञान व किशोर मनोविज्ञान के संप्रत्यों, सिद्धांतों व अनुप्रयोगों का शिक्षा के क्षेत्र में व्यापकता के साथ उपयोग किया जाता है। शिक्षण का मानसशास्त्र शिक्षण के दौरान बाल मनोविज्ञान के सिद्धांतों का अनुसरण करके शिक्षण कार्य को नियोजित व क्रियान्वित करने पर जोर देता है।

218. एक अध्यापक को अपने विषय में निपुण होना आवश्यक है-

- (a) जाग्रत्ता के लिए
- (b) विद्यार्थियों पर प्रभाव डालने के लिए
- (c) दिलचस्पी के लिए
- (d) अध्यापन को सार्थक बनाने के लिए

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013

Ans : (d) एक अध्यापक को अपने विषय में निपुण होना आवश्यक है ताकि वह अध्यापन को सार्थक बना सके। यदि अध्यापक अपने विषय में पारंगत नहीं होता है तो वह बच्चों को उचित शिक्षा नहीं प्रदान कर सकता है। इसलिए अध्यापक को अपने विषय में पारंगत होने के साथ-साथ अन्य विषयों में भी दक्ष होना चाहिए।

219. एक अध्यापक को अपनी आय बढ़ानी है। आप उसे राय देंगे कि-

- (a) शेष वक्त में कोचिंग संस्थाओं में पढ़ाये
- (b) स्कूल/कॉलेज में ज्यादा आय देने वाला कार्य स्वीकार करें
- (c) अध्यापन के सिवाय अन्य कानूनेकर्त्युअल कार्य को स्वीकार करें
- (d) पुस्तकें लिखे

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013

Ans : (d) एक अध्यापक को यदि अपनी आय बढ़ानी है तो उसे यह सुझाव देना चाहिए कि वह पुस्तकें लिखे। यदि शिक्षक पुस्तक लिखता है तो वह निरंतर अध्ययन कार्य में लगा रहेगा साथ ही अपने विषय और अन्य विषयों की भी नवीनतम् जानकारी प्राप्त करता रहेगा। ऐसी स्थिति में प्रभावी पुस्तकीय लेखन के साथ-साथ अध्यापन भी प्रभावी होगा।

220. एक व्यवसाय की सफलता आधारित है-

- (a) व्यक्तिगत संतोष प्रदान करने की नीति
- (b) लोगों से संबंध बनाए रखने पर
- (c) कार्य की गुणवत्ता बनाये रखने पर
- (d) अपने उपरिक्रमों से वफादारी पर

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013

Ans : (c) एक व्यवसाय की सफलता कार्य की गुणवत्ता बनाये रखने पर आधारित होती है। इसलिए अध्यापक को निरंतर अपने शिक्षण व्यवसाय के उन्नयन पर ध्यान देना चाहिए। इसके लिए शिक्षक को अपने विषय के नवीनतम ज्ञान प्राप्ति के लिए निरंतर अध्ययन करते रहना चाहिए। साथ ही सरकार द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, सेमिनारों, सम्मेलनों में भाग लेना चाहिए। इसके अतिरिक्त शिक्षक को रिफ़ेशर कोर्सेज, ओरिएंटेशन प्रोग्राम आदि में भी हिस्सा लेनी चाहिए।

221. अध्यापक की मुख्य भूमिका की पहचान है एक-

- (a) नेता
- (b) संयोजक
- (c) प्रबंधक
- (d) प्रेरक

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013

Ans : (d) अध्यापक की मुख्य भूमिका प्रेरक के रूप में पहचानी गयी है। अध्यापक अपने कार्यों एवं व्यवहारों को आदर्शत्वम् रूप में प्रस्तुत करता है। जिसका अवलोकन कर विद्यार्थी भी अनुकरण करने के लिए प्रेरित होते हैं। इसके साथ ही अध्यापक विद्यार्थियों के योग्यता एवं क्षमता को समझाकर उनको उचित दिशा में मार्गदर्शन करते हैं ताकि वह अपना भविष्य स्वयं चुन सके।

222. अध्यापक जो वर्ग-खण्ड अध्यापन में उत्साही होते हैं-

- (a) ज्यादातर विषय में निपुणता की कमी रखते हैं जो उनके उत्साह में छुपी रहती है
- (b) सिर्फ विद्यार्थियों का ध्यान बनाये रखने के लिए नाटक करते हैं
- (c) सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में विद्यार्थियों को शामिल करते हैं
- (d) उपर्युक्त सभी

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013

Ans : (c) अध्यापक जो वर्ग-खण्ड अध्यापन में उत्साही होते हैं, सीखने सिखाने की प्रक्रिया में विद्यार्थियों को शामिल करते हैं क्योंकि वे समझते हैं कि विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी बनाता है। साथ ही उनको शिक्षण के सिद्धांतों, सूत्रों, युक्तियों, प्रतिमानों, विधियों, प्रविधियों, उद्देश्यों तथा विद्यार्थियों की विभिन्न अवस्थाओं और उसमें होने वाले परिवर्तनों और उनके मनोविज्ञान का भी पूर्ण ज्ञान होता है।

223. कोई अच्छा अध्यापक बन सकता है, यदि-

- (a) उनको पढ़ाने में सच्ची दिलचस्पी हो
- (b) वह जानता हो कि विद्यार्थियों को कैसे नियंत्रित किया जाए
- (c) वह अपना विषय जानता हो
- (d) उनकी शैली अच्छी हो

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013

Ans : (c) कोई भी अच्छा अध्यापक बन सकता है यदि वह व्यवसायिक गुणों में निपुण हो जैसे-

- विषय का पूर्ण ज्ञान
- अपने कर्तव्य (व्यवसाय) के प्रति निष्ठा
- पाठ्य सहगामी क्रियाओं में रुचि
- प्रयोग एवं अनुसंधान में रुचि
- व्यवसायिक प्रशिक्षण

224. एक अध्यापक होकर, यदि विद्यार्थी आपके वर्ग में उपस्थित नहीं रहते तो, आप क्या करोगे?

- (a) वर्ग में अनुपस्थित रहने के लिए उनको दण्ड देंगे
- (b) विद्यार्थियों के वर्तमान व्यवहार पर शांति से विचार करेंगे
- (c) सिखाने की कोई रुचिकर पद्धति पर सोचेंगे
- (d) कारणों को समझने का प्रयत्न करेंगे और उनको दूर करने का प्रयत्न करेंगे

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013

Ans : (d) यदि विद्यार्थी आपके वर्ग में उपस्थित नहीं रहते तो एक अध्यापक के रूप में आपको कारणों को समझने का प्रयत्न करना चाहिए और उनको दूर करने का प्रयास करना चाहिए। विद्यार्थियों की कक्षा में उपस्थिति मुख्य रूप से तीन कारणों से प्रभावित होती है— पहला विद्यार्थी से सम्बन्धित कारण, दूसरा शिक्षण प्रक्रिया से संबंधित कारण और तीसरा अध्यापक से संबंधित कारण। यदि अनुपस्थिति का कारण शिक्षण प्रक्रिया या अध्यापक से संबंधित है तो एक कुशल शिक्षक को अपने शिक्षण प्रक्रिया और व्यवहार में परिवर्तन करके समस्या का समाधान किया जा सकता है किन्तु यदि विद्यार्थियों से संबंधित कारण है तो अध्यापक को उसके अभिभावकों से बातचीत करके समस्या को सुलझाया जा सकता है।

225. एक प्रभावी शिक्षार्थी के गुण क्या हैं?

- (a) स्वःनिर्देशित
- (b) जिज्ञासु और मुक्त विचारधारा
- (c) स्वः जागरूकता
- (d) उपरोक्त सभी

PRT Post Code 70/90 02.02.2014

Ans : (d) शिक्षार्थी वह बालक होता है जो अध्ययन, अनुदेशन या अनुभव के माध्यम से ज्ञान और कौशल अर्जित करने की इच्छा रखता है। एक प्रभावी शिक्षार्थी में निम्नलिखित गुण होते हैं—

- स्वः निर्देशित
- जिज्ञासु और मुक्त विचारधारा
- स्वःजागरूकता
- स्वतः प्रेरित
- कल्पनाशील
- सीखने की रुचि आदि।

226. प्राथमिक शिक्षक के लिए निम्नलिखित में से किसका अध्ययन सर्वाधिक उपयोग है?

- | | |
|-----------------|--------------------|
| (a) कानून | (b) बाल मनोविज्ञान |
| (c) खगोलविज्ञान | (d) सांख्यिकीय |

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (b) प्राथमिक शिक्षक के लिए बाल मनोविज्ञान का ज्ञान होना आवश्यक है क्योंकि वर्तमान शिक्षा का स्वरूप बाल केन्द्रित हो गया है और बालकेन्द्रित शिक्षा तभी सम्भव है जब शिक्षक को बालकों के विकास, वैयक्तिक भिन्नता, अधिगम शैली, मानसिक क्षमता, व्यक्तित्व, बुद्धि आदि का ज्ञान हो जिसका उपयोग वह अपने शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के दौरान कर सके।

227. एक शिक्षक अपने लोकतांत्रिक स्वभाव के कारण, छात्रों को कक्षा में कहीं भी बैठने देता है। कुछ छात्र एक साथ बैठकर सामूहिक पठन करते हैं। कुछ शांति से बैठकर स्वयं पठन करते हैं। अभिभावक इसे परसंद नहीं करते हैं। इस परिस्थिति से निपटने का निम्नलिखित में से सर्वश्रेष्ठ उपाय हो सकता है—

- (a) अभिभावक प्राचार्य से शिक्षक की शिकायत करें
- (b) अभिभावक को अपने बच्चे का अनुभाग बदलने के लिए प्राचार्य से अनुरोध करें
- (c) अभिभावक शिक्षक के प्रति विश्वास रखे और शिक्षक से समस्या के बारे में चर्चा करें
- (d) अभिभावक बच्चे को विद्यालय से निकाल ले

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (c) यदि कोई शिक्षक अपने लोकतांत्रिक स्वभाव के कारण छात्रों को कक्षा में कहीं भी बैठने देता है। कुछ छात्र एक साथ बैठकर सामूहिक पठन करते हैं तो वहीं कुछ शांति से बैठकर स्वयं पठन करते हैं। यह छात्रों के वैयक्तिक अधिगम शैली को प्रदर्शित करते हैं। यह छात्रों के वैयक्तिक अधिगम शैली को प्रदर्शित कर रहा है। अतः अभिभावक को यह देखकर घबराना नहीं चाहिए बल्कि शिक्षक के प्रति विश्वास रखना चाहिए तथा उनसे समस्या के बारे में चर्चा करनी चाहिए।

228. प्राथमिक स्तर पर निम्नलिखित में से किसे एक शिक्षक का सर्वाधिक महत्वपूर्ण गुण माना जाना चाहिए?

- (a) पढ़ाने की उत्सुकता
- (b) धैर्य एवं सहिष्णुता व शिक्षण दक्षता
- (c) शिक्षण पद्धति में दक्षता एवं विषय का ज्ञान
- (d) उच्च मानक भाषा में पढ़ाने की दक्षता

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (b) प्राथमिक स्तर पर शिक्षण कार्य करने वाले शिक्षकों में धैर्य, सहिष्णुता व शिक्षण दक्षता जैसे गुणों का होना आवश्यक है क्योंकि प्राथमिक स्तर पर बच्चों की रुचि पढ़ने में नहीं होती है तथा वे पूर्व अनुभव के साथ विद्यालय आते हैं। ऐसे परिस्थिति में शिक्षक उनके पूर्व-अनुभव का उपयोग करते हुए नवीन ज्ञान की तरफ उनकी रुचियों व जिज्ञासा को मोड़ना पड़ता है। जिसके लिए शिक्षक में विशेष कौशल व योग्यता की आवश्यकता होती है।

229. एक शिक्षक के लिए व्यक्तिगत भेद का ज्ञान आवश्यक है—

- (a) वर्ग के अच्छे संचालन के लिए
- (b) अच्छे लक्षणों का विकास करने के लिए
- (c) शिस्त (Discipline) को प्रकट करने के लिए
- (d) मार्गदर्शन और परामर्श देने में

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (a) एक शिक्षक के लिए व्यक्तिगत भेद का ज्ञान आवश्यक है ताकि वह प्रत्येक विद्यार्थी की योग्यता एवं क्षमता के अनुसार अधिगम परिस्थिति का निर्माण कर सके और छात्र अपने सुविधानुसार अधिगम अनुभव प्राप्त कर सके। शिक्षक के लिए व्यक्तिगत भेदों का ज्ञान इसलिए भी आवश्यक है ताकि वह विद्यार्थियों की भिन्नताओं के अनुसार उनका विभाजन समरूप समूहों में कर सके। उदाहरण के लिए प्रत्येक कक्षा को मानसिक योग्यता के आधार पर श्रेष्ठ, सामान्य और निम्न मानसिक योग्यता वाले समूहों में विभाजित कर शिक्षण कार्य करना ज्यादा लाभदायक होगा।

230. निम्नलिखित में से कौन-सा शिक्षक से सम्बन्धित अधिगम को प्रभावित करने वाला कारक है?

- (a) शिक्षण – अधिगम संसाधनों की उपलब्धता
- (b) विषय – वस्तु या अधिगम – अनुभवों की प्रकृति
- (c) विषय – वस्तु में प्रवीणता
- (d) बैठने की उचित व्यवस्था

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (c) शिक्षक से सम्बन्धित अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक निम्न हैं—

- (i) विषय-वस्तु में प्रवीणता
- (ii) शिक्षक का व्यवहार
- (iii) मनोविज्ञान का ज्ञान
- (iv) शिक्षण विधि
- (v) व्यक्तिगत भेदों का ज्ञान
- (vi) बाल केन्द्रित शिक्षा पर बल

7. शिक्षण प्रतिमान एवं शिक्षक व्यवहार में सुधार

231. अध्यापकों की सार्थकता बढ़ाने के लिए शिक्षण में अंतर प्रक्रिया विश्लेषण श्रेणी (interaction analysis category) पद्धति किसने बनाई?

- (a) फ्लैन्डर
- (b) रेयोन
- (c) एमिडोन और सिमोन
- (d) रिचार्ड ओवर

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (a) अध्यापकों की सार्थकता बढ़ाने के लिए शिक्षण में अंतःप्रक्रिया विश्लेषण श्रेणी पद्धति का विकास डॉ. एन.ए. फ्लैन्डर ने मिनसोटा विश्वविद्यालय में किया। इसे फ्लैन्डर्स अंतःक्रिया विश्लेषण के नाम से भी जाना जाता है। फ्लैन्डर ने कक्षा व्यवहार मूल्यांकन में कक्षा के शाब्दिक व्यवहार को महत्वपूर्ण एवं प्रधान माना है।

8. शिक्षण में नवाचार

232. एक शिक्षक ने कक्षा 4 के बच्चों को एक गतिविधि किट देकर एक प्रायोगिक गतिविधि का संचालन किया। कक्षा के सभी बच्चों ने इस गतिविधि में पूरी तरह से भाग लिया। शिक्षक के लिए यह सुनिश्चित करने का सबसे अच्छा तरीका क्या होगा कि छात्रों ने गतिविधि से अभिप्रेरित शिक्षा प्राप्त की है?

- (a) साथियों या शिक्षकों के साथ चर्चा का आयोजन करें और बच्चों के व्यक्तिगत विचारों को प्रतिबिम्बित होने दें
- (b) उन्हें एक वर्कशीट दें और उसे हल करने के लिए कहें
- (c) बच्चों को कक्षा के सामने एक-एक करके अपने अनुभव साझा करने के लिए कहें
- (d) उनसे सवाल पूछें

NVS, TGT 18-09-2019 (II)

Ans : (a) गतिविधि आधारित शिक्षण में सभी बच्चों में सक्रियता से भाग लिया। छात्रों ने गतिविधि से अभिप्रेरित शिक्षा प्राप्त की या नहीं इसका आकलन करने के लिए शिक्षक छात्र समूहों या शिक्षकों के साथ चर्चा का आयोजन करना चाहिए ताकि बच्चे गतिविधि अभिप्रेरित अनुभव को व्यक्त कर सकें।

233. एक सहयोगी शैक्षिक वातावरण में के पर्याप्त अवसर होने पर प्रभावी भाषा अधिग्रहण संभव हो सकता है।

- (a) विश्लेषणात्मक संचार
- (b) लिखित संचार
- (c) पारस्परिक संचार
- (d) मौखिक संचार

NVS, PGT 17-09-2019 II

Ans : (c) एक सहयोगी शैक्षिक वातावरण में, पारस्परिक संचार के पर्याप्त अवसर होने चाहिए तभी छात्र एक दूसरे से किसी विषय पर ज्ञान का आदान-प्रदान कर सकेंगे और इससे प्रभावी भाषा अधिग्रहण संभव हो सकता है।

234. यदि कोई तैरना सीखना चाहता है तो उसे तालाब, नदी या स्वीमिंग पूल में अभ्यास करना पड़ता है। किसी किताब से नियम पढ़कर कोई तैरना नहीं सीख सकता है। यह किसी भी प्रकार के अधिग्रहण के लिए सत्य है।

- | | |
|---------------|-----------|
| (a) समझ | (b) ज्ञान |
| (c) अभिवृत्ति | (d) कौशल |

NVS, PGT 17-09-2019

Ans : (d) कौशल अर्जन के सम्बन्ध में यह सत्य होता है कि कोई भी कौशल सिर्फ किताबों में नियम पढ़ने से अर्जित नहीं की जाती है अपितु उसके लिए अभ्यास की आवश्यकता होती है। बिना उचित अभ्यास के कौशल अर्जन नहीं हो पाता है। जैसे- तैरना सीखने के लिए उसका अभ्यास जरूरी है, न कि केवल किताब में नियम पढ़ने से यह अर्जित हो जाता है।

235. प्राथमिक स्तर पर वीडियो अनुरूपण और प्रदर्शन की अपेक्षा किसे तरजीह दी जानी चाहिए?

- (a) पठन
- (b) लेखन
- (c) हस्त अनुभव
- (d) मानसिक कार्य

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (c) प्राथमिक स्तर पर वीडियो अनुरूपण और प्रदर्शन की अपेक्षा हस्त अनुभव को तरजीह दी जानी चाहिए क्योंकि इस स्तर पर बालक बाल्यावस्था में होता है जिसे ज्ञान को स्थायी बनाने के लिए तथा नवीन ज्ञान की प्राप्ति के लिए स्वयं करके सीखने पर बल दिया जाना चाहिए। इस तरह से अर्जित ज्ञान अधिगम में सहायक होता है।

236. बहुकक्षा शिक्षण की सबसे बड़ी कमी होती है-

- (a) यह अधेताओं के दायित्व में वृद्धि करती है
- (b) इससे अनुशासनहीनता पनप सकती है
- (c) इसमें व्यक्तिगत ध्यान की प्रक्रिया में कमी आती है
- (d) यह शिक्षकों को निष्क्रिय बनाती है

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (c) जब एक शिक्षक एक ही समय में एक साथ अलग-अलग कक्षाओं के बच्चों के लिए शिक्षण कार्य करता है तो वह बहु-कक्षा शिक्षण की स्थिति होती है। बहुकक्षा शिक्षण में शिक्षकों पर अधिक कार्य बोझ के कारण उनके लिए विद्यार्थियों पर व्यक्तिगत ध्यान देना तथा अधिगम हेतु उन्हें अभिप्रेरित करना संभव नहीं हो पाता है।

237. विद्यालयों में खेल रखने का सबसे महत्वपूर्ण कारण है-

- (a) विद्यार्थियों को मजबूत बनाना
- (b) विद्यार्थियों को व्यस्त रखना
- (c) विद्यार्थियों में सहयोग और शारीरिक समन्वय बढ़ाना
- (d) विद्यार्थियों द्वारा खेलों की माँग किया जाना

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (c) विद्यालयों में खेल रखने का सबसे महत्वपूर्ण कारण विद्यार्थियों में सहयोग और शारीरिक समन्वय बढ़ाना है। खेल बच्चों में सृजनात्मक कौशलों को पोषित करने में सहायता करता है साथ ही साथ कई जीवन कौशलों जैसे समस्या समाधान, नेतृत्व क्षमता, तर्क पूर्ण ढंग से सोचना, स्व: अभिव्यक्ति, संप्रेषण कौशल, सहकारी अधिगम समूह में रहना आदि का विकास करता है।

238. क्लासरूम अध्यापन में समूह गतिविधि का क्या उद्देश्य है?

- (a) शिक्षक का कार्य भार करना
- (b) अधिक से अधिक बच्चों को अधिगम में भाग लेना
- (c) संकल्पनाओं को प्रभावी ढंग से स्पष्ट करना
- (d) विद्यार्थियों को स्वतंत्रता मुहैया करना

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (b) क्लासरूप अध्यापन में समूह गतिविधि का निम्न उद्देश्य है—

- अधिक से अधिक बच्चों को अधिगम में सहभागी बनाना।
- विभिन्न छात्रों के बीच सामाजिक अंतःक्रिया को बढ़ावा देना।
- शिक्षा में समावेशन को संपोषित करना।
- छात्रों को सक्रिय अनुभव प्राप्ति में सहायता करना।

239. आपके स्कूल में दीपावली मेले में आयोजन किया गया है। आप क्या करना चाहेंगे?

- (a) केवल मेला देखने जायेंगे
- (b) समारोह में भाग लेंगे
- (c) कुछ बेचने के लिए एक स्टाल लेंगे
- (d) दरशकों के लिए मुफ्त पानी का वितरण करना

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (b) यदि स्कूल में दीपावली मेले का आयोजन किया गया है तो एक शिक्षक को समारोह में स्वयं तो भाग लेना ही चाहिए अपने विद्यार्थियों को भी समारोह में भाग लेने के लिए प्रेरित करना चाहिए। क्योंकि इससे वे अपनी संस्कृति, रीत-रिवाजों, परम्परा को समझ सकेंगे।

240. यदि कोई अध्यापक अपने शिक्षार्थियों के लिए सूचना सम्प्रेषण आधारित अध्यापन-अधिगम उपागम को अपनाना चाहता है, तो बताइए निम्नलिखित में से कौन-सा कथन संगत नहीं है?

- (a) विषयवस्तु और प्रौद्योगिकी में अनुकूलता या संगतता होनी चाहिए
- (b) आईसीटी उपकरणों के माध्यम से विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त ज्ञान का मूल्यांकन परीक्षा के माध्यम से होना चाहिए
- (c) विद्यार्थियों में उपलब्ध आईसीटी उपकरणों का प्रयोग करने की योग्यता होनी चाहिए
- (d) संस्थान में इंटरनेट कनेक्शन होना चाहिए ताकि विद्यार्थी छानबीन कर सके।

PRT-KVS 07-01-2017

Ans : (b) यदि कोई अध्यापक अपने विद्यार्थियों के लिए सूचना सम्प्रेषण आधारित अध्यापन-अधिगम उपागम को अपनाना चाहता है, तो उसे निम्न बातों का ध्यान देना आवश्यक है—

- (i) विषयवस्तु और प्रौद्योगिकी में अनुकूलता या संगतता होनी चाहिए।
- (ii) विद्यार्थियों में उपलब्ध आईसीटी उपकरणों का प्रयोग करने की योग्यता होनी चाहिए।
- (iii) संस्थान में इंटरनेट कनेक्शन होना चाहिए ताकि विद्यार्थी छानबीन कर सकें।

“आईसीटी उपकरणों के माध्यम से विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त ज्ञान का मूल्यांकन परीक्षा के माध्यम से होना चाहिए।”— यह कथन असंगत है।

241. प्रारम्भिक विद्यालय स्तर पर खेलकूद बच्चों की इस प्रकार सहायता करते हैं। कि.....

- (a) वह अधिक स्पर्धात्मक बने और अपने कार्यों में सटीकता लाएं
- (b) वह सभी प्रकार की क्रीड़ाओं के मूल सिद्धांत सीख पाएं
- (c) वह किसी भी अवस्था में सफलता सुनिश्चित कर सके
- (d) बच्चे सहयोग की भावना न्यायपरकता तथा समझौता करना सीख जाएं

PRT-KVS 07-01-2017

Ans : (d) खेल, बच्चे की स्वाभाविक क्रिया है। खेल से बच्चों के शारीरिक विकास, संज्ञानात्मक विकास, संवेगात्मक विकास, सामाजिक विकास एवं नैतिक विकास को बढ़ावा मिलता है। खेल से मनुष्य की मनोवैज्ञानिक जरूरतें पूरी होती हैं तथा वह मनुष्य को सामाजिक कौशलों के विकास का भी अवसर देता है। खेल द्वारा बच्चों में सहयोग की भावना, न्यायपरकता तथा समझौता करना सीखते हैं।

242. यदि दो या दो से अधिक शिक्षण विधियों को मिलाकर शिक्षण किया जाए तो उसे कहेंगे—

- | | |
|------------------|-----------------------|
| (a) उदार विधि | (b) मिश्रित विधि |
| (c) संयोजित विधि | (d) इनमें से कोई नहीं |

NCERT PRT 30-07-2017

Ans : (b) जब दो या दो से अधिक शिक्षण विधियों को मिलाकर शिक्षण किया जाता है तो उसे मिश्रित विधि कहते हैं। स्लॉटेड शिक्षा एक औपचारिक शिक्षा कार्यक्रम है, जिसमें विद्यार्थी पाठ्यक्रम का एक भाग कक्षा में पूरा करता है और दूसरा भाग डिजिटल एवं ऑनलाइन संसाधनों का प्रयोग करके पूरा करता है। मिश्रित विधि में समय, स्थान, विधि तथा गति का नियंत्रण विद्यार्थी के हाथ में होता है।

243. प्रदर्शनी/विज्ञान मेले में विद्यार्थियों की जो दक्षता बढ़ती है, वह है—

- | | |
|-------------------|-----------------------|
| (a) ज्ञान | (b) समझ |
| (c) उच्च दक्षताएं | (d) इनमें से कोई नहीं |

NCERT PRT 30-07-2017

Ans : (b) प्रदर्शनी/विज्ञान मेले से विद्यार्थियों की समझ बढ़ती है। प्रदर्शनी के कुछ अन्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं—

- बच्चों को अपनी स्वाभाविक जिज्ञासा एवं रचनात्मकता की पूर्ति के लिए एक मंच उपलब्ध कराना।
- बच्चों को अपने आस-पास हो रहे क्रियाकलापों में विज्ञान की उपस्थिति का अनुभव कराना।
- आत्म-निर्भरता, सामाजिक-आर्थिक और सामाजिक-पर्यावरणीय विकास के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विकास को प्रमुख साधन के रूप में देखने पर बल देना।
- स्वस्थ एवं संपोषणीय समाज को बनाए रखने हेतु वैश्विक मुद्दों पर विवेचनात्मक सोच विकसित करना।

244. सहकारी शिक्षा का आधारभूत गुण है—

- (a) प्रभावी शिक्षण
- (b) सकारात्मक अंतर निर्भरता
- (c) श्रम विभाजन
- (d) सहयोग

NCERT PRT 30-07-2017

Ans : (b) अध्ययनों से पता चला है कि सहकारी उपागम का शैक्षणिक उपलब्धि, सहयोगात्मक व्यवहार अंतःसांस्कृतिक समझ व संबंध तथा विकलांग विद्यार्थियों के प्रति दृष्टिकोण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। ब्राउन और पार्कन ने सहकारी अधिगम के पाँच मूलभूत और आवश्यक तत्व बताये हैं—

- सकारात्मक अंतःनिर्भरता
- आमने-सामने बातचीत को बढ़ावा
- व्यक्तिगत जिम्मेदारी
- सामाजिक कौशल
- सामूहिक प्रसंस्करण

245. “विभिन्न सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक परिवेश से आए बच्चों से सुसज्जित बहुआयामी कक्षा सभी बच्चों के सीखने के अनुभवों को समृद्ध करती है” उक्त कथन—

- सही है, क्योंकि यह कक्षा को कई श्रेणियों में बाँटता है
- सही है, क्योंकि बच्चे आपस में मिलकर कई दक्षताएँ सीखते हैं
- असत्य है, क्योंकि यह बच्चों में भ्रम की स्थिति पैदा करता है
- असत्य है, क्योंकि यह बच्चों में अनावश्यक तुलना को जन्म देता है

NCERT PRT 30–07–2017

Ans : (b) उक्त कथन सही है, क्योंकि विभिन्न सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक परिवेश से आए बच्चों से सुसज्जित बहुआयामी कक्षा सभी बच्चों के सीखने के अनुभवों को समृद्ध करती है। सहकारी सहयोग से बच्चे आपस में मिलकर कई दक्षताएँ सीखते हैं। प्रत्येक बालक अपने समाज के स्वरूप, आदर्श से प्रभावित होता है। आपस में अंतःक्रिया करके बालक सहयोग, सहानुभूति, व्यवस्थापन और सात्सीकरण जैसे सामाजिक क्रियाएँ सीखता है।

246. शिक्षण कार्य अर्थहीन हो जाता है, यदि—

- काम में कोई परिवर्तन न हो
- कोई नवाचार न हो
- किसी बात का प्रशिक्षण न हो
- अनुशासन न हो

PRT KVS 15–12–2013

Ans : (b) शिक्षण कार्य अर्थहीन हो जाता है यदि कोई नवाचार न हो। नवाचार का अर्थ किसी उत्पाद, प्रक्रिया या सेवा में थोड़ा या कुछ बड़ा परिवर्तन लाने से है। नवाचार के अंतर्गत कुछ नया और उपयोगी अपनाया जाता है। यहाँ शिक्षण कार्य में नवाचार का मतलब है- व्यवहार में बदलाव या परिवर्तन। इसलिए शिक्षण कार्य तब तक अर्थपूर्ण नहीं माना जाता है जब तक कि बच्चों के व्यवहार में परिमार्जन या परिवर्तन न हो।

247. समूह में और सहभागिता द्वारा सीखने के अभ्यास को—

- निरुत्साहित किया जाना चाहिए
- अनदेखा किया जाना चाहिए
- प्रोत्साहित किया जाना चाहिए
- इनमें से कोई नहीं

PRT KVS 04–10–2015

Ans : (c) समूह में और सहभागिता द्वारा सीखने के अभ्यासों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए क्योंकि इससे सहयोग, सकारात्मक प्रतिस्पर्धा, व्यवस्थापन, आत्मीकरण, सामाजिक अन्तर्क्रिया आदि गुणों का विकास होता है।

248. आजकल शिक्षक और विद्यार्थी दोनों—

- को कम्प्यूटर पर काम करना आवश्यक है
- को कम्प्यूटर की अच्छी जानकारी आवश्यक नहीं है
- कम्प्यूटर साक्षर हो सकते हैं
- को कम्प्यूटर के बारे में कुछ भी जानकारी नहीं होनी चाहिए

PRT KVS 04–10–2015

Ans : (c) आजकल शिक्षक और विद्यार्थी दोनों कम्प्यूटर साक्षर हो सकते हैं क्योंकि कम्प्यूटर शिक्षण अधिगम को सरल तथा सुगम बनाने में सहायक होता है। यह शिक्षक तथा छात्रों दोनों के लिए तथ्यों तथा सूचना प्राप्त करने में तथा छात्रों को अध्यास के अवसर प्रदान करने में सहायक होता है। इसलिए शिक्षक तथा विद्यार्थी दोनों को कम्प्यूटर की सामान्य जानकारी आवश्यक है।

249. किसी पठन सामग्री को एक दौर में पढ़ना
पढ़ाई के रूप में जाना जाता है—

- | | |
|--------------|-----------------------|
| (a) बटित | (b) सामूहित |
| (c) अंतरालित | (d) इनमें से कोई नहीं |

PRT KVS 04–10–2015

Ans : (b) किसी पठन सामग्री को एक दौर में पढ़ना सामूहित पढ़ाई के रूप में जाना जाता है। सामूहित पढ़ाई विधि का प्रयोग प्रायः निचली कक्षाओं के लिए किया जाता है।

250. सहकारी (co-operative) पढ़ाई में बड़े और अधिक प्रवीण विद्यार्थी छोटे और कम कुशल विद्यार्थियों को मदद करते हैं। यह इसे आगे लाता है—

- उच्च नैतिक विकास
- दो समूहों और स्वाभिमान
- उच्च सफलता और स्वाभिमान
- तीव्र प्रतियोगिता

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31–08–2014

Ans : (c) सहकारी पढ़ाई में बड़े और अधिक प्रवीण विद्यार्थी द्वारा छोटे और कम कुशल विद्यार्थियों को मदद करना उच्च सफलता तथा स्वाभिमान को आगे लाने में सहायक होता है। सहाकरिता की भावना स्वाभिमान बढ़ाने में सहायक होती है और इससे सफलता का स्तर उच्च निर्धारित होता है।

251. विद्यार्थियों को स्कूल में खेल क्यों खेलना चाहिए?

- वह उन्हें दैहिक रूप से मजबूत बनाता है
- शिक्षकों का काम उससे आसान हो जाता है
- समय व्यय करने में सहायक होता है
- वह सहकरिता का विकास करता है और दैहिक संतुलन रखता है

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31–08–2014

Ans : (d) स्कूल में खेल खेलने से विद्यार्थियों के बीच सहाकरिता का विकास होता है और यह दैहिक संतुलन रखने में भी सहायक होता है। खेल व्यक्ति में मानसिक और शारीरिक तंदुरुस्ती लाता है और खेल के दौरान प्रतिस्पर्धात्मक सहकरिता में भी वृद्धि होती है।

252. सम्मिलित शिक्षण (Inclusive education) का संबंध उस स्कूल शिक्षण पद्धति से है जो—

- (a) केवल बालिकाओं के शिक्षण को आगे बढ़ाने पर जोर देती है
- (b) जिसमें असमर्थ बच्चे शामिल होते हैं
- (c) जिसमें शारीरिक, बौद्धिक, सामाजिक, भाषिक या दूसरे असमर्थ परिस्थिति वाले होते हुए भी उन्हें शामिल किया जाता है
- (d) विशेष विपत्ति वाले बच्चों के शिक्षण के लिए अलग स्कूलों को बढ़ावा देती है।

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31–08–2014

Ans : (c) सम्मिलित शिक्षण या समावेशी शिक्षण का संबंध उस स्कूल शिक्षण पद्धति से है जिसमें शारीरिक, बौद्धिक, सामाजिक, भाषिक या दूसरे असमर्थ परिस्थिति वाले होते हुए भी उन्हें एक ही कक्षा में सम्मिलित कर पढ़ाया जाता है। इस शिक्षण में विशेष शैक्षणिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए एक सामान्य छात्र और एक दिव्यांग को समान शिक्षा प्राप्ति का अवसर दिया जाता है।

253. सहयोगी अधिगम (Co-operative learning) की प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए शिक्षक को—

- (a) प्रत्येक विद्यार्थी को व्यक्तिगत दत्त कार्य देना चाहिए।
- (b) सामूहिक परियोजना कार्य देने चाहिए
- (c) विद्यार्थियों को वाद-विवाद और चर्चाओं में शामिल करना चाहिए
- (d) कक्षा को समरूपी योग्यता-समूहों में विभाजित करना चाहिए।

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (b) सहयोगी अधिगम की प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए शिक्षक को सामूहिक परियोजना कार्य देने चाहिए। सहकारी अधिगम एक विशेष छोटी समूह उपागम है जिसमें प्रजातांत्रिक प्रक्रिया, व्यक्तिगत जिम्मेदारी, समान अवसर व सामूहिक परितोषक निहित है। आज के कक्षा में कई प्रकार के सहकारी अधिगम क्रियाकलापों और मॉडल का उपयोग किया जाता है, जैसे विद्यार्थी टीम का उपलब्धि विभाजन, जिज्ञासा और सामूहिक अवेषण।

254. दल-शिक्षण (Team Teaching) का सर्वप्रथम प्रयोग किया गया—

- (a) भारत में
- (b) रूस में
- (c) अमेरिका में
- (d) ब्रिटेन में

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) दल शिक्षण एक नवाचार विधि है। इस विधि का विकास सर्वप्रथम 1995 में हावर्ड विश्वविद्यालय, अमेरिका के शोध छात्र मिसीगन व हार्वे द्वारा किया गया। शैयलियन तथा ओल्ड के अनुसार “दल शिक्षण अनुदेशात्मक संगठन का वह प्रकार है जिसमें शिक्षण प्रदान करने वाले व्यक्तियों को कुछ छात्र सौंप दिये जाते हैं। शिक्षण प्रदान करने वाले की संख्या दो या उससे अधिक होती है जिन्हें शिक्षण का दायित्व सौंपा जाता है। वे एक ही छात्र समूह को सम्पूर्ण विषयवस्तु या उसके किसी महत्वपूर्ण अंग का एक साथ शिक्षण कार्य करते हैं।

255. शिक्षकों के एक समूह द्वारा किया जाने वाला शिक्षण कहलाता है—

- (a) दल शिक्षण
- (b) शिक्षण-शिक्षण
- (c) लिखित शिक्षण
- (d) मौखिक शिक्षण

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (a) शिक्षकों के एक समूह द्वारा किया जाने वाला शिक्षण दल-शिक्षण कहलाता है। दल शिक्षण में दो या दो से अधिक अध्यापक मिलकर किसी कक्षा की अध्यापन संबंधी योजना बनाते हुए उसे क्रियान्वित करते हैं तथा उसका मूल्यांकन करते हैं। यह मूलतः इस धारणा पर आधारित है कि एक अध्यापक की तुलना में कुछ अध्यापक मिलकर अध्यापन कार्य करे तो उसके परिणाम अधिक अच्छे होते हैं।

256. शिक्षण की नवाचार विधि (Innovative method)

जिसमें छात्र अपनी स्वयं की सीखने की गति से सीखता है, कहलाती है—

- (a) आगमन विधि
- (b) निगमन विधि
- (c) अभिक्रिमित अनुदेशन
- (d) ह्यूरिस्टिक विधि

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) शिक्षण की नवाचार विधि, जिसमें छात्र अपनी स्वयं की सीखने की गति से सीखता है, अभिक्रिमित अनुदेशन कहलाती है। अभिक्रिमित अनुदेशन में छात्रों के अधिगम के लिए पाठ्यवस्तु को क्रमबद्ध रूप से छोटे-छोटे पदों में प्रस्तुत किया जाता है। प्रत्येक पद को पढ़ने के साथ छात्र को अनुक्रिया करनी होती है एवं अनुक्रिया की जाँच वह स्वयं करता है। छात्र को सही अनुक्रिया से पुनर्बलन मिलता है और वह सीखने की गति के अनुसार आगे बढ़ता है। छात्रों की अनुक्रियाएँ उनमें अपेक्षित व्यवहार परिवर्तन करने में सहायक होती हैं।

257. छात्रों के लिए विद्यालय में शैक्षणिक प्रवास अनिवार्य है, क्यों?

- (a) छात्र प्रवास से खुश होते हैं
- (b) छात्रों के लिए अध्ययन एक बोझ नहीं मानना चाहिए
- (c) छात्रों को सीधे सम्पर्क/सम्बन्ध से विभागीय ज्ञान मिलता है
- (d) छात्र प्रवास से आनंदित होते हैं

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (c) छात्रों के लिए विद्यालय में शैक्षणिक प्रवास अनिवार्य है, क्योंकि इससे छात्रों को सीधे सम्पर्क/संबंध से विभागीय ज्ञान मिलता है। विद्यालय में शैक्षणिक प्रवास से छात्र अपने अध्यापक के निकट संपर्क में आते हैं तथा विद्यालय और विभाग के संपर्क से उनके कार्यकलापों का अधिगम अनुभव प्राप्त करते हैं।

258. बच्चों को कैसे बेहतर सिखाया जा सकता है?

- (a) भाषा की शिक्षा देकर
- (b) प्रश्न-उत्तर देकर
- (c) खेल पद्धति द्वारा
- (d) उपरोक्त सभी

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (c) बच्चों को खेल पद्धति से बेहतर सिखाया जा सकता है, क्योंकि यह एक मनोवैज्ञानिक शिक्षण विधि है, जिसमें छोटे विद्यार्थी खेल में अधिक रुचि लेते हैं। इस पद्धति से विद्यार्थियों का ज्ञान अधिक स्थायी होता है, क्योंकि यह प्रायोगिक तरीके से सम्पन्न करायी जाती है। यह पद्धति प्रायः प्राथमिक कक्षाओं के लिए अधिक उपयोगी है।

259. शिक्षक की डायरी में निम्न में से कौन—से दृष्टिकोण की चर्चा की गई है?

- (a) वर्ग समय—सारिणी
- (b) शिक्षा की सामग्री
- (c) (a) और (b) दोनों
- (d) इनमें से कोई नहीं

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (c) शिक्षक की डायरी में, वर्ग समय सारिणी, शिक्षा की सामग्री, शिक्षकों के दैनिक कार्य विवरण, (जैसे— विद्यालय खुलने का समय, दिनांक, स्वच्छता, पेयजल सुविधा आदि का विवरण) रहती है।

260. C.A.I. का पूर्ण रूप है—

- (a) केरेक्टरिस्टिक असिस्टेड इन्स्ट्रक्शन
- (b) कम्प्यूटर असिस्टेड इन्स्ट्रक्शन
- (c) कम्प्यूनिटी असिस्टेड इन्स्ट्रक्शन
- (d) इनमें से कोई नहीं

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (b) C.A.I. का पूर्ण रूप है कम्प्यूटर असिस्टेड इन्स्ट्रक्शन जिसका हिन्दी रूपान्तर है कम्प्यूटर द्वारा अनुदेशन। कम्प्यूटर द्वारा अनुदेशन को प्रयुक्त करने से ज्ञानात्मक पक्ष के स्तरों के उद्देश्यों (ज्ञान, बोध तथा प्रयोग) की प्राप्ति की जा सकती है। भावात्मक पक्ष का विकास नहीं किया जा सकता है। एक साथ विभिन्न पूर्व व्यवहारों वाले छात्रों के अलग—अलग अनुदेशन प्रस्तुत किये जाते हैं।

261. निम्न में से किसमें सूचनात्मक पद्धति मुख्य घटक है?

- (a) सायनेक्टिक टीचिंग मॉडल (Synectics teaching model)
- (b) बेसिक टीचिंग मॉडल (Basic teaching model)
- (c) इन्डक्टिव टीचिंग मॉडल (Inductive teaching model)
- (d) सोशल स्टीम्प्लॉयेशन (Social stimulation)

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (b) बेसिक टीचिंग मॉडल में सूचनात्मक पद्धति मुख्य घटक है। रबर्ट ग्लेसर ने वर्ष 1962 में इस प्रतिमान का विकास किया था। इस प्रतिमान के अंतर्गत यह मानकार चला जाता है कि “शिक्षण वह विशेष क्रिया है जो अधिगम की उपलब्धि पर केन्द्रित होती है और इस प्रकार उन क्रियाओं का अभ्यास किया जाता है, जिससे छात्रों का बौद्धिक एकीकरण और उनके स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता पहचानी जाती है।”

262. कम्प्यूटर आधारित टीचिंग मॉडल किसके द्वारा बनाया गया?

- (a) गिलबर्ट (1962)
- (b) स्टुलुरो और डेविस (1965)
- (c) रोबर्ट गगने (1965)
- (d) मेकनेर (1965)

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (b) कम्प्यूटर आधारित टीचिंग मॉडल स्टुलुरो और डेविस द्वारा वर्ष 1965 में बनाया गया था। इस प्रतिमान या मॉडल में शिक्षक का स्थान कम्प्यूटर ने लिया है। इन्होंने शिक्षण प्रक्रिया को दो सोपानों में विभाजित किया है—

- (i) व्यक्तिगत शिक्षण का पूर्व सोपान (Pre-tutorial phase)
- (ii) व्यक्तिगत शिक्षण का सोपान (Tutorial phase)

263. समूह शिक्षण में विद्यार्थियों की निम्न में से कौन—सी आकांक्षा होती है?

- (a) समूह से प्रशंसा
- (b) कार्य का बराबर बैंटवारा
- (c) व्यक्तिगत दृष्टिकोण की अवहेलना
- (d) पृथक विद्यार्थियों को समूह से आकर्षित करना

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (d) समूह शिक्षण में विद्यार्थियों की यह आकांक्षा होती है कि वे अपने प्रदर्शन से पृथक विद्यार्थियों को समूह से आकर्षित करें। समूह शिक्षण में एक ही कक्षा में एक ही समय में दो या दो से अधिक विषय विशेषज्ञ पहुंचकर शिक्षण कार्य करते हैं। समूह शिक्षण की योजना लचीली बनायी जाती है ताकि सभी शिक्षक समन्वय स्थापित करते हुए शिक्षण कार्य कर सकें। इस शिक्षण विधि से शिक्षण अधिगम प्रक्रिया प्रभावी होती है तथा विद्यार्थी एक साथ कई विषय विशेषज्ञों से अधिगम अनुभव प्राप्त करते हैं।

264. शिक्षण में कार्य का अनुभव का मतलब है—

- (a) ग्रामीण के साथ उत्पादकता के लिए शिक्षण
- (b) नई समाज व्यवस्था के लिए कार्य करना
- (c) आधीरोगिक और टेक्नोलॉजी के लिए कार्य करना
- (d) व्यवसायालक्षी अभ्यासक्रम के प्रति दिविवन्यास में शिक्षण

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (d) शिक्षण में कार्य का अनुभव का मतलब है व्यवसायालक्षी अभ्यासक्रम के प्रति दिविवन्यास में शिक्षण। एक कुशल शिक्षक शिक्षण के दौरान विभिन्न प्रकार के कार्य करता है और यही विभिन्न कार्य मिलकर अधिगम उद्देश्यों को प्राप्त करने में सहायता प्रदान करते हैं।

265. एक अध्यापक विद्यार्थियों में सामाजिक और नैतिक मूल्यों को जगाएंगे—

- (a) मूल्यों पर भाषण करके
- (b) टी.वी. कार्यक्रम दिखाकर
- (c) विद्यार्थियों को सह पाठ्यसूची प्रवृत्तियों में शामिल करके
- (d) धार्मिक उत्सवों मनाकर

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (c) एक अध्यापक को विद्यार्थियों में सामाजिक और नैतिक मूल्यों को जगाने के लिए उसे सह पाठ्यसूची प्रवृत्तियों में शामिल करना चाहिए क्योंकि विद्यार्थी प्रायः देखने या सुनने के द्वारा सीखने की अपेक्षा स्वयं करके सीखने में बेहतर प्रदर्शन करते हैं। इसलिए विद्यार्थियों को विभिन्न सामाजिक और नैतिक गतिविधियों में सहभागिता के लिए प्रेरित करना चाहिए।

266. सहकर्मी अध्यापन तकनीक में शामिल हैं—

- | | |
|---------------------|-----------------------|
| (i) नेटवर्क | (ii) अध्ययन चक्र |
| (iii) परावर्तन सत्र | (iv) अध्ययन पाठ्यक्रम |
| (a) i, ii और iii | (b) ii और iii |
| (c) केवल i | (d) उपरोक्त सभी |

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (a) सहकर्मी अध्यापन तकनीक में नेटवर्क, अध्यापन चक्र परावर्तन सत्र तीनों शामिल होते हैं।

267. नियमित अंतराल पर अन्य प्रबंधकों से मिलने, अनुभवों, चुनौतियों और समाधान को संज्ञा करने, प्रक्रियाओं की एक सामान्य समझ का निर्माण करने और एक दूसरे का समर्थन करने का अवसर—

- (a) स्व: शिक्षा कार्यक्रम
- (b) अध्ययन चक्र
- (c) सलाह और अनुशिष्टण का संबंध
- (d) सहकर्मी से सहकर्मी तक अध्ययन

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (d) नियमित अंतराल पर अन्य प्रबंधकों से मिलने, अनुभवों, चुनौतियों और समाधान का संज्ञान करने, प्रक्रियाओं की एक सामान्य समझ का निर्माण करने और एक दूसरे का समर्थन करने का अवसर सहकर्मी से सहकर्मी तक अध्ययन में प्राप्त होता है।

268. विज्ञान तथा कला प्रदर्शनियाँ, संगीत एवं नृत्य प्रदर्शन, विद्यालय पत्रिका के प्रकाशन का उद्देश्य है—

- (a) विभिन्न व्यवसायों के लिए छात्रों को प्रशिक्षित करना
- (b) विद्यालय का नाम रोशन करना
- (c) अभिभावकों को संतुष्ट करना
- (d) शिक्षार्थियों को एक सृजनात्मक माध्यम उपलब्ध कराना

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (d) विज्ञान तथा कला प्रदर्शनियाँ, संगीत एवं नृत्य प्रदर्शन विद्यालय पत्रिका आदि के प्रकाशन का उद्देश्य है— शिक्षार्थियों को एक सृजनात्मक माध्यम उपलब्ध करना। शिक्षार्थियों में सृजनात्मकता के विकास के लिए उन्हें विभिन्न पाठ्य सहगामी क्रियाओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। जैसे—

- साहित्य, कला, विज्ञान आदि विभिन्न क्षेत्रों में सृजनशील कार्य प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।
- विद्यार्थियों में सृजनशील कार्यों से संबंधित नवीनतम् सूचनाओं को संकलित करने की प्रवृत्ति विकसित करनी चाहिए।
- मस्तिष्क उद्वेलीकरण को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

269. जब एक नियोग्य बच्चा पहली बार विद्यालय आता है, तो शिक्षिका को क्या करना चाहिए?

- (a) उसे अन्य विद्यार्थियों से अलग रखना चाहिए
- (b) सहकारी योजना विकसित करने के लिए बच्चे के माता-पिता के साथ चचा करनी चाहिए
- (c) प्रवेश परीक्षा लेनी चाहिए
- (d) बच्चे की नियोग्यता के अनुसार उसे विशेष विद्यालय में भेजने का प्रस्ताव देना चाहिए

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (b) जब एक नियोग्य बच्चा पहली बार विद्यालय आता है, तो एक शिक्षक को सहकारी योजना विकसित करने के लिए बच्चे के माता-पिता के साथ चर्चा करनी चाहिए। बच्चे के समग्र विकास की जिम्मेदारी विद्यालय और अभिभावकों द्वारा एक समान रूप से साझा की जाती है। अतः अभिभावकों को प्रोत्साहन दिया जाता है कि वे विद्यालय की गतिविधियों के आयोजन और प्रबन्धन में बढ़चढ़कर हिस्सा लें।

9. शिक्षा में नवीन तकनीकें

270. रंगमंच (थिएटर) में, घटनाओं को प्रदर्शित की जा सकने वाली क्रियाओं को अनुवादित किया जाता है जबकि 'वृतांत (नरेशन)' में घटनाओं को प्रस्तुत किया जाता है।

- (a) मौखिक और लिखित रूप से
- (b) लिखित रूप से
- (c) मौखिक रूप से
- (d) संवाद के रूप में

NVS, PGT 19–09–2019

Ans : (a) 'रंगमंच' में घटनाओं को प्रदर्शित की जा सकने वाली क्रियाओं को अनुवादित किया जाता है जबकि वृतांत (नरेशन) में घटनाओं को मौखिक और लिखित रूप में प्रस्तुत किया जाता है। किसी घटना, वस्तु, विषय, स्थिति आदि की जानकारी प्राप्त करने के उद्देश्य से उससे संबद्ध कही या बतलाई जाने वाली बातें या किया जाने वाला वर्णन वृतांत कहलाता है।

271. देश की एक इंटरैक्टिव उपग्रह-आधारित दूरस्थ शिक्षा प्रणाली, जो दृश्य-श्रव्य माध्यम का उपयोग करती है, को इस नाम से जाना जाता है—

- (a) सामुदायिक रेडियो (FM)
- (b) CLASS
- (c) DTH
- (d) EDUSAT

NVS, PGT 19–09–2019

Ans : (d) EDUSAT अर्थात् Educational Satelite जीसैट-3 का ही अन्य नाम है, जो पाठशाला स्तर से उच्च शिक्षा तक सुदूर शिक्षा के लिए बना है। यह देश की एक इंटरैक्टिव उपग्रह आधारित दूरस्थ शिक्षा प्रणाली है जो दृश्य-श्रव्य माध्यम का उपयोग करती है तथा यह देश भर में शैक्षणिक सामग्री के संवितरण के लिए कक्षा को उपग्रह आधारित दोतरफा संचार उपलब्ध कराती है। यह पहला समर्पित 'शिक्षा उपग्रह' है।

272. स्थानीय सामग्री का एक उदाहरण है जिसका उपयोग छात्रों को पर्यावरण के बारे में जानकारी देने के लिए किया जा सकता है।

- (a) तालिकाएं
- (b) कार्टून
- (c) कलाकृतियाँ
- (d) पाठ्यपुस्तकें

NVS, PGT 17–09–2019

Ans : (c) कलाकृतियाँ, स्थानीय सामग्री का एक उदाहरण है जिसका उपयोग छात्रों को पर्यावरण के बारे में जानकारी देने के लिए किया जा सकता है। स्थानीय कलाकृतियों के माध्यम से स्थानीय संस्कृति, भौगोलिक स्थिति, पर्यावरणीय दशाओं आदि का पता चलता है। इसलिए स्थानीय कलाकृतियों को शिक्षण सहायक सामग्री के रूप में प्रयोग किया जाना चाहिए।

273. कक्षा थिएटर के लिए आसान पाठ्य-सामग्री है।

- (a) कहानियाँ
- (b) आत्मकथाएँ
- (c) व्याकरण
- (d) कविता

NVS, PGT 17-09-2019

Ans : (a) कहानियाँ कक्षा थिएटर के लिए आसान पाठ्य-सामग्री है। शिक्षण में थिएटर (नाट्य संयोजन) कोई नया विषय नहीं है बल्कि इसे शिक्षण का अभिन्न और अनिवार्य विषय कहा जाये तो आशयोक्ति नहीं होगी। इसी प्रकार कहानी भी थिएटर का अभिन्न अंग है। कहानियाँ थिएटर को जीवंतता प्रदान करती हैं और थिएटर शिक्षण को।

274. श्रव्य-दृश्य सहायक सामग्री का मुख्य उद्देश्य है—

- (a) शाब्दिक उपागम के प्रति एकांतिक प्रयोग की बजाए विविधता प्रदान करना
- (b) वास्तविक अधिगम अनुभवों में सार्थक विद्यार्थी सहभागित्व का अवसर देना
- (c) जब भी कक्षा बेचैन या कोलाहल पूर्ण लगे, उसे शांत करना
- (d) अधिगम अनुभव के कुछ पक्षों को स्पष्ट करना

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (d) श्रव्य-दृश्य सहायक सामग्री का मुख्य उद्देश्य है— अधिगम अनुभव के कुछ पक्षों को स्पष्ट करना। कक्षा-कक्ष शिक्षण हेतु विभिन्न श्रव्यदृश्य सहायक उपकरणों का उपयोग किया जाता है। इनके उपयोग से शिक्षक को शिक्षण में सहायता मिलती है। साथ ही विद्यार्थी भी विषय का ज्ञान प्रभावी ढंग से प्राप्त कर पाते हैं और उसका प्राप्त ज्ञान भी अधिक स्थायी रहता है।

275. शिक्षक, शिक्षण-अधिगम सामग्री का प्रयोग किस लिए करते हैं?

- (a) विद्यार्थियों को अभिप्रेरित करने के लिए
- (b) अधिगम को अर्थपूर्ण बनाने के लिए
- (c) शिक्षण विधि का अनुसरण करने के लिए
- (d) विद्यार्थियों की प्रगति के मूल्यांकन के लिए

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (b) शिक्षक, शिक्षण-अधिगम सामग्री का प्रयोग अधिगम को अर्थपूर्ण बनाने के लिए करते हैं। शिक्षण अधिगम सामग्री का प्रयोग प्रभावी शिक्षण तथा रुचिकर अधिगम के लिए किया जाता है। शिक्षण अधिगम सामग्री से शिक्षण में केवल सरलता ही नहीं आती वरन् नवीनता का भी समावेश होता है। शिक्षक द्वारा इसके प्रयोग से शिक्षण में एकाग्रता आती है और कक्षागत अनुशासन की समस्या अपने आप हल हो जाती है।

276. में अतिरिक्त सभी कम्प्यूटर ऑपरेटिंग सिस्टम है।

- (a) माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस
- (b) लाइनक्स
- (c) विंडोज 10
- (d) iOS

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (a) Operating system एक System software है, जो कि user के और computer hardware के बीच में interface का काम करता है। उदाहरण— लाइनक्स, विंडोज 10, ios, Android आदि। माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के अतिरिक्त सभी कम्प्यूटर ऑपरेटिंग सिस्टम है।

277. सीखने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने में तकनीक का उपयोग करने को, शिक्षण में कहते हैं।

- (a) आईटी (IT)
- (b) आईसीटी (ICT)
- (c) सूचना प्रौद्योगिकी
- (d) संचरण प्रौद्योगिकी

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (b) सीखने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने में तकनीकी का उपयोग करने को, शिक्षण में आई.सी.टी. (ICT) कहते हैं। आई.सी.टी. या सूचना एवं संचरण तकनीकी की सहायता से एक अध्यापक शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी बना सकता है। सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी छात्र केन्द्रित अधिगम प्रक्रियाओं तथा समस्या समाधान विधि, प्रयोजना विधि इत्यादि को प्रयुक्त करने में सहायक प्रदान करती है। इसके तीव्र विस्तार के साथ-साथ अध्यापक की भूमिका में भी बदलाव आ रहा है।

278. टीएलएम (TLM) का उपयोग इसके लिए करना चाहिए—

- (a) अध्यापन को अधिक उपयोगी बनाना
- (b) अध्यापन को प्रभावशाली बनाना
- (c) ठोस उदाहरण देना
- (d) अधिगम को सरल बनाना

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (d) टीएलएम (TLM) का उपयोग अधिगम को सरल बनाने के लिए किया जाता है। आज कक्षा-कक्ष शिक्षण हेतु विभिन्न श्रव्य-दृश्य सहायक उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है। इनके उपयोग से शिक्षक को शिक्षण में सहायता मिलती है। साथ ही विद्यार्थी भी विषय का ज्ञान प्रभावी ढंग से कर पाते हैं और उसका प्राप्त ज्ञान भी स्थायी रहता है। शिक्षण सहायक सामग्री (TLM) के अंतर्गत निम्नलिखित उपकरण आते हैं— श्वेत/श्यामपट्ट, लपेट फलक, फ्लेनल बोर्ड, क्लिप बोर्ड, इंटरेक्टिव बोर्ड, ओवर हेड प्रोजेक्टर, डिजिटल कैमरा, मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर, कम्प्यूटर, रेडियो आदि।

279. यह शिक्षक की अनुदेशी सामग्री है—

- (a) कार्यपुस्तक
- (b) पूरक सामग्री
- (c) एटलस
- (d) पाठ्यक्रम गाइड

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (b) पूरक सामग्री शिक्षक की अनुदेशी सामग्री होती है। शिक्षक पूरक सामग्री के माध्यम से शिक्षण को प्रभावी बनाता है। पूरक सामग्री शिक्षण और अध्यापक दोनों के लिए मार्गदर्शन का कार्य करती है। पूरक सामग्री के अंतर्गत पुस्तक, शिक्षण सहायक सामग्री जैसे— श्यामपट्ट, ओवर हेड प्रोजेक्टर, कम्प्यूटर आदि। पूरक सामग्री के प्रयोग से शिक्षक को शिक्षण में सहायता मिलती है। साथ ही विद्यार्थी भी विषय का ज्ञान प्रभावी ढंग से प्राप्त कर पाते हैं और उसका प्राप्त ज्ञान भी स्थायी होता है।

280. श्यामपट्ट का प्रयोग किस शिक्षण सामग्री के समूह में आता है?

- (a) दृश्य सामग्री
- (b) श्रव्य सामग्री
- (c) दृश्य-श्रव्य सामग्री
- (d) प्रक्षेपित सामग्री

NCERT PRT 30-07-2017

Ans : (a) श्यामपट्ट का प्रयोग दृश्य शिक्षण सहायक सामग्री के समूह में आता है। दृश्य सामग्री वे शिक्षण सहायक सामग्री होते हैं जो प्रत्यक्ष रूप से दिखाई मात्र देते हैं जैसे— मॉडल, चार्ट, ग्राफ, मानचित्र, बुलेटिन बोर्ड, फ्लेनल बोर्ड, संग्रहालय, मैजिक लालटैन स्लाइडें वास्तविक पदार्थ तथा श्यामपट्ट आदि।

28.1. संगणक (computer) को स्वाभाविक कार्य करने में जो रुकावट उत्पन्न करता है यह है—

- (a) असफलता (bug)
- (b) त्रुटि
- (c) वायरस
- (d) इनमें से कोई नहीं

NCERT PRT 30-07-2017

Ans : (a) संगणक को स्वाभाविक कार्य करने में जो रुकावट उत्पन्न करता है उसे असफलता या बग कहते हैं। सॉफ्टवेयर बग किसी कम्प्यूटर प्रोग्राम या प्रणाली की ऐसी त्रुटि, दोष, गलती, विफलता या खोट को वर्णित करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक आम शब्द है जो गलत और अप्रत्याशित परिणाम देता है या इसके अनपेक्षित तरीके से व्यवहार करने का कारण बनता है।

28.2. तकनीकी के उपयोग से अधिगम में वृद्धि लाने का कहते हैं—

- (a) सूचना तकनीकी
- (b) सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी
- (c) सम्पर्क तकनीकी
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

NCERT PRT 30-07-2017

Ans : (b) तकनीकी के उपयोग से अधिगम में वृद्धि लाने की प्रक्रिया को सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी कहते हैं। सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी, उपकरणों (हार्डवेयर) का ऐसा संयोग है जो इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का प्रयोग करते हुए सूचना की रचना, सुधार, पुनः प्राप्ति, भण्डारण एवं संप्रेषण में सहायक होता है। वर्तमान में सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी का शिक्षा के क्षेत्र में बहुतायत से प्रयोग हो रहा है। जैसे— डिजिटल पुस्तकालय, कम्प्यूटर सहायक सम्मेलन, ईमेल तथा आपसी बातचीत आदि।

28.3. सूचना एवं प्रसारण तकनीकी (आई.सी.टी.) के विकास के साथ भविष्य के अध्यापक का रोल होगा—

- (a) सूचना प्रदान करना
- (b) पाठ्यपुस्तक विकसित करना
- (c) विद्यार्थियों के सीखने को प्रोत्साहित करना
- (d) कक्षा में भाषण देना

NCERT PRT 30-07-2017

Ans : (c) आई.सी.टी. के विकास के साथ ही अध्यापक का रोल मुख्य रूप से विद्यार्थियों को सीखने के लिए प्रोत्साहित करना मात्र रह जायेगा। आई.सी.टी. तकनीकी का इस्तेमाल शिक्षकों द्वारा मुख्यतया शिक्षार्थी की अधिगम को स्थायी तथा ज्यादा प्रभावकारी बनाने के लिए किया जाता है जिससे वे शिक्षण प्रक्रिया में ज्यादा रुचि लेकर अपने ज्ञान का विस्तार कर सकें।

28.4. अध्यापक द्वारा श्रव्य-दृश्य साधनों को किस रूप में समझना चाहिए?

- (a) परम्परागत अध्यापन का अनुकल्प
- (b) अध्यापन के लिए प्रयुक्त अन्य युक्तियों का संपूरक
- (c) ऐसी युक्ति जो अध्यापक की तैयारी का समय बचाती है
- (d) कक्षा के नियक्रम (लीक) से अलग एक सुखदाई परिवर्तन

PRT KVS 2010

Ans : (a) अध्यापक द्वारा श्रव्य-दृश्य साधनों को परम्परागत अध्यापन का अनुकल्प माना जाना चाहिए। दूसरे शब्दों में श्रव्य-दृश्य साधनों को परम्परागत शिक्षण के विकल्प के रूप में प्रयोग किया जाना चाहिए क्योंकि परम्परागत शिक्षण की अपेक्षा श्रव्य दृश्य साधनों के प्रयोग से शिक्षण प्रभावी व अधिगम होता है।

28.5. शिक्षक के लिए शिक्षण संबंधी सहायक—सामग्री का उपयोग करते हैं—

- (a) छात्रों को प्रभावित करने
- (b) शिक्षण को रोचक बनाने
- (c) छात्रों को एकाग्रचित बनाने
- (d) छात्रों के समझ स्तर के भीतर शिक्षण को रखने

PRT KVS 04-10-2015

Ans : (b) शिक्षक, शिक्षण को रोचक बनाने के लिए शिक्षण संबंधी सहायक-सामग्री का उपयोग करते हैं क्योंकि शिक्षण सहायक-सामग्री द्वारा कठिन से कठिन विषय-वस्तु को सरल, स्पष्ट, सुचिकर एवं सार्थक बनाया जा सकता है। ये पठन-पाठन में नवीनता लाती है तथा विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के साथ-साथ कक्षा में अनुशासन बनाये रखने में भी सहायक हैं।

28.6. अनुसंधान से पता चलता है कि हमारी पढ़ाई का दृश्य और श्रवण अंगों के माध्यम से ग्रहण किया जाता है—

- (a) 60%
- (b) 85%
- (c) 50%
- (d) 95%

PRT KVS 04-10-2015

Ans : (b) हमारी पढ़ाई का 85% दृश्य और श्रवण अंगों के माध्यम से ग्रहण किया जाता है। दृश्य तथा श्रवण इन्द्रियों के उपयोग से बालक की क्रियाशीलता तथा संवेदनात्मकता विकसित होती है। और इस कारण वे स्वभाविक ढंग से भिन्न-भिन्न वस्तुओं के बारे में ज्ञान प्राप्त करते रहते हैं और इस तरह प्राप्त ज्ञान लंबे समय तक मस्तिष्क में बना रहता है।

28.7. निम्नलिखित में से किसे एक प्रोजेक्टर सहायक-सामग्री नहीं मान जाता?

- (a) स्लाइड प्रोजेक्टर
- (b) ब्लैक बोर्ड
- (c) ओवरहेड प्रोजेक्टर
- (d) एपिडियास्कोप (परिचितदर्शी)

PRT KVS 04-10-2015

Ans : (b) ब्लैक-बोर्ड प्रोजेक्टर सहायक-सामग्री नहीं है। अन्य स्लाइड प्रोजेक्टर, ओवरहेड प्रोजेक्टर एपिडियास्कोप (परिचितदर्शी), हैण्डहेल्ड प्रोजेक्टर आदि प्रोजेक्टर सहायक-सामग्री हैं।

28.8. विकासशील देशों के लिए आईसीटी में वैसे बच्चों के लिए शिक्षा अनुभव को बढ़ावा देने की संभावना है—

- (a) जो ग्रामीण और दूर-दराज के स्थानों में रहते हैं
- (b) जिनकी सीखने संबंधी विशेष आवश्यकताएं होती हैं
- (c) जो शारीरिक रूप से अक्षम होते हैं
- (d) उपर्युक्त सभी

PRT KVS 04-10-2015

Ans : (a) विकासशील देशों के लिए आई.सी.टी. में वैसे बच्चों के लिए शिक्षा अनुभव को बढ़ावा देने की सम्भावना है जो ग्रामीण और दूर-दराज के स्थानों में रहते हैं। चूंकि विकासशील देशों में प्रायः दूर-दराज के क्षेत्रों में आधुनिक शिक्षा की पहुंच न के बराबर है, ऐसी स्थिति में आई.सी.टी. के माध्यम से उनके लिए शिक्षा उपलब्ध करायी जा सकती है।

289. भारत में शिक्षा विभिन्न स्तरों के लिए गुणवत्तापूर्ण डिजिटल विषय— सूची तैयार करने के लिए भारत सरकार द्वारा की गई पहल में शामिल है—

- (a) भारत सरकार का साक्षात् पोर्टल
- (b) प्रौद्योगिकी के बल पर बेहतर सीखने सम्बन्धी राष्ट्रीय कार्यक्रम
- (c) सीखने और ऑनलाइन शिक्षण के लिए मल्टीमीडिया शैक्षणिक संसाधन
- (d) उपर्युक्त सभी

PRT KVS 04–10–2015

Ans : (d) भारत में शिक्षा के विभिन्न स्तरों के लिए गुणवत्तापूर्ण डिजिटल विषय—सूची तैयार करने के लिए भारत सरकार द्वारा की गयी पहल में निम्न शामिल है—

- (i) साक्षात्— सर्वांगीण शिक्षा के लिए भारत सरकार का निःशुल्क पोर्टल
- (ii) प्रौद्योगिकी के बल पर बेहतर सीखने सम्बन्धी राष्ट्रीय कार्यक्रम
- (iii) सीखने और ऑनलाइन शिक्षण के लिए मल्टीमीडिया शैक्षणिक संसाधन
- (iv) ई-पाठशाला जो विद्यालय शिक्षा और शिक्षक शिक्षा के सभी स्तरों पर डिजिटल योग्य संसाधनों का एक साथ उपयोग।

290. स्कूलों में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी शिक्षकों को उपलब्ध कराते हुए उन्हें अपने प्रचलनों का रूपांतरण करने का अवसर प्रदान करती है—

- (a) बेहतर शैक्षणिक विषय—वस्तु
- (b) अधिक प्रभावी शिक्षण एवं अधिगम विधियाँ
- (c) अधिक अंतः क्रियात्मक शैक्षणिक सामग्री
- (d) उपर्युक्त सभी

PRT KVS 04–10–2015

Ans : (d) स्कूलों में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी शिक्षकों को बेहतर शैक्षणिक विषय—वस्तु, अधिक प्रभावी शिक्षण एवं अधिगम विधियाँ, अधिगमकर्ता के ज्ञानात्मक विचारों को अनुप्रेरक बनाने में सहायक तथा अधिक अंतःक्रियात्मक शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराते हुए उन्हें अपने प्रचलनों का रूपांतरण करने का अवसर प्रदान करती है।

291. भारत सरकार की कम्प्यूटर आधारित अधिगम प्रक्रिया के माध्यम से छात्रों को सिखाने के लिए आईसीटी स्कूली योजना वर्ष में शुरू की गयी थी—

- (a) 2001
- (b) 2003
- (c) 2004
- (d) 2006

PRT KVS 04–10–2015

Ans : (c) भारत सरकार की कम्प्यूटर आधारित अधिगम प्रक्रिया के माध्यम से छात्रों को सिखाने के लिए आई.सी.टी. स्कूली योजना वर्ष 2004, दिसम्बर में शुरू की गयी थी तथा इसमें संसोधन कर इसे पुनः वर्ष 2010 में लागू किया गया। यह योजना माध्यमिक स्तर पर छात्रों को ICT कौशल में सक्षम बनाने तथा उन्हें कम्प्यूटर आधारित अधिगम प्रक्रिया में सम्मिलित करने के उद्देश्य से शुरू की गयी थी।

292. एक अध्यापक लिखना सिखाने के लिए अखबार की एक रिपोर्ट उपयोग में लाता है। लिखने के लिए इस तरह की सामग्री उपयोग की गई, इसे कहा जाता है—

- (a) बाहरी सामग्री
- (b) यथार्थवादी सामग्री
- (c) स्वाभाविक सामग्री
- (d) विश्वसनीय सामग्री

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31–08–2014

Ans : (a) बाहरी सामग्री वह होती है जो परंपरागत शिक्षण सहायक सामग्री से भिन्न, स्थानीय, कम खर्चीली और दैनिक जीवन में उपयोगी होती है। अखबार एक बाहरी सामग्री का उदाहरण है।

293. एक शिक्षिका अपने अध्यापन में दृश्य-श्रव्य सामग्री का सहयोग और शारीरिक गतिविधियों का उपयोग करती है क्योंकि वे—

- (a) प्रभावी मूल्यांकन में मदद करते हैं
- (b) शिक्षार्थियों को मनोरंजन प्रदान करते हैं
- (c) ज्ञान वृद्धि में अधिकतम इन्द्रियों का उपयोग करवाते हैं
- (d) शिक्षिका को राहत दिलाते हैं

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31–08–2014

Ans : (c) शिक्षिका द्वारा अध्यापन में दृश्य-श्रव्य सामग्री का सहयोग तथा शारीरिक गतिविधियों का उपयोग, ज्ञान वृद्धि में अधिकतम इन्द्रियों का उपयोग करवाने के लिए कर रही है। दृश्य-श्रव्य सामग्रियों तथा गतिविधियों द्वारा सीखा ज्ञान न केवल छात्रों में उत्साह जागृत करता है वरन् सीखे हुए ज्ञान को लंबे समय तक अपने स्मृति पटल में संजोए रखने में सहायक भी होता है।

294. श्राव्य-भाषीय (Audio-lingual) पद्धति (जो सेना पद्धति भी जानी जाती है) को त्वरित ग्रहण (Rapid Acquisition) करने में फलित (result) होती है।

- (a) पढ़ने और बोलने का कौशल
- (b) पढ़ने और सुनने का कौशल
- (c) बोलने और सुनने का कौशल
- (d) लिखने और पढ़ने का कौशल

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) श्राव्य भाषीय पद्धति (जो सेना पद्धति के नाम से भी जानी जाती है), बोलने और सुनने के कौशल को त्वरित ग्रहण करने में फलित होती है।

295. कम्प्यूटर प्रोग्राम में एक क्षति जो उनको सही चलने से रोकती है, वह कहलाती है—

- (a) बग (Bug)
- (b) एर (Error)
- (c) बू-बू (Boo-Boo)
- (d) वायरस (Virus)

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (a) सॉफ्टवेयर बग किसी कम्प्यूटर प्रोग्राम या प्रणाली की ऐसी त्रुटि, दोष, गलती, विफलता या खोट को वर्णित करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक आम शब्द है जो गलत और अप्रत्याशित परिणाम देती है या इसके अनपेक्षित तरीके से व्यवहार करने का कारण बनती है।

296. भाषा का व्यावहारिक ज्ञान सिखाया जाता है—

- (a) स्कूल में (School)
- (b) भाषा प्रयोगशाला में (Language laboratory)
- (c) भाषा शिक्षण में (Language teaching)
- (d) भाषा सूचना में (Language instruction)

**PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013**

Ans : (b) भाषा का व्यावहारिक ज्ञान भाषा प्रयोगशाला में सिखाया जाता है। भाषा प्रयोगशाला भाषा शिक्षण का केन्द्र है जिसमें शिक्षार्थियों को सुनने, बोलने, पढ़ने तथा लिखने आदि के लिए नियंत्रित वातावरण प्रदान किया जाता है। भाषा प्रयोगशाला की निम्नलिखित विशेषताएँ होती हैं—

- व्यक्ति और समूह शिक्षण का समन्वय
- ध्यान केन्द्रित कक्ष
- शोर से होने वाली हानियों से बचाव
- रुचि, योग्यता, गतिनुसार सीखना आदि।

297. कम्प्यूटर लैंगवेज किस पर आधारित है?

- | | |
|-------------------|-----------------------|
| (a) संख्या पद्धति | (b) चिन्ह पद्धति |
| (c) शृंखला पद्धति | (d) इनमें से कोई नहीं |

**PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013**

Ans : (a) कम्प्यूटर लैंगवेज संख्या पद्धति पर आधारित है। सामान्यतः हम लोग 0–9 का उपयोग कर कोई भी संख्या लिखते हैं: इसका आधार 10 होता है। परन्तु कम्प्यूटर में किसी भी संख्या का 0 और 1 के द्वारा प्रतिनिधित्व किया जाता है। कम्प्यूटर में प्रयोग होने वाली संख्या पद्धतियाँ निम्न हैं—

- (i) द्वि आधारी संख्या पद्धति
- (ii) आक्टल संख्या पद्धति
- (iii) हेक्साडेसिमल संख्या पद्धति

298. शैक्षणिक कम्प्यूटर का मुख्य कार्य है—

- (a) उत्तरों का हिसाब
- (b) सूचनाओं का संग्रह
- (c) डेटा का विश्लेषण
- (d) उपरोक्त सभी

**PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013**

Ans : (d) शैक्षणिक कम्प्यूटर के मुख्य कार्य निम्न हैं—

- उत्तरों का हिसाब रखने में सहायक
- सूचनाओं का संग्रह करने में उपयोगी
- डेटा का विश्लेषण करने में सहयोगी
- समय-सारिणी निर्माण में सहयोगी
- विद्यार्थियों का वर्गीकरण करने में सहायक
- प्रशासनिक समस्याएँ सुलझाने में सहायक

299. यूनेस्को (UNESCO) सेटेलाइट निर्देशित टेलीविजन कार्यक्रम प्रथम बार कब उपयोग किया गया?

- | | |
|----------|----------|
| (a) 1926 | (b) 1959 |
| (c) 1961 | (d) 1965 |

**PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013**

Ans : (d) यूनेस्को (UNESCO) सेटेलाइट निर्देशित टेलीविजन कार्यक्रम प्रथम बार 1965 में प्रयोग में लाया गया। सेटेलाइट इंस्ट्रक्शनल टेलीविजन एक्सपेरिमेंट (SITE) वर्ष 1975 में भारत में शुरू की गयी एक प्रयोगात्मक उपग्रह संचार परियोजना थी, जिसे नासा और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) द्वारा संयुक्त रूप से डिजाइन किया गया था।

300. सूचना धोरी मार्ग (Information highway) या नेट

- (net) है—
- | | |
|---------------|--------------|
| (a) कम्प्यूटर | (b) इंटरनेट |
| (c) इन्टरनेट | (d) की-बोर्ड |

**PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013**

Ans : (b) सूचना धोरी मार्ग (Information highway) या नेट इंटरनेट ही है। इन्फोर्मेशन हाइवे एक लोकप्रिय शब्द है जिसका उपयोग 1990 के दशक में डिजिटल संचार प्रणालियों और इंटरनेट दूरसंचार नेटवर्क में किया गया था। इंटरनेट का अर्थ होता है— ‘ए विएडो टू ग्लोबल इंटरनेशनल सुपर हाइवे’।

301. इनसेट-1(B) प्रक्षेपण कब किया गया?

- | | |
|----------------------|--------------------|
| (a) 30 अप्रैल, 1983 | (b) 30 अगस्त, 1983 |
| (c) 30 दिसम्बर, 1983 | (d) 30 जनवरी, 1984 |

**PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013**

Ans : (b) भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह (इनसेट) का प्रथम यान इनसेट 1(A) 4 सितम्बर, 1982 में छोड़ा गया था। दूसरा इनसेट 1(B) 30 अगस्त, 1983 में छोड़ा गया, तीसरा इनसेट 1(C) 22 जुलाई, 1988 में छोड़ा गया। इनसेट द्वारा ओपन विश्वविद्यालय की परिकल्पना को साकार रूप मिला है, जिससे शिक्षा विभाग दिल्ली व अन्य राज्यों में शैक्षिक दूरदर्शन के द्वारा शैक्षिक कार्यक्रम प्रसारित किये जा सके।

302. पेडागॉजी (Pedagogy) में कम्प्यूटर का उपयोग होता है—

- (a) तालीमार्थी को प्रेरित करने
- (b) फीड बैक देने के लिए
- (c) तालीमार्थी के साथ प्रतिक्रिया के लिए
- (d) उपरोक्त सभी के लिए

**PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013**

Ans : (d) पेडागॉजी (शिक्षण) में कम्प्यूटर का अधोलिखित प्रयोग है—

- तालीमार्थी को प्रेरित करने में।
- फीडबैक देने के लिए।
- तालीमार्थी के साथ प्रतिक्रिया के लिए।
- अंतःक्रिया ट्यूटोरियल उपागम के माध्यम से छात्रों को शिक्षा देने में।
- शिक्षक तथा छात्रों के लिए तथ्यों तथा सूचना प्राप्त करने में।
- छात्रों को अभ्यास के अवसर प्रदान करने में।

303. निम्न में से कम्प्यूटर का 'डाइब्रेन' (diebrain) कौन-सा है?

**PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013**

Ans : (b) कम्प्यूटर का डाइब्रेन सी.पी.यू. (सेन्ट्रल प्रोसेसिंग यूनिट) को कहा जाता है। यह कम्प्यूटर के सभी प्रोग्रामों को चलाता है और साथ ही साथ इनपुट एवं आउटपुट उपकरणों को नियंत्रित करता है। सी.पी.यू. का मुख्य कार्य है— इनपुटिंग, आउटपुटिंग, भण्डारण, प्रोसेसिंग एवं नियंत्रण।

304. श्याम-फलक तालीम को कौन-सी श्रेणी/समूह में समाविष्ट किया जा सकता है?

**PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013**

Ans : (b) श्याम-फलक तालीम को दृश्य-साधन समूह में शामिल किया जाता है। दृश्य साधन के प्रयोग से ज्ञान प्रत्यक्षीकरण द्वारा प्राप्त होता है। इस प्रकार के साधनों में मॉडल, चार्ट, ग्राफ, मानचित्र, बुलेटिन बोर्ड, फ्लेनल बोर्ड, संग्रहालय, मैजिक लालटेन, स्लाइडें, वास्तविक पदार्थ आदि शामिल किये जाते हैं।

305. शैक्षणिक टेक्नोलॉजी उपयोगी है क्योंकि—

- (a) वह वक्त की जरूरत है
 - (b) प्रख्यात संस्थाओं द्वारा अपनाई गई है
 - (c) वह अध्यापन को अर्थपूर्ण और कार्यक्षम बनाती है
 - (d) वह विद्यार्थियों को अध्यापन और तालीम प्रवृत्तियों की ओर आकर्षित करती है

**PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013**

Ans : (c) शैक्षणिक टेक्नोलॉजी उपयोगी है क्योंकि वह अध्ययन को अर्थपूर्ण और कार्यक्षम बनाती है। शैक्षणिक तकनीकी सीखने और सिखाने दोनों ही प्रक्रियाओं का वैज्ञानिक विवेचन कर शिक्षण अधिगम व्यवस्था को बनाये रखती है। शिक्षण के नये प्रतिमानों की देन शैक्षिक तकनीकी ही है, जो हमें अधिगम और शिक्षण के स्वरूप को भलीभाँति समझाते हैं।

306. कक्षा में पिंट समृद्ध वातावरण से आशय है-

- (a) कक्षा में पढ़ाई जा रही विषय-वस्तु के अनुरूप लिखित सामग्री प्रदर्शित करना
 - (b) कक्षा में रंगीन चार्ट, पोस्टर आदि लगाना
 - (c) कक्षा की दीवारों पर रंगीन कविता आदि पेंट करना
 - (d) कक्षा में बड़े आकार में वर्णमाला के चार्ट लगाना

DSSSB TGT 2016

Ans : (a) कक्षा में प्रिंट समृद्ध वातावरण से आशय है, कक्षा में पढ़ाई जा रही विषय-वस्तु के अनुरूप लिखित सामग्री प्रदर्शित करना।

307. 'किसी कक्षा में चित्रात्मक तथा रंग-बिंगे चार्ट होने चाहिए' कौन-सा विकल्प इसके उद्देश्य की पूर्ति नहीं करता?

- (a) बच्चों को सीखने-सिखाने का वातावरण प्रदान करते हैं
 - (b) उससे शैक्षिक वातावरण को बनाने में मदद मिलती है
 - (c) बच्चे उसकी सामग्री से सीखने का प्रयास करते हैं
 - (d) बच्चों के कल्पना लोक के रंगों तथा आकृतियों को पहचान नहीं मिलती है

NVS TGT 2017

Ans : (d) 'किसी कक्षा में चित्रात्मक तथा रंग-बिरंगे चार्ट होने चाहिए' यह निम्न उद्देश्य की पर्ति करता है-

- बच्चों को सीखने-सिखाने का वातावरण प्रदान करते हैं।
 - शैक्षिक वातावरण को बनाने में मदद मिलती है।
 - बच्चे उसकी सामग्री से सीखने का प्रयास करते हैं।
 - बच्चों के कल्पना लोक के रंगों तथा आकृतियों को पहचान मिलती है।

10. प्रगतिशील एवं बाल केन्द्रित शिक्षा

308. छात्रों के बीच पर्यावरण ज्ञान, मूल्यों और कार्यों को विकसित करने के लिए एक केंद्रीय आधारशिला अनभव है।

NVS, PGT 19-09-2019

Ans : (b) छात्रों के बीच पर्यावरण ज्ञान, मूलयों और कार्यों को विकसित करने के लिए एक केन्द्रीय आधारशिला प्राकृतिक अनुभव है। पर्यावरण अध्ययन के अंतर्गत यह विचार किया जाता है कि बच्चों को उनके परिवेश की वास्तविक परिस्थितियों से अनुभव दिए जाएँ, जिससे वे उनसे जुड़े, उनके प्रति जागरूक हों, उनके महत्व को समझें और प्राकृतिक, भौतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं वर्तमान पर्यावरणीय मुद्दों के प्रति संवेदनशील बनें।

309. निम्नलिखित में से कौन सा बाल-केन्द्रित अध्यापन-विज्ञान का एक उदाहरण है?

- (a) बच्चे कक्षा में साथियों और शिक्षकों के साथ अपने अनुभव साझा करते हैं।

(b) बच्चे किसी भी विषय को सीखने के लिए मिलकर और समूह में काम करते हैं।

(c) बच्चे कक्षा में साथियों और शिक्षकों की बताई हुई बातें दोहराते हैं।

(d) बच्चे स्कूल के भीतर और बाहर अपने अनुभवों के साथ स्कूल ज्ञान को साझा करते हैं और दोनों को एकीकृत करते हैं।

NVS, TGT 18-09-2019

Ans : (d) बच्चे स्कूल के भीतर और बाहर अपने अनुभवों के साथ स्कूल के ज्ञान को साझा करते हैं और दोनों को एकीकृत करते हैं, यह बाल-केन्द्रित अध्यापन विज्ञान का एक उदाहरण है। बालकेन्द्रित शिक्षा व्यवस्था में रचनावादी दृष्टिकोण को अपनाया जा रहा है। रचनावादी दृष्टिकोण अधिगम को सक्रिय प्रक्रिया के रूप में मानता है, जिसमें विद्यार्थी नई संकल्पनाओं, विचारों और ज्ञान का विगत ज्ञान और अनुभवों के आधार पर निर्माण करते हैं और उनका आंतरीकरण करते हैं।

310. प्राथमिक स्तर पर एक बाल केन्द्रित पाठ्यक्रम का केन्द्र
बिन्दु नहीं होना चाहिए—

 - (a) समुदाय जीवन में सुसंगत समायोजन
 - (b) बालक की वैयक्तिकता का सुसंगत विकास
 - (c) बच्चों की स्वाभाविक रुचियाँ, अभिरुचियाँ और क्षमताएँ
 - (d) बच्चों की आर्थिक लाभ संबंधी योग्यताएँ

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (d) प्राथमिक स्तर पर एक बाल केन्द्रित पाठ्यक्रम का केन्द्र बिन्दु बच्चों की आर्थिक लाभ सम्बन्धी योग्यताएँ नहीं होना चाहिए। बल्कि ऐसा पाठ्यक्रम होना चाहिए जो बच्चे में समुदाय में सुसंगत समायोजन, उनकी वैयक्तिकता का सुसंगत विकास, उनकी स्वभाविक रूचियों, अभिरूचियों और क्षमताओं का विकास आदि के अनुरूप हो।

311. आपकी कक्षा में एक विद्यार्थी प्रायः सहपाठियों में व्यवधान उत्पन्न करता है। आप क्या करेंगे?

 - (a) उसे कक्षा से निकाल दूँगा/दूँगी
 - (b) उसकी बैठने की जगह बदल दूँगा/दूँगी
 - (c) उसे शांत रहने को कहूँगा/कहूँगी
 - (d) उसे बुलाकर कुछ अतिरिक्त कार्य दूँगा/दूँगी

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (d) कक्षा में एक विद्यार्थी जो सहपाठियों में व्यवधान उत्पन्न करता है उसे बुलाकर कुछ अतिरिक्त कार्य देना उचित रहेगा क्योंकि ऐसा संभव है कि वह विद्यार्थी या तो उस विषय में रुचि नहीं ले रहा है या उसे उस विषय का ज्ञान पहले से है। इसलिए अतिरिक्त कार्य मिलने पर उसकी रचनात्मकता तथा कार्यभार में वृद्धि होगी जिससे वह व्यवधान उत्पन्न नहीं करेगा।

- 312. मनोरंजक अध्ययन को-**

 - (a) बढ़ावा नहीं देना चाहिए क्योंकि इसमें बहुत समय लगता है
 - (b) केवल पुस्तकालय में अनुमत होना चाहिए
 - (c) केवल घर पर किया जाना चाहिए
 - (d) मददगार है और यह भाषायी पाठ्यक्रम का अविभाज्य भाग होना चाहिए

KVS-PRT Post Code 16/17 29-10-2017

Ans : (d) मनोरंजक अध्ययन शिक्षण में मददगार है और यह भाषायी पाठ्यक्रम का अविभाज्य भाग होना चाहिए। मनोरंजक अध्ययन शिक्षण की मनोवैज्ञानिक सिद्धान्त का पोषण करता है।

- 3 1 3. बाल केन्द्रित शिक्षा के आधार पर न्यायोचित ठहराई जा सकती है।

 - (a) बालक जानते हैं कि उनके लिए क्या उत्तम है
 - (b) बालकों को अपनी शिक्षा के बारे में निर्णय लेने का अधिकार है
 - (c) बालकों में वैयक्तिक अंतर है
 - (d) सभी बालक बराबर हैं

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (c) बाल केन्द्रित शिक्षा, बालकों में वैयक्तिक अंतर है, के आधार पर न्यायोचित ठहराई जा सकती है। बाल केन्द्रित शिक्षा में ऐसे शिक्षण वातावरण का निर्माण किया जाता है जिसमें प्रत्येक बच्चे अपनी योग्यता, क्षमता और आवश्यकता के अनुसार अधिगम अनुभव प्राप्त करते हैं।

314. निम्नांकित में से कौन सी बातें शिक्षार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि उन्नत करने में सहायक होगी?

PRT-KVS 07-01-2017

Ans : (b) शिक्षार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि उन्नत करने में निम्नलिखित बातें सहायक होगी—

- (i) शिक्षक-शिक्षार्थी के मध्य धनात्मक।
 - (ii) निकट के शिक्षक का माता-पिता से सम्पर्क।

315. निम्न में से कौन-सा बाल केन्द्रित कक्षा का उदाहरण नहीं है?

- (a) विद्यार्थियों की प्रगति गुणात्मक रूप से प्रदर्शित होती है
 - (b) विद्यार्थियों की उपलब्धि अंकों के आधार पर प्रदर्शित होती है
 - (c) मूल्यांकन शिक्षण अधिगम का भाग होता है
 - (d) आकलन तब किया जाता है जब गतिविधियाँ हो रही हों

NCERT PRT 30-07-2017

Ans : (b) विद्यार्थियों की उपलब्धि अंकों के आधार पर प्रदर्शित होती है, यह बाल केन्द्रित कक्षा का उदाहण नहीं है, अपितु बाल केन्द्रित कक्षा में मूल्यांकन एक सतत प्रक्रिया के रूप में किया जाता है और प्राप्त परिणामों के आधार उपचारात्मक उपाय किया जाता है।

NCERT PRT 30-07-2017

Ans : (b) पाठ्यक्रम के मनोवैज्ञानिक आधार पाठ्यक्रम निर्माताओं को शिक्षार्थी को समझने में मदद करते हैं। पाठ्यक्रम का निर्माण करते समय बालकों की आवश्यकता उनकी रुचियों, अभिवृत्तियों, अवस्था, बौद्धिक अभिक्षमता आदि को आधार माना जाता है। ये मनोवैज्ञानिक आधार पाठ्यक्रम को रोचक तथा बालकों के अनुरूप बनाते हैं।

317. 'प्रकृति के अनुरूप अध्यापन करना' का अर्थ है—

 - (a) जीवन में कृत्रिम के विरुद्ध प्रकृति की ओर वापसी
 - (b) मानव विकास के प्राकृतिक सिद्धांतों (नियमों) के अनुसार शिक्षित करना
 - (c) प्राकृतिक नियमों का अध्ययन करना तथा शैक्षिक प्रक्रिया के लिए उनका उपयोग करना
 - (d) उपर्युक्त सभी

PRT KVS 2010

Ans : (b) “प्रकृति के अनुरूप अध्यापन करने” का अर्थ है— मानव विकास के प्राकृतिक सिद्धांतों के अनुसार शिक्षित करना। प्रत्येक बच्चे की अपनी कुछ नैसर्गिक विशेषताएँ होती हैं जो उनकी योग्यता व क्षमता को निर्धारित करती हैं। अध्यापक को इन विशेषताओं को ध्यान में रखकर शिक्षण कार्य करना चाहिए।

318. लुम्सडेन ने शिक्षा-तकनीकी को कितने रूपों में विभाजित किया है?

- (a) एक (b) दो
(c) तीन (d) चार

PRT KVS 15-12-2013

Ans : (c) लुम्सडेन ने शिक्षा-तकनीकी को तीन रूपों में विभाजित किया है-

1. शैक्षिक तकनीकी प्रथम या कठोर शिल्प उपागम
2. शैक्षिक तकनीकी द्वितीय या मृदुल शिल्प या साफ्टवेयर उपागम
3. शैक्षिक तकनीकी तृतीय या प्रणाली विश्लेषण

319. विद्यार्थियों की प्रशंसा की जानी चाहिए-

- (a) एकांत में (b) अलग से
(c) लोगों के बीच (d) व्यक्तिगत रूप से

PRT KVS 04-10-2015

Ans : (c) विद्यार्थियों की प्रशंसा हमेशा लोगों के बीच में की जानी चाहिए। यह सकारात्मक पुर्नबलन का कार्य करता है। जिससे विद्यार्थी अच्छे कार्य करने के लिए प्रेरित होते हैं। लोगों के बीच प्रशंसा करने से उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा तथा सामाजिक स्वीकृति में वृद्धि होती है।

320. आप एक विषय पर क्लास में पढ़ा रहे हैं तब एक विद्यार्थी उस विषय से असम्बन्धित प्रश्न पूछता है, तब आप क्या करोगी?

- (a) आप वह असम्बन्धित प्रश्न पूछने की अनुमति देंगी
(b) आप वह असम्बन्धित प्रश्न पूछने की अनुमति नहीं देंगी
(c) आप इसे अनुशासनहीनता मानते हुए उसे सजा देंगी
(d) क्लास के बाद उस प्रश्न का उत्तर देंगी

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (d) यदि विद्यार्थी विषय में असंबंधित प्रश्न पूछता है तो क्लास के बाद शिक्षिका उस प्रश्न का उत्तर देगी क्योंकि बीच में उत्तर देने से शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में व्यवधान उत्पन्न होगा और यदि प्रश्न पूछने की अनुमति प्रदान न की गई तो विद्यार्थी के जिज्ञासा का समाधान नहीं हो पायेगा, जो बालक के रचनात्मकता को बाधित करेगा।

321. एक शिक्षक विद्यार्थियों का हौसला इस तरह बढ़ा सकता है-

- (a) योग्य इनाम देकर (b) योग्य मार्गदर्शन कर
(c) उदाहरण देकर (d) क्लास में भाषण देकर

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (a) एक शिक्षक योग्य इनाम देकर विद्यार्थियों का हौसला बढ़ा सकता है। पुरस्कार सकारात्मक प्रेरक है। पुरस्कार का उद्देश्य व्यक्ति को सुखद तथा आनन्ददायक परिस्थितियों की अनुभूति कराना है, जिससे व्यक्ति वांछित व्यवहारों को पुनः करके आनन्ददायक भावना को महसूस करता है।

322. शिशु-केन्द्रित (Child centered) कक्षा में, सामान्यतः बच्चे इनसे सीखते हैं-

- (a) मुख्यतः शिक्षक से
(b) व्यक्तिगत रूप से
(c) समूह में
(d) व्यक्तिगत रूप से और समूह में

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (d) शिशु-केन्द्रित कक्षा में सामान्यतः बच्चे व्यक्तिगत रूप से और समूह दोनों में सीखते हैं। इस प्रकार के कक्षा में बालक की रुचियों, प्रवृत्तियों तथा क्षमताओं को ध्यान में रखकर ही शिक्षा प्रदान किया जाता है तथा पाठ्यक्रम को छोटे-छोटे हिस्सों में बाँटकर शिक्षण किया जाता है।

323. विद्यार्थी जो वर्ग में प्रश्न पूछता है उसे-

- (a) वर्ग के बाद अध्यापक को मिलने की सलाह देनी चाहिए
(b) वर्ग में चर्चा के दौरान भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए
(c) प्रश्न पूछने को जारी रखने पर प्रोत्साहित करना चाहिए
(d) उत्तर खुद ढूँढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (c) विद्यार्थी जो वर्ग में प्रश्न पूछता है उसे प्रश्न पूछने को जारी रखने पर प्रोत्साहित करना चाहिए। ऐसे विद्यार्थी जो सीखने के लिए प्रेरित रहते हैं वे कक्षा में प्रायः प्रश्न पूछते रहते हैं क्योंकि उनमें विषय से सम्बन्धित अनेक प्रकार की जिज्ञासा उत्पन्न होती रहती है जिसको शान्त करना अध्यापक के लिए आवश्यक होता है।

324. हर शिक्षार्थी अद्वितीय है, का आयश है-

- (a) कोई शिक्षार्थी अपनी योग्यता, रुचि तथा बुद्धि में एक समान नहीं होता
(b) शिक्षार्थियों में कोई समान गुण नहीं होते, ना ही उनके लक्ष्य समान होते हैं
(c) सभी शिक्षार्थियों के लिए समान पाठ्यचर्चा संभव नहीं है
(d) बेमेल कक्षा में शिक्षार्थियों की क्षमता विकसित करना असंभव है

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (a) हर शिक्षार्थी अद्वितीय है, का आशय है- कोई शिक्षार्थी अपनी योग्यता, रुचि तथा बुद्धि में एक समान नहीं होता है। प्रत्येक विद्यार्थी एक दूसरे से भिन्न होते हैं। यह भिन्नता ही किसी विद्यार्थी की विशेषता होती है, जो न केवल कक्षा में बल्कि समाज में भी उसे महत्वपूर्ण स्थान देती है।

325. को अभिप्रेरित शिक्षण का चिन्ह माना जाता है।

- (a) कक्षा में अधिकतम उपस्थिति
- (b) शिक्षक द्वारा प्रदत्त उपचारात्मक कार्य
- (c) छात्रों द्वारा प्रश्न पूछे जाना
- (d) कक्षा में नीरवता (silence)

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (c) कक्षा में छात्रों द्वारा प्रश्न पूछे जाने को अभिप्रेरित शिक्षण का चिन्ह माना जाता है, क्योंकि शिक्षण अधिगम प्रक्रिया एक सक्रिय प्रक्रिया है जिसमें शिक्षक और छात्र दोनों का सक्रिय रहना अपेक्षित है। जब छात्र अधिगम के प्रति अभिप्रेरित होते हैं तो वे अपनी जिज्ञासा प्रश्न पूछकर प्रकट करते हैं तथा शिक्षक तुरन्त उनके जिज्ञासा को शान्त करने का प्रयास करता है।

326. किस स्थान पर बालक के “संज्ञानात्मक” विकास को सर्वश्रेष्ठ ढंग से परिभाषित किया जा सकता है?

- (a) खेल के मैदान में
- (b) विद्यालय एवं कक्षा वातावरण में
- (c) प्रेक्षागृह में
- (d) घर पर

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (b) विद्यालय एवं कक्षा वातावरण में बालक के संज्ञानात्मक विकास को सर्वश्रेष्ठ ढंग से परिभाषित किया जा सकता है क्योंकि विद्यालय एवं कक्षा वातावरण बच्चों के संज्ञानात्मक, विकास के लिए विभिन्न प्रकार की परिस्थितियों का निर्माण करते हैं जिसमें बच्चे अपनी तार्किकता, चिंतन, प्रत्यक्षीकरण ध्यान, स्मृति संवेदनशीलता, बुद्धि, निर्णयन क्षमता जैसे मानसिक शक्तियों का उपयोग करते हुए अपना संज्ञानात्मक विकास करते हैं।

327. अधिगम को बेहतर बनाया जा सकता है, यदि—

- (a) वास्तविक जगत की परिस्थितियों को कक्षा में लाया जाए, जिसमें छात्र एक दूसरे से परस्पर संवाद करें तथा शिक्षक इसे सुगम बनाए
- (b) कक्षा में अधिक से अधिक सहायक सामग्री का उपयोग किया जाता है
- (c) शिक्षक अलग किसी के व्याख्यान एवं स्पष्टीकरणों का उपयोग किया जाता है
- (d) कक्षा में सर्वाधिक जाँच-परीक्षाओं पर अपेक्षित ध्यान दिया जाता है।

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (a) अधिगम को बेहतर बनाया जा सकता है यदि वास्तविक जगत की परिस्थितियों को कक्षा में लाया जाए, जिसमें छात्र एक दूसरे से परस्पर संवाद करें तथा शिक्षक इसे सुगम बनाये। राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा-2005 में इसी बात पर विशेष बल दिया गया है।

328. निम्नलिखित में से कौन-सी प्रगतिशील शिक्षा की विशेषता है?

- (a) परीक्षाओं में अंक प्राप्त करने पर बल
- (b) बार-बार ली जाने वाली परीक्षाएँ
- (c) समय सारणी और बैठने की व्यवस्था में लचीलापन
- (d) केवल प्रस्तावित पाठ्य-पुस्तकों पर आधारित अनुदेश

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (c) प्रगतिशील शिक्षा से तात्पर्य ऐसी शिक्षा व्यवस्था से है जिसका एकमात्र उद्देश्य बालक की शक्तियों का विकास करना। वैयक्तिक विभिन्नता के अनुरूप शिक्षण प्रक्रिया में भी अंतर रखकर इस उद्देश्य को पूरा किया जा सकता है। प्रगतिशील शिक्षा की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं—

- समय सारणी और बैठने की व्यवस्था में लचीलापन।
- व्यक्तिगत योग्यताओं एवं क्षमताओं पर ध्यान।
- कक्षा में जनतांत्रिक वातावरण का निर्माण।

329. शिक्षण से अधिगम पर बल देने वाला परिवर्तन हो सकता है—

- (a) रटने को प्रोत्साहित करके
- (b) अग्र शिक्षण की तकनीक अपनाकर
- (c) परीक्षा परीणामों पर केन्द्रित होकर
- (d) बाल-केन्द्रित शिक्षा-पद्धति अपनाकर

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (d) शिक्षण के अधिगम पर बल देने वाला परिवर्तन बाल केन्द्रित शिक्षा पद्धति अपनाकर हो सकता है। तात्पर्य कि बाल केन्द्रित शिक्षा पद्धति में बच्चों के अधिगम पर बल दिया जाता है जबकि अधिकारवादी शिक्षा पद्धति में शिक्षक और शिक्षण पर बल दिया जाता है।

330. विवेचनात्मक शिक्षाशास्त्र का यह दृढ़ विश्वास है कि

- (a) बच्चे स्कूल से बाहर क्या सीखते हैं, यह अप्रासंगिक है
- (b) शिक्षार्थियों के अनुभव और प्रत्यक्षण महत्वपूर्ण होते हैं
- (c) एक शिक्षक को हमेशा कक्षा-कक्षा के अनुदेशन का नेतृत्व करना चाहिए
- (d) शिक्षार्थियों को स्वतंत्र रूप से तर्कणा नहीं करनी चाहिए

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (b) विवेचनात्मक शिक्षाशास्त्र का यह दृढ़ विश्वास है कि शिक्षार्थियों के अनुभव और प्रत्यक्षण महत्वपूर्ण होते हैं। शिक्षार्थी केवल ऐसे छोटे बच्चे नहीं होते जिनके लिए वयस्कों को कुछ हल ढूढ़ने होते हैं। वे अपनी परिस्थिति व जरूरतों के सूक्ष्म पर्यवेक्षक होते हैं तथा उन्हें अपनी शिक्षा व भावी अवसरों से संबंधित समस्याओं के हल की प्रक्रिया तथा विमर्श में भाग लेना चाहिए।

02.

शिक्षा के मनोवैज्ञानिक आधार

1. शिक्षा मनोविज्ञान का अर्थ, सम्बन्ध, प्रकृति क्षेत्र एवं उपयोगिता

PRT-KVS 07-01-2017

Ans : (d) मानवतावादी मनोवैज्ञानिक प्रत्येक व्यक्ति को अनोखा मानते हुए प्रत्येक व्यक्ति के व्यवहार का स्वतंत्र इकाई के रूप में अध्ययन करने की वकालत करते हैं। अब्राहम मेस्लो तथा कार्ल रोजर्स जैसे मनोवैज्ञानिकों को मानवतावादी परिप्रक्ष्य का प्रमुख समर्थक माना जाता है। वे मानते थे कि व्यक्ति में अपनी अंतिनिहित क्षमता के अनुसार आत्मसिद्धि प्राप्त करने की इच्छा होना स्वाभाविक होता है।

2. मनोविज्ञान का शिक्षा में मुख्य योगदान किस रूप में होता है?

 - (a) उन उद्देश्यों को परिभाषित करना जिनकी प्राप्ति हेतु अध्यापक को प्रयास करना चाहिए
 - (b) शिक्षण-कला को एक वैज्ञानिक आधार प्रदान करना
 - (c) विभिन्न शिक्षण विधियों की सापेक्ष प्रभाविकता की तुलना करना
 - (d) सम्भाव्य रूप में सफल शैक्षिक प्रविधियों की पहचान करना

PRT KVS 2010

Ans : (d) मनोविज्ञान का शिक्षा में मुख्य योगदान सम्बाध रूप में सफल शैक्षिक प्रविधियों की पहचान करना होता है। शिक्षा में मनोविज्ञान के प्रयोग ने शिक्षा को बाल केन्द्रित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके साथ ही अब बालकों की रुचियों व मूल प्रवृत्तियों को महत्व, व्यक्तिगत विभिन्नताओं को महत्व, पाठ्य सहगामी क्रियाओं पर बल, शिक्षण विधियों में सुधार मूल्यांकन की नई विधियों का प्रयोग आदि नये परिवर्तन शिक्षा के क्षेत्र में देखे जा सकते हैं।

3. बालक में तर्क शक्ति के विकास हेतु उपयुक्त विषय है-

(b) अग्रजा

Ans : (d) बालक में तक्षण शक्ति के विकास हेतु उपयुक्त विषय

- प्रयोग के लिए सक्षम बनाना।
 - तर्कपूर्ण सोच हेतु सक्षम बनाना।
 - ज्ञान अर्जित करने हेतु रुचि व कौशल विकसित करना।
 - तथ्यों की क्रियात्मक सूचना प्रदान करना।
 - वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना।
 - यांत्रिक कौशल का विकास करना।
 - सिद्धांतों का क्रियात्मक अवबोध सुनिश्चित करना।
 - समस्या समाधान सम्बन्धी कौशल का विकास करना।

4. “शिक्षा मनोविज्ञान शैक्षिक अभिवृद्धि का व्यवस्थित अद्ययन है।” शिक्षा मनोविज्ञान की यह परिभाषा दी गई है—

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) जे.एम. स्टीफन के अनुसार- “शिक्षा मनोविज्ञान शैक्षिक अभिवृद्धि का व्यवस्थित अध्ययन है।”

5. यदि वर्गखण्ड में कुछ शारारती छात्र हैं तो इस स्थिति में आप कैसे पढ़ाएंगे?

- (a) कोई ध्यान दिए बिना आप पाठ पढ़ाएंगे
 - (b) इन्हें समझाने की कोशिश करेंगे, आप मनोवैज्ञानिक तरीके से पढ़ाएंगे
 - (c) आप उनके माता-पिता को बुलाएंगे और उनकी मानसिकता के बारे में बताएंगे

(d) आप प्रधानाचार्य से अनुरोध करेंगे कि उन्हें निकाल दें
PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
26-07-2012

Ans : (b) यदि वर्गखण्ड में कुछ शाराती छात्र हैं तो एक शिक्षक को उन्हें समझाने की कोशिश करनी चाहिए तथा मनोवैज्ञानिक तरीके से पढ़ाना चाहिए। प्रत्येक कक्षा-कक्ष में कुछ शाराती बच्चे होते हैं जिनका शिक्षण कार्य करते समय अध्यापक को ध्यान देना चाहिए तथा उनके व्यवहारों को उचित दिशा में निर्देशित करना चाहिए।

- 6 मतोविश्लेषण के प्रिवा हैं-**

- (a) इरिक एच. एरिक्सन (b) जीन पिगेट
 (c) फेरोर्न प्रस बन्नर (d) सिमसंद फाहद

**PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013**

28.07.2015

Ans : (d) मनोविश्लेषण के जनक सिगमण्ड फ्रायड माने जाते हैं। इन्होंने अचेतन मानसिक प्रक्रियाओं पर जोर देते हुए कहा कि द्वन्द्वों तथा मानसिक व्यतिक्रम के अधिकांश मुख्य कारण अचेतन में छिपे रहते हैं। अचेतन के अध्ययन के लिए फ्रायड ने मनोविश्लेषण की एक नयी प्रविधि का आविष्कार किया जो मुख्यतः मुक्त साहचर्य वाले विचार प्रवाह तथा स्वप्न विश्लेषण पर आधारित है।

7. बच्चे अपने माता-पिता के प्रबलन से प्रतिक्रिया में उपर्युक्त ध्वनियों और शब्दों को सीखते हैं, ऐसा सुझाव भाषा के विकास के किस मिल्डांट ने दिया है?

PRT Post Code 70/09 02-02-2014

Ans : (a) बच्चे अपने माता-पिता के प्रबलन से प्रतिक्रिया में उपयुक्त ध्वनियों और शब्दों को सीखते हैं, ऐसा सुझाव भाषा विकास के व्यवहारवादी सिद्धांत ने दिया है। स्कीनर ने भाषा सीखने की प्रक्रिया के स्पष्टीकरण हेतु अनुकरण तथा संशोधन प्रतिमान में इस बात को माना कि बच्चे अपने वयस्कों द्वारा दिये गये पुनर्बल से भाषा जल्दी सीख जाते हैं।

8. एक शिक्षक को अपने छात्र की क्षमताओं को समझने का प्रयास करना चाहिए। निम्नलिखित में से कौन-सा क्षेत्र इस उद्देश्य से संबंधित है?

- (a) माध्यम (Media) मनोविज्ञान
- (b) शैक्षिक मनोविज्ञान
- (c) शैक्षिक समाजशास्त्र
- (d) सामाजिक दर्शनशास्त्र

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (b) एक शिक्षक शैक्षिक मनोविज्ञान के माध्यम से अपने छात्रों की क्षमताओं को समझने का प्रयास करता है। शिक्षा मानव व्यवहार के परिमार्जन से संबंधित रहती है जबकि मनोविज्ञान मानव व्यवहार के अध्ययन के तौर तरीकों से संबंधित होता है। इस प्रकार शैक्षिक मनोविज्ञान शैक्षिक परिस्थितियों में मानव व्यवहार का अध्ययन करके उसे उन्नत बनाता है। शैक्षिक मनोविज्ञान के निम्न उद्देश्य होते हैं-

- छात्रों की योग्यताओं, क्षमताओं तथा सामर्थ्य का ज्ञान प्राप्त करना।
- छात्रों की रुचियों, अभिरुचियों का ज्ञान प्राप्त करना।
- मानव विकास की विभिन्न अवस्थाओं का अध्ययन करना।
- शिक्षण सिद्धांतों व शिक्षण विधियों का अध्ययन करना
- छात्रों के विशिष्ट व्यवहारों का अध्ययन करना।

2. बाल विकास की अवधारणा सिद्धांत, क्षेत्र एवं अवस्थाएँ (पियाजे, बूनर, मैकड़गल कोहलबर्ग, वाइगोत्सकी, कोलिन्स बरनाडा)

9. चार वर्ष से अधिक आयु के बच्चे के साथ खेलना पसंद करते हैं।
- (a) एक बच्चे
 - (b) पाँच से आठ बच्चों के समूह
 - (c) दो या तीन बच्चों
 - (d) दो या तीन वयस्कों

NVS, PGT 19–09–2019

Ans : (b) चार वर्ष से अधिक आयु के बच्चे पाँच से आठ बच्चों के समूह के साथ खेलना पसंद करते हैं। शैशवावस्था के अंतिम वर्षों में शिशु में सामाजिक भावना का विकास हो जाता है। वैलेन्टाइन का मत है, “चार या पाँच वर्ष के बालक में अपने छोटे भाइयों, बहनों, साथियों की रक्षा करने की प्रवृत्ति होती है। वह 2 से 5 वर्ष तक के बच्चों के साथ खेलना पसंद करता है।

10. जिन घरों में नैतिक मूल्यों को अधिक महत्व दिया जाता है, उन घरों के बच्चे अपने से अधिक संतोषजनक रूप से जुड़े होते हैं।

- (a) माता-पिता
- (b) शिक्षकों
- (c) समुदाय
- (d) साथियों

NVS, PGT 19–09–2019

Ans : (a) जिन घरों में नैतिक मूल्यों को अधिक महत्व दिया जाता है, उन घरों के बच्चे अपने माता-पिता से अधिक संतोषजनक रूप से जुड़े होते हैं। परिवार ही सबसे प्रथम विद्यालय होता है जहाँ बालक के सामाजिक तथा नैतिक मूल्यों का विकास होता है।

11. बालकों को क्षेत्रीय/स्कूल भाषा से परिचित कराने का सर्वश्रेष्ठ समय होता है?

- (a) किशोरावस्था वर्ष में
- (b) विद्यालय वर्ष में
- (c) पूर्व बाल्यावस्था वर्ष में
- (d) प्राथमिक विद्यालय वर्ष में

NVS, PGT 19–09–2019

Ans : (c) प्रारंभिक बाल्यावस्था में बालकों को क्षेत्रीय/स्कूली भाषा से परिचित कराने का सर्वश्रेष्ठ समय होता है क्योंकि इस समय बालक पारिवारिक सदस्यों का अनुकरण करता है, उनसे वार्तालाप करता है, कहानियाँ सुनता है जिससे उसकी क्षेत्रीय या मातृ भाषा का विकास होता है। इसी अवस्था में बालक विद्यालय जाना प्रारम्भ करता है और विद्यालयी भाषा से परिचित होता है।

12. जीन पियाजे के शोध और दर्शन के अनुसार, शुरूआती जीवनकाल में बच्चों के अधिगम का आधार आनन्द होता है।

- (a) नाटक
- (b) कला
- (c) आनंद
- (d) अभिव्यक्ति

NVS, TGT 18–09–2019

Ans : (c) जीन पियाजे के शोध और दर्शन के अनुसार, शुरूआती जीवनकाल में बच्चों के अधिगम का आधार आनन्द होता है। पियाजे के अनुसार गौण वृत्तीय प्रतिक्रियाओं की अवस्था की समयावधि चार माह से लेकर आठ माह तक की मानी जाती है। इस अवस्था में बच्चे आनन्ददायक क्रियाओं की पुनरावृत्ति करने लगते हैं जिसमें वस्तुओं को शामिल करने के साथ-साथ शरीर से सम्बन्धित क्रियाएँ भी सम्मिलित रहती हैं।

नोट— इस प्रश्न का उत्तर नवोदय विद्यालय समिति ने नाटक माना है।

13. अवधि के अंत तक, बालक मानसिक निरूपण करने वाले क्रियाकलाप जैसे— बहाने बनाना में संलग्न होने के सक्षम हो जाते हैं।

- (a) संवेदी गामक
- (b) मूर्त संक्रियात्मक
- (c) पूर्व संक्रियात्मक
- (d) औपचारिक संक्रियात्मक

NVS, TGT 18–09–2019

Ans : (a) संवेदी गामक अवस्था की उप-अवस्था प्रतीकात्मक की समयावधि 18–24 माह तक मानी जाती है। इस अवस्था के अंत तक बच्चों में प्रतीकात्मक चिंतन का गुण विकसित हो जाता है। इसमें बच्चे वस्तुओं से संबंधित मानसिक निरूपण करने में सक्षम हो जाते हैं। इससे तात्पर्य यह है कि जब वस्तुएँ उनके सामने प्रत्यक्ष रूप में उपस्थित नहीं होती हैं तब भी वह उनके सम्बन्ध में मानसिक चिंतन कर लेते हैं अर्थात् उनमें वस्तु स्थायित्व का गुण विकसित हो जाता है।

14. किसी भी भाषा में, 75% भाषा की अभिव्यक्ति के माध्यम से की जाती है।

- (a) सही व्याकरण
- (b) उच्चारण
- (c) इशारों और चेहरे के हाव-भाव
- (d) शब्दावली

NVS, PGT 17-09-2019 II

Ans : (c) किसी भी भाषा में, 75% भाषा की अभिव्यक्ति इशारों और चेहरे के हाव-भाव के माध्यम से की जाती है। भावमुद्राओं और संकेत विचारों की अभिव्यक्ति करते हैं परन्तु ये क्षणिक तथा अस्थायी होते हैं तथा इनका सुगमता से संकलन नहीं किया जा सकता है। भाषा के पूरक के रूप में हाव-भाव का प्रयोग किया जाता है।

15. साथी समूह में मित्रता और सहभागिता का विकास की आयु के दौरान बढ़ता है।

- (a) 12–18 साल
- (b) 18–25 साल
- (c) 6–12 साल
- (d) 2–6 साल

NVS, PGT 17-09-2019 II

Ans : (c) साथी समूह में मित्रता और सहभागिता का विकास 6–12 साल की आयु के दौरान बढ़ता है। 6–12 साल की आयु बाल्यावस्था होती है। इस आयु तक बालक-बालिकाएँ किसी न किसी टोली या समूह का सदस्य बन जाते हैं। यह टोली समूह में उनके विभिन्न खेलों, वस्त्रों को पसन्द तथा अन्य उचित अनुचित बातों का निर्धारण करते हैं।

16. साल से अधिक उम्र के बच्चे दूसरे लोग खास तौर पर अधिक अनजान लोगों के बारे में ज्यादा सीखने में सक्षम होते हैं।

- (a) 7
- (b) 5
- (c) 8
- (d) 6

NVS, PGT 17-09-2019 II

Ans : (c) 8 साल से अधिक उम्र के बच्चे दूसरे लोग, खास तौर पर अधिक अनजान लोगों के बारे में ज्यादा सीखने में सक्षम होते हैं। 8 वर्ष की आयु यानि बाल्यावस्था में बालक-बालिकाएँ प्रायः घर से बाहर रहना चाहते हैं, परन्तु उनका व्यवहार शिष्टाचार पूर्ण होता है। बालक-बालिकाएँ अन्य व्यक्तियों, परिवर्तित तथा रिश्तेदारों के समक्ष अपनी छाप छोड़ना चाहते हैं। साथ ही इस अवस्था में बालक-बालिकाओं में सामाजिक स्वीकृति तथा प्रशंसा पाने की तीव्र इच्छा होती है।

17. सामाजिक विकास अनिवार्यतः:

- (a) सामाजिक सुरक्षा और स्वीकरण की प्राप्ति का मामला है
- (b) सामाजिक व्यवस्था और व्यक्ति के उद्देश्यों के समाकलन से संबंधित है
- (c) सामाजिक कौशलों के विकास से जुड़ा है
- (d) सामाजिक व्यवस्था की अपेक्षाओं के साथ अनुसारिता का मामला है

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (b) सामाजिक विकास अनिवार्यतः: सामाजिक व्यवस्था और व्यक्ति के उद्देश्यों के समाकलन से सम्बन्धित है। बालक-बालिकाओं का सामाजिक विकास वस्तुतः उनके सामाजीकरण के रूप में परिलक्षित होता है। सामाजीकरण की प्रक्रिया बालक के सामाजिक विकास को गति प्रदान करती है। घर, परिवार, पड़ोस, मित्र मण्डली, विद्यालय, समुदाय, जनसंचार साधन तथा राजनीतिक व सामाजिक संस्थाएँ बालक के सामाजीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती हैं।

18. परिपक्वन है एक—

- | | |
|--------------------------|---------------------------|
| (a) विकासात्मक प्रक्रिया | (b) अनुभावात्मक प्रक्रिया |
| (c) समाजीकरण प्रक्रिया | (d) समायोजन प्रक्रिया |

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (a) परिपक्वन एक विकासात्मक प्रक्रिया है। परिपक्वता उन परिवर्तनों को इंगित करता है जो एक निर्धारित क्रम का अनुसरण करते हैं तथा प्रधानतः उस अनुवांशिक रूपरेखा से सुनिश्चित होते हैं जो हमारी संवृद्धि एवं विकास में समानता उत्पन्न करते हैं। ये आंतरिक एवं आनुवंशिक रूप से निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार घटित होती है।

19. विकास शुरू होता है—

- | | |
|--------------------------|---------------------------|
| (a) शैशवावस्था से | (b) गर्भावस्था से |
| (c) पूर्व-बाल्यावस्था से | (d) बाल्यावस्था के बाद से |

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (b) विकास गर्भावस्था से शुरू होकर मृत्युपर्यन्त चलने वाली प्रक्रिया है। अन्य अवस्थाओं की अपेक्षा इस अवस्था में विकास की गति तीव्र होती है। हरलॉक ने विकास की अवस्था की शुरूआत गर्भाकालीन अवस्था से ही बताया है।

20. कौन-सा शब्द एक बच्चे की शारीरिक वृद्धि को सबसे अच्छी तरह वर्णित करता है?

- (a) गुणात्मक
- (b) संकल्पनात्मक
- (c) मात्रात्मक
- (d) असंगठित

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (c) मात्रात्मक शब्द एक बच्चे की शारीरिक वृद्धि को सबसे अच्छी तरह वर्णित करता है। शारीरिक वृद्धि मात्रात्मक होती है इसमें वजन, लम्बाई, चौड़ाई आदि शामिल होते हैं।

21. वाइगोत्स्की के निकटस्थ विकास के क्षेत्र का उदाहरण होगा—

- (a) एक शिक्षक उपहृत विद्यार्थी को बताता है कि अच्छे नोट्स कैसे बनाए जाएं ताकि वह और बेहतर कर सके
- (b) अपने अधिक उपहृत मित्रों की सहायता से कम सक्षम बच्चे विकसित होना
- (c) ऐसा गृहकार्य दिया जाता है, जो विद्यार्थी अपने आप नहीं कर सकता परन्तु शिक्षक की सहायता लेकर कर सकता है
- (d) उपर्युक्त सभी

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (c) ऐसा गृहकार्य दिया जाता है, जो विद्यार्थी अपने आप नहीं कर सकता परन्तु शिक्षक की सहायता लेकर कर सकता है। यह उदाहरण वाइगोत्स्की के निकटस्थ विकास के क्षेत्र का उदाहरण होगा।

22. अलग—अलग बालकों को अलग—अलग कार्य सौंपें जाने को के आधार पर न्यायोचित ठहराया जा सकता है।

- (a) विद्यार्थियों को विभिन्नता पसंद है
- (b) यह कार्य की नकल को रोकता है
- (c) विद्यार्थियों में वैयक्तिक अन्तर है
- (d) इसे किसी भी प्रकार न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (c) अलग—अलग बालकों को अलग—अलग कार्य सौंपें जाने को, विद्यार्थियों में वैयक्तिक अन्तर के आधार पर न्यायोचित ठहराया जा सकता है।

23. कोहलबर्ग के सिद्धांत के अनुसार नैतिक तार्किकता पर निर्भर करती है।

- (a) संदर्भ
- (b) बाह्य उद्दीपक
- (c) प्रशिक्षण
- (d) विकास का चरण

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (d) कोहलबर्ग के सिद्धांत के अनुसार नैतिक तार्किकता विकास के चरण पर निर्भर करती है। कोहलबर्ग ने नैतिक विकास के तीन प्रमुख स्तर तथा सात सोपान बताये हैं। ये तीन स्तर निम्नलिखित हैं—

- (i) पूर्व परम्परागत
- (ii) परम्परागत
- (iii) उत्तर-परम्परागत

24. पियाजे के सिद्धांत में, वस्तु स्थायीत्व चरण के अंत में विकसित किया जाता है।

- (a) ज्ञानेन्द्रिय
- (b) पूर्व संक्रियागत
- (c) ठोस संक्रियागत
- (d) औपचारिक संक्रियागत

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (a) पियाजे के सिद्धांत में, वस्तु स्थायीत्व ज्ञानेन्द्रिय चरण के अंत में विकसित किया जाता है। ज्ञानेन्द्रिय चरण को संवेगात्मक-गामक अवस्था के नाम से भी जाना जाता है। यह अवस्था जन्म के उपरान्त प्रथम दो वर्षों तक चलती है। इस अवस्था के अंत तक बालक को वस्तु स्थायीत्व का संज्ञान होता है। इसके द्वारा बालक यह जान पाता है कि घटनाएँ एवं वस्तुएँ तब भी उपस्थित रहती हैं जब वे हमारे सामने (देखी, सुनी व महसूस) नहीं होती हैं।

25. कौन—सा मचान (Scaffolding) का एक उदाहरण नहीं है?

- (a) ऐसा कार्य देना जो विद्यार्थी स्वयं न कर सके परंतु किसी की मदद से कर सके
- (b) मानकीकृत आईक्यू परीक्षणों को प्रशासित करना
- (c) उपहृत विद्यार्थियों को नोट्स बनाने के सही तरीके के बार में पढ़ाने का उपहार देना
- (d) उपर्युक्त सभी

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (b) Scaffolding वयस्कों (शिक्षकों, माता-पिता,) का अस्थायी समर्थन होता है जो बच्चे को तब तक कार्य करने के उद्देश्य से प्रदान करते हैं जब तक बच्चे बाहर की सहायता के बिना इसे करने में सक्षम न हो जाएं। मचान विकास के सम्भावित क्षेत्रों से संबंधित प्रत्यय है जो सहायता के स्तर में परिवर्तन को दर्शाती है।

26. मौजूदा योजनाओं को नई सूचना में शामिल करते हुए परिवर्तित करने की प्रक्रिया को कहते हैं—

- (a) व्यास मापन
- (b) अनुबंधन
- (c) अनुकूलन
- (d) समंजन

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (d) समंजन से तात्पर्य नवीन अनुभवों की दृष्टि से पूर्ववर्ती बौद्धिक संरचनाओं में सुधार करने, विस्तार करने या परिवर्तन करने से है। यह विद्यमान बौद्धिक संरचनाओं को परिवर्तित करने की प्रक्रिया है जिससे नवीन अनुभवों तथा ज्ञान को उचित ढंग से व्यवस्थित किया जा सके।

27. संक्षिप्त विचार सामान्यतः में आरंभ होते हैं।

- (a) ज्ञानेन्द्रिय अवस्था
- (b) पूर्व संक्रियात्मक अवस्था
- (c) ठोस संक्रियात्मक अवस्था
- (d) औपचारिक संक्रियागत अवस्था

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (d) संक्षिप्त विचार सामान्यतः औपचारिक संक्रियागत अवस्था में आरम्भ होते हैं। औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था 11 से 15 वर्ष की आयु तक चलती है। इस अवस्था के दौरान बालक अमूर्त बातों के सम्बन्ध में तार्किक चिन्तन करने की योग्यता विकसित करता है। इस अवस्था में बालक का चिंतन अधिक अमूर्त, अधिक क्रमबद्ध, लचीला और तार्किक हो जाता है।

28. चरण के दौरान अन्वेषण सबसे महत्वपूर्ण है।

- (a) आरंभिक बाल्यावस्था
- (b) पूर्वविद्यालय
- (c) शिशुकाल
- (d) किशोरावस्था

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (a) आरम्भिक बाल्यावस्था चरण के दौरान अन्वेषण सबसे महत्वपूर्ण है। प्रारम्भिक बाल्यावस्था में बालक में जिज्ञासा, प्रवृत्ति अत्यधिक प्रबल होती है। वह जिन वस्तुओं या व्यक्तियों के संपर्क में आता है उनके संबंध में तरह-तरह की जानकारी प्राप्त करना चाहता है।

29. भाषा कौशल में, सबसे कठिन है—

- (a) सुनना
- (b) बोलना
- (c) पढ़ना
- (d) लिखना

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (d) भाषायी कुशलता का सम्बन्ध भाषा के चार कौशलों से है— (i) श्रवण, (ii) वाचन (iii) पठन (iv) लेखन। इनका सही वर्गीकरण दो प्रकार से होता है—

1. ग्रहणात्मक कौशल—
 - (i) श्रवण कौशल
 - (ii) पठन कौशल
2. अभिव्यक्तात्मक कौशल—
 - (i) वाचन कौशल
 - (ii) लेखन कौशल

भाषा कौशल में, लिखना सबसे कठिन है।

30. कौन–सा विकास का एक सिद्धांत नहीं है?

- (a) सामान्य से विशिष्ट
- (b) निरन्तरता
- (c) क्रमागतता
- (d) प्रतिवर्तीयता

KVS–PRT Post Code 16/17, 29–10–2017

Ans : (d) विकास के सिद्धांत निम्नलिखित हैं–

- (i) निरन्तरता का सिद्धांत
- (ii) व्यक्तिगतता का सिद्धांत
- (iii) परिमार्जितता का सिद्धांत
- (iv) समन्वय का सिद्धांत
- (v) समान–प्रतिमन का सिद्धांत
- (vi) चक्राकार प्रगति का सिद्धांत
- (vii) वंशानुक्रम तथा वातावरण की अन्तःक्रिया का सिद्धांत
- (viii) क्रमागतता का सिद्धांत
- (ix) सामान्य से विशिष्ट क्रिया का सिद्धान्त
- (x) निश्चित तथा पूर्वकथनीय प्रतिक्रिया का सिद्धांत

प्रतिवर्तीयता का सिद्धांत विकास का सिद्धांत नहीं है।

31. वायगोत्स्की के सामाजिक विकास सिद्धांत ने

की नींव रखी।

- (a) व्यवहारवाद
- (b) मानवतावाद
- (c) संरचनावाद
- (d) प्रभाव डालने का अनुकूलता सिद्धांत

KVS–PRT Post Code 16/17, 29–10–2017

Ans : (c) वायगोत्स्की के सामाजिक विकास सिद्धांत ने संरचनावाद की नींव रखी। जीन पियाजे की तरह वायगोत्स्की भी मानते हैं कि ‘बच्चे अपने ज्ञान का निर्माण स्वयं करते हैं।’

32. Proximodistal Development का अर्थ है–

- (a) शीर्ष से तल
- (b) तल से शीर्ष
- (c) अंदर से बाहर की ओर
- (d) बाहर से अंदर की ओर

KVS–PRT Post Code 16/17, 29–10–2017

Ans : (c) Proximodistal Development (समीप से दूर का सिद्धांत)– इस सिद्धांत के अनुसार मानव के विकास का केन्द्र बिन्दु तंत्रिका तंत्र, मेरुरज्जु या स्नायु तंत्र होता है। सबसे पहले स्नायु तंत्र का विकास होता है तथा इसके बाद स्नायु तंत्र के पास वाले अंगों का विकास होता है। जैसे– चेस्ट, हृदय आदि। सबसे अंत में दूरस्थ अंगों का विकास होता है जैसे हाथ व पैर की अंगुलियाँ। इस प्रकार इस सिद्धांत के अनुसार मानव का विकास अंदर से बाहर की ओर होता है।

33. एक बच्चा कुछ घरेलू कार्य करने के लिए प्रोत्साहन की माँग करता है। कोहलबर्ग के नैतिक चरणों में से कौन–सा इससे संबंधित है?

- (a) चरण 1
- (b) चरण 2
- (c) चरण 3
- (d) चरण 5

KVS–PRT Post Code 16/17, 29–10–2017

Ans : (b) कोहलबर्ग ने नैतिक विकास के तीन प्रमुख स्तर तथा सात सोपान बताये हैं, जो कि निम्नलिखित हैं–

- 1. पूर्व परम्परागत स्तर –
 - (i) आत्मकेन्द्रित निर्णय
 - (ii) दण्ड तथा आज्ञापालन अभिमुखता
 - (iii) यांत्रिक सापेक्षिक अभिमुखता
- 2. परम्परागत स्तर–
 - (i) परस्पर स्वरूप अभिमुखता
 - (ii) अधिकार संरक्षण अभिमुखता
- 3. उत्तर परम्परागत स्तर–
 - (i) सामाजिक अनुबंध विधि – सम्मत अभिमुखता
 - (ii) सार्वभौमिक नैतिक सिद्धांत अभिमुखता

चरण 2 : परम्परागत स्तर– इस स्तर पर नैतिक मूल्य अच्छे या बुरे कार्यों को करने में निहित रहते हैं। इस चरण में बच्चा कुछ घरेलू कार्य करने के लिए प्रोत्साहन की माँग करता है।

34. विकास के बारे में निम्न में से कौन–सा कथन सही नहीं है?

- (a) विकास की हर दशा में खतरा होता है
- (b) विकास को उत्तेजन की सहायता प्राप्ति नहीं होती
- (c) विकास पर सांस्कृतिक परिवर्तन का प्रभाव पड़ता है
- (d) विकास की हर दशा का विशिष्ट आचरण होता है

PRT–KVS Post Code 150/14, 19–10–2014

Ans : (b) विकास के उत्तेजन की सहायता प्राप्ति नहीं होती, यह कथन विकास के सम्बन्ध में सही नहीं है। जबकि विकास की हर दशा में खतरा होता है, विकास पर सांस्कृतिक परिवर्तन का प्रभाव पड़ता है, विकास की हर दशा का विशिष्ट आचरण होता है, विकास क्रमिक होता है, विकास वंशानुक्रम और वातावरण की अंतःक्रिया का परिणाम होता है आदि विकास की विशेषताएँ हैं।

35. निम्न में से कौन–सा नियत कार्य उत्तर बचपन के लिए उपयुक्त नहीं है?

- (a) सामान्य खेलों के शारीरिक कौशल का अधिगम
- (b) पुरुष या स्त्री का सामाजिक कर्तव्य निभाना
- (c) वैयक्तिक स्वातंत्र्य प्राप्त करना
- (d) अपने सम उम्र वालों से साथ निभाना

PRT–KVS Post Code 150/14, 19–10–2014

Ans : (b) पुरुष या स्त्री का सामाजिक कर्तव्य निभाना उत्तर बचपन के लिए उपयुक्त नहीं है। जबकि सामान्य खेलों के शारीरिक कौशल का अधिगम, वैयक्तिक स्वातंत्र्य प्राप्त करना तथा अपने सम उम्र वालों का साथ निभाना आदि उत्तर बचपनावस्था के लिए उपयुक्त है। ध्यातव्य है कि उत्तर बचपन की अवस्था 9–12 वर्ष की आयु तक को माना जाता है। इस उम्र में बालक अपने समूह को महत्व देने लगता है तथा सामूहिक खेलों आदि में रुचि लेता है।

36. बच्चे के शिक्षण उपलब्धि के स्तर के बारे में निम्न में से कौन–सा अत्यधिक अविश्वसनीय भविष्यकथन है?

- (a) माता–पिता की भूमिका
- (b) क्लास में आचरण
- (c) सामाजिक आर्थिक स्थिति
- (d) बच्चे की ऊँचाई और भार

PRT–KVS Post Code 150/14, 19–10–2014

Ans : (d) बच्चे के शिक्षण उपलब्धि के स्तर के बार में बच्चे ऊँचाई और भार अत्यधिक अविश्वसनीय भविष्यकथन है। बच्चे की उपलब्धि स्तर पर बच्चे की ऊँचाई और भार का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। बच्चे के शिक्षण उपलब्धि पर उसके माता-पिता की भूमिका, क्लास में आचरण, सामाजिक-आर्थिक स्थिति, विद्यालय का वातावरण, मानसिक योग्यता आदि का प्रभाव पड़ता है।

37. निम्न में से आरम्भिक बचपन की विशेषता कौन-सी नहीं है?

- (a) पूर्व-दलीय वय
- (b) अनुकरणीय वय
- (c) शक्ति पूछने वाला वय
- (d) खेलने का वय

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (a) आरम्भिक बचपन या शैशवावस्था की निम्न विशेषताएँ होती हैं-

- अनुकरणशील वय
- शक्ति पूछने वाला जिज्ञासा प्रवृत्ति
- खेलने का वय
- मूल प्रवृत्तियों पर आधारित व्यवहार
- आत्मप्रेम की भावना
- दूसरों पर निर्भरता
- नैतिकता का अभाव
- सामाजिक भावना का विकास

जबकि पूर्व-दलीय वय आरम्भिक बचपन की विशेषता नहीं है।

38. किसी के विकासात्मक स्थिति में “प्रतिद्वन्द्व की अवधि” निम्न में से किस अवधि को सामान्यतः कहते हैं?

- (a) बालकपन
- (b) बचपन
- (c) किशोरावस्था
- (d) प्रौढ़ता

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (c) किशोरावस्था को ‘प्रतिद्वन्द्व की अवधि’ भी कहा जाता है। इसीलिए स्टेनले हॉल ने किशोरावस्था को संघर्ष, तनाव, तूफान तथा विरोध की अवस्था कहा है तथा किर्कपैट्रिक इसे जीवन का सबसे कठिन काल कहा है। इस अवस्था में किशोर अपने मूल्यों, आदर्शों और संवेगों में संघर्ष का अनुभव करता है जिसके फलस्वरूप वह अपने को कभी-कभी दुविधापूर्ण स्थिति में पाता है।

39. कौन-सी स्थिति में शारीरिक वृद्धि तेज होती है?

- (a) प्रारम्भिक बचपन
- (b) बालकपन
- (c) किशोरावस्था
- (d) स्कूल उम्र

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (a) शारीरिक विकास की दृष्टि से शैशवावस्था विकास की एक अत्यधिक महत्वपूर्ण अवस्था है। शैशवावस्था में विशेषकर जन्म से लेकर तीन वर्ष की आयु जिसे प्रारम्भिक बचपन की अवस्था भी कहते हैं, होने के दौरान शारीरिक विकास की गति अत्यन्त तीव्र रहती है। उदाहरण के लिए प्रथम दो वर्षों में सिर की लम्बाई तथा आकार में तीव्र गति से वृद्धि होती है, परन्तु बाद के वर्षों में इसके विकास की गति मंद हो जाती है।

40. मनोविज्ञानी जिसने नैतिक विकास की परिभाषा दी-

- (a) पावलोव
- (b) मॅकडोगल
- (c) पिगेट
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (c) जीन पियाजे ने नैतिक विकास की परिभाषा दी। जीन पियाजे ने नियमों, अधिकारों, दोषों, पापों व अत्याचारों के मूल्यांकन, समानता तथा परनिर्भरता से सम्बन्धित प्रश्नों तथा कहानियों के माध्यम से बालक बालिकाओं के गहन साक्षात्कार के लिए तथा इससे प्राप्त सूचनाओं का विश्लेषण करके बालकों के नैतिक विकास का अध्ययन किया। उनके अनुसार नैतिक विकास के तीन प्रमुख स्तर क्रमशः (i) नैतिक यथार्थता (ii) नैतिक समानता तथा (iii) नैतिक सापेक्षता होते हैं।

41. निम्नलिखित में से कौन-सा विकास का सिद्धांत नहीं है?

- (a) विकास सदैव रैखिक होता है
- (b) विकास की सभी प्रक्रियाएँ परस्पर जुड़ी हुई हैं
- (c) विकास एक सतत प्रक्रिया है
- (d) सभी बच्चों की विकास दर एक समान नहीं होती है।

PRT-KVS 07-01-2017

Ans : (a) विकास के कुछ प्रमुख सामान्य सिद्धांत अग्रांकित प्रस्तुत हैं—

- (i) निरन्तरता का सिद्धांत
- (ii) व्यक्तिगतता का सिद्धांत
- (iii) परिमार्जितता का सिद्धांत
- (iv) निश्चित तथा पूर्वकथनीय प्रतिक्रिया का सिद्धांत
- (v) निकट-दूर विकास का सिद्धांत
- (vi) मस्ताद्योमुखी विकास का सिद्धांत
- (vii) वर्तुलाकार विकास का सिद्धांत
- (viii) समान-प्रतिकार का सिद्धांत
- (ix) समन्वय का सिद्धांत
- (x) वंशानुक्रम तथा वातावरण की अन्तःक्रिया का सिद्धांत
- (xi) चक्राकार प्रगति का सिद्धांत

“विकास सदैव रैखिक होता है।” यह विकास का सिद्धांत नहीं है।

42. एक बच्चे में अविनाशिता (संरक्षण) की योग्यता का विकास हो चुका है और वह वस्तुओं को सबसे छोटी से बड़ी की ओर तथा सबसे बड़ी से सबसे छोटी की ओर सजा सकता है, उसकी विचार प्रक्रियाएँ स्थूल घटनाओं पर आधारित हैं, वह बच्चा उन सभी समस्याओं पर संक्रियाएँ कर सकता है, जो अमूर्त नहीं है, बताइए यह बच्चा पियाजे द्वारा प्रतिपादित संज्ञानात्मक विकास सिद्धांत किस अवस्था पर है?

- (a) संवेदी चालक अवस्था
- (b) स्थूल संक्रियात्मक अवस्था
- (c) पूर्व संक्रियात्मक अवस्था
- (d) आकरिक संक्रियात्मक अवस्था

PRT-KVS 07-01-2017

Ans : (b) उपर्युक्त उदाहरण में बच्चा पियाजे द्वारा प्रतिपादित संज्ञानात्मक विकास सिद्धांत के स्थूल संक्रियात्मक अवस्था में है। स्थूल संक्रियात्मक अवस्था या मूर्त संक्रियात्मक अवस्था लगभग सात से बारह वर्ष की आयु तक चलती है। इस अवस्था में पूर्व संक्रियात्मक अवस्था का अतार्किक चिंतन संक्रियात्मक तार्किक विचारों का स्थान लेने लगते हैं। बालक छोटे-छोटे विलोमीय पदों की शृंखला के द्वारा विचार करने लगता है। इस अवस्था की कुछ प्रमुख विशेषाएँ निम्नलिखित हैं—

- (i) विचारों की विलोमीयता
- (ii) संरक्षण
- (iii) क्रमबद्धता व पूर्ण-अंश संप्रत्यों का उपयोग।

43. निकटस्थ विकास का क्षेत्र क्या होता है?

- (a) ऐसी व्यवहार शृंखला जिसमें बच्चा अपने साथियों के साथ सामाजिक अन्योन्यक्रिया करता है।
- (b) अपने स्वयं के चेतन विचारों और भावनाओं का समूह जिनका बच्चे ने आत्मविश्लेषण किया है।
- (c) ऐसे कार्यों की श्रेणी जिन्हें पूर्ण करने के लिए बच्चा सीखने की प्रक्रिया में है।
- (d) बच्चे की ओर से बाह्य जगत का मानसिक निरूपण

PRT-KVS 07-01-2017

Ans : (c) निकटस्थ विकास का क्षेत्र ऐसे कार्यों की श्रेणी है, जिन्हें पूर्ण करने के लिए बच्चा सीखने की प्रक्रिया में है। दूसरे शब्दों में बच्चा जो कर रहा है तथा जो करने की क्षमता रखता है, के बीच के क्षेत्र को निकटस्थ विकास का क्षेत्र कहा जाता है।

44. सामान्य परिपक्वता से पूर्व दिया गया प्रशिक्षण आमतौर पर-

- (a) सामान्य कौशलों के निष्पादन के संदर्भ में अत्यन्त लाभकारी होता है
- (b) समग्र रूप से हानिकारक होता है
- (c) अन्तिम दृष्टि से लाभकारी होता है
- (d) लाभकारी है या हानिकारक यह इस बात पर निर्भर करता है कि प्रशिक्षण में किस विधि का प्रयोग किया गया है

PRT KVS 2010

Ans : (d) सामान्य परिपक्वता से पूर्व दिया गया प्रशिक्षण आमतौर पर लाभकारी है या हानिकारक यह इस बात पर निर्भर करता है कि प्रशिक्षण में किस विधि का प्रयोग किया गया है। यदि प्रशिक्षण विधियों का प्रयोग विद्यार्थियों की मानसिक व शारीरिक आयु के अनुरूप किया गया है तो प्रशिक्षण प्रभावी होगा अन्यथा प्रशिक्षण का प्रभाव नकारात्मक होने की सम्भावना रहेगी।

45. सामाजिक विकास अनिवार्यतः किसका मामला है?

- (a) सामाजिक व्यवस्था की अपेक्षाओं के अनुरूप
- (b) सामाजिक सुरक्षा तथा स्वीकरण की उपलब्धि
- (c) अपने प्रयोजनों तथा सामाजिक व्यवस्था के उद्देश्यों (प्रयोजनों) के समाकलन (संघटन) का
- (d) सामाजिक कौशलों का विकास

PRT KVS 2010

Ans : (c) सामाजिक विकास अनिवार्यतः अपने प्रयोजनों तथा सामाजिक व्यवस्था के उद्देश्यों (प्रयोजनों) के समाकलन (संघटन) का मामला है। सामाजिक विकास से तात्पर्य उस अन्तःक्रिया से होता है जिसके द्वारा बालक समाज के तौर-तरीके सीखते हैं और उसको अपने व्यक्तित्व का अंग बना लेते हैं, सामाजिक विकास को शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण माना जाता है।

46. बाल्यावस्था में बालक की 'मित्रमण्डली' का प्रभावी लक्षण होता है-

- (a) ऐच्छिक पारस्परिक सम्बन्धों की स्थापना
- (b) समूह सदस्यता ग्रहण करना
- (c) चिन्तन एवं वैचारिक समरूपता
- (d) सभी हम उप्र बालकों में मित्रता का भाव

PRT KVS 15-12-2013

Ans : (d) बाल्यावस्था में बालक की 'मित्रमण्डली' का प्रभावी लक्षण होता है क्योंकि सभी हम उप्र बालकों में मित्रता का भाव होता है। बालक अपना अधिक-से-अधिक समय दूसरे बालकों-बालिकाओं के साथ व्यतीत करना चाहते हैं।

47. निम्न में से कौन-सा घटक प्रधानतः अनुवांशिकता से सम्बन्धित है?

- (a) सामाजिक गतिविधियों में भाग लेना
- (b) अभिजात गुट से रवैया
- (c) सोचने का प्रतिरूप
- (d) आँखों का रंग

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (d) आँखों का रंग मुख्य रूप से अनुवांशिकता से सम्बन्धित है। जबकि अन्य सोचने का प्रतिरूप, अभिजात गुट से रवैया आदि का अनुवांशिकता से कोई सम्बन्ध नहीं है।

48. कोहलबर्ग के अनुसार सही या गलत का निर्णय लेने के प्रश्न पर सोचने की प्रक्रिया को कहते हैं-

- | | |
|------------------|---------------------|
| (a) नैतिक विवेचन | (b) नैतिक यथार्थवाद |
| (c) नैतिक दुविधा | (d) नैतिक सहकारिता |

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (a) कोहलबर्ग के अनुसार सही या गलत का निर्णय लेने के प्रश्न पर सोचने की प्रक्रिया नैतिक विवेचन कहलाता है। नैतिक विवेचन के अंतर्गत व्यक्ति किसी मुद्दे से संबंधित नियमों, अधिकारों, दोषों, पापों व अत्याचारों का मूल्यांकन, समानता तथा पर-निर्भरता के परिणामों के आधार पर निर्णय लेता है।

49. पियाजे के अनुसार संज्ञानात्मक विकास की अवस्था जिसमें बच्चा 'वस्तु स्थायित्व' दर्शाता है वह होता है-

- (a) सुस्पष्ट परिचालन चरण
- (b) संवेदी प्रेरक चरण
- (c) पूर्व-परिचालन चरण
- (d) निश्चित परिचालन चरण

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (b) पियाजे के अनुसार, संज्ञानात्मक विकास की अवस्था जिसमें बच्चा 'वस्तु स्थायित्व' दर्शाता है वह संवेदी प्रेरक चरण के अंतर्गत आता है। इस अवस्था के अंत तक बच्चों में प्रतीकात्मक चिंतन का गुण विकसित हो जाता है। इसमें बच्चे वस्तुओं से सम्बन्धित मानसिक प्रारूपों को बनाने में सक्षम हो जाते हैं। इससे तात्पर्य यह है कि जब वस्तुएँ उनके सामने प्रत्यक्ष रूप में उपस्थित नहीं होती हैं तब भी वह उनके संबंध में मानसिक चित्रण कर लेते हैं अर्थात् उनमें वस्तु स्थायित्व का गुण विकसित हो जाता है। अब बच्चों का चिंतन अधिक वास्तविक हो जाता है।

50. पियाजे के ज्ञान के संज्ञानात्मक सिद्धांत के अनुसार, संज्ञानात्मक ढाँचे के रूपान्तरित होने की प्रक्रिया को कहते हैं-

- | | |
|-------------|-----------------|
| (a) समायोजन | (b) आत्मसाक्तरण |
| (c) रूपरेखा | (d) बोध |

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (a) पियाजे के ज्ञान के संज्ञानात्मक सिद्धांत के अनुसार, संज्ञानात्मक ढाँचे के रूपांतरित होने की प्रक्रिया समायोजन कहलाती है। समायोजन से तात्पर्य नवीन अनुभवों की दृष्टि से पूर्ववर्ती बौद्धिक संरचनाओं में सुधार करने, विस्तार करने या परिवर्तन करने से है। यह विद्यमान बौद्धिक संरचनाओं को परिवर्तित करने की प्रक्रिया है जिससे नवीन अनुभवों अथवा ज्ञान को उचित ढंग से व्यवस्थित किया जा सके।

51. पियाजे के अधिगम के संज्ञानात्मक सिद्धांत के अनुसार, वह प्रक्रिया जिसके द्वारा संज्ञानात्मक संरचना को संशोधित किया जाता है, कहलाती है-

- (a) समायोजन
- (b) समावेशन
- (c) स्कीम
- (d) प्रत्यक्षण

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (a) पियाजे के अधिगम के संज्ञानात्मक सिद्धांत के अनुसार, वह प्रक्रिया जिसके द्वारा संज्ञानात्मक संरचना को संशोधित किया जाता है, समायोजन कहलाती है। समायोजन में नवीन ज्ञान व अनुभवों की दृष्टि से पूर्ववर्ती स्कीम में सुधार करने, विस्तार करने या परिवर्तन करने की प्रक्रिया निहित होती है। यह अनुकूलन की एक प्रक्रिया है जिसमें बच्चा विद्यमान स्कीमा को नवीन जानकारी एवं अनुभव के आधार पर फेरबदल करता है या नया स्कीमा बनाता है।

52. बाल विकास की किस अवस्था में बालक का आकर्षण विषमलिंगी (Opposite sex) के प्रति अधिक हो जाता है?

- (a) शैशवावस्था
- (b) बाल्यावस्था
- (c) किशोरावस्था
- (d) प्रौढ़ावस्था

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) बाल विकास की किशोरावस्था में बालक का आकर्षण विषमलिंगी के प्रति अधिक हो जाता है। किशोरावस्था की सम्भातः सर्वाधिक महत्वपूर्ण विशेषता काम इन्द्रियों की परिपक्वता तथा काम प्रवृत्त का क्रियाशील होना है। शारीरिक दृष्टि से किशोर तथा किशोरियाँ काम सम्बन्ध स्थापित करने में सक्षम हो जाते हैं।

53. निम्न में से कौन-सा विकास का सिद्धांत नहीं है?

- (a) विशिष्ट से सामान्य क्रियाओं का सिद्धांत
- (b) निरन्तरता का सिद्धांत
- (c) विभिन्नता का सिद्धांत
- (d) एकीकरण का सिद्धांत

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (a) विकास के कुछ प्रमुख सामान्य सिद्धांत अधोलिखित हैं-

- निरन्तरता का सिद्धांत
- व्यक्तिगत भिन्नता का सिद्धांत
- परमार्जिता का सिद्धांत
- निश्चित तथा पूर्व कथनीय प्रतिक्रम का सिद्धांत
- मस्तकाधोमुखी क्रम का सिद्धांत
- सामान्य से विशिष्ट क्रियाओं का सिद्धांत
- एकीकरण का सिद्धांत
- चक्राकार प्रगति का सिद्धांत
- समान प्रतिमान का सिद्धांत

अतः विशिष्ट से सामान्य क्रियाओं का सिद्धांत, विकास का सिद्धांत नहीं है।

54. पियाजे के अनुसार, संज्ञानात्मक विकास के किस चरण पर बालक 'वस्तु निष्पादन' (Object Performance) को प्रदर्शित करता है?

- (a) औपचारिक संक्रियात्मक चरण
- (b) संवेदीप्रक चरण
- (c) पूर्व-संक्रियात्मक चरण
- (d) मूर्त संक्रियात्मक चरण

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (b) पियाजे के अनुसार संज्ञानात्मक विकास के संवेदी परक चरण पर बालक 'वस्तु निष्पादन' को प्रदर्शित करता है। वस्तु निष्पादन का अर्थ है जब वस्तुएँ उनके सामने प्रत्यक्ष रूप में उपस्थित नहीं होती हैं तब भी वह उसके संबंध में मानसिक चित्रण कर लेते हैं अर्थात् उनमें वस्तु स्थायित्व का गुण विकसित हो जाता है। यह अवस्था अठारह माह की आयु से चौबीस माह की आयु तक मानी जाती है।

55. निम्न में से कौन-सा अधिगम का साहचर्यवाद का सिद्धांत (Associative theory) नहीं है?

- (a) अनुकूलित अनुबद्धता का सिद्धांत
- (b) गेस्टाल्ट का सिद्धांत
- (c) उद्दीपन-अनुक्रिया का सिद्धांत
- (d) क्रियाप्रसूत अनुबन्धन का सिद्धांत

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (b) अधिगम के साहचर्यवादी सिद्धांत वस्तुतः सीखने की प्रक्रिया को उद्दीपन व अनुक्रिया के बीच के सम्बन्ध या बन्धन बनाने के रूप में स्पष्ट करता है। साहचर्यवादी सिद्धांत के अंतर्गत निम्न सिद्धांत आते हैं-

- थर्नडाइक का उद्दीपन अनुक्रिया सिद्धांत
- पावलव का अनुकूलित अनुक्रिया सिद्धांत
- स्किनर का क्रियाप्रसूत अनुबंध सिद्धांत
- हल का प्रबलन सिद्धांत
- गुथरी का समीपता अनुबंधन सिद्धांत

गेस्टाल्ट का सिद्धांत अधिगम के संज्ञानात्मक सिद्धांत के अंतर्गत आता है।

56. बालक के विकास की किस अवस्था में इलेक्ट्रा एवं ओडिपस ग्रन्थियों का विकास प्रारम्भ होता है?

- (a) शैशवावस्था
- (b) बाल्यावस्था
- (c) किशोरावस्था
- (d) प्रौढ़ावस्था

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (a) बालक के विकास की शैशवावस्था में इलेक्ट्रा एवं ओडिपस ग्रन्थियों का विकास प्रारम्भ होता है। फ्रायड ने इस अवस्था को शिशनावस्था कहा है। यह अवस्था 3 वर्ष से प्रारम्भ होकर 4 से 6 वर्ष की आयु तक चलती है। इस अवस्था में लड़का अपनी माँ से लगाव रखता है जिसे फ्रायड ने मातृ मनोग्रन्थि (Oedipus Complex) कहा तथा लड़की अपने पिता से लगाव रखती है जिसे फ्रायड ने पितृ मनोग्रन्थि (Electra Complex) के नाम से संबोधित किया।

57. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन अभिवृद्धि (Growth) की विशेषता को नहीं दर्शाता है?
- यह मात्रात्मक पक्ष है
 - यह मापनीय नहीं है
 - यह जीवन पर्यन्त चलने वाली प्रक्रिया नहीं है
 - यह केवल शारीरिक विकास दर्शाता है।

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (b) अभिवृद्धि की निम्नलिखित विशेषताएँ होती हैं-

- शरीर के विभिन्न अंगों के आकार, लम्बाई तथा भार आदि में आने वाले परिवर्तनों को वृद्धि कहा जाता है।
- अभिवृद्धि को सीधे-सीधे मापा, तौला या देखा जा सकता है।
- अभिवृद्धि मात्रात्मक होती है।
- अभिवृद्धि कुछ समय बाद रुक जाती है अर्थात् यह जीवन पर्यन्त चलने वाली प्रक्रिया नहीं है।

58. निम्नलिखित में से कौन-सा जोड़ा सुमेलित नहीं है?

- समतात्विक सिद्धांत- थार्नडाइक
- सामान्यीकरण का सिद्धांत- सी.एच. जुड
- औपचारिक अनुशासन का सिद्धांत- कौहलर
- विशिष्ट एवं सामान्य तत्वों का सिद्धांत- स्पीयरमैन

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) औपचारिक अनुशासन सिद्धांत कौहलर द्वारा प्रतिपादित नहीं किया गया है।

- **समतात्विक सिद्धांत-** इसके प्रतिपादक थार्नडाइक हैं। इस सिद्धांत के अनुसार सीखने का अंतरण उस सीमा तक ही हो सकता है जिस सीमा तक सीखने की दोनों क्रियाओं में समानता होती है।
- **सामान्यीकरण का सिद्धांत-** इसके प्रतिपादक सी.एच. जुड हैं। जुड के अनुसार सीखने का अंतरण वास्तव में छात्रों के द्वारा कुछ सामान्यीकृत सिद्धांतों के निर्माण के फलस्वरूप होता है।
- **औपचारिक अनुशासन का सिद्धांत प्राचीन सिद्धांत है।** इस सिद्धांत के अनुसार अंतरण बिना किसी प्रयास के स्वतः होता है।
- **विशिष्ट एवं सामान्य तत्वों के सिद्धांत का प्रतिपादन स्पीयरमैन द्वारा किया गया।** स्पीयरमैन के अनुसार बुद्धि दो प्रकार की होती है— सामान्य बुद्धि तथा विशिष्ट बुद्धि। सामान्य बुद्धि ही अंतरण का आधार होती है।

59. छात्रों के शिक्षण में नैतिक शिक्षण का क्या महत्व है?

- इस माहौल के लिए नैतिक शिक्षण अनिवार्य है
- नैतिक शिक्षण छात्रों को प्रोत्साहित करते हैं
- चरित्र के विकास के लिए नैतिक शिक्षण जरूरी है
- नैतिक शिक्षण एक आदमी को महान आदमी बना सकता है

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (c) छात्रों के शिक्षण में नैतिक शिक्षण इसलिए महत्व रखता है क्योंकि यह चारित्रिक विकास के लिए जरूरी है। समाज में सम्प्रदायिकता, जातीयता, भाषावाद, क्षेत्रीयतावाद, हिंसा जैसे संकीर्ण कुत्सित भावनाएँ व समस्याएँ, विद्यमान हैं। चूंकि बालक समाज का अभिन्न अंग है इसलिए उनमें भी ऐसी भावनाएँ उत्पन्न होने की संभावना रहती है, जिससे उनमें चारित्रिक दुर्बलता उत्पन्न हो सकती है। ऐसी स्थिति से निपटने के लिए नैतिक मूल्यों, अभिवृत्तियों, मापदण्डों आदि का बालकों को शिक्षा देना अनिवार्य हो जाता है।

60. नैतिक विकास का एक महत्वपूर्ण सिद्धांत किसने दिया?

- लॉरेन्स कोहलबर्ग
- इरिक फ्रोम
- डेनियल कोलमेन
- बेन्जामिन ब्लूम

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (a) नैतिक विकास का एक महत्वपूर्ण सिद्धांत लॉरेन्स कोहलबर्ग ने दिया। कोहलबर्ग ने दस से सोलह वर्ष की आयु के बच्चों को नैतिक दुविधाओं से युक्त कहानियों को देकर एवं इस पर आधारित साक्षात्कार के द्वारा प्राप्त प्रदर्शों का विश्लेषण करके नैतिक विकास के सिद्धांत का प्रतिपादन किया। नैतिक विकास को इन्होंने तीन स्तर तथा सात सोपानों के आधार पर विकासमान प्रक्रिया के रूप में व्याख्यायित किया।

61. चरित्र का विकास होता है—

- इच्छाशक्ति से
- शिस्त और वर्तन से (Discipline and behaviour)
- नैतिकता से
- उपरोक्त सभी

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (d) मूल प्रवृत्तियों, संवेग, आदतें, स्वभाव, संकल्प शक्ति और स्थायी भाव यह सभी चरित्र के ही तत्व हैं। जब यह सब तत्व संगठित होकर एक ऐसी स्थायी मानसिक संरचना का रूप ले लेते हैं जो व्यक्ति विशेष के सामाजिक व्यवहार को निर्धारित करने में अपनी समर्थ भूमिका निभाने लग जाये तब उस व्यक्ति के चरित्र की संज्ञा दे दी जाती है। चारित्रिक विकास निम्न तरीके से होता है—

- इच्छाशक्ति से।
- शिस्त और वर्तन से।
- नैतिकता से।
- मूल प्रवृत्ति और संवेगों के प्रशिक्षण से।
- पुरस्कार और दण्ड से।
- अच्छी आदतों के विकास से।

62. भाषा के विकास के एक वर्ण संकर मॉडल को कहा जाता है—

- ईसीएम
- ईसीटी
- एसपीपी
- एआरटी

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (a) भाषा के विकास के एक वर्ण संकर मॉडल को ईसीएम कहा जाता है। ईसीएम भाषा अधिग्रहण के विकासात्मक सिद्धांत में दोनों व्यावहारिक और संज्ञानात्मक दृष्टिकोण को स्थापित करता है।

63. अनुकरण और सुधार के प्रारूप में सामाजिक संवादमूलकों द्वारा पेश की गई दो संभावनाओं को कहा जाता है।

- नकारात्मक साक्ष्य
- सकारात्मक साक्ष्य
- स्थिर साक्ष्य
- इनमें से कोई नहीं

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (a) अनुकरण और सुधार के प्रारूप में सामाजिक संवादमूलकों द्वारा पेश की गई दो संभावनाओं को नकारात्मक साक्ष्य कहा जाता है।

64. ईसीएम के विकासात्मक सिद्धांत में दोनों व्यवहारिक और संज्ञानात्मक दृष्टिकोण को स्थापित करता है।

- (a) सामाजिक अधिग्रहण
- (b) भाषा अधिग्रहण
- (c) विविधता
- (d) आचार संहिता

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (b) ईसीएम भाषा अधिग्रहण के विकासात्मक सिद्धांत में दोनों व्यवहारिक और संज्ञानात्मक दृष्टिकोण को स्थापित करता है। इसलिए इसे भाषा विकास का वर्णसंकर मॉडल भी कहा जाता है।

65. किस भाषा को सभी मानव समूहों यहाँ तक कि साधारण संस्कृति प्रकरण में भी पाया जाता है?

- (a) भाषा का विकास
- (b) आदिम लोगों की भाषा
- (c) मानव संचार में गैर मौखिक संकेत
- (d) इनमें से कोई नहीं

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (b) आदिम लोगों की भाषा सभी मानव समूहों यहाँ तक कि साधारण संस्कृति प्रकरण में भी पाया जाता है। किसी भी विकसित या विकासशील संस्कृति की प्रारम्भिक भाषा आदिम ही होती है। वे अपने अपने भावों, विचारों आदि को किसी खास संकेत के रूप में अभिव्यक्त करते हैं जिसको उसी संस्कृति के लोग समझते हैं। धीरे-धीरे यहीं संकेत, प्रतीक आदि संगठित होकर एक निश्चित भाषा का स्वरूप ग्रहण कर लेते हैं और सर्वमान्य भाषा बन जाती है।

66. मानव भाषण का विकास शारीरिक परिपक्वता और व्यक्तिगत-सामाजिक उत्तेजना पर निर्भर विभिन्न प्राकृतिक चरण/चरणों के अंतर्गत आता है। ये चरण हैं—

- (a) चित्कार या पूर्व भाषाई मंच
- (b) प्रलाप चरण और भाषण का अनुकरण
- (c) ध्वनि और स्थिति की समिति द्वारा सत्य भाषण की प्राप्ति
- (d) उपरोक्त सभी

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (d) मानव भाषण का विकास शारीरिक परिपक्वता और व्यक्तिगत-सामाजिक उत्तेजना पर निर्भर विभिन्न प्राकृतिक चरणों के अंतर्गत आता है। ये चरण हैं—

- (i) चित्कार या पूर्व भाषाई मंच— यह जन्म के पश्चात् से लगभग 15 माह तक चलता है।
- (ii) प्रलाप चरण और भाषण का अनुकरण— इस स्तर पर बालक रूदन, बड़बड़ाना हाव-भाव प्रदर्शन, सांवेगिक अभिव्यक्ति जैसी क्रियाएँ करता है।
- (iii) ध्वनि और स्थिति की समिति द्वारा सत्य भाषण की प्राप्ति— इस स्तर तक बालक में भाषा अवबोधन, शब्दावली निर्माण वाक्य संगठन, सही उच्चारण और अंत में भाषा स्वामित्व जैसे भाषात्मक कौशल का विकास हो जाता है।

67. अभिशासन और महामहिम का एकल बल और दर्द की पुकार, भूख, दर्द, ठंड, अंधेरा— माँ, माँ, माँ, माँ का उदाहरण है।

- (a) चित्कार या पूर्व भाषाई मंच
- (b) प्रलाप चरण
- (c) ध्वनि और स्थिति की समिति द्वारा सत्य भाषण की प्राप्ति
- (d) भाषण का अनुकरण

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (c) अभिशासन और महामहिम का एकल बल और दर्द की पुकार, भूख, दर्द, ठंड, अंधेरा— माँ, माँ, माँ जैसी ध्वनियाँ ध्वनि और समिति की समिति द्वारा सत्य भाषण की प्राप्ति का उदाहरण है।

68. कुछ नौ महीनों के बाद तुतलाहट के चरित्र में बदलाव आ गया है। यह नरम, स्पष्ट और अधिक भाषा जैसी है। उसके नकल का प्रारूप विकसित किया गया है जो प्रायः वाक् उन्मूलक होता है, उसे कहा जाता है—

- (a) शब्दानुसार
- (b) सशर्त प्रतिक्रिया
- (c) भाषण का अनुकरण
- (d) पैरेट चरण

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (a) कुछ नौ महीनों के बाद तुतलाहट के चरित्र में बदलाव आ गया है। यह नरम, स्पष्ट और अधिक भाषा जैसी है। उसने नकल का प्रारूप विकसित किया है जो प्रायः वाक् उन्मूलक होता है, उसे शब्दानुकरण कहा जाता है। प्रायः आठ नौ माह की आयु में बालक परिजनों के द्वारा उत्पन्न की जा रही ध्वनियों का अनुकरण करने लगता है। जैसे बालक के सामने कुछ बोलने पर वह भी उस ध्वनि को उत्पन्न करने का प्रयास करने लगता है।

69. परोपकारिता—

- (a) किसी को माफ करना
- (b) स्वहित के बिना किसी की मद करना
- (c) व्यवहार प्रतिशोध से व्यक्ति की विज्ञप्ति
- (d) इनमें से कोई नहीं

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (b) परोपकारिता, स्वहित के बिना किसी की मदद करना कहलाती है। परोपकारिता एक प्रकार का मानवीय मूल्य है। जब कोई व्यक्ति जीविकोपार्जन के लिए विभिन्न उद्यम करते हुए दूसरे व्यक्तियों और जीवधारियों की भलाई के लिए कुछ प्रयत्न करता है तो ऐसे प्रयत्न परोपकार की श्रेणी में आते हैं।

70. पूर्व हथियारबंदी/प्री आर्मिंग—

- (a) इस रणनीति का उपयोग माता-पिता अपने किशोरों को अभिभावकों के मूल्यों के विपरीत बाहरी मूल्यों से निपटने के लिए मदद करने के लिए देते हैं। इस रणनीति में परस्पर विरोधी मूल्य और उनके साथ निपटने के लिए किशोर की तैयारी शामिल है।
- (b) इस रणनीति का प्रयोग माता-पिता किशोर की कारवाई पर आधारित परिणामों के कारणों और उनकी व्याख्या के माध्यम से अपने किशोरों में नैतिक विकास को बढ़ावा देने के लिए करते हैं।

- (c) इस रणनीति में अनैतिक आचरण में संलग्न होने और खुद को नुकसान पहुँचाने से उन्हें रोकने के लिए छात्रों को बुनियादी नैतिक साक्षरता अध्यापन शामिल है।
- (d) इनमें से कोई नहीं।

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (a) पूर्व हथियारबंदी/प्री आर्मिंग रणनीति का उपयोग माता-पिता अपने किशोरों को अभिभावकों के मूल्यों के विपरीत बाहरी मूल्यों से निपटने के लिए मदद करने के लिए देते हैं। इस रणनीति में परस्पर विरोधी मूल्य और उनके साथ निपटने के लिए किशोर की तैयारी शामिल है।

71. गिलिगिन ने कोहलबर्ग के नैतिक विकास के सिद्धांत की आलोचना क्यों की है?

- (a) क्योंकि यह रिश्तों के विषय में तर्क की भूमिका और दूसरों की चिंता को शामिल नहीं करता है।
- (b) क्योंकि यह निश्चित संस्कृतिक समूहों में उच्च स्तरीय नैतिक तर्क को नहीं पहचानता है।
- (c) क्योंकि यह नैतिक सोच पर अत्यधिक जोर देता है और नैतिक व्यवहार पर पर्याप्त जोर नहीं देता है।
- (d) उपरोक्त सभी।

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (a) गिलिगिन ने कोहलबर्ग के नैतिक विकास के सिद्धांत की आलोचना इस आधार पर की है क्योंकि यह रिश्तों के विषय में तर्क की भूमिका और दूसरों की चिंता को शामिल नहीं करता है। कैरोल गिलिगिन ने कोहलबर्ग के सिद्धांत में लिंग भेद की बात कही कि इस मॉडल में पुरुषों के मूल्यों और गुणों को अधिक महत्व दिया गया है, जबकि महिलाओं से जुड़े गुणों और परम्परागत मूल्यों पर कम ध्यान दिया गया।

72. स्वायत्त नैतिकता और बाह्य विधान के अधीन नैतिकता के बीच अंतर-

- (a) स्वायत्त नैतिक विचारक नैतिक व्यवहार द्वारा लाए गए प्रतिफल पर ध्यान केन्द्रित करते हैं।
- (b) स्वायत्त नैतिक विचारक एक विशिष्ट नैतिक व्यवहार द्वारा महसूस करने के तरीके पर ध्यान केन्द्रित करते हैं।
- (c) स्वायत्त नैतिक विचारक नियम तोड़ने वाले के इरादों पर ध्यान केन्द्रित करते हैं।
- (d) स्वायत्त नैतिक विचारक व्यवहार के परिणामों पर ध्यान केन्द्रित करते हैं।

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (c) स्वायत्त नैतिकता और बाह्य विधान के अधीन नैतिकता के बीच अंतर स्वायत्त नैतिक विचारक नियम तोड़ने वाले के इरादों पर ध्यान केन्द्रित करते हैं। स्वायत्त नैतिकता उत्तर परम्परागत स्तर की विशेषता है इस स्तर पर बालक विधि सम्मत नियमों के अतिरिक्त स्वतंत्र स्वीकारोक्ति या समर्पण भाव व्यक्ति को अपने दायित्वों का पालन करने के लिए प्रेरित होता है। अर्थात् वह नियमों की परवाह किये बगैर नियम तोड़ने वाले के इरादों पर ध्यान केन्द्रित करता है। दूसरी ओर बाध्य विधान के अधीन नैतिकता, परम्परागत स्तर की विशेषता है। इस स्तर पर बालकों में परम्परागत नियमों तथा दायित्वों के प्रति समर्थन तथा औचित्य का भाव रहता है। अर्थात् इस स्तर पर नैतिक विचारक नियम तोड़ने वाले के इरादों पर ध्यान न केन्द्रित करके कार्यों पर ध्यान केन्द्रित करते हैं।

73. पायगेट-

- (a) स्वायत्त बच्चों की सामाजिक समझ लगभग जैविक परिपक्वता के माध्यम से आती है।
- (b) स्वायत्त बच्चों की सामाजिक समझ, साथियों के साथ संबंधों की आपसी लेन देन के माध्यम से आती है।
- (c) स्वायत्त बच्चों की सामाजिक समझ अभिभावकों की मॉडलिंग के माध्यम से आती है।
- (d) स्वायत्त बच्चों की सामाजिक समझ उनकी शैक्षिक व्यवस्था में उनके माध्यम से आती है।

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (b) पियाजे के अनुसार बालकों में वास्तविकता के स्वरूप में चिंतन करने, उसकी खोज करने, उसके बारे में समझ बनाने तथा उनके बारे में सूचनाएँ एकत्रित करने की क्षमता, बालक के परिपक्वता स्तर तथा बालक के अनुभवों की पारम्परिक अंतःक्रिया द्वारा निर्धारित होती है। इसी प्रकार सामाजिक समझ साथियों के साथ संबंधों की आपसकी लेन-देन के माध्यम से आती है। अर्थात् वह अपने अनुभवों के आधार पर सामाजिक समझ विकसित करता है।

74. सार्वभौमिक नैतिक सिद्धांतों का मतलब है-

- (a) नैतिक मानकों के समावेशन के उच्च स्तर को नैतिक विकास की एक अवस्था में पाया जा सकता है।
- (b) परंपरागत मानकों के समावेशन के उच्च स्तर को नैतिक विकास की एक अवस्था में पाया जा सकता है।
- (c) उत्तर परंपरागत मानकों के समावेशन के उच्च स्तर को नैतिक विकास की एक अवस्था में पाया जा सकता है।
- (d) तर्क मानकों के समावेशन के उच्च स्तर को नैतिक विकास की एक अवस्था में पाया जा सकता है।

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (a) सार्वभौमिक नैतिक सिद्धांतों का मतलब है, नैतिक मानकों के समावेशन के उच्च स्तर को नैतिक विकास की एक अवस्था में पाया जा सकता है। जैसे- उत्तर परम्परागत स्तर पर बालक सार्वभौमिक नैतिक सिद्धांत बनाने लगता है। इस सोपान में बालक उचित-अनुचित का निर्णय ऐसे स्वनिर्धारित नैतिक विकास का उच्च स्तर है जो किसी एक ही अवस्था में पाया जा सकता है।

75. दुनिया में विविध संस्कृतियों में नैतिक विकास

- (कोहलबर्ग का सिद्धांत) से पता चला है-
- (a) इस सिद्धांत के लिए कोई सार्वभौमिक समर्थन नहीं है।
- (b) सिद्धांत की सार्वभौमिकता के मामले में परस्पर विरोधी परिणाम है।
- (c) पहले चार चरणों की सार्वभौमिकता के लिए समर्थन मिलता है।
- (d) इनमें से कोई नहीं।

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (c) दुनिया में विविध संस्कृतियों में नैतिक विकास (कोहलबर्ग का सिद्धांत) से पता चला है कि पहले चार चरणों की सार्वभौमिकता के लिए समर्थन मिलता है। नैतिक विकास के पहले चार चरणों में बालक का नैतिक विकास या तो स्वयं के हित से संबंधित होता है या सामाजिक न्याय, कानून या विधि से। ऐसे बच्चों का नैतिक विकास सभी संस्कृतियों में लगभग समान होता है। वहीं दूसरी ओर अंतिम दो चरण में बालक का नैतिक विकास तक पूर्ण और सार्वभौमिक मानवता के सिद्धांतों पर आधारित होता है। ऐसे में सभी बच्चों के नैतिक विकास में भिन्नता आने लगती है जो दुनिया की विविध संस्कृति के सापेक्ष भिन्न-भिन्न हो सकती है।

76. नैतिक विकास को समझने में एक महत्वपूर्ण समावेशन है—

(a) कोहलबर्ग (b) सिगमंड फ्रॉयड
(c) मार्टिन हॉफमैन (d) इनमें से कोई नहीं

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (a) नैतिक विकास को समझने में एक महत्वपूर्ण अवधारणा का समावेशन कोहलबर्ग ने किया है। लारेंस कोहलबर्ग ने पियाजे के द्वारा प्रस्तुत नैतिक विकास से संबंधित विचारों को विस्तृत करके तार्किक चित्तन के तीन स्तरों, जिनमें से प्रत्येक के कुछ सोपान हैं, के रूप में नैतिक विकास के सिद्धांत को प्रस्तुत किया है।

77. द्वारा माता-पिता अपने बच्चों में नैतिक तर्क के उच्च स्तर को बढ़ावा देते हैं।

 - (a) बच्चों को बताकर कि कैसे कार्य करना है
 - (b) मूल्य वर्धक मुद्दों के बारे में उत्साहजनक बातचीत करके
 - (c) सबसे अच्छी चीजों के बारे में बात करके
 - (d) उपरोक्त सभी

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (b) मूल्यवर्धक मुद्दों के बारे में उत्साहजनक बातचीत के द्वारा माता-पिता अपने बच्चों में नैतिक तर्क के उच्च स्तर को बढ़ावा देते हैं। साथ ही बच्चों में नैतिक विकास को बढ़ावा देने के लिए उन्हें विभिन्न नैतिक कार्यों में सहभागिता के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

78. कोहलबर्ग के सिद्धांत की आलोचना

 - (a) यह नैतिक विचारों पर अत्यधिक जोर देता है और नैतिक व्यवहार पर बहुत कम जोर देता है
 - (b) कोहलबर्ग की कहानियों की शुद्धता को अंकित करना बहुत मुश्किल है
 - (c) इसने पूरी तरह से संस्कृति या लिंग चर पर विचार नहीं किया था
 - (d) उपरोक्त सभी

PBT Post Code 70/09 02 02 2014

Ans : (d) कोहलबर्ग के सिद्धांत की आलोचना निम्न बिन्दुओं को लेकर की जाती है-

- यह नैतिक विचारों पर अध्यधिक जोर देता है और नैतिक व्यवहार पर बहुत कम जोर देता है।
 - कोहलबर्ग की कहानियों की शुद्धता को अंकित करना बहुत मुश्किल है।
 - इसने पूरी तरह से संस्कृति या लिंग चर पर विचार नहीं किया था।
 - नैतिक निर्णय बहुत कुछ परिस्थितियों, समय आदि के कारण होते हैं, व्यक्ति जानता है कि कोई कार्य गलत है, फिर भी करता है।

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (d) 1970 के दशक के अंतिम वर्षों में कौशल गिलीगन ने कोहलबर्ग के सिद्धांत में लिंग भेद की बात कही कि इस मॉडल में पुरुषों के मूल्यों और गुणों को अधिक महत्व दिया गया है, जबकि महिलाओं से जुड़े गुणों और पम्परागत मूल्यों पर कम ध्यान दिया गया। कैरोल के अनुसार पुरुष न्याय को अधिक ध्यान में रखते हैं और महिलाएँ दूसरों के देखभाल पर अधिक ध्यान देती हैं।

80. सामाजिक तर्क सामाजिक आम सहमति के विचारों पर केन्द्रित है, नैतिक तर्क पर जोर देता है।

 - (a) समाज
 - (b) नैतिक मुद्दों
 - (c) नैतिकता
 - (d) सामाजिक संज्ञानात्मकता

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (c) सामाजिक तर्क सामाजिक आम सहमति के विचारों पर केन्द्रित है, नैतिक तर्क नैतिकता पर जोर देता है। नैतिकता से आशय है सामाजिक नियमों, मान्यताओं, सिद्धांतों तथा अपेक्षाओं के अनुरूप व्यवहार करना। नैतिक व्यवहार एक तरह से समाज द्वारा स्वीकृत व्यवहार प्रतिमानों का अनुसरण करना है। क्योंकि नैतिक व्यवहार जन्मजात न होकर अर्जित होता है इसलिए बालक अपने परिवार, पड़ोस तथा विद्यालय के सामाजिक परिवेश में नैतिकता की शिक्षा प्राप्त करता है।

81. निम्नलिखित में से कौन-सा सिद्धांत नैतिक क्षमता और नैतिक प्रदर्शन के बीच के अंतर को स्पष्ट करता है?

 - (a) सामाजिक संज्ञानात्मकता
 - (b) नैतिकता
 - (c) मनोसामाजिक
 - (d) इनमें से कोई नहीं

PBT Post Code 70/09 02 02 2014

Ans : (a) सामाजिक संज्ञानात्मकता नैतिक क्षमता और नैतिक प्रदर्शन के बीच के अंतर को स्पष्ट करता है। सामाजिक संज्ञानात्मकता से आशय है— सामाजिक नियमों, मूल्यों, मान्यताओं आदि की समझ। सामाजिक संज्ञानात्मकता नैतिक प्रदर्शन को सकारात्मक और नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है।

82. मेटा भाषाई जागरूकता

 - (a) सोचने की क्षमता
 - (b) भाषा के बारे में सोचने और बात करने की क्षमता
 - (c) भाषा के बारे में बात करने की क्षमता
 - (d) अन्य दृश्यक चिन्हों से लिखने की योग्यता

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (b) मेटा भाषायी जागरूकता या मेटा लिंग्विस्टिक्स का प्रयोग भाषा-विज्ञान में कई अर्थों में किया गया है। ट्रेगर ने इसका प्रयोग अर्थ विज्ञान के लिए किया है, क्योंकि वे उसक भाषा विज्ञान से बाहर मानते हैं। तो वहीं कुछ लोग इसका प्रयोग भाषा के अध्ययन की तकनीक या शिल्प विधि के अध्ययन के लिए कर रहे हैं जो भाषा के बारे में सोचते हैं और बात करने की क्षमता से संबंधित है।

83. बच्चे भाषा अधिग्रहण डिवाइस के साथ पैदा होते हैं, यह किसने कहा था?

- (a) स्किनर (b) पायगेट
(c) वाइगोत्सकी (d) इनमें से कोई नहीं

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (d) बच्चे भाषा अधिग्रहण डिवाइस के साथ पैदा होते हैं यह कथन नोआम चॉम्स्की ने कहा। इनके अनुसार बालक में LAD (Language Acquisition & Device) बालक के अंदर भाषा अर्जन यंत्र होता है जो नये वाक्यों का निर्माण करने लगता है। चॉम्स्की ने सार्वभौमिक भाषा का सिद्धांत दिया इनके अनुसार बालक व्याकरण के नियमों व तथ्यों को अपने वातावरण से सीख लेता है।

84. बच्चे का पहला शब्द सबसे अधिक निम्न में से किससे संबंधित होता है?

- (a) अमूर्त विचारों से (b) ठोस वस्तुओं से
(c) समय से (d) उपरोक्त सभी

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (b) बच्चों का पहला शब्द ठोस या मूर्त वस्तुओं से संबंधित होता है। प्रारम्भ में बच्चे मूर्त या प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देने वाली वस्तुओं का प्रत्यय निर्माण करते हैं तथा उससे संबंधित विचारों को व्यक्त करते हैं। जैसे— माँ-माँ, पा-पा आदि का रट लगाना। फिर धीरे-धीरे वे मूर्त वस्तुओं से संबंधित असंगठित शब्दों का प्रयोग करने लगते हैं और बाद में अमूर्त वस्तुओं या प्रत्यक्षतः दिखाई न देने वाली वस्तुओं से संबंधित विचार को अभिव्यक्त करते हैं।

85. एक पाँच वर्षीय बच्चा रयान, "r" अक्षर को पहचानने में सक्षम है। वह "y", "a" और "n" से भी बहुत परिचित है। इस पद्धति को किस रूप में जाना जाता है?

- (a) वर्णमाला ज्ञान प्रक्रिया
(b) स्वयं के नाम का लाभ
(c) ध्वनि जागरूकता सूचक
(d) आकस्मिक साक्षरता परिकल्पना

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (b) यदि एक पाँच वर्षीय बच्चा रयान "r" अक्षर को पहचानने में सक्षम है। वह "y", "a" और "n" से भी बहुत परिचित है। तो इससे यह पता चलता है कि उसे उपर्युक्त अक्षर ज्ञान में स्वयं के नाम का लाभ हुआ है। पाँच वर्षीय बच्चा भाषा सीखने के प्रारम्भिक अवस्था में होता है। वह सबसे पहले अक्षरों को सीखता है। किन्तु वह उन्हीं अक्षरों पर ज्यादा ध्यान है जिन अक्षरों के लिए उसे बार-बार अभ्यास करना पड़ता है। इसलिए रयान के अपने नाम में प्रयुक्त अक्षरों को पहचानने में सक्षमता प्राप्त हुई है।

86. किस अवधि के दौरान विशिष्ट दोस्ती की उत्पत्ति को देखना शूरू किया जाता है?

- (a) 16-28 महीने (b) 18-36 महीने
(c) 14-25 महीने (d) 9-15 महीने

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (b) 18-36 महीने के दौरान विशिष्ट दोस्ती की उत्पत्ति को देखना शूरू किया जाता है। दूसरे वर्ष तक शिशु परिवार का सक्रिय सदस्य बनने का प्रयास करता है इस हेतु परिवार के सदस्यों की कार्य में सहायता करने का प्रयास करता है। तीसरे वर्ष शिशु आस-पास के बच्चों के साथ खेलने लगता है तथा खेल की व अन्य वस्तुओं का आदान-प्रदान करता है एवं परस्पर सहयोग करता है।

87. निम्नलिखित में से कौन-से मुख्य तत्व समाजीकरण के लिए रूपरेखा प्रदान करते हैं?

- (a) मानव जैविक क्षमता, संस्कृति और व्यक्तिगत अनुभव
(b) मानव प्रकृति, संस्कृति और व्यवहार
(c) सामाजिक जागरूकता, संस्कृति और व्यवहार
(d) मानव प्रकृति, मानव जैविक क्षमता और संस्कृति

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (a) मानव जैविक क्षमता, संस्कृति और व्यक्तिगत अनुभव समाजीकरण के लिए रूपरेखा प्रदान करते हैं। प्रत्येक मानव के अंदर कुछ विशेष प्रकार की जैविक क्षमताएँ होती हैं जो उसे वंशानुक्रम से प्राप्त होता है। यह जैविक क्षमताएँ सामाजिक वातावरण से अन्योन्य क्रिया करके मानव को एक सामाजिक प्राणी के रूप में विकसित करती हैं। इसी प्रकार व्यक्तिगत अनुभव मनुष्य के व्यवहार को नियंत्रित व निर्देशित करते हैं तथा उसे अपने संस्कृति, सामाजिक मूल्यों, नियमों, नैतिकता आदि के साथ समन्वयन करने में सहायता प्रदान करते हैं।

88. किसका मानना है कि किसी की तरफ मदद का हाथ बढ़ाने और वंचित युवाओं को एक बेहतर बचपन और एक उज्ज्वल भविष्य का मौका देने के लिए कोई भी समय जल्दी या देर नहीं होता?

- (a) जॉन डोनाल्डसन (b) बरनाडो
(c) जेम्स (d) पराउट

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (b) थॉमस जॉन बारनाडो एक ब्रिटिश 'बारनाडोज' चैरिटी के संस्थापक हैं। इनका मानना है कि किसी की तरफ मदद का हाथ बढ़ाने और वंचित युवाओं को ऐ बेहतर बचपन और एक उज्ज्वल भविष्य का मौका देने के लिए कोई भी समय जल्दी या देर नहीं होता है।

89. निम्नलिखित में से किस धारणा के माध्यम से वाइगोत्सकी के (1978) सिद्धांत को मानव मध्यस्थी की भूमिका में परिभाषित किया गया है?

- (a) प्रत्येक मनोवैज्ञानिक कार्य विकास में दो बार दिखाई देता है, एक लोगों के बीच वास्तविक बातचीत के रूप में और दूसरा इस कार्य के आंतरिक समावेशन के प्रारूप में
(b) विचारक विशेषता के अलावा पारस्परिक से आंतर स्वतीय तक कार्यों का अवस्थांतरण
(c) शिक्षकों के बीच प्रभावी स्वतः प्रवर्तित विचार
(d) उपरोक्त सभी

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (a) वाइगोत्सकी के अनुसार, प्रत्येक मनोवैज्ञानिक कार्य विकास में दो बाद दिखाई देता है, एक लोगों के बीच वास्तविक बातचीत के रूप में और दूसरा इस कार्य के आंतरिक समावेशन के प्रारूप में। दूसरे शब्दों में, बालक के विकास में प्रत्येक क्रिया दो तरह से होती है— पहले सामाजिक स्तर पर और बाद में व्यक्तिगत स्तर पर।

90. शिक्षार्थियों के संज्ञानात्मक कौशल को विकसित करने के लिए कोलिन्स द्वारा निम्नलिखित में किन रणनीतियों को प्रस्तावित किया गया है?

- (a) मॉडलिंग, कोचिंग, स्कॉफोल्डिंग
- (b) मॉडलिंग, स्कॉफोल्डिंग, अभिव्यक्ति
- (c) अभिव्यक्ति, प्रतिबिंब, अन्वेषण
- (d) दोनों a और c

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (d) शिक्षार्थियों के संज्ञानात्मक कौशल को विकसित करने के लिए कोलिन्स द्वारा मॉडलिंग, कोचिंग, स्कॉफोल्डिंग अभिव्यक्ति, प्रतिबिंब अन्वेषण जैसी रणनीतियों को प्रस्तावित किया गया है।

91. विकास शुरू होता है—

- | | |
|--------------------------|---------------------------|
| (a) गर्भावस्था से | (b) शैशवावस्था से |
| (c) पूर्व-बाल्यावस्था से | (d) बाल्यावस्था के बाद से |

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (a) विकास गर्भावस्था से शुरू होकर जीवन पर्यन्त चलता रहता है। विकास के अंतर्गत परस्पर दो विरोधी प्रक्रियाएँ समाहित रहती हैं जो निरंतर किसी न किसी रूप में जीवन पर्यन्त चलती रहती हैं। ये प्रक्रियाएँ हैं— ‘वृद्धि’ तथा ‘क्षय’। प्रारम्भिक वर्षों में वृद्धि की प्रक्रिया तीव्र गति से होती है जबकि क्षय प्रक्रिया या तो निष्ठीय रहती है या मंद गति से चलती है। प्रौढ़ावस्था या वृद्धावस्था में क्षय की प्रक्रिया में तीव्रता आने लगती है तथा वृद्धि की प्रक्रिया मंद हो जाती है।

92. सीमा हर पाठ को अति तीव्र गति से सीखती है किंतु लीना को उन्हें सीखने में अधिक समय लगता है। यह विकासात्मक सिद्धांत को दर्शाता है—

- (a) अन्तर-संबंधों को
- (b) निरंतरता को
- (c) सामान्य से विशेष की ओर
- (d) वैयक्तिक अंतरों को

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (d) सीमा दर पाठ को अति तीव्र गति से सीखती है किंतु लीना को उन्हें सीखने में अधिक समय लगता है यह विकासात्मक सिद्धांत वैयक्तिक अंतरों को दर्शाता है। प्रत्येक बच्चे अपनी गति एवं अपने ढंग से विभिन्न क्षेत्रों में अपनी वृद्धि व विकास करता है। एक ही आयु के दो बालकों या दो बालिकाओं में शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, चारित्रिक तथा अधिगम शैली आदि में विभिन्नता का होना वैयक्तिक अंतरों को इंगित करता है।

93. बालक के विकास के सिद्धांत को समझने से शिक्षक को मदद मिलती है—

- (a) शिक्षार्थी की सामाजिक स्थिति की पहचान करने में
- (b) शिक्षार्थी की आर्थिक पृष्ठभूमि की पहचान करने में
- (c) शिक्षार्थी को क्यों पढ़ाया जाना चाहिए, यह युक्तिसंगत सिद्ध करने में
- (d) शिक्षार्थियों की अलग-अलग अधिगम शैली के अनुसार प्रभावपूर्ण ढंग से पढ़ाने के लिए

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (d) बालक के विकास के सिद्धांत को समझने से शिक्षक को शिक्षार्थियों की अलग-अलग अधिगम शैली के अनुसार प्रभावपूर्ण ढंग से पढ़ाने में मदद करती है। प्रत्येक बालक के विकास में भिन्नता होती है और यह भिन्नता उसके व्यवहार व अधिगम को प्रभावित करती है। इसलिए जब शिक्षक विद्यार्थियों के विकास के सिद्धांतों, उनकी वैयक्तिक भिन्नता आदि को समझ जाता है तो वह प्रत्येक विद्यार्थी के वैयक्तिक भिन्नता के अनुसार शिक्षण कार्य करने के लिए प्रेरित होते हैं।

94. छोटी उम्र के शिक्षार्थियों में पठन में कठिनाई निम्नलिखित में से किसका संकेत नहीं है? कठिनाई—

- (a) अक्षर और शब्द पहचानने में
- (b) पठन गति और धाराप्रवाहित (fluency) में
- (c) शब्दों एवं विचारों को समझने में
- (d) वर्तनी निरंतरता

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (b) छोटी उम्र के लगभग सभी विद्यार्थियों में पठन गति और धाराप्रवाहिता की कमी पायी जाती है क्योंकि छोटी उम्र के विद्यार्थी सीखने के प्रारम्भिक स्तर पर होते हैं। दूसरे पठन गति और धाराप्रवाहिता में कमी प्रारम्भिक स्तर की सार्वभौमिक लक्षण है न कि पठन अक्षमता की। पठन अक्षमता के निम्नलिखित विलक्षण हैं—

- अक्षर और शब्द पहचानने में
- शब्दों और विचारों को समझने में
- वर्तनी निरंतरता में

95. पियाजे के अनुसार, विकास के प्रथम चरण में (जन्म से 2 वर्ष तक) बच्चे का अधिगम श्रेष्ठ होता है—

- (a) इन्द्रियों के उपयोग द्वारा
- (b) तटस्थ शब्दों के अवबोध द्वारा
- (c) अमूर्त ढंग से विचार द्वारा
- (d) भाषा के नवग्रहीत ज्ञान के अनुप्रयोग द्वारा

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (a) पियाजे के अनुसार संवेदी गामक/पेशीय अवस्था जन्म से लगभग 2 वर्ष तक चलती है। इस अवस्था में बच्चा अपनी इन्द्रियों के अनुभवों तथा उनपर गामक कार्य करके जानने और समझने का प्रयास करता है। इस अवस्था में बच्चे मुख्यतः निम्न क्रियाएँ करते हैं। जैसे— देखना, छूना और मारना, वस्तुओं का इधर-उधर करना, पकड़ना, चूसना या मुँह में डालना आदि।

96. पियाजे के अनुसार, बालक निम्नलिखित में से किस अवस्था में अमूर्त विवरणों के बारे में तार्किक ढंग से विचार करना शुरू कर देता है?

- (a) मूर्त प्रचालनात्मक अवस्था (07-11 वर्ष) (Concrete operational stage)

- (b) औपचारिक प्रचालनात्मक अवस्था (11 वर्ष और इससे अधिक) (formal operational stage)
- (c) संवेदक- गति अवस्था (जन्म - 02 वर्ष) (sensory motor stage)
- (d) पूर्व- प्रचालनात्मक अवस्था (02-7 वर्ष) (Pre-operational stage)

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (b) पियाजे के अनुसार, बालक औपचारिक प्रचालनात्मक अवस्था (11 वर्ष और इससे अधिक) में अमूर्त विवरणों के बारे में तार्किक ढंग से विचार करना शुरू कर देता है। इस अवस्था में समस्या-समाधान व्यवहार अधिक व्यवस्थित हो जाता है, बालक निष्कर्ष निकालने लगता है, व्याख्या करने लगता है तथा परिकल्पनाएँ बनाने लगता है। इस अवस्था में वे अपने बारे में भी विचार करने लग जाते हैं इसलिए वे प्रायः स्व-आलोचक बन जाते हैं।

97. “विकास अनवरत प्रक्रिया है” यह विचार संबंधित है-

- (a) अन्तर्संबंध का सिद्धांत
- (b) निरंतरता का सिद्धांत
- (c) एकीकरण का सिद्धांत
- (d) अंतःक्रिया का सिद्धांत

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (b) “विकास अनवरत प्रक्रिया है” यह विचार निरंतरता के सिद्धांत से संबंधित है। इस सिद्धांत के अनुसार विकास की प्रक्रिया अविवाम गति से निरंतर चलती रहती है। पर यह गति कभी तीव्र और कभी मंद होती है, उदाहरणार्थ, प्रथम तीन वर्षों में बालक के विकास की प्रक्रिया बहुत तीव्र रहती है और उसके बाद मंद पड़ जाती है।

98. बच्चों के बौद्धिक विकास के चार विशिष्ट चरणों को प्रतिपादित किया गया-

- (a) कोहलबर्ग द्वारा
- (b) एरिक्सन द्वारा
- (c) स्किनर द्वारा
- (d) पियाजे द्वारा

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (d) स्विश मनोवैज्ञानिक जीन पियाजे ने बच्चों के बौद्धिक विकास को चार विशिष्ट चरणों में विभाजित किया। पियाजे के द्वारा बौद्धिक विकास की निम्न चार चरण बताये गये हैं-

- (i) संवेगात्मक गामक अवस्था (0-2 वर्ष)
- (ii) पूर्व संक्रियात्मक अवस्था (2-7 वर्ष)
- (iii) मूर्त संक्रिया अवस्था (7-11 वर्ष)
- (iv) औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था (11-15 वर्ष)

99. निम्नलिखित में से किस चरण में बच्चे अपने समवयस्क समूह के सक्रिय सदस्य बन जाते हैं?

- (a) किशोरावस्था
- (b) वयस्कता
- (c) शैशवावस्था
- (d) बाल्यावस्था

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (a) किशोरावस्था में बच्चे अपने समवयस्क समूह के सक्रिय सदस्य बन जाते हैं। किशोर जिस समूह का सदस्य होता है, उसको वह अपने परिवार और विद्यालय से अधिक महत्वपूर्ण समझता है। यदि उसके माता-पिता और समूह के दृष्टिकोणों में अंतर होता है तो वह समूह के ही दृष्टिकोणों को श्रेष्ठतर समझता है और उन्हीं के अनुसार अपने व्यवहार, रुचियाँ, इच्छाओं आदि में परिवर्तन करता है।

100. वह स्थिति जिनमें एक बच्चा पदार्थ तथा घटना के बारे में तार्किक सोचना शुरू करता है, वह जाना जाता है-
- (a) संवेदना प्रेरक स्थिति (sensory motor)
 - (b) साहजिक क्रियात्मक स्थिति (formal operational)
 - (c) पूर्ण साहजिक स्थिति (pre-operational)
 - (d) दृढ़ क्रियात्मक स्थिति (concrete operational)

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (d) वह स्थिति जिनमें एक बच्चा पदार्थ तथा घटना के बारे में तार्किक रूप से सोचना शुरू करता है, दृढ़ क्रियात्मक स्थिति या मूर्त क्रियात्मक अवस्था के नाम से जानी जाती है। यह अवस्था 7-11 वर्ष की आयु तक मानी जाती है। इस अवस्था में बच्चा समस्या समाधान हेतु मूर्त परिस्थितियों पर ही निर्भर रहता है।

101. कोहलबर्ग के अनुसार, शिक्षक बच्चों में नैतिक मूल्यों का विकास कर सकता है-

- (a) व्यवहार के स्पष्ट नियम बनाकर
- (b) नैतिक मुद्दों पर आधारित चर्चाओं में उन्हें शामिल करके
- (c) कैसे व्यवहार किया जाना चाहिए इस पर कठोर निर्देश देकर
- (d) धार्मिक शिक्षा को महत्व देकर

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (b) कोहलबर्ग के अनुसार बच्चों में नैतिक मूल्यों का विकास करने के लिए नैतिक मुद्दों पर आधारित चर्चाओं में उन्हें शामिल करना चाहिए। क्योंकि जब बच्चे विभिन्न प्रकार की नैतिक मुद्दों से संबंधित चर्चाओं में शामिल किया जाता है। तो वे अपने आपको उन परिस्थितियों में रखकर नैतिक निर्णय लेते हैं इससे वे नैतिक मूल्यों को जल्दी सीख जाते हैं।

102. पियाजे के संज्ञानात्मक विकास के चरणों के अनुसार, इंद्रिय गामक (संवेदी प्रेरक) अवस्था किसके साथ सम्बन्धित है?

- (a) तार्किक रूप से समस्या समाधान की योग्यता
- (b) विकल्पों के निर्वाचन और विश्लेषण करने की योग्यता
- (c) सामाजिक मुद्दों से सरोकार
- (d) अनुकरण, स्थायित्व और मानसिक निरूपण

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (d) पियाजे के संज्ञानात्मक विकास के चरणों के अनुसार इंद्रिय गामक व्यवस्था की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं-

- इस अवस्था में बच्चे बुद्धि का प्रदर्शन गत्यात्मक क्रियाओं द्वारा करते हैं, संकेतों के द्वारा नहीं करते।
- इस अवस्था में बालक अपनी इंद्रियों से प्राथमिक अनुभव प्राप्त करता है।
- इसी अवस्था में बच्चों में वस्तुस्थायित्व का गुण विकसित हो जाता है।
- लगभग डेढ़ वर्ष की आयु में बच्चे अनुकरण द्वारा सीखना प्रारम्भ कर देते हैं।
- लगभग डेढ़ वर्ष की आयु में बालक कुछ करने से पहले सोचना प्रारम्भ कर देते हैं।

103. निम्नलिखित में से कौन—सा विकास का सिद्धांत है?

- (a) विकास हमेशा रेखीय होता है
- (b) यह निरंतर चलने वाली प्रक्रिया नहीं है
- (c) विकास की सभी प्रक्रियाएँ अंतः सम्बन्धित नहीं हैं
- (d) सभी की विकास—दर समान नहीं होती है

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (d) डगलस एवं हॉलैण्ड ने विकास की विभिन्न गति के सिद्धांत का स्पष्टीकरण करते हुए लिखा है— विभिन्न व्यक्तियों के विकास की गति में विभिन्नता होती है और यह विभिन्नता विकास के सम्पूर्ण काल में यथावत बनी रहती है। दूसरी ओर विकास हमेशा रेखीय न होकर वृत्तुलाकार (चक्राकार) होता है। यह निरंतर चलने वाला प्रक्रिया है। विकास की सभी प्रक्रियाएँ अंतः सम्बन्धित होती हैं।

104. मानव विकास के क्षेत्रों में विभाजित किया जाता है, जो हैं—

- (a) संवेगात्मक, संज्ञानात्मक, आध्यात्मिक और सामाजिक मनोवैज्ञानिक
- (b) मनोवैज्ञानिक, संज्ञानात्मक, संवेगात्मक और शारीरिक
- (c) शारीरिक, आध्यात्मिक, संज्ञानात्मक और सामाजिक
- (d) शारीरिक, संज्ञानात्मक, संवेगात्मक और सामाजिक

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (d) विकास की विभिन्न अवस्थाओं में बालक—बालिकाओं के व्यवहार में विभिन्न प्रकार के अनेकानेक परिवर्तन होते हैं। बालक बालिकाओं के व्यवहार में होने वाले परिवर्तनों के आधार पर विकास को अग्रांकित क्षेत्रों में विभक्त किया जा सकता है—

1. शारीरिक विकास
2. संज्ञानात्मक विकास
3. संवेगात्मक विकास
4. सामाजिक विकास
5. नैतिक विकास

3. वंशानुक्रम एवं वातावरण

105. एक स्थान पर बड़े होने वाले बच्चे की तुलना में, एक स्थान से दूसरी स्थान पलायन करने वाले परिवार में बड़ा होने वाला बच्चा सक्षम होता है—

- (a) गहन सोच विकसित करने में
- (b) शांति बनाए रखने में
- (c) रचनात्मक सोच विकसित करने में
- (d) लोगों से जुड़ने में

NVS, TGT 18–09–2019 (II)

Ans : (d) एक स्थान पर बड़े होने वाले बच्चे की तुलना में, एक स्थान से दूसरी स्थान पर पलायन करने वाले परिवार में बड़ा होने वाला बच्चा आम तौर पर लोगों से जल्दी जुड़ने में सक्षम होता है। क्योंकि उसका समाज के विविध संस्कृतियों और सभ्यताओं से परिचय होता है तथा वह विभिन्न व्यक्तियों से अंतर्क्रिया करता है, जिसके परिणामस्वरूप वह लोगों से जुड़ने में ज्यादा सक्षम होता है।

106. निम्नलिखित में से कौन—सा कथन व्यक्ति के विकास पर आनुवंशिकता के प्रभाव को सर्वश्रेष्ठ रूप में वर्णित करता है?

- (a) आनुवंशिकता यह बताने के लिए कि हम किस सीमा तक जाएंगे, एक मूलभूत निर्धारक है
- (b) आनुवंशिकता यह निर्धारित करता है कि हम कहाँ तक जा सकते हैं
- (c) आनुवंशिकता यह निर्धारित करता है कि हम कहाँ तक जाएंगे
- (d) आनुवंशिकता यह बताने के लिए कि हम किस सीमा तक जा सकते हैं एक मूलभूत निर्धारक है

TGT-KVS, 08–01–2017

Ans : (d) जेम्स ड्रेवर के अनुसार “शारीरिक तथा मानसिक विशेषताओं का माता—पिता से सन्तानों में हस्तान्तरण होना आनुवंशिकता है। आनुवंशिकता को स्थिर सामाजिक संरचना माना जाता है। एक व्यक्ति के वंशानुक्रम में वे सब शारीरिक बनावटें, शारीरिक विशेषताएँ क्रियाएँ या क्षमताएँ सम्मिलित रहती हैं, जिनको वह अपने माता—पिता, अन्य पूर्वजों या प्रजाति से प्राप्त करता है। आनुवंशिकता यह बताने के लिए कि हम किस सीमा तक जा सकते हैं एक मूलभूत निर्धारक है।

107. वंशानुगतता का एक विशेष व्यवहार पर प्रभाव दिखता है, जब—

- (a) भ्रात्रिक जुड़वाँ हमशक्ल जुड़वाँ की अपेक्षा अधिक समान व्यवहार दर्शाते हैं।
- (b) हमशक्ल जुड़वाँ भ्रात्रिक जुड़वा की अपेक्षा अधिक समान व्यवहार दर्शाते हैं।
- (c) हमशक्ल जुड़वाँ और भ्रात्रिक जुड़वाँ दोनों के व्यवहार की अभिव्यक्ति में बहुत कम समानता होती है
- (d) दोनों भ्रात्रिक जुड़वाँ और हमशक्ल जुड़वाँ समान व्यवहार दर्शाते हैं।

KVS—PRT Post Code 16/17, 29–10–2017

Ans : (b) वंशानुगतता का एक विशेष व्यवहार पर प्रभाव दिखता है जब हमशक्ल जुड़वा भ्रात्रिक जुड़वा की अपेक्षा अधिक समान व्यवहार दर्शाते हैं।

108. आनुवंशिकता को यह सामाजिक संरचना माना जाता है—

- | | |
|--------------|--------------|
| (a) प्राथमिक | (b) माध्यमिक |
| (c) गतिशील | (d) गतिहीन |

PRT-KVS Post Code 150/14, 19–10–2014

Ans : (d) आनुवंशिकता को गतिहीन या स्थिर सामाजिक संरचना माना जाता है जबकि वातावरण को गतिशील सामाजिक संरचना माना जाता है। विनशिप का मानना है कि गुणवान और प्रतिष्ठित माता—पिता की संतान प्रतिष्ठा को बढ़ाता तो है लेकिन इसके लिए उसके माता—पिता को भी प्रतिष्ठित होना चाहिए। दूसरी ओर आनुवंशिक गुण ही प्रजाति विशेष के क्रिया—कलापों के निर्धारित करता है तथा प्रजाति विशेष में ही हस्तान्तरित होता है।

109. मानव विकास के अध्ययन के लिए इस जननिक अध्ययन प्रणाली का उपयोग किया जा सकता है

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (c) मानव विकास के अध्ययन के लिए अनुप्रस्थ और अनुलम्ब दोनों जननिक अध्ययन प्रणाली का उपयोग किया जा सकता है।

110. विकास को आकार देने में निम्न सभी वातावरणीय घटक सम्मिलित हैं सिवाय इसके—

- (a) संस्कृति
 - (b) शिक्षा का दरजा (quality of education)
 - (c) शरीर-गठन
 - (d) पोषण का दरजा

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (c) विकास को आकार देने में संस्कृति, शिक्षा का दरजा, पोषण का दरजा, पारिवारिक एवं सामाजिक परिस्थितियाँ आदि वातावरणीय घटक सम्मिलित है। शरीर-गठन वातावरणीय घटक न होकर आनुवंशिक घटक है जो विकास को प्रभावित करता है।

111. बालक में विचार गठन (Concept of Process) की

प्रक्रिया प्रारम्भ होती है, जब वह—

- (a) उद्दीपकों में विभेद करने योग्य हो जाता है
 - (b) भाषा का अच्छा ज्ञान प्राप्त कर लेता है
 - (c) 5 वर्ष की आयु पूर्ण कर लेता है
 - (d) उपर्युक्त सभी

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (d) बालक में विचार गठन की प्रक्रिया प्रारम्भ हो जाती है, जब वह-

- उद्दीपकों में विभेद करने योग्य हो जाता है।
 - भाषा का अच्छा ज्ञान प्राप्त कर लेता है।
 - 5 वर्ष की आयु पूर्ण कर लेता है।
 - पियाजे के अनुसार मूर्त संक्रिया अवस्था से प्राणी में विचार गठन प्रक्रिया शुरू हो जाता है तथा औपचारिक संक्रिया अवस्था में विचार गठन प्रक्रिया का विकास अपनी परिपक्वता की अवस्था को प्राप्त कर लेता है।

112. विकास को साकार करने वाले पर्यावरणीय कारक में
निम्नलिखित में से किसके अलावा सभी शामिल हैं?

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (c) विकास को साकार करने वाले पर्यावरणीय कारकों में शारीरिक सौष्ठव के अलावा संस्कृति, शिक्षा की गुणवत्ता, पोषण की गुणवत्ता, परिवार और पास-पड़ोस का वातावरण, संचार माध्यम, समाज आदि सभी शामिल होते हैं। शारीरिक सौष्ठव जैविक कारक है जो व्यक्ति के विकास को प्रभावित करती है।

113. निम्नलिखित में से कौन-सा पूर्वाग्रह वंशानुगत संबंधित कारक है?

- (a) सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता
 - (b) समवयस्क समूह के प्रति अभिवृत्ति
 - (c) चिंतन पद्धति
 - (d) आँखों का रंग/वर्णन्यता (Colour Blindness)

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (d) आँखों का रंग, वर्णन्धता, बालों का रंग, बालों की आकृति (सीधे, घुँघराले) त्वचा का रंग व दशा, दाँत का डेनटीन व ऐनेमल, रोगों के प्रति संवेदनशीलता, गंजापन, अधिकृतस्वाव, रंजकहीनता हैंसियाकार-रुधिराणु एनीमिया, युक्तागुलिता, लघु-अंगुलिता आदि वंशानुगत संबंधित कारक हैं।

114. निम्नलिखित में से क्या बच्चे की समाज-
मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं से संबंधित नहीं है?

- (a) सराहना अथवा सामाजिक स्वीकृति की आवश्यकता
 - (b) भावात्मक सुरक्षा की आवश्यकता
 - (c) शरीर के अपशिष्ट पदार्थों को नियमित रूप से निकालना
 - (d) साथियों की आवश्यकता

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (c) शरीर के अपशिष्ट पदार्थों को नियमित रूप से निकालना बच्चे की समाज मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं से संबंधित नहीं है बल्कि यह एक जैविक क्रिया है जबकि सराहना अथवा सामाजिक स्वीकृति की आवश्यकता, भावात्मक सुरक्षा की आवश्यकता साथियों की आवश्यकता, सामाजिक प्रोत्तरि की आवश्यकता आदि समाज मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं से संबंधित है।

115. छोटे बच्चों की अधिगम प्रक्रिया में अभिभावकों को
..... भूमिका निभानी चाहिए

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (b) छाटे बच्चों की अधिगम प्रक्रिया में अभिभावकों को सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। अभिभावक बच्चों के प्रथम शिक्षक होते हैं तथा बच्चे अपने अभिभावकों के व्यवहारों का अनुकरण करते हैं। अतः अभिभावकों को ऐसे व्यवहार प्रदर्शित करने चाहिए जो अनुकरणीय हो तथा जिससे बच्चे सीखने के लिए प्रेरित हों।

4. अधिगम का अर्थ, सिद्धांत, अधिगम अंतरण एवं शिक्षण में इनकी व्यवहारिक उपयोगिता

116. सर्वाधिक सामान्य प्रतिरूप जिसे कोई बालक अपने जीवन को निर्देशित करने के लिए चयनित करता है वह है—

- (a) एक माता या पिता या एक अध्यापक अथवा कोई प्राधिकारी
- (b) कोई अन्य व्यक्ति जिसका आचरण पूर्णता की ओर जाता लगता हो
- (c) ऐसा कोई व्यक्ति जिसकी आत्म संकल्पना उससे अत्यधिक मिलती जुलती हो
- (d) अपना बड़ा भाई या बहन

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (c) सर्वाधिक सामान्य प्रतिरूप जिसे कोई बालक अपने जीवन को निर्देशित करने के लिए चयनित करता है वह ऐसा कोई व्यक्ति होता है जिसकी आत्म संकल्पना उससे अत्यधिक मिलती जुलती है।

117. अधिगम को प्रभावशाली होने के लिए यह आवश्यक है कि के रूप में लक्ष्य अर्थपूर्ण हो।

- (a) उसमें सम्मिलित बौद्धिक विचार या धारणाओं
- (b) अध्येता की आवश्यकताओं और प्रयोजनों
- (c) विद्यालयों की प्रतिष्ठा
- (d) पाठ्यचर्यात्मक उद्देश्यों

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (b) अधिगम को प्रभावशाली होने के लिए आवश्यक है कि अध्येता की आवश्यकताओं और प्रयोजनों के रूप में लक्ष्य अर्थपूर्ण हो।

118. निम्नलिखित में से कौन-सा अधिक्रम मैस्लों द्वारा प्रतिपादित मानव आवश्यकता अधिक्रम का उपयुक्त क्रम है?

- (a) स्नेह/अपनापन, शारीरिक, स्वाभिमान, सुरक्षा, स्वानुभूति
- (b) स्वाभिमान, शारीरिक, स्नेह/अपनापन, सुरक्षा, स्वानुभूति
- (c) शारीरिक, सुरक्षा, स्नेह/अपनापन, स्वाभिमान, स्वानुभूति
- (d) शारीरिक, स्नेह या अपनापन, सुरक्षा, स्वाभिमान, स्वानुभूति

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (c) अब्राहम मैस्लों ने मानवतावादी दृष्टिकोण अपनाते हुए वर्ष 1954 में प्रकाशित अपनी पुस्तक 'Motivation and Personality' में व्यक्तित्व की व्याख्या 'माँग सिद्धांत' के आधार पर प्रस्तुत की थी। इस सिद्धांत के अनुसार कहा जा सकता है कि व्यक्ति के भौतिक अथवा सामाजिक वातावरण की किसी माँग के कारण उसमें एक गत्यात्मक एवं निर्देशात्मक बल (Dynamic and Directing force) उत्पन्न होता है जिसे अभिप्रेरणा कहते हैं। यह बल व्यक्ति को एक निश्चित प्रकार का व्यवहार करने के लिए अभिप्रेरित करता है। मैस्लों द्वारा प्रतिपादित मानव-आवश्यकता-अधिक्रम का उपयुक्त क्रम है— शारीरिक, सुरक्षा, स्नेह/अपनापन, स्वाभिमान, स्वानुभूति।

119. अधिगम के क्षेत्र सिद्धांत का मुख्य बल निम्नलिखित में से किस पर है?

- (a) अधिगम अवस्थिति की समग्रता
- (b) व्यवहार की सोहेश्यता
- (c) वह भूमिका जो सीखी गई सामग्री लक्ष्यों की प्राप्ति में अदा करती है
- (d) अधिगम प्रक्रिया की समग्रता

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (a) अधिगम के क्षेत्र सिद्धांत का प्रतिपादन कुर्ट लेविन ने अपने डाक्टोरल शोध प्रबन्ध में प्रस्तुत किए गए विचारों के आधार पर सन् 1917 में किया था। क्षेत्र मनोविज्ञान प्राणी तथा वातावरण से मिलकर बने क्षेत्र पर बल देता है। इसके अनुसार प्राणी को वातावरण से अलग करके नहीं समझा जा सकता है। अधिगम के क्षेत्र सिद्धांत का मुख्य बल अधिगम अवस्थिति की समग्रता पर है।

120. निम्नलिखित में से कौन-सा अधिगम सिद्धांत बच्चों की आदतों में परिवर्तन के लिए सर्वाधिक सामर्थ्यपूर्ण है?

- (a) अभ्यास एवं त्रुटि
- (b) शास्त्रीय (क्लासिकीय) अनुकूलन
- (c) क्रियाप्रसूत अनुकूलन
- (d) पुनर्बलन

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (b) बालकों में लगभग सभी आदतों का निर्माण क्लासिकल अनुबन्धन सिद्धांत के आधार पर किया जा सकता है। इस सिद्धांत के अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति या जीव कुछ जन्मजात प्राकृतिक प्रवृत्तियाँ, प्रतिक्रियाएँ रखता है तथा ये प्रवृत्तियाँ, प्रतिक्रियाएँ किसी उपयुक्त प्राकृतिक उद्दीपक के उपस्थित होने पर प्रकट होती है।

121. बी.एफ. स्किनर से जुड़े हैं।

- | | |
|------------------------|-------------------------------|
| (a) गेस्टाल्ट सिद्धांत | (b) श्रेण्य अनुकूलन |
| (c) चलता अनुकूलन | (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं |

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (c) बी.एफ. स्किनर सक्रिय अनुकूलन से जुड़े हैं। सीखने के क्रियाप्रसूत अनुबन्धन सिद्धांत के प्रवर्तक प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक बी.एफ. स्किनर थे। क्रियाप्रसूत अनुबन्धन में सीखने वाले की भूमिका सक्रिय तथा महत्वपूर्ण होती है।

122. सुदृढ़ीकरण का प्रकार जो विलोपन की धीमी गति उत्पन्न करता है—

- (a) निरंतर सुदृढ़ीकरण
- (b) निश्चित अनुपात सुदृढ़ीकरण
- (c) निश्चित अंतराल सुदृढ़ीकरण
- (d) चर अनुपात सुदृढ़ीकरण

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (d) चर अनुपात सुदृढ़ीकरण, सुदृढ़ीकरण का एक प्रकार है जो विलोपन की धीमी गति उत्पन्न करता है। जबकि स्थिर अनुपात सुदृढ़ीकरण द्वारा विलोपन की गति तेज होती है।

123. गेस्टाल्ट सिद्धांत की अधिधारणा है कि तत्त्वों को स्वरूप के अनुसार समूह में रखना चाहिए। यह का सिद्धांत है।

- (a) सामीप्य (b) समानता
(c) सादगी (d) समापन

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (a) गेस्टाल्ट सिद्धांत की अधिधारणा है कि तत्त्वों को स्वरूप के अनुसार समूह में रखना चाहिए। यह सामीप्य का सिद्धांत है। गेस्टाल्ट मनोविज्ञानी किसी भी परिस्थिति को समग्र रूप में देखते हैं न कि इसमें सम्मिलित तत्त्वों के समूह के रूप में।

124. किसने लिखा— “वह एकमात्र सीख जो पर्याप्त रूप से व्यवहार (और शिक्षा) को प्रभावित करती है, वह स्वयं खोजी हुई होती है”?

- (a) कार्ल रोजर्स (b) मारिया मांटेसरी
(c) जॉन डेवे (d) लेव विगोत्स्की

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (a) कार्ल रोजर्स के अनुसार— “वह एकमात्र सीख जो पर्याप्त रूप से व्यवहार (और शिक्षा) को प्रभावित करती है, वह स्वयं खोजी हुई होती है।”

125. सीखने का कौन-सा सिद्धांत पूर्णतः ‘स्पष्ट व्यवहार’ पर निर्भर है?

- (a) व्यवहारवादी (b) संज्ञानात्मवादी
(c) विकासात्मक (d) संरचनावादी

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (a) सीखने का व्यवहारवादी सिद्धांत पूर्णतः ‘स्पष्ट व्यवहार’ पर निर्भर है। व्यवहारवाद अधिगम का वह सिद्धांत है जो प्राणी के जैविक व्यवहार का अध्ययन करता है। व्यवहारवादी बाह्य व्यवहार व आंतरिक व्यवहार में कोई अंतर नहीं मानते हैं। इस सिद्धांत के मुख्य प्रतिपादक थार्नडाइक, पावलव और स्किनर हैं।

126. “तत्परता का नियम, प्रयोग का नियम और परिणाम का नियम” किस शिक्षक ने प्रस्तुत किया?

- (a) हिल गार्ड (b) थॉर्नडाइक
(c) स्पेन्सर (d) रूसो

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (b) ‘तत्परता का नियम’, ‘प्रयोग या अभ्यास का नियम’, ‘परिणाम का नियम’ और अधिगम के प्रयास एवं त्रुटि का सिद्धांत, इन सभी प्रतिपदन ई.एल. थार्नडाइक ने किया है।

127. ‘दीपावली त्यौहार का समारोह’ इस प्रोजेक्ट के पूर्ण करते समय बालकों के समूह ने काफी कुछ गणितीय कौशल सिखें। इस प्रकार का अधिगम कहा जायेगा—

- (a) प्रासंगिक अधिगम
(b) औपचारिक अधिगम
(c) अनौपचारिक अधिगम
(d) गैर-ओपचारिक अधिगम

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (a) ‘यदि दीपावली त्यौहार का समारोह’ इस प्रोजेक्ट के पूर्ण करते समय बालकों के समूह ने काफी कुछ गणितीय कौशल सीख लिया है तो इस प्रकार का अधिगम प्रासंगिक अधिगम कहा जायेगा। प्रासंगिक अधिगम किसी विषय के साथ सीखा गया वह कौशल होता है जो उस विषय से प्रत्यक्ष रूप से नहीं जुड़े होते हैं।

128. सफल कार्य ही के उपलब्धि की सच्ची कसौटी है।

- (a) शिक्षक (b) प्रिंसिपल
(c) अधिगम (d) मूल्यांकन

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (c) सफल कार्य ही अधिगम के उपलब्धि की सच्ची कसौटी है। अधिगम के परिणाम स्वरूप ही व्यक्ति किसी कार्य को सीखता है तथा उस सीखे गये कार्य में परिमार्जन करता है। इसलिए अधिगम को सतत और विकासात्मक प्रक्रिया माना जाता है।

129. बालकों को स्कूल में लोकतांत्रिक जीवन प्रणाली का अवसर देना चाहिए।

- (a) सीखने (b) अनुभव करने
(c) समझने (d) की जानकारी

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (b) बालकों को स्कूल में लोकतांत्रिक जीवन प्रणाली अनुभव करने का अवसर देना चाहिए। इसके कक्षा, विद्यालय, खेल के मैदान आदि स्थानों पर विद्यार्थियों के विचारों, भावनाओं, अनुभवों को समान देना चाहिए तथा उन्हें गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित करना चाहिए। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों में सामाजिक मूल्यों, मानदण्डों, नैतिकता आदि का विकास करना चाहिए।

130. 19वें शतक के अन्त में किस दार्शनिक ने प्राणियों पर प्रयोग करके नतीजे से अधिगम बनाये?

- (a) हिल गार्ड (b) वॉट्सन
(c) एडवर्ड थॉर्नडाइक (d) जॉन डीवी

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (c) 19वें शताब्दी में ई.एल. थार्नडाइक ने प्राणियों पर प्रयोग करके अधिगम के सिद्धांत का प्रतिपादन किया। इन्होंने गिलियों, चूहों तथा मुर्गियों के ऊपर अधिगम सम्बन्धी अनेक प्रयोग करने के उपरान्त सीखने का संबंधवाद सिद्धांत अर्थात् उदीपक अनुक्रिया सिद्धांत तथा सीखने के नियमों का प्रतिपादन किया था।

131. निम्नांकित में से कौन-सी विद्या अनुभव से होने वाले व्यवहार परिवर्तन को दर्शाती है?

- (a) मॉडलिंग (b) प्रत्यक्षीकरण
(c) अधिगम (d) अभिप्रेरणा

PRT-KVS 07-01-2017

Ans : (c) क्रोनबैक के अनुसार— “अधिगम की अभिव्यक्ति अनुभव के परिणाम स्वरूप व्यवहार में परिवर्तन के रूप में होती है।”

132. थॉर्नडाइक के अनुसार अधिगम का सर्वाधिक मूल रूप क्या था?

- (a) सामाजिक अधिगम
(b) प्रेक्षणात्मक अधिगम
(c) प्रयास और त्रुटि अधिगम
(d) स्थानापन्न अधिगम

PRT-KVS 07-01-2017

Ans : (c) थार्नडाइक के सिद्धांत के अनुसार सीखना 'प्रयास व त्रुटि' का परिणाम होता है। यह सिद्धांत सीखने को प्रयास व त्रुटि अधिगम के रूप में स्पष्ट करता है। थार्नडाइक ने प्रयोगों के आधार पर कहा कि सीखने की प्रक्रिया एक क्रमिक प्रक्रिया है। उनके अनुसार बिल्ली में सही अनुक्रिया को करना। उसके प्रयासों में धीरे-धीरे स्थापित होता है तथा गलत या अनियमित अनुक्रियाएँ भी धीरे-धीरे अनेक प्रयासों में छँटती जाती हैं। इस प्रकार प्रयास और त्रुटि का प्रयोग करते हुए अधिगम प्रक्रिया सम्पन्न होती है।

133. स्किनर के अधिगम सिद्धांत के अनुसार यदि व्यवहार को नियंत्रित करना हो, तो व्यक्ति को किसे नियंत्रित करना चाहिए?

- (a) निष्पादन
- (b) प्रबलन
- (c) दण्ड
- (d) अनुक्रिया

PRT-KVS 07-01-2017

Ans : (b) स्किनर के अधिगम सिद्धांत के अनुसार यदि व्यवहार को नियंत्रित करना हो, तो व्यक्ति को प्रबलन को नियंत्रित करना चाहिए।

स्किनर ने व्यवहार को नियंत्रित करने वाले पुनर्बलन के कई क्रमचर्यों पर प्रयोग किया जैसे— सतत पुनर्बलन, आंशिक, पुनर्बलन, असतत, पुनर्बलन आदि। पुनर्बलन के इन क्रमों के आधार पर व्यवहार को नियंत्रित किया जा सकता है।

134. निम्नलिखित में से ऐसी सर्वाधिक प्रभावी विधि कौन सी है जिसका प्रयोग बच्चों में सामाजिक मूल्यों का विकास करने में किया जा सके?

- (a) उन्हें समाज द्वारा स्वीकृत मूल्यों और लोकप्रथाओं में अनुशासित करना।
- (b) उन्हें महान् व्यक्तियों के विषय में बताना
- (c) अध्यापक द्वारा अपने आचरण को इस प्रकार प्रस्तुत करें ताकि वे (बच्चे) उसे एक प्रतिरूप समझने लगे
- (d) अच्छी नैतिक कहानियाँ बताते रहना।

PRT-KVS 07-01-2017

Ans : (c) बच्चों में सामाजिक मूल्यों का विकास करने के लिए अध्यापक द्वारा अपने आचरण को इस प्रकार प्रस्तुत करना चाहिए कि बच्चे उसे प्रतिरूप समझें और उनके व्यवहारों का अनुकरण करें। ध्यातव्य है कि सामाजिक मूल्य वे मानक हैं जिनके द्वारा हम किसी वस्तु, व्यवहार, लक्ष्य, साधन, गुण आदि को अच्छा या बुरा, उचित या अनुचित, वांछित या अवांछित ठहराते हैं। दूसरे शब्दों में सामाजिक मूल्य वे आदर्श हैं जो सामाजिक जीवन के आचरण में अभिव्यक्त होते हैं।

135. अधिगम का मुख्य प्रयोजन क्या होता है?

- (a) सामाजिक समायोजन
- (b) व्यवहार रूपांतरण (संशोधन)
- (c) ज्ञानार्जन
- (d) कौशलों का विकास

PRT KVS 2010

Ans : (c) अधिगम का मुख्य प्रयोजन 'व्यवहार रूपांतरण (संशोधन)' होता है। स्किनर ने अधिगम को परिभाषित करते हुए कहा है— "अधिगम या सीखना व्यवहार में उत्तरोत्तर सामंजस्य की प्रक्रिया है।" इसी प्रकार गेट्स व अन्य ने लिखा है— "सीखना, अनुभव और प्रशिक्षण द्वारा व्यवहार में परिवर्तन है।" मार्गन एवं गिलोलैण्ड ने भी सीखना या अधिगम को अनुभव के परिणामस्वरूप व्यवहार में परिमार्जन माना है जो प्राणी द्वारा कुछ समय के लिए धारण किया जाता है।

136. कोई व्यक्ति एक प्रभावकारी तरीके से एक हुनर कैसे सीख सकता है?

- (a) अवलोकन करके
- (b) सुनकर
- (c) पढ़कर
- (d) खुद करके

PRT KVS 04-10-2015

Ans : (d) कोई व्यक्ति एक हुनर प्रभावकारी तरीके से खुद करके सीख सकता है। किसी भी कार्य को करने में व्यक्ति की सभी इन्द्रियाँ तथा ज्ञानेन्द्रियाँ क्रियाशील रहती हैं जिसके उपरांत प्राप्त अधिगम तथा हुनर स्थायी एवं प्रभावशाली होता है।

137. निम्नलिखित में से किसे अधिगम की सबसे उचित परिभाषा मानेंगे?

- (a) समस्याएँ हल करना
- (b) विशिष्ट हुनर का विकास
- (c) आचरण संबंधी प्रवृत्ति में सुधार
- (d) इनमें से कोई नहीं

PRT KVS 04-10-2015

Ans : (c) आचरण संबंधी प्रवृत्ति में सुधार अधिगम की सबसे उपयुक्त परिभाषा मानी जाती है। इसे विभिन्न मनोवैज्ञानिकों ने निम्न तरीके से परिभाषित किया है—

क्रोनबैक ने अनुसार—“अधिगम की अभिव्यक्ति अनुभव के परिणामस्वरूप व्यवहार में परिवर्तन के रूप में होती है।”

गिलफोर्ड ने कहा है कि, “व्यवहार के कारण व्यवहार में आया कोई भी परिवर्तन अधिगम है।”

138. जब पिछली जानकारी नई स्थिति में ज्ञान पाने में कोई फर्क नहीं डालती, उसे कहते हैं—

- (a) ज्ञान का निरपेक्ष अन्तरण
- (b) ज्ञान का सकारात्मक अन्तरण
- (c) ज्ञान का नकारात्मक अन्तरण
- (d) ज्ञान का शून्य अन्तरण

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (d) जब पिछली जानकारी नई स्थिति में ज्ञान पाने में कोई फर्क नहीं डालती है तो उसे ज्ञान का शून्य अन्तरण कहते हैं। शून्य अन्तरण, अन्तरण की अनुपस्थिति को इंगित करता है अर्थात् जब किसी कार्य को करने की योग्यता अथवा ज्ञान का अन्य कार्यों को करने की योग्यता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है तब उसे शून्य अन्तरण कहते हैं। इस अन्तरण में पूर्ववर्ती ज्ञान का किसी अन्य परिस्थिति में कोई अन्तरण या उपयोग नहीं होता है।

139. “अनुभव और प्रशिक्षण द्वारा व्यवहार में परिवर्तन होना ही अधिगम है।” अधिगम की यह परिभाषा दी गई है—

- (a) स्किनर द्वारा
- (b) हिलगार्ड द्वारा
- (c) गेट्स एवं अन्य द्वारा
- (d) जे.पी. गिलफोर्ड द्वारा

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) “अनुभव और प्रशिक्षण द्वारा व्यवहार में परिवर्तन होना ही अधिगम है।” अधिगम की यह परिभाषा गेट्स एवं अन्य द्वारा दी गयी है।

स्किनर के अनुसार— “अधिगम व्यवहार में उत्तरोत्तर अनुकूलन की एक प्रक्रिया है।”,

गिलफोर्ड के अनुसार— “व्यवहार के कारण व्यवहार में आया कोई भी परिवर्तन अधिगम है।”

140. बन्दूरा के सामाजिक अधिगम के चरणों का सही क्रम है—

- (a) अवलोकनात्मक, अवधानात्मक, धारणात्मक एवं अभिप्रेणात्मक
- (b) अवलोकनात्मक, अवधानात्मक, अभिप्रेणात्मक एवं धारणात्मक
- (c) अवलोकनात्मक, धारणात्मक, अवधानात्मक एवं अभिप्रेणात्मक
- (d) अवलोकनात्मक, धारणात्मक, अभिप्रेणात्मक एवं अवधानात्मक

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (a) बन्दूरा के सामाजिक अधिगम के चरणों का सही क्रम निम्न है—

- अवलोकनात्मक – व्यवहारों को जानना तथा उसका प्रत्यक्षण करना
↓
- अवधानात्मक – व्यवहार पर ध्यान केन्द्रित करना या स्मरण करना।
↓
- धारणात्मक – क्रिया को धारण करना।
↓
- अभिप्रेणात्मक – व्यवहार करने के लिए अभिप्रेरित होना।

141. जब पूर्व का अधिगम नई स्थितियों में सीखने में बाधा उत्पन्न करता है; तो यह कहलाता है—

- (a) अधिगम का सकारात्मक स्थानान्तरण
- (b) अधिगम का नकारात्मक स्थानान्तरण
- (c) अधिगम का शून्य स्थानान्तरण
- (d) अधिगम का क्षैतिज स्थानान्तरण

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (b) जब पूर्व का अधिगम नई स्थितियों को सीखने में बाधा उत्पन्न करता है तो यह अधिगम का नकारात्मक रूपान्तरण कहलाता है। नकारात्मक रूपान्तरण को ऋणात्मक रूपान्तरण अथवा निवैधात्मक स्थानान्तरण भी कहते हैं। नकारात्मक स्थानान्तरण में व्यक्ति का पूर्व ज्ञान पूर्व अनुभव अथवा पूर्व प्रशिक्षण नई बातों को सीखने में व्यवधान उत्पन्न करता है।

142. जब पूर्व अधिगम नई स्थिति में सीखने की प्रक्रिया को आसान बनाता है, तो यह कहलाता है—

- (a) अधिगम का सकारात्मक अंतरण
- (b) अधिगम का निरपेक्ष अंतरण
- (c) अधिगम का नकारात्मक अंतरण
- (d) अधिगम का शून्य अंतरण

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (a) जब पूर्व अधिगम नई स्थिति में सीखने की प्रक्रिया को आसान बनाता है तो यह अधिगम का सकारात्मक अंतरण कहलाता है। सकारात्मक अंतरण में पूर्व ज्ञान, पूर्व अनुभव अथवा पूर्व प्रशिक्षण व्यक्ति द्वारा नई बातों को सीखने में सहायता प्रदान करता है। जैसे यदि हिन्दी भाषा का ज्ञान संस्कृत भाषा के सीखने में सहायता प्रदान करता है, तब यह धनात्मक अंतरण कहलायेगा।

143. एल्बर्ट बन्दूरा

- (a) दंड का भय सकारात्मक नैतिक विकास की कुंजी है
- (b) अच्छी शिक्षा सकारात्मक नैतिक विकास की कुंजी है
- (c) स्व: नियमन सकारात्मक नैतिक विकास की कुंजी है
- (d) अमूर्त तर्क सकारात्मक नैतिक विकास की कुंजी है

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (c) एल्बर्ट बन्दूरा के अनुसार स्व: नियमन सकारात्मक नैतिक विकास की कुंजी है। इसके अतिरिक्त बन्दूरा के सामाजिक अधिगम सिद्धांत का निम्नलिखित शैक्षिक महत्व है—

- शिक्षक को अपने छात्रों से वास्तविक उपलब्धियों की अपेक्षा करनी चाहिए।
- शिक्षक को छात्रों के अंदर विश्वास जगाना चाहिए जिससे वे हर कार्य में सफलता प्राप्त कर सकें।
- शिक्षक व माता-पिता को बालकों के सामने अनुचित व्यवहार कर्तव्य नहीं करना चाहिए क्योंकि बालक अपने से बड़ों का अनुकरण करता है।

144. एक शिक्षिका सदैव अपने शिक्षार्थियों को एक विषय के क्षेत्र में अर्जित ज्ञान को अन्य विषयों के क्षेत्र में अर्जित ज्ञान को जोड़ने में मदद करती है। इससे प्रोत्साहित करने में मदद मिलती है—

- (a) ज्ञान का सहसंबंध और अंतरण
- (b) वैयक्तिक अंतर
- (c) शिक्षार्थी की स्वायत्तता
- (d) पुनर्बलन

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (a) यदि कोई शिक्षिका सदैव अपने शिक्षार्थियों को एक विषय के क्षेत्र में अर्जित ज्ञान को अन्य विषयों के क्षेत्र में अर्जित ज्ञान से जोड़ने में मदद करती है तो इससे ज्ञान का सहसंबंध और अंतरण करने में मदद मिलती है। जब एक विषय का ज्ञान अथवा एक परिस्थिति में सीखी बातें दूसरे विषय को सीखने में अथवा अन्य परिस्थिति में सीखी जा रही बातों के अध्ययन में सहायता अथवा धातक होता है तो उसे सीखने का अंतरण कहा जाता है।

145. कोई शिक्षिका अपने शिक्षार्थियों को समूह चर्चा, समूह प्रायोजना कार्यों आदि जैसी अनेक समूह गतिविधियों में व्यस्त रखती है, इसमें अधिगम आयाम को मुख्यतः दी गई है—

- (a) मनोरंजन के माध्यम से अधिगम
- (b) भाषा-निर्देशित अधिगम
- (c) प्रतिस्पर्धा आधारित अधिगम
- (d) सामाजिक गतिविधि के रूप में अधिगम

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (d) यदि कोई शिक्षिका अपने शिक्षार्थियों को समूह चर्चा, समूह प्रायोजना कार्यों आदि जैसे अनेक समूह गतिविधियों में व्यस्त रखती है। इसका अर्थ है कि वह सामाजिक गतिविधि के रूप में अधिगम को प्रोत्साहित कर रही है। वाइगोत्सकी का भी मानना है कि बच्चे अपने ज्ञान का निर्माण स्वयं करते हैं। किन्तु यह एकाकी न होकर सामाजिक व सांस्कृतिक गतिविधि के रूप में होती है। शिक्षिका इसी अधिगम सिद्धांत का अनुसरण करते हुए शिक्षण को सामाजिक गतिविधि के रूप में संपोषित कर रही है।

146. पूरी तरह से मात्र “अवलोकनात्मक व्यवहार पर निर्भर” अधिगम का सिद्धांत का संबंध
अधिगम के सिद्धांत से है।

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (a) पूरी तरह एवं मात्र “अवलोकनात्मक व्यवहार पर निर्भर” अधिगम का सिद्धांत का संबंध संज्ञानात्मक अधिगम के सिद्धांत से है। कुछ संज्ञानात्मक मनोवैज्ञानिकों ने अधिगम प्रक्रिया में अन्य प्राणियों के व्यवहार का अवलोकन करने तथा उसकी भूमिका की महत्ता पर जोर दिया तथा सीखने के सामाजिक अधिगम सिद्धांत को प्रस्तुत किया। अमेरिकी मनोवैज्ञानिक अल्बर्ट बन्ड्हूरा ऐसे ही एक अग्रणी सामाजिक मनोवैज्ञानिक हैं जिन्होंने सीखने की प्रक्रिया में अन्यों के व्यवहार का अवलोकन करने तथा उसकी नकल करके सीखने के महत्व पर बल दिया।

147. शिक्षण की प्रक्रिया में, शिक्षा का तबादला हो सकता है—

- (a) शून्य (b) सकारात्मक
 (c) नकारात्मक (d) यह सभी

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (d) शिक्षण की प्रक्रिया में शिक्षा का तबादलता शून्य, सुकरात्मक और नकरात्मक तीनों रूपों में हो सकता है।

- **शिक्षा का शून्य तबादला या अंतरण—** जब किसी सीखे गये योग्यता अथवा ज्ञान का अन्य कार्यों को करने की योग्यता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है तब उसे शून्य तबादला कहते हैं। स्पष्ट है कि शून्य अंतरण में पूर्ववर्ती ज्ञान का किसी अन्य परिस्थिति में कोई अंतरण या उपयोग नहीं होता है।
 - **शिक्षा का सकारात्मक तबादला या अंतरण—** जब व्यक्ति का पूर्व अर्जित ज्ञान उसके नवीन ज्ञान को अर्जित करने में सहायक होता है तो उसे शिक्षा का सकारात्मक तबादलता कहते हैं।
 - **शिक्षा का नकारात्मक तबादला—** जब व्यक्ति का पूर्व अर्जित ज्ञान, अनुभव या प्रशिक्षण किसी नवीन ज्ञान को अर्जित करने में बाधक होता है तो उसे शिक्षा का नकारात्मक तबादला कहते हैं।

148. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन अधिगम की प्रक्रिया की विशेषता नहीं माना जा सकता है?

- (a) अधिगम लक्ष्योन्मुखी होता है
 - (b) न सीखना भी एक अधिगम प्रक्रिया है
 - (c) शैक्षिक संस्थान ही मात्र ऐसे स्थान हैं जहाँ पर अधिगम होता है
 - (d) अधिगम प्रक व्यापक प्रक्रिया है

PRT POST CODE 70/90 29-12-2013 (Cancelled)

Ans : (c) शैक्षिक संस्थान ही मात्र ऐसे संस्थान हैं, जहाँ पर अधिगम होता है, यह कथन अधिगम के सम्बन्ध में सही नहीं है। अधिगम एक व्यापक प्रक्रिया है। यह प्रक्रिया औपचारिक व अनौपचारिक दोनों स्तरों पर सम्पन्न होती है। बालक घर और विद्यालय दो जगह सीखता है तथा अपने सीखे गये अनुभवों का दैनिक जीवन में उपयोग भी करता है। कभी-कभी वह जानबूझकर सीखता है और कभी-कभी वह अनजाने में भी सीखता है। इसीलिए न सीखना भी अधिगम प्रक्रिया माना जाता है। इसी प्रकार अधिगम लक्ष्योन्मुखी भी होता है।

149. 'अधिगम का अंतर्दृष्टि सिद्धांत' (insight) प्रतिपादित किया गया-

- (a) 'गेस्टाल्ट' सिद्धांत वादियों द्वारा
 - (b) पावलोव द्वारा
 - (c) जीन पियाजे द्वारा
 - (d) वायगोत्सकी द्वारा

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (a) अधिगम का ‘अंतर्दृष्टि सिद्धांत’ गेस्टाल्ट सिद्धांतवादियों द्वारा प्रतिपादित किया गया। इस सिद्धांत के प्रतिपादकों में चार जर्मन मनोवैज्ञानिक- मैक्स वर्दाइमर, वोल्फगांग कोहलर, कुर्ट कोफका तथा कुर्ट लेविन प्रमुख थे। गेस्टाल्ट एक जर्मनी भाषा का शब्द है जिसका तात्पर्य संगठित व पूर्ण अथवा पूर्णकृतिक संरचना से हैं सीखने के अंतर्दृष्टि सिद्धांत को गेस्टाल्ट सिद्धांत, पूर्णकार सिद्धांत, समग्र सिद्धांत, या सुझा सिद्धांत आदि नामों से जाना जाता है।

150. “एक छोटा बच्चा भूतकाल में समान परिस्थिति में उसके द्वारा की गई प्रतिक्रिया के आधार पर नवीन परिस्थिति पर प्रतिक्रिया देता है।” यह संबंधित है—

- (a) अधिगम का “समरूपता का नियम”
 - (b) अधिगम का “प्रभाव का नियम”
 - (c) अधिगम प्रक्रिया का “अभिव्यक्ति का नियम”
 - (d) अधिगम का “तत्परता का नियम”

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (a) जब कोई छोटा बच्चा भूतकाल में समान परिस्थिति में उसके द्वारा की गयी प्रतिक्रिया के आधार पर नवीन परिस्थिति पर प्रतिक्रिया देता है तो यह अधिगम के समरूपता के नियम को परिस्थितियों में उसी प्रकार की अनुक्रियाएँ करता है जिस प्रकार की अनुक्रियाएँ वह लगभग समान या सादृश्य परिस्थितियों में पूर्व में करके सफलता प्राप्त कर चका होता है।

151. निम्नलिखित में से कौन-सा सीखने का क्षेत्र है?

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (a) शिक्षण-अधिगम के फलस्वरूप छात्रों के व्यवहार में होने वाले परिवर्तन तीन क्षेत्रों यथा-ज्ञानात्मक क्षेत्र, भावात्मक क्षेत्र तथा मनोचालक क्षेत्र में हो सकते हैं। छात्रों के व्यवहार में होने वाले इन तीन प्रकार के परिवर्तनों के आधार पर ही बैंजामिन एस. ब्लूम ने शिक्षण-अधिगम के उद्देश्यों को तीन भग्गों (i) ज्ञानात्मक उद्देश्य (ii) भावात्मक उद्देश्य (iii) मनोचालक उद्देश्य में विभाजित किया था।

5. अभिप्रेरणा एवं अधिगम

152. अपने विद्यार्थियों को अभिप्रेरित करने के लिए एक प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक द्वारा प्रयोग किया जा सकने वाला सर्वोत्तम तरीका क्या है?

- (a) संपूर्ण कक्षा के लिए दृढ़ लक्ष्य और मील के पत्थर निर्धारित करना।
- (b) सर्वाधिक उपहृत विद्यार्थियों को पुरस्कृत और प्रशंसा करना।
- (c) बच्चों को अपने स्वयं लक्ष्य निर्धारित करने और उनकी प्राप्ति के लिए कार्य करने में सहायता करना।
- (d) विद्यार्थियों में अंकों के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ाना।

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (c) बच्चों को अपने स्वयं लक्ष्य निर्धारित करने और उनकी प्राप्ति के लिए कार्य करने में सहायता करना अपने विद्यार्थियों को अभिप्रेरित करने के लिए एक प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक द्वारा प्रयोग किया जा सकने वाला सर्वोत्तम तरीका है।

153. निम्नलिखित में से कौन-सा अभिप्रेरण का एक कारक नहीं होगा?

- (a) अच्छे निष्पादन के लिए पुरस्कार देना।
- (b) प्राप्तियों के लिए प्रोत्साहन देना।
- (c) लक्ष्य प्राप्ति या उससे आगे निकलने के लिए प्रशंसा।
- (d) एक विषय का उच्च दोहराव अभ्यास निर्दिष्ट करना।

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (d) अभिप्रेरण के निम्नलिखित कारक हैं-

- (i) अच्छे निष्पादन के लिए पुरस्कार देना।
- (ii) प्राप्तियों के लिए प्रोत्साहन देना।
- (iii) लक्ष्य प्राप्ति या उससे आगे निकलने के लिए प्रशंसा।

जबकि एक विषय का उच्च दोहराव अभ्यास निर्दिष्ट करना यह अभिप्रेरण का कारक नहीं है।

154. कौन-सा सिद्धांत कहता है कि “अत्युत्तम अधिगम वहीं होता है जब शिक्षक सफलता से विद्यार्थियों में दिलचस्पी जगाता है”?

- (a) प्रेरणा का सिद्धांत
- (b) उत्तेजन का सिद्धांत
- (c) लक्ष्य स्थापन का सिद्धांत
- (d) साहचर्य का सिद्धांत

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (a) प्रेरणा का सिद्धांत कहता है कि “अत्युत्तम अधिगम वहीं होता है जब शिक्षक सफलता से विद्यार्थियों में दिलचस्पी जगाता है।” आधुनिक शिक्षा मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि अधिगम के लिए अभिप्रेरित शिक्षार्थी ही प्रभावी अधिगम अर्जित कर सकता है। इसलिए आवश्यक है कि विद्यार्थियों को अभिप्रेरित करने के लिए उनमें अधिगम के प्रति दिलचस्पी जगाये।

155. किसी बालक को सीखने के लिए अभिप्रेरित करने का सर्वोत्तम तरीका है-

- (a) उसके आत्मगौरव तथा आत्म-सम्मान को आकर्षित करना।

- (b) सकारात्मक प्रेरकों (उद्दीपकों) का खुलकर प्रयोग करना।
- (c) उन उद्देश्यों को पुनः प्रणालित करना जो व्यक्ति के पास पहले से हैं।
- (d) उसे असफलता तथा दण्ड का डर दिखाना।

PRT KVS 2010

Ans : (b) किसी बालक को सीखने के लिए अभिप्रेरित करने का सर्वोत्तम तरीका है— सकारात्मक प्रेरकों का खुलकर प्रयोग करना। सकारात्मक अभिप्रेरक वे उद्दीपक होते हैं जो किसी कार्य को करने के लिए निर्देशित करते हैं। इनकी उपस्थिति अधिगम को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है।

156. अन्तिम रूप से कक्षा-कक्ष में अभिप्रेरण की कुंजी क्या है?

- (a) विषय-वस्तु में निहित रुचि
- (b) अध्यापक का व्यक्तित्व
- (c) पाठ्यचर्यात्मक अनुभवों की उपयुक्तता
- (d) कक्षा-कक्ष का भावात्मक वातावरण

PRT KVS 2010

Ans : (a) अन्तिम रूप में कक्षा-कक्ष में अभिप्रेरण की कुंजी विषय वस्तु में निहित रुचि होती है। जब बच्चे पढ़ाई जाने वाली विषय-वस्तु में रुचि लेते हैं तथा विषय-वस्तु उनके वास्तविक जीवन से संबंधित होती है तो वे सीखने के लिए अभिप्रेरित होते हैं।

157. अनुसंधान से पता चलता है कि सीखने की प्रक्रिया में एक प्रबल चर है, संभवतः योग्यता से भी ज्यादा महत्वपूर्ण चर-

- | | |
|----------------|----------------|
| (a) अपेक्षा | (b) अनभिज्ञता |
| (c) अभिप्रेरणा | (d) निरूत्साहन |

PRT KVS 04-10-2015

Ans : (c) अभिप्रेरणा सीखने की प्रक्रिया में एक प्रबल चर है क्योंकि अभिप्रेरणा में व्यक्ति का व्यवहार लक्ष्य निर्देशित होता है। अभिप्रेरणा व्यक्ति में ऊर्जा परिवर्तन लाती है, जो अधिक क्रियाशील तथा अधिक उर्जित होता है तथा जो सीखने की प्रक्रिया को प्रभावकारी बनाता है। गुड के अनुसार— “अभिप्रेरणा किसी कार्य को प्रारम्भ करने, जारी रखने अथवा नियंत्रित करने की प्रक्रिया है।”

158. भूख, प्यास, सुरक्षा की आवश्यकता सभी प्रेरक है।

- | | |
|-------------|----------------------------|
| (a) कृत्रिम | (b) अर्जित |
| (c) सामाजिक | (d) प्राकृतिक या स्वाभाविक |

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (d) भूख, प्यास, सुरक्षा की आवश्यकता सभी प्राकृतिक या स्वाभाविक अभिप्रेरक हैं। इसे जन्मजात अभिप्रेरक भी कहते हैं। जन्मजात अभिप्रेरक वे अभिप्रेरित होते हैं जो व्यक्ति में जन्म से पाये जाते हैं। जैसे— भूख, प्यास, विश्राम, निद्रा आदि।

159. अभिप्रेरणा (Motivation) की अनुचित विधि है—

- (a) दण्ड
- (b) प्रशंसा एवं दोषारोपण
- (c) प्रगति की जानकारी
- (d) प्रतिस्पर्धा

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (a) दण्ड अभिप्रेरणा की अनुचित विधि है, जिसके द्वारा व्यक्तियों को अवांछित कार्यों को करने से रोका जाता है। दण्ड कई प्रकार का हो सकता है— शारीरिक दण्ड, आर्थिक दण्ड, सामाजिक दण्ड, मानसिक श्रम दण्ड, मनौवैज्ञानिक दण्ड तथा वैधानिक दण्ड आदि।

160. एक शिक्षक अपने विद्यार्थियों को नया पाठ पढ़ाने से पहले विनोदी प्रवृत्ति (Funactivity) में शामिल करता है। यह प्रवृत्ति का हेतु (purpose) है—

- (a) विद्यार्थियों का ध्यान परिवर्तन के लिए
- (b) विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए
- (c) शिक्षक का कार्यभार कम करना
- (d) पढ़ाई से पहले विद्यार्थियों को शिस्तबद्ध करना (discipline)

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (b) एक शिक्षक अपने विद्यार्थियों को नया पाठ पढ़ाने से पहले विनोदी प्रवृत्ति में शामिल करता है, ऐसा इसलिए करता है ताकि विद्यार्थियों को प्रेरित किया जा सके। विनोदी प्रवृत्ति के माध्यम से शिक्षक कक्षा कक्ष को शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के अनुरूप ढालता है ताकि विद्यार्थियों में डर की भावना समाप्त हो जाये और सहज रूप से सीखने के लिए प्रेरित हो सके।

161. अभिप्रेरणा के सिद्धांत के अनुसार एक शिक्षक अधिगम को बढ़ा सकता है—

- (a) अपेक्षाओं के समान मानकों की स्थापना द्वारा
- (b) छात्रों से कोई भी अपेक्षा न रखते हुए
- (c) अत्यंत उच्च अपेक्षाएँ स्थापित करके
- (d) छात्रों से यथार्थ अपेक्षाएँ स्थापित करके

PRT Post Code 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (d) अभिप्रेरणा के सिद्धांत के अनुसार एक शिक्षक छात्रों से यथार्थ अपेक्षाएँ स्थापित करके उनके अधिगम को बढ़ा सकता है। विद्यार्थियों से अपेक्षाएँ उनकी मानसिक योग्यता के आधार पर ही करनी चाहिए। कभी-कभी विद्यार्थियों से अव्यवहारिक उच्च अपेक्षाएँ उनमें निराशा व कुण्ठा उत्पन्न करती है। इसी प्रकार निम्न अपेक्षाएँ भी विद्यार्थियों के अधिगम को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती हैं। इसलिए विद्यार्थियों से यथार्थ अपेक्षाएँ करनी चाहिए।

162. एक छात्र चिकित्सा महाविद्यालय में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा में सफल होने के लिए कड़ी मेहनत करता है। कक्षा को अभिप्रेरित कहा जाता है—

- | | |
|--------------|----------------------|
| (a) अनुभव से | (b) स्वतः |
| (c) अन्य से | (d) व्यक्तिगत रूप से |

PRT Post Code 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (c) यदि कोई छात्र मात्र चिकित्सा महाविद्यालय में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा में सफल होने के लिए कड़ी मेहनत करता है तो छात्र अन्य से प्रेरित कहा जायेगा। इसे बाह्य अभिप्रेरणा, द्वितीयक अभिप्रेरणा या अप्राकृतिक अभिप्रेरणा भी कहा जाता है। बाह्य अभिप्रेरणा के उदाहरण हैं— परीक्षा परिणाम, पुस्कार, दण्ड, प्रतियोगिता, प्रशंसा निन्दा आदि। बाह्य अभिप्रेरणा से तात्पर्य एक ऐसे प्रोत्साहन से होता है जो शिक्षार्थी को बाहरी वातावरण में दिया जाता है तथा जिससे शिक्षार्थी के व्यवहार को एक निश्चित दिशा में मोड़ दिया जाता है।

163. अधिगम प्रक्रिया में अभिप्रेरणा—

- (a) शिक्षार्थी की स्मरणशक्ति को तीक्ष्ण करती है
- (b) पुराने अधिगम से नवीन अधिगम को भिन्न करती है
- (c) शिक्षार्थी को एक ही दिशा में विचार करवाती है
- (d) तरुण शिक्षार्थीयों के बीच अधिगम को रुचिकर बनाती है

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (d) अधिगम प्रक्रिया में अभिप्रेरणा तरुण शिक्षार्थीयों के बीच अधिगम को रुचिकर बनाती है। सफल शिक्षण अधिगम के लिए अभिप्रेरणा का होना सबसे महत्वपूर्ण होता है। अधिगम की दृष्टि से अभिप्रेरणा के निम्न रूप अधिगम प्रक्रिया में अधिक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं—

- पुरस्कार तथा दण्ड
- प्रशंसा तथा निन्दा
- परिणाम तथा ज्ञान
- स्पर्धा तथा प्रतियोगिता आदि।

6. संवेग एवं अधिगम

164. जब विद्यालयी बच्चे शराती, विस्फोटक, विद्रोही अथवा भावशून्य हो जाएं तो अध्यापक को सर्वप्रथम, ध्यान देना चाहिए—

- (a) निर्धारित कार्य की उपयुक्तता तथा बच्चों से की गई अपेक्षाओं की ओर
- (b) कक्षा की समाजमितीय संरचना की ओर
- (c) घर और समुदाय को गुप्त रूप से दुर्बल बनाने वाला प्रभाव की ओर
- (d) उसके घर के वातावरण की ओर जहाँ से बच्चा आता है

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (a) जब विद्यालयी बच्चे शराती, विस्फोटक, विद्रोही अथवा भावशून्य हो जाएं तो अध्यापक को सर्वप्रथम निर्धारित कार्य की उपयुक्तता तथा बच्चों से की गई अपेक्षाओं की ओर ध्यान देना चाहिए।

165. विद्यार्थियों का संवेगी आयोजन सार्थक होता है—

- | | |
|--------------------------|---------------------|
| (a) व्यक्तित्व बनाने में | (b) वर्ग-अभ्यास में |
| (c) अनुशासन में | (d) उपरोक्त सभी |

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (d) विद्यार्थियों का संवेगी आयोजन निम्न कार्यों में सार्थक होता है—

- व्यक्तित्व बनाने में
- वर्ग अभ्यास में
- अनुशासन में
- तनाव को कम करने में
- उच्च स्तरीय चिंतन कौशलों को एकीकृत करने में
- व्यवस्थित रूप से संवेगात्मक अभिव्यक्ति करने में

166. भाव को किस रूप में परिभाषित किया गया है?

- (a) शरीर, सिर या पैर की गति, विशेष रूप से हाथों या चेहरे का समावेशन
- (b) शरीर की गति, विशेष रूप से हाथों या चेहरे का समावेशन
- (c) शरीर, सिर या पैर की गति
- (d) शरीर सिर की गति विशेष रूप से हाथों पर चेहरे का समावेशन

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (a) भाव शरीर, सिर या पैर की गति, विशेष रूप से हाथों या चेहरे का समावेशन को शामिल करता है। संवेग तथा भाव दोनों के भावात्मक प्रकृति के होने के बावजूद इसमें कई अंतर होते हैं। भाव एक सरल प्रक्रिया है जबकि संवेग एक जटिल प्रक्रिया होती है। भाव सामान्यतः केवल आत्मगत होते हैं परन्तु संवेग आत्मगत व वस्तुगत दोनों प्रकार के हो सकते हैं। भाव संवेग के बिना भी हो सकते हैं परन्तु संवेग में भावों का होना आवश्यक होता है।

167. जब बच्चे की दाढ़ी उसे उसकी माँ की गोद से लेती है, तो बच्चा रोने लगता है। बच्चा के कारण रोता है।

- (a) संवेगात्मक दुश्चिंहा
- (b) अजनबी दुश्चिंहा
- (c) वियोग दुश्चिंहा
- (d) सामाजिक दुश्चिंहा

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (c) जब बच्चे की दाढ़ी उसे उसकी माँ की गोद से लेती है, तो बच्चा रोने लगता है। बच्चा वियोग दुश्चिंहा के कारण रोता है। लगभग 6 मास की अवस्था तक बच्चे में भय, क्रोध, कष्ट, धृणा जैसे संवेगों का विकास हो जाता है। वे अपने संवेगों का प्रदर्शन प्रायः रोकर या चिल्लाकर करते हैं। अतः जब दाढ़ी उसे उसकी माँ की गोद से लेती है तो उसमें भय और वियोग या पलायन जैसे संवेग की उत्पत्ति होती है जिसकी अभिव्यक्ति बच्चा रोकर करता है।

7. बुद्धि का अर्थ, सिद्धांत एवं बुद्धि मापन

168. बुद्धि और रचनात्मकता के विषय में कौन-सा कथन सत्य है?

- (a) रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए बुद्धि आवश्यक नहीं है।
- (b) मानव व्यक्तित्व के लिए बुद्धि और रचनात्मकता दो स्वतंत्र कार्य हैं।
- (c) रचनात्मकता और बुद्धि केवल पर्यावरण से प्राप्त किया जाता है।
- (d) बुद्धि और रचनात्मकता में कोई अंतर नहीं है।

NVS, TGT 18-09-2019 (II)

Ans : (b) “बुद्धि और रचनात्मकता मानव व्यक्तित्व के दो स्वतंत्र कार्य हैं।”— यह कथन बुद्धि और रचनात्मकता के सम्बन्ध में सही है। सामान्यतः देखा जाता है कि जिन बच्चों की बुद्धिलब्धि अधिक होती है उनमें रचनात्मकता भी अधिक होती है किन्तु कभी-कभी निम्न बुद्धिलब्धि वाले बच्चों में भी रचनात्मकता सामान्य से ज्यादा होती है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि बुद्धि और रचनात्मकता दोनों स्वतंत्र होते हैं।

169. निम्नांकित में से कौन-सा बुद्धि का निष्पादन परीक्षण नहीं है?

- (a) कैटल का संस्कृति निरपेक्ष परीक्षण
- (b) कॉर्नेल कॉक्स स्केल
- (c) भाटिया बैटरी परीक्षण
- (d) कोह का ब्लॉक डिजाइन परीक्षण

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (b) कॉर्नेल कॉक्स स्केल बुद्धि का निष्पादन परीक्षण नहीं है जबकि कैटल का संस्कृति निरपेक्ष परीक्षण, भाटिया बैटरी परीक्षण, कोह का ब्लॉक डिजाइन परीक्षण, पिन्टनर-पैटरसन स्केल ऑफ परफॉर्मेंस, आर्म्स एल्फा परीक्षण, वैश्लर प्रौढ़ बुद्धि परीक्षण आदि बुद्धि के निष्पादन परीक्षण के अन्य प्रकार हैं।

170. बहु बुद्धिमत्ता सिद्धांत द्वारा दिया गया।

- (a) कोहलर
- (b) गार्डनर
- (c) पियाजे
- (d) पावलोव

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (b) सन् 1983 में हावर्ड गार्डनर ने बहुबुद्धि सिद्धांत नामक बुद्धि के एक नये सिद्धांत का प्रतिपादन किया। गार्डनर ने कहा कि बुद्धि का स्वरूप एकांकी न होकर बहु-प्रकारीय होता है। उन्होंने उस समय कुल सात तरह की बुद्धि बतायी है।

171. आई क्यू प्राप्तांकों के साथ शैक्षिक निष्पादन का अंतर्संबंध है—

- (a) निम्न
- (b) मध्यम
- (c) उच्च
- (d) बिल्कुल सही

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (c) IQ प्राप्तांकों के साथ शैक्षिक निष्पादन का अंतर्संबंध उच्च है। इसीलिए प्रतिभाशाली बच्चे प्रायः अपने शैक्षिक निष्पादन में भी बेहतर होते हैं।

172. आई क्यू स्तर पर जो लोगों को बुद्धिमत्ता की कमी से अलग करता है—

- (a) 50
- (b) 70
- (c) 80
- (d) 100

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (b) आई क्यू स्तर पर जो लोगों की बुद्धिमत्ता की कमी से अलग करता है वह $IQ = 70$ है। 70 से अधिक आई क्यू वाले व्यक्ति बुद्धिमत्ता में सामान्य से ऊपर होते हैं जबकि 70 से कम आई क्यू वाले व्यक्ति सामान्य से नीचे या मंद बुद्धि की श्रेणी में होते हैं।

173. हॉवर्ड गार्डनर के बहु बुद्धिमत्ता के अनुसार, विद्यालयों में बुद्धिमत्ता के किस रूप का सम्मान नहीं किया जाता है?

- (a) स्थानिक
- (b) भाषा-संबंधी
- (c) तार्किक
- (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (a) हावर्ड गार्डनर के बहु-बुद्धि सिद्धांत के अनुसार, विद्यालयों में बुद्धिमत्ता के स्थानिक रूप का सम्मान नहीं किया जाता है। हावर्ड गार्डनर के बहु-बुद्धि सिद्धांत के अनुसार स्थानिक बुद्धि से तात्पर्य स्थानिक चित्रण व कल्पनाशक्ति से है। इनके अनुसार विद्यालयों में प्रायः पाठ्य-वस्तु को पारम्परिक तरीके से पढ़ाने पर जोर दिया जाता है जिसमें बच्चों की कल्पनात्मकता, सृजनात्मकता आदि की उपेक्षा होती है।

174. साइकोमेट्रिक परीक्षण में, 'g कारक' का अस्तित्वद्वारा प्रस्तावित किया गया।
 (a) बिनेट (b) बेबेज
 (c) थार्नडाइक (d) स्पीयरमैन

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (d) साइकोमेट्रिक परीक्षण में, 'g कारक' का अस्तित्व स्पीयरमैन द्वारा प्रस्तावित किया गया। 'जी कारक' (जिसे सामान्य बुद्धिमत्ता, सामान्य मानसिक क्षमता या सामान्य बुद्धि कारक के रूप में भी जाना जाता है) संज्ञानात्मक क्षमताओं और मानव बुद्धि की साइकोमेट्रिक जाँच में विकसित एक निर्माण है।

175. कौन-सा गार्डनर की सात बुद्धिमत्ताओं की सूची में नहीं है?

- (a) स्थानिक (b) प्रकृतिवादी
 (c) भौतिक (d) अंतरावैयक्तिक

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (c) सन् 1983 में हॉवर्ड गार्डनर ने बहु-बुद्धि सिद्धांत का प्रतिपादन किया। इन्होंने कहा कि बुद्धि का स्वरूप एकाकी न होकर बहु प्रकारीय होता है। उन्होंने कुल सात तरह की बुद्धि बताते हुए कहा कि ये सातों बुद्धि एक-दूसरे से स्वतंत्र है। बुद्धि के सात प्रकार क्रमशः हैं— (i) भाषायी बुद्धि, (ii) तार्किक-गणितीय बुद्धि, (iii) स्थानिक बुद्धि, (iv) शरीर-गतिकी बुद्धि, (v) संगीत बुद्धि, (vi) अंतर्वैयक्तिक बुद्धि तथा (vii) अंतरावैयक्तिक बुद्धि है। बाद में इन्होंने आठवें बुद्धि के रूप में प्राकृतिक बुद्धि को जोड़ा।

176. कौन-सा एक थर्सटोन पी.एस.ए. नहीं है?

- (a) संख्या (b) भावना
 (c) स्मरणशक्ति (d) तार्किकता

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (b) थर्सटन ने कारक विश्लेषण (Factor Analysis) नामक सांख्यिकीय प्रविधि का प्रयोग करके छह प्राथमिक कारकों का पता लगाया था, जिन्हें उन्होंने प्राथमिक मानसिक योग्यताओं (Primary Mental Abilities) के नाम से सम्बोधित किया। बुद्धि के ये छः प्राथमिक कारक क्रमशः आंकिक कारक, शाब्दिक कारक, स्थानिक कारक, वाक्पटुता कारक, तार्किक कारक तथा स्मृति कारक हैं। भावना कारक थर्सटन की PMA नहीं है।

177. 25 साल के लड़के की मानसिक उम्र 16 साल है, तो उसका आईक्यू (IQ) होगा—

- (a) 64 (b) 75
 (c) 80 (d) 100

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (a) यदि 25 साल के लड़के की मानसिक आयु 16 साल है तो उसका आईक्यू (IQ) 64 होगा क्योंकि—

$$\text{बुद्धि लब्धि (IQ)} = \frac{\text{मानसिक आयु}}{\text{वास्तविक आयु}} \times 100$$

$$= \frac{16}{25} \times 100$$

$$IQ = 64$$

टरमैन के अनुसार 64 आईक्यू वाले बच्चे जड़ बुद्धि होते हैं।

178. व्यक्तित्व सूची और बुद्धि परीक्षण में यह अन्तर है—

- (a) लम्बाई का
 (b) तरीके का
 (c) सही और गलत उत्तरों का
 (d) विदेशी निर्माण का

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (c) व्यक्तित्व सूची और बुद्धि परीक्षण में सही और गलत उत्तरों का अंतर होता है। बुद्धि परीक्षण में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न कार्यों को मोटे तौर पर छः प्रमुख मानसिक कार्यों में बाँटा जा सकता है जैसे— सूचना सम्बन्धी कार्य, शाब्दिक कार्य, आंकिक कार्य, अमूर्त चिंतन कार्य, आकृतिक कार्य एवं स्थूल वस्तु कार्य। इन कार्यों को करने के लिए व्यक्ति को कुछ टास्क (कार्य) या समस्या दिया जाता है जिस पर व्यक्ति अपनी प्रतिक्रिया देता है। वहीं व्यक्तित्व सूची प्रश्नों का एक संकलन होता है जिस पर प्रत्युत्तर के द्वारा विभिन्न परिस्थितियों में व्यक्ति अपने व्यवहार के सम्बन्ध में सूचना प्रदान करता है।

179. पहले विश्व युद्ध के दौरान अमेरिका में व्यक्ति की बुद्धिमत्ता का परीक्षण से आरम्भ हुआ।

- (a) अनुभव (b) पूर्ण तरह
 (c) सम्प्रिलन (d) समूह

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (d) सामूहिक बुद्धि परीक्षणों का आरम्भ अमेरिका में प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान हुआ। इस समय सेना में सैनिकों तथा अधिकारियों की भर्ती के लिए इच्छुक हजारों लाखों व्यक्तियों की मानसिक योग्यता का मापन करने के लिए ऐसे बुद्धि परीक्षण की आवश्यकता प्रतीत हुई जो एक साथ अनेक व्यक्तियों पर सरलता के साथ प्रशासित किया जा सके। इसके फलस्वरूप आर्मी अल्फा परीक्षण तथा आर्मी बीटा परीक्षण का निर्माण हुआ। आर्मी अल्फा परीक्षण अंग्रेजी जानने वाले व्यक्तियों के लिए तथा आर्मी बीटा परीक्षण अंग्रेजी न जानने वाले व अशिक्षितों के लिए था।

180. पहला बिनेट-सायमन परीक्षण संशोधन के साथ

1908 और में लाया गया।

- (a) 1911 (b) 1912
 (c) 1913 (d) 1914

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (a) पहला बिने साइमन परीक्षण वर्ष 1905 में, पुनः संशोधन के साथ वर्ष 1908 में और फिर वर्ष 1911 में पुनः परिमार्जित किया गया। 1905 के बिने साइमन परीक्षण में कुल प्रश्नों की संख्या 30 थी। 1908 में प्रश्नों में कुल प्रश्नों की संख्या 30 थी। 1908 में प्रश्नों में संशोधन करके इनकी संख्या 59 कर दी गयी और फिर 1911 में भी प्रश्नों की गुणवत्ता में फेरबदल की गयी।

181. दो लड़कों में से प्रत्येक की बुद्धि लब्धांक 120 है। इससे यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि—

- (a) हाईस्कूल तथा कॉलेज में दोनों सफल रहेंगे
 (b) इन लड़कों की मानसिक आयु समान है
 (c) दोनों की अभिक्षमता एक ही प्रकार की और एक जैसी होगी
 (d) उपर्युक्त में कोई भी कथन अनिवार्यतः सत्य नहीं है

PRT KVS 2010

Ans : (b) दो लड़कों में से प्रत्येक की बुद्धि लब्धांक 120 है इससे यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि इन लड़कों की मानसिक आयु समान है ऐसे बालकों को प्रखर बुद्धि की श्रेणी में रखा जाता है। $120-140$ बुद्धि लब्धांक वाले बालक को प्रखर बुद्धि के बालक माने जाते हैं- बुद्धि लब्धि = $\frac{\text{मानसिक आयु}}{\text{वास्तविक आयु}} \times 100$

182. कुशाग्रबुद्धि परीक्षण (Comprehensive Evaluation) का संबंध इसके मूल्यांकन से होता है-

- (a) सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ
- (b) शैक्षिक विषय
- (c) शैक्षिक और सह-शैक्षिक क्षेत्र दोनों
- (d) सारांशयी मूल्यांकन परीक्षा

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

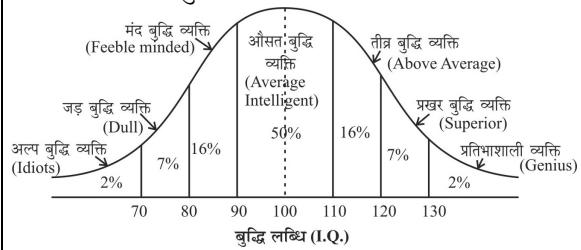
Ans : (c) कुशाग्र बुद्धि परीक्षण का संबंध शैक्षिक और सह शैक्षिक दोनों क्षेत्रों से होता है। इसे व्यापक मूल्यांकन द्वारा ही आकलित किया जा सकता है। व्यापक मूल्यांकन विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास के आकलन का ध्यान रखता है। इस प्रकार के मूल्यांकन का उद्देश्य केवल किसी विषय विशेष के ज्ञान को अँकना नहीं है, बल्कि ज्ञान के अन्य क्षेत्रों, जैसे कि कला, शिल्प, जीवन कौशलों आदि में भी उसकी सहभागिता को अँकना है।

183. “अधिकांश लोग औसत दरजे के होते हैं, कुछ बहुत बुद्धिमान और कुछ बहुत मन्दबुद्धि होते हैं” यह कथन इस प्रमाणित सिद्धांत पर आधारित है-

- (a) बुद्धि का वर्गीकरण
- (b) बुद्धि का विकास
- (c) बुद्धि और लिंग भेद
- (d) बुद्धि और जातीय भेद

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (a) उपर्युक्त कथन बुद्धि के वर्गीकरण सिद्धांत पर आधारित है। सन् 1916 में टरमैन द्वारा बुद्धि लब्धि (Intelligence Quotient) का प्रयोग किया गया था। बुद्धि लब्धि बालकों के मानसिक विकास को व्यक्त करने वाला एक निरपेक्ष मान है, जिसकी सहायता से बालक या व्यक्ति को कुशाग्र, औसत या सामान्य एवं मंद बुद्धि के रूप में बाँटा जा सकता है। टरमैन द्वारा बुद्धि लब्धि वक्र का वितरण प्रस्तुत किया गया है जो निम्न है-



184. बहुविधि बुद्धि सिद्धांत के अनुसार, विविध जानवर, खनिज और पौधों को पहचानने और वर्गीकृत करने की क्षमता को कहते हैं-

- (a) प्रकृति वैज्ञानिक बुद्धि
- (b) भाषाई बुद्धि
- (c) स्थानिक बुद्धि
- (d) तार्किक-गणितीय बुद्धि

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (a) विविध जानवर, खनिज और पौधों को पहचानने और वर्गीकृत करने की क्षमता बहुविधि बुद्धि सिद्धांत के प्रकृति वैज्ञानिक बुद्धि के अंतर्गत आती है। प्रकृति वैज्ञानिक बुद्धि से अभिप्राय जीव तथा जैविक सामग्री को पहचानने तथा उन्हें वर्गीकृत करने की क्षमता से है। बहु-बुद्धि का सिद्धांत हॉवर्ड गार्डनर द्वारा प्रतिपादित किया गया था।

185. यदि एक बालक की वास्तविक आयु 12 वर्ष है, तथा उसका बुद्धि-लब्धि स्तर 75 है, तो उसकी मानसिक आयु होगी-

- | | |
|-------------|-------------|
| (a) 8 वर्ष | (b) 9 वर्ष |
| (c) 10 वर्ष | (d) 12 वर्ष |

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (b) यदि एक बालक की वास्तविक आयु 12 वर्ष है तथा उसका बुद्धि-लब्धि स्तर 75 है तो उसकी मानसिक आयु 9 वर्ष होगी, क्योंकि

$$\text{बुद्धि लब्धि} = \frac{\text{मानसिक आयु}}{\text{वास्तविक आयु}} \times 100$$

$$75 = \frac{\text{मानसिक आयु}}{12} \times 100$$

$$\text{मानसिक आयु} = 9 \text{ वर्ष}$$

186. मानसिक आयु की संकल्पना का सर्वप्रथम प्रयोग किया गया था-

- (a) बिने-साइमन मापनी- 1905
- (b) बिने-साइमन मापनी- 1908
- (c) बिने-साइमन मापनी- 1911
- (d) बिने-साइमन मापनी- 1916

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (b) मानसिक आयु की संकल्पना का सर्वप्रथम प्रयोग बिने तथा साइमन ने अपने परीक्षण में संशोधन के दौरान वर्ष 1908 में किया था। बिने ने कहा कि कुछ ऐसी मानसिक क्रियाओं का चयन किया जा सकता है, जिनकी किसी दी गयी विशेष आयु के सामान्य बालक से सफलतापूर्वक करने की अपेक्षा की जा सकती है। जिस आयु के लिए अपेक्षित मानसिक कार्यों को कोई बालक सफलतापूर्वक कर लेता है, उसे उस बालक की मानसिक आयु कही जा सकती है, भले ही उसकी वास्तविक आयु इससे कम या अधिक क्यों न हो।

187. यदि एक बालक की वास्तविक आयु 12 वर्ष है, और वह 15 वर्ष की आयु वाले बालक के लिए बनाया गया बुद्धि परीक्षण हल कर सकता है, तो उसकी बुद्धि लब्धि होगी-

- (a) 150
- (b) 100
- (c) 125
- (d) 120

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) यदि एक बालक की वास्तविक आयु 12 वर्ष है और वह 15 वर्ष की आयु वाले बालक के लिए बनाया गया बुद्धि परीक्षण हल कर सकता है, तो उसकी बुद्धि लम्बि

$$\text{बु.ल.} = \frac{\text{मानसिक आयु}}{\text{वास्तविक आयु}} \times 100$$

$$= \frac{15}{12} \times 100$$

$$= 125$$

अतः उसकी बुद्धि लम्बि 125 होगी।

188. बुद्धि-लम्बि ज्ञात करने का सूत्र है-

- (a) बु.ल. = $\frac{\text{वास्तविक आयु}}{\text{मानसिक आयु}} \times 100$
- (b) बु.ल. = $\frac{\text{वास्तविक आयु}}{\text{शैक्षिक आयु}} \times 100$
- (c) बु.ल. = $\frac{\text{मानसिक आयु}}{\text{वास्तविक आयु}} \times 100$
- (d) बु.ल. = $\frac{\text{मानसिक आयु}}{\text{शैक्षिक आयु}} \times 100$

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) बु.ल. = $\frac{\text{मानसिक आयु}}{\text{वास्तविक आयु}} \times 100$

189. “बुद्धि तार्किक चिन्तन है।” बुद्धि की यह परिभाषा दी है-

- (a) स्टर्न ने
- (b) टर्मन ने
- (c) स्पीयरमैन ने
- (d) बिनेट ने

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) स्पीयरमैन के अनुसार— “बुद्धि तार्किक चिंतन करने की योग्यता है।”

स्टर्न के अनुसार— “बुद्धि एक सामान्य योग्यता है, जिसके द्वारा व्यक्ति नई परिस्थितियों के साथ समायोजन करता है।”

टर्मन के अनुसार— “बुद्धि अमूर्त विचारों के बारे में सोचने की योग्यता है।”

बिनेट के अनुसार— “बुद्धि अवबोध पर आधारित खोजपरकता जो उचित ढंग से तर्क करने तथा उचित ढंग से निर्णय करने से इंगित होती है, के रूप में व्यक्त की जा सकती है।”

190. वर्ग में चार विद्यार्थियों का I.Q. औसत से कम है। निम्न में से कौन—सी प्रणाली उनको अन्य विद्यार्थियों के समकक्ष लाने में सर्वाधिक असरकारक होगी?

- (a) उनको अग्र पंक्ति में बिठाकर उनके कार्यों का सतत निरीक्षण करें
- (b) उनके सीखने के मंद क्षेत्र को पहचानकर उसका उचित उपचारात्मक प्रयत्न करें
- (c) निश्चित करें कि वे नियमित पाठशाला में उपस्थित रहे
- (d) उनको घर पर अधिक गृहकार्य करने को दें

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (b) यदि वर्ग में चार विद्यार्थियों का I.Q. औसत से कम है तो उनके सीखने के मंद क्षेत्र को पहचानकर उसका उचित उपचारात्मक प्रयत्न करना चाहिए ताकि उनको अन्य विद्यार्थियों के समकक्ष लाया जा सके। यदि वर्ग में कमजोर छात्र होते हैं तो उनको अतिरिक्त अनुदेशन देकर भी उन्हें कक्षा के अन्य विद्यार्थियों के समकक्ष लाया जा सकता है।

191. बहुविकल्पीय बुद्धिमत्ता सिद्धांत के अनुसार जानवरों खनिजों तथा पौधों की सभी किस्मों की पहचान करने तथा वर्गीकृत करने की योग्यता प्राकृतिक बुद्धिमत्ता कहलाती है—

- (a) प्राकृतिक बुद्धिमत्ता
- (b) भाषागत बुद्धिमत्ता
- (c) स्थानिक बुद्धिमत्ता
- (d) तार्किक गणितीय बुद्धिमत्ता

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

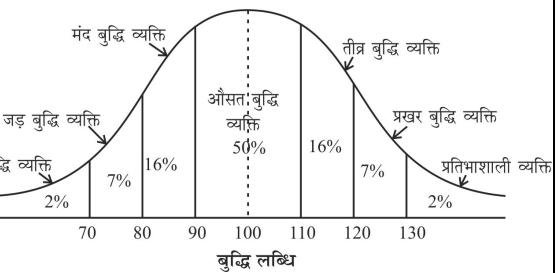
Ans : (a) बहुविकल्पीय बुद्धिमत्ता सिद्धांत के अनुसार जानवरों, खनिजों तथा पौधों की सभी किस्मों की पहचान करने तथा वर्गीकृत करने की योग्यता प्राकृतिक बुद्धिमत्ता कहलाती है। हावर्ड गार्डनर ने अपने बहुबुद्धि सिद्धांत के अंतर्गत प्रारम्भ में सात प्रकार के बुद्धि की बात कही थी किन्तु बाद में अपने सिद्धांत में संशोधन करते हुए प्राकृतिक बुद्धिमत्ता को भी जोड़ा जो प्राकृतिक वस्तुओं के मध्य विभेद स्थापित करने व उनकी पहचान करने की योग्यता से संबंधित है।

192. “लोगों का बहुभाग औसत है, कुछ अधिक बुद्धिमान हैं और कुछ बहुत मंद बुद्धि हैं” यह कथन स्थापित सिद्धांत पर आधारित है—

- (a) बुद्धिमत्ता का वितरण
- (b) बुद्धिमत्ता का विकास
- (c) बुद्धिमत्ता तथा लिंग भिन्नता
- (d) बुद्धिमत्ता तथा प्रजाति भिन्नता

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (a) “लोगों का बहुभाग औसत है, कुछ अधिक बुद्धिमान हैं और कुछ बहुत मंद बुद्धि के हैं।” यह कथन बुद्धिमत्ता के वितरण सिद्धांत पर आधारित है। विभिन्न प्रकार के शोधों से यह सिद्ध हो चुका है कि सभी व्यक्तियों में बुद्धि का एक समान वितरण नहीं होता है। यह वंशानुक्रम और वातावरण के प्रभाव के कारण प्रत्येक व्यक्ति में भिन्न-भिन्न होती है। टर्मन ने अपने किये गये बुद्धि परीक्षण के आधार पर किसी समूह के लिए बुद्धि लम्बि वितरण को सामान्य प्रायिकता वक्र पर निम्न प्रकार से दर्शाया है—



इस चित्र से भी यह स्पष्ट हो जाता है कि प्रत्येक व्यक्ति में बुद्धि का वितरण एक समान नहीं होता है।

193. "मस्तिष्क मापन" का तात्पर्य है—

- (a) बोधात्मकता को बढ़ाने की तकनीक
- (b) साहसिक कार्य हेतु कार्य योजना
- (c) मस्तिष्क का चित्र बनाना
- (d) मस्तिष्क के कार्यकलापों का अनुसंधान करना

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (d) "मस्तिष्क मापन" का तात्पर्य है, मस्तिष्क के कार्यकलापों का अनुसंधान करना। मस्तिष्क विभिन्न क्रियाकलापों जैसे— स्मरण, बोध, ज्ञान, चिंतन, बुद्धि संवेदनशीलता, तर्क आदि का संगठन है। जब व्यक्ति कोई कार्य प्रारम्भ करता है तो इन्हीं क्रियाकलापों के माध्यम से कार्य को आगे बढ़ाता है। मस्तिष्क मापन मस्तिष्क के इन्हीं क्रियाकलापों का अनुसंधान करना होता है।

194. एक शिक्षिका अपने शिक्षार्थियों की विभिन्न अधिगम—शैलियों को संतुष्ट करने के लिए वैविध्यपूर्ण कार्यों का उपयोग करती है। वह से प्रभावित है।

- (a) गार्डन की बहुबुद्धि सिद्धांत
- (b) वाइगोत्सकी के सामाजिक सांस्कृतिक सिद्धांत
- (c) पियाजे के संज्ञानात्मक विकास के सिद्धांत
- (d) कोहलबर्ग के नैतिक विकास के सिद्धांत

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (a) जब शिक्षिका अपने शिक्षार्थियों को विभिन्न अधिगम—शैलियों को संतुष्ट करने के लिए वैविध्यपूर्ण कार्यों का उपयोग करती है तो इसका अर्थ है कि वह गार्डनर के बहुबुद्धि सिद्धांत से प्रभावित है क्योंकि गार्डनर का मानना है कि प्रत्येक व्यक्ति में आठ प्रकार की बुद्धि होती है और किसी समस्या का समाधान खोजने के लिए भिन्न-भिन्न प्रकार की बुद्धियाँ आपस में अंतःक्रिया करते हुए साथ-साथ कार्य करती हैं। इसलिए प्रत्येक शिक्षार्थी की अधिगम शैलियाँ भिन्न-भिन्न तरीके से सीखने में सहायता करती हैं।

8. व्यक्तित्व एवं व्यक्तित्व मापन

195. किसी बच्चे के घर का सामाजिक वातावरण उसके को अत्यधिक प्रभावित करता है।

- (a) शारीरिक विकास
- (b) व्यक्तित्व विकास
- (c) सौंदर्य विकास
- (d) रचनात्मक विकास

NVS, PGT 17-09-2019 II

Ans : (b) किसी बच्चे के घर का सामाजिक वातावरण उसके व्यक्तित्व विकास को अत्यधिक प्रभावित करता है। बालक जन्म से ही एक सामाजिक प्राणी होता है तथा सबसे पहले वह अपने परिवारजनों के सम्पर्क में आता है। इसलिए पारिवारिक पृष्ठभूमि का उसके व्यक्तित्व पर प्रभाव पड़ना स्वाभाविक ही है। बालक अपने पास-पड़ोस के व्यक्तियों, तथा हम उम्र के अन्य बालकों से सम्पर्क स्थापित करता है। इन सभी का प्रभाव बालक के व्यक्तित्व विकास पर पड़ता है।

196. निम्नलिखित में से कौन-सा व्यक्तित्व मापन का प्रक्षेपण परीक्षण है?

- (a) मिनीसोटा बहुपक्षीय व्यक्तित्व तालिका
- (b) समाजमिति परीक्षण
- (c) शब्द साहचर्य परीक्षण
- (d) बैल समायोजन तालिका

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (c) शब्द साहचर्य परीक्षण व्यक्तित्व मापन का प्रक्षेपण परीक्षण है। इस प्रविधि में प्रयोज्य के समक्ष कुछ शब्द एक-एक करके प्रस्तुत किये जाते हैं एवं प्रयोज्य को प्रत्येक शब्द के तत्काल बाद उस शब्द को बताना होता है जो शब्द सुनते ही उसके दिमाग में आता है। यह माना जाता है कि असंरचित शब्दों के लिए प्रयोज्य द्वारा तत्काल बताया गया शब्द उसके व्यक्तित्व को प्रक्षेपित कर देते हैं।

197. बच्चों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास तभी अर्थपूर्ण होता है जब वे—

- (a) शारीरिक रूप से स्वस्थ होते हैं
- (b) सांवेगिक रूप से स्थिर होते हैं
- (c) सक्रिय होते हैं
- (d) अपनी कमियों और शक्तियों के बारे में पूर्णतः सजग होते हैं

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (d) बच्चों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास तभी अर्थपूर्ण होता है जब वे अपनी कमियों और शक्तियों के बारे में पूर्णतः सजग होते हैं। विकास के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होना और सांवेगिक रूप से स्थिर होना भी आवश्यक है परंतु जब बालक अपनी कमियों को जानकर उसे दूर करने का प्रयास करता है तो यह उसे सर्वांगीण विकास की दिशा में अग्रसर होने के लिए प्रेरित करता है।

198. एरिक एरिक्सन के मनोसामाजिक विकास के सिद्धांत में, 'उद्योग बनाम हीनता' का चरण वर्ष के दौरान हुआ।

- (a) 4-5
- (b) 5-12
- (c) 13-19
- (d) 2-4

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (b) एरिक एरिक्सन के मनोसामाजिक विकास के सिद्धांत में 'उद्योग बनाम हीनता' का चरण 5-12 वर्ष के दौरान हुआ। 'उद्योग बनाम हीनता' का चरण एरिक्सन के सिद्धान्त का विकासात्मक चरण है जो कि बाल्यावस्था के मध्य में (प्रारम्भिक वर्षों में) परीलक्षित होता है। बाल्यावस्था का अंतिम चरण कल्पनाशीलता से भरा होता है, यह समय बालक के सीखने के प्रति जिज्ञासा का सबसे अच्छा समय होता है। इस आयु में बालक के अन्दर हीनभावना (अपने आपको अयोग्य और असमर्थ समझने की भावना) विकसित होने की संभावना रहती है।

199. यदि एक बच्चे की कालानुक्रमिक आयु 60 माह है और उसकी मानसिक आयु 66 माह है, उसका आईक्य है—

- (a) 90
- (b) 100
- (c) 110
- (d) निर्धारित नहीं किया जा सकता

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (c) यदि एक बच्चे की कालानुक्रमिक आयु 60 माह है और उसकी मानसिक आयु 66 है तो उसका आई क्यू 110 होगा।

$$IQ = \frac{MA}{CA} \times 100 = \frac{66}{60} \times 100 = 110$$

200. माला की माताजी एक जिम्मेदार अभिभावक हैं जो माला की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ध्यान रखती हैं। माला एक शिशु है। एरिक्सन के अनुसार, माला के की संभावना है।

- (a) विश्व पर आधारभूत विश्वास का जीवनपर्यंत दृष्टिकोण बनाने की
- (b) कुछ पठन बाधाओं का अनुभव करने की
- (c) अपने भाई से लगाव बनाने में कठिनाई
- (d) उपहर (Gifted) बच्चा बनाने

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (a) माला की माताजी एक जिम्मेदार अभिभावक हैं जो माला की आवश्यकता को पूरा करने के लिए ध्यान रखती है। माता एक शिशु है। एरिक्सन के अनुसार, माला के विश्व पर आधारभूत विश्वास का जीवनपर्यंत दृष्टिकोण बनाने की सम्भावना है।

201. क्रेशमर के अनुसार, पिकनिक प्रकार के व्यक्तित्व वाले व्यक्ति की विशेषताएँ होती हैं—

- (a) सामाजिक, अन्तर्मुखी एवं शर्मीले
- (b) सामाजिक, बहिर्मुखी एवं शर्मीले
- (c) सामाजिक, बहिर्मुखी एवं मिलनसार
- (d) सामाजिक, अन्तर्मुखी एवं मिलनसार

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) शरीर रचना की दृष्टि से क्रेशमर (Kretschmer) ने वर्ष 1925 में व्यक्तित्व को तीन प्रकार का मानते हुए व्यक्तियों को निम्न तीन प्रकारों में वर्गीकृत किया—

- (i) लम्बकाय (Asthenic)
- (ii) सुडौलकाय (Athletic)
- (iii) गोलकाय (Pyknic)

गोलकाय (Pyknic)—ऐसे व्यक्ति नाटे तथा मोटे होते हैं। ये सुख व दुख, क्रियाशील व निष्क्रिय, उत्साह व निरुत्साह आदि के बीच झूलते रहते हैं। ऐसे व्यक्ति सरल स्वभाव, आराम पसन्द, मिलनसार, सामाजिक व बहिर्मुखी प्रकार के होते हैं।

202. निम्न में से कौन—सा कुसमायोजन का लक्षण नहीं है?

- (a) अपने सहपाठियों से लड़ाई—झगड़ा
- (b) नाखून चबाना या काटना
- (c) सांवेगिक परिपक्वता
- (d) हकलाना

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) सांवेगिक परिपक्वता कुसमायोजन का लक्षण नहीं है जबकि अपने सहपाठियों से लड़ाई झगड़ा करना, नाखून चबाना या काटना, हकलाना आदि कुसमायोजन के लक्षण हैं। कुसमायोजन में व्यक्ति या बालक को कुण्ठा, असंतोष, निराशा, द्वन्द्व, हताशा आदि की अप्रिय स्थिति का सामना करना पड़ता है।

203. निम्न में कौन—सी विधि व्यक्तित्व मापन की प्रक्षेपण विधि नहीं है?

- (a) रोर्शा स्याही धब्बा परीक्षण
- (b) शब्द साहचर्य परीक्षण
- (c) अवलोकन
- (d) वाक्य पूर्ति परीक्षण

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) अवलोकन विधि व्यक्तित्व मापन की प्रक्षेपण विधि नहीं है जबकि रोर्शा स्याही धब्बा परीक्षण, शब्द साहचर्य परीक्षण, वाक्य पूर्ति परीक्षण, रचना प्रविधि, क्रम या पसन्द प्रविधि, अभिव्यक्ति प्रविधि, प्रासंगिक अंतर्बोध परीक्षण प्रक्षेपण विधि है। प्रक्षेपण से अभिप्राय अचेतन को जानने की उस प्रक्रिया से है, जिसमें व्यक्ति अपने विचारों, दृष्टिकोण, संवेगों, गुणों आवश्यकताओं आदि को अन्य व्यक्तियों या वस्तुओं के माध्यम से अपरोक्ष ढंग से अभिव्यक्त कर देता है।

204. व्यक्तिव मापन की प्रश्नावली विधि में जब प्रश्नों के उत्तर हाँ या नहीं में देने होते हैं, तो प्रश्नावली का प्रकार होगा—

- | | |
|------------------------|-----------------------|
| (a) बन्द प्रश्नावली | (b) खुली प्रश्नावली |
| (c) मिश्रित प्रश्नावली | (d) सचित्र प्रश्नावली |

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (a) व्यक्तिव मापन की प्रश्नावली विधि में जब प्रश्नों के उत्तर हाँ या नहीं में देने होते हैं तो प्रश्नावली का प्रकार बन्द प्रश्नावली होगा। प्रश्नावली, प्रश्नों का एक संकलन होता है जिस पर व्यक्ति प्रत्युत्तर के द्वारा विभिन्न परिस्थितियों में अपने व्यवहार के सम्बन्ध में सूचना प्रदान करता है। व्यक्तिव प्रश्नावली का प्रारम्भ फ्रांसिस गाल्टन ने सन् 1880 में किया था। परन्तु आर.एस. वुडवर्थ के द्वारा 1918 में बनायी गयी व्यक्तिगत सूचना प्रपत्र से व्यक्तिव प्रश्नावलियों का वास्तविक प्रारम्भ माना जाता है।

205. विपिन एक दिवा—स्वप्न दृष्टा, (day dreamer) पुस्तके पढ़ने में रुचि रखने वाला, अपने विचारों को दूसरों के समक्ष अभिव्यक्त करने में असमर्थ, अमिलनसार और आदर्शवादी बालक है—

- | | |
|---------------|----------------|
| (a) बहिर्मुखी | (b) अन्तर्मुखी |
| (c) उभयमुखी | (d) उद्यमशील |

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (b) विपिन एक दिवा—स्वप्न दृष्टा, (day dreamer) पुस्तके पढ़ने में रुचि रखने वाला, अपने विचारों को दूसरों के समक्ष अभिव्यक्त करने में असमर्थ, अमिलनसार और आदर्शवादी बालक है, तो उसका व्यक्तित्व अन्तर्मुखी प्रकार है। अंतर्मुखी व्यक्तित्व वाले व्यक्ति संकोची, लज्जाशील, एकान्तप्रिय, मितभाषी, भविष्य केन्द्रित, सतर्क, शान्त, तर्क प्रधान, जल्दी घबराने वाला, आत्मकेन्द्रित, अध्ययनशील, आत्मचिन्तक तथा असामाजिक प्रकृति के होते हैं।

206. व्यक्ति के अचेतन मन (Unconscious mind) के अध्ययन हेतु उपयोग की जाने वाली व्यक्तिव मापन की विधि है—

- | | |
|---------------------|-----------------------|
| (a) वस्तुनिष्ठ विधि | (b) व्यक्तिनिष्ठ विधि |
| (c) प्रक्षेपी विधि | (d) मनोविश्लेषण विधि |

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (d) व्यक्ति के अचेतन मन के अध्ययन हेतु उपयोग की जाने वाली व्यक्तिव मापन की विधि मनोविश्लेषण विधि है। व्यक्तित्व के मनोविश्लेषणात्मक सिद्धांत के दो मुख्य संप्रत्यय— (i) चेतन, अद्वचेतन व अचेतन तथा (ii) इदं, अहं व परा—अहं माने जाते हैं। फ्रायड ने अचेतन को व्यक्तित्व की दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण स्वीकार किया।

207. व्यक्तित्व से आप क्या समझते हैं?

- (a) व्यक्ति का व्यवहार
- (b) व्यक्ति का सामाजिक विकास
- (c) वहीं बातें जो व्यक्ति के अंतर्गत आती हों
- (d) व्यक्ति द्वारा बोली जाने वाली वाणी

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013

Ans : (a) व्यक्तित्व शब्द के अंग्रेजी पर्याय 'Personality' का शाब्दिक अर्थ व्यक्ति के बाह्य गुणों या बाह्य आचरण को इंगित करना है। इसी प्रकार बिग तथा हण्ड ने भी व्यक्तित्व को परिभाषित करते हुए लिखा है— "व्यक्तिव किसी व्यक्ति के सम्पूर्ण व्यवहार प्रतिमान समस्त विशेषताओं के योग को व्यक्त करता है।

208. व्यक्तित्व का कारणभूत घटक है—

- (a) डक्टलेश ग्लैन्ड (Ductless glands)
- (b) कुटुम्ब की पृष्ठभूमि (Family background)
- (c) स्कूल (school)
- (d) उपरोक्त सभी

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013

Ans : (d) व्यक्तित्व का कारणभूत घटक निम्न है—

- स्नायुमण्डल
- डक्टलेश ग्लैन्ड (अंतःस्नावी ग्रंथियाँ) जैसे- थायराइड, पैराथाइराइड, पिट्यूटरी थाइमस, एडरनल आदि।
- परिवार या कुटुम्ब की पृष्ठभूमि
- विद्यालय
- पास-पड़ोस
- जनसंचार माध्यम
- धर्म व संस्कृति
- आर्थिक स्थिति

209. मानव-व्यक्तिव परिणाम है—

- (a) आनुवंशिकता और वातावरण की अंतःक्रिया का
- (b) केवल वातावरण का
- (c) केवल आनुवंशिकता का
- (d) पालन-पोषण और शिक्षा का

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (a) मानव व्यक्ति आनुवंशिकता और वातावरण की अंतःक्रिया का परिणाम है। वंशानुक्रम विकसित होने के लिए क्षमताएँ प्रदान करता है, जबकि वातावरण इन क्षमताओं को विकसित होने के अवसर प्रदान करता है। इस प्रकार वंशानुक्रम तथा वातावरण एक दूसरे के पूरक हैं।

9. सृजनात्मकता

210. यह सुनिश्चित करने के लिए कि उच्च प्राथमिक के छात्र कला शिक्षा में मानकों और क्षमताओं को प्राप्त करें, उनके लिए कला के पर्याप्त अवसर उपलब्ध होने चाहिए।

- (a) निरीक्षण
- (b) विश्लेषण
- (c) मूल्यांकन
- (d) सृजन

NVS, PGT 17-09-2019 II

Ans : (d) यह सुनिश्चित करने के लिए कि उच्च प्राथमिक के छात्र कला शिक्षा में मानकों और क्षमताओं को प्राप्त करें, उनके लिए कला में सृजनात्मकता के पर्याप्त अवसर उपलब्ध होने चाहिए। सृजनात्मकता वह योग्यता है जो व्यक्ति को किसी समस्या का विद्वतापूर्ण समाधान खोजने के लिए नवीन ढंग से सोचने तथा विचार करने में समर्थ बनाती है।

211. रचनात्मकता (Creativity) सामान्यतः इससे जुड़ी होती है—

- (a) अनुकरण (Imitation)
- (b) अभिसार (convergent) सोच
- (c) अपसारित (Divergent) सोच
- (d) प्रतिरूपण (Modelling)

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (c) रचनात्मकता अपसारित (Divergent) सोच से जुड़ी होती है। अपसारित सोच विचार की एक प्रक्रिया या उपाय है जो बहुत सारे संभावित समाधानों की खोज रचनात्मक विचारों को उत्पन्न करने के साथ करती है।

212. सृजनात्मक बालकों की पहचान निम्नलिखित में से किस तकनीक से नहीं की जा सकती है?

- (a) अभिक्षमता
- (b) साक्षात्कार
- (c) बुद्धिलब्धि परीक्षण बैटरी
- (d) कुछ प्रेक्षणात्मक तकनीक

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (c) सृजनात्मक बालकों की पहचान बुद्धिलब्धि परीक्षण बैटरी से नहीं की जा सकती है। क्योंकि सृजनात्मक बालकों का निर्धारण मात्र उनकी बुद्धि-लब्धि के आधार पर नहीं किया जा सकता है बल्कि उनकी अभिक्षमता रचनात्मकता, योग्यता, जिज्ञासा, जिम्मेदारी आदि के आधार पर किया जाता है।

213. सृजनात्मकता सामान्यतः जुड़ी होती है—

- (a) अनुकरण से
- (b) अभिसरणात्मक चिंतन से
- (c) अंपसरणात्मक चिंतन से
- (d) अभिकल्प से

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (c) सृजनात्मकता सामान्यतः अपसरणात्मक चिंतन से जुड़ी होती है। अपसरणात्मक चिंतन में व्यक्ति भिन्न-भिन्न दिशाओं में चिंतन कर समस्या का समाधान करता है व साथ ही अपनी ओर से कुछ नया एवं मूल जोड़ समस्या का समाधान करता है। इसलिए मनोवैज्ञानिकों ने अपसरणात्मक चिंतन को ही सृजनात्मक चिंतन माना है। अर्थात् सृजनात्मकता वह है जो नवीन, सार्थक व मौलिक हो।

214. निम्नलिखित में से क्या शिक्षार्थीयों में सृजनात्मकता का पोषण करेगा?

- (a) विद्यालयीन जीवन के आरंभ से ही लक्ष्य प्राप्ति पर जोर देना
- (b) परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने हेतु छात्र को कोचिंग देना
- (c) छात्र को श्रेष्ठ शिक्षा के प्रायोगिक मूल्य सिखाना
- (d) हर शिक्षार्थी को प्रश्न पूछने का अवसर प्रदान करते हुए अंतर्निहित प्रतिभा को पोषित करना

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (d) शिक्षार्थीयों में सृजनात्मकता का विकास करने के लिए आवश्यक है कि उनको प्रश्न पूछने का अवसर प्रदान करते हुए अंतर्निहित प्रतिभा को पोषित करना चाहिए। सामान्य शब्दों में कुछ अनोखा करने की क्षमता सृजनात्मकता कहलाती है पर जो अनोखा है वह सृजनात्मक तभी कहलायेगा जब इसमें उपयोगिता का गुण भी हो। विद्यार्थीयों में सृजनात्मकता को प्रोत्साहित करने हेतु शिक्षक निम्न विधियों का उपयोग कर सकता है-

- (i) मानसिक उद्देलन विधि
- (ii) समस्या समाधान विधि
- (iii) सामूहिक चर्चा विधि
- (iv) सिनेटिक्स विधि या रोल प्ले विधि

215. सृजनात्मक शिक्षार्थी वही है, जो—

- (a) रेखाचित्रण एवं चित्रकारी में बहुत दक्ष है
- (b) अत्यधिक बुद्धिशाली
- (c) जाँच परीक्षाओं में निरंतर अच्छे अंक प्राप्त करने में सक्षम है
- (d) पार्श्वक विचारशीलता (Internal thinking) एवं समस्या समाधान में अच्छा है

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (d) सृजनात्मक शिक्षार्थी वही है, जो पार्श्वक विचारशीलता एवं समस्या समाधान में अच्छा है। सृजनात्मकता वह योग्यता है जो व्यक्ति को किसी समस्या का विद्वातापूर्ण समाधान खोजने के लिए नवीन ढंग से सोचने, विचार करने तथा कार्य करने में समर्थ बनाती है। सृजनात्मक शिक्षार्थी की निम्नलिखित विशेषताएँ होती हैं—

- विचारों तथा अभिव्यक्ति में मौलिकता
- अनेषणात्मक तथा जिज्ञासात्मक प्रकृति
- गैर परम्परागत विचारों में रुचि
- अभिव्यक्ति में स्वःस्फूर्तता
- अभिव्यक्ति में विविधता।

216. को “प्रतिभा” का लक्षण नहीं माना जा सकता है।

- (a) सृजनशीलता विचार
- (b) अन्य के साथ झगड़ना
- (c) अभिव्यक्ति में नवीनता
- (d) जिज्ञासा

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (b) ‘अन्य के साथ झगड़ना’ को “प्रतिभा” का लक्षण नहीं माना जा सकता है। प्रतिभा सम्पन्न व्यक्ति में सृजनशील विचार, अभिव्यक्ति में नवीनता, जिज्ञासा, मानसिक प्रक्रिया की तीव्रता, अमूर्त विषयों में रुचि, बुद्धि परीक्षाओं में उच्च बुद्धि-लब्धि, दैनिक कार्यों में विभिन्नता, विशाल शब्द कोश, आश्चर्यजनक अंतर्दृष्टि आदि जैसे गुणों का समावेश होता है।

217. एक शिक्षक किसी अधिगम उद्देश्य को इस प्रकार बनाता है— “सरल विद्युत परिपथ का उपयोग करके किसी युक्ति का निर्माण करना।” यह अधिगम उद्देश्य नीचे दिए गए किस संज्ञानात्मक प्रकरण से सुप्रेलन करता है?

- (a) समझ
- (b) विश्लेषण
- (c) स्मरण
- (d) सृजन

NVS TGT 2017

Ans : (d) “सरल विद्युत परिपथ का उपयोग करके किसी युक्ति का निर्माण करना” यह सृजनात्मक अधिगम उद्देश्य से संबंधित है। ध्यातव्य है कि अलग-अलग विचारों को एकीकृत ढंग से रखकर नये संबंध बनाने की योग्यता ही सृजनात्मकता कहलाती है। वर्ष 2001 में एन्डरसन तथा क्रेथवोल ने शिक्षण के संज्ञानात्मक उद्देश्य को निम्न छः भागों में विभाजित किया है—

- (i) स्मरण
- (ii) अवबोध
- (iii) प्रयोग
- (iv) विश्लेषण
- (v) मूल्यांकन
- (vi) सृजन

218. ‘आकृतियों की इकाई से अध्यापक, विद्यार्थीयों से “आकृतियों के उपयोग की सहायता से किसी भी चित्र की रचना करना करने” के लिए कहता है।

इस क्रियाकलाप से निम्नलिखित में से कौन-सा उद्देश्य प्राप्त किया जा सकता है?

- (a) ज्ञान
- (b) समझ/बोध
- (c) रचना/सृजन
- (d) अनुप्रयोग

NVS TGT 2017

Ans : (c) यदि ‘आकृतियों’ की इकाई से अध्यापक, विद्यार्थीयों से “आकृतियों के उपयोग की सहायता से किसी भी चित्र की रचना करने” के लिए कहता है, इसका मतलब है कि वह सृजनात्मकता का उद्देश्य प्राप्त करना चाहता है। बच्चों में सृजनात्मकता के विकास के लिए आवश्यक है कि उन्हें अपने अनुभवों से सीखने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराया जाय।

10. रुचि, चिंतन, स्मृति, समस्या समाधान

219. वह चिन्तन क्या कहलाता है जिसमें व्यक्ति बहुत सारे विचारों से आरंभ कर “एकल” समाधान पर पहुँचता है?

- (a) विचारावेश
- (b) अपसारी चिंतन
- (c) अभिसारी चिन्तन
- (d) ऊर्ध्व चिन्तन

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (c) केवल एक ही बिन्दु पर केन्द्रित होकर चिन्तन करना अभिसारी चिन्तन कहलाता है। इसमें व्यक्ति बहुत सारे विचारों से आरंभ कर “एकल” समाधान पर पहुँचता है।

220. निम्नलिखित में से कौन-सी स्थायीकरण युक्ति दीर्घकालिक धारणाशक्ति के लिए उपयोगी है?

- (a) प्रश्न पूछना
- (b) सहभागिता
- (c) अभ्यास
- (d) मूल्यांकन

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (c) दीर्घकालिक धारणाशक्ति के लिए अभ्यास एक स्थायीकरण युक्ति है। किसी भी कार्य का अभ्यास करने से उसमें दक्षता आती है तथा व्यक्ति का अनुभव बढ़ता है। बार-बार अभ्यास करने से वह उस काम में निपुण हो जाता है और अपनी कला का विशेषज्ञ हो जाता है तथा उसकी धारणा शक्ति का भी स्थायीकरण होता है।

221. कोल्ब के सीखने की पद्धति के अनुसार, सर्वाधिक संज्ञानात्मक तरीका में पाया जाता है—

- (a) समायोजन
- (b) अपसारक
- (c) शिष्ट
- (d) अभिसारक

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (b) कोल्ब के सीखने की पद्धति के अनुसार सर्वाधिक संज्ञानात्मक तरीका अपसारक में पाया जाता है। अपसारक शैली चीजों को करने के लिए अभिनव और कल्पनाशील दृष्टिकोण पर जोर देती है। यह एक ऐसी शैली है जो लोगों में रुचि रखती है और भावनाओं के प्रति उन्मुख होती है।

222. कोल्ब के सीखने की पद्धति में, कौन-सी संक्षिप्त संकल्पनात्मकता/प्रत्यक्ष प्रयोगकर्ता को दर्शाती है?

- (a) अभिसारक
- (b) अपसारक
- (c) शिष्ट
- (d) समायोजक

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (a) कोल्ब के सीखने की पद्धतियों में, अभिसारक संक्षिप्त संकल्पनात्मकता/प्रत्यक्ष प्रयोगकर्ता को दर्शाती है। अभिसारक सीखने की शैली वाले लोग समस्याओं के व्यवहारिक समाधान खोजने के लिए अपने सीखने के इतिहास का उपयोग करते हैं। वे आमतौर पर तकनीकी कार्यों को प्राथमिकता देते हैं।

223. अभिवृत्ति, अभिरुचि एवं मूल्य निष्ठा में से किस क्षेत्र में आते हैं?

- (a) संज्ञानात्मक क्षेत्र में
- (b) मनोगत्यात्मक क्षेत्र में
- (c) भावात्मक क्षेत्र में
- (d) चिन्तनशील

NCERT PRT 30-07-2017

Ans : (c) भावात्मक क्षेत्र के अंतर्गत वे उद्देश्य आते हैं जिनका सम्बन्ध भावों, दृष्टिकोणों, मूल्यों, संवेदनों, मनोवृत्ति, रुचियों अभिवृत्तियों तथा मूल्यों में परिवर्तन आदि से होता है।

224. वैज्ञानिक चिंतन का निर्णायक पक्ष क्या होता है?

- (a) समस्या
- (b) परिणाम
- (c) विधि
- (d) परिकल्पना

PRT KVS 2010

Ans : (d) वैज्ञानिक चिंतन का निर्णायक पक्ष परिकल्पना होता है। परिकल्पना किसी भी समस्या के लिए सुझाया गया वह उत्तर है जिसकी तरक्की वैधता की जाँच की जा सकती है। यह दो या अधिक चरों के बीच किस प्रकार का संबंध है, ये इंगित करता है तथा ये अनुसंधान के विकास का उद्देश्यपूर्ण आधार भी है।

225. विवेचन (Thinking) तत्त्वतः (essentially) होती है—

- (a) मनोप्रेरक प्रक्रिया
- (b) मनोवैज्ञानिक तथ्य
- (c) भावात्मक आचरण
- (d) संज्ञानात्मक क्रिया

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (d) विवेचन (Thinking) तत्त्वतः: एक जटिल संज्ञानात्मक क्रिया है। चिन्तन करते समय मनुष्य अन्य प्राणियों की अपेक्षा अधिक संज्ञानात्मक प्रक्रियाएँ करता है। चिन्तन की प्रक्रिया में संवेदना, प्रत्यक्षीकरण, प्रत्यय निर्माण, पूर्व अधिगम स्मृति आदि का समावेश रहता है। चिन्तन एक ऐसी जटिल मानसिक प्रक्रिया है जिसमें प्रायः अनेक सरल मानसिक व संज्ञानात्मक प्रक्रियाएँ निहित रहती हैं।

226. छात्रों को सुनहरे भविष्य के लिए करना चाहिए—

- (a) विद्यालय में अधिक और अधिक पढ़ना चाहिए
- (b) केवल उन्हीं प्रश्नों को याद रखने चाहिए जो परीक्षा में पूछने की संभावना हो
- (c) विद्यालय में शिक्षक के साथ और घर पर माता-पिता के साथ अध्ययन करना चाहिए
- (d) अपनी रुचि और शौक की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (d) छात्रों को सुनहरे भविष्य के लिए अपनी रुचि और शौक की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए क्योंकि उनकी रुचि और शौक उनके भविष्य का निर्माण करने में सहायता करती है।

227. अब इन दिनों छात्रों में शैक्षिक रुचि नहीं रही क्योंकि—

- (a) वहाँ व्यवसायों में अधिक पैसे हैं
- (b) शिक्षण भी ज्यादा मँहगा है
- (c) वे शिक्षा के बेहतर भविष्य नहीं देख सकते
- (d) वहाँ शिक्षा का कोई उपयुक्त पाठ्यक्रम और नमूना नहीं है

**PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013**

Ans : (d) अब इन दिनों छात्रों में शैक्षिक रुचि नहीं रही क्योंकि वहाँ शिक्षा का कोई उपयुक्त पाठ्यक्रम और नमूना नहीं है। इसी को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा-2000 में संशोधन करते हुए राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा-2005 निर्मित किया गया, जिसमें पाठ्यक्रम को व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत किया गया।

228. निजी अनुभवों की हमारी स्मृति को कहा जाता है।

- (a) प्रक्रियात्मक स्मृति
- (b) अर्थ स्मृति
- (c) दीर्घकालिक स्मृति
- (d) प्रासंगिक स्मृति

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (d) निजी अनुभवों की हमारी स्मृति को प्रासंगिक स्मृति या आख्यानात्मक स्मृति (Episodic Memory) कहा जाता है। प्रासंगिक स्मृति से तात्पर्य व्यक्ति के साथ घटी व्यक्तिगत आख्यान तथा घटनाओं की स्मृति से होता है। यह व्यक्ति के व्यक्तिगत अथवा सूचनाओं से संबंधित होता है।

229. कुछ करने, विशेष रूप से किसी शारीरिक कार्य को करने की विधि को याद करने की क्षमता है।

- (a) प्रासंगिक स्मृति
- (b) प्रक्रियात्मक स्मृति
- (c) अर्थ स्मृति
- (d) उपरोक्त सभी

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (b) प्रक्रियात्मक स्मृति कुछ करने, विशेष रूप से किसी शारीरिक कार्य को करने की विधि को याद करने की क्षमता है। प्रक्रियात्मक स्मृति का संबंध वैसे स्मृति से होता है। जिसमें उद्दीपक तथा अनुक्रियाओं के बीच सीखे गये संबंध या साहचर्य संचित होते हैं। जैसे- टेलीफोन की घंटी बजते सुनते हैं और हम तुरंत रिसीवर उठाने के लिए तैयार हो जाते हैं। ये सभी अर्जित या सीखे गये साहचर्य प्रक्रियात्मक स्मृति में संचित होते हैं। प्रक्रियात्मक स्मृति में संचित सूचनाओं की विशेषता यह है कि ऐसी सूचनाएँ मंद गति से सीखी जाती हैं। परन्तु एक बार सीख लेने पर वे आदत-सी बन जाती हैं और बिना प्रयास के ही होते नजर आती है।

230. कृतिका घर पर अधिक वार्तालाप नहीं करती, जबकि विद्यालय में बहुत वार्तालाप करती है। यह दर्शाता है—

- (a) विद्यालय बच्चों को अत्यधिक वार्तालाप के अवसर प्रदान करता है
- (b) शिक्षक चाहते हैं कि बच्चे विद्यालय में खूब वार्तालाप करें
- (c) उसे अपना घर पसंद नहीं है
- (d) विद्यालय में उसके विचारों की सरहाना की जाती है, जो उसे बोलने के लिए प्रोत्साहित करता है

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (d) यदि कृतिका घर पर अधिक वार्तालाप नहीं करती है किन्तु विद्यालय में बहुत वार्तालाप करती है तो इसका तात्पर्य है कि विद्यालय में उसके विचारों की सरहाना की जाती है, जो उसे बोलने के लिए प्रोत्साहित करता है। अतः बच्चों को अपने विचारों, भावनाओं और संवेगों को अभिव्यक्त करने के लिए घर के सदस्यों को उचित परिस्थितियों का निर्माण करना चाहिए तथा उनके विचारों का सम्मान करना चाहिए।

231. निम्नलिखित में से कौन-सी समस्या-समाधान की वैज्ञानिक पद्धति का पहला चरण है?

- (a) समस्या के प्रति जागरूकता
- (b) प्रासंगिक जानकारी को एकत्र करना
- (c) प्राक्कल्पना का निर्माण करना
- (d) प्राक्कल्पना का परीक्षण करना

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (a) वैज्ञानिक विधि वस्तुतः समस्या समाधान की एक आधुनिक विधि है जिसका प्रयोग करके प्रगतिशील मानव अपनी समस्याओं का समाधान करता है। जॉन डीवी ने अपनी पुस्तक "How we Think" में वैज्ञानिक विधि के निम्नलिखित पाँच सोपानों की चर्चा की है—

- (i) समस्या के प्रति जागरूकता
- (ii) परिकल्पना का निर्माण
- (iii) तथ्यों का संकलन
- (iv) व्यवस्थापन तथा विश्लेषण करना
- (v) परिकल्पना का विशिष्ट परिस्थितियों में परीक्षण करना।

232. निम्नलिखित में से कौन-सा सृजनात्मक चिंतन का अनिवार्य गुण है?

- (a) निगमन
- (b) अपसारी
- (c) उत्पादक
- (d) मनन

DSSSB TGT 2016

Ans : (b) अपसारी चिंतन— जब किसी बालक को चिंतन के अनेक विकल्प और विचारों को अलग-अलग दिशाओं में फैलाने का अवसर दिया जाता है तो इसे अपसारी चिंतन कहते हैं। इसे 'आउट ऑफ द बॉक्स' चिंतन भी कहते हैं। अपसारी चिंतन सृजनात्मक चिंतन का अनिवार्य गुण है।

11. स्वास्थ्य एवं शिक्षा

233. प्राथमिक स्तर पर यौन शिक्षा किस रूप में प्रस्तावित की जा सकती है?

- (a) एक पृथक विषय के रूप में
- (b) स्वास्थ्य रक्षा विज्ञान के बारे में ज्ञान देकर
- (c) शारीरिक शिक्षा के साथ समन्वित करके
- (d) प्रकृति अध्ययन पाठों द्वारा

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (c) प्राथमिक स्तर पर यौन शिक्षा की अवधारणा को शारीरिक शिक्षा के साथ समन्वित करके बताया जा सकता है क्योंकि प्राथमिक स्तर पर बालक विकास की बाल्यावस्था में ही रहता है तो उसे पृथक विषय के रूप में बताने पर उचित ज्ञान की प्राप्ति नहीं हो पायेगी।

234. अपनी स्थिति की समझ और उसमें सुधार लाने में एक सामान्य हित के साथ अपने स्वास्थ्य केन्द्र के भीतर और बाहर का प्रबन्धन—

- (a) परावर्तन सत्र
- (b) नेटवर्क
- (c) प्रशिक्षण समूह
- (d) इनमें से कोई नहीं

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (b) अपनी स्थिति की समझ और उसमें सुधार लाने में सामान्य हित के साथ अपने स्वास्थ्य केन्द्र के भीतर और बाहर का प्रबन्धन नेटवर्क कहलाता है।

235. जुलाई 1996 में, राज्य शिक्षा आयोग और दाना फाउंडेशन ने दोनों क्षेत्रों में नेताओं को आमंत्रित करके और शिक्षा के बीच के अंतर को पूरा करने के लिए एक सम्मेलन का आयोजन किया था।

- (a) न्यूरोसाइंस/मस्तिष्क विज्ञान
- (b) अंतःविषय विज्ञान
- (c) अनुशासनात्मक विज्ञान
- (d) इनमें से कोई नहीं

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (a) जुलाई 1996 में राज्य शिक्षा आयोग और दाना फाउंडेशन ने दोनों क्षेत्रों के नेताओं को आमंत्रित करके न्यूरोसाइंस/मस्तिष्क विज्ञान और शिक्षा के बीच के अंतर को पूरा करने के लिए एक सम्मेलन का आयोजन किया था।

236. मस्तिष्क की गतिविधियों को मापने की प्रमुख विधियाँ हैं—

- (a) ईआरपी
- (b) एफएमआरआई
- (c) इंजी
- (d) उपरोक्त सभी

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (d) आधुनिक समय में मस्तिष्कीय स्कैनिंग यानी बारीक जाँच की अनेक प्रणालियाँ विकसित हुई हैं जिनके द्वारा मस्तिष्क ऊतकों को बिना क्षति पहुँचाए मस्तिष्क की क्रिया प्रणाली का अध्ययन किया जा सकता है। मस्तिष्कीय स्कैनिंग मस्तिष्क के विशिष्ट क्षेत्रों में विद्युतीय एवं जैव रासायनिक क्रियाओं को मापने का उपकरण है। वर्तमान में मस्तिष्कीय गतिविधियों को मापने के लिए निम्न उपकरण या विधियाँ प्रयोग में लायी जाती हैं—

- ईआरपी
- एफएमआरआई
- इंजी
- एसक्यूयूआईडी
- स्पेक्ट
- पीइटी
- सीटीस्कैनिंग

237. एफएमआरआई का मतलब क्या है?

- (a) मस्तिष्क में रक्त प्रवाह का मार्ग परिवर्तन
- (b) समय के साथ मस्तिष्क में चुंबकीय क्षेत्र में परिवर्तन
- (c) दोनों a और b
- (d) इनमें से कोई नहीं

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (a) एफएमआरआई (Functional Magnetic Resonance Imaging) मस्तिष्क की गतिविधियों को मापने की एक तकनीक है। यह रक्त प्रवाह में परिवर्तन के सापेक्ष मस्तिष्क की गतिविधियों का मापन करता है। ध्यातव्य है कि Electro Encephalography (E.E.G.) मस्तिष्क के अंदर न्यूरांस की बौछार से सिर की त्वचा से उत्पन्न वैद्युतीय गतिविधियों की अभिलेखन प्रक्रिया है।

238. पूर्व तंत्रिका प्रतिबद्धता की प्रारंभिक अवस्था में सीखना—

- (a) न्यूरोप्लास्टिसिटी
- (b) वयस्कता में सीखना
- (c) शिशु अवस्था में सीखना
- (d) इनमें से कोई नहीं

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (a) पूर्व तंत्रिका प्रतिबद्धता की प्रारंभिक अवस्था में सीखना न्यूरोप्लास्टिसिटी कहलाता है। हमारे जीवन के नये सीखे गये अनुभव और अनुकूलन के अनुसार हमारे मस्तिष्कीय संरचना और संगठन में परिवर्तन आता है। हमारे मस्तिष्क के इस विशेषता को न्यूरोप्लास्टिसिटी कहा जाता है।

3.

शिक्षा में समावेशन तथा निर्देशन एवं परामर्श

1. विशिष्ट बालक का अर्थ, प्रकार विशेषताएँ एवं उनकी शिक्षा

1. निम्नलिखित में से कौन सा 'पृथक्कीकृत शिक्षा' का परिभासित करता है?
- विकलांगता से ग्रसित छात्रों को उनके नजदीक के स्कूल में उनकी उम्र के अनुसार कक्षाओं में दाखिला दिलाना
 - अनुकूलन और संसाधनों के साथ छात्रों को मुख्य कक्षा में दाखिल करना
 - स्कूल के सभी बच्चों की उनकी क्षमता स्तर की परवाह किए बिना मुख्य कक्षा में शामिल करना
 - विकलांगता से ग्रसित छात्रों को पूरी तरह से अलग कक्षा में पढ़ाना

NVS, PGT 19-09-2019

Ans : (d) विकलांगता से ग्रसित छात्रों को पूरी तरह से अलग कक्षा में पढ़ाना 'पृथक्कीकृत शिक्षा' को परिभासित करता है। पृथक्कीकृत शिक्षा में अनुकूलन और संसाधनों के साथ छात्रों को मुख्य कक्षा में दाखिल नहीं किया जाता है औन न ही स्कूल के सभी बच्चों को उनकी क्षमता स्तर की परवाह किये बिना मुख्य कक्षा में शामिल किया जाता है।

2. यदि किसी शिक्षक की कक्षा में 'कम से मध्यम' विकलांगता वाले छात्र हैं तो मानक प्रक्रियाओं के अनुसार उस शिक्षक को न्यूनतम कितने दिनों के प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है?
- 1 सप्ताह
 - 1-2 सप्ताह
 - निरंतर जारी प्रशिक्षण
 - 1 साल

NVS, TGT 18-09-2019

Ans : (b) यदि किसी शिक्षक की कक्षा में 'कम से मध्यम' विकलांगता वाले छात्र हैं तो मानक प्रक्रियाओं के अनुसार उस शिक्षक को न्यूनतम 1-2 सप्ताह के प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है।

3. संचार में, प्राप्त श्रव्य जानकारी का उपयोगद्वारा नहीं किया जा सकता है।
- श्रवण बाधित छात्रों
 - दृष्टिबाधित छात्रों
 - मानसिक रूप से विकलांग छात्रों
 - शारीरिक रूप से अक्षम छात्रों

NVS, PGT 17-09-2019 II

Ans : (a) संचार में प्राप्त श्रव्य जानकारी का उपयोग श्रवण बाधित छात्रों द्वारा नहीं किया जा सकता है क्योंकि श्रवण बाधित छात्र सुन नहीं सकते हैं। उनके लिए दृश्य संचार माध्यम का प्रयोग किया जा सकता है।

4. समावेशी भाषा क्या होती है?

- शिक्षा की भाषा जो छात्र की मातृभाषा के साथ मिलीजुली हो
- वह भाषा जो सरल हो और ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के शब्दों का उपयोग करती हो
- संयुक्त रूप से छात्रों द्वारा बोली जाने वाली सभी बोलियों का उपयोग
- किसी कक्षा में शिक्षक द्वारा शिक्षण के विभिन्न छात्रों द्वारा बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं का उपयोग

NVS, PGT 17-09-2019

Ans : (b) समावेशी भाषा वह भाषा होती है जो सरल हो और ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के शब्दों का उपयोग करती हो। इसलिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा-2005 में भाषा-शिक्षण को बहुभाषी संदर्भ में रखकर देखने की आवश्यकता पर बल दिया गया है। ताकि कक्षा में बच्चों की भाषाओं को स्वीकार किया जाये। क्योंकि बच्चों की भाषा को नकारने का अर्थ है उनकी अस्मिता को नकारना।

5. जो बच्चे औपचारिक संरचना में आवश्यक सामग्री या कार्यों से संबंधित नहीं हो सकते हैं, वे को महसूस कर सकते हैं।

- निष्कासित
- अक्षमता
- बहिष्कृत
- उपेक्षित

NVS, PGT 17-09-2019

Ans : (b) जो बच्चे औपचारिक संरचना में आवश्यक सामग्री या कार्यों से संबंधित नहीं हो सकते हैं, वे अक्षमता को महसूस कर सकते हैं। अक्षमता क्षति तथा निःशक्तता के बीच लिंक प्रदान करता है। इसकी अवधारणा प्रथानुसार अपेक्षित व्यवहार या गतिविधि की कमी या अधिकता से वर्णित होती है, जो अस्थायी या स्थायी, परित्तीनीय या अपरिवर्तनीय और प्रगतिशील या प्रतिगामी हो सकते हैं। दूसरे शब्दों में जब व्यक्ति को अपनी पहचान में परिवर्तन के बारे में पता हो जाता है अक्षमता रूप ले लेता है।

6. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन मानसिक मंदता के संबंध में सही है?

- चिरकालिक संक्रमण तथा रोगों से पीड़ित माँ के बच्चों में मानसिक मंदता आ जाती है
- अत्यन्त गरीब परिवारों के बच्चे आवश्यक रूप से मानसिक मंदता का शिकार हो जाते हैं
- लगभग सभी प्रकार की शारीरिक चोट और मानसिक आघात मानसिक मंदता का कारण बनता है
- मानसिक रूप से मंद बच्चों के माता-पिता भी सामान्यतः मानसिक मंदता से पीड़ित होते हैं

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (a) विरकालिक संक्रमण तथा रोगों से पीड़ित माँ के बच्चों में मानसिक मंदता आ जाती है। मानसिक मंदता विकास संबंधित मानसिक अवस्था है, जो कि 0.2% तक लोगों में पायी जाती है। मानसिक मंदता किसी भी वर्ग, धर्म, जाति, या लिंग के व्यक्ति को हो सकती है। सामान्यतः इसके लक्षण बाल्यावस्था या 18 साल की आयु के पहले ही नजर आने लगती हैं। इसमें व्यक्ति की संज्ञानात्मक शक्ति काफी हद तक न्यून होती है और दो या अधिक समायोजनात्मक व्यवहारों में कमी देखी जाती है।

7. निःशक्त बच्चों की समेकित शिक्षा से अभिप्राय है—
- आरंभ से ही उन्हें सामान्य बालकों के साथ शिक्षा देना
 - विशेष बच्चों का अध्यापन विशेष अध्यापक ही कराते हैं
 - आंशिक शिक्षा विशेष विद्यालयों में तत्पश्चात् सामान्य विद्यालयों में
 - बच्चों की योग्यताओं के अनुसार निःशक्त बच्चों को विशेष विद्यालय में दाखिल करना

TGT-KVS, 08–01–2017

Ans : (c) निःशक्त बच्चों की समेकित शिक्षा से अभिप्राय है, आंशिक शिक्षा विशेष विद्यालयों में तत्पश्चात् सामान्य विद्यालयों में शिक्षा प्रदान करने से है।

8. ADHD (ए.डी.एच.डी.) संकेताक्षर का पूरा रूप क्या है?
- टर्टैशन डैफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर
 - ऑल डाइट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर
 - टर्टैशन डैफिसिट हाइपर वैंटिलेटिंग डिऑर्डर
 - टर्टैटिव डिजाइन हैंड डिऑर्डर

TGT-KVS, 08–01–2017

Ans : (a) ADHD (Attention – deficit/ hyperactivity disorder) लम्बे समय से चल रही एक स्थिति है, जिसमें ध्यान लगाने में कठिनाई, अति-सक्रियता और बिना सोचे-समझे जल्दबाजी में काम करना शामिल हो सकता है। एडीएचडी (ADHD) अक्सर बचपन में शुरू होता है और बड़ी उम्र तक जारी रह सकता है। इससे आत्म-विश्वास में कमी, रिश्तों में परेशानी और स्कूल या काम में परेशानी हो सकती है।

9. शब्द ‘न्यूनतम प्रतिबंधात्मक वातावरण’ की शिक्षा से संदर्भित है।
- शारीरिक शिक्षा में कैरियर बनाने वाले विद्यार्थी
 - उपहृत विद्यार्थी
 - शारीरिक या मानसिक विकलांग बच्चे
 - अत्यंत युवा बच्चे

KVS-PRT Post Code 16/17, 29–10–2017

Ans : (c) शब्द ‘न्यूनतम प्रतिबंधात्मक वातावरण’ शारीरिक या मानसिक विकलांग बच्चे की शिक्षा से संदर्भित है।

10. उपहृत विद्यार्थी सामान्यतः होंगे।
- अत्यंत मेहनती
 - बहिर्मुखी
 - अभिसारी विचारक
 - अपसारी विचारक

KVS-PRT Post Code 16/17, 29–10–2017

Ans : (d) उपहृत विद्यार्थी सामान्यतः अपसारी विचारक होंगे। इसके अतिरिक्त उपहृत विद्यार्थी की निम्न विशेषताएँ होती हैं—

- वे अन्वेषणात्मक तथा जिज्ञासात्मक प्रकृति के होते हैं।
- वे गैर परम्परागत विचारों में रुचि रखते हैं।
- वे दूरदृष्टिज्ञ होते हैं।
- वे जोखिम उठाने को तत्पर होते हैं।
- उनकी अभिव्यक्ति में विविधता होती है।

11. आप एक कक्षा में पढ़ा रहे हैं जहाँ अधिकांश विद्यार्थी गणित में कमज़ोर हैं। फिर भी तीन विद्यार्थी उपहृत दिखते हैं। आपका शिक्षण का तरीका क्या होना चाहिए?

- सभी विद्यार्थियों की शिक्षण की मानक गति को अपनाएँ
- बार-बार परीक्षा लें ताकि कमज़ोर विद्यार्थी अधिक मेहनत करें
- गति कम रखें लेकिन बुद्धिमान विद्यार्थियों को अतिरिक्त मार्गदर्शन दें
- विद्यालय प्रशासन को बुद्धिमान विद्यार्थियों को एक अलग सेक्षण में स्थानांतरित करने को कहें

KVS-PRT Post Code 16/17, 29–10–2017

Ans : (c) एक कक्षा जहाँ अधिकांश विद्यार्थी गणित में कमज़ोर हैं। फिर भी तीन विद्यार्थी उपहृत (gifted) दिखते हैं। वहाँ एक शिक्षक के शिक्षण का तरीका यह होना चाहिए कि पढ़ाने की गति कम रखें लेकिन बुद्धिमान विद्यार्थियों को अतिरिक्त मार्गदर्शन दें।

12. राज बिल्कुल किसी से मिलना नहीं चाहता और अकेले में रहना चाहता है। यह दर्शाता है कि वह—

- एक लोकप्रिय लड़का है
- अस्वीकृत लड़का है
- एक ईर्ष्यालु लड़का है
- एक खुश लड़का है

PRT-KVS Post Code 150/14, 19–10–2014

Ans : (b) राज बिल्कुल किसी से मिलना नहीं चाहता और अकेले में रहना चाहता है। यह दर्शाता है कि वह अस्वीकृत लड़का है। ऐसे बालक प्रायः आत्महीनता की भावना से पीड़ित होते हैं तथा अपना स्वयं विकास करने में अक्षम होते हैं। इसलिए ऐसे बालकों को समावेशी कक्षा में सामान्य बच्चों के साथ अंतःप्रक्रिया स्थापित करने के लिए प्रेरित करना चाहिए ताकि उनका सामाजिक विकास हो सके।

13. किसी कक्षा चार के अधिकांश बच्चे अपनी कक्षा में विद्यमान दृष्टिहीन बच्चों के साथ रहना पसन्द नहीं करते हैं, ऐसी अवस्था में दृष्टिहीन बच्चे अपनी किस आवश्यकता की पूर्ति से वंचित रह जाएंगे।

- सुरक्षा
- ससम्बद्धता
- आत्मसम्मान
- शरीर विज्ञान सम्बन्धी

PRT-KVS 07–01–2017

Ans : (b) किसी कक्षा चार के अधिकांश बच्चे अपनी कक्षा में विद्यमान दृष्टिहीन बच्चों के साथ रहना पसन्द नहीं करते हैं, ऐसी अवस्था में दृष्टिहीन बच्चे सहसम्बद्धता की आवश्यकता की पूर्ति से वंचित रह जाएंगे तथा उनका सामाजिक विकास प्रभावित होगा।

14. सफल समावेशन में निम्नलिखित में से किसकी आवश्यकता नहीं होती है?

 - (a) अध्यापक बच्चों के अधिगम निष्ठतियों के दायित्व को स्वीकार करें।
 - (b) एक स्पर्धात्मक अधिगम परिवेश, जो व्यक्तिगत उपलब्धि पर फोकस करता हो
 - (c) अध्यापकों के पास वह ज्ञान और कौशल हो, जो बच्चों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुसार पाठ्यचर्या और शिक्षण विधियों के चयन व अनुकूलित करने के लिए आवश्यक समझे जाते हैं
 - (d) व्यक्तिगत विद्यार्थी प्रगति को मॉनिटर करने के लिए उपयुक्त तकनीक तथा प्रविधियाँ

PRT-KVS 07-01-2017

Ans : (b) सफल समावेशन में निम्नलिखित बातों का होना आवश्यक है-

- (i) अध्यापक बच्चों के अधिगम निष्पत्तियों के दायित्व को स्वीकार करें।
 - (ii) अध्यापकों के पास वह ज्ञान और कौशल हो, जो बच्चों की व्यक्तिगत आवश्यताओं के अनुसार पाठ्यचर्चा और शिक्षण विधियों के चयन व अनुकूलित करने के लिए आवश्यक समझे जाते हैं।
 - (iii) व्यक्तिगत विद्यार्थी प्रगति को मॉनीटर करने के लिए उपयुक्त तकनीक तथा प्रविधियाँ।

15. विद्यार्थियों के सेक्षण A, B तथा C विद्यार्थियों की घटती हुई योग्यता के आधार पर बनाए गए हैं (तीव्र, सामान्य तथा कमज़ोर) इनमें से आप किस सेक्षण को पढ़ाना चाहिए ?

PRT KVS 2010

Ans : (d) उपर्युक्त प्रश्न के अनुसार एक कुशल अध्यापक को किसी भी सेक्शन में पढ़ाने पर कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए, क्योंकि शिक्षक के लिए सभी विद्यार्थी महत्वपूर्ण होते हैं और सभी में कुछ न कुछ विशेष योग्यता होती है जिस पर यदि समुचित ध्यान दिया जाये तो वे अपने विकास के लिए प्रेरित होंगे।

16. एक आक्रामक क्रोधी एवं विद्रोही प्रवृत्ति वाले छात्र से निपटने के लिए आप निम्नलिखित उपाय पर भरोसा करेंगे—

- (a) स्वयं के व्यवहार का निश्चयीकरण एवं सुदृढ़ सन्तुलन
 - (b) उक्त छात्र के व्यवहार जैसा ही अपना व्यवहार बदल लेंगे
 - (c) आप छात्र के व्यवहार को नम्य बनाने का भरसक प्रयास करेंगे
 - (d) आप छात्र को उसके हाल पर छोड़ देंगे

PRT KVS 15-12-2013

Ans : (c) एक आक्रामक क्रोधी एवं विद्रोही प्रवृत्ति वाले छात्र से निपटने के लिए एक शिक्षक को छात्र के व्यवहार को नम्य बनाने का भरसक प्रयास करना चाहिए। इसके लिए उसे सामूहिक गतिविधियों भाग लेने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

17. विद्यार्थियों की समूह सक्रियता से निपटने के क्रम में उनके बारे में निम्नलिखित में से कौन—सा कथन सही है—

 - (a) विद्यार्थी परिपक्व होते हैं
 - (b) विद्यार्थी अच्छे या बुरे में अंतर कर पाने में सक्षम होते हैं
 - (c) विद्यार्थी अधीर और संवेदनशील होते हैं
 - (d) उपर्युक्त सभी

PRT KVS 04-10-2015

Ans : (d) समूह के सदस्य परस्पर एक-दूसरे से अन्तः क्रिया करते हैं जिसके कारण समूह के सदस्यों के व्यवहार में परिवर्तन होते रहते हैं। विद्यार्थियों की समूह सक्रियता से निपटने के लिए यह कहा जा सकता है कि वे परिपक्व, अधीर व संवेदनशील और अच्छे या बुरे में अंतर कर पाने में सक्षम होते हैं। इसलिए कक्षा में सामूहिक गतिविधियों पर विशेष बल दिया जाना चाहिए।

18. बदिर बच्चे कक्षा में जो प्रमुख नैराश्य (Frustration) का सामना करते हैं, वह है-

 - (a) बाकी विद्यालयों के साथ परीक्षा में बैठने में असमर्थता
 - (b) निर्धारित पाठ्यपुस्तक पढ़ने की असमर्थता
 - (c) खेल कूद में शामिल होने की असमर्थता
 - (d) दूसरों के साथ बातचीत करना और सूचना को आपस में बाँटने की असमर्थता

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (d) बधिर बच्चे कक्षा में दूसरों के साथ बातचीत करने में और सूचनाओं को आपस में बैट्टने में असमर्थता का सामना करते हैं। सामान्य बालकों की कक्षा में बधिर बच्चे वार्तालाप नहीं कर पाते और सूचनाएं भी सुन नहीं पाते जिससे उनमें नैराश्य की भावना उत्पन्न होने लगती है।

19. प्रतिभाशाली विद्यार्थी अपनी अन्तः शक्ति महसूस करेंगे, जब

 - (a) वे और विद्यार्थियों के साथ शिक्षा-प्राप्त करते हैं
 - (b) उनकों और विद्यार्थियों से अलग करते हैं
 - (c) वे व्यक्तिगत शिक्षण लेते हैं
 - (d) उन्हें बार-बार जाँचा जाता है

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31–08–2014

Ans : (a) समावेशी कक्षा में जब प्रतिभाशाली और औसत दर्जे के छात्र एक साथ शिक्षा-प्राप्त करते हैं तब प्रतिभाशाली विद्यार्थी अपनी अंतःशक्ति महसूस करते हैं। प्रतिभाशाली विद्यार्थी अन्य विद्यार्थी की अपेक्षा बौद्धिकता में बेहतर होते हैं इसलिए यदि उन्हें सामान्य बच्चों के साथ शिक्षा दी जाती है तो वे शिक्षण में रुचि नहीं लेते हैं। इसलिए प्रतिभाशाली बालकों को अतिरिक्त अनुदेशन की आवश्यकता होती है।

20. निम्न में से कौन-सी प्रतिभावान बालक की विशेषता है?

- (a) अपनी आयु के बालकों से काफी पिछड़ जाते हैं।
 - (b) निम्न बुद्धि-लब्धि होती है
 - (c) तीव्र निर्णय लेने की क्षमता तथा आत्मविश्वासी होते हैं।
 - (d) दसरों से अन्तर्क्रिया करने में असमर्थ होते हैं।

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) प्रतिभावान बालकों की निम्न विशेषताएँ होती हैं-

- इनमें तीव्र निर्णय लेने की क्षमता तथा आत्मविश्वासी होते हैं।
- इनकी ज्ञानेन्द्रियों का विकास अधिक तीव्र गति से होता है।
- इनमें संज्ञानात्मक क्रियाओं की योग्यता अधिक तीव्र होती है।
- ये अमृत विषयों में अधिक रुचि लेते हैं।
- इनमें बौद्धिक नेतृत्व के गुण होते हैं।
- इनके क्रियाकलापों में विविधताएँ पायी जाती हैं।
- इनमें अंतर्दृष्टि या सूझ अधिक होती है।
- इनका शब्द भण्डार अधिक व्यापक होता है।
- ये कठिन विषयों में अधिक रुचि लेते हैं।

21. हस्तशिल्प की शिक्षा (Education of Handicraft) दी जानी चाहिए-

- | | |
|------------------------|---------------------|
| (a) प्रतिभावान बालक को | (b) सृजनशील बालक को |
| (c) पिछड़े बालक को | (d) अपराधी बालक को |

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) हस्तशिल्प की शिक्षा पिछड़े बालकों को दी जानी चाहिए। पिछड़े बालकों के पिछड़ेपन का कारण प्रायः उनकी पारिवारिक स्थिति, विद्यालयी वातावरण, मित्र मंडली तथा उनका स्वयं का शारीरिक, मानसिक, सामाजिक व संवेगात्मक विकास होता है। इन कारणों को दूर करके बालकों के पिछड़ेपन को काफी सीमा तक दूर किया जा सकता है। इसके साथ ही उनको ऐसी शिक्षा दी जानी चाहिए जो उनकी रुचि, आवश्यकता एवं क्षमता के अनुरूप हो।

22. 'बेल पद्धति' के बारे में पढ़ाने के बाद, विद्यार्थियों का दृष्टि विकलांग छात्रों के विद्यालय में ले जाया गया। यह विद्यार्थियों की सहायता करेगा-

- | |
|---|
| (a) दोस्तों के साथ मजा और आनंद लेने में |
| (b) सभी प्रकार के विकलांग छात्रों के प्रति सम्मान विकसित करने में |
| (c) कक्षा के अधिगम को वास्तविक जीवन परिस्थितियों के साथ जोड़ने में |
| (d) दृष्टि विकलांग छात्रों के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति का विकास करने में |

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (d) 'बेल पद्धति' के बारे में पढ़ाने के बाद, विद्यार्थियों में दृष्टि विकलांग छात्रों के विद्यालय में ले जाया गया। यह विद्यार्थियों में दृष्टि विकलांग छात्रों के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति का विकास करने में सहायता करेगा तथा वे अपने अधिगम अनुभव को बाहरी दुनिया से भी जोड़ पायेंगे।

23. आप एक कमजोर छात्र को कैसे पढ़ाएंगे?

- | |
|--|
| (a) उन्हें हर दिन हर एक नई किताब देकर |
| (b) उन्हें बुद्धिमान छात्र के साथ पढ़ाना चाहिए |
| (c) उन्हें अलग से समय देकर पढ़ाना चाहिए |
| (d) उन्हें कहना चाहिए कि उसको कठिन परिश्रम करके सफल होना चाहिए |

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (c) शिक्षक को एक कमजोर छात्र को अलग से समय देकर पढ़ना चाहिए। प्रत्येक कक्षा वर्ग में ज्यादातर छात्र औसत होते हैं, कुछ छात्र कमजोर होते हैं तथा कुछ प्रतिभाशाली होते हैं। ऐसी स्थिति में कमजोर और प्रतिभाशाली दोनों प्रकार के छात्रों को अतिरिक्त अनुदेशन देकर उनकी योग्यता व क्षमता को विकसित करना चाहिए।

24. आप उन छात्रों को कैसे बंद करवाएंगे जो शरारती हैं और मदमत्त पदार्थ लेते हैं?

- | |
|--|
| (a) आप उसे कठोर सजा दे और बाद में सुधार की शिक्षा दे |
| (b) आप उसे, इसकी हरकतों से होने वाले रोगों से अवगत कराये और बाद में उन्हें शिक्षा दे |
| (c) आप उसे मदमत्त पदार्थ दे और बाद में शिक्षा दे |
| (d) आप केवल उन छात्रों तक जाये जो मदमत्त पदार्थ नहीं लेते हैं |

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (b) एक शिक्षक को ऐसे छात्र जो शरारती हैं तथा मदमत्त पदार्थ लेते हैं उनके व्यवहारों में सुधार लाने के लिए उन्हें इसकी हरकतों से होने वाले रोगों से अवगत कराये और बाद में उन्हें शिक्षा देनी चाहिए। शिक्षक उनके व्यवहारों को सुधारने के लिए अधिगम के व्यवहारादी सिद्धांतों का प्रयोग कर सकते हैं जैसे- क्लासिकल अनुबंधन सिद्धांत और क्रिया प्रसूत अनुबंधन सिद्धांत आदि।

25. स्क्रीनिंग यंत्र का उपयोग शिशु शिक्षकों द्वारा स्कूली वर्ष के लिए शिशु शिक्षा योजना में बच्चों की शक्तियों और कमजोरियों की पहचान करने के लिए किया जा सकता है।

- | |
|---|
| (a) पूर्वस्कूली भाषा स्केल - चौथा संस्करण (पीएलएस-4) |
| (b) संस्करण (सीईएलएफ - पूर्वस्कूली-2) आरंभिक अध्ययन क्षमता का परीक्षण- तीसरा संस्करण (टीईआरए-3) |
| (c) ध्वनि जागरूकता साक्षरता स्क्रीनिंग- प्रेक (पीएलएस-प्रेक) |
| (d) भाषा आधारिक पूर्वस्कूल का नैदानिक मूल्यांकन - द्वितीय |

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (c) ध्वनि जागरूकता साक्षरता स्क्रीनिंग-प्रेक (पीएलएस-प्रेक) स्क्रीनिंग यंत्र का उपयोग शिक्षकों द्वारा स्कूली वर्ष के लिए शिशु शिक्षा योजना में बच्चों की शक्तियों और कमजोरियों की पहचान करने के लिए किया जा सकता है। इसका प्रयोग इसलिए किया जाना चाहिए ताकि यह जाना जा सके कि बच्चे ने क्या सीख लिया है और आगे वे क्या सीख सकते हैं तथा उनकी योग्यता और क्षमता को पहचान कर आगे की रणनीति बनाया जा सके। पीएलएस-प्रेक चार (4) साल तक के बच्चों के निर्देशन के लिए तैयार किया गया है।

26. जब शिक्षिका कक्षा के अन्य शिक्षार्थियों के साथ समूह गतिविधियों में दृष्टिबाधित शिक्षार्थी को शामिल करती है, तब यह—

- समाहित शिक्षा की मूलभावना के अनुसार कार्य करती है
- दृष्टिबाधित शिक्षार्थी के प्रति सभी शिक्षार्थियों में सहानुभूमि विकसित करने में मदद करती है
- संभवतः दृष्टिबाधित- शिक्षार्थी पर दबाव बढ़ाना चाहती है
- कक्षा के लिए सीखने में बाधा उत्पन्न करना चाहती है

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (a) जब शिक्षिका कक्षा के अन्य शिक्षार्थियों के साथ समूह गतिविधियों में दृष्टिबाधित विद्यार्थी को शामिल करती है, तब यह समाहित शिक्षा की मूलभावना के अनुसार कार्य करती है। समाहित शिक्षा या समावेशी शिक्षा का लक्ष्य प्रत्येक बच्चे को उनकी शारीरिक, बौद्धिक, सामाजिक, भावात्मक या अन्य दशाओं पर ध्यान दिये बिना उच्च कोटि की शिक्षा की सुलभता प्रदान करना है। समावेशी शिक्षा में नियमित विद्यालयों में अपने सामान्य समकक्षी बच्चों के साथ दिव्यांग बच्चों की शिक्षा सुगम बनाती है।

27. एक शिक्षिका अपनी कक्षा के जन्मजात प्रतिभा के धनीबच्चों को उनकी क्षमता प्राप्त करना चाहती है। उसे अपने उद्देश्य की प्राप्ति के लिए निम्नलिखित में से क्या नहीं करना चाहिए?

- उन्हें गैर-अकादमिक गतिविधियों का आनन्द लेने की शिक्षा देना
- उन्हें दबाव से निपटने की शिक्षा देना
- उन्हें उनके समवयस्कों से अलग करना
- उन्हें उनकी सृजनात्मकता बढ़ाने की चुनौती देना

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (c) यदि कोई शिक्षिका अपनी कक्षा के जन्मजात प्रतिभा के धनी बच्चों को उनकी क्षमता प्राप्त करना चाहती है, तो उसे निम्नलिखित कार्य करने चाहिए—

- प्रतिभाशाली बच्चों को गैर अकादमिक गतिविधियों का आनन्द लेने की शिक्षा देना
- उन्हें दबाव से निपटने की शिक्षा देना
- उन्हें उनकी सृजनात्मकता बढ़ाने की चुनौती देना
- उन्हें अतिरिक्त अनुदेशन के माध्यम से सम्पूर्ण कार्यक्रम देना
- तीव्र उत्तरि देना

अतः जन्मजात प्रतिभा के धनी बच्चों के उनकी क्षमता प्राप्त करने के लिए उन्हें उनके समवयस्कों से अलग नहीं करना चाहिए बल्कि उनके सहयोगात्मक, संवेदनशीलता आदि गुणों का विकास करना चाहिए।

28. विकलांग बच्चों के लिए केन्द्र प्रायोजित एकीकृत योजना का उद्देश्य विकलांग बच्चों को शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराना है—

- नियमित विद्यालयों में
- विशेष विद्यालयों में
- खुले विद्यालयों में
- अंधजन मंडल विद्यालयों में

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (a) विकलांग बच्चों के लिए केन्द्र प्रायोजित एकीकृत योजना का उद्देश्य विकलांग बच्चों को नियमित विद्यालय (सामान्य विद्यालय) में शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराना है। एकीकृत का अर्थ होता है पृथक किये हुए लोगों को पुनः मिश्रित करना अथवा जोड़ना। अर्थात् विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों या विकलांग विद्यार्थियों को सामान्य विद्यालय में शैक्षिक सुविधाएँ व शैक्षिक अवसर उपलब्ध करना ही एकीकृत शिक्षा कहलाता है। एकीकृत शिक्षा में विकलांग बच्चे के सामान्य विद्यालय के अंतर्गत विशेष कक्षा में पढ़ाया जाता है। विकलांग बच्चे अलग कक्षा में तो शिक्षा ग्रहण करते हैं परन्तु कक्षा के बाहर दूसरे कार्य सामान्य बच्चों के साथ करते हैं।

29. विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को शिक्षा प्रदान की जानी चाहिए—

- विशेष विद्यालयों में
- विशेष विद्यालयों में विशेष शिक्षकों द्वारा
- अन्य सामान्य बच्चों के साथ
- विशेष विद्यालयों में विशेष बच्चों के लिए विकसित पद्धतियों द्वारा

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (c) विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को अन्य सामान्य बच्चों के साथ शिक्षा प्रदान की जानी चाहिए। शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009, सभी बच्चों को सामान्य विद्यालय में शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार देता है वहीं समावेशी शिक्षा भी विशिष्ट बालकों को सामान्य बच्चों के साथ शिक्षा प्राप्त करने के लिए उपबंधित करता है। इन्हीं उपबंधों को ध्यान में रखते हुए एकीकृत शिक्षा को समावेशी शिक्षा में विस्तृप्ति किया गया है।

30. 'चक्षु-बाधित' V-श्रेणी के छात्र को

- निम्न स्तर के कार्यों से छूट मिलनी चाहिए
- अभिभावकों/मित्रों द्वारा उसके दैनिक कार्यों में मदद मिलनी चाहिए
- कक्षा में सामान्य व्यवहार किया जाना चाहिए तथा आँड़ियों सीड़ी के माध्यम से सहायता दी जानी चाहिए
- कक्षा में विशेष व्यवहार किया जाना चाहिए

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (c) 'चक्षु-बाधित' V-श्रेणी के छात्र को कक्षा में सामान्य व्यवहार किया जाना चाहिए तथा आँड़ियों सीड़ी के माध्यम से सहायता दी जानी चाहिए। यदि कक्षा में उनके साथ विशेष व्यवहार किया जाता है तो उनमें आत्महीनता तथा परनिर्भरता जैसी भावना उत्पन्न होगी जो उसके विकास को बाधित करेगी।

31. समावेशी शिक्षा—

- दाखिले सम्बन्धी कठोर प्रक्रियाओं को बढ़ावा देती है
- तथ्यों की शिक्षा (मतारोपण) से सम्बन्धित है
- हाँशिए पर स्थित वर्गों से शिक्षकों को सम्मिति करने से सम्बन्धित है
- कक्षा में विविधता का उत्सव मनाती है

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (d) समावेशी शिक्षा कक्षा में विविधता का उत्सव मनाती है। समावेशी शिक्षा से तात्पर्य एक ऐसी शिक्षा प्रणाली से है जिसमें विद्यार्थी जो दिव्यांगता और बिना दिव्यांगता वाले (अर्थात् सामान्य विद्यार्थी) एक साथ सीखते हैं और सीखने तथा सिखाने की प्रणाली में इस प्रकार अनुकूलन किया जाता है कि विभिन्न प्रकार के दिव्यांगता वाले विद्यार्थियों की अधिगम जरूरतें पूरी की जा सके। यह विद्यार्थियों की विविधता, उनकी पृष्ठभूमि, अनुभव, आकांक्षाओं, रुचियों, ज्ञान और कौशलों के प्रति विद्यालय को संवेदनशील बनाता है।

32. एक समावेशी कक्षा में कविता पढ़ाने के लिए आप क्या करेंगे?
- कविता को टेपरिकॉर्डर से सुनाएंगे, ताकि सभी बच्चों पर ध्यान दिया जा सके
 - कविता को पढ़ाने के लिए एक से अधिक विधियों का प्रयोग करेंगे, ताकि बच्चों को विभिन्न इन्द्रियों से अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिल सके
 - एक ही कविता को पाँच बार सुनाएंगे, पाठ करवाएंगे, ताकि सभी बच्चों की समझ में आ जाए
 - कविता को चार्ट पेपर पर लिखकर बच्चों की पहुँच से दूर दीवार पर लगा देंगे और उसकी ओर संकेत करके कविता जोर-जोर से पढ़ेंगे

NVS PGT 2018

Ans : (b) एक समावेशी कक्षा में कविता को पढ़ाने के लिए एक शिक्षक को एक से अधिक विधियों का प्रयोग करना चाहिए ताकि बच्चों को विभिन्न इन्द्रियों से अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिल सके।

33. आपने अपने विद्यार्थियों को एक प्रश्न दिया है- “धर से विद्यालय आने तक आप रास्ते में जो-जो चीजें देखते हैं, उन्हें लिखें”, आपकी कक्षा में एक विद्यार्थी दृष्टिबाधित है आप-
- प्रश्न में उस बच्चे की आवश्यकता के अनुसार परिवर्तन करेंगी
 - स्वयं प्रश्न का उत्तर लिखकर देंगी
 - उसे इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए मना करेंगी
 - उसे कहेंगी कि अपने सहपाठी से पूछकर लिख लो

DSSSB PRT 2018

Ans : (a) उपर्युक्त समस्या के समाधान के लिए एक शिक्षिका को प्रश्न में दृष्टिबाधित विद्यार्थी की आवश्यकता के अनुसार परिवर्तन करना चाहिए। एक समावेशी कक्षा में सभी विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर गतिविधियाँ संचालित करनी चाहिए।

2. एकीकृत शिक्षा

34. संघटित शिक्षण (Integrated education) की सफलता किस पर आधारित होती है?

- समाज का समर्थन
- पाठ्य-पुस्तकों की उत्कृष्टता
- पढ़ाई-ज्ञान के साधनों का उत्कृष्ट दरजा
- शिक्षकों के रवैये में बदलाव

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31–08–2014

Ans : (a) संघटित शिक्षण की सफलता पाठ्य पुस्तकों की उत्कृष्टता पर आधारित होती है। संघटित शिक्षण में विकलांग बच्चों को सामान्य विद्यालय के अंतर्गत विशेष कक्षा में पढ़ाया जाता है। संघटित शिक्षण में चूंकि सभी बच्चों को सामान्य विद्यालय में ही पढ़ाया जाता है इसलिए सामाजिक सहमति आवश्यक है तथा समाज द्वारा इस मान्यता को स्वीकार किया जाना चाहिए।

3. अधिगम अक्षमता का अर्थ वर्गीकरण एवं अधिगम अक्षम बालकों की शिक्षा

35. निम्नलिखित में से कौन-सा विशिष्ट अधिगम निःशक्तता का उदाहरण है?

- पठनवैकल्य (Dyslexia)
- ए.डी.ए.च.डी.
- ऑटोस्टिक स्पैक्ट्रम विकार
- मानसिक मंदन

TGT-KVS, 08–01–2017

Ans : (a) पठनवैकल्य (डिस्लेक्सिया) को भाषायी और सांकेतिक कोडों और भाषा के ध्वनियों का प्रतिनिधित्व करने वाले वर्णमाला के अक्षरों या संख्याओं का प्रतिनिधित्व कर रहे अंकों के संसाधन में होने वाली कठिनाई के रूप में परिभाषित किया जाता है। यह भाषा के लिखित रूप, मौखिक रूप एवं भाषायी दक्षता को प्रभावित करता है।

36. डिस्लेक्सिया का लक्षण में कठिनाई है।

- मूल पाठ समझना
- संख्या प्रसंस्करण
- संक्षिप्त संकल्पना
- लेखन

KVS-PRT Post Code 16/17, 29–10–2017

Ans : (a) डिस्लेक्सिया का लक्षण मूल पाठ को समझने में कठिनाई है। दूसरे शब्दों में डिस्लेक्सिया एक प्रकार का पठन अक्षमता है।

37. विकलांगता जो एक बालक की हस्तलेख योग्यता और सूक्ष्म प्रेरक कौशल को प्रभावित करती है-

- डिस्कैल्कूलिया
- डिस्ट्राफिया
- डिस्टोनिया
- डिस्मोर्फिया

KVS-PRT Post Code 16/17, 29–10–2017

Ans : (b) डिस्ट्राफिया— डिस्ट्राफिया एक प्रकार की विकलांगता है जो एक बालक की हस्तलेख योग्यता और सूक्ष्म प्रेरक कौशल को प्रभावित करती है। इसमें स्पेलिंग, हस्तलेखन और काम्प्रीहेंशन यानि अवधारणात्मक पाठों (शब्दों, वाक्यों, और पैराग्राफों को संयोजित करना) जैसे कौशल बाधित होते हैं। डिस्ट्राफिया से ग्रसित बच्चों की लेखन प्रक्रिया धीमी तथा कठिन होती है।

38. एक बच्चा 'AND' और 'TAN', 'STARED' और 'STARTED' में अंतर नहीं कर पाता स्थिति क्या हो सकती है?

- (a) डिस्ट्राफिया
- (b) डिस्लेक्सिया
- (c) डिस्कैल्कुलिया
- (d) डिस्ट्राफिया

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (b) डिस्लेक्सिया— डिस्लेक्सिया पढ़ने लिखने से जुड़ी एक खास विकलांगता है जिसका असर पढ़ने और भाषा के समझने और बरतने पर पड़ता है। डिस्लेक्सिया से पीड़ित बच्चों को पढ़ने, लिखने, स्पेलिंग लिखने या बोलने में कठिनाई होती है।

39. जब कोई शिक्षिका एक आँखों से कमजोर शिक्षार्थी को बाकी शिक्षार्थियों के साथ समूह गतिविधियों में सम्मिलित करती है, तब वह—

- (a) सम्मिलित शिक्षण के मनोभाव से काम करती है
- (b) आँखों से कमजोर शिक्षार्थी की ओर सभी शिक्षार्थियों को सहानुभूति जताने में सहायता करती है
- (c) आँखों से कमजोर शिक्षार्थी पर संभवतः दबाव डाल रही है
- (d) क्लास में शिक्षण में बाधा उत्पन्न कर रही है?

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (a) जब कोई शिक्षिका एक आँखों से कमजोर शिक्षार्थी को बाकी शिक्षार्थियों के साथ समूह गतिविधियों में सम्मिलित करती है तो वह सम्मिलित शिक्षण के मनोभाव से काम करती है। शिक्षण का ऐसा स्वरूप समावेशी शिक्षा के अंतर्गत आता है जिसमें सामान्य तथा विशिष्ट दोनों प्रकार के बालकों को एक साथ अधिगम अनुभव प्राप्त करने का अवसर दिया जाता है। शिक्षा का समावेशीकरण यह बताता है कि विशेष शैक्षणिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए एक सामान्य छात्र और एक दिव्यांग को समान शिक्षा प्राप्ति के अवसर मिलने चाहिए।

40. पढ़ने की असमर्थता (Dyslexia) है एक—

- (a) व्यावहारिक विकार
- (b) नाड़ी तंत्र का विकार
- (c) पठन विकार
- (d) मानसिक विकार

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (c) पढ़ने की असमर्थता (Dyslexia)— एक प्रकार का पठन विकार है। इससे पीड़ित बालक को वर्णाली अधिगम में कठिनाई, अक्षरों की ध्वनियों को सीखने में कठिनाई, एकाग्रता में कठिनाई, पढ़ते समय स्वर वर्णों का लोप होना, वर्तनी दोष से पीड़ित होना, शब्दकोष का अभाव, क्षीण स्मरण शक्ति आदि समस्याओं का सामना करना पड़ता है। डिस्लेक्सिया का पूर्ण उपचार तो असंभव है लेकिन इसको उचित शिक्षण-अधिगम पद्धति के द्वारा निम्नतम स्तर पर लाया जा सकता है।

41. छात्रों की अधिगम कठिनाइयों को हल करने के लिए, विशेषकर प्राथमिक स्तर पर, उपयोग में लाया जाने वाला श्रेष्ठ तरीका है—

- (a) अपंगता अनुसार उपयुक्त शिक्षण पद्धतियों का प्रयोग
- (b) महँगा एवं चमकदार सामग्री का सहयोग
- (c) सरल एवं रुचिकर पाठ्यपुस्तक
- (d) कहानी सुनाने की पद्धति

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (a) छात्रों की अधिगम कठिनाइयों को हल करने के लिए, विशेषकर प्राथमिक स्तर पर उपयोग में लाया जाने वाला श्रेष्ठ तरीका यह है कि छात्रों की अधिगम अपंगता के अनुसार शिक्षण पद्धतियों का प्रयोग किया जाये। अधिगम अपंगता एक विशेष प्रकार की अधिगम अक्षमता है जिससे पीड़ित बालक लिखने, पढ़ने, बोलने, गणितीय सक्रियाएँ करने आदि में कठिनाई महसूस करता है। ऐसे बच्चों के शिक्षण के लिए शिक्षक में एक विशेष प्रकार का कौशल होना चाहिए ताकि वह विभिन्न शिक्षण कौशलों, युक्तियों, प्रविधियों आदि का उपयोग करते हुए प्रत्येक बालक के अधिगम को सुनिश्चित करे।

4. निर्देशन एवं परामर्श

42. एक अध्यापक का सर्वाधिक महत्वपूर्ण कार्य है—

- (a) जहाँ भी आवश्यकता हो उपचारात्मक सहायता प्रदान करना
- (b) प्रभावी अध्यापन करना
- (c) कक्षा में व्यवस्था और अनुशासन कायम रखना
- (d) बच्चों के विकास को मार्ग-दर्शित करना

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (d) शिक्षक का कार्य मात्र कक्षा में शिक्षण कार्य करने पर ही समाप्त नहीं हो जाता, बल्कि छात्रों को उचित निर्देशन प्रदान करना, विद्यार्थियों की भावनाओं को समझना, विद्यालय में सामाजिक वातावरण का निर्माण करना विभिन्न पाठ्य सहगामी क्रियाओं का संचालन करना आदि भी महत्वपूर्ण कार्य होता है। एक अध्यापक का सर्वाधिक महत्वपूर्ण कार्य है बच्चों के विकास को मार्ग-दर्शित करना।

43. परामर्श प्रक्रिया की निम्नलिखित अवस्थाओं को उस अनुक्रम में रखें जिसमें इनका पालन किया जाता है—

कोड :

- (i) परानुभूतिक समझ स्थापित करना
- (ii) समापन तथा अनुवर्ती कार्यवाही
- (iii) आरंभिक प्रक्रियाएँ
- (iv) अंतःक्षेप कार्यनीतियाँ

कोड :

- | | |
|----------------------------|----------------------------|
| (a) (i), (iii), (iv), (ii) | (b) (i), (ii), (iv), (iii) |
| (c) (i), (iv), (ii), (iii) | (d) (iv), (iii), (ii), (i) |

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (a) परामर्श प्रक्रिया के अवस्थाओं का अनुक्रम निम्नलिखित है—

- (i) परानुभूतिक समझ स्थापित करना
- (ii) आरंभिक प्रक्रियाएँ
- (iii) अंतःक्षेप कार्यनीतियाँ
- (iv) समापन तथा अनुवर्ती कार्यवाही

44. निम्नांकित में से क्या परामर्श की विशिष्टता नहीं है?

- (a) वातावरण निर्माण
- (b) स्वतंत्र अभिव्यक्ति के अवसर
- (c) परामर्शदाता की सक्रियता
- (d) व्यक्तिगत साक्षात्कार

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (d) केवल व्यक्तिगत साक्षात्कार परामर्श की विशिष्टता नहीं है अपितु समूह साक्षात्कार भी होता है। अन्य-वातावरण का निर्माण, स्वतंत्र अभिव्यक्ति के अवसर, तथा परामर्शदाता की सक्रियता परामर्श के आवश्यक तत्व है क्योंकि मैत्रीपूर्ण अथवा सौहार्दपूर्ण वातावरण में परामर्श अधिक सफल होता है तथा परामर्श के प्रजातांत्रिक स्वरूप के कारण प्रार्थी परामर्शदाता के सम्मुख अपने विचार रखने में स्वतंत्र रहता है।

4.

शैक्षिक मूल्यांकन

1. मूल्यांकन की प्रमुख तकनीकें- अवलोकन तकनीक, स्व-आकलन तकनीक, परीक्षण तकनीक समाजमितीय तकनीक प्रक्षेपीय तकनीक

1. निम्नलिखित में से किसकी संप्राप्ति वस्तुनिष्ठ प्रकार के परीक्षण मदों का प्रयोग करने में नहीं की जा सकती है?
- (a) विषयवस्तु का व्यापक विस्तार
 - (b) समस्या समाधान योग्यता
 - (c) उच्च कोटि की विश्वसनीयता
 - (d) समंकन प्रक्रिया में वस्तुनिष्ठता

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (b) समस्या समाधान योग्यता की संप्राप्ति वस्तुनिष्ठ प्रकार के परीक्षण मदों का प्रयोग करने से नहीं की जा सकती है। समस्या समाधान योग्यता की संप्राप्ति विषयनिष्ठ प्रकार के परीक्षण मदों का प्रयोग करके किया जाता है।

2. सत्य-असत्य परीक्षण का सर्वाधिक महत्वपूर्ण लाभ है—
- (a) इसका व्यापक प्रतिदर्शन
 - (b) इसके मदों की वैधता
 - (c) इसका उच्च नैदानिक मूल्य
 - (d) इसमें संशुद्धि के माध्यम से अनुमान का विलोपन

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (a) सत्य-असत्य परीक्षण का सर्वाधिक महत्वपूर्ण लाभ है, इसका व्यापक प्रतिदर्शन। सत्य-असत्य परीक्षण वस्तुनिष्ठ प्रकार का परीक्षण होता है जिसमें विषय के व्यापक क्षेत्र को समाहित किया जा सकता है।

3. प्रक्षेपीय तकनीक इसके मापने में उपयोग होती है—
- (a) व्यक्ति की स्व-यथार्थवाद की आवश्यकता
 - (b) व्यक्ति की विद्वता रुचि
 - (c) व्यक्ति की प्रभावशाली भावना, संघर्ष, आवश्यकता, सामान्तर्य: व्यक्तियों की भावना अनजाने मन से संग्रहण करना
 - (d) बच्चों की भाषा को सुधरने के लिए दण्ड एवं पुरस्कार आवश्यक व्यक्ति मूल्य पद्धति

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (c) प्रक्षेपीय तकनीक व्यक्ति की प्रभावशाली भावना, संघर्ष, आवश्यकता, सामान्तर्य: व्यक्तियों की भावना अनजाने मन से संग्रहण करने में उपयोगी होती है। प्रक्षेपण से अभिप्राय अचेतन को जानने की उस प्रक्रिया से है, जिसमें व्यक्ति अपने विचारों, दृष्टिकोण, संवेगों, गुणों, आवश्यकताओं आदि को अन्य व्यक्तियों या वस्तुओं के माध्यम से अपरोक्ष ढंग से अभिव्यक्त कर देता है।

4. यह खुले आम देखा गया है कि मापन में बहुत ज्यादा उलझाता है।

- | | |
|-----------|---------------|
| (a) शासन | (b) पर्यावरण |
| (c) अधिगम | (d) मूल्यांकन |

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (d) यह खुले आम देखा गया है कि मूल्यांकन मापन में बहुत ज्यादा उलझता है। किसी वस्तु में निहित किसी गुण की मात्रा को सूक्ष्मता से जात करना मापन है। मापन प्रायः एक विमीय वस्थायी होता है और यह मूल्यांकन को आधार प्रदान करता है। मूल्यांकन एक व्यापक प्रत्यय है जो किसी वस्तु में निहित गुणों की मात्रा के आधार पर उसकी वांछनीयता की श्रेणी का निर्धारण करता है जो समय परिस्थिति तथा आवश्यकता के अनुसार परिवर्तित होती रहती है। शिक्षा में मापन और मूल्यांकन दोनों की ही महत्व है तथा दोनों ही शिक्षा के उद्देश्यों को प्राप्त करने में सहायता करते हैं।

5. प्रेरणा ही मूल्यांकन का उद्देश्य है।

- | | |
|------------|--------------|
| (a) मूल | (b) प्राथमिक |
| (c) ऐच्छिक | (d) वैयक्तिक |

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (a) प्रेरणा ही मूल्यांकन का मूल उद्देश्य है। मूल्यांकन छात्रों को अपनी प्रगति की जानकारी तो देता ही है साथ ही उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा तथा आत्मविश्वास भी जागृत करता है। अध्यापकों को शिक्षण हेतु उपयुक्त प्रविधि के चुनाव में शिक्षण विधि की सफलता जानने में उपयुक्त परीक्षा प्रणाली विकसित करने में मापन तथा मूल्यांकन का विशेष महत्व होता है। अभिभावक अपने बालकों हेतु विद्यालय, पाठ्यक्रम, भावी दिशा तय करने में मूल्यांकन का सहारा लेते हैं। इस प्रकार छात्रों, अध्यापकों, अभिभावकों सभी को मूल्यांकन शिक्षा में सुधार करने, प्रगति करने भावी दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

6. प्रश्नों के उत्तर लिखने की जगह जब प्रत्यार्थी को आमने-सामने साक्षात्कार के माध्यम से प्रश्न दिये जाते हैं, वह है—

- | | |
|-------------|----------------|
| (a) तालिका | (b) प्रश्नावली |
| (c) अनुसूची | (d) परीक्षण |

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (c) अनुसूची प्राथमिक तथ्य संकलन की एक ऐसी विधि है जिसमें अवलोकन, साक्षात्कार तथा प्रश्नावली इन तीनों की ही विशेषताएँ एवं गुण एक साथ पाये जाते हैं। इसके द्वारा उन क्षेत्र के सूचनादाताओं से भी सूचना प्राप्त की जाती है जो कि पढ़े लिखे नहीं हैं। यह एक प्रत्यक्ष विधि है, जिसमें साक्षात्कारकर्ता उत्तरदाता के साथ आमने-सामने प्रश्न पूछकर भरता है। यह प्रश्नों की एक औपचारिक तालिका या फार्म होती है जिसका प्रयोग द्वितीयक समंक या तथ्य संकलन में होता है। अनुसूची के माध्यम से सामाजिक अभिवृत्तियों, विचारों, व्यवहार प्रतिमानों, समूह व्यवहारों आदि से सम्बन्धित तथ्यों का संकलन किया जाता है।

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (c) मानसिक मापन के विचार के द्वारा निष्पक्ष प्रशंसा मूल्य का रखेया अपनाया जा सकता है। मापन को किसी व्यक्ति या वस्तु में निहित किसी विशेषता की मात्रा का आंकिक वर्णन प्राप्त करने की प्रक्रिया के रूप में परिभाषित किया गया है, अर्थात् मापन का स्वरूप मात्रात्मक है तथा यह एक प्रक्रिया है।

8. किसी का मूल्य व कीमत मालूम करने की प्रक्रिया है—

 - (a) परीक्षण
 - (b) मापन
 - (c) आकलन
 - (d) मल्यांकन

NCERT PRT 30-07-2017

Ans : (d) किसी का मूल्य व कीमत मालूम करने की प्रक्रिया मूल्यांकन के अंतर्गत आती है। ब्रेकफील्ड तथा मोरडोके के अनुसार- “मूल्यांकन किसी सामाजिक, सांस्कृतिक अथवा वैज्ञानिक मानदण्ड के संदर्भ में किसी घटना को प्रतीक आवर्तित करना है जिससे उस घटना का महत्व अथवा मूल्य ज्ञात किया जा सके।”

9. छात्रों के अर्जित ज्ञान (acquired knowledge) की जाँच करने के लिए प्रयोग में ली जाने वाली प्रविधि है—

Ans : (a) छात्रों के अर्जित ज्ञान की जाँच करने के लिए प्रयोग में ली जाने वाली प्रविधि परीक्षण कहलाती है। शिक्षा के क्षेत्र में परीक्षण कई प्रकार के हो सकते हैं- उपलब्धि परीक्षण, नैदानिक परीक्षण, मानकीकृत परीक्षण, अध्यापक निर्मित परीक्षण या अमानकीकृत परीक्षण, मानक संदर्भित परीक्षण तथा मानदण्ड संदर्भित परीक्षण आदि। ये परीक्षण बालक के ज्ञान, उपलब्धि, व्यवहारों, त्रुटियों आदि का परीक्षण करते हैं जिसके आधार पर शिक्षक कोई निर्णय लेता है।

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (b) आकलन रणनीति को ध्यानपूर्वक अन्याय को रोकने के लिए डिजाइन किया जाना चाहिए। आकलन रणनीतियाँ निष्पक्ष, कम खर्चाली, विश्वसनीय, वस्तुनिष्ठ तथा वैध होनी चाहिए तथा परीक्षण जिस प्रतिरद्दश पर प्रशासित किया जाना है उसी योग्यता व क्षमता के अनुरूप होना चाहिए।

11. एक चयनित प्रतिक्रियात्मक प्रश्न को छात्रों द्वारा
..... की आवश्यकता होती है।

 - (a) सही जवाब का निर्माण करने
 - (b) कई संभावनाओं से सही
 - (c) सही जवाब पहचानने
 - (d) सही जवाब को विस्तृत करने

PBT Post Code 70/09.02.2014

Ans : (c) एक चयनित प्रतिक्रियात्मक प्रश्न को छात्रों द्वारा सही जवाब पहचानने की आवश्यकता होती है। यह माना जाता है कि चयनित प्रतिक्रियात्मक प्रश्न में वस्तुनिष्ठता का गुण होता है। इस प्रकार के प्रश्नों से अंक प्राप्त करना सरल तथा वस्तुनिष्ठ माना जाता है। चयनित प्रकार के प्रश्नों को मुख्यतः तीन भागों में विभक्त किया जा सकता है-

- (i) वैयक्तिक उत्तर वाले प्रश्न
 - (ii) मिलान करने वाले प्रश्न
 - (iii) बहुविकल्पीय प्रश्न

- ## **12. मापन का पहला चरण क्या है?**

(a) निर्णय लेना कि क्या मापना होगा

(b) परीक्षण का विकास

(c) परीक्षण का प्रबंधन

(d) इनमें से कोई नहीं

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (a) मापन का पहला चरण यह निर्णय लेना होता है कि क्या मापना है। मापन में यह महत्वपूर्ण होता है कि हम जिस गुण का मापन करना चाहते हैं उसी का मापन हो न कि किसी अन्य गुण या चर का। जब कोई परीक्षण इच्छित योग्यता या गुण का पूर्ण या आंशिक मापन करता है तब प्राप्त अंक त्रुटिपूर्ण हो जाते हैं। चूंकि ये त्रुटियाँ सभी परीक्षाथियों को समान रूप से प्रभावित करती हैं इसलिए इन्हें स्थिर त्रुटि कहते हैं।

13. प्रोत्साहन, संलग्नक, ग्रहण/अवलोकन और अध्ययन पर्यटन क्या प्रदान करता है?

- (a) प्रबंधकों को कठिन परिस्थितियों का सामना करने के समय विकल्प तलाशने में मदद करता है
- (b) व्यावहारिक शिक्षा और आपके जैसी परिस्थितियों का सामना दूसरे कैसे करते हैं, उसके उदाहरण प्रदान करता है
- (c) मुद्दों पर चर्चा और प्रबंधन प्रणाली को विकसित करने या बेहतर बनाने में मदद करता है
- (d) दाएँ से जोर्ड तर्जी

BBT Post Gada 70/09.02.02.2014

Ans : (b) प्रोत्साहन, संलग्नक, ग्रहण/अवलोकन और अध्यापन पर्यटन व्यावहारिक शिक्षा और आपके जैसी परिस्थितियों का समान दूसरे कैसे करते हैं, उसके उदाहरण प्रदान करता है। इसमें उसी प्रकार के उदाहरण संलग्न रहते हैं जिस प्रकार की समस्या के लिए उचित समाधान की आवश्यकता रहती है।

14. स्कूली अंतर के बीच शिशुओं के लिए स्कूली प्रभावशीलता का आकलन करने का सबसे आम तरीका कौन-सा है?

(a) मैट्रिक्स (b) ग्रेड दृष्टिकोण के मध्य
 (c) सांख्यिकीय नियंत्रण (d) इनमें से कोई नहीं

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

15. शिक्षार्थी के 'स्व-विनियमन' का तात्पर्य है—
- अपना अधिगम स्वयं मानीटर करने की उसकी योग्यता
 - छात्र व्यवहार हेतु विनियम बनाना
 - छात्र निकाय द्वारा बनाए गए नियम व विनियम
 - स्व-अनुशासन एवं नियंत्रण

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (a) शिक्षार्थी के 'स्व-विनियमन' का तात्पर्य है— अपना अधिगम स्वयं मानीटर करने की उसकी योग्यता। शिक्षार्थी द्वारा स्व-विनियमन उन्हें अपने अधिगम पर विचार करने के पर्याप्त अवसर प्रदान करता है। इस प्रकार के विनियमन में विद्यार्थी शिक्षण के उद्देश्यों तथा निष्पादन के नियमों से अवगत हो जाते हैं तथा उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रयासरत हो जाते हैं। इस प्रक्रिया में वे उद्देश्य के निर्धारण, अपनी प्रगति की जाँच तथा परिणामों पर पुनर्विचार की प्रक्रिया में सम्मिलित होते हैं।

16. आकलन को 'उपयोगी और रुचिकर' प्रक्रिया बनाने के लिए निम्नलिखित सावधानी बरतनी चाहिए—
- विद्यालयीन तथा सह-विद्यालयी सीमाओं में छात्र के अधिगम के बारे में सूचना एकत्रित करने के लिए विविध तरीकों का उपयोग करने में
 - पृष्ठापोषण देने के लिए तकनीकी परिभाषा का प्रयोग करने में
 - अलग-अलग छात्रों में तुलना करने में
 - छात्रों की बुद्धिमान अथवा औसत शिक्षार्थीयों के रूप में पहचान करने में

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (a) आकलन को 'उपयोगी और रुचिकर' प्रक्रिया बनाने के लिए विद्यालयी तथा सह-विद्यालयी सीमाओं में छात्र के अधिगम के बारे में सूचना एकत्रित करने के लिए विविध तरीकों का उपयोग करना चाहिए ताकि उनका समग्र आकलन किया जा सके। बाल केन्द्रित शिक्षा में आकलन को मात्र उनके कक्षार्थी ज्ञान तक सीमित नहीं रखा जाता बल्कि इसे उनके व्यवहार, अभिवृत्ति, मूल्यों आदि तक विस्तारित किया जाता है जो विद्यालय के साथ-साथ विद्यालय के बाहरी जीवन से सीधे जुड़े होते हैं। अर्थात् आकलन का मुख्य उद्देश्य उनके सैद्धान्तिक ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक ज्ञान का भी मूल्यांकन करना होता है।

17. अवलोकनीय तथ्यों से निष्कर्ष निकालने की प्रक्रिया कही जाती है।
- मस्तिष्क-आलोड़न (Brain storming)
 - विश्लेषण
 - प्रतिपादन
 - निगमन

DSSSB TGT 2016

Ans : (b) अवलोकनीय तथ्यों से निष्कर्ष निकालने की प्रक्रिया विश्लेषण कही जाती है। किसी विधान या व्यवस्थाक्रम की सूक्ष्मता से परीक्षण करने की तथा उसके मूल तत्वों को खोजने की क्रिया को 'विश्लेषण' नाम दिया जाता है।

18. एक शिक्षक शिक्षार्थीयों को कुछ मानदण्ड देते हैं और कहते हैं कि वे उन पर आधारित अपनी परियोजना का आकलन करें। निम्नलिखित में से कौन-से आकलन के तरीके का प्रयोग शिक्षक द्वारा किया गया है?
- रचनात्मक आकलन (Formative assessment)
 - समकक्षी आकलन (Peer assessment)
 - स्व आकलन
 - संकल्पनात्मक आकलन (Summative assessment)

KVS TGT 2018

Ans : (c) शिक्षक द्वारा स्व-आकलन के तरीके का प्रयोग किया गया है। शिक्षार्थी बहुत खुशी से अपने अनुभवों की सम्पूर्णता पर टिप्पणी देते हैं। व्यक्तिगत और सामूहिक दोनों स्तर के ऐसे अभ्यास बनाये जाने चाहिए जिनसे बच्चे अपने अधिगम का ऑकलन करने और उस पर चिंतन करने में सक्षम हो पाये। इस तरह से अनुभव उन्हें स्व-नियमन की क्षमताएँ भी देते हैं जो 'सीखने के लिए सीखने' हेतु जरूरी होती है।

19. 'प्रयोग करना' आकलन का एक संकेतक है। निम्नलिखित में से कौन-सा प्रयोग करने सम्बन्धी संकेतक का आकलन करने का सबसे उपयुक्त तरीका है?

- सृजनात्मक लेखन
- निर्दर्शन/प्रदर्शन
- हस्तप्रक गतिविधि
- चित्र-पठन

KVS TGT 2017

Ans : (c) हस्तप्रक गतिविधि, प्रयोग करने सम्बन्धी संकेतक का आकलन करने का सबसे उपयुक्त तरीका है, क्योंकि प्रयोग संबंधी आकलन के माध्यम से विद्यार्थीयों की क्रियात्मकता एवं रचनात्मकता का आकलन किया जा सकता है।

20. शैक्षिक प्रक्रियाओं के मूल्यांकन के सन्दर्भ में आप किस कथन से सहमति प्रकट करेंगे?

- कक्षा 8 तक विद्यार्थीयों को फेल न किए जाने के प्रावधान के कारण ही विद्यार्थी सीख नहीं पा रहे हैं
- परीक्षा और फेल हो जाने का डर वास्तव में बच्चों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनकर काम करता है
- बच्चों को पास-फेल करना वास्तव में व्यवस्थागत विफलताओं को बच्चों के सिर मढ़ना है
- कक्षा 8 तक विद्यार्थीयों को फेल नहीं करने के प्रावधान के कारण देश में शिक्षा का स्तर गिर रहा है

DSSSB PRT 2018

Ans : (c) "बच्चों को पास-फेल करना वास्तव में व्यवस्थागत विफलताओं को बच्चों के सिर मढ़ना है।" यह कथन शैक्षिक प्रक्रियाओं के मूल्यांकन के सन्दर्भ में सर्वाधिक उपयुक्त है।

21. अवलोकन को आकलन का भाग तभी कहा जा सकता है जब आकलन—

- अनिवार्यतः औपचारिक रूप से किया जा रहा हो
- नियमित रूप से किया जा रहा हो
- प्रतिदिन प्रत्येक बच्चे का किया जा रहा हो
- लड़के-लड़कियों का अलग-अलग किया जा रहा हो

DSSSB PRT 2017

Ans : (a) अवलोकन को आकलन का भाग तभी कहा जा सकता है जब आकलन अनिवार्यतः औपचारिक रूप से किया जा रहा हो। अवलोकन किसी व्यक्ति, वस्तु, घटना अथवा प्रक्रिया को देखकर या अवलोकित करके उसके व्यवहार के मापन की प्रविधि है।

22. निम्नलिखित प्रश्नों को पढ़िए-

- I. मैंने क्रियाकलाप की योजना कितनी अच्छी बनाई?
 - II. मैंने योजना का अनुसरण कितना अच्छा किया।
 - III. मेरी शक्तियाँ क्या थीं?
 - IV. मुझे सचमुच कठिन क्या लगा?
- ऊपर दिए गए चारों प्रकार के प्रश्नों के उत्तरों से होगा:
- (a) शिक्षक द्वारा समग्र आकलन
 - (b) बच्चों का स्व-आकलन
 - (c) शिक्षकों का स्व-आकलन
 - (d) बच्चों और शिक्षकों, दोनों का स्व-आकलन

DSSSB PRT 2017

Ans : (d) उपर्युक्त दिये गए चारों प्रकार के प्रश्नों के उत्तरों से बच्चे और शिक्षक, दोनों अपना-अपना स्व-आकलन करके अपने कार्यों में आई त्रुटियों को सुधार सकेंगे।

2. मूल्यांकन में प्रयुक्त उपकरण- अवलोकन, परीक्षण, पोर्टफोलियो एनेकडोटन, अभिलेख, ग्रेडिंग सिस्टम वार्षिक परीक्षा, सेमेस्टर परीक्षा प्रतिशतांक

23. निरपेक्ष श्रेणीकरण में बच्चों की निष्पत्ति के आकलन का संदर्भ बिंदु होता है?
- (a) पूर्व निर्धारित मानक
 - (b) सामान्य संभावना वक्र के आधार पर निर्धारित मानक
 - (c) अंकों के आधार पर ऊपर से नीचे तक बराबर प्रतिशत श्रेणी में बाँट कर निर्धारित मानक
 - (d) विभिन्न ग्रेडिंग समूहों के लिए स्वेच्छा से चुने गए प्रतिशत श्रेणी के आधार पर निर्धारित मानक

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (b) निरपेक्ष श्रेणीकरण में बच्चों की निष्पत्ति के आकलन का संदर्भ बिन्दु सामान्य संभावना वक्र के आधार पर निर्धारित मानक होता है। उदाहरण के लिए निष्पत्ति आकलन में यदि किसी छात्र को 30 अंक तथा दूसरे छात्र को 55 अंक प्राप्त होते हैं तो यह कहा जायेगा कि पहला विद्यार्थी दूसरे विद्यार्थी से योग्यता में 25 अंक कम है। यहाँ हम पास फेल को महत्व नहीं देते क्योंकि हो सकता है परीक्षण कठिन हो और अधिकांश विद्यार्थी 33% अंक भी न प्राप्त कर सके हों। ऐसी स्थिति में निरपेक्ष श्रेणीकरण किया जाता है।

24. कक्षा पाँच का एक अध्यापक विद्यार्थियों के मध्य परस्पर निर्भरता और सम्बन्धों में सामंजस्य की अवधारणा को सिखाने के लिए बच्चों को एक भूमिका अभिनय करने के लिए कहती है इसके लिए निम्नलिखित में से कौन सा उपकरण उसके लिए

भूमिका अभिनय की गुणवत्ता निर्धारित करने में सहायक होगा?

- (a) आमने-सामने का साक्षात्कार
- (b) मूल्य निर्धारण मापनी
- (c) प्रश्नावली
- (d) समाजमिति

PRT-KVS 07-01-2017

Ans : (d) एक अध्यापक को विद्यार्थियों के मध्य परस्पर निर्भरता और सम्बन्धों में सामंजस्य की अवधारणा की गुणवत्ता निर्धारण करने के लिए समाजमिति उपकरण का प्रयोग करना चाहिए। विषयी के सामाजिक सम्बन्धों, समयोजन व अन्तःक्रिया के मापन हेतु समाजमिति का प्रयोग किया जाता है। दूसरे शब्दों में कोई व्यक्ति अन्य व्यक्तियों से कैसे संबंध रखता है तथा अन्य व्यक्ति उससे किस प्रकार का संबंध रखते हैं जानने के लिए समाजमीति तकनीकी का प्रयोग किया जाता है।

25. अध्यापक द्वारा बच्चे के सक्रिय व्यवहार का अनवरत वर्णन है-

- | | |
|----------------------|-----------------------|
| (a) एनेकडोटल रिकॉर्ड | (b) जीवनी |
| (c) साक्षात्कार | (d) इनमें से कोई नहीं |

NCERT PRT 30-07-2017

Ans : (a) अध्यापक द्वारा बच्चे के सक्रिय व्यवहार का अनवरत वर्णन एनेकडोटल रिकॉर्ड कहलाता है। यह छात्रों या विषयी के शैक्षिक विकास से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तथा सार्थक घटनाओं का वस्तुनिष्ठ एवं सार्थक प्रस्तुतीकरण है। ये घटनाएँ औपचारिक तथा अनौपचारिक हो सकती हैं।

26. निम्नलिखित में से क्या उस खाँचे या रेंज को सूचित करता है जिसके भीतर किसी योग्यता या गुण के लिए किसी व्यक्ति की प्रवीणता स्तर का फैसला किया जाता है?

- | | |
|----------------------|-----------------------|
| (a) ग्रेड | (b) अंक |
| (c) (a) और (b) दोनों | (d) इनमें से कोई नहीं |

PRT KVS 04-10-2015

Ans : (c) ग्रेड और अंक दोनों ही उस खाँचे या रेंज को सूचित करते हैं जिसके भीतर किसी योग्यता या गुण के लिए किसी व्यक्ति के प्रवीणता के स्तर का फैसला किया जाता है। विद्यार्थियों के उपलब्धि का परीक्षण करने के पश्चात् प्राप्त परिणामों का तुलनात्मक अध्ययन करने के लिए उनको अंक या ग्रेड प्रदान किये जाते हैं जो उनके मूल्यांकन के लिए आधार प्रदान करते हैं।

27. खेल विधि (playway method) के जन्मदाता हैं-

- | | |
|---------------------|---------------|
| (a) फ्रॉबेल | (b) डाल्टन |
| (c) सिग्मण्ड फ्रायड | (d) माण्टेसरी |

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (a) खेल विधि के जन्मदाता फ्रेडरिक फ्रॉबेल माने जाते हैं। फ्रॉबेल ने अपनी शिक्षण विधि को निम्न सिद्धांतों पर आधारित किया—

आत्मक्रिया का सिद्धांत
खेल द्वारा शिक्षा का सिद्धांत
स्वतंत्रता का सिद्धांत
सामाजिकता का सिद्धांत

28. शिक्षक छात्रों की क्षमता किस तरह मापता है?

- (a) छात्रों की जाँच करके
- (b) छात्रों को पूछकर
- (c) छात्रों द्वारा किये गये विविध कार्यों का विश्लेषण करके
- (d) छात्र के माता-पिता को पूछकर

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013

Ans : (a) शिक्षक छात्रों की क्षमता का मापन उनकी जाँच करके करता है। क्षमता मापन व्यक्ति की वर्तमान अवस्था की जाँच करता है और भविष्य के लिए अनुमान लगाता है। व्यक्ति की भावी शक्तियों का आकलन उसकी वर्तमान शक्तियों के आधार पर किया जाता है। अतः क्षमता मापन में क्षमता का मापन प्रत्यक्ष रूप से नहीं किया जाता बल्कि उसका आकलन मात्र किया जाता है।

29. मैनहट्टन, कान्सास, में पांचवीं ग्रेड कक्षा में छात्रों को अपने काम की विभिन्न कलाकृतियों को इकट्ठा करने और अपने शिक्षक और उनके माता-पिता के लिए क्या कर सकते हैं उसे अपनी नोटबुक में लिखने के लिए कहा जाता है? यह किसका एक उदाहरण है?

- (a) निबंध मूल्यांकन
- (b) प्रामाणिक मूल्यांकन
- (c) पोर्टफोलियो मूल्यांकन
- (d) प्रदर्शन का मूल्यांकन

PRT+ Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (c) यदि पाँचवीं ग्रेड कक्षा में छात्रों को अपने काम की विभिन्न कलाकृतियों को इकट्ठा करने और अपने शिक्षक और उनके माता पिता के लिए क्या कर सकते हैं उसे अपनी नोटबुक में लिखने के लिए कहा जाता है। तो यह पोर्टफोलियो मूल्यांकन का उदाहरण है। पोर्टफोलियो विद्यार्थी के ज्ञान, कौशल तथा अभिवृत्ति के प्रमाण उपलब्ध कराता है। यह विद्यालय में विद्यार्थी की उपलब्धि, प्रगति तथा बुद्धि के संदर्भ में शिक्षक तथा विद्यार्थी शिक्षक तथा अभिभावक तथा शिक्षक तथा अन्य पेशेवरों के मध्य संप्रेषण बढ़ाने को पोषित करता है।

30. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन पुराने छात्रों पर ग्रेड के प्रभाव पर अनुसंधान द्वारा समर्थित करता है?

- (a) छात्र ग्रेड प्रणाली की अपेक्षा पास/फेल प्रणाली के अंतर्गत बेहतर प्रदर्शन करते हैं
- (b) छात्रों का प्रदर्शन ग्रेडिंग प्रणाली से प्रभावित नहीं होता है
- (c) छात्र की पास/फेल प्रणाली की अपेक्षा ग्रेड प्रणाली के अंतर्गत बेहतर प्रदर्शन करते हैं
- (d) इनमें से कोई नहीं

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (c) छात्र पास-फेल प्रणाली की अपेक्षा ग्रेड प्रणाली के अंतर्गत बेहतर प्रदर्शन करते हैं। चूंकि विभिन्न परीक्षा संस्थाओं तथा विद्यालयों को अंकन स्तर भिन्न होता है। अतः परिक्षार्थियों की तुलना हेतु ग्रेडिंग प्रणाली को सरलतापूर्वक प्रयोग किया जा सकता है। छात्रों को पास-फेल करने या अंक देने के स्थान पर कुछ सीमित संख्या वाली गुणात्मक श्रेणी 5, 7, 9 या 11 आदि में सफलतापूर्वक कोई भी परीक्षक अधिक विश्वसनीय तथा वैधता से बाँट सकता है। किन्तु ग्रेडिंग प्रणाली सामान्यतः 5 बिंदु (A-E या 0-4) ग्रेडिंग प्रयोग किया जाता है।

31. प्रतिशतक रैंक का मतलब है-

- (a) परीक्षण में प्राप्त वास्तविक अंक
- (b) पास अंक प्राप्त करने वाले छात्रों का अनुपात
- (c) एक परीक्षण पर सभी प्रतिशत
- (d) समान या कम अंक प्राप्त करने वाले छात्रों का अनुपात

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (d) प्रतिशतक रैंक का मतलब है समान या कम अंक करने वाले छात्रों का अनुपात। किसी स्कोर का प्रतिशतक रैंक उसके आवृत्ति वितरण में स्कोर का प्रतिशत होता है जो इसके बराबर या उससे कम होता है। उदाहरण के लिए यदि किसी विद्यार्थी का प्रतिशतक रैंक 98 है तो इसका मतलब है कि 97 विद्यार्थी उस विद्यार्थी से कम अंक प्राप्त किये हैं जबकि 2 विद्यार्थी उससे ज्यादा अंक प्राप्त किये हैं।

32. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन आकलन और मूल्यांकन के बारे में सत्य है?

- (a) एक शिक्षक का दस से 30 प्रतिशत समय आकलन और मूल्यांकन में व्यतीत होता है
- (b) मानकीकृत परीक्षण का प्रयोग छात्र की शैक्षिक प्रगति का निरीक्षण करने और मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है
- (c) कक्षा शिक्षक मानकीकृत परीक्षण के विकास और प्रशासन के प्रति जिम्मेदार है
- (d) उपरोक्त सभी

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (a) एक शिक्षक का दस से तीस प्रतिशत समय आकलन और मूल्यांकन में व्यतीत होता है। शिक्षक कक्षा शिक्षण के दौरान रचनात्मक मूल्यांकन के लिए पाठ योजना बनाते समय ही कुछ समय निर्धारित करता है। इस निर्धारित समय में शिक्षक शिक्षण के उपरान्त पाठ से सम्बन्धित कुछ प्रश्न पूछकर छात्रों के अधिगम स्तर और त्रुटियों की पहचान करता है। तदुपरान्त उसमें सुधार करता है। इस पूरे प्रक्रिया में उसका 10-30 प्रतिशत समय निकल जाता है।

33. मध्य-ग्रेड डिजाइन कार्य पद्धति बिंदु से बेहतर है क्योंकि-

- (a) स्कूली शिक्षा में मध्य-ग्रेड अंतराल अन्य उपलब्धि से संबंधित चर के अंतर से संबंधित नहीं है।
- (b) सांस्कृतिक नियंत्रण द्वारा प्राप्त प्रभावशीलता का अनुमान शून्य के बराबर होता है
- (c) एससी दृष्टिकोण अनुमानित अपेक्षित उपलब्धि का अनुमान लगाने के लिए स्कूल के छात्रों की सामाजिक आर्थिक विशेषताओं का उपयोग करता है
- (d) छात्रों के शरीर की विशेषताएँ स्थिर रहती हैं; वे साथियों द्वारा हासिल उपलब्धि को प्रभावित नहीं करती हैं

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

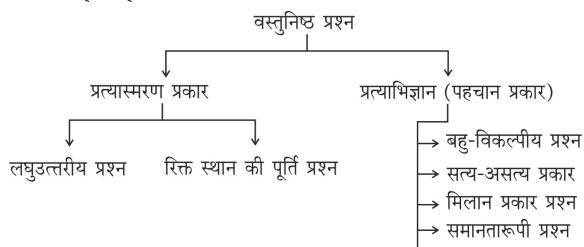
Ans : (a) मध्य-ग्रेड डिजाइन कार्यपद्धति बिन्दु से बेहतर है क्योंकि स्कूली शिक्षा में मध्य-ग्रेड अंतरगत अन्य उपलब्धि से संबंधित चर के अंतर से संबंधित नहीं है। ग्रेडिंग डिजाइन दो प्रकार का होता है। पहला प्रत्यक्ष श्रेणीकरण- इसमें व्यक्तिगत प्रदर्शन का मूल्यांकन गुणात्मक रूप से किया जाता है तथा इसे प्रत्यक्ष रूप से अक्षर श्रेणी के रूप में व्यक्त करते हैं। दूसरा अप्रत्यक्ष श्रेणीकरण- इसमें विद्यार्थियों का प्रदर्शन पहले अंकों के रूप में निर्धारित किया जाता है तथा बाद में विभिन्न तरीके अपनाते हुए श्रेणी में परिवर्तन किया जाता है। यह विद्यार्थियों को पाँच समूहों (A-E) में वर्गीकृत करता है जो ऊपर से नीचे की ओर श्रेष्ठतम से असंतोषजनक स्तर तक होता है। इस प्रकार मध्य ग्रेडिंग डिजाइन में बच्चों के बीच के अंतर को तुलनात्मक रूप से नहीं देखा जाता है।

34. निम्नलिखित में से कौन-सा वस्तुनिष्ठ प्रश्न है?

- (a) मुक्त उत्तर वाला प्रश्न
- (b) सत्य या असत्य
- (c) निर्धारितक प्रश्न
- (d) लघुउत्तरात्मक प्रश्न

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (b) वस्तुनिष्ठ प्रश्न की श्रेणी में ऐसे प्रश्न या पद आते हैं जिनके उत्तर निश्चित होते हैं। वस्तुनिष्ठ प्रश्न मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं-



35. 'पोर्टफोलियो' के सम्बन्ध में कौन-सा कथन सही है?

- (a) इससे बच्चों को लिखित कार्य करने की आदत पड़ जाती है
- (b) इससे बच्चों की क्रमिक प्रगति के बारे में पता चलता है
- (c) बच्चों के कार्य को एक जगह संकलित करना प्रमुख उद्देश्य है
- (d) इससे शिक्षक के समय की बचत होती है

DSSSB TGT 2016

Ans : (b) 'पोर्टफोलियो' से बच्चों की क्रमिक गति के बारे में पता चलता है। विद्यार्थी पोर्टफोलियों, विद्यार्थी के ज्ञान कौशल तथा अभिवृत्ति के प्रमाण उपलब्ध कराते हैं। यह विद्यार्थी की प्रगति का प्रलेख है। पोर्टफोलियो एक अवधि अथवा पूरे वर्ष में विद्यार्थियों के रूपचित्र है। विद्यार्थियों को निर्धारित किये गये सभी कार्य तथा शिक्षक द्वारा किया गया मूल्यांकन उसके पोर्टफोलियों में होता है।

36. कक्षा-कक्ष में विद्यार्थियों को खुली पुस्तक अभ्यास करवाने के उचित कारण को चुनिए

- (a) पाठ्य भाषा के प्रयोग को प्रोत्साहित करना
- (b) पाठ को विस्तृत रूप से याद करना
- (c) विद्यार्थियों में चिन्तन शक्ति का विकास करना
- (d) बिना तैयारी के विद्यार्थियों का मूल्यांकन करना

NVS PGT 2016

Ans : (c) विद्यार्थियों में चिंतन शक्ति का विकास करने के लिए कक्षा-कक्ष में विद्यार्थियों को खुली पुस्तक अभ्यास करवाना सर्वाधिक उपयुक्त होगा। खुली पुस्तक अभ्यास की मान्यता है कि छात्रों में ज्ञान संचय के परम्परागत संकुचित दृष्टिकोण को समाप्त कर बोध, चिंतन, मनन, विश्लेषण, तर्क तथा उच्च स्तरीय मानसिक योग्यता का विकास शिक्षा का लक्ष्य हो। इससे छात्रों में रटने की प्रवृत्ति को हतोत्साहित किया जा सकता है और उच्चस्तरीय मौलिक चिंतन की योग्यता को बढ़ावा मिल सकता है।

37. कक्षा IV की शिक्षिका शिक्षार्थियों से कहती है वे अपने कार्य-पत्रक, अवलोकन-रिपोर्ट और सत्र में एकत्रित की गई सामग्री को एक फोल्डर में डाल दें। इन फोल्डरों को कहा जा सकता है

- (a) परियोजना कार्य
- (b) घटना-वृतांत अभिलेख
- (c) पोर्टफोलियो
- (d) दत्त कार्य

KVS TGT 2018

Ans : (b) घटना-वृतांत अभिलेख शिक्षार्थियों के द्वारा तैयार किया गया फोल्डर होता है जिसमें वे अपने कार्य-पत्रक, अवलोकन रिपोर्ट और सत्र के दौरान एकत्रित की गयी सामग्री को डालते हैं। यह शिक्षार्थी का स्वयं का अवलोकन होता है।

3. अच्छे मापक उपकरण की विशेषताएँ

38. किसी परीक्षण की वैधता तथा विश्वस्तता के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सर्वाधिक सही है?

- (a) जब तक कोई परीक्षण वस्तुनिष्ठ नहीं होगा, वह वैध नहीं हो सकता
- (b) यदि कोई परीक्षण वैध नहीं है तो वह विश्वसनीय भी नहीं होगा
- (c) कोई परीक्षण यदि मानकीकृत नहीं है तो वह विश्वसनीय भी नहीं होगा
- (d) जब तक कोई परीक्षण विश्वसनीय नहीं होगा वह वैध नहीं होगा

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (d) जब तक कोई परीक्षण विश्वसनीय नहीं होगा वह वैध नहीं होगा। यहाँ विश्वसनीयता से अभिप्राय भिन्न-भिन्न अवसरों पर विषयी द्वारा प्राप्त आपातकों की एकरूपता से है। विश्वसनीयता परीक्षण आपातकों में सत्य प्रसरण का अनुपात है। वहाँ परीक्षण की वैधता वह सीमा है जिस सीमा तक परीक्षण वही मापता है जिसके लिए इसका निर्माण किया गया है। यह परीक्षण की यथार्थता का परिचायक है।

39. परीक्षण विनिर्देशन/ब्लू प्रिंट के अनुसार किसी परीक्षण की रचना करने से प्रायः किस चीज में वृद्धि होती है?

- (a) विषयवस्तु की वैधता
- (b) समवर्ती वैधता
- (c) कन्स्ट्रक्ट वैधता
- (d) विश्वसनीयता

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (a) परीक्षण विनिर्देशन/ब्लू प्रिंट के अनुसार किसी परीक्षण की रचना करने से प्रायः विषयवस्तु की वैधता में वृद्धि होती है। ब्लू-प्रिंट में विषय-वस्तु के विभिन्न प्रकरणों तथा शिक्षण उद्देश्यों को दिये जाने वाले भार को स्पष्ट किया जाता है।

40. एक मानक परीक्षण विधि में निम्नलिखित गुण अवश्य होने चाहिए-

- (a) मूल्यांकन और प्रयोज्यता
- (b) वैधता और मूल्यांकन
- (c) विस्तृतता, मूल्यांकन और व्यवहार्यता
- (d) वैधता, विश्वसनीयता और व्यवहार्यता

KVS-PRT Post Code 16/17, 29–10–2017

Ans : (d) एक मानक परीक्षण विधि में वैधता, विश्वसनीयता, व्यवहार्यता, वस्तुनिष्ठता, विभेदकता, उद्देश्यपूर्णता, व्यापकता मितव्ययिता, संतुलन, न्याययुक्तता के गुण होने चाहिए।

41. 'एक निष्कर्ष की वैधता को जाँचना' ब्लूम के वर्गीकरण में किस वर्ग में आएगा?

- (a) ज्ञान (b) विश्लेषण
- (c) निर्माण (d) मूल्यांकन

KVS-PRT Post Code 16/17, 29–10–2017

Ans : (d) 'एक निष्कर्ष की वैधता को जाँचना' ब्लूम के वर्गीकरण में ज्ञानात्मक उद्देश्य के मूल्यांकन स्तर में आएगा। मूल्यांकन स्तर पर किसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए आवश्यक सामग्री तथा विधियों के मूल्य निर्धारण से सम्बन्धित निर्णय लिये जाते हैं।

42. आगे विश्लेषण में, यह पाया गया कि एक परीक्षण उन पहलुओं को पर्याप्त रूप से नहीं माप पाया जिनके लिए उसे बनाया गया था परीक्षण की खराब है।

- (a) विश्वसनीयता (b) पूर्वानुमेयता
- (c) वैधता (d) पुनःउत्पादकता

KVS-PRT Post Code 16/17, 29–10–2017

Ans : (c) आगे विश्लेषण में, यह पाया गया कि एक परीक्षण उन पहलुओं को पर्याप्त रूप से नहीं माप पाया जिनके लिए उसे बनाया गया था। तो परीक्षण की वैधता खराब है। यदि परीक्षण अपने उद्देश्य की पूर्ति सफलता पूर्वक नहीं करते हैं तो उसे अवैध परीक्षण कहेंगे।

43. निम्न में कौन बाकी तीन के समूह से सम्बन्धित नहीं है?

- (a) तर्कसंगत वैधता (b) संरचना वैधता
- (c) प्रतिदर्श वैधता (d) पाठ्यक्रमी वैधता

PRT-KVS Post Code 150/14, 19–10–2014

Ans : (c) विभिन्न मापनविदों ने वैधता के भिन्न-भिन्न वर्गीकरण दिये हैं-

- तर्कसंगत वैधता
- संरचना वैधता
- पाठ्यक्रमी या विषयी वैधता
- अवयवात्मक वैधता
- कार्यात्मक वैधता
- रूप वैधता

44. वही विद्यार्थी से यदि लगातार समान नतीजे पाये जाते हैं तो मूल्यांकन है।

- (a) वैध (b) अवैध
- (c) विश्वसनीय (d) अविश्वसनीय

PRT-KVS Post Code 150/14, 19–10–2014

Ans : (c) वही विद्यार्थी से यदि लगातार समान नतीजे पाये जाते हैं तो मूल्यांकन विश्वसनीय माना जाता है। विश्वसनीयता को स्थिरता गुणांक या समतुल्यता गुणांक भी कहते हैं। परीक्षण की लम्बाई, सजारीयता, विभेदन क्षमता, कठिनाई स्तर गतिशीलता, वस्तुनिष्ठता आदि किसी परीक्षण की विश्वसनीयता को प्रभावित करते हैं।

45. मूल्यांकन..... होता है यदि वह वही मापता है जो उसने सोचा था।

- (a) वैध (b) अवैध
- (c) विश्वसनीय (d) अविश्वसनीय

PRT-KVS Post Code 150/14, 19–10–2014

Ans : (a) मूल्यांकन वैध होता है यदि वह वही मापता है जो उसने सोचा था। इसे मूल्यांकन की वैधता कहा जाता है। यह मूल्यांकन की यथार्थता का परिचायक है। इसका सीधा सम्बन्ध मापन की स्थिर त्रुटि से रहता है। स्थिर त्रुटियाँ जितनी कम होंगी मापन उतना ही अधिक वैध होगा। प्रायः परीक्षण के अस्पष्ट निर्देश, प्रश्नों की भाषा तथा शब्दावली, कठिनाई स्तर, वस्तुनिष्ठता, मापन के उद्देश्य, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि परीक्षण की लम्बाई आदि किसी मूल्यांकन या परीक्षण की वैधता को प्रभावित करते हैं।

46. प्राथमिक आँकड़ों (डेटा) कितने विश्वसनीय होते हैं?

- (a) अनुपूरक आँकड़ों की तुलना में हमेशा अधिक विश्वसनीय
- (b) अनुपूरक आँकड़ों की तुलना में कम विश्वसनीय
- (c) आँकड़ों के संचयन में ली गई सतर्कता पर निर्भर है
- (d) आँकड़े संचयन करने वाली एजेंसी पर निर्भर है

PRT-KVS Post Code 150/14, 19–10–2014

Ans : (c) प्राथमिक आँकड़ों की विश्वसनीयता आँकड़ों के संचयन में ली गयी सतर्कता पर निर्भर करता है। इसलिए आँकड़ों का संग्रह करते समय सभी पूर्वांग्रहों से रहित तथा यादृच्छिकता पर बल दिया जाता है।

47. एक प्रश्न-पत्र का निर्माण करने के पश्चात् अध्यापक यह जानना चाहता है कि क्या इससे उन विशिष्ट अधिगम उद्देश्यों का परीक्षण हो जाएगा, जो उस पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित किए गए थे। बताइए, वह अध्यापक निम्नलिखित में से किससे सम्बद्ध है?

- (a) परीक्षण की वैधता
- (b) विषयवस्तु का विस्तार
- (c) परीक्षण की विश्वसनीयता
- (d) परीक्षण की वस्तुनिष्ठता

PRT-KVS 07–01–2017

Ans : (a) उपर्युक्त प्रश्न में अध्यापक परीक्षण की वैधता की जाँच कर रहा है। किसी परीक्षण की एक महत्वपूर्ण विशेषता उसकी वैधता होती है। अच्छे परीक्षण को वस्तुनिष्ठ, व्यापक, विभेदीकरण एवं विश्वसनीय होने के साथ-साथ वैध होना आवश्यक है। यदि परीक्षण उस उद्देश्य की पूर्ति करता है जिसके लिए उसे बनाया गया है तो हम ऐसे परीक्षण को वैध परीक्षण कहेंगे। परीक्षण के इस गुण को परीक्षण की वैधता कहा जाता है।

NCERT PRT 30-07-2017

Ans : (d) यदि पद की फैसिलिटी वैल्यू 0.20 से कम है तो इसका अर्थ है कि पद जटिल है। किसी पद की फैसिलिटी वैल्यू अस्थिर होती है।

NCERT PRT 30-07-2017

Ans : (c) एक अच्छे उपलब्धि परीक्षण की विशेषताओं को व्यावहारिक विशेषताएँ तथा तकनीकी विशेषताएँ में वर्गीकृत किया जा सकता है। वे विशेषताएँ जो उपकरण के व्यावहारिक उपयोग से संबंधित होती हैं, जैसे- उद्देश्यपूर्णता, व्यापकता, सुगमता, मितव्ययिता आदि व्यावहारिक विशेषताएँ कहलाती हैं। जबकि तकनीकी विशेषताओं के अंतर्गत मापन उपकरण के निर्माण तथा प्राप्त परिणामों की त्रुटिहीनता सुनिश्चित करने वाले लक्षण आते हैं इन विशेषताओं के अंतर्गत- वैधता, विश्वसनीयता, वस्तुनिष्ठता, विभेदकता तथा मानक आते हैं।

NCERT PRT 30-07-2017

Ans : (b) “परीक्षण वह मापता है जो हम चाहते हैं” यह कथन वैधता को संदर्भित करता है। यह परीक्षण की यथार्थता का परिचायक है। कोई भी मापन विधि उतनी ही वैध है जितनी वह उस कार्य में सफलता के साथ किसी मापन से सम्बन्धित है, जिसके पूर्वकथन के लिए यह प्रयुक्त हो रही है।

51. विद्यार्थियों की उत्तर-पुस्तिकाओं को जांचते समय
अध्यापक को—

 - (a) कठोर होना चाहिए
 - (b) नरम होना चाहिए
 - (c) वस्तुगत या यथातथ्य होना चाहिए
 - (d) बीच का न अधिक कठोर न अधिक नरम

PRT KVS 2010

Ans : (c) शिक्षार्थियों की उत्तर पुस्तिकाओं को जांचते समय अध्यापक को वस्तुगत या यथातथ्य होना चाहिए। उन्हें किसी भी प्रकार के पूर्वाग्रह से प्रभावित हुए बिना उत्तर पुस्तिका में लिखे गये यथातथ्य के आधार पर ऑकलन करना चाहिए।

PRT KVS 04-10-2015

Ans : (c) एक अच्छी उपलब्धि जाँच का एक अभिलक्षण द्विअर्थमान्यता नहीं है जबकि विधिमान्यता, विश्वसनीयता, वस्तुनिष्ठता, विभेदकता, उद्देश्यपूर्णता, व्यापकता तथा मितव्ययिता इसके मध्य अभिलक्षण हैं।

53. कुड़र रिचर्ड्सन विधि का इस्तेमाल का
अनुमान लगाने के लिए किया जाता है।

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (b) कुडर रिचर्ड्सन विधि का इस्तेमाल विश्वसनीयता का अनुमान लगाने के लिए किया जाता है। इस विधि को तार्किक समतुल्यता विश्वसनीयता भी कहते हैं। इस विधि में प्रयोग की मान्यता यह है कि परीक्षण में सम्प्रीति किया गया प्रत्येक पद समजातीय होना चाहिए। रिचर्ड्सन ने इस विधि के प्रयोग के लिए मुख्य रूप से दो सूत्रों 'KR-20' तथा 'KR-21' का प्रतिपादन किया।

54. विविधता: विविधता देने के लिए, विविध बनाने के लिए। : स्थिति या गुणवत्ता की निष्पक्षता के लिए, सौदे में निष्पक्षता के लिए।

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (b) जिस प्रकार विविधता का प्रयोग विविधता देने के लिए, विविध बनाने के लिए किया जाता है उसी प्रकार अपक्षपात्र का प्रयोग स्थिति या गुणवत्ता की निष्पक्षता के लिए, सौदे में निष्पक्षता के लिए किया जाता है।

5. एक परीक्षण तभी मान्य कहलाता है, जब यह—
(a) निष्पक्ष और शिक्षक पूर्वाग्रह से मुक्त होता है
(b) जिसे मापने का दावा करता है, उसे मापता है
(c) समय के साथ, अनुरूप परिणाम देता है
(d) सांस्कृतिक पर्वाग्रह के खिलाफ बचाव करता है

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (b) एक परीक्षण तभी मान्य कहलाता है जब यह, जिसे मापने का दावा करता है उसे मापता है। इसे परीक्षण की वैधता भी कहते हैं। यह परीक्षण की यथार्थता का परिचायक है। परीक्षण जितनी शुद्धता से अपने उद्देश्यों को पूरा करता है उसे उतनी सीमा तक वैध माना जाता है।

56. एक विश्वसनीय मनोवैज्ञानिक जाँच का आशय है-

- (a) मापन की परिशुद्धता
 - (b) व्यवहार का पूर्वानुमान
 - (c) मापन की संगतता (Consistency of measurement)
 - (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

PBT POST CODE 70/90 29 12 2013 (Cancelled)

Ans : (c) एक विश्वसनीय मनोवैज्ञानिक परीक्षण जॉच का आशय है मापन की संगतता। विश्वसनीय मनोवैज्ञानिक परीक्षण की जॉच के लिए तार्किक समतुल्य परीक्षण में किसी परीक्षण के विभिन्न का पारस्परिक संबंध एवं पदों का सम्पूर्ण परीक्षण से सह-संबंध ज्ञान किया जाता है। इसे आंतरिक संगति गुणांक भी कहते हैं। इस विधि के प्रयोग की मान्यता यह है कि परीक्षण में सम्मिलित किया गया प्रत्येक पद में संगतता/समजातीय होना चाहिए।

57. एक शिक्षक प्रश्न—पत्र बनाने के बाद, यह जाँच करता है कि क्या प्रश्न के विशिष्ट उद्देश्यों की परीक्षा ले रहे हैं। वह मुख्य रूप से प्रश्न—पत्र की/के के बारे में चिंतित है।

- (a) प्रश्नों के प्रकार
- (b) विश्वसनीयता
- (c) वैधता
- (d) संपूर्ण विषय-वस्तु को शामिल करने

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (c) जब कोई शिक्षक प्रश्न—पत्र बनाने के बाद, यह जाँच करता है कि क्या प्रश्न परीक्षण के विशिष्ट उद्देश्यों की परीक्षा ले रहे हैं तो वह मुख्य रूप से प्रश्न पत्र की वैधता के बारे में चिंतित है। वैधता का अर्थ कि कोई भी परीक्षण जिस उद्देश्य के लिए या योग्यता के मापन के लिए बनाई गयी है उसी का मापन करे। शैक्षिक मापन में परीक्षणों का वैध होना आवश्यक होता है क्योंकि अधिकांश मापन अप्रत्यक्ष रूप से किया जाता है।

4. निदानात्मक एवं उपचारात्मक आकलन

58. एक विद्यार्थी को व्यक्तिगत रूप से समझने का मूल कारण क्या है?

- (a) ताकि उसकी क्षमताओं को समझने और विकसित करने में सहायता मिल सके और उसकी दुर्बलताओं की पहचान की जा सके
- (b) ताकि यह मालूम हो सके कि उसने कितना और क्या सीखा है, अतः वहीं से अनुदेशन आरंभ किया जा सके
- (c) शैक्षिक सिद्धांत और अभ्यास की दृष्टि से स्वयं को अद्यतित किया जा सके
- (d) ताकि उसे सामांगी रूप से समझा जा सके और शैक्षिक प्रशासन सुगम बन सके

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (a) एक विद्यार्थी को व्यक्तिगत रूप से समझना आवश्यक है ताकि उसकी क्षमताओं को समझने और विकसित करने में सहायता मिल सके और उसकी दुर्बलताओं की पहचान की जा सके।

59. निम्नांकित में से किसके परिणामों के आधार पर उपचारात्मक शिक्षण भली-भाँति संचालित किया जा सकता है?

- (a) संप्राप्ति परीक्षण
- (b) संचयी अभिलेख
- (c) निदानात्मक अभिलेख
- (d) मानक

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (c) निदानात्मक अभिलेख के परिणामों के आधार पर उपचारात्मक शिक्षण भली-भाँति संचालित किया जा सकता है। शिक्षण अधिगम की परिस्थिति में निरन्तरता एवं क्रमबद्धता कायम रखने हेतु निदानात्मक परीक्षणों से प्राप्त निष्कर्षों के अनुरूप विषयगत उपचारात्मक अध्यापन प्रविधि को प्रस्तावित करना आवश्यक है।

60. किस प्रकार का मूल्यांकन पठन की कमियों का पता लगाने के लिए प्रयुक्त होता है?

- | | |
|--------------|-----------------|
| (a) रचनात्मक | (b) असंरचनात्मक |
| (c) नैदानिक | (d) योगात्मक |

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (c) नैदानिक प्रकार का मूल्यांकन पठन की कमियों का पता लगाने के लिए प्रयुक्त होता है। नैदानिक मूल्यांकन से यह पता चलता है कि पाठ्यवस्तु का कौन सा भाग किस मात्रा में सीखा गया है तथा कितना भाग छात्र सीखने में असमर्थ रहा है। इसी के आधार पर उपचारात्मक शिक्षण किया जाता है।

61. कौन-सा विद्यार्थियों को सीखने में कठिनाईयों का उदाहरण नहीं है?

- (a) कुछ समय के लिए ध्यान दे पाना
- (b) सामान्य सीखने की प्रेरणा
- (c) संक्षिप्त संकलना को समझने में कठिनाई
- (d) समस्या सुलझाने में कमज़ोर

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (b) सीखने की कठिनाईयों के निम्नलिखित उदाहरण हैं-

- (i) कुछ समय के लिए ध्यान दे पाना।
- (ii) संक्षिप्त संकलना को समझने में कठिनाई
- (iii) समस्या सुलझाने में कमज़ोर।

सामान्य सीखने की प्रेरणा, विद्यार्थियों को सीखने में कठिनाई का उदाहरण नहीं है।

62. एक सात साल का विद्यार्थी क्लास स्तर के हिसाब से नहीं पढ़ सकता है। शिक्षक को—

- (a) निम्न स्तर पर पढ़ने का अभ्यास देना चाहिए
- (b) माता-पिता को खबर देनी चाहिए
- (c) उसी क्लास में रोक लेना चाहिए
- (d) विशेषज्ञ की सहायता लेकर कारण जानने का प्रयत्न करना चाहिए

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (d) यदि एक सात साल का विद्यार्थी क्लास स्तर के हिसाब से नहीं पढ़ सकता है, तो एक शिक्षक को विशेषज्ञ की सहायता लेकर कारण जानने का प्रयत्न करना चाहिए तथा उसका उचित समाधान करने का प्रयास करना चाहिए।

63. आपकी कक्षा में आपने देखा कि उनके पिछले ज्ञान में अन्तर होने के कारण कुछ विद्यार्थियों को एक विषय समझ में नहीं आ रहा है। आप क्या करेंगे?

- (a) उनकी सहायता के लिए अतिरिक्त कक्षाओं का आयोजन किया जायेगा।
- (b) उनके माता-पिता को घर में सहायता करने को कहा जायेगा
- (c) अपनी कक्षा चालू रखी जायेगी
- (d) प्रिंसिपल की सहायता ली जायेगी

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (a) यदि कक्षा में कुछ विद्यार्थियों के पिछले ज्ञान में अन्तर होने के कारण उनको किसी विषय को समझने में कठिनाई आ रही है तो एक शिक्षक को उनकी सहायता के लिए अतिरिक्त कक्षा का आयोजन किया जाना चाहिए ताकि उनको अतिरिक्त अनुदेशन के माध्यम से नये विषय को सीखने में सहायता किया जा सके।

64. शिक्षक के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण क्या है?

- (a) क्लास में अनुशासन बनाये रखना
- (b) क्लास में समयनिष्ठ रहना
- (c) विद्यार्थियों की कठिनाइयाँ दूर करना
- (d) अच्छा वक्ता होना

PRT-KVS Post Code 150/14, 19–10–2014

Ans : (c) शिक्षक के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है, विद्यार्थियों की कठिनाइयाँ दूर करना। विद्यार्थी अधिगम करते समय त्रुटियाँ करते हैं। शिक्षक का कार्य है इन त्रुटियों के कारणों की पहचान करना तथा उपचारी शिक्षण के माध्यम से इन त्रुटियों को दूर करना है। साथ ही शिक्षक एक सुलभकर्ता भी होता है। वह शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में आने वाली कठिनाइयों को भी दूर करता है।

65. अधिगम की कठिनाइयों को खोजा जाता है—

- (a) विकासात्मक मूल्यांकन से
- (b) निदानात्मक मूल्यांकन से
- (c) समेकित मूल्यांकन से
- (d) इनमें से कोई नहीं

NCERT PRT 30–07–2017

Ans : (b) व्यक्तिगत शिक्षण का संपादन तभी सम्भव है जबकि अध्यापक शिक्षण करते समय बालक की व्यक्तिगत सीखने की कठिनाइयों का निदान करता रहे। निदानात्मक परीक्षण के द्वारा बालक की सीखने सम्बन्धी कठिनाइयों का पता लगाया जा सकता है। निदानात्मक परीक्षण बाल-केन्द्रित शिक्षा के लिए उपयोगी है।

66. विज्ञान में सारांशीय मूल्यांकन (Summative Assessment) का मुख्यतः इस पर फोकस होना चाहिए—

- (a) विद्यार्थियों की पढ़ने की कठिनाइयों के क्षेत्रों का निरूपण करना
- (b) मुख्यतः व्यावहारिक निपुणताओं का परीक्षण
- (c) महत्वपूर्ण सैद्धांतिक संकल्पनाओं का परीक्षण
- (d) अवलोकन निपुणता का मूल्यांकन

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31–08–2014

Ans : (a) विज्ञान में सारांशीय मूल्यांकन का फोकस मुख्यतः विद्यार्थियों की पढ़ने की कठिनाइयों के क्षेत्रों का निरूपण करने में होना चाहिए। इसका मुख्य कार्य बालकों को श्रेणीबद्ध करना तथा यह जानना है कि किस सीमा तक शिक्षण के उद्देश्यों को प्राप्त करने में सफलता मिली है।

67. प्रतिकारी शिक्षण (Remedial teaching) का संबंध इस शिक्षण से है—

- (a) शिक्षार्थियों का समय-समय पर परीक्षण
- (b) शिक्षण प्रक्रिया में रिकि मिटाना
- (c) निर्धारित स्कूल अवधि के बाद
- (d) निपुण शिक्षार्थियों को और भी उत्तम बनाने में मदद करना

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31–08–2014

Ans : (b) प्रतिकारी शिक्षण का संबंध शिक्षण प्रक्रिया में रिकि मिटाने से है। निदानात्मक परीक्षणों द्वारा छात्रों की समस्याओं, कठिनाइयों या रिकियों का ज्ञान हो जाने के उपरान्त उपचार हेतु किया जाने वाला शिक्षण प्रतिकारी शिक्षण कहलाता है।

68. अपने विद्यार्थियों की गलतियों का शिक्षकों द्वारा अध्ययन होना चाहिए। वे अक्सर दर्शाते हैं—

- (a) विभेदीय पाठ्यक्रम की जरूरत
- (b) उसके ज्ञान की मात्रा
- (c) जरूरी उपचारी कौशल
- (d) क्षमता समूहन पथ

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31–08–2014

Ans : (c) अपने विद्यार्थियों की गलतियों का शिक्षकों द्वारा अध्ययन किया जाना चाहिए। यह अक्सर जरूरी उपचारी कौशल दर्शाते हैं। विद्यार्थियों की गलतियों का अध्ययन निदानात्मक परीक्षण द्वारा किया जाता है जिससे प्राप्त परिणामों के आधार पर उपचारी शिक्षण के माध्यम से गलतियों में सुधार किया जाता है।

69. एक शिक्षक के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण क्या है?

- (a) क्लास में अनुशासन बनाए रखना
- (b) क्लास में सही वक्त पर पहुँचना
- (c) विद्यार्थियों की कठिनाइयाँ मिटाना
- (d) अच्छा वक्ता होना

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31–08–2014

Ans : (c) शिक्षक का कर्तव्य छात्रों को केवल शिक्षित करना ही नहीं है अपितु पाठ को पढ़ाकर उसमें आई उद्देश्यात्मकता, नैतिकता आदि को समझाना-सिखाना भी है। शिक्षक द्वारा मित्रवत् व्यवहार रखने पर विद्यार्थी अपनी कठिनाईयाँ खुलकर शिक्षक के सामने रखता है तथा शिक्षक का एक मुख्य कर्तव्य परामर्शदाता और मार्गदर्शक के रूप में शिक्षार्थी की कठिनाईयों का समाधान करना भी होता है।

70. पढ़ाई से संबंधित विद्यार्थियों की कठिनाइयों का उत्कृष्ट नुस्खा (Best remedy) क्या है?

- (a) कड़ी मेहनत का सुझाव
- (b) लाइब्रेरी में पर्यवेक्षी पढ़ाई (Supervised Study)
- (c) व्यक्तिगत शिक्षण सुझाव
- (d) नैदानिक पढ़ाई

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31–08–2014

Ans : (d) पढ़ाई से सम्बन्धित विद्यार्थियों की कठिनाईयों को दूर करने का उत्कृष्ट नुस्खा नैदानिक पढ़ाई है क्योंकि नैदानिक पढ़ाई में बालक की अधिगम सम्बन्धी कठिनाइयों का पता लगाया जाता है तथा उपचारात्मक शिक्षण द्वारा उनके कठिनाईयों में सुधार किया जाता है।

71. बालक की गणित में कमज़ोरी वाले क्षेत्र का पता लगाने वाली विधि कहलाती है—

- (a) लिखित कार्य
- (b) मौखिक कार्य
- (c) उपाचारात्मक कार्य
- (d) निदानात्मक कार्य

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (d) बालक की गणित में कमज़ोरी वाले क्षेत्र का पता लगाने वाली विधि निदानात्मक कार्य कहलाती है। निदानात्मक कार्य एक ऐसा शैक्षिक उपादान है, जिसके आधार पर पठित विषय-वस्तु की सूक्ष्म इकाई में बालक की विशिष्टता एवं कमियाँ परिलक्षित होती हैं। निदानात्मक कार्य से यह पता लगता है कि पाठ्यवस्तु का कौन सा भाग किस मात्रा में सीखा गया है तथा कितना भाग छात्र सीखने में असमर्थ रहा है। अतः निदानात्मक कार्यों से छात्रों की विभिन्न विषयों में कमज़ोरी या कमियों का निर्धारण किया जाता है।

72. भिन्नों का योग पढ़ाते समय अध्यापक ने पाया कि सभी विद्यार्थी निम्नलिखित त्रुटि करते हैं $\frac{1}{3} + \frac{1}{2} = \frac{2}{5}$ इस परिस्थिति में अध्यापक को उपचारात्मक कार्य करना चाहिए—
- प्रत्येक भिन्न के मान को समझने में बालकों की सहायता करना।
 - लघुतम समापवर्तक की संकल्पना को समझने में बालकों की सहायता करना।
 - बच्चों को समान प्रकार के सवालों का अभ्यास करने के लिए कहना।
 - किसी मदद की आवश्यकता नहीं है, क्यों बड़े होने पर वह स्वयं समझ जाएंगे।

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (b) यदि भिन्नों का योग पढ़ाते समय अध्यापक पाता है कि सभी विद्यार्थी निम्नलिखित त्रुटि करते हैं— $\frac{1}{3} + \frac{1}{2} = \frac{2}{5}$ इस परिस्थिति में अध्यापक को लघुतम समापवर्तक की संकल्पना को समझने में बालकों की सहायता करनी चाहिए ताकि वे भिन्न के सवालों को सही-सही हल कर सकें।

73. उपचारात्मक शिक्षा (Remedial teaching) का हेतु (purpose) है—

- नई भाषा वस्तु को दाखिल (Introduce) करना
- तत्कालीन पढ़ाई वस्तु की कसौटी
- सही तरीके से न पढ़ाई गई भाषा वस्तु को फिर से पढ़ाना
- पढ़ाई गई भाषा वस्तुओं को फिर से पढ़ना

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) उपचारात्मक शिक्षा का हेतु है— सही तरीके से न पढ़ाई गयी भाषा वस्तु को फिर से पढ़ाना। उपचारात्मक शिक्षण व्यवस्था में कक्षा के वर्तमान स्वरूप और संरचना में कोई परिवर्तन नहीं किया जाता है। यदि छात्र किसी विषय वस्तु के खण्ड को समझने में कठिनाई का अनुभव कर रहे हैं या उन्हें जो पढ़ाया जा रहा है, उससे संबंधित अपेक्षित पूर्व ज्ञान उसे नहीं है, तो शिक्षक छात्र को पाठ का पुनः अधिगम कराता है। पहले पढ़ाये पाठ को पुनः पढ़ाता है और छात्रों की अधिगम संबंधी कठिनाइयों को दूर किया जाता है।

74. अंग्रेजी के मूल्यांकन में ज्यादातर विद्यार्थियों को निम्न ग्रेड प्राप्त हुई। निम्न ग्रेड प्राप्त करने की वजह का कारण जानने के लिए शिक्षक द्वारा तैयार की गई कसौटी होगी—

- | | |
|----------------------|-------------------|
| (a) निदानात्मक कसौटी | (b) कौशल कसौटी |
| (c) उपलब्धि कसौटी | (d) योग्यता कसौटी |

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (a) अंग्रेजी के मूल्यांकन में ज्यादातर विद्यार्थियों को निम्न ग्रेड प्राप्त हुई। निम्न ग्रेड प्राप्त करने की वजह का कारण जानने के लिए शिक्षक द्वारा तैयार की गयी कसौटी निदानात्मक होगी। निदानात्मक कसौटी का मुख्य उद्देश्य किसी विषय क्षेत्र में छात्रों की दुर्बलताओं को ज्ञात करना है जिसे उन्हें दूर करने के लिए उपचारात्मक प्रयत्न किये जा सके। निदानात्मक कसौटी में उन्हीं अंशों या प्राप्तांकों को महत्व दिया जाता है जो छात्रों की कमियों, दोषों एवं कठिनाइयों को उजागर करते हैं।

75. विद्यार्थियों के अवांछनीय व्यवहार में बदलाव लाने के लिए सबसे समर्थ पद्धति है—
- विद्यार्थी को दंडित करना
 - माता-पिता को सूचित करना
 - अवांछनीय व्यवहार के कारणों को जानना और उनका उपाय बताना
 - नजर अंदाज करना

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (c) विद्यार्थियों के अवांछनीय व्यवहार में बदलाव लाने के लिए सबसे समर्थ पद्धति है, अवांछनीय व्यवहार के कारणों को जानना और उनका निराकरण करना। विद्यार्थियों का व्यवहार कई कारणों से प्रभावित होता है जैसे— सामाजिक वातावरण, शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में रुचि न होना, सीखने के लिए प्रेरणा का अभाव आदि। शिक्षक इन कारणों का पता लगाकर उनके व्यवहार में वांछनीय परिवर्तन लाने का प्रयास करता है।

76. योगात्मक (summative) मूल्यांकन को किस रूप में परिभाषित किया गया है?

- कार्यक्रम के प्रभाव का मूल्यांकन करने या निर्देश के बाद छात्र के प्रदर्शन का मोल करने की प्रक्रिया के रूप में
- छात्रों को यह बताना कि उन्हें कैसे प्रदर्शन करना है
- एक प्रभावी तरीके से पढ़ाने की प्रक्रिया के रूप में
- इनमें से कोई नहीं

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (a) योगात्मक मूल्यांकन को कार्यक्रम के प्रभाव का मूल्यांकन करने या निर्देश के बाद छात्र के प्रदर्शन का मोल करने की प्रक्रिया के रूप में परिभाषित किया गया है। स्कूल में योगात्मक मूल्यांकन में ज्यादा प्रत्यक्षता होती है। यह एक ग्रेड या इकाई या सत्र के अंत में अधिगम के परिणामों की जाँच करता है। इससे यह जानने में मदद मिलती है कि शिक्षण एवं अधिगम के लक्ष्यों को किस हद तक प्राप्त कर लिया गया है।

77. शिक्षकों को अपने छात्रों की त्रुटियों का अध्ययन करना चाहिए, वे प्रायः संकेत करती है—

- अलग-अलग पाठ्यर्थों की आवश्यकता की ओर
- उनके ज्ञान की सीमा की ओर
- आवश्यक उपचारात्मक रणनीतियों की ओर
- योग्यता समूहकरण हेतु पथ-प्रदर्शन की ओर

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (c) शिक्षकों को अपने छात्रों की त्रुटियों का अध्ययन करना चाहिए क्योंकि वे प्रायः आवश्यक उपचारात्मक रणनीतियों की ओर संकेत करती हैं। निदानात्मक परीक्षण के द्वारा छात्र की अधिगम त्रुटियों का पता लगाकर उस त्रुटि को उपचारात्मक शिक्षण के द्वारा दूर किया जाता है। इसलिए एक शिक्षक को शिक्षण अधिगम की परिस्थिति में निरंतरता एवं क्रमबद्धता कायम रखने हेतु निदानात्मक परीक्षणों से प्राप्त निष्कर्षों के अनुरूप विषयगत उपचारात्मक अध्यापन प्रविधि को प्रस्तावित करना चाहिए।

78. छात्र के अधिगम में अंतराल का निदान करने
के बाद करना चाहिए।
(a) उचित उपचारात्मक उपाय
(b) सधन अनुप्रयोग एवं अभ्यास
(c) सभी पाठों को व्यवस्थित रूप से दोहराना
(d) निष्कर्षों से शिक्षार्थी तथा अभिभावकों को अवगत करना

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (a) छात्र के अधिगम में अंतराल का निदान करने के बाद उचित उपचारात्मक उपाय करना चाहिए। शिक्षा के क्षेत्र में निदान का वही अर्थ, जो चिकित्सा विज्ञान में है। यहाँ शिक्षक अपनी शैक्षिक दृष्टि से छात्रों की कठिनाइयों एवं कमज़ोरियों का पता विशेष तकनीकी विधियों द्वारा करता है। अध्यापक अपनी कक्षा में कमज़ोर छात्रों की कमियों को ज्ञात करते हैं, उनकी स्थिति देखते हैं, उनके कारणों का गहनता से विश्लेषण करते हैं तथा उन कारणों को दूर करके उपचारात्मक शिक्षण प्रदान करते हैं।

79. प्रायः शिक्षार्थियों की त्रुटियाँ की ओर संकेत करती हैं।

 - (a) यांत्रिक अभ्यास की आवश्यकता
 - (b) सीखने की अनुपस्थिति
 - (c) शिक्षार्थियों के सामाजिक-आर्थिक स्तर
 - (d) वे कैसे सीखते हैं

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (a) प्रायः शिक्षार्थियों की त्रुटियाँ यांत्रिक अभ्यास की आवश्यता की ओर संकेत करती है। बच्चे प्रायः त्रुटियाँ तब करते हैं जब किसी कार्य में वे अपेक्षित रुचि नहीं लेते हैं या संबंधित विषय-वस्तु उनके मानसिक स्तर के अनुरूप नहीं होता है या फिर जब वे अति उत्साहित होते हैं। इन परिस्थितियों में शिक्षक शिक्षार्थियों की त्रटियों को कम करने के लिए नियमित अभ्यास पर बल देता है।

5. रचनात्मक एवं योगात्मक आकलन

KVS-PRT Post Code 16/17 29-10-2017

Ans : (d) निर्माणात्मक मूल्यांकन के निम्नलिखित उपकरण हैं—
(i) समानुदेशन
(ii) मौखिक प्रश्न
(iii) प्रश्नोत्तरी

- (III) ग्रन्थालय जबकि सत्र परीक्षा योगात्मक मूल्यांकन के लिए एक उपयुक्त उपकरण है।

81. एक विद्यार्थी के अवांछनीय व्यवहार को परिवर्तित करने का सबसे प्रभावी तरीका है—

 - (a) दण्ड थोपना
 - (b) नजरअंदाज करना
 - (c) अभिभावकों को संभालने के लिए कहना
 - (d) कारण ज्ञात करना और उपाय उपलब्ध कराने का प्रयास करना

KVS-PRT Post Code 16/17 29-10-2017

Ans : (d) एक विद्यार्थी के अवांछनीय व्यवहार को परिवर्तित करने का सबसे प्रभावी तरीका उसके अवांछनीय व्यवहार का कारण ज्ञात करना और उपाय उपलब्ध कराने का प्रयास करना है।

8.2. समेकित मूल्यांकन (Summative Evaluation) के लिए प्रयोग में आने वाला यंत्र है—

- (a) परीक्षण (Test)
 - (b) अध्यापक का आकलन
 - (c) गृहकार्य
 - (d) इनमें से कोई नहीं

NCERT PRT 30-07-2017

Ans : (a) समेकित मूल्यांकन के लिए प्रयोग में आने वाला यंत्र परीक्षण है। पाठ्यवस्तु की समस्त इकाइयों का शिक्षण कराने के उपरान्त समेकित मूल्यांकन किया जाता है। इससे छात्रों की सफलता के आधार पर शिक्षण व अनुदेशन की प्रभावशीलता का मूल्यांकन होता है। जिससे शिक्षक तथा अनुदेशन को पुनर्बलन मिलता है और शिक्षक को अपने आगे के शिक्षण की योजना तथा व्यवस्था करने में सहायता मिलती है। समेकित मूल्यांकन में मानकीकृत परीक्षण या प्रमाणीकृत परीक्षण का प्रयोग किया जाता है क्योंकि यह मानक आधारित परीक्षण होता है।

8.3. समेकित मल्यांकन (Summative Evaluation) किया

जाता १५-

- (a) कार्यक्रम के अंत में
 (b) कार्यक्रम के दौरान
 (c) कार्यक्रम के शुरूआत में
 (d) इनमें से कोई नहीं

NCERT PRT 30-07-2017

Ans : (a) किसी शैक्षिक योजना या कार्यक्रम को अनिम रूप देने व उसे लागू कर देने के पश्चात् उसकी समग्र वांछनीयता को ज्ञात करने के लिए किया गया मूल्यांकन समेकित मूल्यांकन कहलाता है। समेकित मूल्यांकन का प्रयोग यह जानने के लिए किया जाता है कि किस सीमा तक शिक्षण के उद्देश्यों को प्राप्त करने में सफलता मिली है। अतः यह कार्यक्रम के अंत में किया जाता है।

84. अधिगम प्रगति क्षेत्र नियंत्रित करने वाले मूल्यांकन को कहते हैं—

- (a) समेकित
 (c) शारभिक

NCERT PBT 30-07-2017

Ans : (b) अधिगम प्रगति क्षेत्र नियंत्रित करने वाले मूल्यांकन को विकासात्मक मूल्यांकन कहते हैं। विकासात्मक मूल्यांकन का कार्य पाठ्यक्रम में लगातार सुधार करना है। विकासात्मक, मूल्यांकन एक ऐसी प्रक्रिया है जो समय तथा स्थिति के अनुसार पाठ्यक्रम में परिवर्तन लाती है। दूसरे शब्दों में विकासात्मक मूल्यांकन का लक्ष्य पाठ्यक्रम में मध्यांतर लाना है।

85. स्कूल में विद्यार्थियों के लिए समय आबद्ध (Time bound) परीक्षा कार्यक्रम क्यों लापा करना चाहिए?

- bound) परक्षण कार्यक्रम किया जाना करना चाहेः**

 - (a) विद्यार्थियों की प्रगति उनके माता-पिता तक पहुँचाई जा सके
 - (b) नियमित अभ्यास बना रहे
 - (c) अंतिम परीक्षा के लिए विद्यार्थियों को प्रशिक्षण किया जा सके
 - (d) नतीजों के आधार पर नियमित कार्यक्रम को अपनाया जा सके

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (d) स्कूल में विद्यार्थियों के लिए समय आबद्ध परीक्षण कार्यक्रम इसलिए लागू किया जाता है ताकि नवीजों के आधार नियमित कार्यक्रम को अपनाया जा सके। साथ ही समय आबद्ध परीक्षण इसलिए भी किया जाता है ताकि विद्यार्थियों का कक्षोन्नति कर सकें, उनको ग्रेड प्रदान कर सके तथा उनका मूल्यांकन कर सकें।

86. एक अध्यापिका विद्यार्थियों को निम्नलिखित कथन बीजगणित अभिव्यक्ति में लिखने के लिए कहती है—

I. 'a' के तिगुने में से 4 घटाओं

II. चार बार x जमा 6

विद्यार्थी $3a - 4$ और $4x + 6$ के रूप में प्रतिक्रिया देते हैं, जबकि अध्यापिका $3(a - 4)$ और $4(x + 6)$ की अपेक्षा कर रही थी। उपर्युक्त त्रुटि का कारण है—

- (a) रेखीय व्यंजकों की समझ में कमी
- (b) विद्यार्थियों द्वारा सुनने में लापरवाही
- (c) शिक्षक द्वारा प्रयुक्त भाषा
- (d) रेखीय व्यंजनों को लिखने के अभ्यास में कमी

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) उपर्युक्त प्रश्न में अध्यापिका द्वारा प्रस्तुत भाषा अस्पष्ट होने के कारण विद्यार्थी प्रश्न को सही तरीके से समझ नहीं पाते हैं और अधिगम संबंधी त्रुटियाँ करते हैं। इसलिए शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में शिक्षक के एक महत्वपूर्ण कौशल के रूप में सम्प्रेषण को माना जाता है ताकि शिक्षण के दौरान भाषा संबंधी त्रुटियाँ न करें।

87. विद्यालय में निर्बंध प्रकार के प्रश्नों के बाबजूद वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न पूछे जाते हैं, क्यों?

- (a) छात्रों की समय के महत्व को बताने के लिए
- (b) कम समय के महत्व को बताने के लिए
- (c) अधिक प्रश्नों के उत्तर जानने के लिए
- (d) यह उत्तरपत्र को हल करने की अधिक सुविधाजनक विधि है

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (c) विद्यालय में निर्बंध प्रकार के प्रश्नों के बाबजूद वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न पूछे जाते हैं ताकि अधिक से अधिक प्रश्नों के उत्तर जाना जा सके। दूसरे शब्दों में वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को प्रश्न पत्र में इसलिए शामिल किया जाता है ताकि पाठ्यक्रम के अधिकांश भागों को शामिल किया जा सके। वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न ज्ञान आधारित होते हैं, जिसमें छात्रों को एक शब्द में या पहचान द्वारा उत्तर देना होता है।

88. निम्नलिखित में से किस उपकरण (ओं) का इस्तेमाल प्रायः योगात्मक (Summative) मूल्यांकन में किया जाता है?

- (a) अध्यापक अवलोकन
- (b) परीक्षण
- (c) असाइनमेंट
- (d) उपरोक्त सभी

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (b) परीक्षण का इस्तेमाल प्रायः योगात्मक मूल्यांकन में किया जाता है। स्कूल में योगात्मक आकलन में ज्यादा प्रत्यक्षता होती है। यह एक ग्रेड या इकाई या सत्र के अंत में अधिगम के परिणामों की जाँच करता है। इससे यह जानने में मदद मिलती है कि शिक्षण एवं अधिगम के लक्ष्यों को किस हद तक प्राप्त कर लिया गया है।

89. निम्नलिखित में से कौन-सा एक अलग-अलग कक्षाओं के भीतर परीक्षण का प्रमुख उद्देश्य नहीं है?

- (a) छात्रों के पूर्व ज्ञान का निदान करना
- (b) छात्रों को सुधारात्मक प्रतिक्रिया प्रदान करना
- (c) मानव बुद्धि के बारे में निर्णय लेना
- (d) छात्र की उपलब्धि के बारे में निर्णय करना

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (c) अलग-अलग कक्षाओं के भीतर परीक्षण का प्रमुख उद्देश्य निम्न हैं—

- छात्रों के पूर्व ज्ञान का निदान करना
- छात्रों को सुधारात्मक प्रतिक्रिया प्रदान करना
- छात्र की उपलब्धि के बारे में निर्णय करना

अतः मानव बुद्धि के बारे में निर्णय लेना परीक्षण का मुख्य उद्देश्य नहीं होता है।

90. गठनात्मक आकलन (formative assessment) हेतु निम्नलिखित में से कौन-सा साधन उचित नहीं है?

- (a) दत कार्य (Assignment)
- (b) मौखिक प्रश्न
- (c) सावधिक जाँच परीक्षा (Term Test)
- (d) प्रश्नमंच एवं खेल

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (c) गठनात्मक आकलन या रचनात्मक आकलन के अंतर्गत शिक्षक अपने शैक्षिक कार्यक्रमों, शिक्षण विधियों आदि की गुणवत्ता, प्रभावकारिता तथा उपयोगिता का आकलन इसलिए करता है ताकि वह शैक्षिक कार्यक्रम, शिक्षण विधि को और अधिक उत्तम, प्रभावशाली तथा उपयोगी बना सके। इसमें दत कार्य, मौखिक प्रश्न, प्रश्नमंच एवं खेल जैसे मूल्यांकन के तरीके शामिल किये जाते हैं न कि सावधिक जाँच परीक्षा जैसे मूल्यांकन तरीके। सावधिक जाँच परीक्षा समेकित आकलन या योगात्मक आकलन में किया जाता है।

91. निम्नलिखित में से क्या “समझने हेतु शिक्षण” को नहीं दर्शाता है?

- (a) छात्र का किसी घटना अथवा संकल्पना को अपने स्वयं के शब्दों में वर्णन करने के लिए छात्र को कहना
- (b) किसी नियम के कार्य का चित्रण करने के लिए उदाहरण देने हेतु छात्र को पढ़ाना
- (c) समानता और असमानता देखकर छात्रों की समरूपता तैयार करने हेतु सहायता करना
- (d) अलग तथ्यों तथा प्रक्रियाओं का स्मरण करने में छात्रों को सक्षम बनाना

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (d) अलग तथ्यों तथा प्रक्रियाओं का स्मरण करने में छात्रों को सक्षम बनाना, समझने हेतु शिक्षण को नहीं दर्शाता है। समझने हेतु शिक्षण के लिए आवश्यक है कि उन्हें—

- किसी घटना अथवा संकल्पना को अपने स्वयं के शब्दों में वर्णन करने के लिए कहना
- किसी नियम के कार्य का चित्रण करने के लिए उदाहरण देने हेतु पढ़ाना
- समानता और असमानता देखकर छात्रों की समरूपता तैयार करने हेतु सहायता करना।

92. सृजनात्मक उत्तरों को आवश्यकता होती है—

- (a) प्रत्यक्ष शिक्षण एवं प्रत्यक्ष प्रश्नों की
- (b) विषयवस्तु आधारित प्रश्नों की
- (c) खुले प्रश्नों की
- (d) एक अति अनुशासित कक्षा की

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (c) सृजनात्मक उत्तरों के लिए खुले प्रश्नों की आवश्यकता होती है। खुले प्रश्न उस प्रकार के प्रश्नों को कहा जाता है जिनका कोई निश्चित उत्तर नहीं होता है तथा जो बच्चों को कल्पनात्मक चिंतन करने के लिए प्रेरित करते हैं। इस प्रकार के प्रश्नों में निबन्धात्मक प्रश्न शामिल किये जाते हैं। निबन्धात्मक प्रश्नों से छात्रों के संगठन, प्रस्तुतीकरण, तार्किक चिंतन, निर्णयन, सृजन आदि क्षमताओं का मूल्यांकन होता है।

93. रचनात्मक मूल्यांकन (Formative assessment) के लिए निम्न में से कौन-सा सही तरीका नहीं है?

- (a) कार्य देना
- (b) मौखिक प्रश्न
- (c) सत्र परीक्षा
- (d) प्रश्नोत्तरी और खेल

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (c) रचनात्मक मूल्यांकन का मतलब है कि प्रत्येक विद्यार्थी से विविध प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से जानकारी एकत्र करना जो उनके सीखने और प्रगति का आकलन करने में मदद करती है। इसमें निम्न गतिविधियाँ शामिल की जाती हैं—

- सामान्य कक्षा गतिविधियाँ करते समय विद्यार्थियों की निगरानी करना और उनको दर्ज करना।
- कक्षा और गृहकार्या के आवटनों को ग्रेड करना और इनके रिकार्ड रखना।
- विद्यार्थियों के कार्य (लिखित, कला, परियोजनाएँ आदि) के नमूने पोर्टफोलियो में रखना।
- लघु अनौपचारिक परीक्षायें लेना और उनका रिकार्ड रखना।

अतः सत्रीय परीक्षाएँ संकलनात्मक मूल्यांकन की विशेषता है न कि रचनात्मक मूल्यांकन की।

94. मिनाक्षी अपने वर्ग को मैदानी पर्यटन पर ले जाती है और वापस आने के बाद वह अपने शिक्षार्थियों से चर्चा करती है। इसका सूचितार्थ होता है—

- (a) शिक्षण का मूल्यांकन
- (b) शिक्षण के लिए मूल्यांकन
- (c) मूल्यांकन के लिए शिक्षण
- (d) मूल्यांकन का शिक्षण

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (b) यदि मिनाक्षी अपने वर्ग को मैदानी पर्यटन पर ले जाती है और वापस आने के बाद वह अपने विद्यार्थियों से चर्चा करती है। इसका अर्थ यह है कि वह शिक्षण के लिए आकलन कर रही है। सीखने के लिए आकलन में शिक्षक और छात्र को तुरन्त पुनर्निवेशन प्राप्त होता है इससे अधिगम में आयी कठिनाइयों को दूर किया जा सकता है तथा अधिगम प्रभावशाली होता है।

95. जब बच्चा फेल होता है, तो इसका तात्पर्य है कि—

- (a) बच्चे को प्राइवेट ट्यूशन लेनी चाहिए थी
- (b) व्यवस्था फेल हुई है
- (c) बच्चा पढ़ाई के लिए योग्य नहीं है
- (d) बच्चे ने उत्तरों को सही तरीके से याद नहीं किया है

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (b) जब बच्चा फेल होता है, तो इसका तात्पर्य है कि व्यवस्था फेल हुई है। बाल केन्द्रित शिक्षा में विद्यालय, शिक्षक, पाठ्यचर्या शिक्षण पद्धति, शिक्षण विधि आदि सभी कुछ बालक की योग्यता एवं क्षमता के अनुसार उनके अधिगम अनुभव को सुनिश्चित करने का प्रयास करते हैं। यदि फिर भी बच्चा फेल होता है तो इसका तात्पर्य है कि व्यवस्था फेल हुई है अतः व्यवस्था में सुधार करने की आवश्यकता है।

96. सबसे उचित विकल्प को रिक्त स्थान में भरिए :

ज्ञान और विचारों को व्यवस्थित करने के लिए सम्मिलित हैं।

- (a) स्मरण संकेत और समीक्षा प्रश्न
- (b) सूचना मानचित्र और अवधारणा मानचित्र
- (c) अन्वेषणात्मक सॉफ्टवेयर और प्रश्न-बैंक
- (d) शिक्षक प्रतिरूपण और दंड-आरेख

NVS PGT 2016

Ans : (a) ज्ञान और विचारों को व्यवस्थित करने के लिए स्मरण संकेत और समीक्षा प्रश्न सम्मिलित किया जाता है। इसीलिए पाठ्य-पुस्तकों में पाठ के अंत में प्रश्नों को शामिल किया जाता है।

97. शिक्षार्थियों के संकलनात्मक आकलन (Summative assessment) का उद्देश्य क्या है?

- (a) सत्र के समाप्त होने पर आकलन
- (b) कक्षा के दौरान आकलन
- (c) परियोजना का आकलन
- (d) पाठ के अंत में आकलन

KVS TGT 2018

Ans : (d) संकलनात्मक आकलन का उद्देश्य किसी पूर्व-विकसित शैक्षिक कार्यक्रम, पाठ्यक्रम, शिक्षण-विधि, शिक्षण-सामग्री की उपयुक्तता की जाँच करना है। इस मूल्यांकन की सहायता से शिक्षण के दौरान बालकों की अधिगम संबंधी प्रगति को नियंत्रित किया जाता है। इसीलिए यह आकलन पाठ के अंत में किया जाता है।

98. पाठांत्र प्रश्नों का सबसे उपयुक्त उपयोग है-

- (a) परीक्षा के लिए प्रश्न सुझाना
- (b) अध्याय से महत्वपूर्ण भागों की पहचान करना
- (c) सीखे हुए को समझने में तथा अपने शब्दों में व्यक्त करने में विद्यार्थियों को सक्षम करना
- (d) विद्यार्थियों के लिए अध्याय का सारांश प्रस्तुत करने में शिक्षकों की सहायता करना

DSSSB PRT 2018

Ans : (c) पाठांत्र प्रश्नों का सबसे उपयुक्त उपयोग सीखे हुए को समझने में तथा अपने शब्दों में व्यक्त करने में विद्यार्थियों को सक्षम करना है।

6. सतत् और व्यापक मूल्यांकन

99. सतत् और व्यापक मूल्यांकन के अंतर्गत मूल्यांकित किए जाने वाले सामाजिक-व्यक्तिगत गुणों में, निम्नांकित में से क्या नहीं आता है?

- (a) स्वच्छता (b) चित्रकला
(c) सहयोग (d) अनुशासन

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (b) सतत् और व्यापक मूल्यांकन के अंतर्गत मूल्यांकित किए जाने वाले सामाजिक-व्यक्तिगत गुणों में चित्रकला नहीं आता। अपितु इसका मूल्यांकन शैक्षिक क्षेत्रों के अंतर्गत किया जाता है। दूसरी ओर स्वच्छता, सहयोग, अनुशासन आदि का मूल्यांकन सामाजिक-व्यक्तिगत गुणों के ऑकलन के अंतर्गत किया जाता है।

100. CCE प्रणाली के बारे में कौन-सा सत्य नहीं है?

- (a) बच्चों में प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़ाता है
(b) सामग्री के छोटे हिस्से पर लिखने की प्रगति की पहचान करता है
(c) उपचारात्मक प्रतिक्रिया उपलब्ध कराता है
(d) गैर-शिक्षण योजनाओं की पहचान करता है और उन्हें बढ़ावा देता है

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (a) CCE प्रणाली के निम्नलिखित विशेषताएँ हैं—

- (i) सामग्री के छोटे हिस्से पर सीखने की प्रगति की पहचान करता है।
(ii) उपचारात्मक प्रतिक्रिया उपलब्ध कराता है।
(iii) गैर-शिक्षण योजनाओं की पहचान करता है।

जबकि बच्चों में प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़ाता है— यह कथन CCE प्रणाली के बारे में सत्य नहीं है।

101. CCE में, कितने प्रतिशत निर्माणात्मक मूल्यांकन है?

- (a) 20% (b) 40%
(c) 50% (d) 75%

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (b) CCE में 40% निर्माणात्मक मूल्यांकन है। निर्माणात्मक मूल्यांकन को 'सीखने के लिए आकलन' भी कहा जाता है। इस प्रकार के मूल्यांकन का मुख्य प्रयोजन छात्रों को वह रचनात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त करने में सक्षम बनाना है जो उन्हें बेहतर सीखने और प्रभावी प्रगति करने में उनकी मदद करेगी।

102. विज्ञान विषयों में सतत् और व्यापक मूल्यांकन के अनुसार कम-से-कम कुछ रचनात्मक मूल्यांकन का आधार निम्नलिखित में से कौन-सा होना चाहिए?

- (a) संवाद कौशल
(b) लेखन कौशल
(c) प्रयोगशाला क्रियाकलाप तथा प्रयोग
(d) समूहों में परियोजना कार्य

PRT-KVS 07-01-2017

Ans : (c) विज्ञान विषयों में सतत् और व्यापक मूल्यांकन के अनुसार कम-से-कम कुछ रचनात्मक मूल्यांकन का आधार प्रयोगशाला क्रियाकलाप तथा प्रयोग होना चाहिए।

103. विद्यार्थियों के शैक्षिक परीक्षण की विवेचना करते समय अध्यापक को ध्यान रखना चाहिए उसकी—

- (a) उपस्थिति का (b) आयु का
(c) ग्रेड का (d) उपरोक्त सभी

NCERT PRT 30-07-2017

Ans : (a) विद्यार्थियों के शैक्षिक परीक्षण की विवेचना करते समय अध्यापक को उनकी उपस्थिति का ध्यान रखना चाहिए। अध्यापक को परीक्षण का निर्माण करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि विद्यार्थी परीक्षण से विचलित न हों तथा परीक्षण उनकी योग्यता के अनुरूप हो। परीक्षण यदि विद्यार्थियों की योग्यता के अनुरूप नहीं होता है तो विद्यार्थी परीक्षण से अपने आपको अलग कर लेते हैं जिससे परीक्षण का उद्देश्य प्रभावित होता है।

104. यदि किसी परीक्षा में आपकी कक्षा के अधिकांश विद्यार्थी असफल हो जाएं तो आप इसका दायित्व किस पर डालेंगे?

- (a) विद्यालय में उपलब्ध कमजोर सुविधाएं
(b) अधिकारी की कमजोर योजना
(c) आपकी अपनी शिक्षण-विधि
(d) बच्चों की पढ़ाई में लापरवाही

PRT KVS 2010

Ans : (c) यदि किसी परीक्षा में एक शिक्षक की कक्षा के अधिकांश विद्यार्थी असफल हो जाते हैं तो उसे इसका दायित्व अपनी शिक्षण विधि पर डालना चाहिए।

105. किसी व्यवसाय में सफलता के सम्भावित चिह्न दृष्टिगोचर होते हैं—

- (a) व्यक्तिगत क्षमता के मूल्यांकन में
(b) व्यवसाय के मूल्यांकन में
(c) व्यवसायों की सामाजिक मान्यता में
(d) व्यवसाय सम्बन्धी उपलब्धता में

PRT KVS 15-12-2013

Ans : (a) किसी व्यवसाय में सफलता के सम्भावित चिह्न व्यक्तिगत क्षमता के मूल्यांकन में दृष्टिगोचर होते हैं। जब व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुरूप व्यवसाय का चयन करता है तो वह उस व्यवसाय में अवश्य सफलता प्राप्त करता है।

106. छात्रों के सही मूल्यांकन के लिए निम्नलिखित में से किस विधि का प्रयोग किया जाना चाहिए?

- (a) रचनात्मक (विकासशील) मूल्यांकन
(b) सतत् मूल्यांकन
(c) कोर्स के अंत में मूल्यांकन
(d) प्रत्येक छात्राही पर मूल्यांकन

PRT KVS 04-10-2015

Ans : (b) छात्रों के सही मूल्यांकन के लिए सतत् मूल्यांकन विधि का प्रयोग किया जाना चाहिए। सतत् मूल्यांकन का अर्थ है, ऑकलन को शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में एक नियमित गतिविधि बनाना। सतत् मूल्यांकन में छात्रों के प्रदर्शन को औपचारिक तथा अनौपचारिक तरीके से आँका जाता है। यह शिक्षण के साथ-साथ चलता रहता है। छात्रों के प्रदर्शन का ऑकलन करने के लिए शिक्षक अवलोकन, साक्षात्कार, स्व तथा सहपाठी ऑकलन, समूह कार्य, परियोजना आदि विभिन्न तकनीकों का प्रयोग करते हैं।

107. शिक्षा का स्तर बढ़ाने के लिए क्या जरूरी है?

- (a) विद्यार्थियों का लगातार मूल्यांकन
- (b) शिक्षक को बेहतर वेतन देना
- (c) पाठ्यक्रम में संशोधन करना
- (d) स्कूली इमारतों को बेहतर बनाना

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (a) शिक्षा का स्तर बढ़ाने के लिए विद्यार्थियों का लगातार मूल्यांकन जरूरी है। शिक्षा में मूल्यांकन वह स्थिति है जहाँ बालकों की निष्पत्ति द्वारा उनके अर्जित ज्ञान तथा कौशल की मात्रा का पता लगाया जाता है तथा उनको एक स्थिति प्रदान की जाती है। विद्यार्थियों की स्थिति शिक्षा का स्तर बढ़ाने में सहायक होती है। मूल्यांकन की सहायता से शिक्षण विधियों की प्रभावशीलता का आकलन किया जाता है। इसकी सहायता से शिक्षण के स्तर की जाँच करते हुए सुधार किया जा सकता है।

108. व्यापक मूल्यांकन के निर्धारण को सूचित करता है।

- (a) सह-अध्यापन प्रवृत्ति
- (b) सैद्धांतिक विषयों
- (c) शैक्षिक और सह-शैक्षिक क्षेत्र
- (d) संकलित निर्धारण परीक्षण

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) व्यापक मूल्यांकन शैक्षिक और सह शैक्षिक क्षेत्र के निर्धारण को सूचित करता है। व्यापक मूल्यांकन, विद्यार्थी के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के आकलन का ध्यान रखता है। आकलन का उद्देश्य केवल किसी विषय विशेष में, जिसे विद्यार्थी पढ़ रहा है, उसके ज्ञान को आँकना नहीं है बल्कि ज्ञान के अन्य क्षेत्रों, जैसे कि कला, शिल्प कला, स्वास्थ्य तथा शारीरिक शिक्षा, शान्ति के लिए शिक्षा, जीवन कौशलों आदि में भी उसकी सहभागिता को आँकना है।

109. मूल्यांकन का सर्वाधिक अर्थपूर्ण राह है—

- (a) निरंतर और विस्तृत मूल्यांकन
- (b) टर्म के अंत में हेतुलक्षी परीक्षा लेना
- (c) विद्यार्थियों का क्युयुलेटिव रिकॉर्ड रखना
- (d) सेमेस्टर पद्धति मूल्यांकन

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (a) मूल्यांकन का सर्वाधिक अर्थपूर्ण राह है— निरंतर और विस्तृत मूल्यांकन। मूल्यांकन में निरंतर का अर्थ है आकलन को शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में एक नियमित गतिविधि बनाना। यह शिक्षण के साथ-साथ चलता रहता है। छात्रों के प्रदर्शन का आकलन करने के लिए शिक्षक अवलोकन, साक्षात्कार, स्व तथा सहायी आकलन, समूह कार्य परियोजना आदि विभिन्न तकनीकों का प्रयोग करते हैं। वहीं विस्तृत मूल्यांकन विद्यार्थी के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के आकलन का ध्यान रखता है।

110. विद्यालय—आधारित आकलन मुख्य रूप से किस सिद्धांत पर आधारित होता है?

- (a) किसी भी कीमत पर विद्यार्थियों को अच्छे ग्रेड मिलने चाहिए
- (b) विद्यालय, बाह्य निकायों की अपेक्षा ज्यादा सक्षम है
- (c) आकलन बहुत किफायती (मितव्ययी) होना चाहिए
- (d) बाह्य परीक्षकों की अपेक्षा शिक्षक अपने शिक्षार्थियों की क्षमताओं को बेहतर जानते हैं

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (d) विद्यालय—आधारित आकलन मुख्य रूप से इस सिद्धांत पर आधारित है कि बाह्य परीक्षकों की अपेक्षा शिक्षक अपने शिक्षार्थियों की क्षमताओं को बेहतर जानते हैं। विद्यालय आधारित आकलन एक सतत् चलने वाली प्रक्रिया है, जिसमें शिक्षार्थियों के अधिगम त्रैटियों की पहचान कर उसमें सुधार करने का प्रयास किया जाता है। चूंकि विद्यालय आधारित आकलन में शिक्षक अपने शिक्षार्थियों का स्वयं आकलन करता है। इसलिए वह अपने अधिकार क्षेत्र पर प्रभुत्व की भावना भी रखता है।

111. पोर्टफोलियो सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन का एक महत्वपूर्ण माध्यम है, क्योंकि वह—

- (a) अनिवार्य है
- (b) क्रियान्वित करना सरल होता है
- (c) न्यूनतम सूचना प्रदान करता है
- (d) विद्यार्थियों में कौशल के विकास को इंगित करता है

NVS PGT 2016

Ans : (d) पोर्टफोलियो सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन का एक महत्वपूर्ण माध्यम है क्योंकि यह विद्यार्थियों में कौशल के विकास को इंगित करता है। पोर्टफोलियो विद्यार्थी की शैक्षिक गतिविधियों तथा विषयों से सम्बन्धित उपलब्धियों और कार्यों का एक संग्रह है। इसकी सहायता से छात्र का शैक्षिक तथा स्वमूल्यांकन हो जाता है और योग्यताओं एवं उपलब्धियों की गणवत्ता का ज्ञान हो जाता है।

7. शिक्षक निर्मित एवं मानक संदर्भित परीक्षण

112. “निबंधात्मक परीक्षण” की इतनी लोकप्रियता का मुख्य कारण है—

- (a) इसके उच्च निदानात्मक मूल्य
- (b) इसकी उच्च विश्वसनीयता
- (c) इसकी संक्षेपण तथा संगठन कौशल को मापने की योग्यता
- (d) इसकी उच्च वैधता

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (c) “निबंधात्मक परीक्षण” की इतनी लोकप्रियता का मुख्य कारण है इसकी संक्षेपण तथा संगठन कौशल मापने की योग्यता। अर्थात् निबंधात्मक परीक्षणों से छात्रों के संगठन, प्रस्तुतीकरण, तार्किक चिंतन, निर्णयन, सुजन आदि क्षमताओं का मूल्यांकन होता है।

113. एक प्रकार का श्रेणीकरण जिसमें अलग-अलग श्रेणी-बिन्दुओं पर अध्येताओं का एक निश्चित अनुपात होता है, क्या कहलाता है?

- (a) अप्रत्यक्ष श्रेणीकरण
- (b) सापेक्ष श्रेणीकरण
- (c) निरपेक्ष श्रेणीकरण
- (d) प्रत्यक्ष श्रेणीकरण

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (b) सापेक्ष श्रेणीकरण एक प्रकार का ऐसा श्रेणीकरण है जिसमें अलग-अलग श्रेणी बिन्दुओं पर अध्येताओं का एक निश्चित अनुपात होता है।

114. वस्तुनिष्ठ परीक्षण उपयुक्त नहीं है—

- (a) विचारों के विकास और संगठन में
- (b) लागत कम करने में
- (c) निर्माण की सुगमता हेतु
- (d) अनुमान तत्वों से बचाव में

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (d) वस्तुनिष्ठ परीक्षण अनुमान तत्वों से बचाव में उपयोगी नहीं होता है। अपितु अनुमान तत्वों को प्रोत्साहित करना। इस परीक्षण का एक मुख्य दोष है। वस्तुनिष्ठ परीक्षण के विशेषताओं के अंतर्गत विचारों के विकास और संगठन, विस्तृत प्रतिनिधित्व, अंकों में समानता, छात्रों के लिए उपयोगी, रटने का अंत, एक संक्षिप्त उत्तर, उत्तर की सरलता, धन की बचत, अंकन की सरलता आदि सम्मिलित है।

115. विद्यार्थी की लेखन शैली और अभिव्यक्ति की शक्ति द्वारा सबसे अच्छी तरह परीक्षण की जाती है।

- (a) कक्षा में मौखिक प्रश्न और उत्तर
- (b) वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्नों वाले मानकीकृत परीक्षण
- (c) विस्तृत उत्तर वाले परीक्षण
- (d) उपर्युक्त सभी

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (c) विद्यार्थी की लेखन शैली और अभिव्यक्ति की शक्ति विस्तृत उत्तर वाले परीक्षण द्वारा सबसे अच्छी तरह परीक्षण की जाती है।

116. पिटनर पैटर्सन पैमाना एक है।

- (a) शाब्दिक परीक्षण
- (b) गैर-शाब्दिक परीक्षण
- (c) निष्पादन परीक्षण
- (d) संस्कृत विशिष्ट परीक्षण

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (c) पिटनर पैटर्सन पैमाना एक निष्पादन परीक्षण है। जिसमें बधिर या विदेशी व्यक्तियों के खिलाफ पूर्वाग्रह को कम करने के प्रयास में भौतिक सामग्री शामिल थी। इसका उपयोग “उप-असामान्य” बच्चों में विशिष्ट घाटे का निर्धारित करने के लिए किया जा सकता है। इसका उपयोग कई व्यक्तित्व लक्षणों की पहचान करने के लिए भी किया गया था, जैसे— दृढ़ता, ध्यान अवधि, प्रतिक्रिया समय, समस्या सुलझाने की मौलिकता, आत्म-नियंत्रण, थकान और स्थिरता।

117. विद्यार्थियों में परीक्षा उत्तेजना को घटाने का कौन-सा एक तरीका नहीं है?

- (a) अधिकांश ग्रेड्स को एक या दो ग्रेड्स पर आधारित करने से बचना
- (b) लिखित परीक्षाओं पर जोर देना
- (c) अनावश्यक समय दबाव से बचना
- (d) परीक्षा के पाठ्यक्रम के संबंध में स्पष्टता उपलब्ध कराना

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (b) विद्यार्थियों में परीक्षा उत्तेजना को घटाने के लिए निम्नलिखित तरीके हैं—

- (i) अधिकांश ग्रेड्स को एक या दो ग्रेड्स पर आधारित करने से बचना।
- (ii) अनावश्यक समय दबाव से बचना।
- (iii) परीक्षा के पाठ्यक्रम के सम्बन्ध में स्पष्टता उपलब्ध कराना। लिखित परीक्षाओं पर जोर देना यह परीक्षा उत्तेजना को घटाने का तरीका नहीं है।

118. अध्यापक निर्मित तथा मानकीकृत परीक्षणों का मुख्य अन्तर निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में है?

- (a) वस्तुगतता
- (b) मानक
- (c) विषयता
- (d) समक्ष गुणवत्ता

PRT KVS 2010

Ans : (a) अध्यापक निर्मित तथा मानकीकृत परीक्षणों का मुख्य अन्तर वस्तुगतता के क्षेत्र में होता है। किसी परीक्षण की वह विशेषता जो उसे परीक्षक की व्यक्तिगत पसन्द या दृष्टिकोण से मुक्त रखती है परीक्षण की वस्तुगतता कहलाती है। यहाँ अध्यापक निर्मित परीक्षण में वस्तुगतता के स्थान पर विषयनिष्ठता की ज्यादा सम्भावना होनी क्योंकि इसमें अध्यापक के पसन्द और दृष्टिकोणों से प्रभावित होने की अधिक सम्भावना है।

119. कक्षीय परीक्षाओं का मुख्यतः प्रयोग किया जाता है—

- (a) पाठ्यक्रम की कठिनाइयों का पता लगाने के लिए
- (b) छात्रों की ग्राह्यता का पता लगाने के लिए
- (c) स्तर निर्धारित करने के लिए
- (d) किसी इकाई की समाप्ति सूचित करने के लिए

PRT KVS 15-12-2013

Ans : (b) कक्षीय परीक्षाओं का मुख्यतः प्रयोग छात्रों की ग्राह्यता का पता लगाने के लिए किया जाता है। इसे प्रायः निदानात्मक परीक्षा भी कहा जाता है। इसके माध्यम से यह पता लगाया जाता है कि पाठ्य-वस्तु का कौन-सा भाग किस मात्रा में सीखा गया है तथा कितना भाग छात्र सीखने में असमर्थ रहा है। इसी के आधार पर उपचारात्मक शिक्षण किया जाता है।

120. एक मछली की कहानी शिक्षिका पढ़कर सुनाता है और बच्चों को इसका उत्तर देने को कहती है “कल्पना कीजिए कि आप एक तालाब की मछली हो। आप आपके आस-पास क्या देखते हो?” यह इसका उदाहरण है—

- (a) परिज्ञान प्रश्न
- (b) बन्द तरह का प्रश्न
- (c) खुला अन्त प्रश्न
- (d) बहुविकल्पीय प्रश्न

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (c) उपर्युक्त प्रश्न खुला अन्त प्रश्न का उदाहरण है। ऐसे प्रश्न जिनके द्वारा विद्यार्थियों की व्यक्तिगत कल्पना शक्ति, अभिव्यक्ति व सृजनात्मकता का परिक्षण किया जा सके, खुले अन्त वाले प्रश्न कहलाते हैं। ऐसे प्रश्न में एक ही प्रश्न का उत्तर भिन्न-भिन्न विद्यार्थी भिन्न-भिन्न तरीके से प्रस्तुत कर सकते हैं। इसमें बच्चों के ज्ञान, अनुभव या भावनाओं का समावेश होता है।

121. सामान्यतः कसौटी संदर्भित परीक्षण निम्नलिखित में से किस उद्देश्य (ओं) के लिए सबसे उपयुक्त है?

- (a) राष्ट्रीय स्तर पर उन लोगों के साथ एक स्कूल में छात्र की उपलब्धि की तुलना करना
- (b) शिक्षकों को यह जानने में मदद करना कि क्या उन्होंने उनके विशेष उद्देश्यों को पूरा किया है
- (c) यह निर्धारित करने में मदद करना कि छात्रों को हाई स्कूल के बाद क्या करना
- (d) दोनों (b) और (c)

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (b) सामान्यतः कसौटी संदर्भित परीक्षण शिक्षकों को यह जानने में मदद करता है कि क्या उन्होंने उनके विशेष उद्देश्यों को पूरा किया है। कसौटी संदर्भित परीक्षण में शिक्षक विद्यार्थी के व्यवहार व प्रगति का परीक्षण किसी पूर्व निर्धारित मानदण्ड या कसौटी के आधार पर करता है तथा उसी के आधार पर वह छात्रों का मूल्यांकन करता है।

122. उपकरण शिक्षकों को यह निर्दिष्ट करने में मदद करता है कि विभिन्न विषयों के लिए कितनी परीक्षण रिक्त प्रदान करनी है।

- (a) टेस्ट प्रिंट
- (b) टेस्ट ब्लू प्रिंट
- (c) ब्लू प्रिंटर
- (d) इनमें से कोई नहीं

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (b) टेस्ट ब्लू-प्रिंट उपकरण शिक्षकों को यह निर्दिष्ट करने में मदद करता है कि विभिन्न विषयों के लिए कितनी परीक्षण रिक्त प्रदान करनी है। जिस प्रकार इमारत का निर्माण करने से पूर्व आकिटेक्ट अथवा कारीगर द्वारा एक अच्छा एवं नया मानचित्र बना लिया जाता है और कारीगर उसी के अनुसार इमारत का निर्माण करता है। उसी प्रकार अच्छे प्रश्न-पत्र का निर्माण करने से पूर्व शिक्षक द्वारा एक ब्लूप्रिंट तैयार किया जाता है, उसी आधार पर प्रश्न पत्र का निर्माण करते हैं।

5.

शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय आधार

1. प्रकृतिवाद, आदर्शवाद, प्रयोजनवाद, अस्तित्ववाद, महात्मा गांधी, रविन्द्रनाथ टैगोर, श्री अरबिन्द, गीजू भाई बधेका, स्वामी विवेकानन्द, जॉन कृष्णमूर्ति, रुसो, प्लटो, जॉन डिवी, मारिया मांटेसरी, फ्रोबेल, प्रिंगल, स्कवेसिंगर हॉलिंस, जेम्स प्राउट, फिष्ट, फिनन, हरग्रीव्स, जॉन लॉक

- दर्शन का एक सम्प्रदाय है जो समूह के प्रदर्शन की प्रशंसा करता है और पुस्कार देता है।
 - विशिष्ट कारणवाद (Particularism)
 - साम्यवादवाद (Communitarianism)
 - सार्वभौमवाद (Universalism)
 - व्यक्तिवाद (Individualism)

NVS, TGT 18-09-2019 (II)

Ans : (b) साम्यवाद दर्शन का एक सम्प्रदाय है जो समूह के प्रदर्शन की प्रशंसा करता है और पुस्कार देता है। साम्यवाद एक दर्शन है जो व्यक्ति और समुदाय के बीच संबंध पर जोर देता है। इसका अधिभावी दर्शन इस विश्वास पर आधारित है कि किसी व्यक्ति की सामाजिक पहचान और व्यक्तित्व बड़े पैमाने पर सामुदायिक रिश्तों से ढल जाते हैं, जिसमें विकास का एक छोटा सा हिस्सा व्यक्तिवाद पर रखा जाता है।

- यह कथन किसने कहा?

“गणित के बारे में बहुत सा ज्ञान प्राप्त करने से उपयोगी यह है कि किसी चीज में गणित का उपयोग किस प्रकार से किया जाए।”

- जाकिर हुसैन
- डेविड व्हीलर
- महात्मा गांधी
- जार्ज पोल्या

NVS, TGT 18-09-2019 (II)

Ans : (b) डेविड व्हीलर के अनुसार “गणित के बारे में बहुत सा ज्ञान प्राप्त करने से उपयोगी यह है कि किसी चीज में गणित का उपयोग किस प्रकार से किया जाए।”

- यह कथन किसने कहा था?

“किसी भी छात्र के विकास के लिए और उसके व्यक्तित्व को पूरी तरह से विकसित करने के लिए साहित्य, संगीत, और कला तीनों जरूरी होते हैं।”

- महात्मा गांधी
- रविन्द्र नाथ टैगोर
- श्री अरबिंदो
- मारिया मांटेसरी

NVS, TGT 18-09-2019

Ans : (b) गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर के अनुसार— “किसी भी छात्र के विकास के लिए और उसके व्यक्तित्व को पूरी तरह से विकसित करने के लिए साहित्य, संगीत और कला तीनों जरूरी होते हैं।” इनका मानना था कि शिक्षा का मुख्य उद्देश्य बालक की जन्मजात् शक्तियों का विकास कर उसके व्यक्तित्व का चतुर्मुखी तथा सर्वांगीण विकास करना होना चाहिए।

- यह कथन किसने कहा?

“साहित्य वही दर्शाता है जो इतिहास में चित्रित है।”

 - जिदु कृष्णमूर्ति
 - रवीन्द्रनाथ टैगोर
 - महात्मा गांधी
 - सर्वपल्ली राधाकृष्णन

NVS, PGT 17-09-2019 II

Ans : (b) उपर्युक्त कथन रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा कहा गया है। इनके मत में साहित्य, इतिहास, भूगोल, विज्ञान, कला, संगीत, प्रयोगशाला कार्य, बागवानी, पर्यटन स्वशासन व समाज आदि का अध्ययन करने पर जोर देना चाहिए।

- किस भारतीय की यह दृढ़ मान्यता थी कि “भारत को अपने उत्थान के लिए पश्चिमी ज्ञान को आत्मसात करना चाहिए?”
 - महात्मा गांधी
 - जिदु कृष्णमूर्ति
 - राजा राममोहन राय
 - रविन्द्रनाथ टैगोर

NVS, PGT 17-09-2019

Ans : (c) राजा राम मोहन राय की यह दृढ़ मान्यता थी कि “भारत को अपने उत्थान के लिए पश्चिमी ज्ञान को आत्मसात करना चाहिए।” राम मोहन ने अंग्रेजी भाषा और पश्चिमी शिक्षा प्रणाली को महत्व दिया और लार्ड मैकाले के कदम का समर्थन किया। उन्होंने अंग्रेजी स्कूल, हिन्दू कॉलेज 1817 (प्रेसीडेन्सी कॉलेज) और कलकत्ता में वेदान्त कालेज शुरू किया।

- शिक्षा के उद्देश्य निम्नलिखित में से किसमें सहायक नहीं होते?
 - अनुदेशात्मक सामग्री के चयन में
 - अधिगम अनुभवों के निर्माण में
 - मूल्यांकन उपकरणों को तैयार करने में
 - बच्चे के विकास को समझने में

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (d) शिक्षा के उद्देश्य बच्चे के विकास को समझने में सहायक नहीं होते हैं। बल्कि बच्चों के विकास को समझने के लिए बाल मनोविज्ञान का ज्ञान सहायक होता है। शिक्षा के उद्देश्य अनुदेशात्मक सामग्री के चयन, अधिगम अनुभवों के निर्माण, मूल्यांकन उपकरणों को तैयार करने आदि में सहायक होते हैं।

7. जहाँ तक मूल्यों का प्रश्न है—

- (a) प्रयोजनवादी तथा आदर्शवादी दोनों के लिए मूल्यों का स्रोत व्यक्ति के बाहर स्थित है
- (b) आदर्शवादी और यथार्थवादी दोनों के लिए मूल्यों की व्युत्पत्ति अन्तर्ज्ञान तथा तर्कण से होती है
- (c) प्रयोजनवादी तथा यथार्थवादी मूल्यों के संतोषजनक स्रोत के रूप में अलौकिकवाद या अधिदैविकता को अस्वीकृत करते हैं
- (d) यथार्थवादी तथा आदर्शवादी दोनों के मूल्यों का आधार मानव अनुभव होता है

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (c) जहाँ तक मूल्यों का प्रश्न है— प्रयोजनवादी तथा यथार्थवादी मूल्यों के संतोषजनक स्रोत के रूप में अलौकिकवाद या अधिदैविकता को अस्वीकृत करते हैं।

8. वे व्यक्ति जिन का शैक्षिक दर्शन प्रयोजनवाद है—

- (a) दावा करते हैं कि सम्पूर्ण रूप से वस्तुनिष्ठता संभव है
- (b) दावा करते हैं कि ज्ञान अंतरिम या अस्थाई होता है सत्य सापेक्ष होता है
- (c) उनका विचार है कि बुद्धिलब्धि जन्मजात होती है और स्थिर भी
- (d) प्रयोगीकरण की वैज्ञानिक विधि को अस्वीकार कर देते हैं

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (b) प्रयोजनवाद अंग्रेजी शब्द 'Pragmatism' का रूपान्तरण है जिसकी उत्पत्ति ग्रीक भाषा के 'Pragma' से हुई है, जिसका अर्थ है— किया गया कार्य, व्यवसाय या प्रभावपूर्ण कार्य। प्रयोजनवाद को प्रयोगवाद, व्यवहारवाद, उपयोगितावाद, क्रियावाद, अनुभववाद आदि नामों से भी जाना जाता है। इस दर्शन के प्रमुख समर्थक विलियम जेम्स, शिलर, जॉन डीवी हैं। यह सिद्धांत सार्वभौमिक सत्ता में विश्वास नहीं करता है। प्रयोजनवादी दावा करते हैं कि ज्ञान अंतरिम या अस्थाई होती है, सत्य सापेक्ष होता है।

9. निम्नलिखित में से कौन-सी स्थिति प्रयोजनवाद की घोतक होगी?

- (a) अच्छाई का विलोम बुराई होता है
- (b) जो एक व्यक्ति के लिए श्रेय है, वह अन्तर्निहित रूप में श्रेय होगा
- (c) खेल का उद्देश्य कार्य करने की योग्यता में सुधार लाना है
- (d) कोई संस्था इतनी पुनीत नहीं हो सकती जिसका विवेचित विश्लेषण अनिवार्य न हो

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (d) प्रयोजनवाद इस स्थिति का घोतक है कि कोई संस्था इतनी पुनीत नहीं हो सकती जिसका विवेचित विश्लेषण अनिवार्य न हो। अर्थात् प्रयोजनवाद का मानना है कि कोई भी संस्था या कार्य पूर्ण सत्य नहीं हो सकता है। सब में कुछ न कुछ विश्लेषण करने की सम्भावना रहती है।

10. कौन-सा शिक्षा-दर्शन प्रवर्तित अनुशासन की भर्त्ता न करता है और बच्चों की रुचि पर आधारित सामाजिक अनुशासन की हिमाकत करता है?

- (a) प्रकृतिवाद
- (b) आदर्शवाद
- (c) प्रयोजनवाद
- (d) यथार्थवाद

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (c) प्रयोजनवाद शिक्षा दर्शन बाह्य या प्रवर्तित अनुशासन की निन्दा करता है। यह प्रभावात्मक अनुशासन की अवधारणा को स्वीकार नहीं करता है। यह शिक्षा-दर्शन सामाजिक अनुशासन का समर्थन करता है जो विद्यार्थी की रुचि एवं योग्यता के अनुरूप क्रिया पर आधारित हो तथा ये क्रियायें सहयोगी व सामाजिक भी हों।

11. प्राथमिक स्तर पर श्री अरविन्द द्वारा सुझाए गए पाठ्यक्रम में निम्नांकित में से क्या नहीं था?

- (a) मातृभाषा और फ्रेन्च
- (b) शरीरविज्ञान और स्वास्थ्य शिक्षा
- (c) सामान्य विज्ञान और सामाजिक अध्ययन
- (d) कला और चित्रकला

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (b) श्री अरविन्द द्वारा सुझाए गए पाठ्यक्रम में प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा, अंग्रेजी, फ्रेन्च, गणित, सामान्य विज्ञान, सामाजिक अध्ययन तथा चित्रकला को सम्मिलित किया गया है। शरीर विज्ञान और स्वास्थ्य शिक्षा माध्यमिक स्तर का विषय है।

12. पुस्तक 'दिवास्वप्न' के लेखक थे—

- (a) गीजूभाई बधेका
- (b) काका कालेलकर
- (c) ताराबेन
- (d) किशोरीलाल मशरूवाला

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (a) पुस्तक 'दिवास्वप्न' के लेखक गीजूभाई बधेका थे। इस पुस्तक का अनुवाद 'काशीनाथ त्रिवेदी' ने किया था।

13. गाँधीजी की बेसिक शिक्षा में विद्यालयी परिवेश पर सर्वाधिक प्रभाव किसका था?

- (a) प्रकृतिवाद
- (b) आदर्शवाद
- (c) प्रयोजनवाद
- (d) यथार्थवाद

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (a) गाँधीजी की बेसिक शिक्षा में विद्यालयी परिवेश पर सर्वाधिक प्रभाव प्रकृतिवाद का था। उन्होंने शिक्षा को चारदीवारी से मुक्त कराने का प्रयास किया और कहा कि बच्चे को प्राकृतिक परिवेश में शिक्षा दी जानी चाहिए। वह मानते थे कि बच्चों को शिक्षा स्वतंत्र वातावरण में दिया जाना चाहिए।

14. 'तबुला रस' संकल्पना का प्रतिपादन ने किया।

- (a) पियाजे
- (b) जॉन लॉक
- (c) वॉल्टेर
- (d) जॉन डिवी

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (b) 'तबुला रस' संकल्पना का प्रतिपादन जॉन लॉक ने किया। तबुला रस का अर्थ है— 'खाली कैनवास'।

15. विद्यार्थी में 'तबुला रस' के रूप में एक अनुमान है।
- (a) संज्ञानात्मकवाद
 - (b) गेस्टाल्ट सिद्धांत
 - (c) संरचनावाद
 - (d) व्यवहारवाद

PRT-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (d) विद्यार्थी व्यवहारवाद में 'तबुला रस' के रूप में एक अनुमान है। दार्शनिक जॉन लॉक ने 1689 ई. में प्रकाशित "एन एस्से ऑन ह्यूमन अंडरस्टैंडिंग" लिखा था। इस निबंध में उन्होंने लिखा था कि मानव मन एक 'तबुला रस' जैसे होता है। 'तबुला रस' का अर्थ है 'खाली कैनवास'। इसके अनुसार 'मानव मन एक खाली कैनवास है जिस पर अनुभव लिखते हैं।

16. किसने कहा 'यह परिस्थितियाँ मानसिक विकार हैं जो प्रतिद्वन्द्व और चिन्ता के पहलू हैं?'
- (a) हिल गार्ड
 - (b) वॉट्सन
 - (c) जीन पिगेट
 - (d) राल्फ टेलर

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (d) राल्फ डब्ल्यू टेलर के अनुसार— "यह परिस्थितियाँ मानसिक विकार हैं जो प्रतिद्वन्द्व और चिन्ता के पहलू हैं।" राल्फ टेलर अमेरिका के शिक्षाविद थे जिन्होंने पाठ्यचर्चा और मूल्यांकन के क्षेत्र में शानदार कार्य किया।

17. अनुभववाद का सिद्धांत किसने प्रस्तुत किया?
- (a) डी.जे. ओर कोनोर
 - (b) जॉन डीवी
 - (c) विलियम जेम्स
 - (d) जॉन लॉके

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (d) अनुभववाद का सिद्धांत जॉन लॉक ने प्रस्तुत किया। अनुभववाद एक दार्शनिक सिद्धांत है जिसमें इन्द्रियों को ज्ञान का माध्यम माना जाता है। अनुभववाद के प्रमुख समर्थक हॉब्स बर्कले, हार्टले आदि हैं।

18. 'समष्टि चेतन विचार' किसने दिये?
- (a) जीन पिगेट
 - (b) हरबर्ट स्पेन्सर
 - (c) हिल गार्ड
 - (d) वुडवर्थ

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (b) 'समष्टि चेतन विचार' हर्बर्ट स्पेन्सर द्वारा दिया गया हर्बर्ट स्पेन्सर इंग्लैण्ड के प्रसिद्ध शिक्षाविद, दार्शनिक तथा समाजशास्त्री थे। उन्होंने जीव एवं समाज के बीच समानता के आधार पर समाज के उद्धिकासीय सिद्धांत का प्रतिपादन किया। उनके अनुसार पदार्थ अविनाशी एवं गतिमान होता है।

19. शिक्षा में बौद्धिक लक्ष्यों पर यहाँ जोर दिया जाता था—
- (a) भारत
 - (b) ग्रीस
 - (c) स्पार्टा
 - (d) अथेनियन

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (b) शिक्षा में बौद्धिक लक्ष्यों पर जोर ग्रीस देश में दिया जाता था। इसीलिए ग्रीस ने अनेक महान दार्शनिकों को जन्म दिया।

20. किस दार्शनिक ने कल्पना दी कि, शिक्षण मानव विकास के सिद्धांतों पर आधारित होना चाहिए?

- (a) डीवी
- (b) वॉट्सन
- (c) रूसो
- (d) थॉनडिक

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (b) रूसो ने कल्पना दी कि, शिक्षण मानव विकास के सिद्धांतों पर आधारित होना चाहिए। रूसो ने मानव विकास की मनोवैज्ञानिक अवस्थाएँ प्रस्तुत की और प्रत्येक अवस्था को ध्यान में रखते हुए विभिन्न उद्देश्य व पाठ्यक्रम निर्धारित किये। वह बच्चे पर कुछ भी थोपने के अनुसार वातावरण सृजित करने की बात कही। अतः उसने विभिन्न आयु वर्ग की मनोवैज्ञानिक परिस्थितियों के अनुसार पाठ्यक्रम विकसित किया।

21. निम्न में से कौन-सी गतिशीलता आधुनिकता से सम्बन्धित नहीं है?

- (a) मानसिक गतिशीलता
- (b) वैज्ञानिक गतिशीलता
- (c) सामाजिक गतिशीलता
- (d) शारीरिक गतिशीलता

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (d) शारीरिक गतिशीलता आधुनिकता से सम्बन्धित नहीं है जबकि मानसिक गतिशीलता, वैज्ञानिक गतिशीलता सामाजिक गतिशीलता, वैचारिक गतिशीलता आदि आधुनिकता से सम्बन्धित है।

22. "मुझे एक दर्जन स्वस्थ बच्चे दीजिए। मैं उन्हें डॉक्टर, जज, भिखारी और एक चोर भी बना सकता हूँ— इसकी टिप्पणी है—

- (a) जे.बी. वॉट्सन
- (b) हल
- (c) जंग
- (d) गुथरी

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (a) जॉन बी. वॉट्सन के अनुसार— "मुझे एक दर्जन स्वस्थ बच्चे दीजिए, मैं उन्हें डॉक्टर, जज, भिखारी और एक चोर भी बना सकता हूँ।" जॉन बी. वॉट्सन को मनोविज्ञान के क्षेत्र में व्यवहारवादी सम्प्रदाय के जनक के रूप में जाना जाता है। इन्होंने बच्चों के जन्मजात प्रवृत्तियों के अस्तित्व को नकारते हुए सीखने पर बल दिया।

23. निम्नलिखित में से वह कौन-सी विचारधारा है जिसके अनुसार भौतिक जगत एक वास्तविकता है, मानव और अन्य जीवधारियों को वातावरण के प्रति अनुकूलन करना चाहिए। भौतिक वातावरण सीमित होता है, अध्यापक का किसी प्रकार का हस्तक्षेप बच्चे के लिए हानिकारक होगा। अतः उसके विकास में किसी प्रकार के सुझाव, निर्देशन अथवा हस्तक्षेप का कोई स्थान नहीं होता है?

- (a) प्रयोजनवाद
- (b) प्रकृतिवाद
- (c) मानवतावाद
- (d) आदर्शवाद

PRT-KVS 07-01-2017

Ans : (b) प्रकृतिवाद— प्रकृतिवाद के अनुसार भौतिक जगत् एक वास्तविकता है, मानव और अन्य जीवधारियों को वातावरण के प्रति अनुकूलन करना चाहिए। भौतिक वातावरण सीमित होता है, अध्यापक का किसी प्रकार का हस्तक्षेप बच्चे के लिए हानिकारक होगा। अतः उसके विकास में किसी प्रकार के सुझाव निर्देशन अथवा हस्तक्षेप का कोई स्थान नहीं होता है।

24. खेल ही बच्चों का कार्य है, किसने सर्वप्रथम कहा था?
- रूसो
 - मॉन्टेसरी
 - फ्रोबेल
 - डीवी

PRT-KVS 07-01-2017

Ans : (b) मॉन्टेसरी के अनुसार “खेल ही बच्चों का कार्य है।” मॉन्टेसरी द्वारा प्रस्तावित शैक्षिक विधि, आत्म-दिशा, अन्वेषण, खोज, अभ्यास, सहयोग, खेल, गहरी एकाग्रता कल्पना या संचार के माध्यम से छात्रों की क्षमताओं के प्राकृतिक विकास का पक्ष लेने की आवश्यकता पर जोर देती है।

25. निम्नलिखित में से किस शिक्षाविद् ने भारत में बच्चों की शिक्षा में मॉन्टेसरी शिक्षा विधियों के प्रचलन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई?

- सावित्रीबाई फूले
- एनी बेसेंट
- गीजूभाई बधेका
- रोहित धंखड़

PRT-KVS 07-01-2017

Ans : (c) गीजूभाई बधेका— गीजूभाई का जन्म 15 नवम्बर, 1885 को सौराष्ट्र के वित्तल नामक स्थान में हुआ था। उनका असली नाम गिरिजा शंकर बधेका था, लेकिन वे गीजू के नाम से ही प्रसिद्ध हुए। गीजूभाई बधेका ने भारत में बच्चों की शिक्षा में मॉन्टेसरी शिक्षा विधियों के प्रचलन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गिजू भाई मान्टेसरी के शिक्षा विधियों से इन्हने प्रभावित थे कि उनका बाल मन्दिर तो एक प्रकार से मान्टेसरी को अभिवादन था।

26. निम्नलिखित में से कौन-सा सिद्धांत फ्रेड्रिक फ्रोबेल के दर्शन का सिद्धांत नहीं है?

- एकत्व का सिद्धांत
- स्वक्रिया का सिद्धांत
- विकास का सिद्धांत
- अलौकिकता का सिद्धांत

PRT-KVS 07-01-2017

Ans : (d) फ्रेड्रिक विलियम अगस्ट फ्रोबेल जर्मनी के प्रसिद्ध शिक्षाशास्त्री थे। उन्होंने किंडरगार्टन की संकल्पना दी। फ्रोबेल ने निम्न सिद्धान्तों पर बल दिया-

- एकत्व का सिद्धांत- फ्रोबेल का विचार है कि संसार की समस्त वस्तुओं में विभिन्नता होते हुए भी एकता निहित है।
- स्वक्रिया का सिद्धांत- बालक की शिक्षा में किसी प्रकार का हस्तक्षेप ना करना चाहिए तथा उन्हें स्वयं करके सीखने का अवसर दिया जाना चाहिए।
- विकास का सिद्धांत- बालक का सम्पूर्ण विकास होना चाहिए।

अलौकिकता का सिद्धांत फ्रोबेल के शिक्षा दर्शन का सिद्धांत नहीं है।

27. वाक्यांश “विद्यार्थियों की आवश्यकताओं” की व्याख्या करने में—

- सभी दार्शनिक समूह इस बात पर सहमत है कि शिक्षा को मूल रूप से विद्यार्थियों की स्व: अनुभूति आवश्यकताओं पर आधारित होना चाहिए

- प्रयोगवादी कहते हैं कि आवश्यकताओं के अंतर्गत सम्भावित परिणामों के समझदारीपूर्ण विचार सम्मिलित होने चाहिए
- यथार्थवादी के अनुसार विद्यार्थी की आवश्यकताएँ उसकी स्तर की इच्छाएँ या संवेग होते हैं
- प्रयोजनवादी के अनुसार आवश्यकता वह होती है जो प्रौढ़ व्यक्ति अनुभव करते हैं कि विद्यार्थी के लिए अच्छी है

PRT KVS 2010

Ans : (a) “विद्यार्थी की आवश्यकताओं” की व्याख्या करने में सभी दार्शनिक समूह इस बात पर सहमत है कि शिक्षा को मूल रूप से विद्यार्थियों की स्व: अनुभूत आवश्यकताओं पर आधारित होना चाहिए।

28. मूल शिक्षा (Basic education) योजना का उद्देश्य है—

- प्राथमिक शिक्षा को विश्वव्यापी बनाना
- शिक्षा को व्यावसायिकी बनाना
- शिक्षा के द्वारा व्यक्ति की मूल आवश्यकता को पूरा करना
- सब के लिए शिक्षा अनिवार्य करना

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (c) मूल शिक्षा योजना का उद्देश्य शिक्षा के द्वारा व्यक्ति की मूल आवश्यकता को पूरा करना है। व्यक्ति के व्यवहार में वांछनीय परिवर्तन लाने के लिए शिक्षा आवश्यक है। व्यक्ति शिक्षा द्वारा समाज के आधारभूत नियमों, व्यवस्थाओं, समाज के प्रतिमानों एवं मूल्यों को सीखता है। मूल शिक्षा योजना व्यक्ति को आवश्यक ज्ञान तथा कौशल उपलब्ध कराती है जिससे उसकी सामाजिक, आर्थिक और नैतिक आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके।

29. शिक्षा का उद्देश्य क्या होना चाहिए?

- विद्यार्थियों में व्यावसायिक कुशलताएँ विकसित करना
- विद्यार्थियों में सामाजिक जागरूकता विकसित करना
- विद्यार्थियों को परीक्षा के लिए तैयार करना
- व्यवहारिक जीवन के लिए विद्यार्थियों को तैयार करना

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (d) शिक्षा का एक मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को व्यवहारिक जीवन के लिए तैयार करना होता है। शिक्षा ही एक ऐसा साधन है जो किसी उद्देश्य के अनुसार समाज की बदलती हुई आवश्यकताओं तथा आदर्शों को दृष्टि में रखते हुए बालक की मूल प्रवृत्तियों का विकास इस प्रकार से कर सकती है कि व्यक्ति तथा समाज दोनों ही विकसित होते रहे। दूसरे शब्दों में, शिक्षा व्यक्ति की मूल प्रवृत्तियों में इस प्रकार परिमार्जन करती है कि वह सामाजिक आवश्यकताओं के अनुरूप अपना समायोजन कर सके।

30. मूलभूत शिक्षा (Basic education) का विचार किसने प्रस्तुत किया?

- डॉ. जाकिर हुसैन
- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
- महात्मा गांधी
- रविन्द्रनाथ टैगोर

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (c) मूलभूत शिक्षा का विचार महात्मा गाँधी द्वारा प्रस्तुत किया गया था। इस वर्धा योजना, नयी तालीम, 'बुनियादी तालीम' तथा 'बेसिक शिक्षा' के नाम से भी जाना जाता है। यह 23 अक्टूबर, 1937 को वर्धा में आयोजित 'अखिल भारतीय शैक्षिक सम्मेलन' में गाँधी जी द्वारा प्रस्तुत किया गया था।

31. "मानव जन्म मुक्त लेता है परन्तु सभी ओर से वह जंजीर में है" यह विद्यान किसने दिया?

- (a) अब्राहम मास्लो
- (b) जीन जेक्वीस राउसेड (रूसो)
- (c) जॉन डीवी
- (d) डब्ल्यू.आई.आई. क्लिपेट्रीक

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (b) "मानव जन्म मुक्त लेता है परन्तु सभी ओर से वह जंजीर में है।" यह कथन जीन जेक्वीस राउसेड (रूसो) का है। रूसो अपनी रचनाओं दि प्रोग्रेस ऑफ साइन्सेज एण्ड आर्ट्स, दि ऑरिजिन ऑफ इनइक्वेलिटी एमंग मेन, डिस्कोर्स ॲन पोलिटिकल इकोनॉमी, दि न्यू हेल्वायज, दि सोशल कॉन्ट्रेक्ट, दि एमिल, कसिडरेशन ॲन दि गवर्नमेंट ऑफ पोलैण्ड आदि के कारण महान दार्शनिकों में शुमार हो गया।

32. "स्पेअर द रॉड— स्पोइल द चाइल्ड" (Spare the rod— spoil the child) यह धारणा इस प्रकार की शाखा से संबंधित है जिसका समर्थन किया है—

- (a) नेचरालिस्ट फिलोसोफी ने
- (b) प्रेग्मेटिक फिलोसोफी ने
- (c) विक्टोरियन युग में
- (d) डेमोक्रेटिक युग में

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (c) 'स्पेअर द रॉड— स्पोइल द चाइल्ड' अर्थात् ज्यादा लाड़—प्यार से बच्चे बिगड़ जाते हैं, इस धारणा का सम्बन्ध विक्टोरियन युग से है। इस युग के लोगों की धारणा थी कि बच्चे कठोर अनुशासन के द्वारा बेहतर सीखते हैं।

33. संपूर्ण शिक्षण की संकल्पना का प्रतिपादन किसने किया?

- | | |
|-------------------|-----------------------|
| (a) श्री अरविंद | (b) महात्मा गाँधी |
| (c) स्वामी दयानंद | (d) स्वामी विवेकानन्द |

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (a) सम्पूर्ण शिक्षण की संकल्पना का प्रतिपादन श्री अरविंद ने किया। बालक का स्वाभाविक तथा सर्वांगीण विकास पुष्ट पाठ्यक्रम पर निर्भर करता है, इसलिए अरविंद ने लगभग सभी विषयों का ज्ञान आवश्यक समझा और प्राथमिक स्तर से लेकर विश्वविद्यालय स्तर तक के लिए क्रमिक रूप से विभिन्न विषयों के शिक्षण पर बल दिया।

34. विद्या का सबसे उचित अर्थ—

- (a) ज्ञान की जाग्रत्ति
- (b) वर्तन (behaviour) का बदलाव
- (c) व्यक्तिगत समायोजन
- (d) कौशल की प्राप्ति

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (b) विद्या का सबसे उचित अर्थ है वर्तन या व्यवहार का बदलाव। यह बदलाव सदैव सकारात्मक और वांछनीय दिशा की ओर होना चाहिए। ड्रेबर ने भी शिक्षा को परिभाषित करते हुए कहा है— "शिक्षा या विद्या एक प्रक्रिया है, जिसमें तथा जिसके द्वारा बालक के ज्ञान, चरित्र तथा व्यवहार को परिवर्तित किया जाता है।"

35. स्कॉर्सिंग—

- (a) इसी तरह के अध्ययन से नैतिक ज्ञान और नैतिक आचरण का सांख्यिकीय विश्लेषण में बढ़ती रुचि का पता चलता है
- (b) सामाजिक भागीदारी के एक उपाय की तरह ही शब्दावली का विकास महत्वपूर्ण है
- (c) भाषण व्यक्तित्व का प्रत्यक्षकर्ता है
- (d) बुनियादी या सबसे मैलिक भाषण स्तर आवाज है

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (a) स्कॉर्सिंग से इसी तरह के अध्ययन से नैतिक ज्ञान और नैतिक आचरण का सांख्यिकीय विश्लेषण में बढ़ती रुचि का पता चलता है।

36. हरग्रीवस ने विफल सुधारों पर साहित्य का संक्षिप्त विवरण दिया है। उन्होंने कहा है कि शैक्षिक परिवर्तन लड़खड़ा या विफल हो जाते हैं क्योंकि—

- (a) परिवर्तन पूरी तरह से एक अवधारणा है या उसे स्पष्ट रूप से प्रदर्शित नहीं किया गया है। यह जाहिर है कि से लाभ होगा और कैसे। छात्रों के लिए किस परिवर्तन को प्राप्त किया जाएगा, उसे बताया नहीं गया है।
- (b) बदलाव बहुत ही व्यापक और महत्वाकांक्षी होते हैं ताकि शिक्षकों को कई मोर्चों पर काम करना पड़े, या यह बहुत ही सीमित और विशिष्ट होते हैं ताकि कुछ वास्तविक परिवर्तन किया जा सके।
- (c) निपटने के लिए परिवर्तन लोगों के लिए बहुत तीव्र होता है, या बहुत धीमा होता है जिससे लोग अधीर या बोर हो जाते हैं, और कुछ करने लगते हैं
- (d) उपरोक्त सभी

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (d) हरग्रीव ने विफल सुधारों पर साहित्य का संक्षिप्त विवरण दिया है। उन्होंने कहा है कि शैक्षिक परिवर्तन लड़खड़ा या विफल हो जाते हैं क्योंकि परिवर्तन पूरी तरह से एक अवधारणा है या उसे स्पष्ट रूप से प्रदर्शित नहीं किया गया है। यह जाहिर है कि से लाभ होगा और कैसे। छात्रों के लिए किस परिवर्तन को प्राप्त किया जायेग, उसे बताया नहीं गया है। दूसरे बदलाव बहुत ही व्यापक और महत्वाकांक्षी होते हैं ताकि शिक्षकों को कई मोर्चों पर काम करना पड़े, या यह बहुत ही सीमित और विशिष्ट होते हैं ताकि कुछ वास्तविक परिवर्तन किया जा सके इससे भी शैक्षिक परिवर्तन विफल हो जाते हैं। इसके अतिरिक्त शैक्षिक परिवर्तन या तो बहुत तीव्र होता है या बहुत धीमा होता है जिससे लोग अधीर या बोर हो जाते हैं और कुछ करने लगते हैं। इससे भी शैक्षिक परिवर्तन विफल हो जाते हैं।

37. किसने कहा था कि “स्कूल सांस्कृतिक प्रथाओं और मूल्यों से कुशाग्र बनाए जाते हैं और ये उन सामाजिक नियमों को प्रतिबंधित करते हैं जिनके लिए उन्हें विकसित किया गया है?

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (c) हॉलिंस के अनुसार- “स्कूल सांस्कृतिक प्रथाओं और मूल्यों से कुशाग्र बनाए जाते हैं और ये उन सामाजिक नियमों प्रतिबिंबित करते हैं जिनके लिए उन्हें विकसित किया गया है।”

38. निम्नलिखित में से कौन-सी धारणा फिनन द्वारा दी गई है?

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (b) फिनन ने शिक्षण व्यवहार के संदर्भ में निम्नलिखित धारणाएँ व्यक्त की हैं—

- नेतृत्व और निर्णय लेने की धारणा
 - वयस्कों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों की धारणा
 - छात्रों को शिक्षित करने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं और संरचनाओं की धारणा।
 - परिवर्तन मत्त्य की धारणा।

39. “छात्रों पर बड़ों का नियंत्रण”, इस धारणा में फिनन्स क्या समझाना चाहता है?

- (a) यह छात्रों के प्रति बड़ों की उम्मीदों से संबंधित है
 - (b) यह वयस्कों की लोकतांत्रिक भागीदारी और साझा निर्णय लेने से संबंधित है
 - (c) यह वयस्कों की मजबूती और जिम्मेदारी लेने की इच्छा से संबंधित है
 - (d) इनमें से कोई नहीं

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (a) फिनन के अनुसार “छात्रों पर बड़ों का नियंत्रण” से तात्पर्य छात्रों के प्रति बड़ों की उम्मीदों से है। फिनन का मानना है कि अभिभावक या शिक्षक छात्रों से कुछ उम्मीदें रखते हैं इन उम्मीदों या अपेक्षाओं की पूर्ति के लिए वे छात्रों पर नियंत्रण रखकर कार्य करवाते हैं।

40. कक्षा के संवैधानिक मुद्दों के बारे में शिक्षकों की निम्नलिखित धारणाओं को किसके द्वारा पहचाना गया है?

- (i) यह छात्रों के प्रति वयस्क की उमीदों से संबंधित है।
 - (ii) बच्चे कक्षा गठन के विकास में रचनात्मक भाग नहीं ले सकते हैं।

- (iii) बच्चे चाहते और उम्मीद करते हैं कि शिक्षक खेल के नियमों को निर्धारित करें।

- (iv) बच्चे संवैधानिक मुद्दों में दिलचस्पी नहीं लेते हैं।

(v) बच्चे शिक्षक की सोच द्वारा नियंत्रित किये जाने चाहिए लेकिन एक शिक्षक को बच्चों की सोच द्वारा नियंत्रित नहीं किया जाना चाहिए।

- (vi) वयस्कों की नैतिक जाहिर तौर पर बच्चों की नैतिकता से भिन्न और बेहतर होती है

PRT Post Code 70/09 02-02-2014

Ans : (d) कक्षा के संवैधानिक मुद्दों के बारे में शिक्षकों की विप्रलिपित धमानाओं को सम्प्रगत दमा प्रदान करा गया है।

- यह छात्रों के प्रति वयस्क की उम्रीदों से सम्बन्धित है।
 - बच्चे कक्षा गठन के विकास में रचनात्मक भाग नहीं ले सकते हैं।
 - बच्चे चाहते और उम्रीद करते हैं कि शिक्षक खेल के नियमों को निर्धारित करें।
 - बच्चे संवैधानिक मुद्दों में दिलचस्पी नहीं लेते हैं।
 - बच्चे शिक्षक की सोच द्वारा नियंत्रित किये जाने चाहिए लेकिन एक शिक्षक को बच्चों की सोच द्वारा नियंत्रित नहीं किया जाना चाहिए।
 - वयस्कों की नैतिकता जाहिर तौर पर बच्चों की नैतिकता से भिन्न और बेहतर होती है।

41. किस देश में शिक्षा के क्षेत्र में बौद्धिक उद्देश्य पर बल दिया गया है?

PRT Post Code 70/09 02 02 2014

Ans : (b) ग्रीक देश में शिक्षा के क्षेत्र में बौद्धिक उद्देश्य पर बल दिया गया। ग्रीक संसार का पहला सभ्य देश माना जाता है। यहाँ प्लेटो, सुकरात, अरस्तु जैसे दार्शनिक शिक्षाशास्त्री विद्वान् पैदा हुए जिन्होंने अपने बौद्धिमत्ता से दुनिया को एक नवी दिशा दी।

42. पश्चिम में अधिनायकवादी शिक्षा की अवधारणा
निम्नलिखित में से किसके पक्ष में थी?

- (a) शिक्षा को अंतर्राष्ट्रीय समझ के एक बाध्यकारी कारक के रूप में मानना चाहिए
 - (b) व्यक्ति के सम्पूर्ण व्यक्तित्व के विकास के लिए व्यक्ति की शिक्षा आवश्यक है
 - (c) व्यक्ति की शिक्षा को राज्य के सपनों को साकार करने का साधन बनाना चाहिए।
 - (d) व्यक्ति की जरूरतों और हितों को संतुष्ट करने के एक साधन के रूप में शिक्षा को विकसित करने के लिए राज्य को जिम्मेदार बनाना चाहिए

PRT Post Code 70/09 02-02-2014

Ans : (c) पश्चिम में अधिनायकवादी शिक्षा की अवधारणा व्यक्ति की शिक्षा को राज्य के सपनों को साकार करने के लिए साधन के पक्ष में थी। अधिनायकवादी राज्य में शिक्षा का लक्ष्य जनहित की अपेक्षा राज्य के हित को दृष्टि में रखते हुए निर्धारित किया जाता है तथा सम्पूर्ण शिक्षा को केन्द्रित कर दिया जाता है। इससे एकरूपता तथा जड़ता हो जाता है। परिणामस्वरूप व्यक्ति का विकास कुण्ठित हो जाता है। स्पार्टा राज्य में शिक्षा की ऐसी ही व्यवस्था थी। ऐसी शिक्षा को न जनतांत्रिक ही कहा जा सकता है और न ही मनोवैज्ञानिक।

- 43.** यदि हम आदमी की शारीरिक प्रकृति बनाम मानसिक प्रकृति के द्वैतवादी सिद्धांत में विश्वास करते हैं, तो हम निम्नलिखित में से किस परिणाम पर पहुँचते हैं?
- शिक्षा प्रक्रिया में मशीनीकरण और विकास में सैद्धांतिक है
 - अध्ययन विशुद्ध रूप से मनुष्य के व्यवहार में सामग्री परिवर्तन का मामला है
 - शिक्षा के अध्ययन को मानव के पर्यवेक्षित व्यवहार की आवश्यकताओं को पूरा करना चाहिए
 - शिक्षा विशुद्ध रूप से स्वयं के मानसिक प्रशिक्षण और विकास का मुद्दा है

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (d) यदि हम आदमी की शारीरिक प्रकृति बनाम मानसिक प्रकृति के द्वैतवादी सिद्धांत में विश्वास करते हैं तो हम इस परिणाम पर पहुँचते हैं कि शिक्षा विशुद्ध रूप से स्वयं के मानसिक प्रशिक्षण और विकास का मुद्दा है। शिक्षा शारीरिक गतिविधि तब बनती है जब वह मानसिक स्तर पर ग्रहण कर ली जाती है। इसलिए इसे मानसिक विकास का मुद्दा माना जाता है।

- 44.** किसने कहा था कि शिक्षण कला कभी भी दर्शनशास्त्र के बिना अपने आप में शुचिता प्राप्त नहीं कर पाएगी?
- एम.के. गांधी
 - फिष्ट
 - जॉन डेवी
 - गौतम बुद्ध

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (b) फिष्ट महोदय का मानना था कि शिक्षण कला कभी भी दर्शनशास्त्र के बिना अपने आप में सुचिता प्राप्त नहीं कर पायेगी।

- 45.** जेम्स और प्राउट ने प्रस्ताव रखा था कि जीवन का एक जैविक तथ्य है, लेकिन जिस तरीके से इसे समझा जाता है और इसे अर्थपूर्ण बनाया जाता है, वो का एक तथ्य है।
- बचपन का विकास, सामाजीकरण
 - सामाजिक निर्माण, सामाजीकरण
 - बचपन की अपरिक्वता, संस्कृति
 - बचपन का विकास, संस्कृति

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (c) एलिसन जेम्स और एलन प्राउट ने प्रस्ताव रखा था कि बचपन की अपरिक्वता जीवन का एक जैविक तथ्य है, लेकिन जिस तरीके से इसे समझा जाता है और इसे अर्थपूर्ण बनाया जाता है, वो संस्कृति का एक तथ्य है। जेम्स और प्राउट ने बचपन को एक प्रकार से समाज का अभिन्न अंग माना है। क्योंकि बाल्यावस्था में बालक पूरी तरह से सामाजिक कारकों पर ही निर्भर रहता है।

- 46.** जेम्स और प्राउट द्वारा उल्लिखित प्रतिमान की मुख्य विशेषताएँ हैं-

- बच्चों को समाज का निर्माण माना जाता है।
 - बचपन सामाजिक विश्लेषण का एक चर है।
 - बचपन समाज की संस्कृति का विकास करता है।
 - बच्चे को सक्रिय सामाजिक एजेंट के रूप में देखा जाना चाहिए।
- | | |
|----------------|-----------------|
| (a) i, ii, iii | (b) i, iii, iv |
| (c) i, ii, iv | (d) उपरोक्त सभी |

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (c) जेम्स और प्राउट द्वारा उल्लिखित प्रतिमान की मुख्य विशेषताएँ निम्न हैं-

- बच्चों को समाज का निर्माण माना जाता है।
- बचपन सामाजिक विश्लेषण का एक चर है।
- बच्चे को सक्रिय सामाजिक एजेंट के रूप में देखा जाना चाहिए।
- बचपन अनेक सामाजिक-सांस्कृतिक संबंधों को ग्रहण करता है।
- बचपन सक्रिय सामाजिक निर्माणाधीन अवस्था में है।

- 47.** प्रिंगल के मुताबिक बच्चों की बुनियादी आवश्यकताएँ हैं-

- प्यार और सुरक्षा की जरूरत
- नए अनुभव और जिम्मेदारी
- प्रशंसा और पहचान
- उपरोक्त सभी

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (d) प्रिंगल के मुताबिक, बच्चों की बुनियादी आवश्यकताएँ निम्न हैं-

- प्यार और सुरक्षा की जरूरत
- नये अनुभव और जिम्मेदारी
- प्रशंसा और पहचान

प्रिंगल ने अपने अध्ययनों में पाया कि यदि बच्चों की उपर्युक्त बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं होती है या जनकीय वंचना के शिकार बच्चे असमान्य व्यवहार प्रदर्शित करते हैं।

2. शिक्षा में लैंगिकता

48. निम्नलिखित में से कौन सा विज्ञान शिक्षकों द्वारा शिक्षा में लैंगिक पक्षपात की समस्या का समाधान करने के लिए किए गए प्रयासों का एक उदाहरण है?
- लड़कों को लड़कियों का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित करना
 - लड़कियों को विज्ञान विषय में भविष्य बनाने के लिए प्रोत्साहित करना
 - लैंगिक मुद्दों पर बात करना
 - पक्षपात की कहानियाँ सुनाना

NVS, PGT 19-09-2019

Ans : (b) विज्ञान शिक्षक द्वारा लड़कियों को विज्ञान विषय में भविष्य बनाने के लिए प्रोत्साहित करना लैंगिक पक्षपात की समस्या का समाधान करने का एक प्रयास है, क्योंकि सामान्यतया लड़कियों को विज्ञान विषय का चयन नहीं करने दिया जाता है, बल्कि उन्हें ऐसे विषय चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जो घरेलू कार्यों में उपयोगी हों। सामाजिक पूर्वाग्रहों के अनुसार विज्ञान विषय लड़कों के भविष्य बनाने के लिए उचित है।

49. हम कक्षा में सामाजिक अध्ययन पढ़ाने के लिए भाषा का उपयोग करते समय लैंगिक पक्षपात से कैसे बच सकते हैं?
- सभी लिंग को बराबर महत्व देकर
 - तकनीकी शब्दों से बचकर
 - अलग-अलग लिंग के लिए उपयोग किए जाने वाले विशेषणों को कक्षा में सावधानीपूर्वक चुनकर
 - किसी भी भाषा का उपयोग किए बिना केवल चिन्हिकर

NVS, TGT 18-09-2019 (II)

Ans : (c) हम सामाजिक अध्ययन को पढ़ाने के लिए भाषा का उपयोग करते समय अलग-अलग लिंगों के लिए उपयोग किए जाने वाले विशेषणों को कक्षा में सावधानीपूर्वक चुनकर, लैंगिक पक्षपात से बच सकते हैं।

50. कक्षा में होने वाली परिचर्चाओं में लैंगिक दृष्टिकोण को एकीकृत करना लड़कों को में सक्षम बनाता है।
- अपने आत्म सम्मान को बढ़ाने
 - अपने स्वयं के पूर्वाग्रहों को दूर करने
 - लड़कियों के साथ वाद-विवाद करने
 - शिक्षक के साथ वाद-विवाद करने

NVS, PGT 17-09-2019 II

Ans : (b) कक्षा में होने वाली परिचर्चाओं में लैंगिक दृष्टिकोण को एकीकृत करना लड़कों को अपने स्वयं के पूर्वाग्रहों को दूर करने में सक्षम बनाता है, क्योंकि यह सामाजिक पूर्वाग्रह के रूप में समाज में व्याप्त है और परिचर्चाओं के माध्यम से उस विषय में जागरूकता फैलायी जा सकती है जो लड़कों के पूर्वाग्रहों को दूर करने में सहायक हो सकता है।

51. विमल जाधव सोनजी राउत पत्नी श्री माधव राउत जो कि महाराष्ट्र की एक अंध आदिवासी महिला और मनरेगा पीड़ित हैं, कहती हैं कि मेरे घर में मुझ पर आश्रित बहुत से लोग हैं और अधिकतर दिनों में मुझे काम नहीं मिलता है, कभी-कभी लगता है कि आत्महत्या कर लूँ (द हिन्दुस्तान टाइम्स, 29 दिसम्बर 2013)। सामाजिक विज्ञान की कक्षा में इस समाचार को पढ़ना के लिए सबसे उपयोगी रहेगा।
- लैंगिक दृष्टिकोण को एकीकृत करने
 - पढ़ने के कौशल को एकीकृत करने
 - तर्क-वित्क को प्रोत्साहित करने
 - समाचार पढ़ने को प्रोत्साहित करने

NVS, PGT 17-09-2019 II

Ans : (a) उपर्युक्त कथन का प्रयोग सामाजिक विज्ञान की कक्षा में लैंगिक दृष्टिकोण को एकीकृत करने के लिए उपयोगी रहेगा क्योंकि कथन में महिला पर आश्रित परिवार की आर्थिक दृष्टिकोण को दर्शाया गया है जो समाज में लैंगिक भेदभाव की समाप्ति की तरफ एक प्रयास है जिसमें महिलाएँ भी पुरुषों की भाँति परिवार में आर्थिक रूप से मदद कर रही हैं।

52. राज्य स्तर की एक एकल-गायन प्रतियोगिता के लिए विद्यार्थियों को तैयार करते समय एक विद्यालय लड़कियों को बरीयता देता है। यह दर्शाता है-
- प्रयोजनात्मक उपागम
 - प्रगतिशील चिंतन
 - लैंगिक पूर्वाग्रह
 - वैशिक प्रवृत्तियाँ

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (c) यदि राज्य स्तर की एक एकल गायन प्रतियोगिता के लिए विद्यार्थियों को तैयार करते समय एक विद्यालय लड़कियों को बरीयता देता है तो वह व्यवहार लैंगिक पूर्वाग्रह को दर्शाता है। लैंगिक पूर्वाग्रह किसी लिंग विशेष के प्रति एक निश्चित धारणा है जो किसी व्यक्ति या संस्था को एक निश्चित प्रकार के व्यवहार के लिए प्रेरित करती है।

53. विद्यार्थियों को लैंगिक मुद्दों तथा लैंगिक भेदभाव में समाजीकरण की भूमिका के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए स्कूलों को निम्नलिखित में से क्या करना चाहिए?
- टीम शिक्षण को प्रोत्साहित करना चाहिए तथा भूमिका और महिला अध्यापकों को शामिल करना चाहिए
 - प्रब्लेम और विद्वान वक्ताओं को आमंत्रित करके लैंगिक संवेदनशीलता पर सेमिनार आयोजित करना चाहिए
 - अध्यापकों को केस अध्ययन के लिए कहना चाहिए तथा उनसे अच्छे उदाहरण माँगना चाहिए
 - ऐसे नियम बनाने चाहिए जिससे लड़के-लड़कियों के साथ भेदभाव का व्यवहार नहीं कर सकें

NVS PGT 2018

Ans : (c) विद्यार्थियों को लैंगिक मुद्दों तथा लैंगिक भेदभाव में समाजीकरण की भूमिका के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए स्कूलों के अध्यापकों को केस अध्ययन के लिए कहना चाहिए तथा उनसे अच्छे उदाहरण माँगना चाहिए, क्योंकि केस अध्ययन के माध्यम से बच्चे वास्तविक परिस्थितियों में लैंगिक भेदभाव से संबंधित सूचनाओं, व्यवहारों, पूर्वाग्रहों, मनोवृत्तियों आदि से परिचित हो सकेंगे।

3. शिक्षा और समाज

54. निम्नलिखित में से कौन सा समाज का एक झूठा पिरुसत्तात्मक दृष्टिकोण है?

- (a) महिलाएँ मुख्य रूप से माँ और गृहणी होती हैं, कुछ महिलाएँ ही काम पर जाती हैं।
- (b) माँ की अनुपस्थिति में बुजुर्गांग और परिवार के अन्य सदस्य बच्चे की देखभाल नहीं करते हैं।
- (c) गरीब तबको में, बुजुर्ग लोगों में जब तक काम करने की क्षमता बाकी रहती है तब तक काम करते रहते हैं।
- (d) गरीब घरों की माँए अपने बढ़ते बच्चों को अपने बड़े भाई-बहन की देखभाल में छोड़ देती है।

NVS, TGT 18-09-2019

Ans : (a) महिलाएँ मुक्ष्य रूप से माँ और गृहणी होती हैं, कुछ महिलाएँ ही काम पर जाती हैं, यह एक झूठा पिरुसत्तात्मक दृष्टिकोण है। पिरुसत्तात्मकता एक सामाजिक व्यवस्था है जिसमें पुरुषों की प्राथमिक सत्ता होती है। राजनीतिक नेतृत्व, नैतिक अधिकार, सामाजिक सम्मान, सम्पत्ति का नियंत्रण की भूमिकाओं में प्रबल होते हैं। परिवार के क्षेत्र में पिता या अन्य पुरुष महिलाओं और बच्चों के ऊपर अधिकार जमाते हैं।

55. शोध अध्ययनों के आधार पर यह स्पष्ट होता है कि बच्चों पर धार्मिक मतों और सिद्धांतों के सिद्धांतारोपण से—

- (a) उनके सामाजिक रूप से अनुमोदित व्यवहार में 60% की वृद्धि हो गई
- (b) अपराधों में प्रबल कमी आई
- (c) सामाजिक रूप से अनुमोदित व्यवहार में सार्थक रूप से कमी आई
- (d) उनके सामाजिक रूप से अनुमोदित व्यवहार पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ा

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (d) शोध अध्ययनों के आधार पर यह स्पष्ट होता है कि बच्चों पर धार्मिक मतों और सिद्धांतों के सिद्धांतारोपण से उनके सामाजिक रूप से अनुमोदित व्यवहार पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ा है।

56. एक लोकतांत्रिक समाज का मूल आदर्श है—

- (a) नेता के विचारों में विश्वास
- (b) एक प्रबुद्ध व्यक्ति के लिए सम्मान

(c) जिस चीज को भी व्यक्ति अनुचित समझे तुरंत उसकी आलोचना करे

(d) सशक्त नेतृत्व

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (b) एक लोकतांत्रिक समाज का मूल आदर्श है, एक प्रबुद्ध व्यक्ति के लिए सम्मान। लोकतांत्रिक समाज एक राजनीतिक विचारधारा है। लोकतंत्र का शाब्दिक अर्थ है— “लोगों का शासन”। लोकतंत्र की परिभाषा के अनुसार यह “जनता द्वारा, जनता के लिए, जनता का शासन है।”

57. बच्चे का पहला शिक्षक है—

- (a) पूर्व प्राथमिक स्कूल शिक्षक
- (b) माता-पिता
- (c) समाज
- (d) स्कूल शिक्षक

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (b) बच्चे का पहला शिक्षक माता-पिता होते हैं। बच्चे जन्म के उपरान्त सर्वप्रथम अपने माता-पिता के सम्पर्क में आते हैं तथा उनके व्यवहारों का अनुकरण करके सीखते हैं। माता-पिता भी अपने बच्चों को बुनियादी व्यवहार सिखाने का प्रयास करते हैं इसलिए माता-पिता को बच्चे का पहला शिक्षक माना जाता है।

58. छात्रों में पारिवारिक एवं विद्यालय पर्यावरण से उत्पन्न द्वन्द्वों का परिणाम निम्नलिखित होगा—

- (a) विकृत व्यवहार
- (b) स्नायु
- (c) असुरक्षात्मक
- (d) अनुपयुक्त

PRT KVS 15-12-2013

Ans : (c) छात्रों में पारिवारिक एवं विद्यालय पर्यावरण से उत्पन्न द्वन्द्वों का परिणाम असुरक्षात्मक होता है। वे विभिन्न प्रकार के अपराध और आत्महत्या जैसे कुकूत्य करने के लिए प्रेरित होते हैं।

59. कुछ दशक पूर्व माता-पिता बालकों के निर्माण में अधिक प्रभावी भूमिका का निर्वाह करते थे, क्योंकि—

- (a) वे शिक्षकों पर विश्वास करते थे
- (b) शिक्षकों को अनपेक्षित कार्यभार से मुक्त रखते थे
- (c) वे विद्यालय पूर्व ही छात्रों को उचित रूप से संस्कारित करते थे
- (d) वे अपने कर्तव्यों के प्रति सजग थे

PRT KVS 15-12-2013

Ans : (d) कुछ दशक पूर्व माता-पिता बालकों के निर्माण में अधिक प्रभावी भूमिका का निर्वाह करते थे, क्योंकि वे अपने कर्तव्यों के प्रति सजग थे। माता-पिता अपने बच्चों को प्रारम्भिक समय में ही भाषा, कौशल, सामाजिक कौशल, नैतिकता, चारित्रिक विकास आदि पर ध्यान देते थे।

60. आधुनिक भारतीय परिवार अपने बालकों में जिस उद्देश्य की पूर्ति में असफल रहे हैं, वह हैं—
- (a) शैक्षिक
 - (b) मनोरंजनात्मक
 - (c) प्रेम एवं स्नेह
 - (d) सुरक्षात्मक

PRT KVS 15–12–2013

Ans : (d) आधुनिक भारतीय परिवार अपने बालकों में सुरक्षात्मक उद्देश्य की पूर्ति में असफल रहे हैं। इसका परिणाम यह हुआ है कि बच्चे कठिन परिस्थितियों में अपने आपको समायोजित नहीं कर पाते हैं जिससे अपराध और आत्महत्या जैसे कुकृत्य कर बैठते हैं।

61. स्कूल पुस्तकालय का शैक्षणिक तंत्र है—
- (a) अल्प मूल्य
 - (b) थोड़े महत्व
 - (c) ज्यादा मूल्य नहीं
 - (d) विचारणीय (यथेष्ट) मूल्य

PRT KVS 04–10–2015

Ans : (d) स्कूल पुस्तकालय विचारणीय मूल्य का शैक्षणिक तंत्र है क्योंकि पुस्तकालय ही वह स्थान है जहाँ शिक्षक तथा शिक्षार्थी दोनों बैठकर पुस्तकें पढ़कर अपने रुचि के अनुसार अपने ज्ञान में वृद्धि कर सकते हैं तथा नवीन ज्ञान सृजित कर सकते हैं।

62. बच्चे का पहला शिक्षक कौन होता है?
- (a) माहौल (परिवेश)
 - (b) शिक्षक
 - (c) माता-पिता
 - (d) इनमें से कोई नहीं

PRT KVS 04–10–2015

Ans : (c) बालक का पहला शिक्षक माता-पिता होते हैं। अर्थात् बच्चे जन्म के बाद से ही सीखना प्रारम्भ कर देते हैं और इस दौरान वे सर्वप्रथम अपने माता-पिता के संपर्क में ही आते हैं। इसलिए वे अपने माता-पिता के व्यवहारों का अवलोकन कर उनका अपने व्यवहार में अनुकरण करते हैं इसके साथ ही माता-पिता भी अपने बच्चों को विभिन्न प्रकार के कौशल सिखाने का प्रयास करते रहते हैं।

63. एक शिक्षक विद्यार्थियों में सामाजिक मूल्यों (Social Values) को कैसे विकास करा सकता है?
- (a) श्रेष्ठ लोगों के बारे में बताकर
 - (b) अनुशासन के बोध का विकास कर
 - (c) आदर्श आचरण द्वारा
 - (d) उन्हें अच्छी कहानियाँ सुनाकर

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31–08–2014

Ans : (c) एक शिक्षक विद्यार्थियों में सामाजिक मूल्यों का विकास आदर्श आचरण द्वारा कर सकता है। विद्यार्थी अपने शिक्षक को अपना मॉडल (आदर्श) मानते हैं। इसलिए उनके व्यवहारों का अनुकरण भी करते हैं। अतः शिक्षक को आदर्श आचरण प्रस्तुत करना चाहिए।

64. शिक्षकों को सलाह दी जाती है कि वे शिक्षार्थियों को समूह गतिविधियों में सम्मिलित करें जिससे उनकी पढ़ाई सुसाध्य होगी और वह इसमें भी मदद दे सकेंगे।
- (a) सामाजीकरण
 - (b) मूल्य संघर्ष
 - (c) आक्रमण
 - (d) चिंता

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31–08–2014

Ans : (a) शिक्षार्थियों को समूह गतिविधियों में सम्मिलित करने से उनकी पढ़ाई भी सुसाध्य होती है तथा यह उनकी समाजीकरण में भी मदद करता है। समूह में कार्य करना विद्यार्थियों को सोचने, संवाद कायम करने, समझाने विचारों का आदान-प्रदान करने और निर्णय लेने के लिए प्रेरित करने का प्रभावी तरीका है। इसके साथ ही समूह गतिविधियों में भाग लेने से उनमें सहयोग, सहानुभूति, सकारात्मक प्रतिस्पर्द्धा, सद्भावना, दया जैसे मानवीय गुणों का विकास होता है, जो उनके समाजीकरण को प्रभावी होता है।

65. एक ऐतिहासिक घटक को समाविष्ट करता है, जो दिनचर्या का स्रोत है वह स्थान से संबंधित है जिनमें लोग समय पर आदान-प्रदान करते हैं, और कुटुम्ब, स्कूल क्षेत्र, स्कूल, वर्गखण्ड और संघ मीटिंग के परिप्रेक्ष्य में अस्तित्व रखती है।
- (a) धर्म
 - (b) विविधता
 - (c) संस्कृति
 - (d) भाषा

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013

Ans : (d) भाषा एक ऐतिहासिक घटक को समाविष्ट करता है, जो दिनचर्या का स्रोत है, वह स्थान से संबंधित है, जिनमें लोग समय पर आदान-प्रदान करते हैं, और कुटुम्ब, स्कूल क्षेत्र, स्कूल, वर्गखण्ड और संघ मीटिंग के परिप्रेक्ष्य में अस्तित्व रखती है।

66. सभ्यता के लेंस से विद्यार्थियों की उपलब्धि का अर्थधटन करते समय शिक्षक को विद्यार्थियों के सभ्यता समूह को प्रणालिका को ध्यान में रखना चाहिए, समूह का इतिहास, शिशु का, और व्यक्ति के सभ्यता के अपेक्षित भूमिका, ध्येय, स्रोत, बंधन और भेद।
- (a) धर्म
 - (b) इतिहास
 - (c) सभ्यता
 - (d) भाषा

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013

Ans : (a) सभ्यता में लोंस से विद्यार्थियों की उपलब्धि का अर्थात् न करते समय शिक्षक को विद्यार्थी के सभ्यता समूह की प्रणालिका को ध्यान में रखना चाहिए, समूह का इतिहास, शिशु का धर्म और व्यक्ति के सभ्यता के अपेक्षित भूमिका, ध्येय, स्नोत, बंधन और भेद। इसलिए वर्तमान में शिक्षण के वैयक्तिक भिन्नता पर विशेष बल दिया जा रहा है।

67. उच्च संदर्भ संस्कृतियाँ—

- (a) लोग निजी स्थानों में एक बड़ा सौदा करते हैं
- (b) वकील कम महत्वपूर्ण हैं
- (c) प्रतिस्पर्धा बोली कम महत्वपूर्ण हैं
- (d) उपरोक्त सभी

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (d) उच्च संदर्भ संस्कृतियों की निम्न विशेषताएँ होती हैं—

- लोग निजी संस्थानों में एक बड़ा सौदा करते हैं।
- वकील कम महत्वपूर्ण होते हैं।
- प्रतिस्पर्धा बोली कम महत्वपूर्ण हैं।

उच्च संदर्भ संस्कृति एक अवधारणा है जो शिष्टाचार दृष्टिकोण और कार्यों की शृंखला को एक साथ लाती है, जो एक विशेष प्रणाली में अपने स्वयं के उपयोग के लिए बनायी जाती है जिसे केवल कुछ ही लोग उपयोग कर सकते हैं।

68. रूढ़िवाद, बौद्धिक स्वायत्तता, भावात्मक स्वायत्तता, पदानुक्रम महारत, समतावादी प्रतिबद्धता और सद्भाव मूल्य किसके द्वारा विकसित किए गए हैं?

- | | |
|---------------|-----------------------|
| (a) श्वार्ट्ज | (b) रोबर्ट |
| (c) ब्राउनी | (d) इनमें से कोई नहीं |

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (a) रूढ़िवाद, बौद्धिक स्वायत्तता, भावात्मक स्वायत्तता, पदानुक्रम महारत, समतावादी प्रतिबद्धता और सद्भाव मूल्य श्वार्ट्ज द्वारा विकसित किये गये हैं।

69. संस्कृति के तत्व हैं—

- | | |
|------------------|----------------------|
| (i) नियम | (ii) कला |
| (iii) भाषा | (iv) प्रथा व परंपरा |
| (a) i, ii और iii | (b) ii, iii और iv |
| (c) iii, iv और i | (d) i, ii, iii और iv |

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (b) संस्कृति उस विधि का प्रतीक है जिसमें हम सोचते हैं और कार्य करते हैं। इसमें वे चीजें भी सम्मिलित हैं जो हमने एक समाज के सदस्य के नाते उत्तराधिकार में प्राप्त की है। एक सामाजिक वर्ग के सदस्य के रूप में मानवों की सभी उपलब्धियाँ संस्कृति कही जा सकती हैं। कला, संगीत, साहित्य, वास्तुविज्ञान, शिल्पकला, दर्शन, धर्म और विज्ञान सभी संस्कृति के पक्ष हैं। तथापि संस्कृति में रीतिरिवाज, परम्पराएँ, पर्व, जीने के तरीके और जीवन के विभिन्न पक्षों पर व्यक्ति विशेष का अपना दृष्टिकोण भी सम्मिलित है।

70. निम्नलिखित में से कौन—सा एक देश के सांस्कृतिक वातावरण को सबसे अच्छे से परिभाषित करता है?

- (a) जीवन स्तर और आर्थिक विकास
- (b) नायक, काल्पनिक कथाएँ, मूल्य, दृष्टिकोण और प्रतीक
- (c) राष्ट्रवाद और समुदाय सदस्यता
- (d) उपरोक्त सभी

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (b) संस्कृति मानव जनित वातावरण से संबंध रखती है जिसमें सभी भौतिक और उपभौतिक उत्पाद एवं पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को प्रदान किये जाते हैं। इसमें नायक, काल्पनिक कथाएँ, मूल्य, दृष्टिकोण, प्रतीक परम्पराएँ, रीतिरिवाज, पर्व, जीने के तरीके आदि शामिल होते हैं। सभी समाज वैज्ञानिकों में एक सामान्य सहमति है कि संस्कृति में मनुष्यों द्वारा प्राप्त सभी आंतरिक और बाह्य व्यवहारों के तरीके समाहित रहते हैं।

71. शिक्षा के संदर्भ में, समाजीकरण से तात्पर्य है—

- (a) समाज में बड़ों का सम्मान करना
- (b) सामाजिक वातावरण में अनुकूलन और समायोजन
- (c) सामाजिक मानदंडों को सदैव अनुपालन करना
- (d) अपने सामाजिक मानदंड बनाना

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (b) शिक्षा के संदर्भ में, समाजीकरण से तात्पर्य है— सामाजिक वातावरण में अनुकूलन और समायोजन सीखना। समाजीकरण एक प्रक्रिया है जिसमें माता-पिता, शिक्षक, आस-पड़ोस, सहचर-समूह आदि बालक के व्यवहार को समाज के मूल्यों, मानदण्डों नैतिक नियमों आदि के अनुरूप ढालने का प्रयास करते हैं। बालक भी इन घटकों (माता-पिता, शिक्षक, आस-पड़ोस आदि) की सहायता से सामाजिक वातावरण के अनुरूप अपना अनुकूलन और समायोजन करता है।

6.

ज्ञान एवं पाठ्यचर्या

1. बोलने और प्रयोग प्रदर्शित करने की क्रियाएँ एक प्रकार की है।

- (a) अनुसंधान कौशल (b) प्रक्रियात्मक ज्ञान
(c) तथ्यात्मक ज्ञान (d) उच्च स्तरीय चिंतन

NVS, PGT 19-09-2019

Ans : (b) बोलने और प्रयोग प्रदर्शित करने के क्रियाकलाप एक प्रकार के प्रक्रियात्मक ज्ञान होते हैं। प्रक्रियात्मक ज्ञान मौखिक तथा हस्त क्रियाओं के लिए उपयोग होते हैं।

2. यदि छात्र शैक्षिक अध्यापन-विज्ञान और पाठ्यक्रम सामग्री से अनजान हो तो यह उसके मन में हानि और की भावना भर सकती है।

- (a) अलगाव (b) साहस
(c) आत्मविश्वास (d) ईर्ष्या

NVS, PGT 17-09-2019

Ans : (a) यदि छात्र शैक्षिक अध्यापन-विज्ञान और पाठ्यक्रम सामग्री से अनजान हो तो यह उसके मन में हानि और अलगाव की भावना भर सकती है। इसलिए बाल केन्द्रित शिक्षा में बाल मनोविज्ञान की भावना को समझते हुए उनकी रुचियों, आवश्यकताओं और उनके जीवन से जोड़ते हुए अध्ययन प्रक्रिया और पाठ्यक्रम का चुनाव किया जाता है।

3. विद्यालयी पाठ्यचर्या का उद्देश्य होता है-
- (a) भारतीय शिक्षा को एकरूपता प्रदान करना
(b) बच्चे को एक प्रभावी और अर्थपूर्ण जीवनयापन के लिए अपेक्षित कौशल प्रदान करना
(c) बच्चे को संघटित अर्थपूर्ण शैक्षिक अनुभूतियाँ प्रदान करना
(d) शैक्षिक उपलब्धि के मानक स्थापित करना

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (c) विद्यालयी पाठ्यचर्या का उद्देश्य बच्चे को संघटित अर्थपूर्ण शैक्षिक अनुभूतियाँ प्रदान करना होता है। पाठ्यचर्या के द्वारा ही स्पष्ट किया जाता है कि विद्यालय में विभिन्न स्तरों पर किस-किस विषय का ज्ञान छात्रों को दिया जाएगा। इस प्रकार पाठ्यचर्या से पाठ्य-सामग्री का निर्धारण होता है जिससे शिक्षण प्रक्रिया को सुनियोजित करने में सहायता मिलती है। पाठ्यचर्या की सहायता से छात्रों की योग्यता का मूल्यांकन एक निश्चित समय के पश्चात् किया जाता है।

4. पाठ्यचर्या के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

- (a) पाठ्यचर्या का सम्बन्ध उस समस्त पाठ्यवस्तु से है, जो किसी शैक्षिक संस्था में पढ़ाई जानी है।
(b) पाठ्यचर्या का क्षेत्र व्यापक होता है।
(c) पाठ्यचर्या विभिन्न अध्यापकों के लिए भिन्न-भिन्न होती है।
(d) पाठ्यचर्या आदेशात्मक होता है।

PRT-KVS 07-01-2017

Ans : (c) पाठ्यचर्या की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं-

- (i) पाठ्यचर्या का सम्बन्ध उस समस्त पाठ्यवस्तु से है जो किसी शैक्षिक संस्था में पढ़ाई जाती है।
(ii) पाठ्यचर्या का क्षेत्र व्यापक होता है।
(iii) पाठ्यचर्या आदेशात्मक होती है।
(iv) पाठ्यचर्या छात्र एवं अध्यापक दोनों को सही दिशा बोध कराती है।

“पाठ्यचर्या विभिन्न अध्यापकों के लिए भिन्न-भिन्न होती है।” यह कथन पाठ्यचर्या के सन्दर्भ में सही नहीं है।

5. अव्यक्त अथवा अन्तर्निहित संदेश जो विद्यार्थियों को विद्यालय में प्राप्त होते हैं निम्नलिखित में से कौन-सी पाठ्यचर्या कहलाती है?

- (a) सुनिश्चित पाठ्यचर्या
(b) समेकित पाठ्यचर्या
(c) प्रच्छन्न या गुप्त पाठ्यचर्या
(d) कुण्डलित पाठ्यचर्या

PRT-KVS 07-01-2017

Ans : (c) प्रच्छन्न या गुप्त पाठ्यचर्या—अव्यक्त अथवा अन्तर्निहित संदेश जो विद्यार्थियों को विद्यालय में प्राप्त होते हैं तथा जिनका पाठ्यचर्या में सीधे तौर पर उल्लेख नहीं रहता है। ऐसी पाठ्यचर्या प्रच्छन्न या गुप्त पाठ्यचर्या कहलाती है।

6. यह कथन किसने कहा “पाठ्यक्रम एक कलाकार (अध्यापक) के हाथ का वह औजार है जिससे वह अपनी कार्यशाला (विद्यालय) में अपनी सोच के अनुरूप विद्यार्थी को रूप देता है।”

- (a) कनिघम (b) राल्फ टेलर
(c) जी. गौस (d) ए. वेस्टर

NCERT PRT 30-07-2017

Ans : (a) कनिंघम के अनुसार— “पाठ्यक्रम एक कलाकार (अध्यापक) के हाथ का वह औजार है जिससे वह अपनी कार्यशाला (विद्यालय) में अपनी सोच के अनुरूप विद्यार्थी को रूप देता है।”

7. अध्यापक की अभिवृत्ति एवं व्यवहार से विद्यालय में जो बच्चे सीखते हैं वह उत्पाद कहलाता है—

- (a) बाह्य पाठ्यक्रम
- (b) गुप्त पाठ्यक्रम
- (c) शून्य पाठ्यक्रम
- (d) सामाजिक पाठ्यक्रम

NCERT PRT 30-07-2017

Ans : (b) अध्यापक की अभिवृत्ति एवं व्यवहार से विद्यालय में जो बच्चे सीखते हैं, वह गुप्त पाठ्यक्रम के अंतर्गत आता है। शिक्षक की अनुक्रिया के फलस्वरूप स्वाभाविक रूप से उत्पन्न भावनाओं, व्यवहारों, दृष्टिकोणों और मूल्यों को सीखने की प्रक्रिया गुप्त पाठ्यक्रम के अंतर्गत आती है। गुप्त पाठ्यक्रम का प्रभाव सकारात्मक तथा नकारात्मक दोनों हो सकता है।

8. सीखने के बे अनुभव जो विद्यालय शिक्षण कार्यक्रम के दौरान अनियोजित ढंग से स्वतः आते हैं उन्हें कहते हैं—

- (a) शैक्षिक पाठ्यक्रम
- (b) मानवीय पाठ्यक्रम
- (c) अतिरिक्त पाठ्यक्रम
- (d) अदृश्य पाठ्यक्रम

NCERT PRT 30-07-2017

Ans : (d) सीखने के बे अनुभव जो विद्यालय शिक्षण कार्यक्रम के दौरान अनियोजित ढंग से स्वतः आते हैं, अदृश्य पाठ्यक्रम कहलाते हैं। स्कूल के पाठ्यक्रम में अदृश्य सीखना, प्राकृतिक पर्यावरण और सामाजिक परिवेश के माध्यम से आता है। अदृश्य पाठ्यक्रम में छात्रों को मुख्य रूप से गैर-शैक्षणिक ज्ञान प्राप्त होता है।

9. निश्चित समय में निर्दिष्ट किसी विषय की पाठवार विषय-वस्तु की रूपरेखा को कहते हैं—

- (a) पाठ्यक्रम
- (b) कोर्स
- (c) पाठ्यवस्तु
- (d) कार्यक्रम

NCERT PRT 30-07-2017

Ans : (a) निश्चित समय में निर्दिष्ट किसी विषय की पाठवार विषयवस्तु की रूपरेखा को पाठ्यक्रम कहा जाता है पाठ्यक्रम के निश्चित होने से छात्रों को यह पता चल जाता है कि किसी कक्षा विशेष में उन्हें पूरे शिक्षण-सत्र के दौरान क्या-क्या पढ़ना व सीखना है। इससे छात्रों की योग्यता का मूल्यांकन एक निश्चित समय के पश्चात् किया जा सकता है।

10. पाठ्यक्रम संप्रत्यय से तात्पर्य है—

- (a) शिक्षण अधिगम सामग्री
- (b) शिक्षण व्यूहरचनाएं
- (c) मूल्यांकन
- (d) उपरोक्त सभी

NCERT PRT 30-07-2017

Ans : (d) शिक्षण अधिगम सामग्री, शिक्षण व्यूहरचनाएँ तथा मूल्यांकन सब मिलकर पाठ्यक्रम संप्रत्यय का निर्माण करते हैं। विद्यालयी स्तर पर पाठ्यपुस्तकों का निर्माण पाठ्यक्रम के आधार पर ही होता है।

11. वर्तमान में पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तक आधारित है—

- (a) संज्ञानात्मक सोच पर
- (b) संरचनात्मक सोच पर
- (c) व्यवहारवादी सोच पर
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

NCERT PRT 30-07-2017

Ans : (b) वर्तमान पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तक संरचनात्मक सोच पर आधारित है। पाठ्यचर्चा निर्माण की आधारभूत सिद्धांत के रूप में रचनात्मक एवं सृजनात्मक शक्तियों का विकास एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है। इसके अनुसार बालक की रुचियों तथा विशिष्टताओं की खोज करके उनके अन्दर रचनात्मक भावनाओं का विकास किया जा सकता है।

12. पाठ्यचर्चा निर्माण का कार्य माना जाता है—

- (a) एक नेमी कार्य
- (b) एक विशेषज्ञता कार्य नहीं
- (c) एक अत्यधिक विशेषज्ञता वाला कार्य
- (d) एक महत्वपूर्ण कार्य नहीं

PRT KVS 04-10-2015

Ans : (c) पाठ्यचर्चा निर्माण का कार्य एक अत्यधिक विशेषज्ञता वाला कार्य माना जाता है क्योंकि शिक्षा एवं शैक्षणिक व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन सुधार व परिमार्जन लाने हेतु पाठ्यचर्चा एक उद्देश्यपूर्ण, प्रगतिशील एवं व्यवस्थित माध्यम है। पाठ्यचर्चा समाज एवं राज्य की आवश्यकताओं की पूर्ति करने एवं व्यक्तियों को निश्चित दिशा की ओर प्रवृत्त करने का सशस्त तरीका है जिसके माध्यम से कोई देश या राज्य या समाज विश्व में हो रहे बदलाव व विकास की अविरलता को व्यक्तियों तक पहुँचाने व जागरुक बनाने

के साथ-साथ उन्हें समय के परिप्रेक्ष्य में उपयुक्त बनाने का प्रयास करता है। ऐसे व्यापक उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक पाठ्यचर्चा के निर्माण के लिए विशेष विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है जो समाज की विविधता, शिक्षा के मनोवैज्ञानिक व दार्शनिक आधारों, संस्कृति, राष्ट्रीय गौरव आदि की व्यापक समझ रखता हो।

13. विज्ञान की एक अच्छी पाठ्य पुस्तक की विशेषता है—

- (a) अव्यवस्थित विषयवस्तु
- (b) नवीनतम जानकारी का समावेश
- (c) श्वेत-श्याम चित्रों (ब्लैक एण्ड व्हाईट)
- (d) महँगी पुस्तक

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (b) विज्ञान की एक अच्छी पाठ्यपुस्तक की विशेषता है नवीनतम जानकारी का समावेशन। इसके साथ ही पाठ्यपुस्तकों में गतिविधियों, सूक्ष्म अवलोकन, प्रयोग आदि को भी शामिल किया जाना चाहिए और विज्ञान के प्रति एक ऐसे सक्रिय रुख को बढ़ावा देना चाहिए जो बच्चे को उसके आस-पास की दुनिया से जोड़ सके और केवल सूचना आधारित न हो।

14. हमें कैसे ज्ञान प्राप्त होता है और हमें कैसे पता चलता है कि यह सही और त्रुटि रहित है? दर्शनशास्त्र के इस क्षेत्र को कहा जाता है?

- (a) तंत्रिका विज्ञान
- (b) ज्ञान-मीमांसा
- (c) दर्शनशास्त्र से परे
- (d) इनमें से कोई नहीं

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (b) हमें कैसे ज्ञान प्राप्त होता है और हमें कैसे पता चलता है कि यह सही है और त्रुटि रहित है? दर्शनशास्त्र के इस क्षेत्र को ज्ञान-मीमांसा कहा जाता है। ज्ञानमीमांसा में तीन प्रमुख प्रश्न समाहित रहते हैं ज्ञान की उत्पत्ति, ज्ञान का स्वरूप और ज्ञान की सत्यता की कसौटी या ज्ञान की प्रमाणिकता। ज्ञान मीमांसा का ध्येय ज्ञान, ज्ञाता और ज्ञेय के संबंध की व्याख्या करना है।

15. शिक्षा के क्षेत्र में 'पाठ्यचर्चा' शब्द का तात्पर्य है—

- (a) शिक्षण पद्धति तथा शिक्षण सामग्री
- (b) विद्यालय का समग्र कार्यक्रम जिसका छात्र दैनंदिन आधार पर अनुभव करता है।
- (c) मूल्यांकन प्रक्रिया
- (d) कक्षा में प्रयुक्त पाठ्य सामग्री

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (b) शिक्षा के क्षेत्र में पाठ्यचर्चा शब्द का तात्पर्य है— विद्यालय का समग्र कार्यक्रम जिसका छात्र दैनंदिन आधार पर अनुभव करता है। कनिंघम ने पाठ्यचर्चा को परिभाषित करते हुए कहा है कि “पाठ्यचर्चा कलाकार (शिक्षक) के हाथ में एक साधन (यंत्र) है जिसके द्वारा वह अपनी वस्तु या सामग्री (विद्यार्थी) के अपने कलाघृह (विद्यालय) में अपने आदर्श (उद्देश्य) के अनुसार वांछित रूप देता है।”

16. पाठ्य पुस्तकों को सभी क्षेत्रों और सामाजिक समूहों का प्रतिनिधित्व करने वाली बनाने के लिए—

- (a) पाठ्य-पुस्तकों में सभी क्षेत्रों और सामाजिक समूहों से सम्बन्धित सामग्री जोड़ी जानी चाहिए।
- (b) स्थानीय संसाधनों से प्रासांगिक स्थानीय सामग्री शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया का भाग होनी चाहिए।
- (c) पाठ्य पुस्तकों देश की सभी भाषाओं विशेषतः भारतीय संविधान की सूची VIII में दर्ज भाषाओं में लिखी जानी चाहिए।
- (d) क्षेत्रों के बीच समान मुद्दों को केवल इसलिए उजागर किया जाए ताकि संघातमक गणतंत्र की भावना को प्रोत्साहन मिले।

NVS PGT 2018

Ans : (a) पाठ्य पुस्तकों को सभी क्षेत्रों और सामाजिक समूहों का प्रतिनिधित्व करने वाली बनाने के लिए पाठ्य-पुस्तकों में सभी क्षेत्रों और सामाजिक समूहों से सम्बन्धित सामग्री जोड़ी जानी चाहिए।

17. कक्षा 8 के लिए पाठ्य-पुस्तक का निर्माण करते समय महत्वपूर्ण है-

- (a) प्रसिद्ध लेखकों की रचनाएँ
- (b) विद्यागत विविधता होना
- (c) पाठों की संख्या सीमित होना
- (d) सभी व्याकरणिक तत्वों का समावेश

DSSSB PRT 2018

Ans : (b) कक्षा 8 के लिए पाठ्य पुस्तक का निर्माण करते समय विद्यागत विविधता पर अवश्य ध्यान देना चाहिए। विद्यागत विविधता से आशय है पाठ्य-पुस्तक में विभिन्न विधाओं जैसे कविता, कहानी, निबन्ध, संस्मरण, पत्र-लेखन, नाटक आदि को शामिल करना।

18. पाठ्य-पुस्तकों को आधार बनाकर पूछे जाने वाले प्रश्न

- (a) स्परण शक्ति को समृद्ध करने वाले होने चाहिए
- (b) पाठ की विषयवस्तु का विस्तार करने वाले होने चाहिए
- (c) पाठ में दिए गए तथ्यों पर ही आधारित होने चाहिए
- (d) लिखावट को सुन्दर बनाने में सहयोगी होने चाहिए

DSSSB PRT 2018

Ans : (b) पाठ्य-पुस्तकों को आधार बनाकर पूछे जाने वाले प्रश्न पाठ की विषयवस्तु का विस्तार करने वाले होने चाहिए।

7.

वर्तमान भारतीय शिक्षा एवं नीतियाँ

1. 1921–1947 की अवधि के दौरान, शैक्षिक संस्थानों में लड़कियों के दाखिलों में भारी वृद्धि हुई थी, इसका मुख्य कारण था।

(a) राजनीतिक प्रबोधन (b) स्कूलों की स्थापना
(c) महाविद्यालयों की स्थापना (d) जागरूकता

NVS, PGT 19-09-2019

Ans : (a) 1921–1947 की अवधि के दौरान, शैक्षिक संस्थानों में लड़कियों के दाखिलों में भारी वृद्धि हुई थी, इसका मुख्य कारण राजनीतिक प्रबोधन था। वर्ष 1921–1947 के बीच चले यिभिन्न स्वतंत्रता अंदोलनों में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ी जिसका प्रभाव शैक्षिक संस्थानों में लड़कियों के दाखिले पर भी पड़ा।

NVS, PGT 19-09-2019

Ans : (c) दूरस्थ शिक्षा में, अधिगमकर्ता अकेले या समूह में, अध्ययन सामग्री के द्वारा निर्देशित होकर कार्य करता है। दूरस्थ शिक्षा, शिक्षा की वह प्रणाली है जिसमें शिक्षक तथा शिक्षु को स्थान-विशेष अथवा समय विशेष पर मौजूद होने की आवश्यकता नहीं होती है और शिक्षु किताबों की सहायता से ज्ञान अर्जित करते हैं।

3. राष्ट्रीय शैक्षिक नीति 2016 के मसौदे में चिह्नित किए अनुसार, प्री-स्कूल के बच्चों में स्कूल जाने के लिए तैयार होने की दक्षता से संबंधित एक प्रमुख चिंता है।

 - (a) भावनात्मक क्षेत्र में तैयारी दक्षता
 - (b) सौदर्य क्षेत्र में तैयारी दक्षता
 - (c) भौतिक क्षेत्र में तैयारी दक्षता
 - (d) संज्ञानात्मक क्षेत्र में तैयारी दक्षता

NVS PGT 19-09-2019

Ans : (d) राष्ट्रीय शैक्षिक नीति 2016 के अनुसार, प्री-स्कूल के बच्चों में स्कूल जाने के लिए तैयार होने की दक्षता से संबंधित एक प्रमुख चिंता संज्ञानात्मक क्षेत्र में तैयारी दक्षता है क्योंकि प्री-स्कूल में बालक ज्ञान की उस अवस्था को प्राप्त नहीं कर पाता है, जिसकी उसे उस आय में आवश्यकता होती है।

NVS, PGT 19-09-2019

Ans : (c) प्रोजेक्ट प्रदर्शनी एक गैर-औपचारिक माध्यम है जो विज्ञान पाठ्यचर्या में अतिरिक्त पाठ्यक्रम क्रियाकलाप को सम्मिलित करने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह छात्रों के लिए शैक्षिक गतिविधि है जिसमें वे कुछ अपने-आप करने की कोशिश करते हुए सीखते हैं।

NVS PGT 19-09-2019

Ans : (d) 'स्कूल जाने वाले बच्चे' वयस्क शिक्षा ग्रहण नहीं करते हैं। वयस्क शिक्षा का उद्देश्य उन वयस्क व्यक्तियों को शैक्षिक विकल्प देना है, जिन्होंने यह अवसर गवाँ दिया है और औपचारिक शिक्षा की आयु को पार कर चुके हैं, लेकिन अब वे साक्षरता, आधारभूत शिक्षा, कौशल विकास (व्यावसायिक शिक्षा) और इसी तरह की अन्य शिक्षा सहित किसी तरह के ज्ञान की आवश्यकता का अनुभव करते हैं। इसके अंतर्गत व्यापारी, कामकाजी महिलाएं, सेवानिवृत्त लोग आदि आते हैं।

NVS TGT 12-08-2010 (H)

Ans : (a) नई शिक्षा नीति, 2016 के मसौदे में अध्याय चार के अंतर्गत 'बाल एवं किशोर शिक्षा अधिकारों का संरक्षण' में छात्रों, अध्यापकों एवं अभिभावकों के लाभ के लिए बाल अधिकारों पर स्व-शिक्षण आनलाइन कार्यक्रम तैयार करने की बात कही गयी है।

7. दूरस्थ शिक्षा का सबसे शुरूआती तरीका कौन सा था?

 - (a) पत्राचार के माध्यम से शिक्षा
 - (b) आनलाइन शिक्षा के साथ-साथ आमने सामने के सत्र
 - (c) टेलीकांफ्रेसिंग
 - (d) वीडियो कांफ्रेसिंग

NVS, TGT 18-09-2019 (II)

Ans : (a) दूरस्थ शिक्षा, शिक्षा की वह प्रणाली है जिसमें शिक्षक तथा शिशु को स्थान-विशेष अथवा समय-विशेष पर मौजूद होने की आवश्यकता नहीं होती है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने 1956-1960 के अपने सायंकालीन महाविद्यालय, पत्राचार पाठ्यक्रम आदि शुरू करने का सुझाव दिया था। दूरस्थ शिक्षा का सबसे शरूआती तरीका पत्राचार के माध्यम से शिक्षा था।

8. राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2016 के मसौदे के अनुसार, उच्च शिक्षा प्रणाली की न्यून विश्वसनीयता का क्या कारण है?

- (a) शिक्षा प्रणाली के अधिकतर कोर्स या उत्पादों का छात्रों को रोजगार परक शिक्षा देने में सक्षम न होना
- (b) कक्षाओं में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए शैक्षिक निगरानी का अभाव
- (c) सभी छात्र सफल हो यह सुनिश्चित करने के लिए बेहतर गुणवत्ता वाले शिक्षकों की कमी
- (d) गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए आवश्यक शैक्षणिक बुनियादी ढाँचे का अभाव

NVS, TGT 18-09-2019

Ans : (a) राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2016 के मसौदे के अनुसार उच्च शिक्षा प्रणाली की न्यून विश्वसनीयता का मुख्य कारण है, शिक्षा प्रणाली के अधिकतर कोर्स या उत्पादों का छात्रों को रोजगार परक शिक्षा देने में विफलता। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2016 के अनुसार शिक्षा की खराब गुणवत्ता एक बड़ी चिंता का विषय है, जिससे असंतोषजनक ज्ञानार्जन परिणाम सामने आते हैं। अपर्याप्त पाठ्यक्रम, प्रशिक्षित अध्यापकों की कमी और अप्रभावी शिक्षण पद्धतियाँ जैसी गुणवत्ता सम्बन्धी किमियाँ पूर्व स्कूल शिक्षा से संबंधित एक प्रमुख चुनौती बनी हुई हैं।

9. निम्न में से किस काल में गुरुकुल, आश्रम और परिषद् नामक शिक्षा केन्द्रों का उदय हुआ और शिक्षा ने एक औपचारिक स्वरूप लेना शुरू किया?

- | | |
|---------------|---------------|
| (a) बौद्ध काल | (b) मुगल काल |
| (c) मध्य काल | (d) वैदिक काल |

NVS, TGT 18-09-2019

Ans : (d) वैदिक काल में गुरुकुल, आश्रम और परिषद् नामक शिक्षा केन्द्रों का उदय हुआ और शिक्षा ने एक औपचारिक स्वरूप लेना शुरू किया। वैदिक कालीन शिक्षा व्यवस्था में बालक पाँच वर्ष की अवस्था पूर्ण कर लेने के बाद ही गुरुकुल में प्रवेश कर सकता था। पाँच वर्ष की अवस्था में चूड़ा कर्म संस्कार किया जाता था जिसे विद्यारम्भ संस्कार कहते थे। इस संस्कार के बाद बच्चे की गृह शिक्षा शुरू होती थी।

10. बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम 2009 के अनुसार, वर्तमान कक्षाओं में शिक्षक को ऐसी गतिविधियाँ/शिक्षण कार्य डिजाइन करने चाहिए जो सभी शिक्षार्थियों को एक विषय कक्षा में संलग्न और करें।

- | | |
|-----------------|-----------------|
| (a) रुचि पैदा | (b) उत्तेजित |
| (c) चुनौती पैदा | (d) प्रोत्साहित |

NVS, TGT 18-09-2019

Ans : (c) बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम 2009 के अनुसार, वर्तमान कक्षाओं में शिक्षक को ऐसी गतिविधियाँ/शिक्षण कार्य डिजाइन करने चाहिए जो सभी शिक्षार्थियों को एक विषय कक्षा में संलग्न और चुनौती पैदा करे ताकि सभी विद्यार्थी चुनौतीपूर्ण समस्या का स्वयं समाधान खोजने का प्रयास करें।

11. निम्नलिखित में से कौन सा लक्ष्य स्कूली शिक्षा में संबंधित है?
- (a) वयस्कों को रोजगार सक्षम बनाना
 - (b) बच्चे के आंतरिक संसाधनों का विकास करना
 - (c) वयस्कों को सामाजिक बनाना
 - (d) जिम्मेदार वयस्क विकसित करना

NVS, PGT 17-09-2019 II

Ans : (a) स्कूल शिक्षा में वयस्कों को रोजगार सक्षम बनाना संबंधित है जबकि बच्चे के आंतरिक संसाधनों का विकास, वयस्कों को सामाजिक बनाना, जिम्मेदार वयस्क विकसित करना आदि बच्चे के व्यक्तित्व विकास से जुड़ा है।

12. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2016 के मसौदे के अनुसार, की चिंता को दूर करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले व्यावसायिक प्रशिक्षण पर जोर देने की आवश्यकता है।

- (a) छात्रों के कॉलेज छोड़ने की दर
- (b) इन पाठ्यक्रमों का अध्ययन करने वाले छात्रों के लिए समानता संबंधी समस्याओं
- (c) इन कॉलेजों में नामांकन
- (d) इन पाठ्यक्रमों की सामाजिक स्वीकार्यता

NVS, PGT 17-09-2019 II

Ans : (d) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2016 के मसौदे के अनुसार, पाठ्यक्रमों की सामाजिक स्वीकार्यता की चिंता को दूर करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले व्यावसायिक प्रशिक्षण पर जोर देने की आवश्यकता है। व्यावसायिक क्षेत्रों में कौशलों के विकास को औपचारिक रूप से जोड़ने और विद्यार्थियों के ऊर्ध्वाधर एवं क्षैतिज अग्रसरण के लिए अवसरों के साथ व्यावसायिक कार्य निष्पादनों हेतु अकादमिक समतुल्यता लाने का प्रयास हाल ही में शुरू किया गया है।

13. किसी भी समय किसी भी स्थान पर, किसी भी विषय पर का एक उभरता विषय है।

- | | |
|------------------|-------------------|
| (a) ई-लार्निंग | (b) दूरस्थ शिक्षण |
| (c) ऑनलाइन अधिगम | (d) होम ट्यूशन |

NVS, PGT 17-09-2019 II

Ans : (b) 'किसी भी समय, किसी भी स्थान पर, किसी भी विषय पर' शिक्षा दूरस्थ शिक्षण का एक उभरता विषय है। दूरस्थ शिक्षा के द्वारा 'शिक्षा सभी तक पहुँचे' की धारणा हमारे समक्ष आती है। यह अनौपचारिक शिक्षा का एक अंग है इसमें शिक्षक दूर होते हुए भी शिक्षा को सीखने वाले के द्वारा पर भेजता है।

14. राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NPE) 1986 के तहत स्कूलों में निम्न में से किसे लागू किया गया था?

- | | |
|----------------|---------|
| (a) आनुवांशिकी | (b) योग |
| (c) रोबोटिक्स | (d) कला |

NVS, PGT 17-09-2019

Ans : (b) राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NPE) 1986 के तहत स्कूलों में खेल और शारीरिक शिक्षा के अंतर्गत योग शिक्षा को शामिल किया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-1986 के अनुसार- 'शरीर और मन के समेकित विकास के साधन के रूप में योग शिक्षा पर विशेष बल दिया जायेगा। सभी विद्यालयों में योग की शिक्षा की व्यवस्था के लिए प्रयास किये जायेंगे और इस दृष्टि से शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में योग की शिक्षा भी सम्मिलित की जायेगी।'

15. भारत में पूर्व-स्वतंत्रता काल के दौरान महिला शिक्षा का प्रसार सबसे पहले में प्रारम्भ हुआ था।
- (a) आदिवासी क्षेत्रों
 - (b) ग्रामीण क्षेत्रों
 - (c) शहरों
 - (d) तटीय क्षेत्रों

NVS, PGT 17-09-2019

Ans : (c) भारत में पूर्व-स्वतंत्रता काल के दौरान, महिला शिक्षा का प्रसार सबसे पहले शहरों में प्रारम्भ हुआ था। पुनर्जागरण के दौर में भारत में स्त्री शिक्षा को नये सिरे से महत्व मिलने लगा। ईस्ट इण्डिया कम्पनी के द्वारा सन् 1854 में स्त्री शिक्षा को स्वीकार किया गया था। विभिन्न सरकारी और गैर सरकारी प्रयासों के कारण साक्षरता का दर 0.2% से बढ़कर 6% तक बढ़ गया था। कोलकाता विश्वविद्यालय महिलाओं को शिक्षा के लिए स्वीकार करने वाला पहला विश्वविद्यालय था। इस प्रकार स्वतंत्रता पूर्व पूनर्जागरण का प्रभाव विश्वविद्यालयों, विद्यालयों आदि शहरी क्षेत्रों में प्रसारित होने के कारण स्त्री शिक्षा का प्रारम्भ भी शहरी क्षेत्रों में ही हुआ।

16. भारतीय जनसंख्या का कितना प्रतिशत हिस्सा दो वा अधिक भाषाओं की जानकारी रखता है?

- (a) 30%
- (b) 10%
- (c) 20%
- (d) 40%

NVS, PGT 17-09-2019

Ans : (c) भारत बहुत सारी भाषाओं का देश है, लेकिन सरकारी कामकाज में लायी जाने वाली दो भाषाएँ हैं हिन्दी और अंग्रेजी। भारत में द्विभाषी वक्ताओं की संख्या 31.49 करोड़ है जो 2011 में जनसंख्या का 26% है।

नोट— प्रश्न में 20% उत्तर दिया गया है।

17. निम्न में से कौन सा विकल्प मानक कक्षायी शिक्षण के एक बेहतीन विकल्प के रूप में स्थापित हो चुका है?

- (a) वन-टू-वन कोचिंग
- (b) होम ट्यूशन
- (c) दूरस्थ शिक्षा
- (d) ई-लर्निंग

NVS, PGT 17-09-2019

Ans : (c) दूरस्थ शिक्षा मानक कक्षायी शिक्षण के बेहतीन विकल्प के रूप में स्थापित हो चुका है। विजुअल क्लासरूम लर्निंग, इंटरैक्टिव ऑनसाइट लर्निंग और वीडियो कॉफ्रेंसिंग के जरिए विद्यार्थी देश के किसी भी राज्य में रहकर घर बैठे पढ़ाई कर सकते हैं। दूरस्थ शिक्षा कम खर्चीली होती है। दूरस्थ शिक्षा में सबसे महत्वपूर्ण कार्य पाठ्य सामग्री तैयार करना है।

18. 'लर्निंग विदाउट बर्डन' के नाम से प्रकाशित एक समिति के प्रतिवेदन के लेखक थे—

- (a) यशपाल
- (b) श्री प्रकाश
- (c) तारा चन्द
- (d) मेल्कम

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (a) 'लर्निंग विदाउट बर्डन' के नाम से प्रकाशित प्रतिवेदन के प्रस्तुतकर्ता प्रो. यशपाल थे। यशपाल समिति 1992-93 में गठित की गई थी तथा इसकी रिपोर्ट जुलाई 1993 में सरकार को सौंपी गई थी।

19. पड़ोसी विद्यालय के विचार की वकालत की थी—

- (a) विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग (1948-49) ने

- (b) माध्यमिक शिक्षा आयोग (1952-53) ने
- (c) भारतीय शिक्षा आयोग (1964-66) ने
- (d) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 ने

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (c) पड़ोसी विद्यालय के विचार की वकालत भारतीय शिक्षा आयोग (1964-66) द्वारा की गयी थी। इसे कोठारी कमीशन के नाम से भी जाना जाता है।

20. औपचारिक शिक्षा या स्कूल प्रशिक्षण इसका प्रतिनिधित्व करता है—

- (a) अध्ययन का नौसिखिया कार्यक्रम
- (b) अध्ययन का नियोजित कार्यक्रम
- (c) अध्ययन का सामूहिक कार्यक्रम
- (d) अध्ययन का मूलभूत कार्यक्रम

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (b) औपचारिक शिक्षा या स्कूल प्रशिक्षण में अध्ययन का नियोजित कार्यक्रम होता है। वह शिक्षा जो विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में दी जाती है, औपचारिक शिक्षा कही जाती है। इसके उद्देश्य, पाठ्यचर्या और शिक्षण विधियाँ सभी निश्चित होते हैं। यह योजनाबद्ध होती है और इसकी योजना बड़ी कठोर होती है।

21. विभाजन के समय 1947 में कार्यरत विश्वविद्यालय थे।

- (a) 5
- (b) 4
- (c) 3
- (d) 2

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (d) विभाजन के समय 1947 में 2 कार्यरत विश्वविद्यालय थे।

22. कौन—से तत्व ज्ञान ने कक्षाकक्ष में कक्षानायक पद्धति का विकास किया?

- (a) वैदिक
- (b) वेदान्त
- (c) इस्लाम
- (d) बौद्ध

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (a) वैदिक तत्व-ज्ञान ने कक्षाकक्ष में कक्षानायक पद्धति का विकास किया। प्रो. वेदान्त के अनुसार— “कक्षा नायकीय पद्धति बुद्धिमान छात्रों को शिक्षण कला सीखने का अवसर प्रदान करती थी। इस प्रकार वैदिक शिक्षण अप्रत्यक्ष रूप से उसी कार्य को करती थी जिसे आधुनिक शिक्षक प्रशिक्षण कॉलेज सम्पन्न करते हैं।

23. भारत सरकार द्वारा अपनाई गई 1968 की राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षण नीति में शिक्षकों के शिक्षण के निम्न मुद्दों पर जोद दिया गया है—

- (a) शिक्षकों को पर्याप्त वेतन और पाठ्यक्रमी स्वातंत्र्य
- (b) शिक्षकों को यात्रा-भत्ता और परिवार पेंशन
- (c) सेवा के समय प्रशिक्षण और शिक्षकों के लिए पत्रव्यवहार द्वारा शिक्षण
- (d) पदोन्नति और शिक्षकों के लिए सेवा-निवृत्ति सुविधाएँ

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (a) भारत सरकार द्वारा अपनाई गयी 1968 की राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षण नीति में शिक्षकों को पर्याप्त वेतन और पाठ्यक्रमी स्वतंत्रता की बात कही गयी है। इस नीति में यह भी कहा गया है कि शिक्षकों की भर्ती करने की प्रणाली में इस प्रकार परिवर्तन किया जायेगा कि उनका चयन उनकी योग्यता के आधार पर व्यक्ति निरपेक्ष रूप से और उनके कार्य की अपेक्षाओं के अनुरूप हो सके। शिक्षकों का वेतन और सेवा की शर्तें उनके सामाजिक और व्यवसायिक दायित्व के अनुरूप हो और ऐसी हो जिनसे प्रतिभाशाली व्यक्ति शिक्षक व्यवसाय की ओर आकृष्ट हो।

24. रामकृष्ण मिशन की स्थापना इन्होंने की—

- | | |
|-----------------------|-----------------------|
| (a) स्वामी दयानन्द | (b) स्वामी विवेकानन्द |
| (c) राजा राम मोजन राय | (d) गुरु नानक देव |

PRT-KVS Post Code 150/14, 19–10–2014

Ans : (b) रामकृष्ण मिशन की स्थापना 1 मई सन् 1897 को रामकृष्ण के परम शिष्य स्वामी विवेकानन्द ने की। इसका मुख्यालय कोलकाता के निकट बेलुड़ में है। रामकृष्ण मिशन दूसरों की सेवा और परोपकार को कर्म योग मानता है। रामकृष्ण मिशन का ध्येय वाक्य है, “आत्मनो मोक्षार्थं जगद् हिताय च्”।

25. विभाजन के समय 1947 में कार्यरत कॉलेज थे।

- | | |
|--------|--------|
| (a) 40 | (b) 45 |
| (c) 50 | (d) 55 |

PRT-KVS Post Code 150/14, 19–10–2014

Ans : (a) विभाजन के समय वर्ष 1947 में 40 कार्यरत कॉलेज थे।

26. उच्चविद्यालयों में राष्ट्रगीत गाने के लिए से अनिवार्य बनाया गया है।

- | | |
|--------------------|--------------------|
| (a) 09 मई, 1957 | (b) 09 जून, 1957 |
| (c) 09 जुलाई, 1957 | (d) 09 अगस्त, 1957 |

PRT-KVS Post Code 150/14, 19–10–2014

Ans : (b) उच्च विद्यालयों में राष्ट्रगीत गाने के लिए 09 जून 1957 से अनिवार्य बनाया गया है। ध्यातव्य है कि स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने संविधान सभा में 24 जनवरी 1950 में ‘वन्दे मातरम्’ को राष्ट्रगीत के रूप में अपनाने सम्बन्धी वक्तव्य पढ़ा जिसे स्वीकार कर लिया गया।

27. विभाजन के समय 1947 में कार्यरत प्राथमिक स्कूल थे।

- | | |
|----------|----------|
| (a) 8413 | (b) 9256 |
| (c) 7687 | (d) 6567 |

PRT-KVS Post Code 150/14, 19–10–2014

Ans : (a) विभाजन के समय 1947 में कुल 8413 कार्यरत प्राथमिक स्कूल थे।

28. अग्रलिखित में से वह कौन—सा है जिसे ब्रिटिश काल में भारतीय शिक्षा का मैग्ना कार्टा (महाअधिकार अभिलेख) समझा जाता है?

- | | |
|--------------------|-----------------|
| (a) सार्जेंट आयोग | (b) मैकाले मिनट |
| (c) बुड्स् डिस्पैच | (d) हंटर आयोग |

PRT-KVS 07–01–2017

Ans : (c) बुड्स् डिस्पैच (भारतीय शिक्षा का मैग्नाकार्टा)—बुड का आदेश पत्र या बुड का घोषणा पत्र सर चार्ल्स बुड द्वारा बनाया गया सौ अनुच्छेदों का लम्बा पत्र था जो 1854 में आया था। इसमें भारतीय शिक्षा पर विचार किया गया था और उसके सम्बन्ध में सिफारिशों की गई थीं। इस घोषणा पत्र को भारत में अंग्रेजी शिक्षा का मैग्नाकार्टा भी कहा जाता है। प्रस्ताव में पाश्चात्य शिक्षा के प्रसार को सरकार ने अपना उद्देश्य बनाया। उच्च शिक्षा को अंग्रेजी भाषा के माध्यम से दिये जाने पर बल दिया गया, परन्तु साथ में देशी भाषा को भी महत्व दिया गया।

29. संवैधानिक प्रावधानों के संदर्भ में शिक्षा निम्नलिखित में से किसमें रखा गया है?

- | | |
|--------------------|------------------|
| (a) केन्द्रीय सूची | (b) समवर्ती सूची |
| (c) राज्य सूची | (d) संघीय सूची |

PRT-KVS 07–01–2017

Ans : (b) संवैधानिक प्रावधानों के संदर्भ में शिक्षा को समवर्ती सूची में रखा गया है। संविधान की अनुसूची 7 की सूची 3 का नाम समवर्ती सूची है। इसमें 52 प्रविष्टियाँ हैं। इसके अंतर्गत शिक्षा, न्याय प्रशासन, वन जनसंख्या नियंत्रण आदि विषयों को रखा गया है।

30. संविधान के किस प्रावधान के अनुसार सभी अल्पसंख्यक वर्गों को, चाहे वे धर्म पर अथवा भाषा पर आधारित हों, अपनी इच्छानुसार शैक्षिक संस्थाएँ स्थापित करने और उनका संचालन करने का अधिकार है?

- | | |
|-----------------|-----------------|
| (a) अनुच्छेद 29 | (b) अनुच्छेद 30 |
| (c) अनुच्छेद 28 | (d) अनुच्छेद 46 |

PRT-KVS 07–01–2017

Ans : (b) अनुच्छेद 30—(1) धर्म या भाषा पर आधारित सभी अल्पसंख्यक वर्गों को अपनी रुचि की शिक्षा संस्थानों की स्थापना और प्रशासन का अधिकार होगा।

शिक्षा संस्थानों को सहायता देने में राज्य किसी शिक्षा संस्था के विरुद्ध इस आधार पर विभेद नहीं करेगा कि वह धर्म या भाषा पर आधारित किसी अल्पसंख्यक वर्ग के प्रबन्ध में है।

31. प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय शिक्षा दिवस किस दिन मनाया जाता है?

- | | |
|---------------|---------------|
| (a) 2 अक्टूबर | (b) 11 नवम्बर |
| (c) 30 जनवरी | (d) 31 मार्च |

PRT KVS 2010

Ans : (b) प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय शिक्षा दिवस 11 नवम्बर को मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती के मौके पर मनाया जाता है। मौलाना अबुल कलाम आजाद देश के पहले शिक्षा मंत्री रहे। आजाद की जयन्ती को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में 2008 से मनाया जाता है। शिक्षाविद और स्वतंत्रता सेनानी आजाद ने शिक्षित भारत की नींव रखी थी। उन्हें मरणोपरांत देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से भी नवाजा जा चुका है। मुस्लिम समाज में भी शिक्षा को लेकर जागरूकता लाने के लिए उनका अहम योगदान रहा।

2 अक्टूबर – गाँधी जयन्ती तथा लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती

30 जनवरी – को शहीद दिवस

31 मार्च – को वित्तीय वर्ष समाप्त दिवस के रूप में मनाया जाता है।

32. “एक प्रबुद्ध तथा मानवीय समाज की ओर” नामक प्रतिवेदन को निम्नलिखित में से किस नाम से जाना जाता है?

- (a) कोठारी आयोग प्रतिवेदन
- (b) आचार्य राममूर्ति प्रतिवेदन
- (c) यशपाल समिति प्रतिवेदन
- (d) जनर्दन समिति प्रतिवेदन

PRT KVS 2010

Ans : (b) “एक प्रबुद्ध तथा मानवीय समाज की ओर” नामक प्रतिवेदन को “आचार्य राममूर्ति प्रतिवेदन” के नाम से भी जाना जाता है। आचार्य राममूर्ति (22 जनवरी 1993 – 20 मई 2010) गांधीवादी शिक्षाविद और समाजसेवी थे। वे जयप्रकाश नारायण के सहयोगी थे। आचार्य राममूर्ति की अगुवाई में 1990 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति में सुधार के लिए कमेटी का गठन किया गया था। आचार्य राममूर्ति समिति ने अपनी रिपोर्ट में शिक्षा व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन की सिफारिश की थी।

33. एक अध्यापक यह महसूस करता है कि उसके विद्यार्थी उसके अध्यापन से संतुष्ट नहीं हैं, तो उसे क्या करना चाहिए?

- (a) विद्यार्थियों को सलाह दे कि वे प्राइवेट ट्यूशन लगा लें
- (b) उसे स्वयं एक रिफ़ेशर कोर्स करना चाहिए, ताकि उसका अध्यापन सुधर जाए
- (c) कोई और नौकरी ढूँढ़ ले
- (d) मुख्याध्यापक से प्रार्थना करें कि वह उसकी (अध्यापक) कक्षा बदल दें।

PRT KVS 2010

Ans : (b) एक अध्यापक यह महसूस करता है कि उसके विद्यार्थी उसके अध्यापन से संतुष्ट नहीं हैं तो उसे स्वयं एक रिफ़ेशर कोर्स करना चाहिए ताकि उसका अध्यापन सुधर जाए।

34. प्राचीनकाल में औपचारिक शिक्षा का स्वरूप था—

- (a) धार्मिक संस्कार
- (b) युद्ध कौशलों का ज्ञान
- (c) मानवीय मूल्यों का सम्प्रेषण
- (d) उपर्युक्त सभी

PRT KVS 15-12-2013

Ans : (d) प्राचीन काल में औपचारिक शिक्षा का स्वरूप धार्मिक संस्कार, युद्ध कौशलों का ज्ञान मानवीय मूल्यों का सम्प्रेषण आदि था।

35. मानव संसाधन विकास मंत्रालय की स्थापना कब की गई?

- (a) अक्टूबर 26, 1985
- (b) सितम्बर 16, 1985
- (c) सितम्बर 26, 1985
- (d) सितम्बर 10, 1986

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,

28.07.2013

Ans : (c) मानव संसाधन विकास मंत्रालय की स्थापना 26 सितम्बर वर्ष 1985 में की गयी। इसके पहले इसे शिक्षा मंत्रालय के नाम से जाना जाता था।

मंत्रालय को दो विभागों में बाँटा गया है—

1. स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग जो प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा, वयस्क शिक्षा और साक्षरता से सम्बन्धित है।
2. उच्च शिक्षा विभाग जो विश्वविद्यालय शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, छात्रवृत्ति आदि से संबंधित है।

36. स्कूल संकुल (school complex) की परिकल्पना प्रथम स्थापित हुई—

- (a) उत्तर प्रदेश में
- (b) मध्य प्रदेश में
- (c) बिहार में
- (d) राजस्थान में

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,

28.07.2013

Ans : (d) स्कूल संकुल की परिकल्पना सर्वप्रथम राजस्थान में स्थापित हुई। संकुल विद्यालय का तात्पर्य प्राथमिक/प्रारम्भिक विद्यालयों के एक समूह के अकादमिक, पर्यवेक्षक, अनुसमर्थन तथा उन विद्यालयों में पद स्थापित शिक्षकों के अकादमिक मूल्यांकन, पर्यवेक्षक एवं अनुसमर्थन प्रदान करने हेतु स्थापित संस्थान से है।

37. यशपाल कमिटी की रिपोर्ट (1993) का नाम है—

- (a) अध्यापक शिक्षण में
- (b) बिना बोझ के शिक्षण
- (c) प्रसारण द्वारा शिक्षण
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,

28.07.2013

Ans : (b) यशपाल कमिटी की रिपोर्ट (1993) का नाम है—‘बिना बोझ के शिक्षण’। भारत सरकार ने यशपाल समिति का गठन वर्ष 1992 में किया था जिसका मुख्य कार्य विद्यालयी बच्चों पर से शैक्षिक बोझ को कम करने के उपाय सुझाना था। ‘शिक्षण बिना बोझ के’ रिपोर्ट की रोशनी में ही राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2000 तथा 2005 का निर्माण किया गया।

38. शिक्षण के ऊपर “कोठारी कमीशन” की रिपोर्ट का शीर्षक था—

- (a) शिक्षा और राष्ट्रीय विकास
- (b) लर्निंग ‘टु बी’
- (c) शिक्षण में विविधता
- (d) शिक्षण सभी के लिए

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,

28.07.2013

Ans : (a) शिक्षण के ऊपर 'कोठारी कमीशन (1964-66) की रिपोर्ट' का शीर्षक था- 'शिक्षा और राष्ट्रीय विकास'। कमीशन ने शिक्षा और राष्ट्रीय विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पाँच सूत्रीय सुझाव दिये-

- शिक्षा द्वारा उत्पादन में वृद्धि।
- सामाजिक एवं राष्ट्रीय एकता का विकास।
- प्रजातंत्र की सुदृढ़ता।
- आधुनिकीकरण की प्रक्रिया में तीव्रता।
- सामाजिक, नैतिक एवं आध्यात्मिक मान्यताओं का विकास एवं चरित्र-निर्माण।

39. माध्यमिक स्तर पर सह शिक्षा के बारे में, 1952-53

शिक्षा आयोग ने सुझाव दिया है कि-

- शुरू करने के लिए, कई राज्यों द्वारा संसाधनों का वहन नहीं किया जा सकता है।
- सहशिक्षा विद्यालय का विस्तार करने में आपत्ति नहीं होनी चाहिए।
- लड़कों और लड़कियों के लिए अलग स्कूल बनाए जाने चाहिए।
- हमारे देश की परिस्थिति सह शिक्षा विद्यालय से अधिक लड़कों के स्कूलों की स्थापना की मांग कर रही है।

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (a) माध्यमिक शिक्षा आयोग 1952-53 ने माध्यमिक स्तर पर सह-शिक्षा शुरू करने पर सुझाव दिया कि सह शिक्षा शुरू करने के लिए कई राज्यों द्वारा संसाधनों का वहन नहीं किया जा सकता है। ध्यातव्य है कि माध्यमिक शिक्षा आयोग जिसे मुदालियर आयोग भी कहा जाता है, ने माध्यमिक शिक्षा की समस्याओं का अध्ययन कर 29 अगस्त 1953 को अपना सुझाव भारत सरकार को प्रस्तुत किया।

40. 1979 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति, ने पब्लिक स्कूलों के बारे में की भी सिफारिश की थी।

- उनकी विशिष्टता और पंरपराओं को देश की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं के हितों को संरक्षित करना चाहिए।
- उन्हें सरकारी सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली के कानूनों और नियमों के तहत लाया जाना चाहिए।
- उन्हें स्वायत्ता की अनुमति दी जानी चाहिए जिसे उन्हें शिक्षा की विगत प्रणाली द्वारा प्रदान किया गया है।
- उपयुक्त अनुपात को मध्यम वर्ग और गरीब छात्रों के दाखिले के लिए बनाए रखा जाना चाहिए।

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (d) 1979 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति, ने पब्लिक स्कूलों के बारे में उपयुक्त अनुपात को मध्यम वर्ग और गरीब छात्रों के दाखिले के लिए बनाए रखा जाना चाहिए, की भी सिफारिश की थी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1979 के अनुसार पब्लिक स्कूलों का सामान्य स्कूलों से एकीकरण, तकनीकी शिक्षा पर बल और प्राथमिक शिक्षा को प्रथम, प्रौढ़ शिक्षा को द्वितीय तथा माध्यमिक शिक्षा को तृतीय प्राथमिकता क्रम में रखकर शिक्षा का विकास किया जाये।

41. भारत सरकार द्वारा अपनाई 1968 राष्ट्रीय नीति शिक्षक शिक्षा ने शिक्षकों की शिक्षा के निम्नलिखित पहलुओं पर जोर दिया है-

- शिक्षकों के लिए पर्याप्त वेतन और अकादमिक स्वतंत्रता।
- शिक्षकों के लिए यात्रा भत्ता और परिवार पेंशन।
- शिक्षकों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण और पत्राचार शिक्षा।
- शिक्षकों के लिए पदोन्तति और सेवानिवृत्ति की सुविधा।

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (a) भारत सरकार द्वारा अपनायी गयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968 में शिक्षकों के लिए कहा गया है कि शिक्षकों का वेतन और सेवा की शर्तें उनके सामाजिक और व्यावसायिक दायित्व के अनुरूप हों और ऐसी हो जिनसे प्रतिभाशाली व्यक्ति शिक्षक व्यवसाय की ओर आकृष्ट हों। यह प्रयत्न किया जायेगा कि पूरे देश में वेतन में, सेवा शर्तों में और शिकायतें दूर करने की व्यवस्था में समानता का वांछनीय उद्देश्य प्राप्त किया जा सके। इससे यह भी कहा गया है कि शिक्षकों को अकादमिक स्वतंत्रता दी जायेगी जिससे वे अपने शिक्षण व्यवसाय के प्रति जिम्मेदारी अनुभव करें।

42. स्काईबर्न और कोल ने अनौपचारिक शिक्षा की विशिष्ट विशेषताओं को पहचाना है, वो है-

- अनौपचारिक शिक्षा व्यक्ति उन्मुख होती है।
- अनौपचारिक शिक्षा परम्परावाद को बढ़ावा देती है।
- अनौपचारिक शिक्षा में भावनात्मक और बौद्धिक ज्ञानक्षेत्र शामिल होता है।

- i और iii
- ii और iii
- ii और iii
- केवल iii

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (b) स्काईबर्न और कोल ने अनौपचारिक शिक्षा की निम्न विशिष्ट विशेषताओं को पहचाना है-

- अनौपचारिक शिक्षा व्यक्ति उन्मुख होती है।
- अनौपचारिक शिक्षा परम्परावाद को बढ़ावा देती है।
- अनौपचारिक शिक्षा में भावनात्मक और बौद्धिक ज्ञानक्षेत्र शामिल होता है।

इसके अलावा अनौपचारिक शिक्षा की निम्न विशेषताएँ होती हैं-

- इसमें बालक स्वतंत्र वातावरण में शिक्षा ग्रहण करता है।
- यह बालक की रुचि व जिज्ञासा पर आधारित होती है।
- इसमें बालक अपने अनुभवों के माध्यम से शिक्षा प्राप्त करता है।

8.

शिक्षा से सम्बन्धित प्रमुख संस्थाएँ एवं उनके कार्य

1. का उद्देश्य देशभक्ति की भावनाओं का विकास है।
- (a) व्यावसायिक स्कूल
 - (b) राष्ट्रीय स्कूल
 - (c) शान्ति निकेतन स्कूल
 - (d) गुरुकुल स्कूल

NVS, PGT 19–09–2019

Ans : (b) राष्ट्रीय स्कूल का उद्देश्य देशभक्ति की भावनाओं का विकास करना है। कोठारी कमीशन (1964) ने अपने प्रतिवेदन में स्कूलों में देशभक्ति की भावना का विकास, नैतिक, सामाजिक तथा आध्यात्मिक मूल्यों को समाविष्ट करना, ऐसी पाठ्यचर्चा का निर्माण करना जिसमें विश्व के धर्मों के विषय के जानकारी हो, आदि मुद्दों को शामिल किया है।

2. NCERT द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा समीक्षा पर विचार–विमर्श के दौरान किसी किशोर लड़की द्वारा सुझाए गए क्या विशिष्ट उपाय थे?
- (a) अलग–अलग अवधारणाओं को स्पष्टता के साथ समझाने के लिए बच्चों को रोजमर्रा की वास्तविकताओं के उदाहरण देना
 - (b) माध्यमिक स्तर पर लड़कियों की भागीदारी की कमी के कारणों की पहचान करना।
 - (c) लड़कों में लड़कियों के प्रति उनके व्यवहार के बारे में अधिक आत्म जागरूकता पैदा करना
 - (d) लड़कियों के लिए अलग शौचालयों का निर्माण करना

NVS, TGT 18–09–2019 (II)

Ans : (c) NCERT द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा समीक्षा पर विचार–विमर्श के दौरा किसी किशोर लड़की द्वारा सुझाया गया विशिष्ट उपाय यह था कि लड़कों में लड़कियों के प्रति उनके व्यवहार के बारे में अधिक आत्म–जागरूकता पैदा करना चाहिए।

3. NCERT के दिशानिर्देशों के अनुसार, विद्यालयों में कला शिक्षा के लिए कितना समय आवंटित किया जाना चाहिए?
- (a) कुल समय का 1/5 (b) कुल समय का 1/4
 - (c) कुल समय का 1/3 (d) कुल समय का 1/6

NVS, TGT 18–09–2019 (II)

Ans : (b) NCERT के दिशानिर्देशों के अनुसार विद्यालयों में कला शिक्षा के लिए कुल समय का 1/4 भाग आवंटित किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्थान है जो विद्यालयी शिक्षा से जुड़े मामलों पर केन्द्र व राज्य को सलाह देती है।

4. NCERT के अनुसार, की आयु तक बच्चे में समस्या निवारण कौशल विकसित हो जाता है।
- (a) +2 साल
 - (b) +4 साल
 - (c) +1 साल
 - (d) +3 साल

NVS, PGT 17–09–2019 II

Ans : (b) NCERT के अनुसार, +4 साल की आयु तक बच्चे में समस्या निवारण कौशल विकसित हो जाता है। प्रायः 4–5 वर्ष की आयु में बच्चों में वाणी के अर्थ को समझने तथा वाणी के माध्यम से अपने विचारों या भावों को व्यक्त करने की योग्यता विकसित हो जाती है।

5. 1998 में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (NCTE) की रिपोर्ट में पाया गया कि शिक्षक परिवर्तन लाने वाले महत्वपूर्ण कारक होते हैं, वे न केवल ज्ञान का प्रसार करते हैं, बल्कि।
- (a) नया ज्ञान सीखते हैं
 - (b) नए ज्ञान की पहचान करते हैं
 - (c) ज्ञान हस्तानांतरित करते हैं
 - (d) नया ज्ञान उत्पन्न करते हैं

NVS, PGT 17–09–2019 II

Ans : (d) 1998 में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (NCTE) की रिपोर्ट के अनुसार, शिक्षक परिवर्तन लाने वाले महत्वपूर्ण कारक होते हैं जो न केवल ज्ञान का प्रसार करते हैं बल्कि नया ज्ञान उत्पन्न करते हैं। एन.सी.टी.ई. का मूल उद्देश्य समूचे भारत में अध्यापक शिक्षा प्रणाली का नियोजित और समन्वित विकास करना, अध्यापक शिक्षा प्रणाली में मानदंडों और मानकों का विनियमन तथा उन्हें समुचित रूप से बनाये रखना है।

6. NCERT के अनुसार, एक प्राथमिक विद्यालय में, छोटे बच्चों के लिए तथ विकास किसी शिक्षण दिन के चार शिक्षण घंटों में से बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने के लिए कितना समय दिया जाना चाहिए?

- (a) 30 मिनट
(c) 20 मिनट

- (b) 45 मिनट
(d) 60 मिनट

NVS, PGT 17-09-2019

Ans : (a) NCERT के अनुसार, एक प्राथमिक विद्यालय में छोटे बच्चों के लिए तय किसी शिक्षण दिन के चार शिक्षण घंटों में से बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने के लिए 30 मिनट का समय दिया जाना चाहिए। ध्यातव्य है कि NCERT की स्थापना सरकार द्वारा विद्यालयी शिक्षा में गुणात्मक सुधार हेतु केन्द्र और राज्य सरकारों को नीतियों और कार्यक्रमों में सहायता और सलाह देने के लिए की गयी थी।

7. एन.सी.ई.आर.टी. के विषय में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?
- (a) यह सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत संस्था है
 - (b) यह भारत सरकार की एक स्वायत्त संस्था है
 - (c) इस का मुख्य सरोकार विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाना है
 - (d) यह एक सांविधिक संस्था है जिसकी स्थापना संसद के अधिनियम द्वारा की गई है

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (d) एन.सी.ई.आर.टी. (NCERT – National Council of Educational Research and Training) राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद भारत सरकार द्वारा वर्ष 1961 में स्थापित एक स्वायत्त संस्थान है, जो विद्यालयी शिक्षा से जुड़े मामलों पर केन्द्रीय सरकार एवं प्रान्तीय सरकारों को सलाह देने के उद्देश्य से स्थापित की गयी है। यह परिषद भारत में स्कूल शिक्षा सम्बन्धी सभी नीतियों पर कार्य करती है। यह सांविधिक संस्था नहीं है।

8. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आरम्भ किये हैं।
- (a) डिग्री (b) विश्वविद्यालय
 - (c) डिग्री कॉलेज और विश्वविद्यालय दोनों
 - (d) स्कूल

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (c) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने डिग्री कॉलेज और विश्वविद्यालय दोनों में शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आरम्भ किये हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग शिक्षकों के चयन हेतु आवश्यक नियम, कानून बनाता है तथा उसके शिक्षण की शर्तें एवं न्यूनतम योग्यता इत्यादि का निर्धारण करता है।

7. राष्ट्रीय शिक्षण अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद की स्थापना इस साल हुई—
- (a) 1961 (b) 1962
 - (c) 1963 (d) 1964

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (a) राष्ट्रीय शिक्षण अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद की स्थापना वर्ष 1961 में हुई थी। यह भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्थान है जो विद्यालयी शिक्षा से जुड़े मामलों पर केन्द्रीय सरकार एवं प्रान्तीय सरकारों को सलाह देने के उद्देश्य से स्थापित की गयी थी। यह परिषद भारत में स्कूली शिक्षा सम्बन्धी सभी नीतियों पर कार्य करती है।

8. निम्नलिखित में से कौन सी संस्था अपांग व्यक्तियों को दी जाने वाली सेवाओं का विनियमन तथा मॉनिटरिंग करती है?

- (a) सामाजिक सुरक्षा राष्ट्रीय संस्थान
- (b) राष्ट्रीय पुस्तक ट्रस्ट
- (c) भारतीय पुनर्वास परिषद
- (d) लोक सहयोग और बाल विकास का राष्ट्रीय संस्थान

PRT-KVS 07-01-2017

Ans : (c) भारतीय पुनर्वास परिषद— भारतीय पुनर्वास परिषद को एक पंजीकृत सोसायटी के रूप में 1986 में स्थापित किया गया था। सितम्बर 1992 को भारतीय पुनर्वास परिषद अधिनियम संसद द्वारा पारित किया गया और उस अधिनियम के द्वारा भारतीय पुनर्वास परिषद एक सांविधिक निकाय के रूप में 22 जून 1993 को अस्तित्व में आयी। इस जनादेश के द्वारा भारतीय पुनर्वास परिषद को नीतियों व कार्यक्रमों को विनियमित करने, विकलांगता वाले व्यक्तियों के पुनर्वास एवं शिक्षा का दायित्व दिया गया।

9. निम्नलिखित में से कौन-सा कार्य NCERT का नहीं है?

- (a) विद्यालय के लिए पाठ्य-पुस्तक का निर्माण करना
- (b) विद्यालय सर्टिफिकेट परीक्षाओं का संचालन करना
- (c) विद्यालय-शिक्षा में होने वाले शोध कार्यों को वित्तीय सहायता प्रदान करना
- (d) शिक्षा नीतियों पर सरकार को सलाह देना

PRT KVS 2010

Ans : (b) विद्यालय सर्टिफिकेट परीक्षाओं का संचालन करना यह कार्य NCERT का नहीं है, NCERT के कार्य निम्नलिखित हैं—

1. स्कूली शिक्षा के विभिन्न स्तरों के लिए पाठ्य पुस्तकों का निर्माण करना।
2. स्कूली शिक्षा के विभिन्न स्तरों के उद्देश्य निश्चित करना।
3. स्कूलों में विज्ञान की शिक्षा हेतु विज्ञान किटें तैयार करना।
4. प्रतिभा खोज परीक्षा और जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा का सम्पादन करना।
5. प्रौढ़ शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी सहयोग प्रदान करना।

10. उद्देश्यों का किस रूप में सार्थक होना आवश्यक है, ताकि अधिगम प्रभावी हो सके?

- (a) अध्येताओं की आवश्यकताओं तथा प्रयोजन
- (b) पाठ्यचर्यात्मक उद्देश्य
- (c) विद्यालय के मानदण्ड
- (d) अन्तर्निहित बौद्धिक विचार

PRT KVS 2010

Ans : (a) उद्देश्यों का अध्येताओं की आवश्यकता तथा प्रयोजन के रूप में सार्थक होना आवश्यक है ताकि अधिगम प्रभावी हो सके। दूसरे शब्दों में अधिगम तभी प्रभावी होता है जब वह अधिगमकर्ताओं की आवश्यकताओं और उद्देश्यों की पूर्ति करें।

11. राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद का ध्येय है—

- (a) शिक्षा के कालेज खोलना
- (b) शिक्षा क्षेत्र के अनुसंधान को बढ़ावा देना
- (c) शिक्षा क्षेत्र के कालेजों में शिक्षा स्तर को बनाए रखना
- (d) शिक्षा क्षेत्र के कालेजों को अनुदान प्रदान करना

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (c) राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) का मुख्य उद्देश्य सम्पूर्ण देश में अध्यापक शिक्षा प्रणाली के योजनागत और समन्वित विकास को प्राप्त करना और इससे संबंधित मामलों हेतु अध्यापक शिक्षा प्रणाली में मानकों और मापदंडों का विनियमन और उचित अनुरक्षण करना है। शिक्षा क्षेत्र में कालेजों में शिक्षा स्तर को बनाए रखना एक मुख्य ध्येय है।

12. नई शिक्षा नीति का उद्देश्य क्या है?

- (a) सब के लिए शिक्षा का अवसर प्रदान करना
- (b) सम्पूर्ण शिक्षा पद्धति को बेहतर बनाना
- (c) शिक्षा को व्यवसाय के साथ जोड़ना
- (d) भाषा-संसाधनों का अभाव है

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (b) नई शिक्षा नीति को मई 1986 में संसद द्वारा स्वीकार किया गया। इस नीति का उद्देश्य संपूर्ण शिक्षा पद्धति को बेहतर बनाना है। इसके लिए सभी को शिक्षा का समान अवसर उपलब्ध करवाना ही पर्याप्त नहीं है अपितु ऐसी व्यवस्था का होना भी जरूरी है जिससे सभी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के समान अवसर मिले।

13. NCERT की स्थापना इस साल हुई—

- (a) 1961
- (b) 1962
- (c) 1963
- (d) 1964

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (a) NCERT (National Council of Educational Research and Training) की स्थापना 1 सितम्बर 1961 को हुई थी।

14. यू.जी.सी. (U.G.C.) में केन्द्र सरकार के कितने प्रतिनिधि हैं?

- (a) 09
- (b) 02
- (c) 06
- (d) 03

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (b) यू.जी.सी. (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) में केन्द्र सरकार के 2 प्रतिनिधि होते हैं। यू.जी.सी. की स्थापना राधाकृष्णन आयोग (1948) की सिफारिश पर 28 दिसम्बर 1953 को तत्कालीन शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद द्वारा औपचारिक रूप से उद्घाटन करके किया गया, तथापि औपचारिक रूप से संसद के एक अधिनियम के माध्यम से ही भारत के एक सांविधिक निकाय के रूप में नवम्बर में स्थापित हुई।

15. एन.यू.इ.पी.ए. (NUEPA) मुख्यतः किससे संबंधित है?

- (a) शैक्षणिक देखभाल
- (b) शैक्षणिक एकता
- (c) शैक्षणिक योजना
- (d) शैक्षणिक मूल्यांकन

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,

28.07.2013

Ans : (c) राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (National Institute of Educational Planning and Administration) न्यूपा की स्थापना आरम्भिक रूप से फरवरी 1962 में यूनेस्को तथा भारत सरकार के बीच हस्ताक्षरित समझौते के अंतर्गत शैक्षिक योजनाकारों, प्रशासकों तथा पर्यवेक्षकों के लिए एशिया क्षेत्रीय केन्द्र के रूप में हुई थी। इस केन्द्र का मुख्य कार्य एशिया के शैक्षिक योजनाकारों, प्रशासकों तथा पर्यवेक्षकों के लिए शैक्षिक योजना, प्रशासन तथा विद्यालय पर्यवेक्षक से सम्बन्धित समस्याओं पर अनुसंधान तथा अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन तथा सदस्य राज्यों को तकनीकी सहायता प्रदान करना था।

16. सड़क के बच्चों के लिए बाल गृह, घर, प्रायोजित शिक्षा, गरीब विद्यार्थियों के लिए शिक्षा सामग्री का वितरण, शिक्षा प्रयोजक— स्कूल और ट्यूशन फीस और अनाथालय द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रम हैं।

- (a) सीडब्ल्यू
- (b) डीसीडब्ल्यू
- (c) स्यूडस
- (d) इनमें से कोई नहीं

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (c) सड़क के बच्चों के लिए बाल गृह, घर, प्रायोजित शिक्षा, गरीब विद्यार्थियों के लिए शिक्षा सामग्री का वितरण, शिक्षा प्रयोजक स्कूल और ट्यूशन फीस और अनाथालय स्यूडस द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रम हैं।

17. राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NPE), 1986 ने निम्नलिखित में से किसके लिए 'एकीकृत कार्यक्रम' विकसित करने का सुझाव दिया था?

- (a) लड़के और लड़कियों की सहशिक्षा के लिए
- (b) मानसिक रूप से विकलांगों की शिक्षा के लिए
- (c) विकलांग बच्चों के नियमित स्कूलों में पढ़ने के लिए
- (d) विकलांग बच्चों के विशेष स्कूलों में पढ़ने के लिए

NVS PGT 2018

Ans : (c) राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 ने विकलांग बच्चों के नियमित स्कूलों में पढ़ने के लिए 'एकीकृत कार्यक्रम' विकसित करने का सुझाव दिया था।

9.

शिक्षा में व्यवस्थागत सुधार एवं एन.सी.एफ.

1. कक्षा I, II और III के दौरान, बच्चे किताबें पढ़ने और कहानियों को सुनने के प्रतीकात्मक अनुभवों से शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। हालांकि पढ़े हुए को वे किस प्रकार से समझते हैं यह से संबंधित होने की उनकी क्षमता पर आधारित होती है।
- उनके अपने स्वयं के अनुभव के लिए लिखे हुए शब्द
 - कहानी की सामग्री में उपयोग किए गए प्रतीक
 - एक किताब से दूसरी किताब के लिए लिखे हुए शब्द
 - पुस्तक में चित्र के लिए लिखे हुए शब्द

NVS, PGT 19-09-2019

Ans : (a) प्राथमिक स्तर की कक्षाओं में, बच्चे पढ़े हुए को किस प्रकार समझते हैं यह उनके अपने स्वयं के अनुभव के लिए लिखे हुए शब्दों से संबंधित होने की उनकी क्षमता पर आधारित होती है। स्व-अनुभव द्वारा अर्जित ज्ञान ज्यादा स्थायी और उपयोगी होता है।

2. निम्न में से क्या 1978 में, शुरू किए गए राष्ट्रीय वयस्क शिक्षा कार्यक्रम {National Adult Education Programme (NAEP)} का उद्देश्य नहीं है?

- रोजगार सृजन
- कार्यात्मक क्षमताओं को बढ़ावा देना
- साक्षरता को बढ़ावा देना
- जागरूकता को बढ़ावा देना

NVS, TGT 18-09-2019 (II)

Ans : (a) 1978 में शुरू किए गए राष्ट्रीय वयस्क शिक्षा कार्यक्रम {National Adult Education Programme (NAEP)} का निम्नलिखित उद्देश्य है-

- कार्यात्मक क्षमताओं को बढ़ावा देना
- साक्षरता को बढ़ावा देना
- जागरूकता को बढ़ावा देना।

जबकि रोजगार सृजन राष्ट्रीय वयस्क शिक्षा कार्यक्रम का उद्देश्य नहीं है।

3. 1986-87 में किए गए राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण के अनुसार, का नामांकन विद्यार्थियों के रूप में नहीं हो पाया क्योंकि उनकी प्राथमिकताएँ घर के कामों में शामिल होती थीं।

- शहरी क्षेत्रों के पुरुषों और महिलाओं
- केवल शहरी क्षेत्रों के पुरुषों
- केवल ग्रामीण क्षेत्रों के महिलाओं
- शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के पुरुषों और महिलाओं

NVS, TGT 18-09-2019 (II)

Ans : (d) 1986-87 में किए गए राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण के अनुसार, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के पुरुषों और महिलाओं का नामांकन विद्यार्थियों के रूप में नहीं हो पाया क्योंकि उनकी प्राथमिकताएँ घर के कामों में शामिल होती थी। राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन भारत सरकार के सांचिकी मंत्रालय के अधीन एक संगठन है। यह भारत का सामाजिक - आर्थिक सर्वेक्षण करने वाला सबसे बड़ा संगठन है। इसकी स्थापना 1950 में की गई थी।

4. 5 मई 1988 को स्थापित राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्राधिकरण (NLMA) का उद्देश्य क्या है?

- शैक्षिक नीतियों के बेहतर कार्यान्वयन करने के लिए शैक्षिक संगठनों का पुनर्गठन करना
- वयस्क शिक्षा में गंभीरता और इसकी आवश्यकता की नवीन भावना का संचार करना
- सभी के लिए शिक्षा की नीति को एक उत्साह से लागू करना
- लोगों को निष्पक्षता और समानता के बारे में जागरूक करना

NVS, TGT 18-09-2019

Ans : (b) राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्राधिकरण (NLMA) भारत सरकार द्वारा 5 मई 1988 में शुरू किया गया एक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम है। राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्राधिकरण मानव संसाधन और विकास मंत्रालय के एक स्वतंत्र विंग के मार्गदर्शन में काम करता है जिसका लक्ष्य 15 से 35 आयु वर्ग के वयस्कों को साक्षरता के द्वारा शिक्षित करना है। राष्ट्रीय साक्षरता मिशन का मतलब न केवल पढ़ना, लिखना और गिनाना सिखाना होता है बल्कि लोगों को अपने जीवन को बदलने और आगे बढ़ने तथा समझने में मदद करना है।

5. राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा (NCF) 2005, स्कूलों में विज्ञान पढ़ाने के लिए किस शैक्षणिक दृष्टिकोण को अपनाने का सुझाव देता है?

- प्रयोगशाला कार्य
- क्षेत्र यात्राएँ (फैल्ड ट्रिप)
- एकाधिक बौद्धिक दृष्टिकोण
- पूछताछ आधारित दृष्टिकोण

NVS, TGT 18-09-2019

Ans : (d) राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा-2005, स्कूलों में विज्ञान पढ़ाने के लिए पूछताछ आधारित दृष्टिकोण को अपनाने का सुझाव देता है। एन.सी.एफ.-2005 का मानना है कि प्रत्येक प्रश्न कुछ नये विचार लेकर आता है और उससे कुछ गलतफहमियाँ दूर होती हैं। इसलिए किसी भी कथन को विश्लेषण के बिना स्वीकार नहीं करना चाहिए, सवाल पूछना चाहिए। हो सकता है सभी प्रश्नों के उत्तर न मिलें लेकिन बच्चों को इससे बेहतर सीखने में मदद मिल सकती है।

NVS, PGT 17-09-2019 II

Ans : (d) निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009, 6-14 साल के बच्चों पर लागू होता है। ध्यातव्य है कि दिव्यांग बच्चों के लिए 6-18 वर्ष की आयु तक मुफ्त शिक्षा के अधिकार की व्यवस्था की गयी है।

NVS PGT 17-09-2019 II

Ans : (a) छात्रों को कक्षा के बाहर पढ़ाने पर वे अपने आस-पास के पर्यावरण को बेहतर तरीके से समझ पाते हैं तथा अपने स्कूली ज्ञान को बाहरी दुनिया से जोड़ पाते हैं। इसके साथ ही वे चीजों को प्रत्यक्ष रूप से अनभव करते हैं जिससे उनका ज्ञान स्थायी होता है।

NVS, PGT 17-09-2019 II

Ans : (a) थिएटर कला का ऐसा रूप है जो पाठ्यपुस्तक की जीवित बना देता है। रंगमंच में मौखिक रूप से संवाद कौशल, वाक्‌कौशल सब विकसित होता है। थिएटर, विषय का सजीव चित्रण प्रस्तुत करता है जिससे शिक्षार्थी में रुचि उत्पन्न होती है तथा वे अधिक उत्सक्तपार्वक ज्ञान अर्जित करते हैं।

NVS, PGT 17-09-2019 II

Ans : (c) भारत में वर्तमान शैक्षिक प्रणाली के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती शिक्षा में समानता है। यद्यपि शिक्षा के प्रत्येक स्तर पर पहुँच को बढ़ाने और भागीदारी की दृष्टि से भारत ने महत्वपूर्ण प्रगति की है फिर भी देश में शिक्षा के विकास की सम्पूर्ण स्थिति मिली-जुली रही है। वर्तमान में शिक्षा तक पहुँच और भागीदारी, प्रदान की जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता, शिक्षा में समता, व्यवस्थागत कार्यकुशलता, प्रशासन एवं प्रबंधन आदि वर्तमान शिक्षा की चुनौतियाँ हैं।

10. राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा (NCF) 2005 के अनुसार छात्रों को तक नृत्य के मूल लक्षणों से परिचित करवा दिया जाना चाहिए।

Ans : (c) राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा (NCF)–2005 के अनुसार छारों को उच्च प्राथमिक चरण तक नृत्य के मूल लक्षणों से परिचित करवा दिया जाना चाहिए। एन.सी.एफ. के अनुसार कला-शिक्षा आवश्यक रूप से एक उपकरण और विषय के रूप में शिक्षा का हिस्सा हो और हर स्कूल में इससे सम्बंधित सुविधाएँ हों। कला के अंतर्गत-संगीत, नृत्य, दृश्य कला और नाटक-चारों को शामिल किया जाना चाहिए।

11. निम्न में से कौन प्री-स्कूल के लिए गुणवत्ता संबंधित मद्दा नहीं है?

(a) अप्रभावी अध्यापन

- (a) उत्तराधिकारी
 - (b) पैतृकसहयोग की कमी
 - (c) प्रशिक्षित शिक्षक की कमी
 - (d) अनुचित पाठ्यक्रम

NVS, PGT 17-09-2019

Ans : (b) अभिभावक सहयोग की कमी, प्री-स्कूल में गुणवत्ता सम्बन्धित समस्या नहीं है जबकि अप्रभावी अध्यापन, प्रशिक्षित अध्यापक की कमी, अनुचित पाठ्यक्रम आदि प्री-स्कूल में गुणवत्ता सम्बन्धी समस्या हो सकती है जो शिक्षण-अधिगम को प्रभावित कर सकती है।

12. राष्ट्रीय पाठ्यचर्चाया की रूपरेखा 2005 में कक्षा II तक गृहकार्य की अनुशंसा नहीं की गई है। कक्षा III से प्रति सप्ताह कितने घण्टे के गृहकार्य की अनुशंसा की गयी है?

BRT KVS 16-12-2017

PRT-KVS, 10-12-2017

13. निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार, अनुच्छेद 45 से हटाकर अनुच्छेद 21 A में रखा गया है। अब अनुच्छेद 45 किससे संबंधित है?

(a) छ: वर्ष तक की आयु के बच्चों की शिक्षा और देखभाल

- (b) शून्य से 14 वर्ष तक की आयु के बच्चों की शिक्षा और देखभाल
 - (c) 14 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों की शिक्षा और देखभाल
 - (d) 14 वर्ष तक के विद्यालय छोड़ देने वाले बच्चों की शिक्षा और देखभाल

PRT-KVS 16-12-2017

Ans : (a) अनुच्छेद 45 के अनुसार, “छः वर्ष से कम आयु के बालकों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था देख-रेख और शिक्षा का उपबंध” है। दूसरे शब्दों में राज्य सभी बालकों के लिए छः वर्ष की आयु पूरी करने तक, प्रारंभिक बाल्यावस्था देख-रेख और शिक्षा देने के लिए उपबंध करने का प्रयास करेगा।

14. विद्यालय में बच्चों को शारीरिक दण्ड और मानसिक उत्पीड़न अब—

- (a) आंशिक रूप से प्रतिबंधित है
- (b) पूर्णतः प्रतिबंधित है
- (c) अत्यन्त विशेष परिस्थितियों में ही दिया जा सकता है
- (d) गैर सहायता प्राप्त पूर्णतः निजी विद्यालयों में दिया जा सकता है

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (b) शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 17 में विद्यालय में बच्चों को शारीरिक दण्ड और मानसिक उत्पीड़न को पूर्णतः प्रतिबंधित किये जाने का उल्लेख किया गया है।

15. राष्ट्रीयता के लिए शिक्षा का एक अवगुण क्या है?

- (a) धृष्णा और भय का विकास
- (b) राजनैतिक एकता
- (c) स्वार्थपरकता को प्रेरण
- (d) सामाजिक-आर्थिक विकास

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (c) राष्ट्रीयता के लिए शिक्षा का एक अवगुण स्वार्थपरकता को प्रेरण देना है। इसलिए एन.सी.एफ. 2005 में विचार और कर्म की स्वतंत्रता, दूसरों की भलाई और भावनाओं के प्रति संवेदनशीलता, नयी स्थितियों का लचीलापन और अर्थिक प्रक्रियाओं तथा सामाजिक बदलाव में योगदान देने के लिए काम करने की क्षमता आदि को शामिल किया गया है ताकि बच्चों में सहयोग व सद्भावना का विकास किया जा सके।

16. कक्षा 1 से 5 के विद्यालय में कुल 62 विद्यार्थी हैं, शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के अनुसार वहाँ कितने शिक्षक उपलब्ध कराने होंगे?

- (a) एक
- (b) दो
- (c) तीन
- (d) चार

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (c) शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के अनुसार, प्राथमिक स्तर पर प्रत्येक 60 बच्चों पर दो प्रशिक्षित शिक्षक उपलब्ध कराए जाने चाहिए। इसलिए प्रश्नानुसार, 62 विद्यार्थी पर तीन शिक्षक उपलब्ध कराने होंगे।

17. एक प्राथमिक शिक्षक को शिक्षण और तैयारी के लिए कितने कार्य घण्टे प्रति सप्ताह, शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के अंतर्गत, विहित किए गए हैं?

- (a) 40
- (b) 45
- (c) 50
- (d) 55

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (b) शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के अन्तर्गत एक प्राथमिक शिक्षक को शिक्षण और तैयारी के लिए 45 कार्य घण्टे प्रति सप्ताह विहित किए गए हैं।

18. राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा 2005 के अनुसार निम्नांकित में से कौन-सा प्रमुख बदलाव नहीं है?

- (a) अध्यापक केन्द्रित से अध्येता केन्द्रित की ओर
- (b) अध्येता स्वायत्ता से अध्यापक अभिदशा की ओर

- (c) निष्क्रिय से सक्रिय अधिग्रहण की ओर
- (d) कक्षा-कक्ष की चहारदीवारी में अधिगम से विस्तृत सामाजिक परिप्रेक्ष्य की ओर

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (b) राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा, 2005 के अनुसार अध्येता स्वायत्ता से अध्यापक अभिदशा की ओर बदलाव नहीं है जबकि अन्य अध्यापक केन्द्रित से अध्येता केन्द्रित की ओर, कक्षा-कक्ष की चहारदीवारी में अधिगम से विस्तृत सामाजिक परिप्रेक्ष्य की ओर तथा निष्क्रिय से सक्रिय अधिगम अधिग्रहण की ओर, एन.सी.एफ. के प्रमुख बदलावों में से हैं।

19. 'ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड' से संबंधित है।

- (a) ग्रामीण विद्यालयों में ब्लैकबोर्ड उपलब्ध कराने से
- (b) सार्वभौमिक पंजीकरण कराने से
- (c) सभी विद्यालय में आधारभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराने
- (d) बीच में ही विद्यालय छोड़ने को रोकने

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (c) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 की कार्ययोजना में ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड अभियान चलाने की संकल्पना की गयी। ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड का उद्देश्य प्राथमिक विद्यालयों में पाठ्य सामग्री तथा शिक्षक उपकरण जैसी न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था को सुनिश्चित करना है।

20. NCF 2005 के अनुसार, शिक्षक की भूमिका एक की होती है।

- (a) नेता
- (b) मूल्यांकन
- (c) प्रशिक्षक
- (d) उपर्युक्त सभी

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (c) NCF 2005 के अनुसार, शिक्षक की भूमिका एक प्रशिक्षक की होती है। अब शिक्षक की भूमिका ज्ञान के स्रोत के बदले एक सहायक की हो गयी है जो सूचना को ज्ञान/बोध में बदलने की प्रक्रिया में विविध उपायों से शिक्षार्थियों को उनके शैक्षिक लक्ष्यों की पूर्ति में मदद करता है।

21. NCF 2005 की संस्तुतियों के अनुसार, लघु उत्तरात्मक प्रश्नों का प्रतिशत होना चाहिए।

- (a) 5-10%
- (b) 25-40%
- (c) 70-80%
- (d) उपर्युक्त सभी

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (b) NCF 2005 की संस्तुतियों के अनुसार, लघु उत्तरात्मक प्रश्नों का प्रतिशत 25-40% होना चाहिए और बाकी बहुविकल्पी प्रश्न होने चाहिए। उपस्थित विद्यार्थियों को 90% पर्चा पूरी तरह आना चाहिए और वे उसकी समीक्षा करने में भी सक्षम हों।

22. NCF 2005 मुख्यतः पर आधारित है।

- (a) व्यवहारवाद
- (b) संज्ञानात्मकवाद
- (c) मानवतावाद
- (d) संरचनावाद

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (d) NCF 2005 मुख्यतः संरचनावाद पर आधारित है। संरचनावाद के अनुसार बच्चे अपने ज्ञान का निर्माण स्वयं करते हैं। राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा 2005 के अनुसार सक्रिय गतिविधि के जरिये ही बच्चा अपने आस-पास की दुनिया को समझने की कोशिश करता है। इसलिए प्रत्येक साधन का उपयोग इस तरह किया जाना चाहिए कि बच्चों को खुद को अभिव्यक्त करने में, वस्तुओं का इस्तेमाल करने में, अपने प्राकृतिक और सामाजिक परिवेश की खोजबीन करने में और स्वस्थ रूप से विकसित होने में मदद मिले।

23. कौन-सा NCF 2005 का एक दिशा निर्देशन सिद्धांत नहीं है?

- (a) ज्ञान को विद्यालय के बाहर जीवन से जोड़ना
- (b) दोहराव शिक्षण से अलग हटना
- (c) विद्यार्थियों में अंकगणितीय सक्षमता बढ़ाना
- (d) लोचदार परीक्षा प्रणाली

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (c) NCF 2005 का दिशा निर्देश सिद्धांत निम्नलिखित है-

- (i) ज्ञान को विद्यालय के बाहर जीवन से जोड़ना।
- (ii) पढ़ाई को रटन प्रणाली से मुक्त करना।
- (iii) पाठ्यचर्चा का इस तरह संवर्धन हो कि वह बच्चों को चहुँमुखी विकास के अवसर मुहैया करवाये बजाय इसके कि पाठ्य-पुस्तक केंद्रित बनकर रह जायें।
- (iv) लचीली परीक्षा प्रणाली।
- (v) एक ऐसी अधिभावी पहचान का विकास जिसमें प्रजातांत्रिक राज्य-व्यवस्था के अंतर्गत राष्ट्रीय चिंताएँ समाहित हों।

24. नवोदय विद्यालयों को स्थापित करने का मुख्य उद्देश्य है-

- (a) सार्वभौमिक साक्षरता को बढ़ाना
- (b) ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छी शिक्षा उपलब्ध कराना
- (c) ग्रामीण युवाओं में स्कूल छोड़ने की दर कम करना
- (d) ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालयों की संख्या बढ़ाना

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (b) जवाहर नवोदय विद्यालय भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा चलाई जाने वाली पूरी तरह से आवासीय, सह शिक्षा, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली से सम्बद्ध शिक्षण परियोजना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 1986 के अंतर्गत ऐसे आवासीय विद्यालय की कल्पना की गई जिन्हें जवाहर नवोदय विद्यालय के नाम से जाना जाता है। नवोदय विद्यालयों को स्थापित करने का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छी शिक्षा उपलब्ध कराना है।

25. भारतीय संविधान का कौन-सा भाग हर नागरिक को अपने धर्म के अनुसार शिक्षण प्रदान करने का अधिकार देता है?

- (a) निदेशक सिद्धांत
- (b) केन्द्र और राज्यों की सहयोगी सूची
- (c) लोकतांत्रिक अधिकार
- (d) मूलभूत अधिकार

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (d) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 30(1) के अनुसार धर्म, या भाषा पर आधारित सभी अल्पसंख्यक वर्गों को अपनी रुचि की शिक्षा संस्थाओं की स्थापना और प्रशासन का अधिकार होगा। अनुच्छेद 30 भारतीय संविधान के मूलभूत अधिकार के अंतर्गत शामिल हैं।

26. भारतीय संविधान के राज्यनीति के निदेशक सिद्धांतों के अंतर्गत 45वाँ अनुच्छेद देता है-

- (a) शिक्षण संस्था स्थापना करने के लिए अल्पसंख्यकों को अधिकार
- (b) निःशुल्क और अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा
- (c) देश के कमजोर तबकों को शिक्षा
- (d) कम विकसित राज्यों को वित्तीय सहायता

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (b) भारतीय संविधान के राज्यनीति के निदेशक सिद्धांतों के अंतर्गत 45वाँ अनुच्छेद निःशुल्क और अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा का उपबन्ध करता है। दूसरे शब्दों में अनुच्छेद 45 के अंतर्गत राज्य सभी बालकों के लिए छ: वर्ष की आयु पूरी करने तक प्रारम्भिक बाल्यावस्था देख-रेख और शिक्षा देने के लिए उपबन्ध करेगा।

27. राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा ढाँचा, 2005 के निर्माण में निम्नलिखित में से केन्द्रक एजेंसी कौन सी थी?

- (a) एनसीईआरटी
- (b) सीबीएसई
- (c) यूजीसी
- (d) एनसीटीई

PRT-KVS 07-01-2017

Ans : (a) राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT) की कार्यकारिणी ने 14 एवं 19 जुलाई 2004 की बैठकों में राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा को संशोधित करने का निर्णय लिया। इसी के संदर्भ में प्रो ०९ यशपाल की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय संचालन समिति और 21 राष्ट्रीय फोकस समूहों का गठन किया गया जिनकी अनुशंसा पर राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा- 2005 का निर्माण किया गया।

28. राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा 2005 के अनुसार कक्षा I तथा II के बच्चों के लिए पर्यावरण अध्ययन को निम्न विषयों की पाठ्यपुस्तकों में एकीकृत करना चाहिए।

- (a) गणित में
- (b) भाषा में
- (c) (a) व (b) दोनों में
- (d) इनमें से कोई नहीं

NCERT PRT 30-07-2017

Ans : (c) राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा, 2005 के अनुसार कक्षा I तथा II के बच्चों के लिए पर्यावरण अध्ययन को गणित और भाषा के अंतर्गत भाग की तरह समझाया जाना चाहिए। बच्चों को ऐसी गतिविधियों में लगाया जाना चाहिए कि वे भौतिक, जैविक, सामाजिक और सांस्कृतिक रेखांकनों के माध्यम से वातावरण को समझ सकें।

29. N.C.F. 2005 के अनुसार अध्यापक का दायित्व है-

- (a) बढ़ावा देने वाला
- (b) सत्ता दिखाने वाला
- (c) निरपेक्ष भाव वाला
- (d) अधिनायकवादी सोच वाला

NCERT PRT 30-07-2017

Ans : (a) राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा, 2005 के अनुसार अध्यापक राष्ट्र का मार्गदर्शक एवं स्वस्थ परंपराओं का नियामक होता है। अध्यापक का कर्तव्य विद्यार्थियों के अंदर केवल शब्द ज्ञान भरना ही नहीं बल्कि उसे नैतिकता एवं कर्तव्यपरायणता का बोध कराना भी है। साथ ही अध्यापक का कार्य छात्रों को अधिगम के लिए बढ़ावा देना और अधिगम परिस्थिति का निर्माण करना भी होता है।

30. किसी कक्षा में सीटिंग प्लान के लिए सर्वोत्तम मानदंड क्या हो सकता है?

- (a) विद्यार्थियों की परिवारिक पृष्ठभूमि
- (b) विद्यार्थियों के साथ वैयक्तिक संबंध
- (c) बच्चों की लम्बाई तथा दृष्टि की तीव्रता
- (d) बुद्धि तथा अभिप्रेरणा स्तर

PRT KVS 2010

Ans : (c) कक्षा में सीटिंग प्लान के लिए बच्चों की लम्बाई तथा दृष्टि की तीव्रता को सर्वोत्तम मानदंड माना जाना चाहिए। कम लम्बाई वाले बच्चों को आगे की बेंच पर तथा अधिक लम्बाई वाले बच्चों को पीछे वाली बेंच पर बैठाना चाहिए। इसी प्रकार कम दृष्टि तीक्ष्णता वाले बच्चों को आगे की बेंच पर बैठाना चाहिए।

31. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत अल्पसंख्यक वर्गों के शैक्षिक अधिकारों की सुरक्षा का प्रावधान है?

- (a) 28
- (b) 29
- (c) 30
- (d) 31

PRT KVS 2010

Ans : (b) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 29 के अन्तर्गत अल्पसंख्यक वर्गों के शैक्षिक अधिकारों की सुरक्षा का प्रावधान है। अनुच्छेद 29 भाग 2 में किसी नागरिक को किसी शैक्षणिक संस्था (जो कि राज्य द्वारा संचालित, प्रतिबन्धित अथवा अनुदानित है) में प्रवेश हेतु धर्म, नस्ल, जाति, भाषा अथवा इनमें किसी एक आधार पर रोका नहीं जायेगा।

32. राजकीय विद्यालयों में अधिकांश विद्यार्थी ड्राप-आउट इसलिए होते हैं, क्योंकि ये विद्यालय-

- (a) विद्यार्थियों की रुचि को कायम नहीं रख पाते हैं
- (b) पर्याप्त मात्रा में पाठ्य सहगामी क्रिया-कलाप नहीं करवा पाते हैं
- (c) पाठ्यचर्चा में पर्याप्त विविधता नहीं रखते हैं
- (d) बच्चों को आर्थिक सहायता नहीं दे पाते हैं

PRT KVS 2010

Ans : (a) राजकीय विद्यालयों में अधिकांश विद्यार्थी ड्राप-आउट इसलिए होते हैं क्योंकि ये विद्यालय विद्यार्थियों की रुचि को कायम नहीं रख पाते हैं। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने पहली से 12वीं तक स्कूल छोड़ने वाले बच्चों का आकड़ा देश भर से जुटाया है। उत्तर भारत में ड्राप-आउट के मामलों पर नजर डालें तो प्राथमिक वर्ग में उत्तर प्रदेश पहले, जम्मू कश्मीर दूसरे, उत्तराखण्ड तीसरे, पंजाब चौथे, हिमांचल पांचवे व हरियाणा आठवें स्थान पर है। ड्राप-आउट को लेकर सरकार ने पहली बार आरक्षित व अल्पसंख्यक वर्ग के छात्रों का आंकड़ा भी जुटाया है ताकि ऐसे छात्रों के स्कूल छोड़ने के मामलों पर लगाम लगाई जा सके।

33. बालकों में पलायनवादिता का गुण उत्पन्न होता है—

- (a) शिक्षक के कठोर रुख से
- (b) शिक्षक एवं छात्र के मध्य सामंजस्यता के अभाव से
- (c) शिक्षक द्वारा तिरस्कार से
- (d) उपर्युक्त सभी

PRT KVS 15-12-2013

Ans : (d) शिक्षक के कठोर रुख से, शिक्षक एवं छात्र के मध्य सामंजस्यता के अभाव से, शिक्षक द्वारा तिरस्कार आदि से बालकों में पलायनवादिता का गुण उत्पन्न होता है।

34. ग्रामीण क्षेत्रों के बालक प्रायः हाईस्कूल के उपरान्त विद्यालय त्याग देते हैं क्योंकि—

- (a) वे पाठ्यक्रम से असन्तुष्ट रहते हैं
- (b) उससे बड़े विद्यालय दूरदराज क्षेत्रों में स्थित होते हैं
- (c) उनके माता-पिता गरीब होते हैं
- (d) उपर्युक्त सभी

PRT KVS 15-12-2013

Ans : (d) ग्रामीण क्षेत्रों के बालक प्रायः हाईस्कूल के उपरान्त विद्यालय त्याग देते हैं क्योंकि वे पाठ्यक्रम से असन्तुष्ट रहते हैं, उससे बड़े विद्यालय दूरदराज क्षेत्रों में स्थित होते हैं तथा उनके माता-पिता गरीब होते हैं।

35. 6 से 14 वर्ष के आयु के बच्चों को एक मौलिक अधिकार के रूप में मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के उद्देश्य से 'सर्व शिक्षा अभियान' वर्ष में शुरू किया गया था—

- (a) 1996
- (b) 1998
- (c) 2001
- (d) 2006

PRT KVS 04-10-2015

Ans : (c) 6 से 14 वर्ष के आयु के बच्चों को एक मौलिक अधिकार के रूप में मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा देने के उद्देश्य से 'सर्व शिक्षा अभियान' वर्ष 2001-02 में शुरू किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य 2010 तक संतोषजनक गुणवत्ता वाली प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण को प्राप्त करना है। सर्व शिक्षा अभियान, जीवन कौशल सहित गुणवत्तायुक्त प्रारंभिक शिक्षा प्रदान करता है।

36. स्तरीय (गुणवत्तापूर्ण) शिक्षक शिक्षा के लिए पाठ्यक्रम ढाँचा, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा वर्ष में निकाला गया था—

- (a) 1990
- (b) 1992
- (c) 1996
- (d) 1998

PRT KVS 04-10-2015

Ans : (d) राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई-NCTE) द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षक शिक्षा के लिए पाठ्यक्रम ढाँचा वर्ष 1998 में निकाला गया था। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद का मुख्य कार्य अध्यापक शिक्षा के लिए विशिष्ट प्रकार के पाठ्यक्रमों अथवा प्रशिक्षण हेतु मानक निर्धारित करना है। इसमें प्रवेश हेतु पत्राता मानक, उमीदवारों की चयन पद्धति, पाठ्यक्रम की अवधि, पाठ्यक्रम, विषय-वस्तु तथा पाठ्यचर्चा प्रकार भी सम्मिलित है।

37. भारत सरकार ने बच्चों के लिए मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा अधिनियम वर्ष में लागू किया—

 - (a) 2006
 - (b) 2007
 - (c) 2008
 - (d) 2010

PRT KVS 04-10-2015

Ans : (d) भारत सरकार ने बच्चों के लिए मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा अधिनियम 1 अप्रैल 2010 को जम्मू कश्मीर को छोड़कर सम्पूर्ण भारत में लागू किया। इस विधेयक के पारित होने से बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का मौलिक अधिकार मिल गया है। संविधान के अनुच्छेद 45 में 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए अनिवार्य एवं निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था की गयी थी तथा 86वें संशोधन द्वारा 21(क) में प्राथमिक शिक्षा को सब नागरिकों का मूलाधिकार बना दिया गया है।

38. नवोदय स्कूल इसके लिए स्थापित किये गये—

 - (a) ग्रामीण क्षेत्र में स्कूलों की संख्या बढ़ाने के लिए
 - (b) ग्रामीण क्षेत्र में अच्छा शिक्षण मुहैया कराने के लिए
 - (c) 'सर्व शिक्षा अभियान' को पूरा करने के लिए
 - (d) ग्रामीण क्षेत्र में होने वाली शिक्षा का अपव्यय रोकने के लिए

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (b) ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छा शिक्षण मुहैया कराने के लिए नवोदय विद्यालय की स्थापना की गई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-1986 के अनुसार, सर्वश्रेष्ठ ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए पूरी तरह से आवासीय, सह शिक्षा विद्यालय की स्थापना की गयी है, जिसे जवाहर नवोदय विद्यालय कहा जाता है। ज.न.वि. भारत का एक विशिष्ट शैक्षणिक संस्थान है जो मुख्यतया पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करता है। विद्यालय का मुख्य लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों के, आर्थिक स्थिति से कमजोर और अभावग्रस्त होनहार बच्चों को अच्छी कोटि की आधुनिक शिक्षा प्रदान करना है।

39. स्कूल में से 'ड्रोपिंग आउट' होना मतलब—

 - (a) स्कूल में अनियमित आना
 - (b) स्कूल हमेशा के लिए छोड़ना
 - (c) वर्ग में टूटना (Truant) खेलना
 - (d) दस्तावेज़ में कोई चर्ची

**PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013**

Ans : (b) स्कूल में से ड्रोपिंग आउट होने का मतलब है, स्कूल हमेशा के लिए छोड़ना। इसे हिन्दी में अपव्यय कहा जाता है। अपव्यय से बालक पर खर्च किया गया धन, समय और श्रम बेकार चला जाता है। अपव्यय का विचार सर्वप्रथम हार्टॉग समिति ने दिया था।

**PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013**

Ans : (b) एक अच्छी समय सारिणी में लचीलापन, विविधता, प्रयत्न का सह-संयोजन जैसे गुण होते हैं। समय-सारिणी विद्यालयी शिक्षण व्यवस्था एक प्रमुख अंग है।

41. प्राथमिक स्तर पर टीचर टॉट (Teacher-taught)
अनपात 1 : 39 था. यह-

- (a) छठा एजुकेशनल सर्वे ऑफ ऑल इण्डिया के मुताबिक
(b) पाँचवा एजुकेशनल सर्वे ऑफ ऑल इण्डिया के मुताबिक
(c) चौथा एजुकेशनल सर्वे ऑफ ऑल इण्डिया के मुताबिक

**PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013**

Ans : (a) छठा एजुकेशनल सर्वे ऑफ आल इण्डिया (2002-03) के मुताबिक प्राथमिक स्तर पर टीचर-टाट अनुपात 1 : 39 का था।

42. भारतीय संविधान में राज्य नीति निर्देशक सिद्धांतों के तहत अनुच्छेद 45 को के लिए अधिकार प्रदान किया गया है।

- (a) शिक्षण संस्थानों की स्थापना के लिए अल्पसंख्यकों के अधिकारों
 - (b) निःशुल्क और अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा
 - (c) देश के कमज़ोर वर्गों के लिए शिक्षा
 - (d) कम उन्नत गाज़ियों को वित्तीय सहायता देने

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (b) भारतीय संविधान में राज्य नीति निर्देशक सिद्धांतों के तहत अनुच्छेद 45 को निःशुल्क और अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा के लिए अधिकार प्रदान किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 51 में संशोधन करके (J) के बाद नया अनुच्छेद (K) जोड़ा गया है, इसमें छः साल से 14 साल तक की आयु के बच्चे के माता-पिता या अभिभावक अथवा संरक्षक को अपने बच्चे को शिक्षा दिलाने के लिए अवसर उपलब्ध कराने का प्रावधान है।

43. एससीसी के विशेष कर्तव्यों को में प्रदान किया गया है।

- (a) शिक्षा अधिनियम, 1995 (धारा 140.5)
 - (b) शिक्षा विनियम, 1986 (धारा 3.92)
 - (c) दोनों a और b
 - (d) इनमें से कोई नहीं

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (c) एससीसी के विशेष कर्तव्यों को शिक्षा अधिनियम, 1995 (धारा 140.5) और शिक्षा विनियम, 1986 (धारा 3.92) में प्रदान किया गया है।

44. एससीसी को के लिए अधिनियम और नियमों
की आवश्यकता होती है।

- (i) स्कूली शिक्षा में माता-पिता और समुदाय की भागीदारी सहज बनाने
 - (ii) अपने समुदा में एक अच्छी समझ विकसित करने

- (iii) शिक्षा अधिनियम, 1995, शिक्षा नियमन, 1986 और शिक्षा बोर्ड की नीतियों का अनुपालन करने
- (iv) शिक्षा विनियम, 1986 (धारा 3.92) का अनुपालन करने
- (v) स्कूल स्टाफ के विकास
 - (a) i, ii और iii
 - (b) i, ii और iv
 - (c) i, iii और iv
 - (d) उपरोक्त सभी

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (a) एससीसी को स्कूली शिक्षा में माता-पिता और समुदाय की भागीदारी सहज बनाने, अपने समुदाय में एक अच्छी समझ विकसित करने तथा शिक्षा अधिनियम, 1995, शिक्षा नियमन, 1986 और शिक्षा बोर्ड की नीतियों का अनुपालन करने के लिए अधिनियम और नियमों की अवश्यकता होती है।

45. शिक्षा जनरल बोर्ड के लिए जिम्मेदार है।

- (a) अपने प्रभाव के हर स्कूल में एक एससीसी की स्थापना करने
- (b) सभी एससीसी के लिए अभिविन्यास, प्रशिक्षण, विकास और नेटवर्किंग के अवसर प्रदान करने
- (c) स्कूली शिक्षा में माता-पिता और समुदाय की भागीदारी प्रदान करने
- (d) दोनों A और B

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (d) शिक्षा जनरल बोर्ड अपने प्रभाव के हर स्कूल में एक एससीसी की स्थापना करने, सभी एससीसी के लिए अभिविन्यास, प्रशिक्षण, विकास और नेटवर्किंग के अवसर प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है।

46. भारतीय समाज में बहुभाषी चरित्र को देखा जाना चाहिए-

- (a) शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के अवरोध के रूप में
- (b) विद्यालयीन जीवन के संवर्धन के संसाधन के रूप में
- (c) छात्रों को सीखने के लिए अभिप्रेरित करने में शिक्षक की क्षमता को चुनौती के रूप में
- (d) शिक्षार्थी के लिए विद्यालयीन जीवन को जटिल बनाने वाले कारक के रूप में

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (b) भारतीय समाज में बहुभाषी चरित्र को विद्यालयीन जीवन के संसाधन के संवर्धन के रूप में देखा जाना चाहिए। कक्षा में बच्चे अलग-अलग भाषायी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आते हैं। कक्षा में इनकी भाषाओं का स्वागत किया जाना चाहिए ताकि जिस भाषा में बच्चे चाहते हों उस भाषा में अपनी राय, अनुभव, भावनाएँ आदि व्यक्त कर सकें। इससे उनके शब्दकोश में समृद्धि आयेगी और वे एक से अधिक भाषा का अनुभव प्राप्त कर सकेंगे।

47. शैक्षिक गतिविधियों पर विद्यार्थियों द्वारा खर्च किए जाने वाले समय को बढ़ाने के लिए अध्यापक को निम्नलिखित में से क्या करना चाहिए?

- (a) कक्षा की गतिविधियों तथा संक्रमण काल के लिए योजना बनाएँ, पढ़ाएँ और समय सारणी लागू करें
- (b) मूल विषयों में प्रति सप्ताह कम-से-कम दो बाद गृहकार्य दें
- (c) विद्यार्थियों को कक्षा में चर्चा करने से पहले नए विषयों को पढ़ने के लिए कहें
- (d) नई विषय-सामग्री को प्रश्नोत्तर सत्र के साथ प्रस्तुत करें

NVS PGT 2018

Ans : (a) शैक्षिक गतिविधियों पर विद्यार्थियों द्वारा खर्च किए जाने वाले समय को बढ़ाने के लिए अध्यापक को कक्षा की गतिविधियों तथा संक्रमण काल के लिए योजना बनाना, पढ़ाना और समय सारणी लागू करना चाहिए।

48. राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा-2005 में यह अनुशंसा (सिफारिश) की गई है कि उच्च प्राथमिक स्तर पर कक्षा की पढ़ाई को बल दिया जाना चाहिए-

- (a) कक्षा की पढ़ाई को विद्यालय के बाहरी जीवन से सम्बन्धित करने के लिए
- (b) पाठ्यपुस्तक में दिए गए सभी वैज्ञानिक पदों को याद के लिए
- (c) पाठ्यपुस्तक के अभ्यास के सभी प्रश्नों के उत्तर देने के लिए
- (d) परीक्षाओं में विद्यार्थियों के प्रदर्शन में सुधार लाने के लिए

NVS PGT 2018

Ans : (a) राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा 2005 में यह अनुशंसा (सिफारिश) की गयी है कि उच्च प्राथमिक स्तर पर विज्ञान-शिक्षण में कक्षा की पढ़ाई को विद्यालय के बाहरी जीवन से सम्बन्धित करने के लिए अधिक बल दिया जाना चाहिए।

49. मध्याह्न अल्पाहार (MDM) कार्यक्रम के बहुत से सकारात्मक प्रभाव हैं। निम्नलिखित में से कौन-सा इसमें से एक नहीं है?

- (a) निर्धन बच्चे परीक्षाओं में अधिक अंक प्राप्त कर रहे हैं
- (b) विद्यालयों में गरीब बच्चों के नामांकन में वृद्धि हुई है
- (c) जाति पूर्वाग्रह/जातिगत पक्षपात में कमी आई है
- (d) अब निर्धन विद्यार्थी अपनी पढ़ाई पर ध्यान केन्द्रित कर सकते हैं, क्योंकि वे खाली पेट नहीं हैं।

DSSSB TGT 2016

Ans : (a) मध्याह्न अल्पाहार (MDM) कार्यक्रम के निम्नलिखित सकारात्मक प्रभाव हैं-

- (i) विद्यालयों में गरीब बच्चों के नामांकन में वृद्धि हुई है।
- (ii) जाति पूर्वाग्रह/जातिगत पक्षपात में कमी आई है।
- (iii) अब निर्धन विद्यार्थी अपनी पढ़ाई पर ध्यान केन्द्रित कर सकते हैं, क्योंकि वे खाली पेट नहीं हैं।

जबकि निर्धन बच्चे परीक्षाओं में अधिक अंक प्राप्त कर रहे हैं— यह कथन MDM कार्यक्रम के प्रभाव के विषय में गलत है।

50. राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा (2005) सामाजिक विज्ञान के संदर्भ में सुझाती है कि बच्चे के विद्यालयी जीवन का मेल—

- (a) शिक्षकों की अपेक्षाओं के साथ होना चाहिए
- (b) कक्षा के जीवन के साथ होना चाहिए
- (c) बाहर के जीवन के साथ होना चाहिए
- (d) किताबी ज्ञान से जुड़ा होना चाहिए

NVS PGT 2016

Ans : (c) राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा (2005) सामाजिक विज्ञान के संदर्भ में सुझाती है कि बच्चे के विद्यालयी जीवन का मेल बाहर के जीवन के साथ होना चाहिए। साथ ही पढ़ाई रटन्त्र प्रणाली से मुक्त हो तथा पाठ्यचर्चा का इस तरह संवर्द्धन किया जाये कि वह बच्चों को चहुंमुखी विकास के अवसर मुहैया कराये बजाए इसके कि पाठ्यपुस्तक केन्द्रित बनकर रह जाये।

51. एक शिक्षिका अपने शिक्षार्थियों को सरकारी परियोजनाओं के बारे में जानकारी प्राथमिक स्रोतों के माध्यम से देना चाहती है। निम्नलिखित में से कौन-सी योजना अनुपयुक्त होगी?

- (a) विद्यार्थियों के पड़ोस में लागू होने वाली परियोजनाओं पर हुए खर्च पर एक रिपोर्ट
- (b) सरकारी परियोजनाओं पर पुस्तक की समीक्षा
- (c) एक खण्ड विकास अधिकारी के साथ साक्षात्कार
- (d) विद्यार्थियों के पड़ोस में लागू होने वाली योजनाओं पर सर्वे

NVS PGT 2016

Ans : (b) यदि एक शिक्षिका अपने विद्यार्थियों को सरकारी परियोजनाओं के बारे में जानकारी प्राथमिक स्रोतों के माध्यम से देना चाहती है, तो इसके लिए निम्नलिखित योजना उपयुक्त होगी—

- विद्यार्थियों के पड़ोस में लागू होने वाली परियोजनाओं पर हुए खर्च पर एक रिपोर्ट लिखना।
- एक खण्ड विकास अधिकारी के साथ साक्षात्कार
- विद्यार्थियों के पड़ोस में लागू होने वाली योजनाओं पर सर्वे आदि।

सरकारी परियोजनाओं पर पुस्तक की समीक्षा प्राथमिक स्रोत अध्ययन के अंतर्गत नहीं आता है क्योंकि प्राथमिक स्रोत से प्राप्त सूचना वह सूचना होती है जो उन व्यक्तियों द्वारा दी जाती है जो किसी घटना से सीधे जुड़े होते हैं।

52. राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा (एन.सी.एफ.) 2005 की संस्तुति के अनुसार बच्चों का विद्यालयी जीवन निम्नलिखित में से किसके साथ जुड़ना चाहिए?

- (a) वार्षिक परीक्षा
- (b) विद्यालय के बाह्य वातावरण
- (c) मुख्यधारा के विचार
- (d) विद्यालय की आधारभूत संरचना

KVS TGT 2018

Ans : (b) राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा, 2005 के मार्गदर्शक सिद्धांत के अनुसार निम्न बिन्दुओं को सम्मिलित किया गया है—

- ज्ञान को स्कूल के बाहर के जीवन से जोड़ना
- पढ़ाई रटन्त्र प्रणाली से मुक्त हो, यह सुनिश्चित करना
- पाठ्यचर्चा का इस तरह संवर्धन कि वह बच्चों को चहुंमुखी विकास के अवसर मुहैया करवाए बजाए इसके कि वह पाठ्य-पुस्तक केन्द्रित बन कर रह जाए।

53. एक शिक्षक अनुभव करता है कि उच्च प्राथमिक स्तर पर विषय का भार बहुत है। निम्नलिखित में से सबसे अच्छे उपागम का सुझाव दीजिए जो इस समस्या का समाधान करें।

- (a) ऐसी विषय वस्तुएँ विकसित करें जो विषय सीमाओं को पार करके कई प्रत्ययों को सिखा सकें
- (b) क्रिया-कलाप छोड़ दें क्योंकि उनका परीक्षण नहीं होता
- (c) प्रत्येक अध्याय में महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान कर इन पर नोट्स लिखाएँ
- (d) सारे पाठ्यक्रम को जल्दी-जल्दी पढ़ा दें

DSSSB PRT 2018

Ans : (a) यदि कोई शिक्षक अनुभव करता है कि उच्च प्राथमिक स्तर पर विषय का भार बहुत है, तो इस समस्या का समाधान करने के लिए उसे ऐसी विषयवस्तुएँ विकसित करनी चाहिए जो विषय सीमाओं को पार करके कई प्रत्ययों को सिखा सकें।

54. सरसरी तौर पर किसी पाठ को देखकर उसकी विषयवस्तु का पता कर लेना-

- (a) पढ़कर समझने का पहला प्रयास है
- (b) पढ़ने की कुशलता का अंतिम पढ़ाव है
- (c) पढ़ने की निम्न स्थिति को दर्शाता है
- (d) पढ़ने की एक महत्वपूर्ण कुशलता है

DSSSB PRT 2018

Ans : (d) सरकारी तौर पर किसी पाठ को देखकर उसकी विषयवस्तु का पता कर लेना पढ़ने की एक महत्वपूर्ण कुशलता है।

10.

विद्यालय प्रबन्धन एवं प्रशासन

1. पर्यवेक्षक का मूल उद्देश्य है—

- (a) बच्चों के प्रति अध्यापकों की समझ को सुधारने में उनकी सहायता करना
- (b) बच्चों के साथ बरताव करने में अध्यापकों को कुशल बनाने में उनकी सहायता करना
- (c) बच्चों द्वारा अधिक प्रभावित रूप से सीखने में उनकी सहायता करना
- (d) उनकी अध्यापन तकनीकों को सुधारने में अध्यापकों की सहायता करना

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (c) पर्यवेक्षण एक प्रक्रिया है जिसमें छात्रों को उनके आवश्यकतानुसार सीखने, उनके क्षमताओं को बढ़ाने के लिए उनके ज्ञान और कौशल का सर्वश्रेष्ठ उपयोग करने में मदद की जाती है ताकि वह अपना कार्य अधिक प्रभावी और संतोषजनक हो सके। पर्यवेक्षक का मूल उद्देश्य बच्चों द्वारा अधिक प्रभावित रूप से सीखने में उनकी सहायता करना है। इसके लिए पर्यवेक्षक अध्यापकों के अध्यापन कौशल को बेहतर बनाने, अभिभावकों और अध्यापकों के मध्य संबंध स्थापित करने का कार्य करता है।

2. विद्यालयों को समाजीकरण के केन्द्र के रूप में मानते हैं क्योंकि ये बच्चों की सहायता करते हैं—

- (a) नागरिकों के रूप में विकसित होने में
- (b) मूल्यों और परंपराओं को ग्रहण करने में
- (c) समाज में अपनी भूमिका के प्रति सजग होने में
- (d) ऐसा ज्ञान प्राप्त करने में जिससे वह समाज को समझ सकते हैं

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (c) विद्यालयों को समाजीकरण के केन्द्र के रूप में इसलिए माना जाता है क्योंकि ये बच्चों को मुख्य रूप से समाज में अपनी भूमिका के प्रति सजग होने में सहायता करते हैं। आरम्भिक स्कूली शिक्षा, परिवार आदि के माध्यम से बालक समाज का सहभागी सदस्य बनने के बारे में बहुत कुछ सीखता है। यहाँ से उसे सामाजिकता, आदर्श, नैतिकता, मूल्यों आदि का पालन करने की प्रेरणा मिलती है।

3. एक अच्छे पर्यवेक्षक के प्रभाव से किसमें वृद्धि होती है?

- (a) शिक्षकों में समय की अनुपालना
- (b) सामुदायिक संतोष
- (c) शिक्षार्थियों की प्रगति
- (d) पाठ्य-सहगामी क्रियाओं में भागीदारी

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (c) एक अच्छे पर्यवेक्षक के प्रभाव से शिक्षार्थियों की प्रगति में वृद्धि होती है। सहयोग की भावना, नेतृत्व की क्षमता के विकास में सहायक, नवीन ज्ञान तथा अनुसंधान में सहायक, समस्या-समाधान हेतु अधिक जागृति में सहायक आदि अच्छे पर्यवेक्षक की विशेषता होती है।

4. एक अच्छा मुख्याध्यापक प्राथमिक रूप में होना चाहिए—

- | | |
|----------------------|----------------------|
| (a) एक अच्छा शिक्षक | (b) एक अच्छा प्रशासक |
| (c) एक अच्छा खिलाड़ी | (d) एक अच्छा मानव |

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (b) एक अच्छा मुख्याध्यापक प्राथमिक रूप में एक अच्छा प्रशासक होना चाहिए। मुख्याध्यापक में नेतृत्व शक्ति का होना भी एक आवश्यक गुण है क्योंकि उसे अपने विद्यार्थियों को प्रत्येक क्षेत्र, पाठ्य सहगामी प्रक्रिया, किसी विषय में विचार-विमर्श, अनुशासन बनाये रखने आदि में कुशल और प्रभावशाली नेतृत्व प्रदान करना होता है। साथ ही मुख्याध्यापक का कार्य अपने शिक्षकों, विद्यार्थियों आदि में सामंजस्य स्थापित करना भी होता है।

5. विद्यालय अनुशासन का मुख्य लक्ष्य क्या है?

- (a) विद्यार्थियों को एक सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना
- (b) दोषियों का पता लगाना ताकि उन्हें उपचारित किया जा सके
- (c) शिक्षण के लिए हितकर वातावरण उपलब्ध कराना
- (d) शिक्षकों की सुक्षमा सुनिश्चित करना

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (c) विद्यालय अनुशासन का मुख्य लक्ष्य शिक्षण के लिए हितकर वातावरण उपलब्ध कराना है।

6. स्कूल की शिक्षा के दरजे (The quality) का सूचक है—

- (a) स्कूल की भौतिक सुविधाएँ
- (b) क्लासरूप पद्धति
- (c) पाठ्य पुस्तक और अध्यापन-अधिगम
- (d) विद्यार्थी उपलब्धि स्तर

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (d) स्कूल की शिक्षा के दरजे का सूचक है विद्यार्थी उपलब्धि स्तर। विद्यार्थियों की उपलब्धि स्तर के अनुसार उनकों एक दरजे से दूसरे दरजे में स्थानान्तरित किया जाता है। यदि विद्यार्थियों का उपलब्धि स्तर निम्न होता है तो यह माना जाता है कि शिक्षा की गुणवत्ता में कमी है या शिक्षा दोयम दरजे का है। ऐसी स्थिति में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता होती है।

7. स्कूल के संघटन में यह मूल निधारी घटक होता है।

- | | |
|------------------|---------------|
| (a) पाठ्यक्रम | (b) प्रबंध |
| (c) सामाजिक जीवन | (d) प्रशिक्षक |

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (a) स्कूल के संघटन में पाठ्यक्रम मूल निधारी घटक होता है। शैक्षिक लक्ष्यों की प्राप्ति के साधन के रूप में पाठ्यक्रम का प्रयोग किया जाता है। सामान्य शब्दों में शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए सुनियोजित व्यवस्था की आवश्यकता होती है। यह व्यवस्था या सुनियोजित व्यवस्था ही पाठ्यक्रम कहलाती है।

8. एक पाठ्यशाला की श्रेणी की परख कैसे की जा सकती है?

- (a) पर्याप्त सुविधाओं से
- (b) सुनिश्चित आदर्श व उद्देश्य से
- (c) शिक्षकों की योग्यताओं से
- (d) पर्याप्त भूमि व धन से

PRT KVS 15-12-2013

Ans : (b) एक पाठशाला की श्रेणी की परख उसके सुनिश्चित आदर्श व उद्देश्य से की जा सकती है।

PRT KVS 04-10-2015

Ans : (b) जब किसी शिक्षक पर प्राधिकारी हावी होते हैं या उसे अन्य कार्य करने के लिए बाध्य किया जाता है तो उसकी प्रभाविकता घटती है क्योंकि ऐसे वातावरण में शिक्षक स्वतंत्र रूप से अपने कर्तव्यों का निर्वहन नहीं कर पाता है।

10. समाज के एक एजेंट के रूप में स्कूल का प्राथमिक कार्य है—

 - (a) सामाजिक स्थिरता बनाए रखना
 - (b) बच्चों में व्यावसायिक सक्षमता का पर्याप्त स्तर विकसित करना
 - (c) बच्चे को जीवन के लिए तैयार करना
 - (d) बच्चों को अपने परिवेश को समझने में मदद देना

PRT KVS 04-10-2015

Ans : (c) समाज के एक एजेंट के रूप में स्कूल का प्राथमिक कार्य है बच्चे को जीवन के लिए तैयार करना क्योंकि स्कूल में रहते हुए बालक को जहाँ एक ओर विभिन्न विषयों की प्रत्यक्ष शिक्षा द्वारा सामाजिक नियमों, रीत-रिवाजों, परम्पराओं तथा आदर्शों एवं मूल्यों का ज्ञान होता है वहाँ दूसरी ओर उसमें स्कूल की विभिन्न सामाजिक योजनाओं में सक्रिय रूप से भाग लेते हुए अप्रत्यक्ष रूप से विभिन्न सामाजिक गणों का विकास होता रहता है।

11. स्कूल में शिक्षा के दरजे का अत्यन्त महत्वपूर्ण मापक क्या होता है?

 - (a) स्कूल की आधार तंत्रीय सुविधाएँ
 - (b) क्लासरूम पद्धति
 - (c) पाठ्य पुस्तकें और पढ़ाई-ज्ञान उपादन
 - (d) विद्यार्थियों का उपलब्धि स्तर

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (d) स्कूल में शिक्षा के दरजे का एक महत्वपूर्ण मापक विद्यार्थियों का उपलब्ध स्तर होता है। विद्यालय में किस स्तर की शिक्षा दी जा रही है, यह शिक्षा विद्यार्थियों के लिए कितनी उपयोगी साबित हो रही है इसका मापन विद्यार्थियों की उपलब्ध द्वारा किया जा सकता है।

12. स्कूल शिक्षा का दरजा (quality) पूर्ण तरह से किस पर निर्भर रहता है?

 - (a) अधःसंरचनीय सुविधाएँ
 - (b) वित्तीय प्रबन्ध
 - (c) अंतर्राष्ट्रीय सहायता
 - (d) शिक्षकों के शिक्षण का दरजा

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (d) स्कूल शिक्षा का दरजा पूर्ण तरह से शिक्षकों के शिक्षण दरजा के ऊपर निर्भर रहता है क्योंकि शिक्षक ही विद्यालय में उचित योग्यता, क्षमता, रुचि आदि के अनुसार शिक्षा प्रदान करता है। छात्रों की आवश्यकताओं व प्रकृति के अनुसार शिक्षक शिक्षण पद्धति अपनाता है। विद्यालय में किसी भी क्रिया को कराने का दायित्व शिक्षक का होता है। वह छात्रों को ज्ञान व क्रिया का अधिगम कराने के लिए उचित वातावरण की तैयारी करता है। अतः शिक्षक को शिक्षण की सम्पूर्ण प्रक्रिया में सिद्धहस्त होना आवश्यक है।

13. निर्णय लेने का कार्यक्षेत्र है—

**PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013**

Ans : (c) निर्णय लेने का कार्यक्षेत्र प्रशासन है। किसी भी प्रकार के कुशल शैक्षिक प्रशासन के लिए उचित निर्णयों को लेना आवश्यक है। शैक्षिक प्रशासन में शिक्षा के मूलभूत उद्देश्यों की पूर्ति के लिए आवश्यक है कि प्रशासन सटीक निर्णय ले, क्योंकि सही निर्णय ही सही दिशा में सही कदम उठाने का मार्ग प्रशस्त करता है।

14. स्कूल व्यवस्था की मख्य जिम्मेदारी किसके ऊपर है?

**PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013**

Ans : (a) स्कूल व्यवस्था की मुख्य जिम्मेदारी मुख्यतः प्रिंसिपल के ऊपर होती है। प्रिंसिपल या प्रधानाध्यापक छात्रों, अध्यापकों तथा स्थानीय समुदाय के मध्य सेतु की तरह कार्य करता है। प्रधानाध्यापक अध्यापकों एवं अन्य सहायक कर्मचारियों का निरीक्षणकर्ता होता है। प्रधानाध्यापक प्रशासक, वित्तीय प्रबन्धक, लेखाकार, निरीक्षणकर्ता आदि की समन्वित भूमिका का निर्वहन करता है।

15. स्कूल अनशासन का मख्य उद्देश्य है—

- (a) स्टाफ और विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना
 - (b) शिक्षण प्रहणशील वातावरण बनाना
 - (c) (a) और (b) दोनों
 - (d) इनमें से कोई नहीं

**PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013**

Ans : (c) स्कूल अनुशासन का मुख्य उद्देश्य है-

- स्टाफ और विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना।
- शिक्षण ग्रहणशील वातावरण बनाना।

इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए उचित अनुशासन की आवश्यकता होती है। विद्यालय में अनुशासित वातावरण बनाये रखने का कार्य प्रधानाध्यापक का होता है।

16. संस्थाकिय ओजना आधारित होनी चाहिए—

- (a) ध्येय और आवश्यकता (b) समय-सारिणी
 (c) प्रबंधन (d) अतिषयकता

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013

26.07.2015

Ans : (a) संस्थाकिय योजना ध्येय और आवश्यकता आधारित होनी चाहिए। डॉ. एम.बी. बुच ने भी संस्थाकिय योजना को परिभ्रषित करते हुए लिखा है—“एक शैक्षिक संस्था द्वारा अपने अनुभव में आई आवश्यकताओं, प्राप्त अथवा प्राप्त हो सकने वाले साधनों या लक्ष्यों के आधार पर निर्मित अपने विकास के लिए बनाया गया कार्यक्रम उस संस्था की संस्थाकिय योजना कहलाती है। यह दीर्घकालीन अथवा अल्पकालीन हो सकती है। यह विद्यालय एवं समाज के सभी साधनों में चरम उपयोग पर आधारित होती है।”

17. एक प्रिन्सिपल होने के नाते आप अपने सह अध्यापकों को प्रोत्साहित करेंगे—

- (a) भारत में और विदेशों में सेमिनार और कांफ्रेंस में भाग लेने के लिए
- (b) विषय के ज्ञान को बढ़ाने के लिए रिफेशर कोर्स में भाग लेने के लिए
- (c) पिछड़े लोगों को ऊपर उठाने वाली समाज सेवा में भाग लेने के लिए
- (d) उपरोक्त सभी

**PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13,
28.07.2013**

Ans : (d) एक प्रिन्सिपल होने के नाते आप अपने सह अध्यापकों को निम्न कार्यों को करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे—

- भारत में और विदेशों में सेमिनार और कांफ्रेंस में भाग लेने के लिए।
- विषय के ज्ञान को बढ़ाने के लिए रिफेशर कोर्स में भाग लेने के लिए।
- पिछड़े लोगों को ऊपर उठाने वाली समाज सेवा में भाग लेने के लिए।

शिक्षक समाज का नेतृत्वकर्ता होता है इसलिए उसके व्यवहारों, अध्यापन कौशलों में निरंतर परिमार्जन की आवश्यकता होती है। इसलिए उसे ऐसे क्रियाकलापों में भाग लेने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

18. परावर्तन सत्र—

- (a) अपनी स्थिति की समझ और उसमें सुधार लाने में एक सामान्य हित के साथ अपने स्वास्थ्य केन्द्र के भीतर और बाहर से प्रबंधक
- (b) प्रबंधक और उनकी टीम अपने कार्य की समीक्षा करने के लिए नियमित समय निर्धारित करते हैं, उन क्षेत्रों को पहचानते हैं जिन्हें सुधार की आवश्यकता होती है और सेवा में सुधार करने के तरीके खोजते हैं
- (c) मुद्दों पर चर्चा करने और प्रबंधन प्रणाली का विकास करने या उसमें सुधार करने में मदद करने के लिए मिलने वाले अध्ययन चक्र/समूह—टीम सदस्यों के समूह
- (d) उपरोक्त सभी

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (b) परावर्तन सत्र के अंतर्गत प्रबन्धक और उनकी टीम अपने कार्य की समीक्षा करने के लिए नियमित समय निर्धारित करते हैं, उन क्षेत्रों को पहचानते हैं, जिन्हें सुधार की आवश्यकता होती है और सेवा में सुधार करने के तरीके खोजते हैं।

19. एक अच्छे नेता के क्या गुण हैं?

- (a) लक्ष्य की भावना
- (b) आकर्षक व्यक्तित्व
- (c) एकल कारण के लिए एक साथ काम करने के लिए लोगों को प्रेरित करने में सक्षमता
- (d) उपरोक्त सभी

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (d) एक अच्छे नेता के निम्न गुण होते हैं—

- लक्ष्य की भावना
- आकर्षक व्यक्तित्व
- एकल कारण के लिए एक साथ काम करने के लिए लोगों को प्रेरित करने में सक्षमता
- सहयोगात्मक व्यवहार
- भाववात्मक बुद्धिमत्ता और नेतृत्व की प्रभावकारिता
- प्रभावी वाकपटुता

20. लोगों की संतुलित भागीदारी के माध्यम से किया जाता है।

- (a) नेतृत्व
- (b) प्रबंधन
- (c) दोनों (a) और (b)
- (d) इनमें से कोई नहीं

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (b) प्रबन्धन लोगों की संतुलित भागीदारी के माध्यम से किया जाता है। पूर्व निर्धारित उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए मानवीय प्रयासों और संसाधनों को एकीकृत करके उन्हें कार्यात्मक एवं फलदायक बनाने की प्रक्रिया को ही प्रबंध कहा जाता है। यह संगठनात्मक जीवन की आधारभूत, समन्वयकारी एवं जीवन उत्प्रेरक प्रक्रिया है।

21. आज के समाज में स्कूलों को देना चाहिए।

- (a) सजावटी आधार
- (b) व्यावसायिक आधार
- (c) दोनों a और b
- (d) इनमें से कोई नहीं

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (b) आज के समाज में स्कूलों को व्यावसायिक आधार देना चाहिए। स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा की दिव्यानीय स्थिति पर गण्डीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा-2005 में विंता व्यक्त की गयी है। साथ ही इसमें व्यावसायिक शिक्षा के आधार को चरणबद्ध तरीके से विस्तृत करने का सुझाव दिया गया है। एनसीएफ-2005 में यह भी सुझाव दिया गया है कि व्यावसायिक शिक्षा को गाँवों के संकुल और ब्लाक स्तर से लेकर उप-जिला/जिला, नगर और महानगर तक 'मिशन' के रूप में आगे बढ़ाया जाये।

22. एक पाठशाला बच्चों के लिए यथार्थ रूप से दूसरा घर बनेगी यदि—

- (a) इनका पर्यावरण घर के सदृश्य होगा
- (b) पाठशाला के पर्यावरण में भोजन भी दिया जाता है
- (c) वह बच्चों के सर्वांगीण विकास में मदद करता है
- (d) वह पढ़ने की इच्छा जाग्रत करता है

PRT POST CODE 70/90 29.12.2013 (Cancelled)

Ans : (c) एक पाठशाला बच्चों के लिए यथार्थ रूप से दूसरा घर बनेगी यदि वह बच्चों के सर्वांगीण विकास में मदद करता है। पाठशाला बाधारहित, भेदभाव रहित, और सभी विद्यार्थियों के लिए समावेशी होना चाहिए। ऐसे पाठशालाओं में सभी विद्यार्थियों के लिए सौहार्दपूर्ण परिवेश होता है और विद्यार्थियों को घर जैसा महसूस होता है।

11.

शिक्षा में शोध एवं सांख्यिकी

1. संचयी बारंबारता ग्राफ को क्या कहा जाता है?

- (a) पाई-आरेख
- (b) हिस्टोग्राम
- (c) दंड आरेख
- (d) तोरण

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (d) संचयी बारंबारता ग्राफ को तोरण कहा जाता है। जब संचयी आवृत्तियों को प्रतिशतों में परिवर्तित करके वक्र बनाया जाता है तो वक्र को प्रतिशत संचयी आवृत्ति वक्र या तोरण कहते हैं। तोरण के रूप में प्रदत्तों की प्रस्तुति अत्यन्त उपयोगी होती है। एक ही चित्र में जब दो समूहों के प्राप्तानों के लिए तोरण बनाए जाते हैं तब उनकी तुलना करना अत्यन्त सरल हो जाता है।

2. एक सांख्यिकी माप जो वह सीमा दर्शाता है जहाँ तक एक कारक में परिवर्तन के साथ दूसरे कारक में भी परिवर्तन होता है—

- (a) मानक विचलन
- (b) अंतर्संबंध गुणांक
- (c) चतुर्थक विचलन
- (d) श्रेणी

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (b) अंतर्संबंध गुणांक एक सांख्यिकी माप है जो वह सीमा दर्शाता है जहाँ तक एक कारक में परिवर्तन के साथ दूसरे कारक में भी परिवर्तन होता है। दो चरों के बीच संबंध ज्ञान करने के लिए सहसंबंध गुणांक का प्रयोग किया जाता है।

3. शिक्षण अनुसंधान में कौन-सी तकनीक अत्यधिक उपयोग में आती है?

- (a) प्रश्नावली
- (b) साक्षात्कार
- (c) अवलोकन
- (d) सामाजिक

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (c) शिक्षण अनुसंधान में अवलोकन तकनीक अत्यधिक उपयोग में आती है। इसका प्रचलन अनादि काल से है। अतः यह एक परिष्कृत विधि है। अवलोकन प्राथमिक सामग्री संकलित करने की एक प्रत्यक्ष एवं महत्वपूर्ण प्रविधि है। इसमें अध्ययनकर्ता घटनाओं को देखता है, सुनता है, समझता है और सम्बन्धित सामग्री का संकलन करता है। अवलोकन के लिए अवलोकनकर्ता समूह अथवा समुदाय के दैनिक जीवन में भाग ले भी सकता है और दूर बैठकर भी कर सकता है। अवलोकन में मानव अपनी ज्ञानेन्द्रियों का प्रयोग करता है।

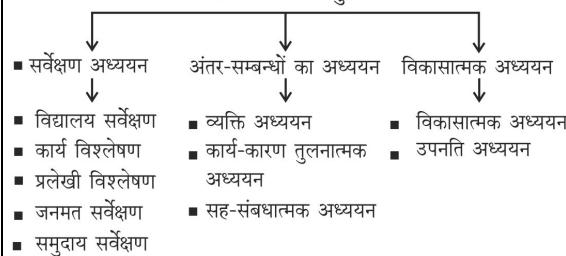
4. वॉन डेलन के अनुसार विवरणात्मक अनुसंधान में क्या शामिल है?

- (a) सर्वेक्षण अध्ययन
- (b) अंतर-सम्बन्ध अध्ययन
- (c) विकासात्मक अध्ययन
- (d) यह सभी

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (d) वॉन डेलन ने विवरणात्मक अनुसंधान को तीन भागों में बांटा है—

विवरणात्मक अनुसंधान



5. अन्तर बाह्य आलोचना की कल्पना किससे जुड़ी है?

- (a) अनुसंधान के प्रयोगात्मक रूपरेखा की वैधता
- (b) विवरणात्मक अनुसंधान
- (c) ऐतिहासिक अनुसंधान
- (d) साहित्यिक अनुसंधान

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (c) ऐतिहासिक अनुसंधान में साक्ष्यों के संग्रह के साथ-साथ उसकी आलोचना या मूल्यांकन भी आवश्यक होता है, जिससे यह पता चले कि किसे तथ्य माना जाये, किसे सम्भावित माना जाये और किस साक्ष्य को भ्रमपूर्ण माना जाये। इस दृष्टि से हमें ऐतिहासिक विधि में साक्ष्यों की आलोचना या मूल्यांकन की आवश्यकता होती है। अतः साक्ष्यों की आलोचना का मूल्यांकन स्रोत की सत्यता की पृष्ठि तथा इसके तथ्यों की प्रमाणिकता की दोहरी विधि से सम्बन्धित है। ये क्रमशः (i) बाह्य आलोचना और (ii) आंतरिक आलोचना कहलाती है।

6. निम्न में से कौन-सा अ-प्राचलिक सांख्यिकीय परीक्षण का लाभ नहीं है?

- (a) उसका उपयोग तभी होता है जब आँकड़े श्रेणी या वर्ग के रूप में होता है।
- (b) उनका उपयोग वर्ही होता है जहाँ प्राचलिक परीक्षण उपयुक्त होते हैं।
- (c) जनसंख्या बंटन के प्रारूप के बावजूद वे सटीक संभाव्यकताओं का विवरण प्राप्त करते हैं।
- (d) वे प्राचिक परीक्षण से कम शक्तिशाली होते हैं?

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (c) अ-प्राचलिक या गैरपैरामीट्रिक सांख्यिकीय परीक्षण के निम्न लाभ हैं—

- इसका उपयोग तभी होता है जब आँकड़े श्रेणी या वर्ग के रूप में होता है।
- इसका उपयोग वर्ही होता है जहाँ प्राचलिक परीक्षण या पैरामीट्रिक परीक्षण उपयुक्त होते हैं।
- जनसंख्या बंटन के प्रारूप के बावजूद वे सटीक संभाव्यकताओं का विवरण प्राप्त करते हैं।

7. शिक्षण अनुसंधान में किस प्रकार के आँकड़ों का उपयोग होता है?

- (a) विवरणात्मक सांख्यिकीय विश्लेषण
- (b) अनुमानिक सांख्यिकीय विश्लेषण
- (c) यह दोनों
- (d) इनमें से कोई नहीं

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (c) शिक्षण अनुसंधान में विवरणात्मक सांख्यिकीय विश्लेषण तथा अनुमानिक सांख्यिकीय विश्लेषण दोनों प्रकार के आँकड़ों का उपयोग होता है।

8. 'आँकड़ों' का मतलब क्या है?

- (a) तथ्य
- (b) सच
- (c) अवलोकन
- (d) प्राप्त अंक

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (a) आँकड़ों का मतलब तथ्य होता है। जब अनुसंधानकर्ता किसी समस्या पर शोध करना चाहता है तो उस समस्या से सम्बन्धित प्रतिदर्शों का चयन करता है तथा उससे प्राप्त आँकड़ों या तथ्यों के आधार पर अपने परिकल्पना का परीक्षण करता है।

9. अनुसंधान समस्या के महत्व का मूल्यांकन करने में एक महत्वपूर्ण सामाजिक सोच-विचार है-

- समस्या के शोधकर्ता की सच्ची रुचि
- निष्कर्षों का शिक्षाशास्त्री, माता-पिता और सामाजिक कार्यकर्ता इत्यादि के व्यावहारिक मूल्य
- शोधकर्ता का आवश्यक कौशल, योग्यता और अनुसंधान के ज्ञान के बारे में पृष्ठभूमि
- शोधकर्ता द्वारा विश्वसनीय और वैध सामग्री संग्रहण करने की संभवता

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (b) अनुसंधान समस्या के महत्व का मूल्यांकन करते समय यह महत्वपूर्ण सामाजिक सोच-विचार निहीत होता है कि अनुसंधान के निष्कर्षों का शिक्षाशास्त्री, माता-पिता और सामाजिक कार्यकर्ता इत्यादि के लिए कितना महत्वपूर्ण है।

10. शिक्षण अनुसंधान का उद्देश्य क्या है?

- प्रमुख समस्याओं को पहचानना जिनका समाधान करता है।
- शिक्षा प्रक्रिया के अंतर्गत नये तथ्य और सिद्धांतों का अनुसंधान करना।
- शिक्षा के उद्देश्यों को अभिअन करना।
- छात्रों के मन बैठाने वाले मूल्यों को पहचाना।

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (b) शिक्षण अनुसंधान का मुख्य उद्देश्य है- शिक्षा प्रक्रिया के अंतर्गत नये तथ्य और सिद्धांतों का अनुसंधान करना। अनुसंधान एक उद्देश्यपूर्ण प्रक्रिया है। यह मानव जीवन को गति देने एवं दिशा-निर्देशित करने में अत्यन्त आवश्यक है आज अनुसंधान के माध्यम से ही नयी-नयी तकनीकों का जन्म हो रहा है।

11. अनुसंधान प्रक्रिया का निम्न में से कौन-सा लक्षण नहीं है?

- आनुभाविक उपगमन
- सुव्यवस्थित प्रयास
- अनियंत्रित स्थितियाँ
- आलोचनात्मक विश्लेषण

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (c) करलिंगर ने अनुसंधान के अर्थ को स्पष्ट करते हुए कहा है कि- “स्वभाविक घटनाओं का सुव्यवस्थित, क्रमबद्ध, नियंत्रित अनुभाविक एवं आलोचनात्मक अनुसंधान जो घटनाओं के बीच कल्पित सम्बन्धों के सिद्धांतों एवं परिकल्पनाओं द्वारा निर्देशित होता है, को वैज्ञानिक अनुसंधान कहा जाता है।” इस प्रकार अनुसंधान प्रक्रिया का अनियंत्रित स्थितियाँ लक्षण नहीं हैं।

12. निम्न में कौन-सी जोड़ी सही नहीं है?

- परीक्षण-पुनः परीक्षण: स्थिरता
- विभाजन-आधा: आन्तरिक संगति
- KR20 स्थिरता
- सामान्तर रचना समानता

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (c)

- परीक्षण-पुनः परीक्षण विधि- इसमें स्थायित्व स्थिरता का गुण होता है।
- विभाजन-आधा या अर्द्धविच्छेदी विधि- इसमें आन्तरिक संगति का गुण होता है।
- KR20 या कूडर रिचर्ड्सन विधि- इसमें आन्तरिक स्थायित्व/आन्तरिक स्थिरता का गुण होता है।

- समान्तर रचना विधि- इस विधि के अंतर्गत दो समान्तर परीक्षणों की रचना की जाती है। ध्यातव्य है कि ये सभी विधियाँ परीक्षण की विश्वसनीयता बताती हैं।

13. निम्न में से कौन-सा विक्षेपण का मापन नहीं है?

- प्रसार (रेंज)
- बहुलक
- माध्य विचलन
- प्रमाण विचलन

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (b) प्रसार (रेंज), चतुर्थांश विचलन, माध्य विचलन तथा प्रमाण विचलन विक्षेपण का मापन है जबकि माध्य, माध्यिका तथा बहुलक केन्द्रिय प्रवृत्ति के मापक हैं।

14. शिक्षा में अनुसंधान के महत्व को दर्शाने वाला निम्न में से कौन-सा कारण नहीं है?

- वह ज्ञान को जाँचने का, परीक्षण करने का और मान्य करने का हथियार है।
- वह नया ज्ञान पैदा करने का वह एक प्रबल साधन है।
- वह आचरण विज्ञान के केन्द्र पर विद्यमान है।
- वह शिक्षकों द्वारा किये गये प्रश्नों का समाधान मुहैया करता है।

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (c) शिक्षा में अनुसंधान के महत्व को दर्शाने वाले निम्न कारण हैं-

- अनुसंधान ज्ञान को जाँचने का, परीक्षण करने का और मान्य करने का हथियार है।
- अनुसंधान नया ज्ञान पैदा करने का एक प्रबल साधन है।
- अनुसंधान शिक्षकों द्वारा किये गये प्रश्नों का समाधान मुहैया करता है।
- अनुसंधान जीवन के उद्देश्य की प्राप्ति का सरल उपाय देता है।
- अनुसंधान अनेक प्रशासनिक गुणित्यों को सुलझाकर स्वस्थ्य प्रशासनिक व्यवस्था के सफल संचालन में सहायक होता है।

15. माध्य विचलन इसके बराबर होता है-

- 1/3 s
- 4/5 s
- 1/5 Q.D.
- 5/6 Q.D.

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (b) माध्य विचलन (MD) 4/5 SD के बराबर होता है। माध्य विचलन को स्पष्ट करते हुए गैरेट ने लिखा है- “औसत विचलन या माध्य विचलन किसी पदमाला में सब विभिन्न प्राप्तांकों का उनके मध्यमान से विचलनों का औसत होता है।” माध्य विचलन का सूत्र है-

$$MD = \frac{\sum |d|}{N}$$

जहाँ $MD = \text{माध्य विचलन}$

$\sum = \text{योग}$

$d = \text{मध्यमान से प्राप्तांक की दूरी या विचलन}$

$| | = \text{धन (+) या क्रम (-) चिन्हों पर ध्यान न देना}$

$N = \text{प्राप्तांकों की संख्या}$

मानक विचलन (SD) को रीशमैन ने परिभाषित करते हुए लिखा है- “मानक विचलन को औसत विचलन का वर्गमूल भी कहते हैं। यह वितरण के औसत से सब विचलनों के वर्गों के वर्गमूल का औसत होता है।”

मानक विचलन का सूत्र है-

$$SD = \sqrt{\frac{\sum d^2}{N}}$$

जहाँ $SD = \text{मानक विचलन}$

$\sum = \text{योग}$

$d^2 = \text{विचलनों का वर्ग}$

$N = \text{प्राप्तांकों की संख्या}$

16. सांख्यिकी क्या कर सकती है?

- (a) कुछ भी साबित कर सकती है
- (b) कुछ भी असत्य प्रमाणित कर सकती है
- (c) ना तो कुछ भी साबित या असत्य प्रमाणित कर सकती है। वह केवल एक हथियार है
- (d) इनमें से कोई नहीं

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (c) सांख्यिकी निम्नलिखित कार्य कर सकती है-

- किसी समस्या या परीक्षण के सम्बन्ध में तथ्यों या आँकड़ों का संकलन
- समस्या सम्बन्धी आँकड़ों का वर्गीकरण और सारणीकरण
- समस्या-सम्बन्धी आँकड़ों या तथ्यों की व्याख्या और विश्लेषण करके एक निष्कर्ष पर पहुँचना
- निष्कर्ष-सम्बन्धी आँकड़ों या तथ्यों को सरल और सुबोध ढंग से प्रस्तुति।
- विभिन्न आँकड़ों, तथ्यों या समस्याओं से सम्बन्धित पुराने नियमों की परीक्षा करना और नये नियमों का निर्माण।

इस प्रकार सांख्यिकी न तो कुछ साबित करती है और न ही असत्य प्रमाणित कर सकती है। यह मात्र एक हथियार के रूप में प्रयोग होती है।

17. जब एक अन्वेषक एक प्रयोग करता है तब उसे तसल्ली होनी चाहिए कि नियंत्रण और प्रयोग दलों के बीच अन्तर इस कारण है-

- (a) अनुमान (b) प्रायोगिक परिचालन
- (c) प्रायोगिक परिचालन (d) परिचालन परिभाषा

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (b) जब एक अन्वेषक एक प्रयोग करता है तब उसे तसल्ली होनी चाहिए कि नियंत्रण और प्रयोग दलों के बीच अंतर प्रायोगिक परिचालन के कारण है। जब अन्वेषक कोई प्रयोग करता है तो प्रयोग के परिणामों को प्रभावित करने वाले चरों को वह नियंत्रित करता है ताकि जिस चर का प्रभाव देखना चाहते हैं उस पर किसी बाह्य चर का प्रभाव न पड़े। यदि प्रयोगकर्ता बाह्य चरों को नियंत्रित नहीं कर पाता है तो प्रयोग का परिणाम प्रभावित होता है।

18. अधिकतम अंकों से न्यूनतम अंक घटाने से अन्वेषक यह निर्भर कर सकते हैं-

- (a) माध्यिका अंक (b) बहुलक
- (c) अंकों की पहुँच (d) प्रमाधा विचलन

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (c) अधिगम अंकों से न्यूनतम अंक घटाने से अन्वेषक अंकों की पहुँच पर निर्भर कर सकते हैं।

19. अनुसंधान में ज्यादातर आरम्भिक इससे कष्ट पाते हैं-

- (a) समस्या का अंधत्व (b) अनेक समस्याएँ
- (c) समस्या का सामना करने के लिए
- (d) इसमें से कोई नहीं

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (a) अनुसंधान में ज्यादातर आरम्भिक समस्या के अंधत्व से कष्ट पाते हैं। समस्या का चुनाव करते समय इस बात का ध्यान रखा जाता है कि शोध कार्य की दृष्टिकोण से वह समस्या व्यवहारिक है या नहीं। यहाँ व्यवहारिका का तात्पर्य उपयोगिता से नहीं है बल्कि यह है कि जिस समस्या का चुनाव हम कर रहे हैं उसके सम्बन्ध में उपलब्ध वैज्ञानिक विधियों की सहायता से अध्ययन करना सम्भव है या नहीं।

20. सामान्यतः अनुसंधान अनुमान को अमान्य अनुमान में परिवर्तित किया जाता है, क्योंकि-

- (a) वह सुरक्षित है
- (b) उसका सांख्यिकी से परीक्षण नहीं किया जा सकता
- (c) वह एक सामान्य कथन है
- (d) वह एक अस्पष्ट कथन है

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (b) सामान्यतः अनुसंधान अनुमान को अमान्य अनुमान में परिवर्तित किया जाता है क्योंकि उसका सांख्यिकी से परीक्षण नहीं किया जा सकता है। अनुसंधान अनुमान के ठीक विपरीत अमान्य अनुमान विकसित किया जाता है ताकि अनुसंधान अनुमान का सांख्यिकी से परीक्षण किया जा सके। अनुसंधान अनुमान को H_1 तथा अमान्य अनुमान H_0 से प्रदर्शित किया जाता है और माध्य के लिए X का प्रयोग किया जाता है।

21. निम्न में से कौन-सा स्थिर औसत है?

- (a) योगात्मक माध्य (b) माध्यिका
- (c) ज्यामितीय माध्य (d) हरात्मक माध्य

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (b) माध्यिका स्थिर औसत है। मध्यांक या माध्यिका की स्थिति किसी क्रमबद्ध आंकिक शृंखला में ऐसी होती है कि उस बिन्दु के ऊपर तथा नीचे अंकों की संख्या समान होती है। अर्थात् कोई भी आंकिक शृंखला माध्यिका के द्वारा दो बराबर भागों में बँट जाती है। गैरेट ने माध्यिका को परिभाषित करते हुए लिखा है- “जब अव्यवस्थित अंक या अन्य माप आकार या मल्यों के अनसार क्रमबद्ध हों तो उनके मध्य का अंक मध्यिका या माध्यिका होती है।

22. निम्न में से कौन-सा अत्यधिक अस्थिर औसत है?

- (a) माध्यिका (b) योगात्मक माध्य
- (c) बहुलक (d) ज्यामितीय माध्य

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (c) अत्यधिक अस्थिर औसत बहुलक होता है। किसी आंकिक शृंखला में सबसे अधिक आवृत्ति वाली संख्या को बहुलांक कहते हैं। बहुलांक के द्वारा व्यवहारित कार्यक्रम माप है। जब ऐसे घटकों की केन्द्रीय प्रवृत्ति ज्ञात करनी हो जिनका ठीक-ठीक माप प्राप्त न किया जा सकता हो तब बहुलांक का उपयोग किया जाता है।

23. क्रियात्मक शोध के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?

- (a) इसका योगदान कक्षा अध्यापन पद्धतियों में होता है
- (b) इसका सम्बन्ध अध्यापकों, विद्यार्थियों या संस्थाओं की तात्कालिक समस्याओं से है।
- (c) इसका कार्यक्षेत्र काफी व्यापक होता है।
- (d) इसके निष्कर्ष उपचारात्मक उपायों की शक्ति में होते हैं।

PRT-KVS 07-01-2017

Ans : (c) क्रियात्मक शोध की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं-

- (i) इसका योगदान कक्षा अध्यापन पद्धतियों में होता है।
- (ii) इसका सम्बन्ध अध्यापकों, विद्यार्थियों या संस्थाओं की तात्कालिक समस्याओं से है।
- (iii) इसके निष्कर्ष उपचारात्मक उपायों की शक्ति में होते हैं।
- (iv) यह विद्यालय की कार्यप्रणाली में संशोधन और सुधार करता है।
- (v) यह विद्यालय के यांत्रिक और परम्परागत वातावरण को समाप्त करने का प्रयत्न करता है।

“इसका क्षेत्र व्यापक होता है।” यह कथन सही नहीं है।

24. यदि विद्यार्थियों का एक समूह आपकी कक्षा में प्रायः अनुपस्थित रहता है, तो आप इस स्थिति से कैसे निपटेंगे?

- (a) इस मामले की रिपोर्ट प्राचार्य से करेंगे
- (b) विद्यार्थियों के माता-पिता को सूचित करेंगे
- (c) क्रियात्मक शोध करेंगे
- (d) उन विद्यार्थियों को उनके हाल पर छोड़ देंगे

PRT KVS 2010

Ans : (c) यदि विद्यार्थियों का एक समूह कक्षा में प्रायः अनुपस्थित रहता है तो एक शिक्षक को इस स्थिति से निपटने के लिए क्रियात्मक शोध करना चाहिए तथा यह जानने का प्रयास करना चाहिए कि विद्यार्थियों का यह समूह किस कारणवश अनुपस्थित रहता है और उसका उचित समाधन करने का प्रयत्न करना चाहिए।

12.

विभिन्न विषयों का शिक्षण

1. भाषा शिक्षण

1. विद्यालयी शिक्षा में अत्यन्त प्रारंभ से बहुभाषिक उपागम का प्रयोग मुख्यतः किस दुष्प्रभाव का प्रतिकरण करने में सहायक होता है?
- कमजोर संप्रेषण कौशल
 - विद्यालय छोड़ना
 - अधिगम अशक्तता
 - अपनी स्वयं की भाषा की क्षति

PRT-KVS, 16-12-2017

Ans : (d) विद्यालयी शिक्षा में अत्यन्त प्रारंभ से बहुभाषिक उपागम का प्रयोग मुख्यतः अपने स्वयं की भाषा की क्षति के दुष्प्रभाव का प्रतिकरण करने के लिए किया जाता है। इसलिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा 2005 में प्राथमिक स्तर पर ही विद्यालयों में बहुभाषिकता को महत्व प्रदान करने की बात कही गयी है।

2. व्याकरण पढ़ाने की प्रेरक विधि के बारे में कौन-सा कथन सत्य है?
- भलीभाँति प्रशिक्षित नहीं हुए अध्यापक को भी व्याख्यान का उपयोग करते हुए व्याकरण पढ़ाने की अनुमति देता है
 - विद्यार्थी केन्द्रित है
 - व्याकरण के सूक्ष्म बिन्दुओं का शिक्षण करवाता है
 - उपर्युक्त सभी

PRT-KVS Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (b) व्याकरण पढ़ाने की प्रेरक विधि विद्यार्थी केन्द्रित है। व्याकरण पढ़ाने के लिए प्रायः शिक्षण की आगमन-निगमन विधि का प्रयोग किया जाता है जो कि विद्यार्थी केन्द्रित शिक्षण विधि है।

3. निम्नलिखित में से कौन-सा पठन का एक लक्षण नहीं है?
- पठन एक आजीवन प्रक्रिया है
 - पठन प्रत्यक्षतः विचारयोग्य है
 - पठन को अभ्यास द्वारा सुधारा जा सकता है
 - उपर्युक्त में से कोई नहीं

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (b) पठन की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं-

- पठन एक आजीवन प्रक्रिया है।
- पठन को अभ्यास द्वारा सुधारा जा सकता है।

पठन प्रत्यक्षतः विचार योग्य है— यह पठन का लक्षण नहीं है।

4. कक्षाओं में भौतिक वस्तुओं का समूहीकरण उनके लक्षणों के आधार पर करना की एक विशेषता है।

- | | |
|--------------------|-----------------------|
| (a) भेद द्वारा पठन | (b) सिद्धांतों का पठन |
| (c) संकल्पना पठन | (d) चलता अनुबंधन |

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (c) कक्षाओं में भौतिक वस्तुओं का समूहीकरण उनके लक्षणों के आधार पर करना संकल्पना पठन की एक विशेषता है। संकल्पना पठन के द्वारा भौतिक वस्तुओं के गुणों व दोषों को समझा जा सकता है।

5. प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में अध्यापन करना बेहतर है, क्योंकि वह—
- बालकों में आत्मविश्वास पैदा होता है
 - अधिगम को सहज बनाता है
 - बांद्रिक विकास के लिए सहायक है
 - प्राकृतिक वातावरण में बच्चों को पढ़ने में सहायक होता है

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (d) प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में अध्यापन करना बेहतर है क्योंकि वह प्राकृतिक वातावरण में बच्चों को पढ़ाने में सहायक होता है। कक्षा में बच्चे अलग-अलग भाषायी-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आते हैं। कक्षा में इनकी भाषाओं का स्वागत किया जाना चाहिए, क्योंकि बच्चों की भाषा को नकारने का अर्थ है उनकी अस्मिता को नकारना। साथ ही मातृभाषा में अध्यापन से यह भी लाभ होता है कि वे विभिन्न परिचित और अपरिचित संदर्भों के अनुसार भाषा का सही प्रयोग कर सकते हैं।

6. मातृभाषा के माध्यम द्वारा सीखने से क्या लाभ है?
- सरल बोधगम्यता
 - बेहतर भाषा-प्रयोग का विकास
 - रचनात्मकता का विकास
 - अर्थनिरूपण की योग्यता का विकास

PRT KVS 15-12-2013

Ans : (a) मातृभाषा के माध्यम द्वारा सीखने से बच्चे सरलतापूर्वक समझ सकते हैं। इसलिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा-2005 में बहुभाषिकता को महत्व दिया गया है। इसके अनुसार कक्षा में बच्चों की मातृभाषा को स्वीकार किया जाना चाहिए ताकि वे अपने विचारों, भावनाओं, समस्याओं, अनुभव, राय आदि को सहजतापूर्वक व्यक्त कर सकें और दूसरों के विचारों, भाषा आदि के प्रति संवेदनशील बन सकें।

7. जब एक शिक्षिका समूह चर्चा के बाद विद्यार्थियों को पत्र लिखने को कहती है, तब वह—
- भाषा सिखाने की सीधी पद्धति अपनाती है
 - विभिन्न भाषा निपुणताओं को संघटित करती है
 - परंपरागत पद्धति को अपनाती है
 - विद्यार्थियों को संभाव्य से उलझाती है

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (b) यदि एक शिक्षिका समूह चर्चा के बाद विद्यार्थियों को पत्र लिखवाती हैं तो वह विभिन्न भाषा निपुणताओं को संघटित करती है। सामूहिक परिचर्चा के बाद बच्चे बहुत सारे शब्दों और वाक्यों से परिचित होते हैं जिनका प्रयोग वे पत्र लिखने में कर सकते हैं, जो भाषा निपुणताओं को विकसित करने में सहायक होता है।

8. 'Prediction' उप-निपुणता के रूप में इससे संबंधित है-

 - (a) पाण्डुलेखन (Drafting)
 - (b) संक्षेपण (Summarising)
 - (c) विवरण बनाना
 - (d) पढ़ना

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (d) प्रेडिक्शन पढ़ने की उप-नियुणता से सम्बन्धित है। पढ़ने के दौरान व्यक्ति कुछ चीजों को पढ़कर उसके आगे का अनुमान लगा लेता है जो कि सर्वथा सही नहीं होता है।

9. जब एक शिक्षक भाषा पढ़ाने में विज्ञान और समाज विज्ञान का उपयोग करता है, ऐसे प्रस्ताव को यह कहा जा सकता है—

 - (a) वस्तुगत भाषा शिक्षण
 - (b) अनेकवादी भाषा शिक्षण
 - (c) विधा-प्रकार भाषा शिक्षण
 - (d) पाठ्यक्रम के साथ-साथ भाषा

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (d) भाषा पढ़ाने में विज्ञान और समाज विज्ञान का उपयोग पाठ्यक्रम के साथ भाषा शिक्षण का प्रस्ताव प्रस्तुत करता है। विज्ञान, सामाजिक विज्ञान या गणित की कक्षाएँ भी भाषा की ही कक्षा होती है। किसी विषय को सीखना, उसकी शब्दावली को सीखना, उनके बारे में आलोचनात्मक ढंग से चर्चा करना और उनके बारे में लिख सकना, भाषा कौशल को विकसित करने में सहायक होती है।

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (d) भाषा-निपुणता संघर्षित रीति से सीखाई जानी चाहिए। इसे विभिन्न विषयों में सम्मिलित करते हुए सिखाया जाना चाहिए न कि अलग-अलग रूप से।

11. पढ़ने की धारणा (Reading comprehension) की परीक्षा करने के लिए प्रश्न इस पर होंगे—

 - (a) पाठ्य में उपयोग की गयी संरचना और शब्द पर फोकस
 - (b) पाठ्य ज्ञान की पूरी तरह से परीक्षा
 - (c) शिक्षार्थियों को गलती के बगैर उत्तर लिखने को उत्तेजित करना।
 - (d) धारणा के साथ अनुमान, व्याख्या और मूल्यांकन की परीक्षा।

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (d) पढ़ने की धारणा की परीक्षा करने के लिए प्रश्न, धारणा के साथ अनुमान, व्याख्या और मूल्यांकन की परीक्षा पर भी होंगे। पढ़ना बुनियादी तौर से एक अर्थवान गतिविधि है। मुद्रित अथवा लिखित सामग्री से कुछ संदर्भों व अनुमान के आधार पर अर्थ पकड़ने की कोशिश ‘पढ़ना’ है।

12. वर्णन परिज्ञान इसे बढ़ाने में प्रभावी होता है—

 - (a) कलात्मक निपुणता
 - (b) बोलने की निपुणता
 - (c) सुनने की निपुणता
 - (d) साहित्यिक निपुणता

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (b) वर्णन परिज्ञान बोलने की निपुणता में प्रभावी होता है। वर्णन परिज्ञान से वाक क्षमता का विकास होता है तथा भाषा प्रयोग में रचनात्मकता आती है। इसलिए वर्णन परिज्ञान शिक्षण में आवश्यक होता है।

13. एक शिक्षिका अपने विद्यार्थियों को बहुत सारे वाक्य देती है और उनकों, सही संयोजक (Connectors) का उपयोग कर, एक पत्र में आयोजित करने को कहती है। इस प्रक्रिया में मुख्यतः यह निपुणता शामिल होगी।

 - (a) जानकारी संग्रह करना
 - (b) विवरण को विस्तारित करना
 - (c) सुव्यवस्थित करना
 - (d) पनलेखन

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (c) एक शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को बहुत सारे वाक्यों को देकर, सही संयोजकों का उपयोग करके, उसे एक पत्र में आयोजित करवाना मुख्यतः सुव्यवस्थित करने में निपुणता हासिल करने पर जोर देती है। इससे शिक्षार्थियों में वाक्यों को संगठित तथा अलंकृत करने की क्षमता तथा संगठित लेखन कौशल का विकास होगा।

14. भाषा में कौशल सीखने का क्रम होता है-

 - (a) सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना
 - (b) लिखना, पढ़ना, बोलना, सुनना
 - (c) बोलना, सुनना, पढ़ना, लिखना
 - (d) लिखना, पढ़ना, सुनना, बोलना

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (a) भाषा में कौशल सीखने का क्रम होता है-
सुनना \Rightarrow बोलना \Rightarrow पढ़ना \Rightarrow लिखना
राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2005 के अनुसार सुनना, बोलना,
पढ़ना और लिखना, ये क्रियाएँ पाठ्यचर्या के सभी क्षेत्रों में बच्चों
की प्रगति में भूमिका निभाती हैं और इन्हें पाठ्यचर्या की योजना का
आधार होना चाहिए।

15. संक्षिप्त विवरण को पढ़ना और विस्तृत ज्ञानमय (detailed comprehension) उत्तर देना, कहलाता है—

 - (a) तेज पढ़ना
 - (b) स्क्रिमिंग (Skimming)
 - (c) गहन पढ़ना
 - (d) स्कैनिंग (Scanning)

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (b) संक्षिप्त विवरण को पढ़ना और विस्तृत ज्ञानमय उत्तर देना स्क्रिमिंग कहलाता है। स्क्रिमिंग तेज गति से पढ़ने की तकनीक है जिसमें सम्पूर्ण विवरण को सरसरी तौर पर पढ़ा जाता है।

16. जब विषयवस्तु को वाक्य बंधारण (Sentence structure) के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है, वह कहलाता है-

- (a) स्वनिक (Phonetic) वर्गीकरण
- (b) व्याकरणिक (Grammatical) वर्गीकरण
- (c) भाषा शब्द (Lexical) वर्गीकरण
- (d) अर्थ विषयक (Semantic) वर्गीकरण

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (b) जब विषय-वस्तु को वाक्य बंधारण के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है, तो वह व्याकरणिक वर्गीकरण कहलाता है। व्याकरणिक वर्गीकरण व्याकरण के नियमों पर आधारित होता है जिसमें वाक्यों, उपवाक्यों, पदों, पदांशों आदि को उनके गुणों के आधार पर विभाजित किया जाता है।

17. कोई जानकारी पाने के लिए त्वरित पढ़ने (Quick reading) को कहा जाता है-

- (a) स्क्रिमिंग
- (b) तेज पढ़ना
- (c) स्कैनिंग
- (d) मूक पढ़ना

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) कोई जानकारी पाने के लिए त्वरित पढ़ने को स्कैनिंग कहा जाता है। स्क्रिमिंग और स्कैनिंग दोनों त्वरित पढ़ने की तकनीकी है। स्क्रिमिंग में संक्षिप्त विवरण पढ़ा जाता है तथा विषय-वस्तु का समग्र रूप से अध्ययन किया जाता है। जबकि स्कैनिंग का उपयोग तब किया जाता है जब आप विशिष्ट जानकारी जल्दी से खोजना चाहते हैं। स्कैनिंग में आपके दिमाग में एक प्रश्न होता है और आप केवल एक उत्तर को पढ़ने के लिए पढ़ते हैं, असंबंधित जानकारी को अनदेखा करते हुए।

18. आविष्कार वर्तनी क्या है?

- (a) पढ़ने के विकास के साथ हस्तक्षेत्र
- (b) पारंपरिक वर्तनी का विकास
- (c) बच्चों की वाक्यपटुता को बढ़ाता है
- (d) माता-पिता द्वारा समर्थित नहीं किया जाना चाहिए

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (c) अविष्कार वर्तनी बच्चों की वाक्यपटुता को बढ़ाता है। बच्चे भाषा सीखते समय विभिन्न प्रकार के स्ववर्तनी का आविष्कार करते हैं। जो उनकी वाक्यपटुता में सहायक होते हैं।

19. बच्चों के भाषा अध्ययन में एक महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभाता है।

- (a) ध्वनि संयोजन के लिए अध्ययन नियम
- (b) संवादमूलक पैटर्न के लिए अध्ययन नियम
- (c) वयस्क भाषण की नकल
- (d) वाक्य संरचना के लिए अध्ययन नियम

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (c) वयस्क भाषण की नकल बच्चों के भाषा अध्ययन में एक महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभाता है क्योंकि भाषा-विकास और भाषा अध्ययन दो अलग-अलग चीजें हैं। भाषा विकास में वयस्क भाषण नकल महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है जबकि भाषा अध्ययन में निम्न कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं-

- ध्वनि संयोजनों के लिए अध्ययन नियम
- संवादमूलक पैटर्न के लिए अध्ययन नियम
- वाक्य संरचना के लिए अध्ययन नियम

20. एक बच्चा "CAT" शब्द को उसके घटक ध्वनिग्राम/C+/A+/T/ में करने में खंडित करने में सक्षम है। वह किसके गहरे स्तर का प्रदर्शन करता है?

- (a) ध्वनि जागरूकता
- (b) प्रिंट कार्य
- (c) विलोपन
- (d) इनमें से कोई नहीं

PRT Post Code 70/09 02.02.2014

Ans : (a) यदि एक बच्चा "CAT" शब्द को उसके घटक ध्वनिग्राम /C+/A+/T/ को खण्डित करने में सक्षम है तो वह ध्वनि जागरूकता का प्रदर्शन कर रहा है। उसे भाषा विज्ञान की समझ है तथा वह स्वनिम व रूपिम के भेदों को समझ सकता है।

21. सुनी, पढ़ी और समझी हुई भाषा को सहज और स्वाभाविक लेखन द्वारा, अभिव्यक्त करने की क्षमता का विकास करने में निम्नलिखित में से कौन सहायक हैं?

- (a) औपचारिक पत्र-लेखन
- (b) किसी पढ़ी हुई कहानी को संक्षेप में लिखना
- (c) सुनी, देखी, पढ़ी घटना को अपने शब्दों में लिखित रूप में अभिव्यक्त करना
- (d) 'मेरा प्रिय विद्यालय' विषय पर निबंध लिखना।

NVS PGT 2018

Ans : (c) सुनी, पढ़ी और समझी हुई भाषा को सहज और स्वाभाविक लेखन द्वारा अभिव्यक्त करने की क्षमता का विकास करने के लिए सुनी, पढ़ी, देखी घटना को अपने शब्दों में लिखित रूप में अभिव्यक्त करना चाहिए।

22. आठवीं कक्षा की एक छात्रा किसी दिए गए विषय पर लिखने के कारण परेशान है। उसकी अध्यापिका उसे सलाह देती है कि वह दिए गए कार्य को ऐसे भागों में बाँटकर करे जिनकी उसको अच्छी तरह से समझ हो। इस तरीके के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा अधिक उपयुक्त है?

- (a) शुरू में ही अच्छी तरह से आने वाले विषय लिख लें तथा फिर उसमें सामग्री जोड़ें कि विषय किस प्रकार से दिए गए कार्य से सम्बन्धित हैं
- (b) विषय से सम्बन्धित पुस्तकों, लेखों तथा वेबसाइटों की एक निर्देशिका तैयार करें
- (c) विषय से सम्बन्धित जानकारी देने वाले दो स्रोत खोजें और उनके बीच एक-सी समानताएँ ढूँढें
- (d) एक पत्र (पेपर) तैयार करें और इसे किसी मित्र को सुनाकर निर्धारित करें कि किन भागों में सुधार करने की जरूरत है

NVS PGT 2018

Ans : (a) आठवीं कक्षा की एक छात्रा किसी दिए गए विषय पर लिखने के कारण परेशान है। एक अध्यापिका के रूप में हम उसे सलाह देंगे कि वह दिए गए कार्य को ऐसे भागों में बाँटकर करे जिनकी उसको अच्छी तरह से समझ हो। इस प्रकार वह शुरू में ही अच्छी तरह से आने वाले विषय लिख ले तथा फिर उसमें सामग्री जोड़े कि विषय किस प्रकार से दिये गये कार्य से संबंधित है। इस तरीके का उपयोग करके वह किसी विषय पर बेहतर तरीके से लिख सकती है।

23. जब बच्चे कहानियाँ पढ़ते हैं, तो—

- (a) वे घटनाओं, पात्रों में उलझ जाते हैं
- (b) वे अन्य लोगों के अनुभवों में प्रवेश करते हैं व कल्पनाशील बनते हैं
- (c) उनका नैतिक विकास अनिवार्यतः होता है
- (d) वे बिना किसी उद्देश्य के पढ़ते हैं

NVS PGT 2018

Ans : (b) जब बच्चे कहानियाँ पढ़ते हैं, तो वे अन्य लोगों के अनुभवों में प्रवेश करते हैं व कल्पनाशील बनते हैं।

24. निम्नलिखित में से कौन—सा नियम पढ़ना सीखने में मुश्किल पैदा नहीं करता?

- (a) बच्चों का सावधानीपूर्वक पढ़ने के लिए जोर डालना
- (b) शब्द—प्रति—मिनट पढ़ते हुए गति को बढ़ाने का आग्रह करना
- (c) चित्र, संदर्भ और पूर्व अनुभवों के आधार पर अनुमान लगाते हुए पढ़ने के अवसर देना
- (d) यह सुनिश्चित करना कि ध्वनि के नियम सीखकर उन पर अमल किया जाए

NVS PGT 2018

Ans : (c) चित्र, संदर्भ और पूर्व अनुभवों के आधार पर अनुमान लगाते हुए पढ़ने के अवसर देना पढ़ना सीखने में मुश्किल पैदा नहीं करता।

25. “तुम्हरे आस—पास ऐसे कौन—कौन से फूल हैं, जिनकी बहुत तेज महक है? ऐसे फूलों के नाम अपनी भाषा में लिखो।”

हिन्दी भाषा के इन अभ्यासों का क्या उद्देश्य है?

- (a) बच्चों की भाषा को कक्षा में स्थान देते हुए यह जानना कि क्या वे अपनी भाषा में लिख सकते हैं
- (b) बच्चों को फूलों और उनकी महक के बारे में विस्तृत जानकारी देना
- (c) बच्चों से यह जानना कि कितने फूलों के नाम जानते हैं
- (d) पाठ को अपने अनुभव—संसार से जोड़ने के अवसर देना और बहुभाषिक को पोषित करना

NVS PGT 2018

Ans : (a) हिन्दी भाषा के उपर्युक्त अभ्यासों का उद्देश्य ‘बच्चों की भाषा को कक्षा में स्थान देते हुए यह जानना कि क्या वे अपनी भाषा में लिख सकते हैं। ध्यातव्य है कि उपर्युक्त प्रश्न द्वारा भाषा क्षमता का आकलन किया जा रहा है।

26. संगीता अक्सर शब्दों को उल्टा लिखती है और लिखते समय कुछ अक्षरों को छोड़ देती है। उसे लिखने में कठिनाई होती है। उसकी समस्या सम्बन्धित है।

- (a) डिस्केलकुलिया
- (b) दृष्टिबाधिता
- (c) डिस्लेक्सिया
- (d) डिस्याफिया

NVS PGT 2018

Ans : (d) डिस्याफिया एक खास तरह की सीखने की अक्षमता है जो लेखन के कौशल पर असर डालती है। इसमें स्पेलिंग, हस्तलेखन और काम्पीहेंशन यानि अवधारणात्मक पाठों (शब्दों, वाक्यों और पैराग्राफों को संयोजित करना) जैसे कौशल बाधित होते हैं।

27. यदि सुलेखा ‘रेलगाड़ी’ को ‘रेलगाड़ि’ लिखती है, तो एक भाषा—शिक्षक के रूप में मैं आप क्या करेंगे?

- (a) उसकी कॉपी पर ‘रेलगाड़ी’ शब्द लिखेंगे और सुलेखा से पूछेंगे कि लिखे हुए शब्दों में क्या अंतर है। उसे अपना शब्द स्वयं ठीक करने के लिए कहेंगे
- (b) ‘रेलगाड़ि’ शब्द पर धेरा लगाकर सही शब्द लिखकर सुलेखा की कॉपी वापस कर देंगे
- (c) ‘रेलगाड़ि’ शब्द पर धेरा लगाएंगे और सुलेखा को ढाँटेंगे, ताकि वह आगे से शब्दों को सही—सही लिखे
- (d) सुलेखा से ‘रेलगाड़ी’ शब्द तीस बार लिखवाएंगे ताकि दुबारा गलती न हो

NVS PGT 2018

Ans : (a) यदि सुलेखा ‘रेलगाड़ी’ को ‘रेलगाड़ी’ लिखती है, तो एक भाषा—शिक्षक को उसकी कॉपी पर ‘रेलगाड़ी’ शब्द लिखकर सुलेखा से पूछना चाहिए कि लिखे हुए शब्दों में क्या अंतर है। उसे अपना शब्द स्वयं ठीक करने के लिए कहना चाहिए।

28. “भाषा और चिन्तन में सम्बन्ध होता है।” यह कथन—

- (a) व्यर्थ का है
- (b) पूर्णतः सही है
- (c) आंशिक रूप से सही है
- (d) पूर्णतः गलत है

DSSSB TGT 2016

Ans : (c) “भाषा और चिन्तन में सम्बन्ध होता है।” यह कथन आंशिक रूप से सही है, क्योंकि एक ओर जहाँ वाइगोत्सकी मानते हैं कि भाषा विचार या चिंतन को प्रभावित करता है वहीं पियाजे का मानना है कि भाषा का विचार पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। इसलिए भाषा और चिंतन के बीच आंशिक संबंध ही माना जाता है।

29. हिन्दी भाषा के प्रश्न—पत्र में आप किस सवाल को सबसे बेहतर मानते हैं?

- (a) अगर आप बाबा भारती की जगह होते तो क्या करते
- (b) संज्ञा की परिभाषा बताइए
- (c) लाल बहादुर शास्त्री के बचपन का क्या नाम था
- (d) बाबा भारती क्यों उदास थे

DSSSB TGT 2016

Ans : (a) ‘अगर आप बाबा भारती की जगह होते तो क्या करते?’— हिन्दी भाषा के प्रश्न पत्र में यह सवाल सबसे बेहतर है, क्योंकि इस प्रकार के प्रश्न बच्चों को सोचने के लिए प्रोत्साहित करते हैं तथा उनके भाषा कौशल, रचनात्मकता आदि का विकास होता है।

30. नेहा अपनी बात कहते समय अपनी मातृभाषा के शब्दों का प्रयोग करती है। आप क्या करेंगे?

- (a) उसे बताएंगे कि ये शब्द गलत हैं
- (b) लक्ष्य भाषा के शब्द का प्रयोग करते हुए सहजता से उसके वाक्य को दोहराएंगे
- (c) उसे ढाँटेंगे कि वह अपनी भाषा के शब्दों का प्रयोग न करे
- (d) उसे बताएंगे कि किसी शब्द—विशेष को क्या कहते हैं

DSSSB TGT 2016

Ans : (b) यदि नेहा अपनी बात कहते समय अपनी मातृभाषा के शब्दों का प्रयोग करती है, तो एक शिक्षक को लक्ष्य भाषा के शब्द का प्रयोग करते हुए सहजता से उसके वाक्य को दोहराना चाहिए।

31. “हर व्यक्ति को मैंने ही सच्चाई दिखाई।” वाक्य पर चर्चा करने का उद्देश्य है—
 (a) बच्चों को भाषा की नियमबद्ध प्रकृति की पहचान और उसका विश्लेषण करना सिखाना
 (b) बच्चों को संज्ञा के प्रयोग का ज्ञान कराना
 (c) बच्चों को सर्वनाम के प्रयोग का ज्ञान कराना
 (d) बच्चों की क्रिया के प्रयोग का ज्ञान कराना

DSSSB TGT 2016

Ans : (a) “हर व्यक्ति को मैंने ही सच्चाई दिखाई।” वाक्य पर चर्चा करने का उद्देश्य बच्चों को भाषा की नियमबद्ध प्रकृति की पहचान और उसका विश्लेषण करना सिखाना है।

32. भाषा की कक्षा में यह जरूरी है कि—

- (a) बच्चों की अधिक से अधिक परीक्षाएँ ली जाएँ
- (b) भाषा की पाठ्य-पुस्तकों पर विशेष ध्यान दिया जाएँ
- (c) बच्चे मानक भाषा ही में बातचीत करें
- (d) भाषिक पृष्ठभूमि के आधार पर किसी को पीछे नहीं छोड़ा जाएँ

DSSSB TGT 2016

Ans : (d) भाषा की कक्षा में यह जरूरी है कि भाषिक पृष्ठभूमि के आधार पर किसी को पीछे नहीं छोड़ा जाएँ। इसलिए कक्षा में बहुभाषिकता को स्वीकार किया जाना चाहिए, तथा बच्चों को अपनी भाषा में विचारों को अभिव्यक्त करने का अवसर प्रदान करना चाहिए।

33. फरहीन अक्सर अपनी कॉपी में कुछ न कुछ लिखती रहती है। एक भाषा-शिक्षक होने के नाते आपकी क्या प्रतिक्रिया होगी?

- (a) फरहीन को कुछ-न-कुछ करने की आदत है, इस पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है
- (b) फरहीन को कोई बीमारी है, इसका इलाज कराया जाएँ
- (c) फरहीन को कॉपी के पन्ने खराब करने की आदत है उसे मना किया जाएँ
- (d) फरहीन अपने मन की बातों की अभिव्यक्ति चाहती है, उसके लेखन को कक्षा में प्रदर्शित किया जाएँ

DSSSB TGT 2016

Ans : (d) यदि फरहीन अक्सर अपनी कॉपी में कुछ न कुछ लिखती रहती है, तो इसका मतलब है कि वह अपने मन की बातों को अभिव्यक्त करना चाहती है। अतः एक भाषा-शिक्षक को उसके लेखन को कक्षा में प्रदर्शित करना चाहिए।

34. पॉल भाषा की कक्षा में समय मिलते ही अक्सर बाल साहित्य पढ़ते हुए नजर आता है। इसका संभावित कारण है—

- (a) शिक्षक का शिक्षण नीरस है
- (b) उसे केवल कहनियाँ पढ़ने का शौक है
- (c) उसकी पाठ्य-पुस्तक नीरस है
- (d) उसमें पढ़ने के प्रति ललक है

DSSSB TGT 2016

Ans : (d) यदि पॉल भाषा की कक्षा में समय मिलते ही अक्सर बाल साहित्य पढ़ते हुए नजर आता है, तो इसका संभावित कारण उसमें पढ़ने के प्रति ललक है।

35. पहली कक्षा की नादिरा पढ़ते हुए बार-बार अटकती है। ऐसे में आप क्या करेंगे?

- (a) धैर्य से काम लेते हुए पढ़ना सीखने में उसकी मदद करेंगे
- (b) नादिरा को डाँटेंगे कि वह सही से क्यों नहीं पढ़ती?
- (c) उसे पढ़ने के लिए मना कर देंगे
- (d) उससे कहेंगे कि पहले पढ़ना सीख लो फिर कक्षा में पढ़ना

DSSSB TGT 2016

Ans : (a) यदि पहली कक्षा की नादिरा पढ़ते हुए बार-बार अटकती है, तो ऐसे में एक शिक्षक को धैर्य से काम लेते हुए पढ़ना सीखने में उसी मदद करनी चाहिए।

36. त्रिभाषा सूत्र में हिन्दी का स्थान—

- (a) राजभाषा के रूप में है
- (b) सह-राजभाषा के रूप में है
- (c) मातृ भाषा के रूप में है
- (d) शास्त्रीय भाषा के रूप में है

DSSSB TGT 2016

Ans : (a) त्रिभाषा सूत्र में हिन्दी का स्थान राजभाषा के रूप में है। त्रिभाषा-फार्मूला भारत की भाषा स्थिति की चुनौतियों और अवसरों को संबोधित करने का एक प्रयास है। त्रिभाषा-सूत्र में क्षेत्रीय भाषा, हिन्दी भाषा और अंग्रेजी को शामिल किया जाता है।

37. सातवीं कक्षा में पढ़ने वाली रूबी कक्षा में सबसे पहले अपना कार्य समाप्त कर लेती है। हिन्दी भाषा शिक्षक के रूप में आप क्या करेंगे?

- (a) रूबी को दूसरे बच्चों के कार्य की जाँच का एकमात्र अधिकारी बनाएँगे
- (b) रूबी को उसकी पसन्द का कार्य करने के लिए कहेंगे
- (c) रूबी से शांत बैठने के लिए कहेंगे
- (d) रूबी की दूसरों से तुलना करेंगे

DSSSB TGT 2016

Ans : (b) यदि सातवीं कक्षा में पढ़ने वाली रूबी कक्षा में सबसे पहले अपना कार्य समाप्त कर लेती है, तो एक हिन्दी भाषा के शिक्षक को रूबी को उसकी पसन्द का कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

38. तीसरी कक्षा में पढ़ने वाली सुनयना अक्सर ‘स’ को ‘श’ कहती है। भाषा शिक्षक होने के नाते आप क्या करेंगे?

- (a) उसके इस तरह के प्रयोग पर बिल्कुल ध्यान नहीं देंगे
- (b) यह क्षेत्रीय प्रभाव हो सकता है इसलिए उसे स्वयं ही सुधार करने के लिए पर्याप्त समय देंगे
- (c) उसे ‘स’ और ‘श’ के उच्चारण-स्थान की पूर्ण जानकारी देना देना चाहिए तथा स्वयं ऐसे शब्दों का अधिक से अधिक प्रयोग करेंगे
- (d) वह जब भी ‘स’ को ‘श’ कहेगी, उसे टोकेंगे ताकि उसमें सुधार हो सके

NVS TGT 2017

Ans : (c) तीसरी कक्षा में पढ़ने वाली सुनयना अक्सर ‘स’ को ‘श’ कहती है। इस प्रकार की त्रुटियों में सुधार करने के लिए एक शिक्षक को उसे ‘स’ और ‘श’ के उच्चारण स्थान की पूर्ण जानकारी देना चाहिए तथा स्वयं ऐसे शब्दों का अधिक से अधिक प्रयोग करना चाहिए ताकि वह उसका अनुकरण करके सही उच्चारण कर सके।

39. प्राथमिक स्तर पर एक अध्यापिका 'संज्ञा' पढ़ाते समय पहले 'संज्ञा' की परिभाषा बताती है। उसके बाद उससे सम्बन्धित उदाहरण समझाती है। अध्यापिका व्याकरण शिक्षण की कौन-सी विधि अपनाती है?

- (a) सूत्र विधि
- (b) आगमन विधि
- (c) निगमन विधि
- (d) प्रत्यक्ष विधि

NVS TGT 2017

Ans : (c) यदि प्राथमिक स्तर पर एक अध्यापिका 'संज्ञा' पढ़ाते समय पहले संज्ञा की परिभाषा बताती है, उसके बाद उससे सम्बन्धित उदाहरण समझाती है। इसका मतलब है कि अध्यापिका व्याकरण शिक्षण की निगमन विधि का प्रयोग कर रही है। निगमन विधि में शिक्षक छात्रों के समुख पहले सामान्य नियम प्रस्तुत करता है तथा इसके पश्चात् उदाहरणों द्वारा नियम की सत्यता को प्रमाणित करता है एवं विशिष्ट परिस्थितियों में उसके उपयोग को बताता है।

40. पहली कक्षा में प्रवेश लेने से पहले आमतौर पर बच्चे—
 (a) भाषा के व्याकरणिक नियम जानते हैं
 (b) तुलाकार बोलते हैं
 (c) पठन-लेखन में दक्ष होते हैं
 (d) स्व-अभिव्यक्ति जानते हैं

NVS PGT 2016

Ans : (d) पहली कक्षा में प्रवेश लेने से पहले आम तौर पर बच्चे स्व-अभिव्यक्ति जानते हैं। प्रायः देखा जाता है कि विद्यालय में आने पर बच्चे स्वयं को अभिव्यक्त करने में असमर्थ पाते हैं, क्योंकि जिस भाषा में वे सहज रूप से अपनी राय, अनुभव, भावनाएँ आदि व्यक्त करना चाहते हैं, वह विद्यालय में स्वीकृत नहीं होती। इसलिए भाषा-शिक्षण को बहुभाषी संदर्भ में रखकर देखने की आवश्यकता है।

41. सुरभि अक्सर 'ड़' वाले शब्दों को गलत तरीके से उच्चारित करती है। आप क्या करेंगे?
 (a) उसे ऐसा करने देंगे
 (b) उसे 'ड़' वाले शब्दों की सूची पढ़ने को बोलेंगे
 (c) उसे 'ड़' वाले शब्दों की सूची लिखकर अभ्यास करने के लिए देंगे
 (d) उसे 'ड़' वाले शब्दों को अपने पीछे-पीछे दोहराने के लिए करेंगे

NVS PGT 2016

Ans : (d) यदि सुरभि अक्सर 'ड़' वाले शब्दों को गलत तरीके से उच्चारित करती है तो एक शिक्षक को उसे 'ड़' वाले शब्दों को अपने पीछे-पीछे दोहराने के लिए कहना चाहिए। इससे सुरभि सही उच्चारण सुनकर उसका अनुकरण करके सीखने का प्रयास करेगी।

42. प्राथमिक स्तर पर बच्चे किस प्रकार की कविताएँ पसंद करते हैं?

- (a) जिनमें नवीन शब्दों का भंडार हो
- (b) जिनमें तुकबन्दी हो
- (c) जिनमें मूल्य हों
- (d) जिनमें गेयता हो

NVS PGT 2016

Ans : (b) प्राथमिक स्तर पर बच्चे तुकबन्दी वाले कविताएँ पसंद करते हैं। सभी भाषाओं में छोटे छात्रों के लिए तुकबन्दी होती है। कुछ मंजेदार होती हैं, कुछ गंभीर होती हैं और कुछ थोड़ी अशिष्ट हो सकती हैं। इन तुकबन्दियों से छात्रों को भाषा का अनुभव मिलता है। चूंकि इन तुकबन्दियों को याद करना और दोहराना सरल होता है, इसलिए ये विद्यार्थियों में धारा प्रवाह बोलने की क्षमता और आत्मविश्वास जगाती है।

43. भाषा की कक्षाओं में लोकतांत्रिकता बनाए रखने के लिए क्या जरूरी है?

- (a) बच्चों को हर समय बोलने के लिए कहना
- (b) लोकतंत्र पर निबंध पढ़ाना-लिखवाना
- (c) स्वतंत्र एवं मौलिक अभिव्यक्ति के अवसर देना
- (d) राज्य भाषा को अनिवार्यतः पढ़ाना

NVS PGT 2016

Ans : (c) भाषा की कक्षाओं में लोकतांत्रिकता बनाये रखने के लिए आवश्यक है कि बच्चों को स्वतंत्र एवं मौलिक अभिव्यक्ति के अवसर दिये जायें, इससे उनमें रचनात्मकता और कल्पनाशीलता के विकास के साथ-साथ लोकतांत्रिक और सामाजिक मूल्यों का भी विकास होगा।

44. आपकी कक्षा के कुछ विद्यार्थी 'सङ्क' को 'सरक' बोलते हैं। इसका सबसे संभावित कारण है?

- (a) उन्हें हिन्दी न आना
- (b) सुनने में समस्या
- (c) लापरवाही का होना
- (d) उनकी मातृभाषा का प्रभाव

NVS PGT 2016

Ans : (d) यदि कुछ विद्यार्थी 'सङ्क' को 'सरक' बोलते हैं तो इसका सबसे संभावित कारण उनकी मातृभाषा का प्रभाव है। उदाहरण के लिए बिहार राज्य में ज्यादातर लोग 'ड़' को 'र' ही बोलते हैं इसलिए वहाँ जन्म लेने वाला बच्चा भी 'ड़' को 'र' बोलता है।

45. भाषा की कक्षा में बच्चों को किसी त्यौहार विशेष के बारे में बताना है, आप—

- (a) उस त्यौहार पर गृहकार्य के रूप में निबंध लिखकर लाने के लिए करेंगे
- (b) श्यामपट्ट पर उस त्यौहार विशेष के बारे में लिख देंगे
- (c) किसी पुस्तक से उस त्यौहार के बारे में पढ़कर सुनाएँगे
- (d) बच्चों को उस त्यौहार के बारे में अपने-अपने अनुभव सुनाने के लिए करेंगे

NVS PGT 2016

Ans : (d) यदि भाषा की कक्षा में बच्चों को किसी त्यौहार विशेष के बारे में बताना है, तो एक शिक्षक को बच्चों से उस त्यौहार के बारे में अपने-अपने अनुभव सुनाने के लिए कहाना चाहिए ताकि वे अपने पूर्व अनुभवों के आधार पर नवीन जानकारी प्राप्त कर सकें।

46. बच्चे के व्यक्तित्व निर्माण में का महत्वपूर्ण योगदान है—

- (a) मातृभाषा
- (b) क्षेत्रीय भाषा
- (c) विदेशी भाषा
- (d) शास्त्रीय भाषा

NVS PGT 2016

Ans : (a) बच्चे के व्यक्तित्व निर्माण में मातृभाषा का महत्वपूर्ण योगदान होता है। इसलिए कक्षा में इनकी मातृभाषा का स्वागत किया जाना चाहिए ताकि वे अपनी राय, अनुभव, भावनाएँ आदि सहज रूप से अभिव्यक्त कर सकें।

47. भाषा की पढ़ाई—

- (a) बेहद जटिल और संवेदनशील है
- (b) भाषा की पाठ्य-पुस्तक से ही सम्भव है
- (c) समूची पाठ्यचर्या में व्याप्त है
- (d) समूची पाठ्यचर्या का केवल एक हिस्सा है

NVS PGT 2016

Ans : (c) भाषा की पढ़ाई समूची पाठ्यचर्या में व्याप्त है। भाषा की पढ़ाई स्तरानुसार अन्य विषयों, व्यवसायों, कलाओं आदि (जैसे-गणित, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन, नृत्यकला, चिकित्सा आदि) के माध्यम से कराया जाना चाहिए।

48. मोना अकसर लिखते समय शब्दों के अक्षरों को छोड़ देती है, जैसे 'पढ़ती' को पत्ती', 'अभिनव' को 'अनव' लिखना। इसका सबसे अधिक कारण हो सकता है कि—

- (a) उसके विचारों में स्पष्टता न हो
- (b) उसे मात्राओं का ज्ञान न हो
- (c) उसे लिखना रुचिकर नहीं लगता हो
- (d) उसके विचार और लिखने की गति में सामंजस्य न हो

KVS TGT 2018

Ans : (d) उपर्युक्त प्रश्न से स्पष्ट है कि उसके विचार और लिखने की गति में सामंजस्य नहीं है। मोना डिस्ट्राफियाँ बीमारी से पीड़ित है। डिस्ट्राफिया सुसंगत रूप से न लिख पाने की एक अक्षमता है। यह खास तरह की सीखने की अक्षमता है जो लेखन के कौशल पर असर डालती है। इसमें स्पेलिंग, हस्तलेखन और काम्प्रीहेन्शन जैसे कौशल बाधित होते हैं।

49. रूपा बड़े समूह के सामने अपनी बात कहते समय अटकती है। एक शिक्षक के रूप में आप उसकी सहायता कैसे करेंगे?

- (a) उसमें बलपूर्वक आत्मविश्वास उत्पन्न करेंगे
- (b) उसे हमेशा बड़े समूह के सामने बोलने के लिए कहेंगे
- (c) प्रारम्भ में छोटे-छोटे समूहों में बात करने के लिए भरपूर अवसर देंगे
- (d) उसे बार-बार समझाएंगे कि बड़े समूह में किस तरह बोला जाता है

KVS TGT 2018

Ans : (c) एक शिक्षक के रूप में विद्यार्थी को प्रारम्भ में छोटे-छोटे समूहों में बात करने के लिए प्रेरित करना चाहिए जिससे उनके आत्मविश्वास में वृद्धि हो और वे बड़े समूह के सामने भी निर्भीक होकर अपनी बात कह सकें।

50. सतीश सातवीं कक्षा का विद्यार्थी है वह मिक्क्य लिखते समय कुंजी या गाइड से रटी हुई भाषा का प्रयोग करता है इसके कारणों में सबसे कमज़ोर कारण हो सकता है—

- (a) सृजनात्मक लेखन की शिक्षण पद्धति कमज़ोर है
- (b) उसकी मौखिक भाषा बेहद कमज़ोर है
- (c) उसकी लिखित भाषा पर पकड़ नहीं है
- (d) उसमें विचार करने का सामर्थ्य नहीं है

KVS TGT 2018

Ans : (c) सातवीं कक्षा का विद्यार्थी यदि रटी हुई भाषा का प्रयोग करता है तो इसका मुख्य कारण है कि उसकी लिखित भाषा पर पकड़ नहीं है और उसमें विचार करने का सामर्थ्य नहीं है एवं उसकी सृजनात्मक लेखन की शिक्षण पद्धति उचित नहीं है, उसमें रचनात्मकता का अभाव है।

51. भाषा सीखने में सबसे बड़ा बाधक तत्व हो सकता है—

- (a) भाषा में आकलन
- (b) पाठ्य-पुस्तक
- (c) भाषायी प्रयोग के अवसर
- (d) इकाई परीक्षण

KVS TGT 2018

Ans : (d) भाषा सीखने में सबसे बड़ा बाधक तत्व इकाई परीक्षण हो सकता है। इकाई परीक्षण इकाई के अंत में किया जाता है जिससे सतत मूल्यांकन की प्रक्रिया लागू नहीं हो पाती है और शिक्षण अधिगम में उपचारात्मक कार्य नहीं हो पाता है।

52. पोर्टफोलियो (भाषा शिक्षण क्षेत्र में)

- (a) बच्चों के अभिभावकों को पूर्ण जानकारी देता है
- (b) बच्चों के आकलन का सबसे सरल तरीका है
- (c) बच्चों की क्रमिक प्रगति की जानकारी देता है
- (d) बच्चों की हर प्रकार की प्रगति का पूर्ण लेखा जोखा है

KVS TGT 2018

Ans : (c) भाषा शिक्षण के क्षेत्र में पोर्टफोलियो बच्चों की क्रमिक प्रगति की जानकारी प्रदान करता है। यह हर प्रकार की प्रगति को सम्मिलित करता है।

53. साधारण तौर पर शिक्षक यह समझते हैं कि बच्चों को लिखना चाहिए जब उन्हें वर्णों की पहचान हो जाए। यह विचार पूरी तरह से अवैज्ञानिक है क्योंकि लिखना एक सार्थक गतिविधि तभी बन पायेगी जब बच्चों को अपनी कल्पना, अपनी दृष्टि, अपनी भाषा से लिखने की आजादी मिले, न कि ब्लैकबोर्ड, किताबों या शिक्षक के लिखे हुए नकल करते रहे।

KVS TGT 2017

Ans : (d) साधारण तौर पर शिक्षक यह समझते हैं कि बच्चों को लिखना चाहिए जब उन्हें वर्णों की पहचान हो जाए। यह विचार पूरी तरह से अवैज्ञानिक है क्योंकि लिखना एक सार्थक गतिविधि तभी बन पायेगी जब बच्चों को अपनी कल्पना, अपनी दृष्टि, अपनी भाषा से लिखने की आजादी मिले, न कि ब्लैकबोर्ड, किताबों या शिक्षक के लिखे हुए नकल करते रहे।

54. प्राथमिक स्तर की कक्षा के सन्दर्भ में नीचे दी गई किस स्थिति में वास्तव में लेखन हो रहा है?

- (a) श्यामपट्ट पर लिखे हुए को समझकर लिख रहे हैं
- (b) दो-दो के समूह में चर्चा करने के बाद विद्यार्थी अपनी-अपनी पुस्तिका में लिख रहे हैं
- (c) पाठ्य-पुस्तक से देखकर बोल-बोलकर लिख रहे हैं
- (d) पाठ्य-पुस्तक से पढ़कर, याद करके लिख रहे हैं

KVS TGT 2017

Ans : (a) प्राथमिक स्तर की कक्षा के सन्दर्भ में श्यामपट्ट पर लिखे हुए को समझकर लिखना वास्तविक लेखन है क्योंकि लिखना सार्थक तभी बन पायेगी जब बच्चे समझकर लिखेंगे।

55. कक्षा एक के बच्चों का गृहकार्य जाँचते समय आप पाते हैं कि कुछ बच्चों के अक्षरों की बनावट टेढ़ी-मेढ़ी है। आप-

- (a) उन्हें स्वयं ही सुधार लाने के लिए समय देंगे।
- (b) उनकी लिखाई की निंदा करेंगे
- (c) उन्हें पुनः लिखकर लाने के लिए कहेंगे
- (d) उन्हें सीधी रेखा में लिखकर दिखाएंगे

KVS TGT 2017

Ans : (d) यदि कोई शिक्षक कक्षा एक के बच्चों का गृहकार्य जाँचते समय यह पाता है कि बच्चों के अक्षरों की बनावट टेढ़ी-मेढ़ी है तो वह स्वयं बच्चों को सीधी रेखा में लिखकर दिखाएगा ताकि बच्चे उसी अनुसार लिखने का प्रयास कर सकें।

56. छात्रा अपने सहपाठियों से ठीक तरह से बात करती है, परन्तु कक्षा में उत्तर देते समय हकलाती है। वह सम्भवतः

- (a) कक्षा में हँसी का माहौल पैदा करना चाहती है
- (b) घर से पाठ याद करके नहीं आती है
- (c) जानबूझकर ऐसा करती है जिससे उससे सवाल न पूछे जाएँ
- (d) बड़े समूह में अपनी बात कहने में दबाव महसूस करती है

KVS TGT 2017

Ans : (d) यदि कोई छात्रा अपने सहपाठियों से ठीक तरह से बात करती है, परन्तु कक्षा में उत्तर देते समय हकलाती है तो यह संभव है कि वह बड़े समूह में अपनी बात कहने में दबाव महसूस करती है। यह उसके संवेगात्मक अस्थिरता को प्रदर्शित करता है।

57. गोमती 'श' को 'स' बोलती है। आप उसे टोकती नहीं हैं और सहज अभिव्यक्ति के अवसर देती हैं, परन्तु चिन्तित हैं कि किस तरह से उसका उच्चारण ठीक करवाया जाए। आप-

- (a) उसे चेतावनी देंगे कि एक निश्चित कक्षा तक ही यह गलती सहन की जाएगी
- (b) उसके अभिभावक को कहेंगी कि उसे 'श' और 'स' की पृथक् अभ्यास करवाएँ
- (c) 'श' और 'स' के प्रयोग वाली श्रवण सामग्री सुनने के अनेक अवसर देंगी
- (d) उच्चतर श्रेणी का विचार है, क्योंकि यह अपेक्षा करता है कि दी हुई जानकारी की व्याख्या की जाए, इसका विश्लेषण किया जाए और इसके प्रयोग से वांछित जानकारी प्राप्त की जाए।

KVS TGT 2017

Ans : (d) कोई बालिका यदि 'श' और 'स' का सही उच्चारण नहीं कर पाती है तो उसके उच्चारण को ठीक करने के लिए उसे 'श' और 'स' के प्रयोग वाली श्रवण सामग्री सुनने के अनेक अवसर प्रदान किये जायेंगे ताकि वह सुनकर अपनी गलती सुधार सके।

58. सन्दर्भ के अनुसार शब्दों के उपयुक्त चयन सम्बन्धी त्रुटियों को दूर-करने के लिए सर्वाधिक कारगर तरीका क्या है?

- (a) विविध भाषा-प्रयोग से परिचित कराना
- (b) विविध शब्दों का वाक्य-प्रयोग करवाना
- (c) व्याकरण की विविध पुस्तकें पढ़ाना
- (d) विविध शब्दों की सूची याद करवाना

DSSSB PRT 2018

Ans : (a) सन्दर्भ के अनुसार शब्दों के उपयुक्त चयन सम्बन्धी त्रुटियों को दूर करने के लिए विविध भाषा प्रयोग से परिचित कराना सर्वाधिक कारगर तरीका है।

59. श्यामला केवल उन्हीं प्रश्नों उत्तर लिखती है जो उसने याद किए हैं। इसका कारण हो सकता है-

- (a) उसकी कक्षा में सब ऐसा ही करते हैं
- (b) उसकी विचार-प्रक्रिया अव्यवस्थित है
- (c) उसकी स्मरण-शक्ति बहुत तेज है
- (d) उसमें कल्पनाशीलता जैसे गुण का अभाव है

DSSSB PRT 2018

Ans : (d) यदि श्यामला केवल उन्हीं प्रश्नों के उत्तर लिखती है जो उसने याद किए हैं, तो इसका कारण उसमें कल्पनाशीलता जैसे गुण का अभाव हो सकता है।

60. बच्चों की भाषा क्षमता का आकलन करने की दृष्टि से निम्नलिखित में से कौन-सा प्रश्न सर्वाधिक उपयोगी एवं सार्थक है?

- (a) नीचे लिखे शब्दों को पढ़कर सुनाइए-
जंगल : धरती
- (b) नीचे लिखे वाक्य को पढ़कर सुनाइए-
“मुझे कहानी सुनना अच्छा लगता है”
- (c) नीचे दिए गए शब्दों के वचन बदलाइए-
तितली : चूहा
- (d) फेरीवालों की आवाजें सुनिए और किसी एक का कक्षा में अभिनय करके दिखाइए

DSSSB PRT 2018

Ans : (d) “फेरीवालों की आवाजें सुनिये और किसी एक का कक्षा में अभिनय करके दिखाइये।” यह प्रश्न बच्चों की भाषा क्षमता का आकलन करने की दृष्टि से सर्वाधिक उपयोगी एवं सार्थक है।

61. सभी भाषाई कुशलताएँ-

- (a) एक-दूसरे से सम्बद्ध हैं
- (b) एक-दूसरे से बढ़कर हैं
- (c) एक-दूसरे से अलग हैं
- (d) एक-दूसरे को प्रभावित नहीं करती

DSSSB PRT 2018

Ans : (a) सभी भाषाई कुशलताएँ एक-दूसरे से सम्बद्ध होती हैं। भाषा कुशलताओं में सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना कौशल शामिल है। इनका विकास भी क्रमिक होता है।

62. उच्च प्राथमिक स्तर पर लेखन क्षमता का आकलन करते समय आप किस बिन्दु को सर्वाधिक महत्व देंगे?

- (a) मिश्रित वाक्य संरचना
- (b) विचारों की मौलिकता
- (c) वर्तनीगत शुद्धता
- (d) तत्सम शब्दावली

DSSSB PRT 2018

Ans : (b) उच्च प्राथमिक स्तर पर लेखन क्षमता का आकलन करते समय एक शिक्षक को विचारों की मौलिकता को सर्वाधिक महत्व देना चाहिए, क्योंकि लेखन करते समय बच्चे अपनी भाषा, विचारों और अनुभवों का प्रयोग करते हैं।

63. निम्नलिखित में से किस स्थिति में आप कहेंगे कि 'पठन' हो रहा है?

- (a) ध्वनि का उतार-चढ़ाव
- (b) उचित गति एवं प्रवाह
- (c) अनुमान के साथ भाव ग्रहण
- (d) प्रत्येक शब्द का सही उच्चारण

DSSSB PRT 2018

Ans : (c) अनुमान के साथ भाव ग्रहण करने कि स्थिति में हम कहेंगे कि 'पठन' हो रहा है। एन.सी.ई.आर.टी. के अनुसार, मुद्रित अथवा लिखित सामग्री से कुछ संदर्भों व अनुमान के आधार पर अर्थ पकड़ने की कोशिश पढ़ना है।

64. उच्च माध्यमिक स्तर पर हिन्दी भाषा की पाठ्य-पुस्तक में हिन्दी से इतर भाषाओं की रचनाओं को भी स्थान देने का मुख्य उद्देश्य है-

- (a) अन्य भाषाओं के साथ तुलना करना
- (b) अन्य भाषाओं के उत्कृष्ट साहित्य से परिचित कराना
- (c) अन्य भाषाओं के व्याकरण से परिचित कराना
- (d) अन्य भाषाओं की रचनाओं से परिचित कराना

DSSSB PRT 2018

Ans : (b) उच्च प्राथमिक स्तर पर हिन्दी भाषा की पाठ्य-पुस्तक में हिन्दीतर भाषाओं की रचनाओं को भी स्थान देने का मुख्य उद्देश्य है- अन्य भाषाओं के उत्कृष्ट साहित्य से परिचित कराना। इसका एक उद्देश्य यह भी होता है कि विद्यार्थियों को समृद्ध भाषा परिवेश उपलब्ध कराया जाये।

65. बच्चों की सशक्त लेखन क्षमता का परिचायक है-

- (a) मौलिक विचार
- (b) आलंकारिक भाषा
- (c) सुन्दर लिखावट
- (d) सशक्त वाक्य विन्यास

DSSSB PRT 2018

Ans : (a) मौलिक विचार बच्चों की सशक्त लेखन क्षमता का परिचायक है। लिखना एक सार्थक गतिविधि है जिसमें बच्चे अपनी भाषा, अपनी कल्पना, अपने विचारों आदि को अपनी दृष्टि से लिखते हैं।

66. मुहावरे और लोकोक्तियाँ सीखने-सिखाने का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है-

- (a) कोश से मुहावरे एवं लोकोक्ति का अर्थ देखना
- (b) मुहावरे एवं लोकोक्ति का निर्माण करना
- (c) मुहावरे एवं लोकोक्तियों का सुचित प्रयोग करना
- (d) मुहावरे एवं लोकोक्तियों का अर्थ बताना

DSSSB PRT 2018

Ans : (c) मुहावरे और लोकोक्तियाँ सीखने-सिखाने का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य मुहावरे एवं लोकोक्तियों का सुचित प्रयोग करना है। उच्च प्राथमिक स्तर पर बच्चों को भाषा की बारीकियों, व्यवस्था, ढंग आदि पर ध्यान देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि वे कविता में लय-तुक, वर्ण-छन्द तथा कहानी, निबंध में मुहावरे, लोकोक्तियों को समझ सके और उनका अपनी भाषा में प्रयोग कर सकें।

67. निम्नलिखित में से किस प्रकार के प्रश्न बच्चों की भाषागत रचनात्मकता का आकलन करने में सर्वाधिक रूप से उपयुक्त होंगे?

- (a) 'सही कथन पर निशान लगाओ' वाले प्रश्न
- (b) बहुविकल्पीय प्रश्न
- (c) मुक्त अंत वाले प्रश्न
- (d) एक शब्द में उत्तर वाले प्रश्न

DSSSB PRT 2018

Ans : (c) मुक्त अंत वाले प्रश्न बच्चों की भाषागत रचनात्मकता का आकलन करने में सर्वाधिक उपयुक्त होंगे। मुक्त अंत वाले प्रश्नों में बच्चों को अपने विचार भाषा, अनुभव आदि प्रस्तुत करने की स्वतंत्रता होती है।

68. शिक्षिका सातर्वीं कक्षा में विभिन्न सन्दर्भों में 'पृथ्वी' 'वसुधा' और 'भूमि' शब्दों के प्रयोगों की तरफ बच्चों का ध्यान आकर्षित करती है। ऐसा करने में उसका उद्देश्य है-

- (a) पर्यायवाची शब्दों की परिभाषा देना
- (b) भाषा का व्याकरणिक ज्ञान देना
- (c) शब्द-भण्डार का विकास करना
- (d) हिन्दी की बारीकियाँ समझाना

DSSSB PRT 2018

Ans : (d) यदि शिक्षिका सातर्वीं कक्षा में विभिन्न सन्दर्भों में 'पृथ्वी', 'वसुधा', 'भूमि' शब्दों के प्रयोगों की तरफ बच्चों का ध्यान आकर्षित करती है, तो ऐसा करने का उसका उद्देश्य हिन्दी की बारीकियाँ समझाना है।

69. अनुस्वार एवं अनुनासिक का प्रयोग करने सम्बन्धी त्रुटियों को दूर किया जा सकता है-

- (a) छपी सामग्री से समृद्ध वातावरण देकर
- (b) अनुस्वार वाले शब्दों की सूची बनाकर
- (c) स्वयं सही उच्चारण का आदर्श प्रस्तुत करके
- (d) अनुनासिक के नियम बताकर

DSSSB PRT 2018

Ans : (a) अनुस्वार एवं अनुनासिक का प्रयोग करने सम्बन्धी त्रुटियों को छपी सामग्री से समृद्ध वातावरण देकर दूर किया जा सकता है।

70. बच्चों को बोलना सीखने के संदर्भ में कौन-सा कथन सही है?

- (a) बच्चों को सुनने और बोलने के अधिक-से-अधिक अवसर देने चाहिए
- (b) अपनी भाषा से इतर भाषाओं को सुनने के लिए मना करना चाहिए

- (c) सभी बच्चों की बोलना एवं सुनना सीखने की गति समान होती है
- (d) बच्चों को प्रारम्भ से ही शुद्ध उच्चारण के प्रति सचेत रहना चाहिए।

DSSSB PRT 2018

Ans : (a) बच्चों को बोलना सीखने के लिए उन्हें सुनने और बोलने के अधिक-से-अधिक अवसर देने चाहिए।

71. भोजपुरी मोना 'श' को 'स' और 'र' को 'ड़' बोलती है। इसका सर्वाधिक सम्भावित कारण है-

- (a) मातृभाषा का व्याघात
- (b) उच्चारण त्रुटि
- (c) मातृभाषा से प्रेम
- (d) हिन्दी भाषा की कठिनता

DSSSB PRT 2018

Ans : (a) भोजपुरी मोना 'श' को 'स' और 'र' को 'ड़' बोलती है। इसका सर्वाधिक सम्भावित कारण मातृभाषा का व्याघात है।

72. कक्षा III की शिक्षिका अपने विद्यार्थियों को पाठ्य-पुस्तक से इतर भिन्न-भिन्न प्रकार के बाल-साहित्य पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करती है, क्योंकि वह चाहती है कि बच्चे-

- (a) बाल-साहित्य के प्रकाशकों के बारे में जान सकें
- (b) तरह-तरह की विधाओं से परिचित हो सकें
- (c) विभिन्न बाल-साहित्यकारों के नाम जान सकें
- (d) अपनी पठन-पाठन क्षमता बढ़ा सकें

DSSSB PRT 2018

Ans : (d) कक्षा III की शिक्षिका अपने विद्यार्थियों को पाठ्य-पुस्तक से इतर भिन्न-भिन्न प्रकार के बाल साहित्य पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करती है, क्योंकि वह चाहती है कि बच्चे अपनी पठन-पाठन क्षमता बढ़ा सकें।

73. उच्च प्राथमिक स्तर पर व्याकरणिक पक्षों, शब्दों की बारीकियों के आकलन के सन्दर्भ में सबसे अधिक महत्वपूर्ण है-

- (a) पाठ्य-पुस्तकीय व्याकरण के नियम जानना
- (b) शब्दकोशीय शब्द-सम्पदा का ज्ञान
- (c) परिभाषाओं को जानना
- (d) सन्दर्भ में व्याकरण समझना

DSSSB PRT 2018

Ans : (d) उच्च प्राथमिक स्तर पर व्याकरणिक पक्षों, शब्दों की बारीकियों के आकलन के सन्दर्भ में सबसे अधिक महत्वपूर्ण है, सन्दर्भ में व्याकरण समझना।

74. अकादमी सत्र शुरू होने के दो माह बाद तक भी कक्षा चार के विद्यार्थियों को भाषा की पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध नहीं करवाई जा सकी हैं। ऐसी स्थिति में शिक्षक-

- (a) श्रवण एवं वाचन कौशल का अभ्यास करवाते रहें
- (b) विद्यार्थियों को पाठ्य-पुस्तक अपने-आप खरीदने के लिए प्रोत्साहित करें
- (c) पाठ्य-पुस्तक के उपलब्ध होने तक पठन-लेखन की प्रक्रिया आरम्भ न करवाएँ
- (d) भाषाई क्षमताओं के विकास के लिए अन्य विषयों की पाठ्य-पुस्तक का प्रयोग करें

DSSSB PRT 2018

Ans : (d) अकादमी सत्र शुरू होने के दो माह बाद तक भी कक्षा चार के विद्यार्थियों को भाषा की पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध नहीं करवाई जा सकी है। ऐसी स्थिति में शिक्षक भाषाई क्षमता के विकास के लिए अन्य विषयों की पाठ्य-पुस्तकों का प्रयोग करें।

75. भाषा सीखने में शब्दकोश का बहुत महत्व है। निम्नलिखित में से शब्दकोश का सबसे कम महत्वपूर्ण उपयोग कौन-सा होगा?

- (a) किसी शब्द का समानार्थी शब्द जानना
- (b) किसी शब्द की सही वर्तनी जानना
- (c) अक्षरों/वर्णों का क्रम जानना
- (d) किसी शब्द का अर्थ जानना

DSSSB PRT 2017

Ans : (c) भाषा सीखने में शब्दकोश का बहुत महत्व है। शब्दकोश का सबसे कम महत्वपूर्ण उपयोग अक्षरों/वर्णों का क्रम जानना होगा।

76. सुरभि किसी भी ऐसे शब्द विशेष को बोलने में कठिनाई अनुभव करती है जिसमें दो से अधिक बार 'त' की आवृत्ति हुई हो। आप उससे/उसे-

- (a) बोलते समय इस ओर ध्यान न देने के लिए कहेंगी व स्वयं उसके सामने ऐसे शब्दों का प्रयोग करेंगे।
- (b) 'त' वाले शब्दों का बार-बार उच्चारण करवाएँगी
- (c) ऐसे शब्दों का विकल्प ढूँढ़कर देंगी
- (d) ऐसे शब्दों को बार-बार सुनने के लिए कहेंगी

DSSSB PRT 2017

Ans : (a) यदि सुरभि किसी भी ऐसे शब्द विशेष को बोलने में कठिनाई अनुभव करती है जिसमें दो से अधिक बार 'त' की आवृत्ति हुई हो, तो एक अध्यापिका को उसे बोलते समय इस ओर ध्यान न देने के लिए कहना चाहिए व स्वयं उसके सामने ऐसे शब्दों का प्रयोग करना चाहिए।

77. दूसरी कक्षा में पढ़ने वाला रोहित हिन्दी की कक्षा में अपनी मातृभाषा में बात करता है। आप क्या करेंगे?

- (a) बाकी बच्चों से उसकी भाषा सीखने के लिए कहेंगे
- (b) उसे डाँटेंगे कि वह कक्षा में मातृभाषा का प्रयोग न करे
- (c) उसे बिल्कुल अनदेखा कर पढ़ाते रहेंगे
- (d) उसकी भाषा को समझने की कोशिश करेंगे

DSSSB PRT 2017

Ans : (d) यदि दूसरी कक्षा में पढ़ने वाला रोहित हिन्दी की कक्षा में अपनी मातृभाषा में बात करता है, तो शिक्षक को उसकी भाषा को समझने का प्रयास करना चाहिए।

78. पढ़ना सीखने के लिए कौन-सा उपकौशल अनिवार्य नहीं है?

- (a) वर्णमाला याद करने का कौशल
- (b) अनुमान लगाने का कौशल
- (c) भाषा की संरचना की समझ
- (d) भावनात्मक सम्बन्ध

DSSSB PRT 2017

Ans : (a) पढ़ना सीखने के लिए, अनुमान लगाने का कौशल, भाषा की संरचना की समझ, भावनात्मक संबंध आदि उप कौशलों का होना अनिवार्य है क्योंकि पढ़ना मात्र किताबी कौशल न होकर, पढ़कर समझने और उस पर प्रतिक्रिया करने की एक प्रक्रिया है। दूसरे शब्दों में, पढ़ना बुनियादी तौर से एक अर्थवान गतिविधि है। अतः पढ़ना सीखने के लिए वर्णमाला याद करने के कौशल की आवश्यकता नहीं होती है।

79. द्विभाषिक बच्चे विकास, सामाजिक सहिष्णुता और चिन्तन में अपेक्षाकृत बेहतर होते हैं।

- (a) संज्ञानात्मक, विस्तृत
- (b) संक्रियात्मक, सीमित
- (c) संक्रियात्मक, केन्द्रित
- (d) संज्ञानात्मक, सीमित

DSSSB PRT 2017

Ans : (a) द्विभाषिक बच्चे संज्ञानात्मक विकास, सामाजिक सहिष्णुता और विस्तृत चिन्तन में अपेक्षाकृत बेहतर होते हैं। इसलिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा- 2005 में बहुभाषिकता को महत्व दिया गया है।

80. निम्नलिखित में से किसके अभाव में हम पढ़ नहीं सकते?

- (a) बारहखड़ी से परिचय
- (b) वर्णमाला की क्रमबद्धता का ज्ञान
- (c) संयुक्ताक्षरों की पहचान
- (d) लिपि से परिचय

DSSSB PRT 2017

Ans : (d) लिपि से परिचय के अभाव में हम पढ़ नहीं सकते हैं।

81. भाषा और विचार सम्बन्धों की चर्चा में अग्रणी हैं—

- (a) स्किनर
- (b) चॉम्स्की
- (c) वाइगोत्स्की
- (d) पियाजे

DSSSB PRT 2017

Ans : (c) भाषा और विचार सम्बन्धों की चर्चा में वाइगोत्स्की अग्रणी है। वाइगोत्स्की के अनुसार बच्चे भाषा का प्रयोग न केवल सामाजिक सम्प्रेषण अपितु स्व-निर्देशित तरीके से कार्य करने के लिए, अपने व्यवहार हेतु योजना बनाने, निर्देश देने व मूल्यांकित करने में भी करते हैं। स्वनिर्देशन में भाषा के प्रयोग को आन्तरिक स्व-भाषा या निजी भाषा कहा जाता है। पियाजे ने निजी भाषा को आन्तरिक स्व-भाषा के अपरिपक्व माना है, परन्तु वाइगोत्स्की के अनुसार आरम्भिक बाल्यवस्था में यह बालक के विचारों का एक महत्वपूर्ण साधन है।

82. सिद्धार्थ की माँ ने अपने परिवार के सदस्यों से अनुरोध किया है कि वे घर में एक ही भाषा का प्रयोग करें जिससे कि सिद्धार्थ का भाषाई विकास ठीक से हो सके। उनके बारे में आप क्या कहेंगे?

- (a) वह सिद्धार्थ के भाषिक परिवेश में किसी प्रकार का अवरोध नहीं चाहती है
- (b) वह सिद्धार्थ के भाषिक विकास के लिए विशेष प्रयत्न कर रही है
- (c) वह भाषा-अर्जन के सिद्धांतों की गहरी समझ रखती है
- (d) वह सिद्धार्थ को समृद्ध भाषिक परिवेश से वंचित कर रही है

DSSSB PRT 2017

Ans : (d) सिद्धार्थ की माँ ने अपने परिवार के सदस्यों से अनुरोध किया है कि वे घर में एक ही भाषा का प्रयोग करें जिससे कि सिद्धार्थ का भाषाई विकास ठीक से हो सके। इस कार्य से वह सिद्धार्थ को समृद्ध भाषिक परिवेश से वंचित कर रही है। सिद्धार्थ की माँ को सिद्धार्थ को ऐसे भाषा परिवेश में रखना चाहिए जहाँ बहुभाषिकता को स्वीकार किया जा रहा हो क्योंकि बच्चों को बहुभाषिक परिवेश में रखने से उनके भाषा कौशल में समृद्धि आती है।

83. प्राथमिक स्तर पर भाषा-शिक्षण के सन्दर्भ में सर्वाधिक महत्वपूर्ण है कि बच्चे—

- (a) लिखी/छपी सामग्री को बोल-बोलकर पढ़ सकें
- (b) अक्षरों को जोड़-जोड़कर पढ़ सकें
- (c) शब्दों को जोड़-जोड़कर वाक्य पढ़ सकें
- (d) लिखी/छपी सामग्री का अर्थ समझ सकें

DSSSB PRT 2017

Ans : (d) प्राथमिक स्तर पर भाषा-शिक्षण के सन्दर्भ में सर्वाधिक महत्वपूर्ण है कि बच्चे लिखी/छपी सामग्री का अर्थ समझ सकें, क्योंकि पढ़ना, पढ़कर समझने और उस पर प्रतिक्रिया करने की एक प्रक्रिया है।

84. प्राथमिक स्तर पर लेखन क्षमता के सन्दर्भ में सर्वाधिक महत्वपूर्ण है—

- (a) मौलिक विचार
- (b) श्रुतलेख
- (c) सुलेख
- (d) वर्तनी

DSSSB PRT 2017

Ans : (a) प्राथमिक स्तर पर लेखन क्षमता के सन्दर्भ मौलिक विचार सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि लिखना एक सार्थक गतिविधि तभी बन पायेगी जब बच्चों को अपनी भाषा, अपनी कल्पना, अपनी दृष्टि से लिखने की आजादी हो।

85. निम्नलिखित में से कौन-सी गतिविधि श्रवण एवं वाचन कौशलों के विकास के लिए सर्वाधिक उपर्युक्त होगी

- (a) कहानी सुनकर उस पर बच्चों की प्रतिक्रिया जानना
- (b) हावभाव के साथ कविता बुलवाना
- (c) प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित करना
- (d) रेडियो समाचार सुनाना

DSSSB PRT 2017

Ans : (a) कहानी सुनकर उस पर बच्चों की प्रतिक्रिया जानना श्रवण एवं वाचन कौशलों के विकास के लिए सर्वाधिक उपर्युक्त होगी।

86. वाणी होती है और लिखित भाषा की तुलना में काफी तेजी से बदलती रहती है।

- (a) स्थिर
- (b) अस्थायी
- (c) स्थायी
- (d) गौण

DSSSB PRT 2017

Ans : (b) वाणी अस्थायी होती है और लिखित भाषा की तुलना में काफी तेजी से बदलती रहती है। वाणी सामाजिक अंतःक्रिया द्वारा विकसित होती है। जैसे-जैसे सामाजिक अंतःक्रिया का परिवेश बदलता है, वैसे-वैसे वाणी की प्रकृति भी बदलती रहती है।

87. 'सन्दर्भ में व्याकरण' का शैक्षिक निहितार्थ है—

- (a) पाठ के सन्दर्भ में व्याकरण जानना जरूरी नहीं है
- (b) व्याकरण और सन्दर्भ दोनों अलग हैं
- (c) व्याकरण का सन्दर्भ पाठ्य-पुस्तक में ही होता है
- (d) व्याकरण पाठ के सन्दर्भ में सिखाया जाता है

DSSSB PRT 2017

Ans : (d) सन्दर्भ में व्याकरण का शैक्षिक निहितार्थ है— व्याकरण पाठ के सन्दर्भ में सिखाया जाता है। सन्दर्भ में व्याकरण के अंतर्गत किसी पाठ को पढ़ाते समय उसमें आये व्याकरणिक नियमों, संज्ञा शब्दों, विशेषण युक्त शब्दों, सर्वनाम आदि के बारे में बताया जाता है।

2. पर्यावरण शिक्षण

88. जब को विज्ञान में पर्यावरणीय धारणीयता के बारे में पढ़ाया जाता है, तो इसे बाहर के वातावरण में पढ़ाने पर वे पाठ को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे।
- वर्यस्क छात्रों
 - माध्यमिक छात्रों
 - विश्वविद्यालय स्तर के छात्रों
 - प्राथमिक छात्रों

NVS, PGT 17-09-2019

Ans : (d) जब प्राथमिक छात्रों को विज्ञान में पर्यावरणीय धारणीयता के बारे में पढ़ाया जाता है, तो इसे बाहर के वातावरण में पढ़ाने पर वे पाठ को बेहतर तरीके से समझ पायेंगे क्योंकि बाह्य वातावरण द्वारा अर्जित ज्ञान स्व-अनुभव पर आधारित होता है और इस प्रकार अर्जित ज्ञान अधिक स्थायी होता है और पर्यावरण सम्बन्धी अवधारणाओं को समझने में बाहरी ज्ञान ज्यादा उपयोगी होता है।

89. संगमरमर स्मारक, जैसे- ताजमहल प्रदूषक गैस के कारण नष्ट हो रहे हैं।
- कार्बन डाइऑक्साइड
 - सल्फर डाइ ऑक्साइड
 - कार्बन मोनो ऑक्साइड
 - ओजोन

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (b) संगमरमर स्मारक, जैसे- ताजमहल प्रदूषक गैस सल्फर डाइ ऑक्साइड के कारण नष्ट हो रहे हैं।

90. किसे सौर ऊर्जा से शक्ति नहीं मिलती है?
- मानसून
 - समुद्री धाराएँ
 - प्रकाश संश्लेषण
 - समुद्री ज्वार

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (d) समुद्री ज्वार को सौर ऊर्जा से शक्ति नहीं मिलती है। पृथ्वी, चन्द्रमा और सूर्य की पारस्परिक गुरुत्वाकर्षण शक्ति की क्रियाशीलता ही ज्वार भाटा की उत्पत्ति का प्रमुख कारण है। चंद्रमा के आकर्षण शक्ति का पृथ्वी के सागरीय जल पर सर्वाधिक प्रभाव पड़ता है।

91. बड़ी संख्या में रास्ते पर वाहन के होने की वजह से बड़े शहरों में पर्यावरण प्रदूषण की समस्या आन खड़ी है। पर्यावरणीय संरक्षण (Environmental protection) के लिए एक व्यक्ति अपना उत्कृष्ट योगदान इस तरह दे सकता है—

- अपने निजी वाहन के इंजिन की नियमित रूप से पर्यावरणीय सुरक्षित सीमा में रहने के लिए जाँच
- सफर के बहुत सार्वजनिक परिवहन पद्धति का उपयोग
- घर से बाहर बार-बार सफर पर जाने की रोक
- स्कूटर, कार जैसे निजी वाहन न रखना

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (b) पर्यावरण संरक्षण के लिए सफर के बहुत सार्वजनिक परिवहन पद्धति का उपयोग कर एक व्यक्ति पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दे सकता है। सार्वजनिक परिवहन का उपयोग बहुत सारे लोग करते हैं जिससे केवल कुछ गाड़ियों से प्रदूषण होता है जबकि अगर सभी लोग निजी वाहन प्रयोग करने लगे तो प्रदूषण अपने चरम स्तर पर पहुँच जायेगा।

92. आठवीं कक्षा के चार बच्चों से व्यर्थ सामग्री से कुछ रचनात्मक वस्तुएँ बनाने को कहा गया था। कार्य पूरा होने पर शिक्षक ने निम्नलिखित टिप्पणियाँ की। इस सूचना के आधार पर सबसे अधिक रचनात्मक बच्चे को चुनिए—

- अधिकांश समय कल्पना का प्रयोग करता है, महँगी सामग्री प्रयोग न करने के प्रति सचेत है
- शिक्षक के साथ निरंतर चर्चा करता है और हर कदम पर उसकी स्वीकृति लेता है
- थोड़े से मार्गदर्शन से ही बहुत अच्छी चीजें बना सकता है
- कौशल से परिपूर्ण तथा व्यर्थ सामग्री को उत्पादक वस्तुओं में बदलने की दृष्टि रखता है

NVS PGT 2018

Ans : (d) उपर्युक्त कार्य के आधार पर जो बच्चा कौशल से परिपूर्ण तथा व्यर्थ सामग्री को उत्पादक वस्तुओं में बदलने की दृष्टि रखता है वह सबसे अधिक रचनात्मक छात्र है। रचनात्मक छात्र वे होते हैं, जो अपने अनुभव व कौशलों का प्रयोग करके किसी नये उत्पाद का निर्माण करते हैं। यह नया उत्पाद पूरे समाज के लिए या कम से कम उस छात्र के लिए नया अवश्य होता है।

93. कक्षा V की EVS की पाठ्य-पुस्तक के किसी पाठ में ‘सोचिए और चर्चा कीजिए’ भाग में नीचे दिया गया कथन लिखा है—

“यदि आपके गाँव अथवा शहर में एक सप्ताह तक पेट्रोल व डीजल न हो तो क्या होगा” इस कथन का मुख्य उद्देश्य है—

- छात्रों का पेट्रोल और डीजल के स्रोतों के बारे में मूल्यांकन
- वास्तविक जीवन की चिन्ताओं को समझने हेतु कल्पना और सोचने-विचारने की कुशलता को बढ़ावा देना
- पेट्रोल और डीजल की कमी के बारे में जागृति उत्पन्न करना
- छात्रों को तेल के न्यायसंगत उपयोग के बारे में संवेदनशील बनाना

NVS PGT 2018

Ans : (b) उपर्युक्त कथन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन की चिन्ताओं को समझने हेतु कल्पना और सोचने-विचारने की कुशलता को बढ़ावा देना है।

94. EVS की पढ़ाई में ‘कक्षा में प्रश्नोत्तर’ तकनीक का सबसे अच्छा उपयोग किसके लिए किया जा सकता है?

- शिक्षार्थियों में सीखने की जिज्ञासा उत्पन्न करने के लिए
- प्रायोगिक कौशल को बढ़ावा देने के लिए
- कक्षा में अनुशासन बनाए रखने के लिए
- विद्यार्थियों का ध्यान आकर्षित करने के लिए

NVS PGT 2018

Ans : (a) EVS की पढ़ाई में 'कक्षा में प्रश्नोत्तर' तकनीक का सबसे अच्छा उपयोग शिक्षार्थियों में सीखने की जिज्ञासा उत्पन्न करने के लिए किया जा सकता है। शिक्षक कक्षा में शिक्षण करने से पूर्व छात्रों से प्रस्तावनात्मक प्रश्न पूछता है, ताकि विद्यार्थियों में जिज्ञासा उत्पन्न हो और वे सीखने के लिए प्रेरित हो सकें।

95. प्राथमिक स्तर पर, वृक्षों का संरक्षण की संकल्पना के बारे में विद्यार्थियों को संवेदनशील बनाने के लिए नीचे दिया गया कौन-सा क्रियाकलाप उपयुक्त नहीं है?

- (a) प्रत्येक छात्र को एक वृक्ष को अपनाकर उसकी देखरेख के लिए प्रोत्साहित करना
- (b) बच्चों को लकड़ी के वस्तुओं का भण्डार दिखाना
- (c) वृक्षों पर पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता आयोजित करना
- (d) वृक्षों पर नारा-लेखन (dialog writing) प्रतियोगिता आयोजित करना

NVS PGT 2018

Ans : (b) प्राथमिक स्तर पर, वृक्षों के संरक्षण की संकल्पना के बारे में विद्यार्थियों को संवेदनशील बनाने के लिए निम्नलिखित क्रियाकलाप उपयुक्त हैं-

- (i) प्रत्येक छात्र को एक वृक्ष को अपनाकर उसकी देख-रेख के लिए प्रोत्साहित करना।
- (ii) वृक्षों पर पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता आयोजित करना।
- (iii) वृक्षों पर नारा-लेखन (Slogan Writing) प्रतियोगिता आयोजित करना।

जबकि बच्चों को लकड़ी के लट्ठों का भण्डार दिखाना उपयुक्त क्रियाकलाप नहीं है।

96. EVS की कक्षा में 'जल' का पाठ पढ़ाते समय अंजलि ने अपनी कक्षा में जल के विभिन्न स्रोतों और जल को संरक्षित करने के लिए व्यक्तिगत क्रियाओं पर रोल-प्ले आयोजित किया। इस क्रियाकलाप का मुख्य उद्देश्य है-

- (a) अधिगम की प्रक्रिया में एक समता को तोड़ना
- (b) अधिगम की प्रक्रिया में विद्यार्थियों का सक्रिय भाग लेना सुनिश्चित करना
- (c) जल के स्रोतों के विषय में विद्यार्थियों के ज्ञान में वृद्धि करना
- (d) विद्यार्थियों की सामाजिक कुशलताओं में सुधार करना

NVS PGT 2018

Ans : (b) EVS की कक्षा में 'जल' का पाठ पढ़ाते समय किसी शिक्षिका ने अपनी कक्षा में जल के विभिन्न स्रोतों और जल को संरक्षित करने के लिए व्यक्तिगत क्रियाओं पर रोल-प्ले आयोजित किया। इस क्रियाकलाप का मुख्य उद्देश्य अधिगम की प्रक्रिया में विद्यार्थियों का सक्रिय भाग लेना सुनिश्चित करना है।

97. EVS कक्षा में सामाजिक आवश्यकताओं पर अधिक बल देने के लिए निम्नलिखित में से कौन अधिक प्रभावी अधिगम अनुभव होगा?

- (a) सम्बन्धित मामलों (समस्याओं) पर विशिष्ट भाषण आयोजित करना

- (b) सम्बन्धित मामलों पर प्रतियोगिता (प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता) का संचालन
- (c) विद्यार्थियों से समूह परियोजनाओं का भार अपने ऊपर लेने के लिए कहना
- (d) सम्बन्धित मामलों (समस्याओं) पर वीडियो फिल्म दिखाना

NVS PGT 2018

Ans : (c) EVS कक्षा में सामाजिक असमानताओं पर अधिक बल देने के लिए विद्यार्थियों से समूह परियोजनाओं का भार अपने ऊपर लेने के लिए कहना अधिक प्रभावी अधिगम अनुभव होगा, क्योंकि इसमें विद्यार्थी वास्तविक परिस्थिति में स्वयं करके सीखेंगे।

98. नेहा कक्षा VI के EVS विषय में नीचे दी गई मूल्यांकन तकनीक का प्रयोग करती है-

1. हस्तसिद्ध क्रियाकलापों का मूल्यांकन
 2. गृहकार्य मूल्यांकन
 3. परियोजना कार्य मूल्यांकन
 4. मौखिक परीक्षा
- नीचे दी गई तकनीकों का कौन-सा युगल अधिक वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन दे सकता है?
- (a) 1 और 4
 - (b) 2 और 4
 - (c) 1 और 2
 - (d) 2 और 3

NVS PGT 2018

Ans : (a) हस्तसिद्ध क्रियाकलापों का मूल्यांकन और मौखिक परीक्षा, दोनों के वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन देने की सम्भावना अधिक है, जबकि गृहकार्य मूल्यांकन और परियोजना कार्य मूल्यांकन में व्यक्तिनिष्ठता की सम्भावना अधिक है।

99. EVS में किसी अच्छे गृहकार्य को मुख्यतः किस प्रकार केन्द्रित होना चाहिए?

- (a) मास्टरी लर्निंग
- (b) विस्तारित अधिगम के लिए चुनौतियाँ और उत्तेजना
- (c) समय का सदृप्योग
- (d) पुनरावृत्ति और प्रबलीकरण

NVS PGT 2018

Ans : (a) EVS में किसी अच्छे गृहकार्य को मुख्यतः मास्टरी लर्निंग केन्द्रित होना चाहिए। मास्टरी लर्निंग से तात्पर्य है, सीखने में महारत प्राप्त करना। यह एक अनुदेशानात्मक रणनीति और शैक्षिक दर्शन है। इसका प्रतिपादन बैंजामिन ब्लूम द्वारा वर्ष 1968 में किया गया था।

100. हरप्रीत अपने शिक्षार्थियों को यह सुझाव देना चाहती है कि पर्यावरण संरक्षण के लिए किस प्रकार एक व्यक्ति सबसे अच्छे सम्भावित तरीके से अपना योगदान दे सकता है। उनका सबसे बेहतर सुझाव हो सकता है-

- (a) अपने व्यक्तिगत वाहन के इंजन की नियमित जाँच
- (b) आने-जाने के लिए सार्वजनिक साधनों का प्रयोग करना
- (c) कार, स्कूटर आदि जैसे व्यक्तिगत वाहन न रखें
- (d) घर से बाहर अक्सर आने-जाने से बचना

DSSSB TGT 2016

Ans : (b) आने-जाने के लिए सार्वजनिक साधनों का प्रयोग करके एक व्यक्ति सबसे अच्छे सम्भावित तरीके से पर्यावरण संरक्षण के लिए अपना योगदान दे सकता है।

101. रश्मि को यह सिखाया जाता है कि वह EVS का प्रश्न-पत्र बनाते समय किन चरणों (क्रम में नहीं है) का अनुपालन करें-

- प्रश्न लिखना
- रूपरेखा/डिजाइन तैयार करना
- प्रश्न-पत्र का सम्पादन करना
- ब्लू-प्रिंट तैयार करना

अनुपालन किए जाने वाले चरणों का सही क्रम कौन-सा है?

- | | |
|--------------------|--------------------|
| (a) i, ii, iv, iii | (b) iv, ii, i, iii |
| (c) ii, iv, i, iii | (d) iv, i, ii, iii |

DSSSB TGT 2016

Ans : (b) EVS का प्रश्न-पत्र बनाते समय निम्नलिखित चरणों का अनुपालन करना चाहिए-

- ब्लू प्रिंट तैयार करना
- रूपरेखा/डिजाइन तैयार करना
- प्रश्न लिखना
- प्रश्न-पत्र का सम्पादन करना

102. प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण अध्ययन पढ़ाने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा पहलू सबसे महत्वपूर्ण होना चाहिए?

- आकलन में सफलता प्राप्त करना
- विज्ञान की आधारभूत संकल्पनाओं (अवधारणाओं) को समझना
- सीखने वालों को प्राकृतिक और सामाजिक सांस्कृतिक पर्यावरण से जोड़ना
- क्रियाकलाप संचालित करना तथा कौशलों का विकास करना

NVS TGT 2017

Ans : (c) प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण अध्ययन पढ़ाने के लिए सीखने वालों को प्राकृतिक और सामाजिक सांस्कृतिक पर्यावरण से जोड़ना, सबसे महत्वपूर्ण पहलू होना चाहिए। प्राथमिक स्तर पर बच्चों को ऐसी गतिविधियों में लगाया जाना चाहिए कि वे भौतिक, जैविक, सामाजिक और सांस्कृतिक रेखांकनों के माध्यम से वातावरण को समझ सकें। साथ ही पर्यावरण की विषय-वस्तु को बच्चों के दैनिक अनुभवों और उनके संसार को प्रतिबिम्बित कर पाने लायक होनी चाहिए।

103. पर्यावरण अध्ययन के शिक्षण से उन प्रक्रिया आधारित कौशलों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, जो पूछताछ आधारित प्रत्यक्ष अनुभवों के केन्द्रबिन्दु हैं। निम्नलिखित में से कौन-सा एक ऐसा कौशल नहीं है?

- | | |
|--------------|----------------------|
| (a) निर्धारण | (b) निष्कर्ष निकालना |
| (c) अवलोकन | (d) पूर्वानुमान |

NVS TGT 2017

Ans : (a) पर्यावरण अध्ययन के शिक्षण से उन प्रक्रिया आधारित कौशलों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, जो पूछताछ आधारित प्रत्यक्ष अनुभवों के केन्द्रबिन्दु हैं। इसके लिए निष्कर्ष निकालना, अवलोकन, पूर्वानुमान जैसे कौशलों का प्रयोग किया जा सकता है।

104. प्राथमिक कक्षाओं में पर्यावरण अध्ययन के लिए निम्नलिखित सभी सामान्य उपागमों का अनुपालन किया जाना है, केवल इसे छोड़कर-

- मूर्त से अमूर्त
 - सरल से कठिन
 - स्थानीय से वैश्विक
 - अमूर्त से मूर्त
- | | |
|-----------------|-----------------|
| (a) केवल 4 | (b) केवल 1 और 2 |
| (c) केवल 2 और 3 | (d) केवल 2 |

NVS TGT 2017

Ans : (a) प्राथमिक कक्षाओं में पर्यावरण अध्ययन के लिए अमूर्त से मूर्त उपागम को छोड़कर बाकी सभी उपागमों जैसे- मूर्त से अमूर्त, सरल से कठिन, स्थानीय से वैश्विक, प्रत्यक्ष से अप्रत्यक्ष, का अनुपालन किया जाता है।

105. कक्षा V की अध्यापिका चाहती है कि उसके विद्यार्थी आस-पास के पौधों का अवलोकन करें। सार्थक अधिगम (सीखने) के लिए उसे बच्चों को क्या करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए?

- समझना कि पौधे हमारे लिए उपयोगी होते हैं
- अधिकतम पौधों के नाम लिखना
- अधिकतम ऊँचाई, पत्तियों, गंध और उगने के स्थानों में अन्तर का अवलोकन करना
- समझना कि पौधे भी सजीव होते हैं

NVS TGT 2017

Ans : (c) यदि कक्षा V की अध्यापिका चाहती है कि उसके विद्यार्थी आस-पास के पौधों का अवलोकन करें तो सार्थक अधिगम के लिए उसे बच्चों को उनकी ऊँचाई, पत्तियों, गंध और उगने के स्थानों में अंतर का अवलोकन करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

106. प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण अध्ययन के आकलन में निम्नलिखित में से कौन-सा एक संकेतक उपयुक्त नहीं है?

- प्रश्न पूछना
- न्याय और समानता के प्रति चिंता
- सहयोग
- स्मरण रखना

NVS TGT 2017

Ans : (d) प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण अध्ययन के आकलन में निम्नलिखित संकेतक उपयुक्त हैं-

- प्रश्न पूछना
- न्याय और समानता के प्रति चिंता
- सहयोग
- स्थानीय समस्याओं के संवेदनशीलता आदि।

अतः 'स्मरण रखना' पर्यावरण अध्ययन के आकलन के लिए उपयुक्त संकेतक नहीं है।

107. राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा रूपरेखा (NCF) ने कक्षा I और II के लिए पर्यावरण अध्ययन के किसी पाठ्यक्रम या पाठ्य-पुस्तकों की संस्तुति नहीं की है। इसके लिए सबसे उपयुक्त कारण है—

- पर्यावरण अध्ययन केवल कक्षा III से आगे की कक्षाओं के लिए है
- कक्षा I और II के शिक्षार्थी पढ़ना-लिखना नहीं जानते
- संदर्भयुक्त अधिगम परिवेश प्रदान करना
- पाठ्यक्रम का भार कम करने के लिए

NVS TGT 2017

Ans : (c) राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा-2005 के अनुसार प्राथमिक स्तरों पर, प्राकृतिक और सामाजिक पर्यावरण को गणित और भाषा के अंतरंग भाग की तरह समझा जाये। बच्चों को ऐसी गतिविधियों में लगाया जाना चाहिए कि वे भौतिक, जैविक, सामाजिक और सांस्कृतिक रेखांकनों के माध्यम से वातावरण को समझ सकें। भाषा इस प्रकार होनी चाहिए, जिसमें जेंडर संवेदनशीलता, शिक्षण की विधि सहभागिता और विचार-विमर्श पर आधारित हो। कक्षा 3 से 5 के लिए पर्यावरण अध्ययन के विषय की शिक्षा दी जानी चाहिए।

108. प्राथमिक कक्षाओं में पर्यावरण अध्ययन पढ़ाने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा उद्देश्य सम्बन्धित नहीं है?

- अवलोकन, मापन, भविष्यकथन और वर्गीकरण जैसे कौशलों का विकास करना
- भौतिक और सामाजिक परिवेश के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना
- विज्ञान के आधारभूत प्रत्ययों और सिद्धांतों को रटकर याद कर लेना
- पर्यावरण को खोजने के अवसर प्रदान करना

NVS PGT 2016

Ans : (c) प्राथमिक कक्षाओं में पर्यावरण अध्ययन पढ़ाने के निम्न उद्देश्य हैं—

- अवलोकन, मापन, भविष्यकथन और वर्गीकरण जैसे कौशलों का विकास करना।
- भौतिक और सामाजिक परिवेश के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना
- पर्यावरण को खोजने के अवसर प्रदान करना
- वास्तविक संसार से उनका परिचय कराना ताकि विभिन्न सामाजिक मुद्दों जैसे- जेंडर आधारित पक्षपात, हाशियाकरण, विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों आदि से परिचित हो सकें।

109. पर्यावरण अध्ययन की प्रकृति निम्नलिखित का समर्थन नहीं करती है?

- बच्चे बहुत से प्रश्न पूछें
- बच्चों को खोज करने के लिए पर्याप्त स्थान मिले
- बच्चे गलतियाँ ना करें
- बच्चों को करके सीखने का अवसर मिले

NVS PGT 2016

Ans : (c) पर्यावरण अध्ययन की प्रकृति बच्चे गलतियाँ न करें, इसका समर्थन नहीं करती है बल्कि बच्चे अपने आस-पास के परिवेश के प्रति स्वाभाविक जिज्ञासा एवं रचनात्मकता का प्रोषण करें और प्रश्न पूछें, बच्चों को खोज करने के लिए पर्याप्त स्थान मिले, बच्चों को करके सीखने का अवसर मिले, अपने आस-पास/विस्तृत परिवेश के प्रति जागरूक हों आदि का पर्यावरण अध्ययन की प्रकृति समर्थन करती है।

110. एक शिक्षिका ने कक्षा IV के शिक्षार्थियों को पढ़ाने के लिए 'पौधे' अंतर्वस्तु का चयन किया। उसने सीखने के लिए निम्नलिखित अवसर प्रदान किए—

- समूहों में पत्तियों का संग्रह करना
- पत्तियों के आकार, स्वरूप और अन्य विशेषताओं पर चर्चा करना
- अपना बनस्पति संग्रहालय बनाना
- (a) बच्चों का निरंतर गतिविधि में लगे रहना
- (b) बच्चों की परस्पर क्रिया, अवलोकन और सहयोग
- (c) जितनी अधिक पत्तियों के बारे में सम्भव हो उतना उनके नाम याद करने में बच्चों की पहल
- (d) बच्चों के द्वारा कार्य का विस्तार

NVS PGT 2016

Ans : (b) उपर्युक्त प्रश्न में शिक्षिका, गतिविधि आधारित शिक्षण के माध्यम से बच्चों की परस्पर क्रिया, अवलोकन और सहयोग की भावना विकसित करने का प्रयास कर रही है। गतिविधि आधारित शिक्षण में बच्चे सक्रिय होकर सीखते हैं जिससे उनका ज्ञान स्थायी होता है। साथ ही उनके सामाजिक कौशल का भी विकास होता है।

111. विद्यार्थियों का आकलन करते समय पर्यावरण अध्ययन की शिक्षिका को निम्नलिखित में से क्या नहीं करना चाहिए?

- बच्चों के कार्य के केवल कुछ पक्षों पर ध्यान केन्द्रित करना
- बच्चों के कार्य से सम्बन्धित गुणात्मक उल्लेख करना
- बच्चों के पूर्व आकलन के साथ तुलना करना
- शिक्षार्थियों की सीखने की क्षमताओं को ध्यान में रखकर सूचना दर्ज करना

NVS PGT 2016

Ans : (a) विद्यार्थियों का आकलन करते समय पर्यावरण अध्ययन की शिक्षिका को बच्चों के कार्य के सभी पक्षों पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए न कि केवल कुछ पक्षों पर। पर्यावरण अध्ययन की शिक्षिका को सीखने की स्थितियों को विभिन्न तरीकों, कार्यनीतियों, संसाधनों से जोड़कर प्रत्येक बच्चों (जिसमें विशेष आवश्यकताओं वाले तथा वर्चित वर्ग के बच्चे भी शामिल हों) को सिखाना चाहिए। इनको अवलोकन करने, अभिव्यक्त करने, चर्चा करने, प्रश्न करने, तर्कपूर्ण चिंतन करने, अपनी तरफ से कुछ जोड़ने तथा विश्लेषण करने के अवसर प्राप्त हो, जिनमें एक से अधिक ज्ञानेन्द्रियों का उपयोग किया जा सके।

112. प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण अध्ययन में 'समुदाय' सीखने-सीखाने का एक महत्वपूर्ण संसाधन है, क्योंकि—

- (a) इसमें समझदार और बुजुर्ग व्यक्ति होते हैं
- (b) यह वास्तविक स्थितियों में सीखने के अवसर उपलब्ध कराता है
- (c) यह एक बहुत सस्ता संसाधन है
- (d) यह आसानी से उपलब्ध होने वाला संसाधन है

NVS PGT 2016

Ans : (b) प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण अध्ययन में 'समुदाय' सीखने-सिखाने का एक महत्वपूर्ण संसाधन है, क्योंकि यह वास्तविक स्थितियों में सीखने के अवसर उपलब्ध कराता है। घर/विद्यालय/समुदाय में आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक/राष्ट्रीय/पर्यावरणीय उत्सवों/त्यौहारों आदि में भाग लेने से बच्चों में प्राकृतिक, भौतिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक एवं वर्तमान पर्यावरणीय मुद्दों के प्रति संवेदनशीलता का विकास होता है।

113. कक्षा V की पर्यावरण अध्ययन की पाठ्य-पुस्तक का एक पाठ 'उसी से ठंडा उसी से गर्म' द्वारा लिखी गई एक कहानी है। उन्होंने बच्चों के लिए ऐसी कई कहानियाँ लिखी हैं जो हैं-

- | | |
|---------------------|---------------------|
| (a) नरेन्द्र मोदी | (b) राजेन्द्र मोदी |
| (c) ज्ञानी जैल सिंह | (d) डॉ. जाकिर हुसैन |

NVS PGT 2016

Ans : (d) भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. जाकिर हुसैन ने बाल-गोपाल के लिए अनेक कहानियाँ लिखी हैं, जिसमें से एक कहानी है— 'उसी से ठण्डा उसी से गर्म।' इस कहानी में एक लकड़हारे और बालिशिये की कहानी है, जो मुँह से निकलने वाली ठण्डी और गर्म हवा के बारे में बाते करते हैं।

114. प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण अध्ययन की पाठ्य-पुस्तक में कौन-सी विशेषता नहीं होनी चाहिए?

- (a) यह परिभाषाओं और अमूर्त अवधारणओं की व्याख्या करने पर ध्यान केन्द्रित करती है
- (b) यह प्राकृतिक और समाज-सांस्कृतिक परिवेश को एकीकृत तरीके से प्रस्तुत करती है
- (c) यह शिक्षार्थियों को वैविध्यपूर्ण पृष्ठभूमि की जरूरतों को पूरा करती है
- (d) यह वास्तविक कहानियों और घटनाओं को शामिल करती है

KVS TGT 2018

Ans : (c) प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण अध्ययन में शिक्षार्थियों की वैविध्यपूर्ण पृष्ठभूमि की जरूरतों को पूरा करने की विशेषता नहीं होना चाहिए।

115. पर्यावरण अध्ययन शिक्षण के संदर्भ में राष्ट्रीय पाठ्यचर्चायां की रूपरेखा (NCF, 2005) निम्नलिखित में से किसे प्रस्तावित नहीं करती?

- (a) तकनीकी शब्दावली से परिचित कराना
- (b) विषयानुसार उपागम
- (c) बच्चों के अनुभवों और संदर्भों से जोड़ना
- (d) हस्तप्रक क्रियाकलाप

KVS TGT 2018

Ans : (a) पर्यावरण अध्ययन के शिक्षण के संदर्भ में राष्ट्रीय पाठ्यचर्चायां की रूपरेखा, 2005 विषयानुसार उपागम, हस्तप्रक क्रियाकलाप, बच्चों के अनुभवों और संदर्भों से जोड़ना आदि प्रस्तावित करती है जबकि तकनीकी शब्दावली से परिचित कराना इस विषय का उद्देश्य नहीं है।

116. एन.सी.ई.आर.टी. (रा.शै.अ.प्र.प.) की पर्यावरण अध्ययन की कक्षा V की पाठ्य-पुस्तक में 'सुनीता अंतरिक्ष में' शीर्षक पाठ का वर्णन करता है। इसे शामिल करने का/के क्या कारण हो सकता है/सकते हैं?

1. यह घटना अंतरिक्ष यात्रियों की जिंदगी में झाँकने का अवसर देती है।
 2. यह घटना स्पेसशिप में भौतिक स्थितियों का वर्णन करती है।
 3. यह घटना स्त्री-पुरुष लिंग (जेंडर) स्टॉटिवादिता को चुनौती देती है।
 4. यह घटना गुरुत्वाकर्षण की अवधारणा को समझने में मदद करती है।
- | | |
|------------------|---------------|
| (a) 1, 2, 3 और 4 | (b) केवल 1 |
| (c) केवल 2 और 4 | (d) 1, 2 और 3 |

KVS TGT 2018

Ans : (c) कक्षा V में उपर्युक्त शीर्षक को शामिल करने का कारण— स्पेसशिप में भौतिक स्थितियों का वर्णन करने के लिए तथा गुरुत्वाकर्षण की अवधारणा को समझने के लिए किया गया है।

117. पर्यावरण अध्ययन की एक शिक्षिका निम्नलिखित कारणों से अपनी कक्षा का प्रारम्भ कुछ मुख्य प्रश्न पूछते हुए करती है। सबसे कम प्राथमिकता वाला कारण कौन-सा है, उसे चुनिए—

- (a) प्रश्न प्रकरण को संदर्भप्रक बनाने में मदद करते हैं।
- (b) शिक्षार्थियों का चिंतन सीमित किया जा सकता है।
- (c) शिक्षार्थियों का चिंतन उद्दीप्त किया जा सकता है।
- (d) प्रश्न शिक्षार्थियों में उत्सुकता जगाते हैं।

KVS TGT 2018

Ans : (b) पर्यावरण अध्ययन की शिक्षिका द्वारा कक्षा के प्रारंभ में पूछे जाने वाले प्रश्न शिक्षार्थियों में उत्सुकता जगाते हैं, ऐसे प्रश्न प्रकरण को संदर्भप्रक बनाने में भी मदद करते हैं तथा ऐसे प्रश्नों से शिक्षार्थियों का चिंतन भी उद्दीपक किया जा सकता है।

118. एक नव-नियुक्त पर्यावरण-अध्ययन के शिक्षक के रूप में पढ़ाने से पहले आपकी सबसे पहली प्राथमिकता होगी—

- (a) शिक्षार्थियों का समाज-सांस्कृतिक प्रोफाइल विवरण तैयार करना।
- (b) पहले पाठ-योजना तैयार करना।
- (c) कक्षा में धीमी गति से सीखने वाले शिक्षार्थियों की पहचान करना।
- (d) शिक्षार्थियों के लिए पूरी पुस्तक के पाठानुसार विस्तृत नोट्स तैयार करना।

KVS TGT 2018

Ans : (c) नव-नियुक्त पर्यावरण-अध्ययन के शिक्षक के रूप में पहली प्राथमिकता कक्षा में धीमी गति से सीखने वाले शिक्षार्थियों की पहचान करना होगी क्योंकि धीमी गति से सीखने वाले विद्यार्थियों को विशेष ध्यान की आवश्यकता होगी जिससे उनका भी अधिगम अन्य विद्यार्थियों के समान सनिश्चित हो सके।

119. कविताएँ और कहनियाँ पर्यावरण अध्ययन की अंतर्वस्तु को पढ़ाने में प्रभावशाली है। ऐसा इसलिए क्योंकि कविताएँ और कहनियाँ—

KVS TGT 2018

Ans : (c) कविताएँ और कहानियाँ पर्यावरण अध्ययन की अंतर्वस्तु को पढ़ाने में प्रभावशाली है क्योंकि ये बच्चों के परिवेश का समृद्ध चित्रण करती है, संदर्भित अधिगम परिवेश प्रदान करती है एवं ये सजनात्मक एवं सौन्दर्यबोध का भी पोषण कर सकती है।

120. कक्षा V की शिक्षिका के रूप में आप 'ईंधन के संरक्षण' प्रकरण को पढ़ाने के लिए निम्नलिखित में से किस संसाधन के उपयोग को सर्वश्रेष्ठ पाते हैं?

KVS TGT 2018

Ans : (d) कक्षा-V के लिए 'ईंधन के संरक्षण' प्रकरण को पढ़ाने के लिए पोस्टर का उपयोग सर्वाधिक उपयोगी होता है क्योंकि पोस्टर निर्माण के दौरान बच्चे अपने स्व-अनुभव एवं पास-पड़ोस में देखे गये क्रियाकलापों का चित्रण करते हैं।

121. प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षार्थियों के पास अनेक प्रकरणों में अनेक वैकल्पिक अवधारणाएँ होती हैं, जैसे- सजीव-निर्जीव, जल-चक्र, पौधे आदि। इन वैकल्पिक अवधारणाओं के स्रोत हो सकते हैं-

- (A) परिवार एवं समुदाय
 (B) पाठ्य-पुस्तके एवं अन्य पुस्तकें
 (C) शिक्षक
 (D) जानवर

सही विकल्प को चुनिए—

(a) (A), (B), (C) तथा (D)
 (b) केवल (A)
 (c) (A) और (B)
 (d) (A), (B) और (D)

KVS TGT 2017

Ans : (a) सजीव-निर्जीव, जल-चक्र, पौधे आदि के खोल के रूप में परिवार एवं समुदाय, पाठ्य-पुस्तकें एवं अन्य पुस्तकें, शिक्षक जानवर सभी हो सकते हैं।

122. राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा, 2005 के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन-सी एक पर्यावरण अध्ययन की विषय-वस्तु (थीम) है?

KVS TGT 2017

Ans : (d) राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा, 2005 के अनुसार पर्यावरण अध्ययन की विषय-वस्तु भोजन है।

123. पर्यावरण अध्ययन में विषय-वस्तु (थीम) आधारित उपागम को अपनाने के समर्थन में निम्नलिखित में से कौन-सा तर्क सबसे अधिक सशक्त है?

- (a) यह शिक्षण को अधिक रोचक और गतिविधि आधारित बनाने में मदद करता है
 - (b) यह धारणाओं, मुद्दों और कौशलों के बृहद् विस्तार को सम्मिलित करने में मदद करता है
 - (c) यह विषय-सीमाओं को नरम (सौम्य) बनाने और सम्पूर्णता में ज्ञान को प्राप्त करने में मदद करता है
 - (d) यह पाठ-योजनाओं को एक ढाँचा प्रदान करने और शिक्षण को अधिक प्रभावी बनाने में मदद करता है

KVS TGT 2017

Ans : (c) पर्यावरण अध्ययन में विषय-वस्तु (थीम) आधारित उपागम को अपनाने के समर्थन में यह तर्क दिया जा सकता है कि यह विषय सीमाओं को नरम (सौम्य) बनाने और सम्पूर्णता में ज्ञान को प्राप्त करने में मदद करता है।

124. प्राथमिक कक्षाओं में पर्यावरण अध्ययन को सिखाने सीखने में कहानियाँ एक महत्वपूर्ण पहलू है। पर्यावरण अध्ययन के कक्षा-कक्ष में कहानी सुनने को शिक्षण-कौशल के रूप में सम्मिलित करने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा सबसे कम उपयुक्त कारण है?

- (a) कहानियाँ अनेक विषय-क्षेत्रों को छूती है

(b) कहानियाँ कक्षा प्रबन्धन में सहायता करती है

(c) कहानियाँ पर्यावरण अध्ययन अवधारणाओं से सम्बन्ध जोड़ने के लिए सनदर्भ उपलब्ध कराता है

(d) कहानियों और व्याख्यानों के अनभव शामिल होते हैं

KVS TGT 2017

Ans : (b) प्राथमिक कक्षाओं में पर्यावरण अध्ययन के कक्ष में कहानी सुनाने को एक शिक्षण-कौशल के रूप में प्रयोग में लाया जाता है जिसके द्वारा बच्चों को छूटी है। इनमें व्यक्तियों के अनुभव शामिल होते हैं तथा कहानियों में पर्यावरण अध्ययन से सम्बन्धित अवधारणाओं के लिए सन्दर्भ उपस्थित रहता है।

१२५. पर्यावरण अध्ययन पाठ्य-पुस्तक की विषय-वस्तु में-

- (A) परिभाषाओं और व्याख्यानों को दूर रखा जाना चाहिए
 - (B) रटकर सीखने को हतोत्साहित करना चाहिए
 - (C) बच्चे को प्रश्न करने और खोजने का मौका मिलना चाहिए
 - (D) बच्चे को केवल लिखित जानकारी दी जानी चाहिए

सही विकल्प चुनिए—

- (a) (B) और (C)
 - (b) केवल (C)
 - (c) (A), (B) तथा (C)
 - (d) (A) और (D)

KVS TGT 2017

Ans : (c) पर्यावरण-अध्ययन पाठ्य-पुस्तक की विषय-वस्तु में बच्चों को अपनी जिज्ञासा समाप्त करने के लिए प्रश्न करने और खोजने का मौका मिलना चाहिए तथा परिभाषाओं, सीधी जानकारी और विवरण देने के स्थान पर ऐसी स्थितियों का निर्माण करना चाहिए, जिससे वे अपने ज्ञान का सुजन स्वयं करें।

126. दिए गए प्रश्न को ध्यान से पढ़िए—

“क्या आपने अपने घर या स्कूल के आस-पास जानवर देखे हैं जिनके छोटे बच्चे हैं? अपनी नोटबुक में उनके नाम लिखिए।”

इस प्रश्न के माध्यम से किस प्रक्रमण कौशल का आकलन किया गया है?

- (a) परिकल्पना एवं प्रयोग करना
 - (b) न्याय के लिए सरोकर
 - (c) अवलोकन (observation) एवं रिकॉर्डिंग
 - (d) वर्गीकरण एवं चर्चा

KVS TGT 2017

Ans : (c) उपर्युक्त प्रश्न के माध्यम से बच्चे में अवलोकन एवं रिकॉर्डिंग प्रक्रमण कौशल का आकलन किया गया है। अवलोकन प्राथमिक सामग्री (Primary data) के संग्रहण की प्रत्यक्ष विधि है। अवलोकन का तात्पर्य उस प्रविधि से है जिसमें नेत्रों द्वारा नवीन अथवा प्राथमिक तथ्यों का विचारपूर्वक संकलन किया जाता है।

127. पर्यावरण अध्ययन की अंतःविषयी (Interdisciplinary) प्रकृति पर्यावरणीय मुद्दों द्वाग सम्बोधित करती है।

- (a) सामाजिक विज्ञान और पर्यावरण शिक्षा की विषय-वस्तु और पद्धति के प्रयोग
 - (b) विज्ञान की विषय-वस्तु और पद्धति के प्रयोग
 - (c) विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और पर्यावरण शिक्षा की विषय-वस्तु और पद्धति के प्रयोग
 - (d) विज्ञान और सामाजिक विज्ञान की विषय-वस्तु और पद्धति के प्रयोग

KVS TGT 2017

Ans : (c) पर्यावरण अध्ययन की अंतः विषयी प्रकृति पर्यावरणीय मुद्दों को विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और पर्यावरण शिक्षा की विषय-वस्तु और पद्धति के प्रयोग द्वारा सम्बोधित करती है।

128. कक्षा V-A के शिक्षक एक सवाल देते हैं—

- A. पेड़ों के पाँच लाभ लिखिए।
जबकि कक्षा V-B के शिक्षक निम्न सवाल देते हैं—

B. क्या होगा अगर धरती पर कोई पेड़ न हो?
इन सवालों की प्रकृति कैसी है?

- (a) A मुक्त अंत वाला (Open ended) अभिसारी (Convergent) है और B बंद अंत वाला (close ended) अपसारी (divergent) है
 - (b) A मुक्त अंत वाला, अपसारी है और B बंद अंत वाला, अभिसारी है
 - (c) A बन्द अंत वाला, अपसारी है और B मुक्त अंत वाला, अभिसारी है
 - (d) A बंद अंत वाला, अभिसारी है और B मुक्त अंत वाला, अपसारी है

KVS TGT 2017

Ans : (d) उपर्युक्त प्रश्न में, 'पेड़ों के पाँच लाभ लिखिए' यह बंद अंत वाला अभिसारी प्रश्न है क्योंकि इसमें बच्चों को अतिरिक्त सोचने का अवसर प्राप्त नहीं होता है। जबकि प्रश्न 'क्या होगा अगर धरती पर कोई पेड़ न हो?' यह मुक्त अंत वाला अपसारी प्रश्न है क्योंकि इसमें बच्चे अपने अनुभवों का प्रयोग करते हुए उत्तर लिखने का प्रयास करेंगे।

129. कक्षा I में पर्यावरण अध्ययन में शिक्षार्थियों के आकलन के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा/से उचित है/हैं?

KVS TGT 2017

Ans : (d) कक्षा I में पर्यावरण अध्ययन में शिक्षार्थियों के आकलन के लिए निम्न उचित हैं-

- मौखिक परीक्षाएँ, क्योंकि हो सकता है कि बच्चे लिखने में सक्षम न हों
 - ड्राइंग, क्योंकि बच्चों को इनमें आनन्द आता है,
 - शिक्षकों का अवलोकन और स्कॉर्डिंग।

निर्देश – निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए सही/सबसे उपयुक्त विकल्प चुनिए।

130. कक्षा V की शिक्षिका एक एल्युमीनियम फॉइल लेती है और पानी में डाल देती है एवं दिखाती है कि वह ऊपर तैरता है। फिर वह फॉइल को मोड़कर जोर से ढबाती (निचोड़ती) है और फिर से पानी में डालती है तथा शिक्षार्थियों को यह सोचने और कारण देने के लिए उत्तर देने में निम्नलिखित में से कौन-से प्रक्रमण कौशल का प्रयोग किया जाएगा?

KVS TGT 2017

Ans : (b) उपर्युक्त प्रश्न में शिक्षिका द्वारा अवलोकन कौशल का प्रयोग किया जा रहा है। यह एक मापन उपकरण है जिसमें सूचना प्राप्त करने के लिए अवलोकनकर्ता प्रत्यक्ष अवलोकन का कार्य करता है। अवलोकन कार्य-कारण एवं पारस्परिक संबंधों को जानने के लिए स्वाभाविक रूप से घटित होने वाली घटनाओं का सूक्ष्म निरीक्षण है।

131. पर्यावरण अध्ययन के शिक्षाशास्त्र के संदर्भ में, सिवाय के, निम्नलिखित सभी वांछनीय अभ्यास हैं।

- (a) बच्चे की अस्मिता (व्यक्तित्व) का पोषण करने
- (b) वास्तविक अवलोकन के स्थान पर पाठ्य-पुस्तकीय ज्ञान की श्रेष्ठता को स्वीकार करने
- (c) पाठ्य-वस्तुओं और सन्दर्भों की बहुलता को बढ़ाकर देने
- (d) आलोचनात्मक चिंतन और समस्या-समाधान के लिए क्षमता- संवर्धन करने

KVS TGT 2017

Ans : (b) पर्यावरण अध्ययन के शिक्षाशास्त्र के संदर्भ में बच्चे की अस्मिता का पोषण करना, पाठ्य-वस्तुओं और सन्दर्भों की बहुलता को बढ़ाकर देना, आलोचनात्मक चिंतन और समस्या-समाधान के लिए क्षमता संवर्धन करना आदि वांछनीय अभ्यास है, जबकि वास्तविक अवलोकन के स्थान पर पाठ्य-पुस्तकीय ज्ञान की श्रेष्ठता को स्वीकार करना अवांछनीय अभ्यास है, क्योंकि पर्यावरण अध्ययन के शिक्षण में यह अपेक्षा की जाती है कि बच्चे अपने आस-पास के परिवेश से अंतःक्रिया करके अपनी स्वाभाविक जिज्ञासा एवं रचनात्मकता का पोषण करे और अवलोकन, तार्किकता जैसे- कौशलों को विकसित करें।

132. महेश कक्षा IV के शिक्षक हैं। वे 'वृक्ष-संरक्षण' की अवधारणा पर शिक्षार्थियों को संवेदनशील बनाने के लिए योजना बनाते हैं। निम्नलिखित में से कौन-सी एक गतिविधि इस उद्देश्य के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है?

- (a) एक पौधे को अपनाने और उसका पोषण करने के लिए प्रत्येक शिक्षार्थी को अभिप्रेरित करना
- (b) पोस्टर प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए शिक्षार्थियों को प्रोत्साहित करना
- (c) सपूह चर्चा के लिए शिक्षार्थियों के सपूह बनाना
- (d) वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन करना

KVS TGT 2017

Ans : (a) 'वृक्ष-संरक्षण' के लिए विद्यार्थी को संवेदनशील बनाने के लिए किसी एक पौधे को अपनाकर उसका पोषण करने के लिए प्रेरित करना सर्वाधिक उपयुक्त विधि है क्योंकि इससे विद्यार्थी का उससे लगाव बढ़ेगा तथा वह क्रियाशील होकर उसका संरक्षण करेगा।

133. पर्यावरण अध्ययन में, बच्चे शिल्पकला और चित्रकला को समूह में सीखना विशेष रूप से पसंद करते हैं, क्योंकि-

- (A) यह सहपाठी अधिगम को बढ़ावा देता है
- (B) यह सामाजिक अधिगम को बेहतर बनाता है

(C) जब बच्चों की सृजनात्मकता की प्रशंसा की जाती है, तो वे खुश होते हैं व उसके प्रति प्रेरित भी होते हैं

(D) यह कक्षा में अनुशासन को बढ़ाता है सही विकल्प को चुनिए-

- (a) (A), (B) तथा (D)
- (b) (A), (B) तथा (C)
- (c) (B) और (C)
- (d) (A) और (D)

KVS TGT 2017

Ans : (b) पर्यावरण अध्ययन में, बच्चे शिल्पकला और चित्रकला को समूह में सीखना विशेष रूप से पसंद करते हैं, क्योंकि यह सहपाठी अधिगम को बढ़ावा देता है, सामाजिक अधिगम को बेहतर बनाता है तथा इससे बच्चों में सृजनात्मकता बढ़ती है जो उसे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

134. आपको पता चलता है कि आपकी कक्षा IV के बहुत-से विद्यार्थियों का विश्वास है कि नीचे की वृद्धि के लिए कच्चा माल केवल मृदा से ही प्राप्त होता है। इस विचार के खंडन (disproof) में निम्नलिखित में से कौन-सी युक्ति सबसे अधिक उपयुक्त होगी?

- (a) पौधों के भोजन-निर्माण की प्रक्रिया के बारे में विद्यार्थियों को मनोरंजक पठन सामग्री उपलब्ध कराना।
- (b) विद्यार्थियों को प्रकाश-संश्लेषण के बारे में एक सुनिर्मित पावर प्लाइंट प्रस्तुति दिखाना।
- (c) प्रकाश-संश्लेषण की प्रक्रिया तथा सम्बद्ध रासायनिक अभिक्रियाओं को सिद्धांतपूर्वक समझाना।
- (d) विद्यार्थियों को बिना पानी वाला मनी-प्लांट देना और उसकी वृद्धि का प्रेक्षण कर निष्कर्ष निकालने के लिए कहना

DSSSB PRT 2018

Ans : (d) यदि कक्षा VI के बहुत-से विद्यार्थियों का विश्वास है कि वृद्धि के लिए कच्चा माल केवल मृदा से ही प्राप्त होता है, तो विद्यार्थियों के इस विचार का खण्डन (disproof) करने के लिए उनको बिना पानी वाला मनी-प्लांट देना चाहिए और उसकी वृद्धि का प्रेक्षण कर निष्कर्ष निकालने के लिए कहना चाहिए ताकि वे अपने पूर्व निर्धारित स्कीमा में परिवर्तन कर नवीन ज्ञान का समावेशन कर सकें।

135. पर्यावरण अध्ययन की पाठ्य-पुस्तक में प्रयुक्त भाषा-

- (a) तकनीकी और औपचारिक होनी चाहिए
- (b) बच्चे की दिन-प्रतिदिन की भाषा से सम्बद्ध होनी चाहिए
- (c) रुखी और बच्चों के द्वारा समझने में कठिन होनी चाहिए
- (d) परिभाषाओं पर बल देते हुए औपचारिक बनाई जानी चाहिए

DSSSB PRT 2017

Ans : (b) पर्यावरण अध्ययन की पाठ्य-पुस्तक में प्रयुक्त भाषा बच्चे की दिन-प्रतिदिन की भाषा से सम्बद्ध होनी चाहिए, ताकि बच्चे विषय को अपने जीवन से जोड़ते हुए समझ और सीख सकें।

136. एक शिक्षक अपने विद्यार्थियों को विभिन्न पशुओं के चित्र देता है और उन पशुओं पर रंग भरने को कहता है जो हमारे घरों में नहीं रहत। इस क्रियाकलाप का उद्देश्य है—

DSSSB PRT 2017

Ans : (b) यदि एक शिक्षक अपने शिक्षार्थियों को विभिन्न पशुओं के चित्र देता है और उन पशुओं पर रंग भरने के लिए कहता है जो हमारे घरों में नहीं रहते हैं, तो इस क्रियाकलाप का उद्देश्य है-

- (i) सृजनात्मकता का विकास करना।
(ii) अवलोकन का विकास करना।
(iii) वर्गीकरण कौशल का विकास करना।

जबकि डाटा संग्रह का विकास करना इस क्रियाकलाप का उद्देश्य नहीं है।

137. कक्षा III के एक शिक्षक ने अपने बच्चों को निम्नलिखित पेड़ों/पौधों की पत्तियों को विभिन्न वर्गों में वर्गीकृत करने को कहा जैसे- नींबू, आम, तुलसी, पुदीना, नीम, करेला आदि। कुछ विद्यार्थियों ने पत्तियों का वर्गीकरण इस प्रकार किया-

(A) दवाओं के गुणों वाली पत्तियाँ और दवाओं के गुण से रहित पत्तियाँ, (B) बड़ी पत्तियाँ और छोटी पत्तियाँ, शिक्षक ने समूह (A) को सही माना और समूह (B) को गलत।

निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा कथन अधिगम और आकलन के प्रति शिक्षक के दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करता है?

- (a) बच्चे बहुत प्रकार के सन्दर्भों को कक्षा में ले आते हैं, जिसकी सराहना होनी चाहिए।

(b) अपने अनुभवों पर निर्भर करते हुए बच्चे वर्गीकरण के बहुत से तरीकों का उपयोग कर सकते हैं।

(c) वर्गीकरण का काम बहुत विशिष्ट और स्तरीकृत है तथा इसका एक ही सही उत्तर होता है।

(d) यह क्रियाकलाप पत्तियों से सूचना ग्रहण करने पर केन्द्रित है, जिसका भिन्न अर्थ लगाया जा सकता है।

DSSSB PRT 2017

Ans : (c) उपर्युक्त प्रश्न के अनुसार- “वर्गीकरण का काम बहुत विशिष्ट और स्तरीकृत है तथा इसका एक ही सही उत्तर होता है।”- यह कथन अधिगम और आकलन के प्रति शिक्षक के दृष्टिकोण को प्रतिबंधित करता है।

138. पर्यावरण अध्ययन की अपनी कक्षा में समूह क्रियाकलाप का निर्माण करते हुए आप निम्नलिखित विचारों में से किनका ध्यान रखेंगे?

- (1) बच्चों की रुचियों का ध्यान हो।
 - (2) लड़कों और लड़कियों को समान रूप से रुचिकर लगे।
 - (3) इसमें मूल्यवान सामग्री लगी हो
 - (4) सभी धार्मिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के बच्चों को रुचिकर

कृट :

DSSSB PRT 2017

Ans : (a) पर्यावरण अध्ययन की कक्षा में समूह क्रियाकलाप का निर्माण करते हुए निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना आवश्यक है-

- (i) बच्चों की रुचियों, मनोवृत्तियों, अवस्थाओं, आवश्यकताओं आदि का ध्यान हो।
 - (ii) लड़के और लड़कियों दोनों को समान रूप से रुचिकर लगे।
 - (iii) सभी धार्मिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के बच्चों को रुचिकर लगे।

“इसमें मल्यवान सामग्री लगी हो”

यह कथन गलत है। अतः Option (a) सही है।

139. निम्नलिखित सभी कथन पर्यावरण अध्ययन में सामूहिक रूप से क्रियाकलापों में संलग्न शिक्षकों और विद्यार्थियों के पक्ष में तर्क प्रस्तुत करते हैं, केवल एक कथन को छोड़कर। वह कथन कौन-सा है?

- (a) बच्चे दूसरे बच्चों से बात और बहस करने से अधिक सीखते हैं
 - (b) समूह क्रियाकलापों की वजह से बच्चे अंक उपलब्धियों में अच्छा सुधार प्रदर्शित करते हैं
 - (c) प्रौढ़ों के समर्थन से बच्चों को अपनी क्षमता से अधिक ज्ञान के निर्मण में सहायता मिल सकती है
 - (d) बच्चे परस्पर सामंजस्य और सहयोग करना सीखते हैं

DSSSB PRT 2017

Ans : (b) पर्यावरण अध्ययन में सामूहिक रूप से क्रियाकलापों में संलग्न शिक्षकों और विद्यार्थियों के पक्ष में निम्नलिखित तर्क प्रस्तुत करते हैं—

- (i) बच्चे दूसरे बच्चों से बात और बहस करने से अधिक सीखते हैं।

(ii) प्रौढ़ों के समर्थन से बच्चों को अपनी क्षमता से अधिक ज्ञान के निर्माण में सहायता मिल सकती है।

(iii) बच्चे परस्पर सामंजस्य और सहयोग करना सीखते हैं।
“समूह क्रियाकलापों की वहज से बच्चे अंक उपलब्धियों में अच्छा

सुधार प्रदर्शित करते हैं” - यह कथन पर्यावरण अध्ययन में सामूहिक रूप से क्रियाकलापों में संलग्न शिक्षकों और विद्यार्थियों के पक्ष में तर्क प्रस्तुत नहीं करता है।

140. सामूहिक कार्य से पर्यावरण अध्ययन पढ़ रहे बच्चों की सामाजिक-वैयक्तिक विशेषताओं के आकलन के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा उपकरण सर्वाधिक उपयुक्त होगा?

- (a) कागज-पेंसिल परीक्षण
 - (b) मौखिक प्रश्न
 - (c) निर्धारण मापनियाँ (Rating scale)
 - (d) दत्तकार्य (Assignments)

DSSSB PRT 2017

Ans : (c) सामूहिक कार्य से पर्यावरण अध्ययन पढ़ रहे बच्चों की सामाजिक-वैयक्तिक विशेषताओं के आकलन के लिए निर्धारण मापनी उपकरण सर्वाधिक उपयुक्त होगा।

जॉन डब्लू वेस्ट के अनुसार— 'निर्धारण मापनी किसी व्यक्ति के गुणों अथवा वस्तु के सीमित पक्षों का गुणात्मक विवरण प्रस्तुत करती है। मापनी विधियों के द्वारा गुणात्मक तथ्यों को परिमाणात्मक क्रम में परिवर्तित करते हैं।

141. कक्षा IV की एक शिक्षिका ने अपने विद्यार्थियों से कहा-कुछ वयोवृद्ध लोगों से यह पूछिए कि जब वे जवान थे तो क्या उन्होंने कुछ ऐस पौधे देखे थे जो आजकल दिखाई नहीं पड़ते?

उपर्युक्त प्रश्न पूछे जाने पर निम्नलिखित में से किसका कौशल के आकलन की सम्भावना नहीं है?

DSSSB PRT 2017

Ans : (c) उपर्युक्त प्रश्न पूछे जाने पर प्रयोग कौशल के आकलन की सम्भावना नहीं है। अर्थात् जब विद्यार्थी व्यावृद्ध लोगों से यह पूछेंगे कि ‘जब वे जवान थे तो क्या उन्होंने कुछ ऐसे पौधे देखे थे जो आजकल दिखाई नहीं पड़ते?’ इस प्रकार के सर्वेक्षण में बच्चों के प्रश्न पूछने के तरीके, अभिव्यक्ति कौशल, चर्चा-परिचर्चा के तरीके अंतःप्रक्रिया स्थापित करने के तरीके आदि का आकलन किया जा सकता है।

142. एक शिक्षक प्रत्येक बच्चे को अपने घरों की रही सामग्री से कुछ उपयोगी वस्तु बनाने को कहता है शिक्षक का शैक्षिक अभिप्राय नहीं है—

- (a) कक्षा के श्रेष्ठ विद्यार्थी के बारे में निर्णय करना
 - (b) बच्चों में सृजनशीलता का विकास करना
 - (c) बच्चे को पुनःचक्रण (recycle), पुनः प्रयोग और रूपान्तरण को समझाना
 - (d) कूड़े से बनी श्रेष्ठ वस्तुओं की प्रदर्शनी आयोजित करना

DSSSB PRT 2017

Ans : (a) एक शिक्षक प्रत्येक बच्चे को अपने घरों की रद्दी सामग्री से कुछ उपयोगी वस्तु बनाने को कहता है। इस कार्य से शिक्षक का निम्नलिखित शैक्षिक अभिप्राय है-

- (i) बच्चों में सृजनशीलता का विकास करना।
 - (ii) बच्चों को पुनःचक्रण (recycle), पुनःप्रयोग और रूपान्तरण को समझाना।
 - (iii) कड़े से बनी श्रेष्ठ वस्तुओं की प्रदर्शनी आयोजित करना।

जबकि कक्षा के श्रेष्ठ विद्यार्थी के बारे में निर्णय करना। यह शिक्षक का शैक्षिक अभिप्राय नहीं है।

143. पर्यावरण अध्ययन के शिक्षण-अधिगम में 'सर्वेक्षण का उद्देश्य है-

1. समुदाय के साथ अन्योन्य क्रिया (interaction)
का अवसर प्रदान करना
 2. बच्चों को विभिन्न लोगों के प्रति संवेदनशील
बनाना

- ### 3. सूचना को प्रत्यक्ष प्राप्त करने का अवसर प्रदान करना

- #### 4. आकलन के एक अवसर के रूप में इसका उपयोग करना

उपर्युक्त में से कौन-से सही हैं?

सही विकल्प का चयन कीजिए

- (a) 1, 2, 3 और 4
 - (b) 1, 2 और 3
 - (c) 1, 2 और 4
 - (d) 1, 3 और 4

DSSSB PRT 2017

Ans : (a) पर्यावरण अध्ययन के शिक्षण-अधिगम में ‘सर्वेक्षण’ का निम्नलिखित उद्देश्य है-

1. समुदाय के साथ अन्योन्यक्रिया का अवसर प्रदान करना।
 2. बच्चों को विभिन्न लोगों के प्रति संवेदनशील बनाना।
 3. सूचना को प्रत्यक्ष प्राप्त करने का अवसर प्रदान करना।
 4. आकलन के एक अवसर के रूप में इसका उपयोग करना।

3. गणित शिक्षण

144. निम्न में से कौन सा गणितीय विषय ऐसा है जिसे कॉम्पैक्ट भाषा के रूप में जाना जाता है और यह उच्च प्राथमिक स्तर पर संक्षिप्त अभिव्यक्ति के लिए साधन के रूप में प्रयुक्त होता है?

NVS, TGT 18-09-2019 (II)

Ans : (a) बीजगणित ऐसा गणितीय विषय है जिसे कॉम्पैक्ट भाषा के रूप में जाना जाता है और यह उच्च प्राथमिक स्तर पर संक्षिप्त अभिव्यक्ति के लिए साधन के रूप में प्रयुक्त होता है।

145. गणित पढ़ाने की रचनात्मक पद्धति को लागू करते समय शिक्षक की क्या भाविका होती है?

- (a) यह सुनिश्चित करना कि संबंधित स्कूल की लाइब्रेरी में उपलब्ध हो
 - (b) यह सुनिश्चित करना कि सभी छात्रों के पास कैलकुलेटर हो
 - (c) यह सुनिश्चित करना कि छात्रों को गणित की कक्षा से पहले एक खेल अवकाश मिले
 - (d) यह सुनिश्चित करना कि छात्र अपने मन से ज्ञान प्राप्त करने की प्रक्रिया का हिस्सा बनें।

NVS, TGT 18-09-2019

Ans : (d) गणित पढ़ाने की रचनात्मक पद्धति को लागू करते समय शिक्षक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि छात्र अपने मन से ज्ञान प्राप्त करने की प्रक्रिया का हिस्सा बनें। रचनात्मक पद्धति के अनुसार प्रत्येक विद्यार्थी अपने स्वयं के लिए ज्ञान का निर्माण करते हैं। रचनावादी परिषेक्ष्य के अंतर्गत छात्र एक कोरी स्लेट नहीं होता है बल्कि वह अपने साथ पूर्व अनुभव लाता है, वह किसी परिस्थिति के सांस्कृतिक तत्त्व और पूर्व ज्ञान के आधार पर ज्ञान का निर्माण करता है।

146. एक शिक्षक अपनी कक्षा में छात्रों को कागज के हवाई जहाज बनाने के लिए कहता है। यह शिल्प या क्रॉफट को एकीकृत करने का एक उदाहरण है।

- (a) गणित अधिगम
- (b) खेल
- (c) भाषा अधिगम
- (d) सामाजिक विज्ञान अधिगम

NVS, TGT 18-09-2019

Ans : (a) यदि एक शिक्षक अपनी कक्षा में छात्रों को कागज के हवाई जहाज बनाने के लिए कहता है, तो यह शिल्प या क्रॉफट गणित अधिगम को एकीकृत करने का एक उदाहरण है। गतिविधि आधारित गणित शिक्षण में शिक्षक बच्चों से कागज, कंकड़, चित्र, लकड़ी के टुकड़ों आदि का उपयोग करते हुए विभिन्न प्रकार के क्रियाकलाप करवाता है तथा उसी के माध्यम से गणितीय संकल्पनाओं को स्पष्ट करने का प्रयास करता है। इससे अधिगम की प्रकृति सुचिकर व ज्ञान स्थायी होता है।

147. किसी गणितीय समस्या को प्रस्तुत करते समय शिक्षक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि समस्या की भाषा छात्रों के के स्तर के अनुसार हो।

- (a) पहुँच
- (b) समझ
- (c) रणनीति
- (d) योग्यता

NVS, PGT 17-09-2019 II

Ans : (b) किसी गणितीय समस्या को प्रस्तुत करते समय, शिक्षक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि समस्या की भाषा छात्रों के समझ के स्तर के अनुसार हो क्योंकि यदि भाषा उनकी समझ में नहीं आयेगी तो वे गणितीय संक्रियाओं को हल करने में असमर्थता व्यक्त करेंगे।

148. विद्यार्थियों को गुणन सारणियाँ याद कराने का सर्वश्रेष्ठ तरीका होगा—

- (a) शिक्षक पहाड़ों को बोर्ड पर लिखे और बच्चों को नकल करने के लिए कहे
- (b) बच्चों को गृहकार्य दें जिसमें उन्हें पहाड़े लिखने हों
- (c) प्रशिक्षण और अभ्यास
- (d) बच्चों को एक समय सीमा दें जिसके भीतर उन्हें पहाड़े याद करने हो

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (c) विद्यार्थियों को गुणन सारणियाँ याद कराने का सर्वश्रेष्ठ तरीका प्रशिक्षण और अभ्यास होगा।

149. गणित पढ़ाने में गृहकार्य देना प्रभावी है। कौन—सा सबसे महत्वपूर्ण कारण है?

- (a) विद्यार्थियों को घर पर व्यस्त रखना
- (b) क्योंकि गणित के सवालों के अभ्यास के लिए विद्यालय के दौरान समय पर्याप्त नहीं होता
- (c) विद्यार्थियों में स्वाध्ययन को बढ़ावा देना
- (d) अभिभावकों के शामिल होने को बढ़ाने के लिए

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (c) गणित पढ़ाने में गृहकार्य देना प्रभावी होता है, ताकि विद्यार्थियों में स्वाध्ययन को बढ़ावा दिया जा सके, तथा विद्यार्थी स्वतंत्र वातावरण में अभ्यास कर सकें।

150. गणित में गणना संबंधी कौशलों को बढ़ाया जा सकता है—

- (a) केवल संकल्पनात्मक ज्ञान देकर
- (b) केवल ऐलोरिथ्म का वर्णन देकर
- (c) कक्षा में क्रियाशील गतिविधियों का आयोजन
- (d) संकल्पनाओं और प्रक्रियाओं को स्पष्ट करने के बाद अधिक अभ्यास करके

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (d) गणित में गणना संबंधी कौशलों को बढ़ाया जा सकता है यदि संकल्पनाओं और प्रक्रियाओं को स्पष्ट करने के बाद अधिक अभ्यास कराया जाये। गणना संबंधी कौशलों को सीखने के लिए अभ्यास की महती आवश्यकता होती है इसलिए गणित के बुनियादी सवालों जैसे जोड़, घटाना, गुणा, भाग आदि का बराबर अभ्यास कराना चाहिए।

151. यदि छात्रों में ज्यामितीय आकृतियों का अवबोधन (Understand) हो जाता है, तो छात्रों में व्यवहारगत परिवर्तन होगा—

- (a) आकृतियों का वर्णकरण करने का
- (b) वैसी ही आकृतियों को खींचने का
- (c) गणित परिषद् पट्ट (club board) पर ज्यामितीय आकृतियों का प्रदर्शन करने का
- (d) ज्यामितीय आकृतियों का प्रत्यास्मरण (recall) करने का

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (a) यदि छात्रों में ज्यामितीय आकृतियों का अवबोधन हो जाता है, तो छात्रों में आकृतियों का वर्णकरण करने का व्यवहारगत परिवर्तन दिखाई देगा। अवबोधन स्तर पर छात्र गणित की अवधारणा, इसके तथ्यों, सिद्धांतों, विधियों, प्रक्रियाओं, प्रक्रमों आदि पर अर्थ ग्रहण करता है। इस स्तर पर विद्यार्थियों में समझ आधारित व्यवहारगत परिवर्तन दिखाई देता है।

152. निम्न में से कौन—सा गणित में अर्थपूर्ण ज्ञान प्राप्ति का सिद्धांत नहीं है?

- (a) उपयोगिता का सिद्धांत
- (b) रटने का सिद्धांत
- (c) अभ्यास का सिद्धांत
- (d) मानसिक शक्तियों का समुचित प्रयोग का सिद्धांत

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (b) रटने का सिद्धांत, गणित में अर्थपूर्ण, ज्ञान प्राप्ति का सिद्धांत नहीं है क्योंकि शिक्षण के नवीन उपागम में रचनात्मकता, पूर्व अनुभव, स्वयं द्वारा ज्ञान निर्माण, आदि पर बल दिया जाता है न कि रटने पर। रटने की प्रक्रिया द्वारा सार्थक अधिगम नहीं हो पाता है और न बालक के मानसिक शक्तियों का पूर्ण विकास हो पाता है।

153. एक शिक्षिका ने कक्षा में नीचे दिए गए विषय पर बाद—विवाद का आयोजन किया।

“शून्य अत्यन्त सार्थक अंक है।”

उसने प्रत्येक बच्चे को उन्न विषय पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। शिक्षिका—

- (a) अपनी कक्षा को अधिक अभिव्यक्तशील और विचारशील बना रही है
- (b) अपना समय व्यतीत कर रही है, क्योंकि छात्रों की मनःस्थिति पढ़ने की नहीं है
- (c) बच्चों में तार्किक शक्ति विकसित करने के लिए अपनी गणित की कक्षा को जीवन-कौशल की कक्षा की भाँति उपयोग कर रही है
- (d) बच्चों को समस्याओं को हल करने की कुशलता की ओर प्रवृत्त कर रही है

NVS PGT 2018

Ans : (a) यदि किसी शिक्षिका ने कक्षा में “शून्य अत्यन्त सार्थक अंक है।” विषय पर वाद-विवाद का आयोजन करके प्रत्येक बच्चे को उक्त विषय पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करती है, तो इसका मतलब है कि शिक्षिका अपनी कक्षा को अधिक अभिव्यक्तशील और विचारशील बना रही है।

154. जीन पियाजे के सिद्धांत के अनुसार-

- (a) रैखिक समीकरण का परिचय तथा इसे हल करने की अधिगम तकनीक आत्मसात्करण है एवं रैखिक समीकरण-युग्म की अवधारणा का विस्तार समायोजन की समस्या को बढ़ा सकता है।
- (b) रैखिक समीकरण-युग्म का परिचय तथा इसे हल करने की तकनीक आत्मसात्करण है एवं इसे रैखिक समीकरण के मूलों से सम्बद्ध करना समायोजन है
- (c) रैखिक समीकरण का प्रदर्शन, इसे हल करने की तकनीक तथा रैखिक समीकरण-युग्म आरंभ आत्म-सात्करण है
- (d) रैखिक समीकरण, रैखिक समीकरण-युग्म तथा द्विघाती समीकरणों की अवधारणा का अधिगम समायोजन-समस्या है

NVS PGT 2018

Ans : (a) जीन पियाजे के सिद्धांत के अनुसार रैखिक समीकरण का परिचय तथा इसे हल करने की अधिगम तकनीक आत्मसात्करण है एवं रैखिक समीकरण-युग्म की अवधारणा का विस्तार समायोजन की समस्या को बढ़ा सकता है।

155. कक्षा VIII के छात्रों को कमानीदार तुला (Spring scale) का सही उपयोग विधि पढ़ाते समय नीचे दिए गए चरणों (जो सही क्रम में नहीं दिए गए हैं) का पालन करने के लिए कहा :

1. शून्यांक त्रुटि नोट करना
 2. वास्तविक पाठ्यांक पर संकेतक की स्थिति नोट करना
 3. अंशांकित पैमाने पर संकेतक की स्थिति नोट करना
 4. कमानीदार तुला का अल्पतमांक रिकॉर्ड करना।
- निम्नलिखित में से इन चरणों का सही क्रम किसमें दिया गया है?
- (a) 1, 4, 2, 3
 - (b) 4, 1, 3, 2
 - (c) 1, 4, 3, 2
 - (d) 1, 2, 4, 3

NVS PGT 2018

Ans : (c) कमानीदार तुला का सही उपयोग विधि पढ़ाने के लिए निम्नलिखित चरणों का पालन करना चाहिए-

- (i) शून्यांक त्रुटि नोट करना
- (ii) कमानीदार तुला का अल्पतमांक रिकॉर्ड करना
- (iii) अंशांकित पाठ्यांक पर संकेतक की स्थिति नोट करना
- (iv) वास्तविक पाठ्यांक पर संकेतक की स्थिति नोट करना

156. किसी छात्र से नीचे दी गई संख्याओं को पढ़ने के लिए कहा गया-

306, 408, 4008, 4010

उसने उन्हें इस प्रकार पढ़ा-

तीस छः, चालीस आठ, चार सौ आठ, चालीस दस पढ़ने में त्रुटि का कारण है कि-

- (a) छात्र ने स्थानीय मान की संकल्पना तो समझ ली है, परन्तु उसका उपयोग नहीं जानता
- (b) छात्र गणित का अध्ययन करने के लिए उपयुक्त नहीं है
- (c) छात्र स्थानीय मान की संकल्पना को नहीं समझते हैं और उसे केवल दो-अंकीय संख्याओं को पढ़ना आसान लगता है
- (d) छात्र को अन्य विषय की कक्षा अच्छी लगती है और गणित की कक्षा उबाऊ (कष्टदायक) लगती है

DSSSB TGT 2016

Ans : (c) यदि कोई छात्र 306, 408, 4008 और 4010 को तीस छः, चालीस आठ, चार सौ आठ और चालीस दस पढ़ता है तो इसका मतलब है कि छात्र स्थानीय मान की संकल्पना को नहीं समझता है तथा उसके केवल दो-अंकीय संख्याओं को पढ़ना आसान लगता है।

157. कक्षा IV के लिए ‘समय’ के मूल्यांकन का/के प्राचल (Parameter) होगा/होंगे-

- (a) अंकीय घड़ी और सदृश्य घड़ी पर समय पढ़ना, आधा घण्टा अधिक, चौथाई घण्टा अधिक, चौथाई घण्टा कम, a.m./p.m. की संकल्पना, मिनट और सेकेण्ड में सम्बन्ध
- (b) केवल अंकीय घड़ी पर समय पढ़ना a.m. और p.m. की संकल्पना
- (c) केवल अंकीय घड़ी पर समय पढ़ना
- (d) केवल सदृश घड़ी पर समय पढ़ना

NVS PGT 2018

Ans : (a) कक्षा IV के लिए अंकीय घड़ी और सदृश घड़ी पर समय पढ़ना, आधा घण्टा अधिक, चौथाई घण्टा अधिक, चौथाई घण्टा कम, a.m., p.m. की संकल्पना, मिनट और सेकेण्ड में सम्बन्ध ‘समय’ के मूल्यांकन के प्राचल (parameter) होंगे।

158. राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा-2005 में उल्लिखित ‘गणित की लम्बी आकृति’ संकेत करती है-

- (a) गणित खेलों का सूजन
- (b) हस्तसिद्ध अनुभव प्रदान करना
- (c) एक संकल्पना पर दूसरी संकल्पना बनाना
- (d) चुनौतीपूर्ण समस्याओं को हल करना

NVS PGT 2018

Ans : (c) राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा 2005 में उल्लिखित 'गणित की लम्बी आकृति' एक संकल्पना पर दूसरी संकल्पना बनाना की ओर संकेत करती है। दूसरे शब्दों में, गणित की पाठ्यचर्चा के लम्बे चौड़े आकार (जिसमें एक विषय में दक्षता दूसरे के ज्ञान के लिए आवश्यक होती है) पर दिये जाने वाले जोर को कम करना चाहिए ताकि एक वृहत्तर पाठ्यचर्चा तैयार हो पाये, जिसमें वे विषय ज्यादा हों, जो बुनियादी बातों से शुरू होते हैं।

159. निम्नलिखित पर विचार कीजिए :

$$5 + 3 = ?$$

इस सीमित उत्तर प्रश्न का तदनुरूपी मुक्त-उत्तर प्रश्न होगा—

- (a) 5 में क्या जोड़ा जाना चाहिए, ताकि 8 प्राप्त हो?
- (b) कोई ऐसी दो संख्याएँ बताइए जिनका योग 8 हो।
- (c) 5 और 3 का योग क्या होगा?
- (d) 5 और 3 का योग ज्ञात कीजिए

NVS PGT 2018

Ans : (b) उपर्युक्त सीमित उत्तर प्रश्न का तदनुरूपी मुक्त उत्तर प्रश्न होगा— 'कोई ऐसी दो संख्याएँ बताइये जिनका योग 8 हो?' क्योंकि इस प्रकार के प्रश्न में प्रत्येक विद्यार्थी के उत्तर देने का तरीका अलग-अलग होगा।

160. राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा, 2005 में यह उल्लेख किया गया है कि गणित शिक्षण महत्वाकांक्षी, सुसंगत और महत्वपूर्ण होना चाहिए। यहाँ 'महत्वाकांक्षी' से तात्पर्य निम्नलिखित में से किसकी उपलब्धि है?

- (a) गणित को अन्य विषयों से जोड़ने की
- (b) गणित के अनुप्रयोग की
- (c) गणित के उच्च उद्देश्यों (लक्ष्यों) की
- (d) गणित संकीर्ण उद्देश्यों (लक्ष्यों) की

NVS PGT 2018

Ans : (c) राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा, 2005 में यह उल्लेख किया गया है कि गणित शिक्षण महत्वाकांक्षी, सुसंगत और महत्वपूर्ण होना चाहिए। यहाँ 'महत्वाकांक्षी' से तात्पर्य गणित के उच्च उद्देश्यों (लक्ष्यों) की उपलब्धि से है।

161. कक्षा II में व्यवकलन (घटाने) के प्रचालन (operation) की व्याख्या करने के पश्चात् शिक्षक ने श्यामपट पर चित्र खींचा और बच्चों से रिक्त वृत्तों को भरने के लिए कहा—

इस अभ्यास का उद्देश्य है—

- (a) संकलित मूल्यांकन
- (b) छात्रों के लिए मजेदार क्रियाकलाप की व्यवस्था
- (c) मस्तिष्क का गणितीयकरण
- (d) संकलन (addition) और व्यवकलन (subtraction) की कुशलता को प्रबल करना

NVS PGT 2018

Ans : (d) कक्षा II में व्यवकलन (घटाने) के प्रचालन (operation) की व्याख्या करने के पश्चात् शिक्षक ने श्यामपट पर चित्र खींचा और बच्चों से वृत्तों को भरने के लिए कहा इस अभ्यास का उद्देश्य संकलन (addition) और व्यवकलन की कुशलता को प्रबल करना है।

162. नीचे दिए गए चित्र में कुल कितने आयत हैं?



उपरोक्त प्रश्न जाँच कर रहा है—

- (a) शिक्षार्थी की समझ (बोधगम्यता) की
- (b) शिक्षार्थी की सृजनात्मकता की
- (c) शिक्षार्थी के याद करने की शक्ति को
- (d) शिक्षार्थी के ज्ञान की

NVS PGT 2018

Ans : (a) उपर्युक्त प्रश्न शिक्षार्थी की समझ (बोधगम्यता) की जाँच कर रहा है।

163. कक्षा III में 'गुणन' की इकाई में अनुमोदित मूल संकल्पना है—

- (a) गुणन के गुणधर्म-क्रम गुण और समूह गुण
- (b) गुणन पर आधारित शब्द-समस्या
- (c) तीन-अंकीय संख्याओं को 10 से गुणा करना
- (d) दो-अंकीय संख्या को दो-अंकीय संख्या से गुणा करना

DSSSB TGT 2016

Ans : (a) कक्षा III में 'गुणन' की इकाई में अनुमोदित मूल संकल्पना गुणन के गुणधर्म-क्रम गुण और समूह गुण है।

164. 'भिन्न' की इकाई से शिक्षक ने छात्रों से किन्हीं पाँच भिन्नों की सूची बनाने के लिए कहा—

यह प्रश्न संकेत करता है—

- (a) अध्यापक की विश्लेषणात्मक सोच को
- (b) अध्यापक की त्रिविमीय/आकाशीय सोच को
- (c) छात्रों के सोचने के निम्न स्तर को
- (d) छात्रों के सोचने के उच्च स्तर को

DSSSB TGT 2016

Ans : (c) उपर्युक्त प्रश्न छात्रों के सोचने के निम्न स्तर की ओर संकेत करता है। क्योंकि इस प्रकार के प्रश्न हल करते समय छात्रों को अपने गणितीय कौशल को प्रस्तुत करने के लिए कोई स्थान नहीं है।

165. किसी अभ्यास में प्रश्न था, P ●—● Q तथा R ●—● S रेखा खण्डों की लम्बाई मापिए।

बच्चे ने उत्तर दिया :

AB की लम्बाई = 5 सेमी.

AB की लम्बाई = 3 सेमी.

यह संकेत करता है—

- (a) कार्यविधिक त्रुटि को
- (b) रेखा खण्ड का नाम AB लिखने की आदत के कारण त्रुटि को
- (c) पढ़ने की त्रुटि को
- (d) संकल्पनात्मक त्रुटि को

DSSSB TGT 2016

Ans : (b) उपर्युक्त प्रश्न रेखा खण्ड का नाम AB लिखने की आदत के कारण त्रुटि की ओर संकेत करता है।

166. एक बच्चा मानसिक रूप से $(27 + 38)$ को 65 के रूप में परिकलित करता है। जब उसे योग करने के अपने तरीके के बारे में व्याख्या करने के लिए कहा गया, तो उसने प्रतिक्रिया के रूप में कहा कि 38, 40 के नजदीक है। इसलिए $(27 + 40)$, 67 है, तो मैंने 65 को प्राप्त करने के लिए 2 घटा दिए।
योग करने की यह युक्ति है।
- (a) संवृद्धिकारक (Incrementing)
 - (b) प्रत्यक्ष प्रतिरूपण (Direct modelling)
 - (c) पुनर्समूहीकरण (Regrouping)
 - (d) प्रतिकारी (compensating)

DSSSB TGT 2016

Ans : (d) उपर्युक्त दिये गये प्रश्न में योग करने की युक्ति प्रतिकारी है।

167. भाग (Division) की अवधारणा पढ़ाने के बाद, एक शिक्षक कक्षा-कक्ष में गणितीय दीवार का निर्माण करते हैं और शिक्षार्थियों को कॉलमों में भाग सम्बन्धी कोई दो तथ्य लिखने के लिए कहता है—
यह गतिविधि में शिक्षक की सहायता कर सकती है।
- (a) शिक्षार्थियों द्वारा सीखे गए तथ्यों की संख्या का रिकॉर्ड रखने
 - (b) शोरमुक्त कक्षा-कक्ष वातावरण बनाने
 - (c) अगले दो दिनों के लिए शिक्षार्थियों को किसी गणितीय कार्य में व्यस्त रखने
 - (d) प्रत्येक बच्चे की अभिव्यक्ति के और एक-दूसरे से सीखने के अवसर देने

DSSSB TGT 2016

Ans : (d) उपर्युक्त गतिविधि प्रत्येक बच्चे को अभिव्यक्ति के और एक-दूसरे से सीखने के अवसर देने में शिक्षक की सहायता कर सकती है।

168. कक्षा 3 में, एक शिक्षक शिक्षार्थियों को 4562 और 728 का योग करने के लिए करता है। एक विद्यार्थी प्रश्न के उत्तर में निम्न प्रकार से प्रतिक्रिया करता है—
4562
+728
11842
यह प्रतिक्रिया यह दर्शाती है कि बच्चे में में कमी है।
- (a) योग के सही क्रम की अवधारणा
 - (b) योग के कौशल
 - (c) स्थानीय मान की अवधारणा
 - (d) पुनर्समूहीकरण के द्वारा योग के कौशल

DSSSB TGT 2016

Ans : (c) उपर्युक्त प्रक्रिया यह दर्शाती है कि बच्चे में स्थानीय मान की अवधारणा समझने में कमी है।

169. विद्यार्थियों में प्रसिद्ध गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुज के जन्म की जयंती की स्मृति सी.बी.एस.ई. ने 'GANIT Week' ('गणित सप्ताह') मानने की घोषणा की। GANIT का अर्थ है—

- (a) संख्यात्मक नवाचार और तकनीक में योग्यता में वृद्धि
- (b) संख्यात्मक नवाचार और प्रशिक्षण में योग्यता में वृद्धि
- (c) संख्यात्मक नवाचार और तकनीक में अभिवृत्ति में वृद्धि
- (d) संख्यात्मक नवाचार और प्रशिक्षण में अभिवृत्ति में वृद्धि

NVS TGT 2017

Ans : (d) शिक्षार्थियों में प्रसिद्ध गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती (22 दिसम्बर) की स्मृति में सी.बी.एस.ई. ने 'GANIT Week' ('गणित सप्ताह') मानने की घोषणा की है। यहाँ 'GANIT' का अर्थ है— Growing Aptitude in Numerical Innovation & Training (संख्यात्मक नवाचार और प्रशिक्षण में अभिवृत्ति में वृद्धि)

170. कक्षा VI की पाठ्य-पुस्तक के निम्नलिखित प्रश्न को पढ़िए—

“पूर्णांकों का ऐसा युग्म लिखिए, जिसका योगफल एक ऋणात्मक पूर्णांक है।”

- (a) चिन्तनपूर्ण प्रश्न
- (b) बहुविषयी प्रश्न
- (c) खुले अंत वाला प्रश्न
- (d) बन्द अंत वाला प्रश्न

NVS TGT 2017

Ans : (c) “पूर्णांकों का ऐसा युग्म लिखिए, जिसका योगफल एक ऋणात्मक पूर्णांक है।” इस प्रकार के प्रश्न खुले अंत वाले प्रश्न होते हैं क्योंकि इस प्रकार के प्रश्नों का उत्तर प्रत्येक विद्यार्थी अलग-अलग देता है।

171. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

- (a) दो अभाज्य संख्याओं का योगफल सदैव अभाज्य संख्या होता है
- (b) एक भाज्य संख्या विषम संख्या हो सकती है
- (c) कोई सम अभाज्य संख्या नहीं है
- (d) सबसे छोटी अभाज्य संख्या '1' है

NVS TGT 2017

Ans : (b) ‘एक भाज्य संख्या विषम संख्या हो सकती है यह कथन सही है क्योंकि संख्या 15 विषम भी है तथा 3 और 5 से विभाजित भी हो सकती है।

172. कक्षा IV का छात्र अर्जुन संख्या प्रणाली से सम्बन्धित सभी प्रश्नों का उत्तर मौखिक रूप से दे सकता है, परन्तु संख्या प्रणाली पर आधारित समस्याओं के हल लिखने में गलतियाँ करता है। लिखने में उसकी त्रुटियों को सुधारने के लिए सबसे अच्छी उपचारात्मक तकनीक है—

- (a) वास्तविक जीवन में अनुभवों को गणितीय संकल्पनाओं के साथ सम्बन्धित करना
- (b) उसको एक कार्यपत्र देना जिसमें समस्याएँ आंशिक रूप से हल की गई हो और उसे खाली स्थान भरने हों
- (c) संख्या प्रणाली की समस्याएँ हल करने के लिए एक से अधिक तरीके सिखाना
- (d) उसे 10 अभ्यास परीक्षाएँ देना

NVS TGT 2017

Ans : (b) यदि कक्षा IV का छात्र अर्जन संख्या प्रणाली से संबंधित सभी प्रश्नों का उत्तर मौखिक रूप से दे सकता है, परन्तु संख्या प्रणाली पर आधारित समस्याओं के हल लिखने में गलतियाँ करता है, तो लिखने में उसकी त्रुटियों को सुधारने के लिए सबसे अच्छी उपचारात्मक तकनीकी है कि उसको एक कार्यपत्रक दिया जाये जिसमें समस्याएँ आंशिक रूप से हल की गयी हों और उसे खाली स्थान भरने हों।

173. राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा रूपरेखा 2005 के अनुसार, विद्यालयों में गणित शिक्षण का संकीर्ण उद्देश्य है—

- (a) संख्यात्मक कौशलों का विकास
- (b) बीजगणित पढ़ाना
- (c) परिकलन व मापन पढ़ाना
- (d) रैखिक बीजगणित से सम्बन्धित दैनिक जीवन के समस्याओं की शिक्षा

NVS TGT 2017

Ans : (a) राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा-2005 के अनुसार, विद्यालय में गणित शिक्षण का संकीर्ण उद्देश्य है— संख्यात्मक कौशल का विकास। स्कूली गणित का सीमित लक्ष्य है ‘लाभप्रद’ क्षमताओं का विकास, विशेषकर अंक ज्ञान-संख्या से जुड़ी क्षमताएँ, सांख्यिक संक्रियाएँ, माप, दशमलव व प्रतिशत की समझ विकसित करना।

174. एक बच्चा जिस अवस्था में सभी संख्या सम्बन्धी संक्रियाओं को करने में सक्षम है तथा भिन्नों के सम्प्रत्यय की व्याख्या करने में सक्षम है, वह अवस्था है—

- (a) संक्रियात्मक अवस्था (operational stage)
- (b) आरम्भिक अवस्था (Emergent phase)
- (c) परिमाणात्मक अवस्था (quantifying phase)
- (d) विभाजनात्मक अवस्था

NVS TGT 2017

Ans : (a) एक बच्चा जिस अवस्था में सभी संख्या सम्बन्धी संक्रियाओं को करने में सक्षम है तथा भिन्नों के सम्प्रत्यय की व्याख्या करने में सक्षम है, वह अवस्था है। संक्रियात्मक अवस्था में बच्चे मापन करने, तौल करने तथा गिनने में सक्षम हो जाते हैं।

175. एक अध्यापिका अपनी कक्षा में गुणा को बार-बार किए जाने वाले जोड़ के रूप में बता रही है। उसके बाद समान संख्या की वस्तुओं का समूहन कर गुणा के रूप में बताती है। तत्पश्चात् चिन्ह ‘×’ से परिचित कराती है तथा अन्त में गुणनफल पता करने के लिए आड़ी-तिरछी रेखाओं अथवा माचिस की तीलियों की सहायता से एक छोटा क्रियाकलाप कराती है। यहाँ अध्यापिका कर रही है—

- (a) कक्षा को आनन्दायी कराने के लिए तरह-तरह के प्रस्तुतीकरण
- (b) ‘मूर्त से अमूर्त सम्प्रत्यय की ओर’ के रूप में एक पाठ का विकास

- (c) विभिन्न अधिगम शैलियों वाले शिक्षार्थियों का ध्यान रखना
- (d) गणित में कम सफल बच्चों के लिए उपचारात्मक युक्तियाँ प्रदान करना

NVS TGT 2017

Ans : (b) उपर्युक्त प्रश्नानुसार क्रियाकलाप के द्वारा अध्यापिका ‘मूर्त से अमूर्त की ओर’ शिक्षण सूत्र का प्रयोग करते हुए पाठ का विकास कर रही है। यहाँ मूर्त से तात्पर्य पूर्व में ज्ञानेन्द्रियों द्वारा प्राप्त या महसूस किये गये अनुभवों से है। मूर्त से शिक्षण कार्य प्रारम्भ करने पर विद्यार्थियों को जो प्रारम्भिक अनुभव प्राप्त होते हैं उनके आधार पर ही कालान्तर में अमूर्त रूप से विचार करने में समर्थ हो पाते हैं। अतः शिक्षक द्वारा प्रारम्भ में विद्यार्थियों को अधिक से अधिक स्थूल अनुभव कराये जाने से उनकी सूक्ष्म रूप से चिंतन-मनन करने की सामर्थ्य अधिक विकसित होती है।

176. आकांक्षा गणित की एक अच्छी अध्यापिका बनना चाहती है। गणित की अच्छी अध्यापिका के लिए आवश्यक है कि उसके पास—

- (a) गणितीय विषय-वस्तु को वास्तविक जीवन से जोड़ने के लिए अवधारणात्मक ज्ञान, समझ और योग्यता होनी चाहिए
- (b) संख्या पद्धति, बीजगणित तथा ज्यामिति का अच्छा ज्ञान होना चाहिए
- (c) बिना समय लगाए समस्याओं/सवालों को हल करने की योग्यता होनी चाहिए
- (d) अच्छा सम्प्रेषण कौशल तथा बंद-अंत वाले प्रश्नों का अच्छा ज्ञान होना चाहिए।

NVS TGT 2017

Ans : (a) यदि आकांक्षा गणित की एक अच्छी अध्यापिका बनना चाहती है तो इसके लिए आवश्यक है कि उसके पास गणितीय विषय-वस्तु को वास्तविक जीवन से जोड़ने के लिए अवधारणात्मक ज्ञान, समझ और योग्यता होनी चाहिए। तभी वह बच्चों को रचनात्मक तरीके से सिखा सकती है।

177. कक्षा में गणितीय मनोरंजनात्मक क्रियाकलाप तथा चुनौतीपूर्ण ज्यामितीय पहेलियाँ क्रियाकलाप महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि—

- (a) वे विद्यार्थियों को उनकी गणित कथा की एकरूपता तथा दैनिक चर्चा के कारण होने वाली ऊब से बाहर लाते हैं
- (b) वे प्रतिभाशाली शिक्षार्थियों को उचित अवसर प्रदान करते हैं
- (c) वे प्रत्येक शिक्षार्थी की स्थानिक व विश्लेषणात्मक योग्यता के संवर्द्धन में सहायक हैं
- (d) वे गणित में कम सफल शिक्षार्थियों तथा मंद गति से सीखने वाले शिक्षार्थियों में रुचि उत्पन्न करने में सहायक होते हैं।

NVS TGT 2017

Ans : (d) कक्षा में गणितीय मनोरंजनात्मक क्रियाकलाप तथा चुनौतीपूर्ण ज्यामितीय पहेलियाँ सम्बन्धी क्रियाकलाप महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे गणित में कम सफल शिक्षार्थियों तथा मंद गति से सीखने वाले शिक्षार्थियों में रुचि उत्पन्न करने में सहायक होते हैं।

178. 'वैदिक गणित', आजकल विशेष रूप से प्राथमिक विद्यालय के बच्चों में बहुत लोकप्रिय होता जा रहा है। इनका प्रयोग निम्नलिखित में से किसके विकास/संवर्धन में होता है?

- विद्यार्थियों के गणित में समस्या समाधान कौशल
- विद्यार्थियों की गणित में एकाग्रता
- गणित में गणना के कौशल तथा गति
- विद्यार्थियों की गणित में परिकलन प्रक्रिया की समझ

NVS TGT 2017

Ans : (c) वैदिक गणित का प्रयोग गणित में गणना के कौशल तथा गति के विकास हेतु किया जाता है। वैदिक गणित, शंकराचार्य स्वामी भारती कृष्ण तीर्थजी महराज की कृति है। इसमें कुल 16 सूत्र और 13 उपसूत्रों के माध्यम से गणना कौशल को समझाया गया है। उदाहरण के लिए सूत्र 'एकाधिकेन पूर्वेण' (पूर्व वाले से एक अधिक) से 25 का वर्ग = '25' में पहला अंक 2 → 2 का एक अधिक है - 3

अब- 25 का वर्ग = $2 \times 3 / 25 \rightarrow$ वर्गफल के दूसरे भाग में हमेशा 25 ही रहेगा। इस तरह 25 का वर्ग = 625

179. एक शिक्षक गणित के संप्रत्ययों (Concept of math) को सिखाते हुए खोजप्रक उपागम का उपयोग करती है, विद्यार्थियों की व्यवहारिक क्षमताओं का उपयोग करती है और उन्हें चर्चा में शामिल करती हैं। वह इस युक्ति का प्रयोग किस लिए करती है?

- विद्यार्थियों में व्यवहारिक क्षमताओं के विकास के लिए
- एक निश्चित प्रकार की सोच व तार्किकता विकसित करने के लिए
- गणित शिक्षण के संकीर्ण उद्देश्य की प्राप्ति के लिए
- गणित शिक्षण के उच्चतर उद्देश्य की प्राप्ति के लिए

NVS TGT 2017

Ans : (a) यदि एक शिक्षिका गणित के संप्रत्ययों को सिखाते हुए खोजप्रक उपागम का प्रयोग करती है, विद्यार्थियों की व्यावहारिक क्षमताओं का उपयोग करती है और उन्हें चर्चा में शामिल करती है तो वह इस युक्ति का प्रयोग विद्यार्थियों में व्यवहारिक क्षमताओं के विकास के लिए कर सकती है ताकि विद्यार्थी अपने विद्यालयी ज्ञान को बाहरी दुनिया से जोड़ सकें।

180. एक शिक्षिका कक्षा V की छात्रा से एक आकृति के परिमाप के बारे में पूछती है।

वह छात्रा से उसके हल को अपने शब्दों में बताने को भी कहती है। छात्रा समस्या का सही हल करने में सक्षम थी, परन्तु उसकी व्याख्या करने में सक्षम नहीं थी। यह छात्रा की निम्न विशेषता प्रदर्शित करता है-

- परिमाप के सम्प्रत्यय की कम समझ, परन्तु अच्छी मौखिक योग्यता
- निम्न स्तरीय भाषा प्रवीणता और निम्न स्तरीय गणितीय प्रवीणता
- निम्न स्तरीय भाषा प्रवीणता और उच्च स्तरीय गणितीय प्रवीणता
- कम आत्मविश्वास स्तर तथा कम गणितीय कौशल

NVS TGT 2017

Ans : (c) यदि कक्षा V की छात्रा परिमाप का सही हल करने में सक्षम है तिन्हीं उसकी मौखिक व्याख्या करने में सक्षम नहीं है तो इसका मतलब है कि वह भाषा कौशल में अप्रवीण है जबकि गणितीय कौशल में प्रवीण है। अतः प्रारम्भिक स्तर पर गणित और भाषा विषय को संबंधित करते हुए पढ़ाना चाहिए।

181. गणित की पाठ्य-पुस्तक में विभिन्न प्रकरणों में खण्ड 'अभ्यास समय' को समावेशित करने का उद्देश्य है-

- दैनिक जीवनचर्या में बदलाव करना
- समय का बेहतर सदृप्योग सुनिश्चित करना
- विस्तृत अधिगम अवसर प्रदान करना
- विद्यार्थियों को आनन्द व मस्ती प्रदान करना

NVS TGT 2017

Ans : (b) गणित की पाठ्य-पुस्तक में विभिन्न प्रकरणों में खण्ड 'अभ्यास समय' को समावेशित करने का उद्देश्य है समय का बेहतर सदृप्योग सुनिश्चित करना।

182. प्राथमिक स्तर पर टेनग्राम, बिन्दु के खेल, प्रतिरूप, इत्यादि का प्रयोग विद्यार्थियों की सहायता करते हैं-

- स्थानिक समझ की योग्यता में वृद्धि के लिए
- संख्याओं की तुलना का बोध विकसित करने में
- परिकलन कौशलों के संवर्धन में
- मूलभूत संक्रियाओं को समझने में

NVS TGT 2017

Ans : (a) प्राथमिक स्तर पर टेनग्राम, बिन्दु के खेल, प्रतिरूप इत्यादि का प्रयोग विद्यार्थियों की स्थानिक समझ की योग्यता में वृद्धि के लिए सहायता करते हैं।

183. गणित के कक्षा-कक्ष में महत्व दिया जाता है-

- गणितीय एल्गोरिदम (परिकलन प्रक्रिया) और प्रणाली पर
- गणितीय विषय पर
- गणितीय विषय, प्रक्रिया और तर्क पर
- समस्या समाधान की युक्तियों पर

NVS PGT 2016

Ans : (c) गणित के कक्षा-कक्ष में निम्नलिखित बिन्दुओं को महत्व दिया जाता है ताकि-

- छात्र दैनिक जीवन में संख्याओं पर संक्रियाएँ (जोड़, घटाना, गुणा तथा भाग) करने के अपने तरीके विकसित कर सकें,
- छात्र संख्याओं पर संक्रियाओं के मानक एल्गोरिदम की समझ के साथ गणितीय भाषा और प्रतीकों की समझ विकसित कर सकें।
- छात्र अपने परिवेश से सरल आँकड़ों का संकलन, प्रदर्शन एवं व्याख्या कर सकें तथा इनका दैनिक जीवन में उपयोग कर सकें।

184. अध्यापक ने विद्यार्थियों को बट्टे (छूट) पर आधारित निम्नलिखित समस्या हल करने के लिए दी-

"एक कमीज और स्वेटर के अंकित मूल्य (M.P.) क्रमशः रु. 200 और रु. 300 है और कमीज व स्वेटर पर बट्टा क्रमशः 20% तथा 12% है। बिल तैयार करते समय गलती से दुकानदार ने इन वस्तुओं के बट्टे की अदला-बदली कर दी।

बिल मिलने पर हमीदा ने इस गलती को देखा और दुकानदार को उचित मूल्य दिया। हमीदा ने दुकानदार को कितनी मुद्रा दी?"

इस प्रश्न से कक्षा 8 का शिक्षक छात्रों में किन मूल्यों का निर्माण कर रहा है?

- (a) सहानुभूमि
- (b) संवेदनशीलता
- (c) ईमानदारी
- (d) सहकारिता

NVS PGT 2016

Ans : (c) उपर्युक्त प्रश्न में शिक्षक गणितीय उदाहरण के माध्यम से बच्चों में ईमानदारी जैसे मूल्य का विकास करना चाहता है। मूल्य मानव व्यवहार के मुख्य निर्धारक हैं। मूल्यों का सम्बन्ध आवश्यकताओं, इच्छाओं, अभिप्रेरणाओं तथा आवश्यकताओं से होता है।

185. कक्षा 7 की छात्रा छाया ने दी गई परिमेय संख्या का

इस प्रकार हल किया $\frac{-25}{-30} = \frac{5}{6}$ इस प्रकार की त्रुटि को माना जा सकता है-

- (a) समस्या को ठीक से न समझने के कारण त्रुटि
- (b) लापरवाह त्रुटि
- (c) संकल्पनात्मक त्रुटि
- (d) प्रक्रमणपरक त्रुटि

NVS PGT 2016

Ans : (c) यदि कक्षा 7 की छात्रा छाया ने दी गयी परिमेय संख्या को इस प्रकार हल किया $\frac{-25}{-30} = \frac{5}{6}$ इस प्रकार की त्रुटि को संकल्पनात्मक त्रुटि माना जा सकता है।

186. उच्च प्राथमिक स्तर पर 'आँकड़ों के प्रबंधन' का केन्द्र होता है-

- (a) आँकड़ों को एकत्रित करने की तकनीक
- (b) आँकड़ों का संग्रह, संगठन और प्रस्तुति
- (c) आँकड़ों का केवल प्रस्तुतीकरण
- (d) आँकड़ों का केवल संगठन

NVS PGT 2016

Ans : (b) उच्च प्राथमिक स्तर पर 'आँकड़ों के प्रबंधन' का केन्द्र होता है- आँकड़ों का संग्रह, संगठन और प्रस्तुति। उच्च प्राथमिक स्तर तक बच्चे आँकड़ों का संग्रहण करने, उनका वर्ग-अंतराल में सारणीबद्ध करने और दंड आरेख या पाई आरेख के रूप में प्रदर्शित करने की योग्यता विकसित कर लेते हैं।

187. गणित में समस्या के समाधान का निम्नलिखित में से कौन-सा तरीका नहीं है?

- (a) रट लेना
- (b) परीक्षण और त्रुटि विधि
- (c) चित्रांकन
- (d) अंत से प्रारम्भ की ओर हल करना

NVS PGT 2016

Ans : (a) गणित में समस्या के समाधान को रटना नहीं होता है बल्कि समस्या के समाधान हेतु विभिन्न गणितीय कौशलों का उपयोग किया जाता है। जैसे- परीक्षण और त्रुटि विधि के द्वारा, चित्रांकन द्वारा, या अंत से आरम्भ की ओर हल करके समस्या का समाधान प्राप्त किया जाता है। इन कौशलों के द्वारा विद्यार्थी करके सीखने की प्रक्रिया को चरितार्थ करते हैं जिससे उनका ज्ञान स्थायी होता है।

188. पियाजे (Piaget) के अनुसार, जब बालक औपचारिक परिचालन स्तर पर होता है, तो किसका परिचय देने का उपयुक्त समय है?

- (a) रेखागणित
- (b) अनुपात और समानुपात
- (c) आँकड़ों का प्रबंधन
- (d) संख्याएँ

NVS PGT 2016

Ans : (c) पियाजे के अनुसार, जब बालक औपचारिक परिचालन स्तर पर होता है तो उसे आँकड़ों के प्रबंधन से परिचित करना चाहिए, क्योंकि इस स्तर तक बालक अमूर्त बातों के सम्बन्ध में तार्किक चिंतन करने की योग्यता विकसित कर लेता है। समस्या समाधान व्यवहार अधिक व्यवस्थित हो जाता है। बालक निष्कर्ष निकालने लगता है, व्याख्या करने लगता है तथा परिकल्पनाएँ बनाने लगता है।

189. कक्षा VII की पाठ्य-पुस्तक में दी गई निम्नलिखित समस्या को पढ़िए-

"एक मानचित्र दिया गया है, जिसमें पैमाना 2 सेमी = 1000 किमी. है। यदि मानचित्र में दो स्थान 2.5 सेमी. की दूरी पर है, तो उनके बीच की वास्तविक दूरी क्या होगी?" यह समस्या है-

- (a) समस्या-समाधान के कौशल को बढ़ाने की
- (b) अंतर्विषयी प्रकृति की
- (c) अनुसंधानात्मक प्रकृति की
- (d) उच्च स्तरीय चिंतन कौशलों पर आधारित

NVS PGT 2016

Ans : (b) यदि कक्षा VII की पाठ्यपुस्तक में यह समस्या दी है कि 'एक मानचित्र दिया गया है, जिसमें पैमाना 2 सेमी = 1000 किमी. है। यदि मानचित्र में दो स्थान 2.5 सेमी की दूरी पर है, तो उनके बीच की वास्तविक दूरी क्या होगी?' यह समस्या अंतर्विषयी प्रकृति को दर्शाता है क्योंकि समस्या किसी एक विषय (गणित) से ही सम्बन्धित है।

190. यदि एक शिक्षार्थी पूर्णांकों, भिन्नों और दशमलव संख्याओं पर चारों आधारभूत संक्रियाएँ सम्पन्न करने में समर्थ है, तो वह-

- (a) संक्रियात्मक अवस्था में है
- (b) परिणात्मक अवस्था में है
- (c) विभाजनात्मक अवस्था में है
- (d) उपादान अवस्था में है

KVS TGT 2018

Ans : (d) यदि एक शिक्षार्थी पूर्णांकों, भिन्नों और दशमलव संख्याओं पर चारों आधारभूत संक्रियाएँ सम्पन्न करने में समर्थ है तो वह उपादान अवस्था में है। यह अवस्था पियाजे की मूर्त-संक्रियात्मक अवस्था के समान है जिसमें बालक एक साथ अंश तथा पूर्ण दोनों के सम्बन्ध में विचार करना प्रारंभ कर देता है।

191. निम्नलिखित में से कौन-सी संख्या की समझ का महत्वपूर्ण पहलू नहीं है?

- (a) अंक लिखना
- (b) संरक्षण
- (c) पंक्तिबद्धता
- (d) गणना

KVS TGT 2018

Ans : (b) संरक्षण संख्या की समझ के लिए आवश्यक नहीं है। जबकि अंक लिखना, पंक्तिबद्धता, गणना, संक्रियाओं का मिश्रण आदि संख्या की समझ के लिए आवश्यक है।

192. अध्यापक ने कक्षा IV के छात्रों को 36 टाइल दीं और उन्हें सभी सम्भव आयतों में व्यवस्थित करने के लिए कहा। इस क्रियाकलाप द्वारा निम्नलिखित में से कौन—सी संकल्पना को सम्भोधित नहीं किया जा सकता है?

- | | |
|------------|---------------|
| (a) आयतन | (b) गुणनखण्ड |
| (c) गुणनफल | (d) क्षेत्रफल |

KVS TGT 2018

Ans : (a) आयत में टाइलों को व्यवस्थित करने में उस संख्या का गुणनखण्ड, गुणनफल, आयत का क्षेत्रफल आदि का संप्रत्यय विकसित होगा। आयतन त्रिविमिय आकृतियों का ज्ञात किया जाता है। द्विविमिय आकृतियों का क्षेत्रफल, परिमाप आदि ज्ञात किया जाता है।

193. प्राथमिक स्तर पर 'लम्बाई को मापना' विषय पढ़ाने के लिए कौन—सा श्रेणी—क्रम उत्तम है?

- | |
|--|
| (a) प्रमाणिक इकाई को विकसित करना—प्रमाणिक मापों का उपयोग करना—अप्रमाणिक मापों का उपयोग करना—तुलना करना |
| (b) प्रमाणिक मापों का उपयोग करना—अप्रमाणिक मापों का उपयोग करना प्रमाणिक इकाई को विकसित करना—तुलना करना |
| (c) तुलना करना—अप्रमाणिक मापों का उपयोग करना—प्रमाणिक इकाई को विकसित करना—प्रमाणिक मापों का उपयोग करना |
| (d) तुलना करना—अप्रमाणिक मापों का उपयोग करना—प्रमाणिक मापों का उपयोग करना—प्रमाणिक इकाई को विकसित करना |

KVS TGT 2018

Ans : (b) प्राथमिक स्तर पर 'लम्बाई को मापना' विषय पढ़ाने के लिए सही क्रम—प्रमाणिक मापों का उपयोग करना → अप्रमाणिक मापों का उपयोग करना → प्रमाणिक इकाई को विकसित करना → तुलना करना है।

194. चौथी कक्षा के विद्यार्थियों के लिए अधिगम उद्देश्य दिया गया है—

"विद्यार्थी दशमलव वाली दो संख्याओं की, जो कि दशमलव के दो स्थान तक हैं, को क्रम में रखने और उनकी तुलना करने की योग्यता रखता है।" यह है—

- | | |
|-------------------------|------------------------|
| (a) सामाजिक ध्येय | (b) विषयात्मक ध्येय |
| (c) प्रक्रियात्मक ध्येय | (d) सुव्यवस्थिता ध्येय |

KVS TGT 2018

Ans : (c) उपर्युक्त प्रश्न में विद्यार्थियों के लिए दिया गया अधिगम उद्देश्य प्रक्रियात्मक ध्येय है।

195. कक्षा VI में 'समिति' और 'परावर्तन' की ज्यामितीय संकल्पनाओं की वृद्धि के लिए निम्नलिखित में से कौन—से व्यवहार—कौशल उपकरणों की आवश्यकता है?

- (a) गिनतारा (abacus)
- (b) द्विमुखी पटल (काउंटर)
- (c) मोतियों की माला
- (d) बिन्दु शीट (डॉट पेपर)

KVS TGT 2018

Ans : (d) कक्षा VI में 'समिति' और 'परावर्तन' की ज्यामितीय संकल्पनाओं की वृद्धि के लिए बिन्दु शीट या डॉट पेपर की आवश्यकता होती है। विद्यार्थी इस डॉट पेपर का उपयोग ज्यामितीय आकृतियों का निर्माण करने, विभिन्न स्थितियों का विश्लेषण करने में चार्ट या ग्राफ का निर्माण करने के लिए करते हैं।

196. कक्षा V में गणित के पीरियड में यह वाद—विवाद रखा गया—

"शून्य सबसे अधिक प्रभावशाली संख्या है"

यह क्रियाकलाप बच्चे को प्रोत्साहित करता है—

- (a) वे समस्याएँ हल करने में, जिन संख्याओं के अंत में शून्य हो
- (b) मित्रों को सहयोग देने में
- (c) विश्लेषण और सम्प्रेषण में
- (d) वे संख्याएँ लिखने में, जिनमें शून्य हो

KVS TGT 2018

Ans : (c) कक्षा V में गणित विषय के किसी प्रकरण पर वाद—विवाद बच्चों में विश्लेषण और सम्प्रेषण को प्रोत्साहित करता है। यह उनके बीच सहभागिता को प्रोत्साहित करता है तथा सहभागिता के द्वारा ज्ञान के अंतरण को भी प्रभावी बनाता है। बच्चे किसी विषय का विश्लेषण करना और सम्प्रेषण करना सीखते हैं जो उनके आत्मविश्वास में वृद्धि भी करता है।

197. यदि एक विद्यार्थी को संख्याओं और परिकलन में समस्या हो रही है तो उसमें असमर्थता हो सकती है, जिसका नाम है—

- (a) दृश्य—स्थानिक संगठन में असमर्थता
- (b) पठन—अक्षमता (डिस्लॉक्सिस्या)
- (c) लेखन—अक्षमता (डिस्याफिया)
- (d) गणितीय—अक्षमता (डिस्कैल्कुलिया)

KVS TGT 2018

Ans : (d) गणितीय अक्षमता या डिस्कैल्कुलिया का अर्थ गणितीय कौशल अक्षमता है जिसके अंतर्गत अंकों, संख्याओं के अर्थ समझने की अयोग्यता से लेकर, अंकगणितीय समस्याओं के समाधान में सूत्रों एवं सिद्धांतों के प्रयोग की अयोग्यता शामिल है। इसमें अंकगणितीय संक्रियाओं के चिन्हों को समझने में भी कठिनाई होती है।

198. प्राथमिक स्तर पर शिक्षार्थियों के लिए व्यावहारिक उपकरणों का महत्व है, क्योंकि यह बहुत मदद करते हैं—

- (a) मूल गणितीय संकल्पनाओं को समझाने के लिए
- (b) शब्दों में व्यक्त समस्याओं को हल करने के लिए
- (c) मानसिक और मौखिक परिकलन की गति बढ़ाने के लिए
- (d) परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन के लिए

KVS TGT 2018

Ans : (a) प्राथमिक स्तर पर व्यावहारिक एवं मूर्त उपकरणों का उपयोग मुख्यतया मूल गणितीय संकल्पनाओं को समझाने के लिए किया जाता है जिससे शिक्षार्थियों में सरल अधिगम हो सके।

199. निम्नलिखित में से कौन-सा खुला अंत वाला प्रश्न है?

- (a) संख्या रेखा का प्रयोग करे हुए '3 बार 15' का मान ज्ञात कीजिए
- (b) 15×3 का मान ज्ञात कीजिए
- (c) आप 15 को 3 से गुणा किस प्रकार करेंगे
- (d) कोई दो संख्याएँ लिखिए जिनका गुणनफल 43 हो

KVS TGT 2018

Ans : (c) 15 को 3 से गुणा किस प्रकार करेंगे? यह एक खुला अंत वाला प्रश्न है क्योंकि इसे सभी विद्यार्थी अलग-अलग तरीके से हल करने का प्रयत्न करेंगे और यह अपसारी चिन्तन को विकसित करने में सहायक होता है।

200. कक्षा-II के कुछ विद्यार्थियों को 'हासिल वाले' दो अंकों की संख्याओं को जोड़ में कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

इस समस्या का कारण है—

- (a) शून्य के महत्व की समझ का अभाव
- (b) पुनर्सूचीकरण की प्रक्रिया की समझ का अभाव
- (c) गणित में रुचि का अभाव
- (d) अंकित मान और स्थानीय मान में अंतर की समझ का अभाव

KVS TGT 2018

Ans : (b) कक्षा-II के विद्यार्थियों में हासिल करने वाले संख्याओं के जोड़ में कठिनाई का कारण पुनर्सूचीकरण की प्रक्रिया की समझ का अभाव है जिससे वे हासिल वाली संख्याओं को सही से जोड़ नहीं पाते हैं।

201. 'वैन हिले के ज्यामितीय स्तर' के अनुसार जो किं आकृतियों को दिखावट के अनुसार वर्णित और वर्गीकृत कर सकते हैं, वे हैं—

- (a) स्तर 3—औपचारिक निगमन
- (b) स्तर 0—मानसिक चित्रण
- (c) स्तर 1—विश्लेषण
- (d) स्तर 2—अनौपचारिक निगमन

KVS TGT 2018

Ans : (b) 'वैन हिले के ज्यामितीय स्तर' के अनुसार स्तर 0—मानसिक चित्रण, आकृतियों को दिखावट के अनुसार वर्णित और वर्गीकृत कर सकते हैं।

202. गणित की कक्षा में सम्प्रेषण का उल्लेख किस क्षमता का विकास करना है?

- (a) गणित की समस्याओं पर दूसरों के विचार का खंडन करना
- (b) गणितीय विचार को सुव्यवस्थित, संचित स्पष्ट करना
- (c) दण्ड अरेख (बार ग्राफ) को देखकर अँकड़े का अर्थ लगाना
- (d) कक्षा में पूछे गए प्रश्नों का तुरंत उत्तर देना

KVS TGT 2018

Ans : (b) गणित की कक्षा में सम्प्रेषण का उपयोग गणितीय विचार को सुव्यवस्थित करने, संचित रूप से स्पष्ट करने के लिए किया जाता है।

203. 'दो पूरक कोण (Complementary angles) 2 : 3 के अनुपात में है। उसको ज्ञात कीजिए'

कक्षा VII की एन.सी.ई.आर.टी. की पाठ्य-पुस्तक के उपर्युक्त प्रश्न का संदर्भ है कि यह—

- (a) उच्चतर श्रेणी का विचार है, क्योंकि यह अपेक्षा करता है कि दी हुई जानकारी से चित्र की रचना की जाए
- (b) निम्न श्रेणी का विचार है, क्योंकि यह स्मरण ज्ञान पर आधारित है
- (c) निम्न श्रेणी का विचार है, क्योंकि यह स्मरण ज्ञान पर आधारित है
- (d) निम्न श्रेणी का विचार है, क्योंकि यह जानकारी का प्रत्यक्ष स्थिति में उपयोग करने पर आधारित है

KVS TGT 2017

Ans : (d) कक्षा VII की एन.सी.ई.आर.टी. की पाठ्य-पुस्तक के उपर्युक्त प्रश्न का संदर्भ है कि यह उच्चतर श्रेणी का विचार है, क्योंकि यह अपेक्षा करता है कि दी हुई जानकारी की व्याख्या की जाए, इसका विश्लेषण किया जाए और उसके प्रयोग से वांछित जानकारी प्राप्त की जाए।

204. "सिद्ध कीजिए कि ऐसी कोई भी परिमेय (Rational number) संख्या नहीं है, जिसका वर्ग 2 है।" यह होगा—

- (a) प्रतिस्थित द्वारा उपपत्ति (proof of contraposition)
- (b) प्रत्यक्ष उपपत्ति (direct proof)
- (c) विरोध द्वारा उपपत्ति (proof of contradiction)
- (d) प्रत्युदाहरण द्वारा उपपत्ति (proof by counter example)

KVS TGT 2017

Ans : (c) उपर्युक्त कथन विरोध द्वारा उपपत्ति (proof by contradiction) के अंतर्गत आता है। गणित में विरोध द्वारा उपपत्ति, उपपत्ति का एक प्रकार है जो सत्य और वैधता की स्थापना करता है, यह मानते हुए कि संक्रिया विरोध के द्वारा गलत है।

205. निम्न कथन पर विचार कीजिए—

"यदि एक चतुर्भुज (Quadrilateral) के विकर्ण परस्पर समद्विभाजित करते हैं, तो चतुर्भुज एक समान्तर-चतुर्भुज होगा।" यह कथन है—

- (a) परिभाषा
- (b) प्रमेय (Theorem)
- (c) अभिगृहीत (Axiom)
- (d) साध्य (Proposition)

KVS TGT 2017

Ans : (c) उपर्युक्त कथन अभिगृहीत (Axiom) कहलाता है। एकिजयम सबसे स्वीकृत सिद्धांत या नियम होते हैं। यह स्वयं-सिद्ध कथन होता है जो किसी अन्य तर्क के लिए शुरूआती बिन्दु का कार्य करता है। प्रमेय एकिजयम द्वारा प्रमाणित किये जाते हैं।

206. गणित में 'प्रदर्शन' उल्लेख नहीं करता है—

- (a) संख्या श्रेणी को ज्यामितीय प्रतिरूप में व्यक्त करना
- (b) दो चरों के मध्य सम्बन्ध को समीकरण में व्यक्त करना
- (c) एक महत्वपूर्ण ज्यामितीय परिणाम को प्रमेय में व्यक्त करना
- (d) दिए गए आँकड़ों को आलेख द्वारा व्यक्त करना

KVS TGT 2017

Ans : (c) गणित में 'प्रदर्शन' एक महत्वपूर्ण ज्यामितीय परिणाम को प्रमेय में व्यक्त करने का उल्लेख नहीं करता है जबकि अन्य-संख्या श्रेणी को ज्यामितीय प्रतिरूप में व्यक्त करना, दो चरों के मध्य सम्बन्ध को समीकरण में व्यक्त करना, दिए गए आँकड़ों को आलेख द्वारा व्यक्त करना आदि 'प्रदर्शन' का उल्लेख करता है।

207. कक्षा VIII की एन.सी.ई.आर.टी. एक्सम्प्लर पुस्तक (प्रश्न प्रदर्शिका) में 5 वर्षी इकाई 'चतुर्भुजों को समझना और ज्यामितीय प्रयोग' के अन्त में बहुत सारे क्रियाकलाप जैसे कि चौपड़ी की रचना, चीनी पहेली की रचना इत्यादि दिए हुए हैं। इस प्रकार के कार्यों के उद्देश्यों में से एक उद्देश्य सहायता करना है—

- (a) सभी शिक्षार्थियों को अपनी विभिन्न विधा शैलियों के साथ स्थानिक स्थिति सुधारने में
- (b) दृष्टि वाले शिक्षार्थियों को, केवल अपनी विश्लेषणात्मक कला को सुधारने में
- (c) गतिबोध वाले शिक्षार्थियों को, केवल अपने दृश्य विचार कौशल को सुधारने में
- (d) श्रोतागण शिक्षार्थियों को, केवल अपनी सृजनात्मक कला को सुधारने में

KVS TGT 2017

Ans : (a) उपर्युक्त प्रकार के कार्यों का एक उद्देश्य सभी शिक्षार्थियों को अपनी विभिन्न विधा शैलियों के साथ स्थानिक स्थिति सुधारने में सहायता करना है।

208. गणित की परियोजनाओं के बारे में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सही नहीं है?

- (a) वे गणित में अंक प्राप्त करना आसान करते हैं
- (b) वे अन्वेषण कौशल को प्रोत्साहित करते हैं
- (c) वे समस्या-समाधान कौशल को बढ़ाते हैं
- (d) वे अंतर्विषयी अनुबन्धों को सिद्ध करते हैं

KVS TGT 2017

Ans : (a) गणित की परियोजनाएँ अन्वेषण कौशल को प्रोत्साहित करते हैं, समस्या-समाधान कौशल को बढ़ाते हैं तथा अंतर्विषयी अनुबन्धों को सिद्ध करते हैं जबकि गणित विषय में अंक प्राप्त करना आसान बनाना परियोजनाओं का उद्देश्य नहीं होता है।

209. निम्नलिखित में से कौन-सा क्रियाकलाप 'आँकड़ों के प्रस्तुतीकरण और आँकड़ों के निरूपण' के लिए उपयुक्त नहीं है?

- (a) समाचार-पत्र रिपोर्ट
- (b) परियोजना
- (c) सर्वेक्षण
- (d) वाद-विवाद

KVS TGT 2017

Ans : (d) आँकड़ों के प्रस्तुतीकरण और आँकड़ों के निरूपण के लिए समाचार-पत्र रिपोर्ट, परियोजना, सर्वेक्षण, अनुसंधान रिपोर्ट आदि उपयुक्त सामग्री है जबकि वाद-विवाद विधि में विचार पक्ष पर अधिक बल दिया जाता है जो अधिगम को अधिक प्रभावोत्पादक बनाने में उपयोगी होता है न कि आँकड़ों के निरूपण में।

210. अनीशा और अमित VIII में पढ़ते हैं अनीशा ने अमित को कहा कि यदि उनकी कक्षा में प्रत्येक विद्यार्थी के गणित के अंकों में 5 की वृद्धि की जाए, तो औसत में 5 की वृद्धि होगी। उसने आगे यह भी कहा कि यह सभी संख्याओं के लिए सही होगा। अमित इससे सहमत हुआ और अनीशा ने 5 के स्थान पर संख्या n लेकर इसे सिद्ध किया। अनीशा ने उपयोग किया—

- (a) आकलन का
- (b) आगमनिक तर्क का
- (c) निगमनिक तर्क का
- (d) सामान्य ज्ञान का

KVS TGT 2017

Ans : (b) उपर्युक्त प्रश्न में अनीशा ने आगमनिक तर्क का उपयोग किया है। आगमन विधि में अनेक विशिष्ट उदाहरणों के आधार पर सामान्यीकरण करने का प्रयास किया जाता है। इस विधि में विशिष्ट स्वयं क्रियाशील रहकर अपने निरीक्षण, तर्क तथा विवेचन के आधार पर पहले विशिष्ट उदाहरणों को संकलित करते हैं तथा फिर उनमें समानता देखकर किन्हीं सामान्य निष्कर्षों पर पहुँचने का प्रयास करते हैं।

211. तकनीकी पर आधारित खेलों, जिनमें संख्याओं के गुणन खण्ड या द्विआयामी (2D shapes) आकृतियों को जोड़कर नई आकृति बनाना आदि होता है, इसका प्रयोग—

- (a) विद्यार्थियों को गणित की प्रयोगशाला में व्यस्त रखने में शिक्षक की सहायता करता है
- (b) विद्यार्थियों की संख्यात्मक दक्षता और परिकलन दक्षता को बढ़ाता है
- (c) विद्यार्थियों में अवधारणाओं को समझने की क्षमता में वृद्धि करता है ताकि वे अपनी योग्यता के अनुसार अन्वेषण, प्रेक्षण और निष्कर्ष करने के कारण कुशल हो जाते हैं
- (d) शिक्षक द्वारा विद्यार्थियों के गणित प्रदर्शन का मूल्यांकन करने में सहायता करता है

KVS TGT 2017

Ans : (c) तकनीकी पर आधारित खेलों, जिनमें संख्याओं के गुणन खण्ड या द्विआयामी आकृतियों को जोड़कर नई आकृति बनाना आदि होता है, इनका प्रयोग विद्यार्थियों में अवधारणाओं को समझने की क्षमता में वृद्धि करता है ताकि वे अपनी योग्यता के अनुसार अन्वेषण, प्रेक्षण और निष्कर्ष के कारण कुशल हो जाते हैं।

212. ज्यामिति में उपर्युक्ति (Proof in geometry) लिखना संकेत करता है—

- (a) किसी आकृति को खींचने के पद को
- (b) द्वि-स्तंभीय (two column) तालिका को, जिसमें अधिगृहीत और निगमन है
- (c) कथन के तर्क या औचित्य को
- (d) ज्यामितीय प्रश्न के वर्णन को

KVS TGT 2017

Ans : (c) ज्यामिति में उपर्युक्ति (proof in geometry) कथन के तर्क या औचित्य को लिखना संकेत करता है जिसका प्रयोग ज्यामितीय वर्णन के लिए किया जाता है।

213. प्राथमिक स्तर पर गणित की पाठ्य-पुस्तकों की सबसे अधिक महत्वपूर्ण विशेषता निम्नलिखित में से कौन-सी है?

- (a) संकल्पनाओं (Concept) को जटिल से सरल रूप में प्रदर्शित किया जाना चाहिए
- (b) संकल्पनाओं को पूर्णतया श्रेणीबद्ध रूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए
- (c) संकल्पनाओं को मूर्त से अमूर्त रूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए
- (d) संकल्पनाओं का उच्चतर कक्षाओं से सम्बन्ध जोड़ा जाना चाहिए

KVS TGT 2017

Ans : (c) प्राथमिक स्तर पर गणित की पाठ्य-पुस्तकों की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता संकल्पनाओं को मूर्त से अमूर्त रूप में प्रस्तुत करने की होती है। प्राथमिक स्तर पर गणितीय चिंतन का विकास गिनती से शुरू होकर अमूर्त विचारों में दक्षता और उनका आनंद उठाने की क्षमता की ओर होता है।

214. ज्यामितीय (Geometrical) समझ को विकसित करने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा श्रेणीक्रम सही है?

- (a) मानसिक चित्रण, विश्लेषण, अनौपचारिक निगमन, औपचारिक निगमन
- (b) औपचारिक निगमन, अनौपचारिक निगमन, मानसिक चित्रण, विश्लेषण
- (c) मानसिक चित्रण, विश्लेषण, औपचारिक निगमन, अनौपचारिक निगमन
- (d) मानसिक चित्रण, औपचारिक निगमन, विश्लेषण, अनौपचारिक निगमन

KVS TGT 2017

Ans : (a) ज्यामितीय समझ को विकसित करने का सही श्रेणीक्रम निम्न है—

मानसिक चित्रण → विश्लेषण → अनौपचारिक निगमन → औपचारिक निगमन

215. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

- (a) स्थानीय मान सिखाते समय शून्य का परिचय दिया जाना चाहिए
- (b) पढ़ाई जाने वाली प्रथम संख्या शून्य होनी चाहिए

(c) बच्चों में संख्या ज्ञान विकसित होने के बाद शून्य का परिचय दिया जाना चाहिए

(d) संख्या 9 के बाद शून्य का परिचय दिया जाना चाहिए

KVS TGT 2017

Ans : (c) बच्चों में संख्या ज्ञान विकसित होने के बाद शून्य का परिचय दिया जाना चाहिए। जब बालक में संख्या की संकल्पना विकसित हो जाती है तब शून्य का परिचय कराने से वे संख्या ज्ञान का उचित संप्रत्यय कर सकेंगे।

216. कक्षा III के विद्यार्थियों को 'आधे' की संकल्पना (Concept) का परिचय देने के लिए शिक्षक निम्नलिखित क्रियाकलापों की योजना बनाता है—

- (A) चित्र दिखाता है, जिसमें 'आधे' प्रदर्शित किया गया है
- (B) 'आधे' का चिन्ह लिखता है
- (C) बहुत सारे मूर्त पदार्थों को 'आधे' में विभाजित करता है
- (D) कहानी या शब्दों के प्रयोग से 'आधे' प्रदर्शित करता है

शिक्षक को निम्नलिखित में से क्रियाकलापों का कौन-सा सही श्रेणीक्रम अनुसरण करना चाहिए?

कूट :

- (a) (C), (D), (A) एवं (B)
- (b) (A), (B), (C) एवं (D)
- (c) (B), (A), (C) एवं (D)
- (d) (C), (A), (D) एवं (B)

KVS TGT 2017

Ans : (a) कक्षा III के लिए 'आधे' की संकल्पना का परिचय देने के लिए क्रियाकलापों का सही श्रेणीक्रम निम्नलिखित है—

- (A) बहुत सारे मूर्त पदार्थों को 'आधे' में विभाजित करता है।
- (B) कहानी या शब्दों के प्रयोग से 'आधे' प्रदर्शित करता है।
- (C) चित्र दिखाता है जिसमें आधा प्रदर्शित किया गया है।
- (D) 'आधे' का चिन्ह लिखता है।

217. कक्षा I और II के गणित शिक्षण और अधिगम के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

- (a) कक्षा I और II में केवल गणित के मौखिक प्रश्नों को कराया जाना चाहिए
- (b) गणित का अन्य विषयों जैसे कि भाषा, कला इत्यादि से समाकलन किया जाना चाहिए
- (c) कक्षा I और II में गणित नहीं पढ़ाया जाना चाहिए
- (d) अभ्यास के लिए बहुत अधिक अवसर उपलब्ध कराए जाने चाहिए

KVS TGT 2017

Ans : (b) कक्षा I और II के गणित शिक्षण और अधिगम के लिए गणित का अन्य विषयों जैसे कि भाषा, कला इत्यादि के साथ समाकलन किया जाना चाहिए, ताकि विद्यार्थी भाषा, कला इत्यादि के अधिगम के साथ-साथ गणित की संकल्पनाओं को भी रुचिकर ढंग से समझ सकें।

218. एक संख्या का दशमलव निरूपण (decimal representation) समझने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सी पूर्व जानकारी का ज्ञान होना चाहिए?

- (a) व्यवकलन (Subtraction)
- (b) स्थानीय मान (Place value)
- (c) गुणा
- (d) योग

KVS TGT 2017

Ans : (b) दशमलव निरूपण के लिए स्थानीय मान की पूर्व जानकारी होना आवश्यक है। स्थानीय मान के प्रयोग से बच्चे दशमलव संप्रत्यय का ज्ञान अधिक सुगम तरीके से ग्रहण कर सकेंगे।

219. अंकगणित की चार मूलभूत संक्रियाएँ (Fundamental operations) हैं-

- (a) परिकलन, संगणना, रचना करना और समीकरण बनाना
- (b) योग, गुणा, भिन्नों को दशमलव में बदलना और सम आकृतियों की रचना करना
- (c) योग, व्यवकलन, गुणा और भाग
- (d) योग, भाग, परिमाप और क्षेत्रफल ज्ञात करना

KVS TGT 2017

Ans : (c) अंकगणित की चार मूलभूत संक्रियाएँ हैं- योग, व्यवकलन, गुणा और भाग।

220. कक्षा II के विद्यार्थियों को एक शिक्षक 'योग' (जोड़) सिखा रहा है। निम्नलिखित में से कौन-सी युक्ति का अनुसरण सर्वाधिक उपयुक्त है?

- (a) शाब्दिक प्रश्नों का प्रयोग केवल मूल्यांकन हेतु किया जाना चाहिए
- (b) योग (जोड़) को शाब्दिक प्रश्नों द्वारा प्रस्तुत करना चाहिए
- (c) शाब्दिक प्रश्नों को अध्याय के अंत में कराया जाना चाहिए
- (d) कक्षा II में शाब्दिक प्रश्नों को न कराया जाए

KVS TGT 2017

Ans : (b) कक्षा II के विद्यार्थियों के लिए 'योग' (जोड़) सिखाने के लिए शाब्दिक प्रश्नों को प्रस्तुत करना चाहिए। कक्षा II में सीखने-सिखाने की प्रस्तावित प्रक्रिया के अंतर्गत जोड़ व घटाव पर आधारित अपने संदर्भ, स्थितियाँ तथा प्रश्न विकसित करने चाहिए।

221. कक्षा II के शिक्षक ने 'योग' (जोड़) के निम्नलिखित शाब्दिक प्रश्न को विद्यार्थियों को हल करने हेतु दिया— “एक टोकरी में 5 सेब हैं एवं उसमें 7 सेब और डाल दिए गए। अब टोकरी में कितने सेब हैं?”

इस प्रकार का शाब्दिक प्रश्न निम्नलिखित में से किस मॉडल/श्रेणी से सम्बन्धित है?

- (a) पृथक्करण (segregation)
- (b) योग की पुनरावृत्ति
- (c) समुच्चयन (Aggregation)
- (d) संवर्धन (Augmentation)

KVS TGT 2017

Ans : (c) उपर्युक्त प्रश्न में शिक्षक शाब्दिक प्रश्न द्वारा योग के समुच्चयन (aggregation) विधि का प्रयोग कर बच्चों को सिखाना चाहता है। बहुत सारे अलग-अलग संख्याओं को एक क्लस्टर के रूप में एकत्रित करना समुच्चयन कहलाता है।

222. “गणित में त्रुटियों की एक महत्वपूर्ण भूमिका है।” यह कथन है—

- (a) गलत, क्योंकि त्रुटियाँ लापरवाही दर्शाती हैं
- (b) सही, क्योंकि ये बोध करती हैं कि बच्चे गणित की अवधारणा की किस प्रकार रचना करते हैं
- (c) सही, क्योंकि वे विद्यार्थियों को उनके प्राप्तांकों के बारे में फिडबैक देती हैं
- (d) गलत, क्योंकि गणित में त्रुटियों का कोई स्थान नहीं है

KVS TGT 2017

Ans : (b) “गणित में त्रुटियों की महत्वपूर्ण भूमिका है।” यह कथन सही है, क्योंकि त्रुटियाँ यह बोध करती हैं कि बच्चे गणित की अवधारणा की किस प्रकार रचना करते हैं, कितना सीखते हैं और कितना स्थायी ज्ञान प्राप्त करते हैं।

223. कक्षा IV के विद्यार्थियों को समझाने के लिए कि $\frac{1}{10}, \frac{1}{100}$ से बड़ा है। निम्नलिखित में से कौन-सी शिक्षण-अधिगम सामग्री (टी.एल.एम.) सर्वाधिक उपयुक्त है?

- (a) संख्या चार्ट
- (b) गिनतारा (ऐबेक्स)
- (c) 10×10 वर्गीकृत ग्रिड
- (d) डाइस ब्लॉक

KVS TGT 2017

Ans : (d) डाइस ब्लॉक का प्रयोग विद्यार्थियों में जोड़, घटाव, स्थानीय मान, भिन्न आदि का सुगम अधिगम कराने के लिए किया जाता है।

224. दो या उससे अधिक दो विमाओं वाली वस्तुओं (dimensional objects) के मापों (क्षेत्रफलों) की तुलना के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा एक सर्वाधिक उपयुक्त है?

- (a) आकलन
- (b) प्रेक्षण (observation)
- (c) अध्यारोपण (superposition)
- (d) अप्रामाणिक (Non standard) इकाईयों का प्रयोग

KVS TGT 2017

Ans : (c) अध्यारोपण (superposition) दो या उससे अधिक दो विमाओं वाली वस्तुओं के मापों (क्षेत्रफलों) की तुलना करने के लिए उपयोग की जाने वाली युक्ति है। अध्यारोपण प्रमेय सभी रेखीय तन्त्रों पर लागू होता है।

225. प्राथमिक स्तर पर ‘गणित की पहेलियाँ’ मदद करती हैं—

- (a) विद्यार्थियों को मनोरंजन प्रदान करने में
- (b) समस्या सुलझाने के कौशलों को परखने में
- (c) समस्या सुलझाने के कौशलों को प्रोत्साहित करने में
- (d) कक्षा के प्रतिभा सम्पन्न विद्यार्थियों को पहचानने में

KVS TGT 2017

Ans : (c) प्राथमिक स्तर पर 'गणित की पहेलियाँ' बच्चों में समस्याओं को सुलझाने के लिए शाब्दिक रूप से प्रयोग की जाती हैं। ये पहेलियाँ समस्या-सुलझाने के कौशलों को प्रोत्साहित करने में सहायक होती हैं।

226. गणितीय संचारण (mathematical communication)

उल्लेख करता है—

- (a) समस्याओं को सुलझाने की क्षमता
- (b) गणित प्रश्नोत्तरी में भाग लेने का कौशल
- (c) गणित के कक्षा-कक्ष में बोलने की क्षमता
- (d) गणितीय विचारों को समाहित और संगठित करने की क्षमता

KVS TGT 2017

Ans : (d) गणितीय संचारण गणितीय विचारों को समाहित और संगठित करने की क्षमता का उल्लेख करता है। इसके साथ ही आकारों एवं आकृतियों को समझने तथा उनके अवलोकनीय गुणों में समानता एवं अंतर स्पष्ट करने की क्षमता का उल्लेख भी करता है।

227. आपकी कक्षा में कुछ विद्यार्थी लगातार गणित की परीक्षाओं और परीक्षणों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। एक शिक्षक के रूप में आप—

- (a) उनको उच्च उपलब्धि वालों के साथ बिठा देंगे
- (b) अच्छा न करने के परिणाम को समझाएँगे
- (c) अभ्यास के लिए अधिक टेस्ट देंगे
- (d) कारणों का निदान करेंगे और उपचारी कदम उठाएँगे

DSSSB PRT 2017

Ans : (d) यदि कक्षा में कुछ विद्यार्थी लगातार गणित की परीक्षाओं और परीक्षणों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं, तो एक शिक्षक को कारणों का निदान या पहचान करना चाहिए और प्राप्त परिणामों के आधार पर उपचारात्मक शिक्षण करना चाहिए।

228. गणित के समावेशी कक्षा-कक्ष में दृष्टिबाधित शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं को संबोधित करने के लिए आपकी क्या नीति होगी?

- (a) गणित में उच्च अंक प्राप्त करने वालों के साथ उनके जड़े बना देंगे।
- (b) उनके लिए वैकल्पिक अध्यापन-अधिगम और आकलन पद्धति की अभिकल्पना करेंगे
- (c) शिक्षार्थियों को विशेष शिक्षक के पास भेजेंगे
- (d) गणित के बदले कोई दूसरा विषय देंगे

DSSSB PRT 2017

Ans : (b) गणित के समावेशी कक्षा-कक्ष में दृष्टिबाधित शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं को संबोधित करने के लिए उनके लिए वैकल्पिक अध्यापन-अधिगम और आकलन पद्धति की अभिकल्पना करेंगे।

229. गणित में शिक्षार्थी की रुचि और अभिवृत्ति को परखने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सी मूल्यांकन नीतियाँ प्रयुक्त हो सकती हैं?

- (a) पोर्टफोलियो, परियोजना, कागज-पेंसिल परीक्षा
- (b) मौखिक परीक्षा, कागज-पेंसिल परीक्षा, कक्षा की सहभागिता

- (c) जाँच सूची, पोर्टफोलियो, कागज-पेंसिल परीक्षा
- (d) जाँच सूची, पोर्टफोलियो, परियोजना, कक्षा की सहभागिता

DSSSB PRT 2017

Ans : (d) गणित में शिक्षार्थी की रुचि और अभिवृत्ति को परखने के लिए जाँच सूची, पोर्टफोलियो, परियोजना, कक्षा की सहभागिता जैसी मूल्यांकन नीतियाँ प्रयुक्त हो सकती हैं।

230. कक्षा VII की गणित शिक्षिका नीता, गणित के कक्षा कक्ष में सर्वेक्षण पर आधारित बहुत सारी परियोजनाएँ (प्रोजेक्ट) देती हैं। इस क्रियाकलाप का उद्देश्य है-

1. समस्या सुलझाने के कौशल को प्रोत्साहित करना
 2. प्रामाणिक आँकड़ों को एकत्रित करने का अवसर विद्यार्थियों को प्रदान करना
 3. कक्षा-कक्ष की एकरसता को भंग करना
 4. वैकल्पिक आकलन के लिए इसका उपयोग करना उपर्युक्त उद्देश्यों में से कौन-से सही हैं?
- (a) 1, 2 और 4
 - (b) 1, 2 और 3
 - (c) 1 और 2
 - (d) 1 और 3

DSSSB PRT 2017

Ans : (a) यदि कक्षा VII की गणित शिक्षिका नीता, गणित के कक्षा-कक्ष में सर्वेक्षण पर आधारित बहुत सारी परियोजनाएँ (प्रोजेक्ट) देती हैं, तो इस क्रियाकलाप का निम्नलिखित उद्देश्य होगा-

- (i) समस्या सुलझाने के कौशल को प्रोत्साहित करना।
 - (ii) प्रामाणिक आँकड़ों को एकत्रित करने का अवसर विद्यार्थियों को प्रदान करना।
 - (iii) वैकल्पिक आकलन के लिए इसका प्रयोग करना।
- जबकि कक्षा-कक्ष की एकरसता को भंग करना इस क्रियाकलाप का उद्देश्य नहीं है।

231. गणित में 'प्रश्न रखने' का अर्थ है—

- (a) विषयवस्तु में से प्रश्नों का सृजन करना
- (b) प्रश्नों को हल करने में असमर्थता
- (c) कक्षा में संदेह प्रस्तुत करना
- (d) प्रश्न हल करना

DSSSB PRT 2017

Ans : (a) गणित में 'प्रश्न रखने' का अर्थ है— विषयवस्तु में से प्रश्नों का सृजन करना। प्रश्न बच्चों के समस्या समाधान, कौशल का विकास करते हैं।

232. गणित की अच्छी पाठ्य-पुस्तक में होते हैं, बहुत सारे-

- (a) प्रमेय (theorem) और उनकी उत्पत्ति
- (b) समन्वेषण (exploration) के लिए प्रश्न
- (c) अभ्यास प्रश्न
- (d) हल किए हुए उदाहरण

DSSSB PRT 2017

Ans : (b) गणित की अच्छी पाठ्य-पुस्तक में बहुत सारे समन्वेषण (exploration) के लिए प्रश्न होते हैं। ऐसे प्रश्न बच्चों में सृजनात्मकता का विकास करती हैं तथा समस्या समाधान कौशल को बढ़ावा देती हैं।

233. निम्नलिखित कथन पर विचार कीजिए-

“प्रत्येक विषम प्राकृत संख्या एक अभाज्य संख्या है”
‘उपपत्ति’ की निम्नलिखित विधियों में से किसका प्रयोग उपर्युक्त कथन के प्रमाण/खंडन हेतु किया जा सकता है?

- (a) प्रतिवाद (contradiction) द्वारा उत्पत्ति
- (b) खंडन विधि (method of disproof)
- (c) प्रत्यक्ष उत्पत्ति
- (d) प्रतिस्थिति (contrapositive) द्वारा उत्पत्ति

DSSSB PRT 2017

Ans : (b) “प्रत्येक विषम प्राकृत संख्या एक अभाज्य संख्या है।” इस कथन के प्रमाण हेतु खण्डन विधि का प्रयोग किया जा सकता है। खण्डन विधि में परिकल्पना की प्रत्येक सम्भव दशा को जाँचा जाता है। यह विधि व्यावहारिक रूप से केवल तभी सुविधाजनक है जब विखण्डन द्वारा प्राप्त कथनों की संख्या कम हो।

234. गणित में दुश्चिंता (arxiety) के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा घटक उत्तरदायी नहीं है?

- | | |
|---------------|---------------------|
| (a) पाठ्यक्रम | (b) विषय की प्रकृति |
| (c) लिंग | (d) परीक्षा पद्धति |

DSSSB PRT 2017

Ans : (c) गणित में दुश्चिंता (arxiety) के लिए लिंग उत्तरदायी नहीं हैं, बल्कि पाठ्यक्रम, विषय की प्रकृति, परीक्षा पद्धति, शिक्षक की शिक्षण शैली, उसका रवैया आदि दुश्चिंता के लिए उत्तरदायी घटक हैं।

235. “यदि तुम्हें डलिया भरकर आम दे दिए जाएँ तो तुम क्या करोगी?” इस प्रश्न का उद्देश्य है—

- (a) बच्चों को गणित की ओर प्रवृत्त करना
- (b) बच्चों को नए शब्दों से परिचित कराना
- (c) बच्चों के अनुभव और चिंतन को स्थान देना
- (d) बच्चों की मौखिक परीक्षा लेना

DSSSB PRT 2017

Ans : (c) “यदि तुम्हें डलिया भरकर आम दे दिया जाए तो तुम क्या करोगी?” इस प्रश्न का उद्देश्य बच्चों के अनुभव व चिंतन को स्थान देना है।

236. कक्षा II की एक शिक्षिका ने अपने विद्यार्थियों को 4 इकाई और 3 दहाई लिखने के लिए कहा। कुछ विद्यार्थियों ने 34 के स्थान पर 43 लिखा। एक शिक्षिका के रूप में आप विद्यार्थियों को इस संकल्पना को कैसे समझाएँगी?

- (a) स्तम्भ विधि (Column method) में अभ्यास करने के लिए बहुत सारे प्रश्न देंगी
- (b) विद्यार्थियों को गिनतारा (Abacus) पर प्रदर्शित करने के लिए कहेंगी और फिर लिखने के लिए कहेंगी
- (c) उन्हें बताइएगी कि यह गलत है और फिर उन्हें सही उत्तर को 5 बार लिखने को कहेंगी
- (d) हमेशा दहाई और इकाई के स्तम्भों में लिखना सिखाएंगी जिससे कोई भ्रम न हो।

DSSSB PRT 2017

Ans : (b) उपर्युक्त प्रश्न में शिक्षिका इस संकल्पना को समझाने के लिए विद्यार्थियों को गिनतारा (Abacus) पर प्रदर्शित करने के लिए कहेंगी और फिर लिखने के लिए कहेंगी। Abacus एक पठन उपकरण है। Abacus का आविष्कार आज से 5000 वर्ष पूर्व हुआ था। Abacus के आविष्कार का श्रेय टिम फ्रेंमर को जाता है जो कि एक दृष्टिबाधित थे। Abacus की सहायता से गणित की समस्याओं को आसानी से एवं जल्दी से हल किया जा सकता है।

237. गणित में ‘प्रतिचित्रण’ (Mapping) के लिए निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सत्य नहीं है?

- (a) प्रतिचित्रण, आनुपातिक विवेचन को प्रोत्साहित करता है
- (b) प्रतिचित्रण, गणित पाठ्यक्रम का भाग नहीं है
- (c) प्रतिचित्रण का गणित के कई विषयों से समाकलन किया जा सकता है
- (d) प्रतिचित्रण, स्थानिक चिंतन को बढ़ाता है

DSSSB PRT 2017

Ans : (b) गणित में प्रतिचित्रण (Mapping) की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं-

1. प्रतिचित्रण, आनुपातिक विवेचन को प्रोत्साहित करता है।
 2. प्रतिचित्रण का गणित के कई विषयों से समाकलन किया जा सकता है।
 3. प्रतिचित्रण, स्थानिक चिंतन को बढ़ाता है।
- प्रतिचित्रण गणित पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण अंग है, जो गणितीय संकल्पनाओं को समझने में सहायता करता है। अतः “प्रतिचित्रण, गणित पाठ्यक्रम का भाग नहीं है।” यह कथन गणित में प्रतिचित्रण के लिए सही नहीं है।

238. ‘आकृतियों’ के निम्नलिखित पहलुओं में से किसका प्राथमिक स्तर से कोई सम्बन्ध नहीं है?

- | | |
|------------|-----------------------|
| (a) कोण | (b) सममिति |
| (c) चौपांड | (d) प्रतिरूप (पैटर्न) |

DSSSB PRT 2017

Ans : (a) ‘आकृतियों’ के पहलुओं में से कोण का प्राथमिक स्तर से कोई सम्बन्ध नहीं है। कोण का संबन्ध उच्च प्राथमिक स्तर या उससे ऊपर की कक्षाओं से होता है।

239. गणितीय खेल और पहेलियाँ मदद करते हैं-

1. गणित के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति को विकसित करने में
2. गणित और प्रतिदिन के विचारों में सम्बन्ध स्थापित करने में
3. गणित को आनंददायक बनाने में
4. समस्या-समाधान के कौशल को प्रोत्साहित करने में

सही विकल्प का चयन कीजिए

- (a) 1, 2, 3 और 4
- (b) 1 और 2
- (c) 1 और 4
- (d) 1, 2 और 3

DSSSB PRT 2017

Ans : (a) गणितीय खेल और पहेलियाँ मदद करते हैं–
 (i) गणित के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति को विकसित करने में
 (ii) गणित और प्रतिदिन के विचारों में सम्बन्ध स्थापित करने में
 (iii) गणित को आनन्ददायक बनाने में
 (iv) समस्या-समाधान के कौशल को प्रोत्साहित करने में।

- 240.** एक दिए हुए आयत और समान्तर चतुर्भुज (Parallelogram) समान है, परन्तु कक्षा IV के अनेक शिक्षार्थियों ने उत्तर दिया कि समान्तर-चतुर्भुज का क्षेत्रफल अधिक है। शिक्षक, शिक्षार्थियों को यह समझने में किस प्रकार सहायता कर सकता है कि दोनों के क्षेत्रफल समान हैं?
 (a) पैमाने (scale) के प्रयोग से
 (b) जियोबोर्ड के प्रयोग से
 (c) आलेख (ग्राफ) पेपर के प्रयोग से
 (d) कागज मोड़ने के प्रयोग से

DSSSB PRT 2017

Ans : (c) उपर्युक्त प्रश्न में आलेख (ग्राफ) पेपर के प्रयोग से शिक्षक, शिक्षार्थियों को यह समझने में सहायता कर सकता है कि आयत और समान्तर चतुर्भुज के क्षेत्रफल समान हैं।

- 241.** राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा (एन.सी.एफ.), 2005 के अनुसार प्राथमिक स्तर पर गणित शिक्षण का उद्देश्य निम्नलिखित में से कौन-सा नहीं है?
 (a) गणित को बच्चे की जिंदगी के अनुभवों का भाग बनाना
 (b) समस्या-समाधान और समस्या प्रस्तुत करने के कौशल को प्रोत्साहित करना
 (c) तर्कसंगत विचारों को प्रोत्साहित करना
 (d) गणित में उच्चतर और अमूर्त पढ़ाई की तैयारी करना

DSSSB PRT 2017

Ans : (d) राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा 2005 के अनुसार प्राथमिक स्तर पर गणित शिक्षण के निम्नलिखित उद्देश्य हैं-

- (i) गणित को बच्चे की जिंदगी के अनुभवों का भाग बनाना।
 (ii) समस्या-समाधान और समस्या प्रस्तुत करने के कौशल को प्रोत्साहित करना।
 (iii) तर्कसंगत विचारों को प्रोत्साहित करना।

गणित में उच्चतर और अमूर्त पढ़ाई की तैयारी करना।”

यह प्राथमिक स्तर पर गणित शिक्षण का उद्देश्य नहीं है।

- 242.** दो दशमलव संख्याओं के योग की संकल्पना (Concept of addition) को पढ़ाने के लिए निम्नलिखित में से शिक्षण-अधिगम का कौन-सा साधन सर्वाधिक उपयुक्त है?

- (a) मोती और माला (Beads and string)
 (b) ग्राफ पेपर
 (c) गिनतारा (Abacus)
 (d) जियोबोर्ड

DSSSB PRT 2017

Ans : (b) दो दशमलव संख्याओं के योग की संकल्पना (concept of addition) को पढ़ाने के लिए ग्राफ पेपर सर्वाधिक उपयुक्त साधन है।

243. कक्षा IV के अधिकतर शिक्षार्थी सोचते हैं कि दो संख्याओं के गुणन से प्राप्त संख्या सदैव दोनों संख्याओं से बड़ी होती है। आप यह कैसे प्रदर्शित करेंगे कि यह सदैव सत्य नहीं होता है?

- (a) इसे संख्याओं के बार-बार योग के द्वारा प्रदर्शित करके
 (b) दो दशमलव संख्याओं के गुणन की कलन-विधि (multiplication algorithm) को प्रदर्शित करके
 (c) ग्रिड पेपर पर दो दशमलव संख्याओं के गुणन को प्रदर्शित करके
 (d) एक पूर्ण संख्या और एक भिन्न के गुणन की कलन-विधि को संख्या रेखा पर प्रदर्शित करके

DSSSB PRT 2017

Ans : (c) ग्रिड पेपर पर दो दशमलव संख्याओं के गुणन को प्रदर्शित करके हम शिक्षार्थियों को यह समझा सकते हैं कि दो संख्याओं के गुणन से प्राप्त संख्या सदैव दोनों संख्याओं से बड़ी नहीं होती है।

244. प्राथमिक स्तर पर शिक्षार्थियों को ‘माप’ का संदर्भ पढ़ाने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य है?

- (a) प्रामाणिक मापों का उपयोग अप्रामाणिक मापों के बाद करना चाहिए
 (b) केवल अप्रामाणिक मापों का उपयोग करना चाहिए
 (c) अप्रामाणिक मापों का उपयोग नहीं करना चाहिए
 (d) अप्रामाणिक मापों का उपयोग प्रामाणिक मापों के बाद करना चाहिए

DSSSB PRT 2017

Ans : (a) प्राथमिक स्तर पर शिक्षार्थियों को ‘माप’ का सन्दर्भ पढ़ाने के लिए प्रामाणिक मापों का उपयोग अप्रामाणिक मापों के बाद करना चाहिए।

245. वास्तविक जिंदगी से गणित का सम्बन्ध बनाने के लिए और अंतर्विषयों को विकसित करने के लिए निम्नलिखित में से किन मूल्यांकन योजनाओं का उपयोग किया जा सकता है?

- (a) सर्वेक्षण, परियोजना, जाँच सूची
 (b) क्षेत्रीय भ्रमण, मौखिक परीक्षा, जाँच सूची
 (c) क्षेत्रीय भ्रमण, सर्वेक्षण, परियोजना
 (d) क्षेत्रीय भ्रमण, मौखिक परीक्षा, डिल कार्यपत्रक

DSSSB PRT 2017

Ans : (c) वास्तविक जिंदगी से गणित का सम्बन्ध बनाने के लिए और अंतर्विषयों को विकसित करने के लिए क्षेत्रीय भ्रमण, सर्वेक्षण और परियोजना जैसी मूल्यांकन योजनाओं का उपयोग किया जा सकता है। क्षेत्रीय भ्रमण द्वारा शिक्षार्थियों को प्रत्यक्ष, मूर्त व व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होता है। शिक्षा के क्षेत्र में परियोजना किसी शैक्षिक क्रियाकलाप को योजनाबद्ध ढंग से इस प्रकार से सम्पादित किया जाता है कि शिक्षार्थी उस क्रियाकलाप को तथा उससे सम्बन्धित बातों को सीख लें।

246. गणित के कक्षा-कक्ष में दृष्टिबाधितों के लिए निम्नलिखित में से किनका प्रयोग शिक्षा के साधनों के रूप में किया जा सकता है?

- (a) संख्या चार्ट, कम्प्यूटर जियोबोर्ड
- (b) टेलर का गिनतारा (Abacus), कम्प्यूटर, जियोबोर्ड
- (c) कम्प्यूटर, संख्या चार्ट, जियोबोर्ड
- (d) टेलर का गिनतारा (Abacus), भिन्न का किट, संख्या

DSSSB PRT 2017

Ans : (b) गणित के कक्षा-कक्ष में दृष्टिबाधितों के लिए टेलर का गिनतारा (Abacus), कम्प्यूटर, जियोबोर्ड का प्रयोग शिक्षा के साधनों के रूप में किया जा सकता है। Abacus एक पठन उपकरण है। इसके प्रयोग से दृष्टिबाधित बालक गणित की समस्याओं को हल करते हैं। कम्प्यूटर में स्क्रीन एक्सेस सॉफ्टवेयर (Screen Access Software) द्वारा कार्य करना संभव हो सकता है। जियोबोर्ड एक गणितीय हेरफेर है जिसका उपयोग विमा की ज्यामिति जैसे परिधि, क्षेत्र और त्रिकोण और अन्य बहुभुज की विशेषताओं में बुनियादी अवधारणाओं का पता लगाने के लिए किया जाता है।

247. 'संख्याओं' के संदर्भ में प्राथमिक कक्षा के बच्चे अर्थात् वे बच्चे जिनकी आयु वर्ग 8-9 वर्ष है, निम्नलिखित में से किस समुच्चय में प्रवीण हैं?

- (a) पंक्तिबद्धता, प्रतिवर्त्यता (reversibility), आनुपातिक विवेचन
- (b) पंक्तिबद्धता, वर्गीकरण, आनुपातिक विवेचन
- (c) पंक्तिबद्धता, वर्गीकरण, प्रतिवर्त्यता
- (d) वर्गीकरण, प्रतिवर्त्यता (reversibility), आनुपातिक विवेचन

DSSSB PRT 2017

Ans : (c) पियाजे के संज्ञानात्मक विकास के सिद्धान्त के अनुसार सात से बारह वर्ष की आयु की अवस्था को मूर्त-संक्रियात्मक अवस्था कहते हैं। इस अवस्था में बालक छोटे-छोटे विलोमीय (Reversible) पदों की शृंखला के द्वारा विचार करने लगता है। बालक मूर्त वस्तुओं के संबंध में अनेक प्रकार की तार्किक संक्रियाएँ करने लगता है। इस अवस्था की तीन योग्यताएँ हैं— विचारों की विलोमीयता, संरक्षण तथा क्रमबद्धता व पूर्ण-अंश संप्रत्ययों का उपयोग है। संख्याओं के सन्दर्भ में प्राथमिक कक्षा के बच्चे अर्थात् वे बच्चे जिनकी आयु वर्ग 8-9 वर्ष है, पंक्तिबद्धता, वर्गीकरण, प्रतिवर्त्यता में प्रवीण है।

248. कक्षा I के एक शिक्षक ने एक विद्यार्थी को सभी वस्तुओं की गणना करने के लिए कहा, जिनमें पेन, रबड़ और शार्पनर का संग्रह था। विद्यार्थी ने सभी वस्तुओं को एक रेखा में रखा और गणना शुरू की। उसने 10 वस्तुओं को एक स्थान पर रखा कि 2 पेन, 5 रबड़ और 3 शार्पनर हैं आपके विचार से विद्यार्थी को गणना के किस सिद्धान्त का सामना करना पड़ रहा है?

- (a) स्थिर क्रम और अमूर्तन सिद्धान्त
- (b) एकैकी संगतता सिद्धान्त (one to one correspondence)
- (c) अमूर्तन सिद्धान्त (Abstraction Principle)
- (d) अमूर्तन और असंगत क्रम सिद्धान्त

DSSSB PRT 2017

Ans : (d) उपयुक्त प्रश्न में विद्यार्थी को गणना के अमूर्तन और असंगत क्रम सिद्धान्त का सामना करना पड़ रहा है।

4. विज्ञान शिक्षण

249. एक शिक्षक ने अपने विज्ञान के छात्रों को गृहकार्य के रूप में निम्न गतिविधियाँ करने के लिए कहा। दी गई गतिविधियों में से कि गतिविधि के लिए छात्रों को स्थानीय सामग्री को उपयोग करना होगा?

- (a) समाचार पत्रों, पत्रिकाओं और इंटरनेट के माध्यम से भोजन की कमी से जूझ रहे देशों, इसके कारणों और प्रभावों के बारे में जानकारी इकट्ठा करें।
- (b) अपने भोजन संबंधी आदतों को सुधारने और स्वस्थ बने रहने के लिए व्यायाम करने का संकल्प लें।
- (c) अपनी सक्रियता और विकास की आवश्यकताओं के अनुरूप संतुलित आहार की अवधारणा अपनाएँ और उस हिसाब से अपना खान-पान व्यवस्थित करें।
- (d) घरों में माँएं चावल/गेहूँ को हाथों से साफ करते समय जिन चीजों को फेंक देती हैं, उनका निरीक्षण करें। अशुद्धियों को पहचाने और खाने पर उनके संभावित दुष्प्रभावों का आकलन करें।

NVS, TGT 18-09-2019

Ans : (d) घरों में माताएँ चावल/गेहूँ को हाथों से साफ करते समय जिन चीजों को फेंक देती हैं, उनका निरीक्षण करें। अशुद्धियों को पहचाने और खाने पर उनके संभावित दुष्प्रभावों का आकलन करें। इस प्रकार की गतिविधि में छात्र स्थानीय सामग्री का उपयोग करके अशुद्धियों की पहचान और उनके दुष्प्रभावों का आकलन कर सकता है।

250. विज्ञान को में, औपचारिक दृढ़ता पर जोर दिए बिना सीखने योग्य विषय के रूप में पेश किया जाना चाहिए।

- (a) माध्यमिक चरण
- (b) प्राथमिक चरण
- (c) उच्च प्राथमिक चरण
- (d) उच्चतर माध्यमिक चरण

NVS, PGT 17-09-2019

Ans : (c) विज्ञान को उच्च प्राथमिक चरण में औपचारिक दृढ़ता पर जोर दिये बिना सीखने योग्य विषय के रूप में पेश किया जाना चाहिए। विज्ञान की विषय-वस्तु इस प्रकार की होनी चाहिए कि वह हर बच्चे को अपने रोज के अनुभवों को जाँचने और उनका विश्लेषण करने में सक्षम बनाये। इसके लिए परिवेश सम्बन्धी सरोकारों और चिंताओं पर हर विषय में जोर दिये जाने की जरूरत है और यह ढेरों गतिविधियों और बाहरी दुनिया पर की गयी परियोजनाओं के द्वारा होना चाहिए।

251. एक बंदूक द्वारा गोली दागे जाने पर पीछे की ओर झटका मारती है। यह के संरक्षण के सिद्धान्त के कारण है।

- (a) गति
- (b) आवेग
- (c) बल
- (d) ऊर्जा

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (b) एक बंदूक द्वारा गोली दागे जाने पर पीछे की ओर झटका मारती है। यह आवेग के संरक्षण के सिद्धांत के कारण है।

252. विज्ञान में प्रयोगशाला प्रयोग को में वर्गीकृत करेंगे।

- | | |
|--------------------|-------------------------|
| (a) श्रवण उपादान | (b) दृश्य उपादान |
| (c) गतिविधि उपादान | (d) दृश्य-श्रव्य उपादान |

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (c) विज्ञान में प्रयोगशाला प्रयोग में गतिविधि उपादान में वर्गीकृत करेंगे क्योंकि प्रयोगशाला में बच्चे क्रिया करके सीखते हैं।

253. कायांतरण में नहीं पाया जाता।

- | | |
|--------------|-------------|
| (a) तितली | (b) मच्छर |
| (c) रेशमकृमि | (d) मछलियाँ |

KVS-PRT Post Code 16/17, 29-10-2017

Ans : (d) कायांतरण (Metamorphosis) एक जीववैज्ञानिक प्रक्रिया है जिसमें किसी जानवर के पैदा होने के या अंडे से निकलने के बाद कोशिकाओं की बढ़ातरी से उसके शारीरिक ढाँचे में कम समय में बड़े परिवर्तन आ जाते हैं।

उदाहरण— तितली, मच्छर, रेशमकृमि, मेढ़क आदि।

254. विज्ञान के मूल्यांकन में विद्यार्थियों की योग्यता परीक्षण करने में ज्यादा फोकस होना चाहिए जिससे वे—

- | |
|--|
| (a) उच्च पढ़ाई के लिए पूर्णतः तैयार हों |
| (b) विज्ञान के तथ्य और सिद्धांत सही तरह से बता सकें |
| (c) दिन-ब-दिन जीवन में आने वाली अपरिचित परिस्थितियों को समझाने की संकल्पना को लागू कर सकें |
| (d) खुले-अन्त प्रश्नों का उत्तर दे सकें |

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31-08-2014

Ans : (c) विज्ञान के मूल्यांकन में विद्यार्थियों की योग्यता परीक्षण करने में ज्यादा फोकस होना चाहिए जिससे वे दिन-ब-दिन जीवन में आने वाली अपरिचित परिस्थितियों को समझाने की संकल्पना को लागू कर सकें।

255. कक्षा सात में एक विज्ञान अध्यापक को 'श्वसन की क्रियाविधि' (mechanism of bearing) को प्रभावी ढंग से समझाने हेतु उपयोग लेना चाहिए—

- | | |
|------------------|-------------------|
| (a) चार्ट | (b) आशुरचित उपकरण |
| (c) पाठ्य पुस्तक | (d) पारदर्शिता |

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (b) कक्षा सात में एक विज्ञान के अध्यापक को 'श्वसन की क्रियाविधि' को प्रभावी ढंग से समझाने हेतु आशुरचित उपकरण उपयोग में लेना चाहिए। आशुरचित उपकरण 'कबाड़ से जुगाड़' शिक्षण सहायक सामग्री के अंतर्गत आता है। इसमें बच्चों के दैनिक जीवन में उपयोग में आने वाली वस्तुओं से शिक्षण सहायक सामग्री का निर्माण किया जाता है जो शिक्षण को प्रभावी बनाते हैं।

256. कक्षा VII के विद्यार्थियों को 'घर्षण' (Friction) प्रकरण पढ़ाते समय विज्ञान की शिक्षिका यह समझाने के लिए कि 'घर्षण कई तरीकों से हमारे लिए हानिकारक है', अनेक उदाहरण देती है। शिक्षिका द्वारा दिए गए उदाहरणों में से सही उदाहरण है—

- (a) घर्षण के कारण हम चल पाते हैं
- (b) मशीन के पुर्जे घिस जाते हैं
- (c) ब्रेक लगाने पर वाहन रुक जाते हैं
- (d) पेन की नोक और पेपर के बीच होने वाले घर्षण के कारण ही हम लिख पाते हैं

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (b) कक्षा VII के विद्यार्थियों को घर्षण प्रकरण पढ़ाते समय विज्ञान की शिक्षिका यह समझाने के लिए कि 'घर्षण कई तरीकों से हमारे लिए हानिकारक है' अनेक उदाहरण देती है। शिक्षिका द्वारा दिया गया घर्षण के सम्बन्ध में यह उदाहरण सही होगा कि घर्षण से मशीन के पुर्जे घिस जाते हैं। यह उदाहरण घर्षण के हानिकारक प्रभावों को दर्शाता है।

257. विज्ञान के मूल्यांकन में विद्यार्थियों की किस योग्यता के परीक्षण पर ज्यादा बल दिया जाना चाहिए—

- (a) उच्च अधिगम के लिए पर्याप्त रूप से तैयार होने
- (b) विज्ञान के तथ्यों एवं सिद्धांतों को सही रूप में बताने
- (c) संकल्पनाओं की समझ को दैनिक जीवन की अपरिचित परिस्थितियों में व्यवहार में लाने
- (d) खुले प्रश्नों के उत्तर देने

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) विज्ञान के मूल्यांकन में विद्यार्थियों की संकल्पनाओं की समझ को दैनिक जीवन की अपरिचित परिस्थितियों में व्यवहार में लाने की योग्यता के परीक्षण पर ज्यादा बल दिया जाना चाहिए। राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा-2005 में भी विज्ञान विषय को बाहरी दुनिया से जोड़ने की बात कही गयी है।

258. एक विज्ञान के अध्यापक को अपनी कक्षा में 'विभिन्न प्रकार के बल' पढ़ाने हैं। तो इस प्रकरण को पढ़ाने हेतु सबसे उपयुक्त विधि है—

- (a) व्याख्यान विधि
- (b) मूल्यांकन उपागम विधि
- (c) प्रयोगशाला विधि
- (d) प्रदर्शन विधि

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (d) एक विज्ञान के अध्यापक को अपनी कक्षा में विभिन्न प्रकार के बल पढ़ाने हैं। तो इस प्रकरण को पढ़ाने हेतु सबसे उपयुक्त विधि शिक्षण की प्रदर्शन विधि हो सकती है। प्रदर्शन विधि में शिक्षक विषय वस्तु से सम्बन्धित सामग्री के प्रयोग का प्रदर्शन करता है और सम्बन्धित तथ्यों की व्याख्या भी करता है। शिक्षक प्रयोग से सम्बन्धित प्रश्न भी पूछता रहता है एवं आवश्यकतानुसार विद्यार्थियों से प्रदर्शन कार्य में सहयोग भी लेता है रहता है, जिससे विद्यार्थी कक्षा में सक्रिय बने रहते हैं।

259. एक विज्ञान का अध्यापक विद्यार्थियों को ठोस, द्रव व गैस के उदाहरण देने के लिए कहता है। यहाँ उदाहरण देना सम्बन्धित है—

- (a) ज्ञानात्मक उद्देश्य से
- (b) अवबोधात्मक उद्देश्य से (UnderStanding objective)
- (c) अनुप्रयोगात्मक उद्देश्य से (Application objective)
- (d) कौशलात्मक उद्देश्य से

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (b) यदि एक विज्ञान का अध्यापक विद्यार्थियों को ठोस, द्रव व गैस के उदाहरण देने के लिए कहता है तो यहाँ उदाहरण अवबोधात्मक उद्देश्य से सम्बन्धित है। अवबोधात्मक उद्देश्य की निम्न विशेषताएँ होती हैं— अंतर करना, समानता मालूम करना, तुलना करना, स्वयं के शब्दों में परिभाषित देना, अनुवाद करना, उदाहरण प्रस्तुत करना, वर्गों में बाँटना, सही स्थिति बताना आदि।

260. एक विज्ञान का अध्यापक ‘जैव विविधता’ (**Biodiversity**) पढ़ाना चाहता है। शिक्षण की उत्तम विधि, जो शिक्षक को अपनानी चाहिए—

- (a) पाठ्यपुस्तक से पढ़ाए।
- (b) चित्र दिखाकर पढ़ाए।
- (c) विद्यार्थियों को आस-पास के उद्यान में ले जाए, तस्वीरें ले तथा वहाँ के पेड़-पौधे एवं जीव जन्तु पर आलेख तैयार करवाए।
- (d) विद्यार्थियों को स्वयं पढ़ने हेतु सुझाव दें, क्योंकि यह एक सैद्धान्तिक संकल्पना है।

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) यदि कोई विज्ञान का अध्यापक जैव विविधता पढ़ाना चाहता है तो शिक्षण की सबसे उत्तम विधि यह होगी कि वह विद्यार्थियों को आस-पास के उद्यान में ले जाए, तस्वीरें ले तथा वहाँ के पेड़-पौधे एवं जीव जन्तु पर आलेख तैयार करवाये। इसमें विद्यार्थी सक्रिय होकर स्वयं अपने ज्ञान का निर्माण करेंगे जो उनकी रचनात्मकता को संपोषित करेगा।

261. गीता कक्षा VIII के छात्रों को ‘मानव नेत्र’ विषय पढ़ाने के लिए पाठ—योजना बना रही है। नीचे दिए गए क्रियाकलापों में किसे पाठ—योजना में सम्मिलित करने पर पाठ अधिक प्रभावी बन सकता है और छात्रों की सम्बन्धित संकल्पनाओं को अच्छी तरह समझ सकने में सहायता कर सकता है?

- (a) अच्छा गृह कार्य बनाना
- (b) कक्षा में छात्रों को नोट लिखाना
- (c) छात्रों के क्रियाकलापों और कक्षा में पारस्परिक प्रश्नोत्तर का उपयोग करना
- (d) मानव चित्र के मॉडल का निर्देशन करना

NVS PGT 2018

Ans : (c) एक शिक्षिका द्वारा छात्रों को ‘मानव नेत्र’ प्रकरण पढ़ाने के लिए क्रियाकलापों और कक्षा में पारस्परिक प्रश्नोत्तर का उपयोग पाठयोजना में सम्मिलित करने पर पाठ अधिक प्रभावी बन सकता है और छात्रों की सम्बन्धित संकल्पनाओं को अच्छी तरह समझ सकने में सहायता कर सकता है।

262. राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा 2005 की सिफारिशों के आधार पर NCERT की विज्ञान की पुस्तकों में अधिक बल दिया गया है—

1. रटने की प्रवृत्ति को हतोत्साहित करने पर
2. विज्ञान की पाठ्यचर्चा के विभिन्न कार्य-क्षेत्रों के बीच तीक्ष्ण सीमाएँ बनाए रखने पर
3. छात्रों को सक्रिय अधिगम अनुभव प्रदान करने पर
4. वैज्ञानिक पदों की यथार्थ परिभाषाएँ सीखने पर

नीचे दिया गया कौन—सा युगल उपर्युक्त सही कथनों के संयोजन को निरूपित करता है?

- | | |
|------------|------------|
| (a) 1 और 2 | (b) 1 और 3 |
| (c) 3 और 4 | (d) 2 और 3 |

NVS PGT 2018

Ans : (b) राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा 2005 की सिफारिशों के आधार पर NCERT की विज्ञान की पुस्तकों में निम्नलिखित तथ्यों पर अधिक बल दिया गया है—

- (i) रटने की प्रवृत्ति को हतोत्साहित करने पर
- (ii) छात्रों को सक्रिय अधिगम अनुभव प्रदान करने पर।

263. विज्ञान शिक्षिका द्वारा अपनाए नीचे दिए गए उपगमनों में से कौन—सा उपगमन उस शिक्षिका की वैज्ञानिक मनःस्थिति को दर्शाता है?

- (a) कक्षा में पूर्ण अनुशासन बनाए रखना
- (b) यथासम्भव शीघ्र प्रस्तावित पाठ्यक्रम को समाप्त करना
- (c) कक्षा में छात्रों को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करना
- (d) अधिगम में बढ़ोत्तरी करने के लिए कठिन प्रश्न—पत्र बनाना

NVS PGT 2018

Ans : (c) विज्ञान शिक्षिका द्वारा कक्षा में छात्रों को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करना, उसकी वैज्ञानिक मनःस्थिति को दर्शाता है।

264. वैज्ञानिक विधि के लिए सामान्यतः निम्नलिखित चरणों का पालन करने की (ये चरण उचित क्रम में नहीं दिए गए हैं) सिफारिश की जाती है—

1. परिकल्पना का परीक्षण
2. परिकल्पना बनाना
3. समस्या की पहचान
4. आँकड़ों को एकत्र करना
5. निष्कर्ष निकालना

निम्नलिखित में से इन चरणों का सही क्रम कौन—सा है?

- | | |
|-------------------|-------------------|
| (a) 3, 1, 4, 2, 5 | (b) 3, 2, 4, 1, 5 |
| (c) 4, 3, 2, 1, 5 | (d) 2, 3, 1, 4, 5 |

NVS PGT 2018

Ans : (b) वैज्ञानिक विधि के लिए सामान्यतः निम्नलिखित चरणों का पालन करना चाहिए—

- (i) समस्या की पहचान
- (ii) परिकल्पना बनाना
- (iii) आँकड़ों को एकत्र करना
- (iv) परिकल्पना का परीक्षण
- (v) निष्कर्ष निकालना

265. हस्तसिद्ध क्रियाकलाप और परियोजनाएँ विज्ञान सीखने के अभिन्न अंग हैं। इन अधिगम अनुभवों का मुख्य उद्देश्य है—

- (a) प्रायोगिक कौशलों पर छात्रों का मूल्यांकन
- (b) छात्रों को हर समय व्यस्त रखना
- (c) प्रयोगशाला में अनुशासन बनाए रखना
- (d) विस्तारित अधिगम के लिए छात्रों को अवसर प्रदान करना

NVS PGT 2018

Ans : (d) हस्तसिद्ध क्रियाकलाप और परियोजनाएँ विज्ञान सीखने के अभिन्न अंग हैं। इन अधिगम अनुभवों का मुख्य उद्देश्य विस्तारित अधिगम के लिए छात्रों को अवसर प्रदान करना है।

266. उच्च प्राथमिक स्तर पर विज्ञान सीखने का नीचे दिया गया कौन-सा उद्देश्य नहीं है?

- (a) वैज्ञानिक साक्षरता अर्जित करना
- (b) तार्किक सोच विकसित करना
- (c) आवश्यक प्रक्रिया-कौशल अर्जित करना
- (d) प्रतियोगी परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन करना

NVS PGT 2018

Ans : (d) उच्च प्राथमिक स्तर पर विज्ञान सीखने का निम्नलिखित उद्देश्य है-

- (i) वैज्ञानिक साक्षरता अर्जित करना
 - (ii) तार्किक सोच विकसित करना
 - (iii) आवश्यक प्रक्रिया-कौशल अर्जित करना।
- जबकि प्रतियोगी परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन करना, उच्च प्राथमिक स्तर पर विज्ञान सीखने का उद्देश्य नहीं है।

267. विज्ञान-शिक्षण में रोल-प्ले की तकनीक को एक प्रभावी नीति मानने का कारण यह है कि—

- (a) यह वास्तविक जीवन में किसी की भूमिका को अच्छी प्रकार से समझना सुनिश्चित करती है
- (b) यह अधिगम-प्रक्रिया में छात्र की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करती है
- (c) यह छात्रों की सामाजिक कुशलताओं को बढ़ावा दे सकती है
- (d) यह अधिगम-प्रक्रिया में एकरसता को तोड़ना सुनिश्चित करती है

NVS PGT 2018

Ans : (b) विज्ञान-शिक्षण में रोल-प्ले की तकनीक को एक प्रभावी नीति मानने का कारण यह है कि यह अधिगम प्रक्रिया में छात्र की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करती है।

268. विज्ञान को प्रश्न करना, खोजबीन करना, स्वयं करना और और अन्वेषण करना माना जाता है। विज्ञान-शिक्षण के समय दीपिका द्वारा कराए गए नीचे दिए गए क्रियाकलापों में से कौन-सा उन मानदण्डों को संतुष्ट करने के लिए सबसे उपयुक्त है?

- (a) सूक्ष्म-जीवों पर यूनिट टेस्ट
- (b) सामान्य रोगों पर सामूहिक चर्चा
- (c) पर्यावरणीय समस्याओं पर वाद-विवाद
- (d) ध्वनि की प्रकृति पर परियोजना कार्य

NVS PGT 2018

Ans : (d) विज्ञान को प्रश्न करना, खोजबीन करना, स्वयं करना और अन्वेषण करना माना जाता है। विज्ञान-शिक्षण के समय एक शिक्षिका द्वारा कराए गए ध्वनि की प्रकृति पर परियोजना कार्य इन मानदण्डों को संतुष्ट करने के लिए सबसे उपयुक्त क्रियाकलाप है।

269. शालिनी ने कक्षा VI के विद्यार्थियों को विज्ञान केन्द्र दिखाने के लिए शैक्षणिक भ्रमण की योजना बनाई है।

नीचे दिया गया कौन-सा सामान्य निर्देश इस भ्रमण के लिए अप्रासंगिक है?

- (a) अपना दिनभर का पूरा बस्ता लेकर आना
- (b) बिना मुझे सूचित किए कहीं न जाना
- (c) अपने साथ पेन और नोटपैड ले जाना
- (d) प्रदर्शन के समय अपनी शंकाओं के विषय में प्रश्न पूछना

NVS PGT 2018

Ans : (a) किसी शिक्षक ने कक्षा VI के विद्यार्थियों को विज्ञान केन्द्र दिखाने के लिए शैक्षणिक भ्रमण की योजना बनाई है, तो इस भ्रमण के लिए निम्नलिखित निर्देश प्रासंगिक हो सकते हैं—

- (i) बिना मुझे सूचित किए कहीं न जाना।
 - (ii) अपने साथ पेन और नोटपैड ले जाना।
 - (iii) प्रदर्शन के समय अपनी शंकाओं के विषय में प्रश्न पूछना।
- जबकि अपना दिनभर का पूरा बस्ता लेकर आना— यह कथन अप्रासंगिक है।

270. शिक्षिका की रुचि कक्षा VIII के शिक्षार्थियों द्वारा विज्ञान के प्रक्रमण कौशलों के अर्जन पर अधिक ध्यान केन्द्रित करने में है। 'सूक्ष्म जीव' (micro-organisms) पर आधारित पद्धति-संयोजन को प्राथमिकता देनी चाहिए?

- (a) गृह कार्य-सहित-प्रश्न पद्धति
- (b) दत्त कार्य-सहित-प्रश्न पद्धति
- (c) परियोजना-सहित-प्रयोगशाला पद्धति
- (d) गृह कार्य-सहित-विज्ञान प्रश्नोत्तर पद्धति

DSSSB TGT 2016

Ans : (c) कक्षा VIII की शिक्षिका द्वारा विज्ञान के प्रक्रमण कौशलों के अर्जन पर ध्यान केन्द्रित करते हुए 'सूक्ष्म जीव' पर आधारित प्रक्रमण को पढ़ाने के लिए उसे परियोजना सहित प्रयोगशाला पद्धति संयोजन को प्राथमिकता देनी चाहिए।

271. मापनीय बेलन का प्रयोग करते हुए ठोस के आयतन को मापने के सही तरीके के बारे में पढ़ाते समय, कविता अपनाए जाने वाले निम्नलिखित चरणों (सही क्रम में नहीं) का उल्लेख करती हैं—

1. बेलन में पानी के स्तर का पाठ्यांक लिखिए
2. बेलन में पानी के भीतर धारे के साथ ठोस को लटकाइए।
3. मापनी बेलन के अल्तमांक (न्यूनतम माप) को लिखिए।
4. बेलन में पर्याप्त मात्रा में पानी डालिए और पाठ्यांक लिखिए।

बताए गए उद्देश्य के लिए निम्न में से कौन-सा चरणों का सही क्रम है?

- (a) 4, 2, 3, 1
- (b) 1, 2, 3, 4
- (c) 3, 2, 4, 1
- (d) 3, 4, 2, 1

DSSSB TGT 2016

Ans : (d) मापनीय बेलन का प्रयोग करते हुए ठोस के आयतन को मापने के सही तरीके के बारे में पढ़ाते समय एक शिक्षक या शिक्षिका द्वारा निम्नलिखित चरण अपनाए जाने चाहिए-

1. मापनी बेलन के अल्टमांक (न्यूनतम माप) को लिखिए।
2. बेलन में पर्याप्त मात्रा में पानी डालिए और पाठ्यांक लिखिए।
3. बेलन में पानी के भीतर धागे के साथ ठोस को लटकाइए।
4. बेलन में पानी के स्तर का पाठ्यांक लिखिए।

272. अच्छी विज्ञान शिक्षा को 'बच्चे के प्रति ईमानदार होना चाहिए' का अर्थ है कि वह विज्ञान जो हम पढ़ाते हैं, को-

- (a) बच्चों को सीखने की प्रक्रिया के कौशलों में शामिल होना चाहिए
- (b) बच्चे के लिए आसान होना चाहिए
- (c) विज्ञान की विषय वस्तु के सार्थक पक्षों को संप्रेषित करना चाहिए
- (d) बच्चे को समझ आने योग्य होना चाहिए

DSSSB TGT 2016

Ans : (d) अच्छी विज्ञान शिक्षा को 'बच्चे के प्रति ईमानदार होना चाहिए' का अर्थ है कि वह विज्ञान जो हम पढ़ाते हैं, वह बच्चों को समझ आने योग्य होना चाहिए।

273. कक्षा VII के शिक्षार्थियों को 'गति और समय' (Motion and time) प्रकरण पढ़ाते समय शिक्षिका शिक्षार्थियों को विभिन्न प्रकार की गति के उदाहरण देती है। उसके द्वारा दिया गया निम्न में से कौन-सा उदाहरण गलत है?

- (a) बल्लेबाज द्वारा मापी गई क्रिकेट बॉल की गति
- (b) गतिमान कार में बैठे लड़के की कार के अनुसार गति
- (c) झूले में बैठे लड़के की गति
- (d) विद्युतीय घंटी के हथौड़े की गति

DSSSB TGT 2016

Ans : (b) 'गतिमान कार में बैठे लड़के की कार के अनुसार गति' - यह गति और समय का सही उदाहरण नहीं है।

274. अंजलि, कक्षा VII के शिक्षार्थियों को विद्युत-चुम्बक का निर्माण करते समय निम्नलिखित चरणों (सही क्रम में नहीं है) का निष्पादन करने के लिए कहती है

1. कील के किनारे के पास कुछ पिन रखिए
2. विद्युत प्रवाहित कीजिए और देखिए कि क्या होता है।
3. लोहे की कील के आस-पास ताँबे के तार को मजबूती से लपेटिए
4. तार के सिरों को सेल के टर्मिनल से जोड़िए

वांछित परिणाम को प्राप्त करने के लिए निष्पादित किया जाने वाला निम्नलिखित में से कौन-सा क्रम सही है?

- (a) 4, 3, 1, 2
- (b) 1, 2, 3, 4
- (c) 3, 4, 1, 2
- (d) 3, 1, 2, 4

DSSSB TGT 2016

Ans : (c) कोई शिक्षक कक्षा VII के विद्यार्थियों को विद्युत-चुम्बक का निर्माण करते समय निम्नलिखित चरणों का निष्पादन करने के लिए कहेगा-

1. लोहे के कील के आस-पास ताँबे के तार को मजबूती से लपेटिए।
2. तार के सिरों को सेल के टर्मिनल से जोड़िए।
3. कील के किनारे के पास कुछ पिन रखिए।
4. विद्युत प्रवाहित कीजिए और देखिए कि क्या होता है।

275. विज्ञान शिक्षा के संदर्भ में 'रचनावाद'

(Constructivism) शब्दावली का अर्थ है बच्चों को-

- (a) वैज्ञानिक विकास के बारे में अद्यतन जानकारी देनी चाहिए
- (b) विज्ञान के बारे में पूर्ण जानकारी देनी चाहिए
- (c) विज्ञान सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल करना चाहिए
- (d) कक्षा में प्रश्न पूछने के लिए बच्चों को हतोत्साहित करना चाहिए

DSSSB TGT 2016

Ans : (c) विज्ञान शिक्षा के संदर्भ में 'रचनावाद' (constructivism) शब्दावली का अर्थ है बच्चों को विज्ञान सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल करना चाहिए। रचनावाद के अनुसार ज्ञान का निर्माण अधिगमकर्ता के पूर्वज्ञान पर आधारित होता है। विद्यार्थी वस्तुओं एवं उन्हें प्रस्तुत की गयी गतिविधियों से ही सक्रिय रूप से पुराने अनुभवों को नये विचारों से जोड़ते हुए ज्ञान का सृजन करता है।

276. उच्च प्राथमिक स्तर पर विज्ञान पाठ्यचर्चा की 'संज्ञानात्मक वैधता' (Cognitive Validity) का अर्थ यह है कि-

- (a) उसे बच्चे को इस योग्य बनाना चाहिए कि वे विज्ञान को सामाजिक उद्यम के रूप में देखें
- (b) उसे सार्थक और वैज्ञानिकतापूर्ण सही तथ्यों को संप्रेषित करना चाहिए
- (c) उसे आयु के अनुरूप होना चाहिए
- (d) उसे शिक्षण में समुचित शिक्षणशास्त्रीय प्रक्रियाओं का प्रयोग करना चाहिए

DSSSB TGT 2016

Ans : (c) उच्च प्राथमिक स्तर पर विज्ञान पाठ्यचर्चा की 'संज्ञानात्मक वैधता' (Cognitive Validity) का अर्थ यह है कि उसे आयु के अनुरूप होना चाहिए। किसी भी स्तर के लिए पाठ्यचर्चा का निर्माण करते समय विद्यार्थियों की आयु उनकी योग्यता, क्षमता, रुचि, मनोवृत्ति आदि का ध्यान रखना अनिवार्य होता है।

277. राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा, 2005 की यह अनुशंसा है कि उच्च प्राथमिक स्तर पर विज्ञान शिक्षा को पर बल देना चाहिए

- (a) शांतिपूर्ण समाज की स्थापना के लिए मानवीय मूल्यों तथा ज्ञानाधार को बढ़ावा देने
- (b) कक्षा-कक्षीय अधिगम को विद्यालय के बाहर की दुनिया के साथ जोड़ने में शिक्षार्थियों की मदद करने

- (c) विज्ञान सीखने में अंतर्राष्ट्रीय मानकों को प्राप्त करने में शिक्षार्थियों की मदद करने
 (d) शिक्षार्थियों में सामाजिक विषमताओं को न्यूनतम करने

DSSSB TGT 2016

Ans : (b) राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा, 2005 की यह अनुशंसा है कि उच्च प्राथमिक स्तर पर विज्ञान शिक्षा को कक्षाकक्षीय अधिगम को विद्यालय के बाहर की दुनिया के साथ जोड़ने में शिक्षार्थियों की मदद करने पर बल देना चाहिए।

278. निम्न में से कौन—सी उच्च प्राथमिक स्तर पर विज्ञान की सीखने—सिखाने की मुख्य अपेक्षा है?

- (a) प्रतियोगितापरक परीक्षाओं के लिए शैक्षणिक श्रेष्ठता अर्जित करना
 (b) प्रश्न और जाँच पड़ताल कौशलों का अर्जन करना
 (c) साहित्यिक साक्षरता का निर्माण करना
 (d) विज्ञान और कला के अंतः सम्बन्धों को समझना

DSSSB TGT 2016

Ans : (b) प्रश्न और जाँच पड़ताल कौशलों का अर्जन करना उच्च प्राथमिक स्तर पर विज्ञान को सीखने—सिखाने की मुख्य अपेक्षा है।

279. कक्षा VI में ‘पदार्थों का पृथक्करण’ (Separation of substances) विषय सबसे अधिक प्रभावी ढंग से किस प्रकार पढ़ाया जा सकता है?

- (a) विभिन्न उप-विषयों पर अधिक सामूहिक चर्चाएँ
 (b) सम्बन्धित संकलनाओं की गहन व्याख्या करके
 (c) शिक्षार्थियों द्वारा हस्तसिद्ध क्रियाकलापों को कराकर
 (d) अच्छा गृहकार्य करवाकर

DSSSB TGT 2016

Ans : (c) कक्षा VI में शिक्षार्थियों द्वारा हस्तसिद्ध क्रियाकलापों को कराकर ‘पदार्थों का पृथक्करण’ (Separation of substances) विषय सबसे अधिक प्रभावी ढंग से पढ़ाया जा सकता है।

280. निम्नलिखित में से कौन—सा उच्च प्राथमिक स्तर पर विज्ञान शिक्षण का वांछित उद्देश्य नहीं है?

- (a) विज्ञान के तथ्यों और सिद्धांतों एवं इसके अनुप्रयोगों को जानना
 (b) विज्ञान की प्रक्रियाओं और विषय-वस्तुओं को याद करके उपलब्ध ज्ञान प्राप्त करना
 (c) ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और सहयोग के मूल्यों को आत्मसात् करना
 (d) प्राकृतिक जिज्ञासा, सौन्दर्यपरकता की अनुभूति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में सृजनात्मकता का पोषण

NVS TGT 2017

Ans : (c) उच्च प्राथमिक स्तर पर विज्ञान शिक्षण के निम्न उद्देश्य हैं—

- विज्ञान के तथ्यों और सिद्धांतों एवं इसके अनुप्रयोगों को जानना।
- विज्ञान की प्रक्रियाओं और विषय-वस्तुओं को याद करके उपलब्ध ज्ञान प्राप्त करना।
- प्राकृतिक जिज्ञासा, सौन्दर्यपरकता की अनुभूति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में सृजनात्मकता का पोषण करना।
- विज्ञान संरचना की प्रशंसा व उनके प्रयोग को समझना।
- समस्या समाधान सम्बन्धी कौशल का विकास करना।

281. विज्ञान शिक्षक द्वारा छात्रों में अभिव्यक्तियों एवं मूल्यों के विकास के मूल्यांकन के लिए निम्नलिखित में से कौन—सी तकनीक सबसे अधिक उपयुक्त होगी?

- (a) कागज पेसिल परीक्षण
 (b) जाँच—सूची (चेक—लिस्ट)
 (c) रेटिंग स्केल
 (d) अवलोकन

NVS TGT 2017

Ans : (d) विज्ञान शिक्षक द्वारा छात्रों में अभिव्यक्तियों एवं मूल्यों के विकास के मूल्यांकन के लिए अवलोकन तकनीकी सबसे अधिक उपयुक्त होगी। अवलोकन तकनीक किसी व्यक्ति, वस्तु, घटना अथवा प्रक्रिया को देखकर या अवलोकित करके उसके व्यवहार के मापन की प्रविधि है। अवलोकनकर्ता स्वभाविक व्यवहार या घटना को प्रभावित किये बिना निरपेक्ष रूप से व्यवहार के विभिन्न पहलुओं का मात्रात्मक विवरण प्राप्त करने का प्रयास करता है, जिससे व्यक्ति के व्यवहार की सूक्ष्मता से वैज्ञानिक व्याख्या की जा सके।

282. ‘अच्छी विज्ञान शिक्षा’ को कुछ आधारभूत वैधता से पूरा करना चाहिए। उच्च प्राथमिक स्तर पर कक्षा VI के पाठ्यक्रम में ‘छाया बनाने’ की प्रक्रिया द्वारा निम्नलिखित में से कौन—सी वैधता का सर्वाधिक औचित्य से पालन होता है?

- (a) प्रक्रिया (b) परिवेशीय
 (c) विषय—वस्तु (d) संज्ञानात्मक

NVS TGT 2017

Ans : (d) ‘अच्छी विज्ञान शिक्षा’ को कुछ आधारभूत वैधता से पूरा करना चाहिए। उच्च प्राथमिक स्तर पर कक्षा VI के पाठ्यक्रम में छाया बनाने की प्रक्रिया द्वारा संज्ञानात्मक वैधता का सर्वाधिक औचित्य से पालन होता है।

283. एक प्राथमिक स्तर की अध्यापिक “जलाभाव” (Scarcity of water) के विषय पर अपने कक्षा VI के बच्चों को प्रभावपूर्ण तरीके से किस प्रकार आँकेगी?

- (a) उपर्युक्त विषय पर एक लिखित परीक्षा का आयोजन करके
 (b) यह पता करके कि उन्होंने अपने दैनिक जीवन में जल की बचत कैसे प्रारम्भ की है
 (c) जल संरक्षण में पोस्टर बनाने की गतिविधि का आयोजन करके
 (d) बच्चों को जल संरक्षण पर नारे लिखने के लिए कहकर

NVS TGT 2017

Ans : (b) यदि एक प्राथमिक स्तर की अध्यापिका “जलाभाव” के विषय पर अपने कक्षा VI के बच्चों का प्रभावपूर्ण तरीके से आकलन करना चाहती है, तो उसे यह पता करने का प्रयास करनाचाहिए कि बच्चों ने अपने दैनिक जीवन में जल की बचत कैसे प्रारम्भ की है। इस प्रकार के प्रश्नों का उत्तर देने के लिए बच्चे अपने दैनिक जीवन के अनुभवों पर विचार करेंगे और उससे सीखेंगे। साथ ही इस प्रकार के आकलन के माध्यम से उसके कक्षायी ज्ञान को दैनिक जीवन से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

284. एक शिक्षिका विद्यार्थियों को सुझाव देती है कि वे एक तालिका बनाएँ, जिसमें उनके द्वारा एक सप्ताह में उपयोग किए जाने वाले पानी की बालियों की संख्या लिखी गई हो। इस गतिविधि के बाद, वह पानी के प्रयोग और संरक्षण के बारे में चर्चा शुरू करती है। शिक्षिका कक्षा में किस प्रकार के अधिगम को प्रोत्साहित कर रही है?

- (a) वृत्त अध्ययन विधि
- (b) समस्या समाधान विधि
- (c) पूछताछ विधि
- (d) निगमनात्मक विधि

NVS PGT 2016

Ans : (b) यदि एक शिक्षिका विद्यार्थियों को सुझाव देती है कि वे एक तालिका बनाये, जिसमें उनके द्वारा एक सप्ताह में उपयोग किये जाने वाले पानी की बालियों की संख्या लिखी गयी हो। इस गतिविधि के बाद, वह पानी के प्रयोग और संरक्षण के बारे में चर्चा शुरू करती है तो इसका मतलब है कि शिक्षिका समस्या समाधान विधि के माध्यम से अधिगम को प्रोत्साहित कर रही है। इसमें छात्रों के सामने एक समस्या रखी जाती है और विद्यार्थी उसका मूल ढूँढ़ने के लिए प्रयास करते हैं।

285. आठवीं कक्षा का कोई छात्र यह कहता है “भारी वस्तुएँ जल में डूब जाती हैं और हल्की वस्तुएँ जल में तैरती हैं।” कक्षा VIII के विज्ञान शिक्षक के लिए इस पर प्रतिक्रिया देने के लिए सर्वोत्तम परामर्श क्या होगा?

- (a) उसे यह स्पष्ट कीजिए कि हल्का अथवा भारी आपेक्षिक पद है
- (b) इस कथन को स्वीकार कर लिया जाए, क्योंकि यह बच्चे की संकल्पना को इग्निट करता है जिसका आदर किया जाना चाहिए
- (c) बच्चे को स्पष्ट कीजिए कि यह वस्तु का भार नहीं वरन् उस वस्तु का घनत्व है जो यह निर्धारित करता है कि कोई वस्तु डूबेगी अथवा तैरेगी
- (d) प्रतिकारी उदाहरण दीजिए और विभिन्न आकृतियों, आकारों और भारों की वस्तुओं की व्यवस्था करके बच्चे को खोजने का अवसर प्रदान कीजिए

NVS PGT 2016

Ans : (d) यदि आठवीं कक्षा का कोई छात्र यह कहता है, कि “भारी वस्तुएँ जल में डूब जाती हैं और हल्की वस्तुएँ जल में तैरती हैं।” शिक्षक के लिए इस पर प्रतिक्रिया देने के लिए सर्वोत्तम परामर्श यह होगा कि वह प्रतिकारी उदाहरण दे और विभिन्न आकृतियों, आकारों और भारों की वस्तुओं की व्यवस्था करके बच्चे को खोजने का अवसर प्रदान करे।

286. नीचे दी गई कौन-सी परिस्थिति विद्यार्थियों को “ज्ञान की खोज” के लिए सर्वोत्तम अवसर प्रदान करती है?

- (a) विद्यार्थियों को टीम शिक्षण द्वारा ‘भोजन के अवयव’ विषय पर शिक्षा देना।
- (b) विद्यार्थियों को बीजों के अंकुरण का चित्र दिखाना
- (c) विद्यार्थी का “बीजों के अंकुरण” विषय पर योजनाबद्ध निर्देशन के परिष्कृत और विस्तृत सत्र में भाग लेना
- (d) विद्यार्थियों की अंकुरण से सबद्ध तथ्यों की प्रयोग के द्वारा खोज करने के लिए प्रोत्साहित करना

NVS PGT 2016

Ans : (d) जब बच्चों को अंकुरण से संबद्ध तथ्यों की प्रयोग के द्वारा खोज करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है तो ऐसी परिस्थिति विद्यार्थियों को “ज्ञान की खोज” के लिए सर्वोत्तम अवसर प्रदान करती है। ऐसी परिस्थितियाँ रचनावादी परिस्थिति कहलाती हैं।

287. एक शिक्षक कक्षा में एक जली मोमबत्ती को मेज पर रखता है। उसके बाद एक जार से उसे ढक देता है

1. कुछ देर बाद मोमबत्ती बुझ जाती है।
2. मोमबत्ती के जलने के लिए हवा आवश्यक है।
3. मोमबत्ती को जलते रहने के लिए ऑक्सीजन चाहिए।

उपर्युक्त तीन कथनों में से—

- (a) सभी कथन अनुमान हैं
- (b) केवल कथन 1 अवलोकन है
- (c) कथन 1 और 2 अवलोकन है
- (d) सभी कथन अवलोकन है

NVS PGT 2016

Ans : (c) उपर्युक्त प्रश्न में (i) कुछ देर बाद मोमबत्ती बुझ जाती है तथा (ii) मोमबत्ती के जलने के लिए हवा आवश्यक है, अवलोकन है क्योंकि इन दोनों उदाहरणों को प्रत्यक्ष रूप से देखा जा सकता है। दूसरी ओर मोमबत्ती को जलते रहने के लिए ऑक्सीजन चाहिए, यह उदाहरण अनुमान है।

288. नीचे दिये गए प्रश्नों में से कौन-सा ‘मुक्त-अंत वाला’ प्रश्न है?

- (a) ढालू वक्र सड़कों पर फिसलने से किस प्रकार रोकते हैं?
- (b) केले के छिलके पर फिसल कर तुम्हें कैसा लगा?
- (c) क्या धर्षण बल है
- (d) किसी पीपे (बैरल) को समतल पृष्ठ पर सरकाने की तुलना में उसे तुड़काना आसान क्यों होता है?

NVS PGT 2016

Ans : (b) केले के छिलके पर फिसल कर तुम्हें कैसा लगा? इस प्रकार के प्रश्न मुक्त उत्तरीय प्रश्न होते हैं। ऐसे प्रश्न जिनके द्वारा विद्यार्थियों की व्यक्तिगत शक्ति, अभिव्यक्ति व सृजनात्मकता का परीक्षण किया जा सके मुक्त उत्तरीय प्रश्न कहलाते हैं।

289. विज्ञान के ‘नियमों’ और ‘सिद्धांतों’ के विषय में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य है?

- (a) सिद्धांत और नियम एक ही हैं और एक ही प्रकार्य करते हैं सिवाय इसके कि नियम सिद्धांतों का ही संक्षिप्त रूप होते हैं
- (b) नियम दृष्टिगोचर तथ्यों के सम्बन्धों में साधारणीकृत वर्णन है और सिद्धांत दृष्टिगोचर तथ्यों के स्पष्टीकरण
- (c) वैध ठहराए जाने का सिद्धांत ही नियम बन जाते हैं
- (d) ‘सिद्धांत’ केवल जीव विज्ञान में मिलते हैं और ‘नियम’ केवल भौतिक विज्ञान में मिलते हैं

NVS PGT 2016

Ans : (b) विज्ञान के नियम दृष्टिगोचर तथ्यों के संबंधों में साधारणीकृत वर्णन हैं और सिद्धांत दृष्टिगोचर तथ्यों के स्पष्टीकरण।

290. कोई विज्ञान शिक्षिका अपने छात्रों का विभिन्न प्रकरण कौशलों में मूल्यांकन करना चाहती है तो मूल्यांकन करने के लिए नीचे दिया गया कौन-सा साधन सर्वाधिक उपयुक्त होगा?

- (a) कागज पेसिल परीक्षण
- (b) साक्षात्कार
- (c) प्रश्नावली
- (d) प्रेक्षण सूची

NVS PGT 2016

Ans : (b) यदि कोई विज्ञान शिक्षिका अपने छात्रों का विभिन्न प्रकरण कौशलों में मूल्यांकन करना चाहती है तो मूल्यांकन का सर्वाधिक उपर्युक्त विधि साक्षात्कार विधि हो सकती है। कौशल परीक्षाओं में विद्यार्थी लिखकर उत्तर नहीं देते वरन् वे अपने विषय की योग्यता का परिचय किसी कार्य को करके देते हैं। इस प्रकार की परीक्षाओं का प्रयोग संगीत, कला तथा विज्ञान आदि विषयों में विशेष रूप से किया जाता है।

291. निम्नलिखित में से विज्ञान शिक्षण का कौन-सा लक्ष्य उच्च प्राथमिक स्तर पर नहीं होना चाहिए?

- विज्ञान के तथ्यों को सीखने वालों को प्रस्तुत करना
- विज्ञान शिक्षा को सीखने वाले प्रतिदिन के अनुभव से सम्बन्धित करना
- जिज्ञासा का पोषण एवं वैज्ञानिक स्वभाव का विकास करना
- मूल्यों को आत्मसात करना

NVS PGT 2016

Ans : (d) प्राथमिक स्तर पर विज्ञान शिक्षण के निम्नलिखित उद्देश्य होने चाहिए-

- विज्ञान के तथ्यों को सीखने वालों को प्रस्तुत करना।
- विज्ञान शिक्षा को सीखने वाले प्रतिदिन के अनुभव से सम्बन्धित करना।
- जिज्ञासा का पोषण एवं वैज्ञानिक स्वभाव का विकास करना।

292. शिक्षक द्वारा कक्षा VII के बच्चों के लिए “पानी बचाओ” विषय पर अधिगम को किस प्रकार अधिक सार्थक बनाया जा सकता है?

- पहेली प्रतियोगिता करवा कर
- पोस्टर बनवाकर
- निवंध लिखवाकर
- बच्चों को पानी की खपत पर अपने मुहल्ले के लोगों का साक्षात्कार तथा ‘जल-जाँच’ करवाकर

NVS PGT 2016

Ans : (b) शिक्षक द्वारा कक्षा VII के बच्चों के लिए “पानी बचाओ” विषय पर अधिगम को सार्थक बनाने के लिए बच्चों से पोस्टर बनवाया जा सकता है क्योंकि जब छात्र ‘पानी बचाओ’ विषय पर पोस्टर बनायेंगे तो वे अपने पूर्व में देखे गये अनुभवों और प्रत्यक्षण का उपयोग करेंगे।

293. कक्षा VI के विद्यार्थियों को ‘पाचन’ पर पढ़ाने से पहले एक अध्यापक उन्हें मानव शरीर का एक रेखांकन देता है और उन्हें कहता है कि वे उन सभी अंकों को चित्रित करें जिनसे होकर उनके विचार से भोजन उनके खाने के बाद गुजरता है।

इस प्रश्न को पूछने के लिए अध्यापक का क्या उद्देश्य हो सकता है?

- पता लगाना कि किस विद्यार्थी ने पहले से पाठ पढ़ा हुआ है और कक्षा में तैयारी करके आना तथा तदनुसार उनका श्रेणीकरण करना
- विद्यार्थियों की रेखांचित्र बनाने को परखना, क्योंकि जीव विज्ञान में रेखांचित्र बनाना एक महत्वपूर्ण कौशल है
- पाचन तंत्र के बारे में विद्यार्थियों की समझ को समझना और तदनुसार उनका श्रेणीकरण करना
- मानव शरीर और पाचन के बारे में विद्यार्थियों के पूर्व विचारों की पड़ताल करना ताकि भावी शिक्षण-अधिगम सत्र को तदनुसार नियोजित किया जा सके

NVS PGT 2016

Ans : (d) उपर्युक्त प्रश्न पूछने का अध्यापक का यह उद्देश्य हो सकता है कि मानव शरीर और पाचन के बारे में विद्यार्थियों के पूर्व विचारों की पड़ताल करना ताकि भावी शिक्षण अधिगम सत्र का तदनुसार नियोजित किया जा सके।

294. कक्षा 7 की एक अवधारणा “धुआँ ऊपर क्यों उठता है?” पर प्रभावशाली चर्चा के लिए एक विज्ञान शिक्षक को-

- चर्चा के दौरान कम प्रश्न पूछने चाहिए
 - बच्चों को एक समान मंच देना चाहिए
 - बच्चों की रुचि बनाए रखने के लिए उनकी प्रतिक्रियाओं को स्वीकारना चाहिए
 - चर्चा के अंत में बच्चों के विचारों का सारांश करते हुए आकलन करना चाहिए
- 3 और 4
 - 1 और 2
 - 2, 3 और 4
 - 4 केवल

NVS PGT 2016

Ans : (c) ‘धुआँ ऊपर क्यों उठता है?’ पर प्रभावशाली चर्चा के लिए एक विज्ञान शिक्षक को निम्न कार्य करने चाहिए-

- बच्चों को एक समान मंच देना चाहिए।
- बच्चों की रुचि बनाये रखने के लिए उनकी प्रतिक्रियाओं को स्वीकारना चाहिए।
- चर्चा के अंत में बच्चों के विचारों का सारांश करते हुए आकलन करना चाहिए।

295. निम्नलिखित में से किस विकल्प को दण्ड आरेख (bar diagram) द्वारा सबसे अच्छे तरीके से दर्शाया जा सकता है?

- वायुदाब
- तापमान
- वर्षा
- आर्द्रता

KVS TGT 2018

Ans : (c) वर्षा को दण्ड आरेख द्वारा अच्छे से दर्शाया जा सकता है।

296. कक्षा VIII एन.सी.ई.आर.टी. की पाठ्य-पुस्तक में दिए गए निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए-

नाइलॉन प्रबल और लचीला होता है। जब 1939 में नाइलॉन सामने आया, तो उसके मोहक गुणों ने जनता में सनसनी अथवा नाइलॉन-उन्माद उत्पन्न कर दिया। इस नए रेशे से बने महिलाओं के मोर्जों की भारी माँग थी। परन्तु दुर्भाग्य से द्वितीय विश्वयुद्ध (1939–1945) के चलते नाइलॉन उत्पादन का अधिकांश भाग पैराशूट बनाने हेतु काम में लिया जाने लगा। युद्ध के बाद, जब मोर्जों का उत्पादन पुनः प्रारम्भ हुआ तो माँग के अनुसार पूर्ति नहीं हो सकी। इस उत्पाद के लिए एक भारी काला बाजार था, एक जोड़ा मोर्जे के लिए महिलाओं को कई घण्टे लाइन में लगाना पड़ता था। कई बार ‘नाइलॉन उपद्रव’ भी हो जाते थे।

विज्ञान की पाठ्य-पुस्तक में उपर्युक्त को शामिल करने की क्या सार्थकता है?

- विज्ञान में ऐतिहासिक परिश्रेष्ट का विकास एवं विचारों का विकास करना
- यह समझ विकसित करना कि नए आविष्कार किस तरह नई माँगों को उत्पन्न करते हैं
- विज्ञान की समग्र समझ का विकास करना
- ऐसे घटना वृत्तांतों को शामिल करने से विज्ञान की पाठ्य-पुस्तक आसान और सरल बनती हैं

- (a) (A), (B) और (C) (b) केवल (A) और (C)
 (c) केवल (B) और (C) (d) (A) और (D)

KVS TGT 2018

Ans : (d) विज्ञान की पाठ्य-पुस्तक में उपर्युक्त प्रकार की कहानियों को शामिल करने से विषय की ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य का विकास एवं विचारों का विकास संभव होता है एवं ऐसी घटना, वृत्तांतों को शामिल करने से विज्ञान की पाठ्य पुस्तक आसान, सरल और रुचिकर बनती है और यह विषय सम्बन्धी अधिगम को सुगम बनाने में सहायक होती है।

297. कभी-कभी शिक्षार्थियों को विज्ञान अवधारणाओं से जुड़ी वैकल्पिक अवधारणा होती है। विज्ञान शिक्षक को क्या करना चाहिए?

- (a) अवैज्ञानिक विचारों के लिए शिक्षार्थियों को डॉटें
 (b) शिक्षार्थियों को बताएँ कि उनके विचार 'गलत' हैं और उन्हें सही विचार पढ़ाएँ
 (c) उनके विचारों की उपेक्षा करें
 (d) विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अपने विचारों पर पुनः विचार करने में शिक्षार्थियों की मदद करें

KVS TGT 2018

Ans : (d) विज्ञान शिक्षक होने के नाते शिक्षार्थियों की विज्ञान सम्बन्धी वैकल्पिक अवधारणा के समाधान के लिए विद्यार्थियों को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अपने विचारों पर पुनः विचार करने में उनकी मदद करेंगे ताकि वे अपने तर्कों को सही उपयोग कर सकें।

298. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से एक अच्छा विज्ञान कक्षा की ओर संकेत करता है/करते हैं?

- (A) शिक्षार्थी स्वयं अपने प्रयोग करते हैं और अपने अवलोकनों को दर्ज करते हैं
 (B) शिक्षार्थी, शिक्षक द्वारा दिए गए निर्दशन/प्रदर्शन का अवलोकन करते हैं और उसके चरणों को लिखते हैं
 (C) शिक्षार्थी प्रश्न पूछने के लिए स्वतंत्र हैं
 (D) शिक्षक शिक्षण के लिए पाठ्य-पुस्तक के साथ-साथ विविध संसाधनों का उपयोग करता है
 (a) (A), (C) और (D)
 (b) (A) और (C)
 (c) केवल (B)
 (d) (B) और (D)

KVS TGT 2018

Ans : (b) एक अच्छी विज्ञान कक्षा के निम्न गुण हैं—
 ■ विद्यार्थी स्वयं अपने प्रयोग करते हैं और अपने अवलोकनों को दर्ज करते हैं।
 ■ विद्यार्थी कक्षा में प्रश्न पूछने के लिए स्वतंत्र होते हैं।
 ■ विद्यार्थी अपने अनुभवों से सीखते हैं।

299. निम्नलिखित आकलन युक्तियों में से कौन-सी युक्ति विज्ञान कक्षा में विद्यार्थियों को प्रयोगिक कौशल को आकलित करने के लिए सबसे अधिक उचित है?

- (a) कागज पेंसिल परीक्षा
 (b) प्रयोग अभिलेख
 (c) जाँच-सूची (चेक लिस्ट)
 (d) अवधारणा प्रतिचत्रण (Concept mapping)

KVS TGT 2017

Ans : (d) अवधारणा प्रतिचित्रण विज्ञान कक्षा शिक्षण में प्रयोगिक कौशल को आकलित करने के लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण होता है क्योंकि यह एक समूह या प्रणाली के सदस्यों के बीच आपसी संबंध को दर्शाता है।

300. “पानी के नल को खोलिए। इसे पतली धार के लिए समायोजित कीजिए। किसी रिफिल को आवेशित कीजिए। इसे जल की धारा के निकट लाइए। प्रेक्षण कीजिए कि क्या होता है। इस गतिविधि का संक्षिप्त रिपोर्ट लिखिए।”

इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों में विकसित कौशल है/हैं?

- (a) केवल प्रयोग करना
 (b) अवलोकन, प्रयोग करना तथा सम्प्रेषण
 (c) अवलोकन, प्रयोग करना तथा सृजनात्मकता
 (d) केवल अवलोकन

KVS TGT 2017

Ans : (b) उपर्युक्त गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों में अवलोकन कौशल, प्रयोग करने तथा सम्प्रेषण कौशल को विकसित किया जा रहा है। विद्यार्थी स्वयं से प्रयोग कर, अवलोकन करेगा तथा प्रायोगिक गतिविधि का वर्णन करना संप्रेषण कौशल के अंतर्गत आता है।

301. विज्ञान की प्रकृति के सम्बन्ध में उस कथन को पहचान कीजिए जो ठीक न हो।

- (a) विज्ञान की पद्धति और अन्य क्षेत्रों से उसका सीमांकन दार्शनिक वाद-विवाद का विषय रहा है
 (b) विज्ञान के अधिकतर स्थापित और सार्वभौमिक नियमों को नए अवलोकनों, प्रयोगों और विश्लेषण के सन्दर्भ में हमेशा संशोधनीय, अनन्तिम माना जाता है
 (c) विज्ञान में अनुमान और अटकल का भी स्थान होता है लेकिन अंततः वैज्ञानिक सिद्धांत और प्रासंगिक अवलोकनों एवं/अथवा प्रयोगों द्वारा अवश्य सत्यापित कर स्वीकार किया जाए
 (d) विज्ञान को तटस्थ और वस्तुनिष्ठ के रूप में देखा जाता है और विज्ञान के नियमों को स्थिर माना जाता है

KVS TGT 2017

Ans : (c) विज्ञान में अनुमान और अटकल का भी स्थान है लेकिन अंततः वैज्ञानिक सिद्धांत और प्रासंगिक अवलोकनों द्वारा अवश्य सत्यापित कर स्वीकार किया जाए, यह कथन विज्ञान की प्रकृति के सम्बन्ध में ठीक नहीं है।

302. ऊर्जा संरक्षण (Save Energy) विषय को पढ़ाने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सी युक्ति शिक्षण के लिए सबसे उचित है?

- (A) विद्यार्थियों को ऊर्जा संरक्षण पर नारे लिखने के लिए कहना
 (B) ऊर्जा संरक्षण के लिए कम-से-कम पाँच तरीके लिखना
 (C) ऊर्जा संरक्षण प्रदर्शित करने के लिए नमूना/परियोजना बनाना
 (D) विद्यार्थियों को अपने जीवन में विभिन्न तरीकों से ऊर्जा संरक्षण के लिए प्रोत्साहित करना
 (a) (B), (C) और (D)
 (b) (A), (B) और (C)
 (c) (A), (B) और (D)
 (d) (A), (C) और (D)

KVS TGT 2017

Ans : (b) ऊर्जा संरक्षण विषय को पढ़ाने के लिए शिक्षक के लिए उचित युक्ति निम्न है—

- विद्यार्थियों को ऊर्जा संरक्षण पर नारे लिखने के लिए कहना
- ऊर्जा संरक्षण के लिए कम-से-कम पाँच तरीके लिखना।
- ऊर्जा संरक्षण प्रदर्शित करने के लिए नमूना/परियोजना/ मॉडल बनाना
- ऊर्जा संरक्षण विषय पर सेमिनार आयोजित करना।

303. “ताँबा, जस्ता को उसके नमक के घोल (Salt solution) से अलग नहीं कर सकता है। कारण दीजिए।”

कक्षा VIII के विद्यार्थियों द्वारा निम्नलिखित कारण दिए गए-

- (A) ताँबा, जस्ते से अधिक अभिक्रियाशील है
 - (B) ताँबा, जस्ते से कम अभिक्रियाशील है
 - (C) जस्ता, उत्कृष्ट धातुओं में से एक है
 - (D) अभिक्रिया श्रृंखला में जस्ता, ताँबे के नीचे होता है
- कक्षा VIII के विद्यार्थियों द्वारा दिए गए कारणों में से सही कारण/कारणों को चुनिए-
- (a) केवल (B) (b) (A) और (B)
 - (c) केवल (A) (d) (C) और (D)

KVS TGT 2017

Ans : (c) “ताँबा, जस्ता को उसके नमक के घोल से अलग नहीं कर सकता है क्योंकि ताँबा, जस्ते से अधिक अभिक्रियाशील है।

304. निम्नलिखित में से मुक्त अंत वाला/वाले प्रश्न को (open ended question) पहचानिए-

- (A) हमारे शरीर की मांसपेशियों के प्रोटीन का नाम बताएँ
 - (B) गुलाब के पौधे, आम के पेड़ और तुलसी के तने में क्या अन्तर है?
 - (C) साँप और घोंघे की गति-शैली में बहुत अन्तर होता है। ऐसा क्यों है? अनुमान लगाओ
 - (D) विभिन्न जड़ों का अवलोकन कीजिए और उनकी विशेषताएँ लिखिए।
- (a) (A) और (C) (b) (B) और (D)
 - (c) केवल (A) (d) केवल (C)

KVS TGT 2017

Ans : (d) साँप और घोंघे की गति-शैली में बहुत अन्तर होता है। ऐसा क्यों है? अनुमान लगाओ। यह मुक्त अंत वाला प्रश्न है। ऐसे प्रश्न जिनके द्वारा विद्यार्थियों की व्यक्तिगत शक्ति, अभिव्यक्ति व सृजनात्मकता का परीक्षण किया जा सके, मुक्त अंत वाले प्रश्न कहलाते हैं।

305. विज्ञान पाठ्यक्रम की प्रक्रियात्मक वैधता (process validity) के मानदण्ड की अपेक्षा है कि-

- (a) शिक्षार्थियों को ऐसी प्रक्रियाओं में व्यस्त रखा जाना चाहिए जो वैज्ञानिक सोच को पैदा करने की दिशा में ले जाती हों
- (b) विज्ञान को एक ऐसे विशेष दिवस के रूप में पढ़ाया जाना चाहिए जिसकी अनूठी विशिष्टताएँ हैं
- (c) विज्ञान को मूल्यों से मुक्त सामाजिक सरोकारों से अप्रभावित विषय के रूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए
- (d) शिक्षार्थियों को विभिन्न प्राकृतिक प्रक्रियाओं से सुपरिचित कराया जाना चाहिए

DSSSB PRT 2018

Ans : (a) विज्ञान पाठ्यक्रम की प्रक्रियात्मक वैधता (Process Validity) के मानदण्ड की अपेक्षा है कि शिक्षार्थियों को ऐसी प्रक्रियाओं में व्यस्त रखा जाना चाहिए जो वैज्ञानिक सोच को पैदा करने की दिशा में ले जाती हों।

306. विज्ञान में व्यावहारिक/प्रयोगात्मक गतिविधियाँ संचालित करने का उद्देश्य निम्नलिखित में से कौन-सा नहीं है?

- (a) वे हस्तकौशल-युक्त कौशलों के विकास में सहायक हों।
- (b) वे उच्च अंक या ग्रेड पाने में सहायक हों।

(c) वे विज्ञान के विचारों की समझ बढ़ाएँ

(d) वे समस्या-समाधान का अवसर प्रदान करें

DSSSB PRT 2018

Ans : (b) विज्ञान में व्यावहारिक/प्रयोगात्मक गतिविधियाँ संचालित करने का निम्नलिखित उद्देश्य हैं-

(i) वे हस्तकौशल युक्त कौशलों के विकास में सहायक हों।

(ii) वे विज्ञान के विचारों की समझ बढ़ाएँ।

(iii) वे समस्या-समाधान का अवसर प्रदान करें।

जबकि ‘वे उच्च अंक या ग्रेड पाने में सहायक हों।’ यह कथन गलत है।

307. एक शिक्षक कक्षा VII के विद्यार्थियों से निम्नलिखित प्रश्न पूछता है-

“एक फ्रिज से बर्फ के दो समान घनाभ लिए जाते हैं। उनमें से एक को चूर्णित किया जाता है और दूसरे को ऐसा ही छोड़ दिया जाता है। यह देखा गया कि चूर्णित बर्फ जलदी पिघलती है। इसका क्या कारण हो सकता है?”

(a) चरों पर नियंत्रण (controlling variables)

(b) प्रयोगात्मकता

(c) प्रेक्षण

(d) परिकल्पना करना (Hypothesizing)

DSSSB PRT 2018

Ans : (d) शिक्षक उपर्युक्त प्रश्न द्वारा विद्यार्थी को परिकल्पना करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। विद्यार्थी इस प्रश्न का उत्तर ढूँढ़ने के लिए अपने पूर्व ज्ञान की सहायता से बताएंगे कि चूर्णित बर्फ क्यों जलदी पिघल जाता है जबकि घनाभ वाला बर्फ का टुकड़ा देर में पिघलता है।

308. कक्षा VII का एक शिक्षक कक्षा में निम्नलिखित क्रियाकलाप का प्रदर्शन करता है-

“एक पत्ती को परखनली में लिया जाता है और उसके ऊपर स्पिरिट उड़ेला जाता है। इसके बाद परखनली को पानी से आधे भरे बीकर में रखा जाता है और उसे तब तक गर्म किया जाता है जब तक पत्ती का रंग न उड़ जाए। उसके बाद पत्ती को बाहर निकाला जाता है और आयोडीन की कुछ बूँदें उस पर डाली जाती हैं। पत्ती का रंग नीला-काला हो जाता है।”

इस क्रियाकलाप के बाद शिक्षक अधिगम के विभिन्न सूचकों के आकलन के लिए कुछ प्रश्न देता है।

निम्नलिखित में से कौन-सा ‘विश्लेषण’ का आकलन करेगा?

(a) क्या क्लोरोफिल को हटाए बिना यह प्रयोग किया जा सकता है

(b) पत्ती को हानि न पहुँचे, इसके लिए क्या सावधानी बरती गई

(c) परखनली में स्पिरिट उड़ेलते समय क्या सावधानी बरती गई

(d) जब पत्ती पर घोल उड़ेला गया, तो रंग का क्या हुआ

DSSSB PRT 2018

Ans : (a) ‘क्या क्लोरोफिल को हटाए बिना यह प्रयोग किया जा सकता है।’ यह प्रश्न उपर्युक्त क्रियाकलाप के बाद विश्लेषण का आकलन करेगा।

309. अगर आप चाहते हैं कि कक्षा VI के विद्यार्थी नमक और रेत के मिश्रण को अलग करने के लिए नमक की पानी में विलेयता के गुण को पहचान सकें। प्रतिप्रश्न-उन्मुख शिक्षण के समर्थक होने के नाते आप-

- (a) रेत और नमक के मिश्रण को लेंगे, उसका पृथक् किया जाना दिखाएंगे और उसके बाद विद्यार्थियों से स्वयं पुरावृत्ति के लिए कहेंगे
- (b) विद्यार्थियों को रेत और नमक का मिश्रण उपलब्ध कराएंगे, उन्हें पृथक् करने की विविध विधियों पर सोचने के लिए कहेंगे और उन्हें अपने विचार आजमाने में सहायता करेंगे
- (c) पहले मिश्रण को पृथक् करने की विभिन्न विधियों को समझाएंगे और उसके बाद रेत और नमक के मिश्रण को पृथक् करना समझाएंगे
- (d) पहले विद्यार्थियों को उन विभिन्न विधियों के बारे में परिकल्पना करने को कहेंगे, जिनसे रेत और नमक को अलग किया जा सके और विस्तृत स्पष्टीकरण के बाद उन्हें सही उत्तर तक ले जाएंगे

DSSSB PRT 2018

Ans : (b) अगर एक शिक्षक यह चाहता है कि कक्षा VI के विद्यार्थी नमक और रेत के मिश्रण को अलग करने के लिए नमक को पानी में विलेयता के गुण को पहचान सकें। प्रतिप्रश्न- उन्मुख शिक्षण के समर्थक होने के नाते उसे विद्यार्थियों को रेत और नमक का मिश्रण उपलब्ध कराना चाहिए। उन्हें पृथक् करने की विभिन्न विधियों पर सोचने के लिए कहना चाहिए और उन्हें अपने विचार आजमाने में सहायता करना चाहिए। इस क्रियाकलाप से वे स्वयं क्रिया करके सीख सकेंगे।

310. एक विज्ञान शिक्षिका अपने विद्यार्थियों को एक समतल सतह पर तेल और चीनी के घोल, दोनों की दो-दो बूँदें रखने को कहती है। उसके बाद वह उन्हें सतह को टेढ़ा करने और उन बूँदों के नीचे पहुँचने के क्रम का प्रेक्षण करने को कहती है। इस क्रियाकलाप से शिक्षिका द्वारा किस गुण को विद्यार्थियों के संज्ञान में लाना चाहती है?

- (a) परिमाण (Volume)
- (b) बिन्दु (Point)
- (c) झ्यानता (Viscosity)
- (d) विलेयता (Solubility)

DSSSB PRT 2018

Ans : (c) यदि एक विज्ञान शिक्षिका अपने विद्यार्थियों को एक समतल सतह पर तेल और चीनी के घोल, दोनों की दो-दो बूँदें रखने को कहती है। उसके बाद वह उन्हें सतह को टेढ़ा करने और उन बूँदों के नीचे पहुँचने के क्रम का प्रेक्षण करने को कहती है तो इस क्रियाकलाप से शिक्षिका द्वारा के झ्यानता गुण को विद्यार्थियों के संज्ञान में लाना चाहती है।

निर्देश (311 से 313): निम्नलिखित अवतरण पर आधारित हैं— शिक्षक द्वारा प्रदर्शित एक कटोरे में पानी उबालने और उसका वाष्पीकरण हो जाने के प्रयोग को देखने के बाद 7-8 वर्ष के बच्चे के द्वारा दिए गए उत्तर इस प्रकार है-

- “पानी गुम हो गया”
- “कटोरे ने पानी पी लिया”
- “आग ने पानी पी लिया”
- “भगवान ने पानी पी लिया”

311. ये उत्तर बच्चों और उनके विचारों के बारे में क्या बताते हैं?

- (a) बच्चों के उत्तर तर्कसंगत नहीं हैं
- (b) बच्चों की सोच गलत है
- (c) बच्चे अच्छा अवलोकन नहीं कर पाते
- (d) वाष्पीकरण के बारे में बच्चों के विकल्पी विचार हैं

DSSSB PRT 2017

Ans : (d) बच्चों के उपर्युक्त उत्तर वाष्पीकरण के बारे में विकल्पी विचार हैं। 7-8 वर्ष के बालक प्रायः मूर्त वस्तुओं के संबंध में ही चिंतन कर पाते हैं। उनकी अमूर्त अवधारणाएँ अभी स्पष्ट नहीं हुई रहती हैं। इसलिए बच्चे इस प्रकार के उत्तर देते हैं।

312. शिक्षक को इन उत्तरों का सामना किस प्रकार करना चाहिए?

- (a) जलचक्र का एक मानक चार्ट प्रदर्शित करें
- (b) वाष्पीकरण की परिभाषा दें और बच्चों को उसे याद रखने के लिए कहें
- (c) उनके विचारों तक पुनः पहुँचने के लिए एक चर्चा प्रारम्भ करें
- (d) बच्चों को बता दें कि वे गलत हैं

DSSSB PRT 2017

Ans : (c) शिक्षक को उनके विचारों तक पुनः पहुँचने के लिए एक चर्चा प्रारम्भ करनी चाहिए ताकि इन उत्तरों का सामना किया जा सके। शिक्षक चर्चा-परिचर्चा के माध्यम से बच्चों को वाष्पीकरण और जलचक्र की संकल्पनाओं को समझा सकता है।

313. ‘वाष्पीकरण’ (evaporation) विषय पर बच्चों की विविध सोच का आकलन करने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा प्रश्न एक नमूना हो सकता है?

- (a) क्या होता यदि जलचक्र होता ही नहीं?
- (b) जलचक्र के क्रम के सोपानों की सूची बनाइए
- (c) जलचक्र का आरेख बनाइए और उसे नामित कीजिए
- (d) जलचक्र के पाँच लाभ लिखिए

DSSSB PRT 2017

Ans : (a) “क्या होता यदि जलचक्र होता ही नहीं”— यह प्रश्न ‘वाष्पीकरण (evaporation) विषय पर बच्चों की विविध सोच का आकलन करने के लिए एक नमूना प्रश्न हो सकता है।

4. सामाजिक विज्ञान शिक्षण

314. सामाजिक विज्ञान की एक कक्षा में, राष्ट्रीय आंदोलन विषय के तहत, एक स्थानीय संग्रहालय की मदद से दिखाई गई पैटिंग और फोटो व्यक्त करती है।

- (a) राष्ट्रीय आंदोलन का समय
- (b) स्थानीय धारणाएँ
- (c) स्थानीय परंपराएँ
- (d) स्थानीय संसाधन

NVS, PGT 19-09-2019

Ans : (b) सामाजिक विज्ञान की एक कक्षा में, राष्ट्रीय आंदोलन विषय के तहत स्थानीय संग्रहालय की मदद से दिखाई गई पैटिंग और फोटो स्थानीय धारणाएँ व्यक्त करती हैं। बच्चों को सामाजिक विज्ञान जैसे विषय पढ़ाने के लिए स्थानीय संदर्भों का उपयोग करना बेहतर होता है क्योंकि बच्चे स्थानीय संदर्भों से राष्ट्रीय संदर्भों को बेहतर तरीके से समझ सकते हैं।

315. सामाजिक विज्ञान का कौन सा क्षेत्र 'बहुलता' और 'परिवर्तन' की अवधारणाओं को सिखाता है?

- (a) इतिहास (b) अर्थशास्त्र
(c) भूगोल (d) राजनीतिशास्त्र

NVS, TGT 18-09-2019 (II)

Ans : (a) सामाजिक विज्ञान का इतिहास विषय 'बहुलता' और 'परिवर्तन' की अवधारणाओं को सिखाता है। इतिहास में देश के विभिन्न संस्कृतियों, सामाजिक क्रियाकलापों, सम्पत्ति तथा उनके क्रियिक परिवर्तनों का अध्ययन किया जाता है।

316. सामाजिक विज्ञान पढ़ाने और सीखने का मुख्य लक्ष्य नहीं है।

- (a) जीवन को समझना
(b) स्वयं को समझना
(c) जीवन के सामाजिक आयामों को समझना
(d) सामाजिक चुनौतियों को समझना

NVS, PGT 17-09-2019

Ans : (b) सामाजिक विज्ञान पढ़ाने और सीखने का मुख्य लक्ष्य निम्न हैं-

- जीवन को समझना
- जीवन के सामाजिक आयामों को समझना
- सामाजिक चुनौतियों को समझना
- प्राकृतिक और सामाजिक वातावरण को समझना
- वाठनीय प्रवृत्तियों का विकास करना
- सदव्यवहार का प्रशिक्षण प्रदान करना
- छात्रों में नैतिकता का विकास करना

317. अपने परिवेश को बदलने में मनुष्य की भूमिका किस विषय के द्वारा समझी जा सकती है?

- (a) भूगोल (b) इतिहास
(c) जीव विज्ञान (d) राजनीतिशास्त्र

PRT KVS 15-12-2013

Ans : (a) अपने परिवेश को बदलने में मनुष्य की भूमिका भूगोल विषय के द्वारा समझी जा सकती है। मानव भूगोल में मानव वर्गों और उनके वातावरण की शक्तियों, प्रभावों तथा प्रक्रियाओं के पारस्परिक कार्यात्मक सम्बन्धों का अध्ययन, प्रादेशिक आधार पर किया जाता है।

318. यदि बालक ग्लोब को पढ़ना एवं समझना सीख गया है, तो उसमें विकास हुआ है-

- (a) भूगोल सम्बन्धी कौशलों का
(b) भूगोल सम्बन्धी निरीक्षण कौशलों का
(c) प्रयोग सम्बन्धी कौशलों का
(d) परिवर्तन सम्बन्धी कौशलों का

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (b) यदि बालक ग्लोब को पढ़ना एवं समझना सीख गया है तो इसका मतलब है कि उसमें भूगोल सम्बन्धी निरीक्षण कौशलों का विकास हो गया है। भूगोल विषय को समझने के लिए ग्लोब, नक्शा, चार्ट आदि को समझना आवश्यक होता है। अतः जब बच्चा ग्लोब को पढ़ना एवं समझना सीख जाता है तो इसका अर्थ है कि वह भूगोल के बुनियादी बातों को भी सीख गया है।

319. सामाजिक विज्ञान विषय को सर्वप्रथम किस देश में प्रारम्भ किया गया?

- (a) भारत (b) इंग्लैण्ड
(c) अमेरिका (d) यूरोप

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) सामाजिक विज्ञान विषय को सर्वप्रथम अमेरिका में प्रारम्भ किया गया। अमेरिकन एकेडमी ऑफ पालिटिकल एण्ड सोशल साइंस की स्थापना वर्ष 1889 में सामाजिक विज्ञान में प्रगति को बढ़ावा देने के लिए की गयी थी।

320. इतिहास की पाठ्य पुस्तक में, प्रत्येक पाठ में बहुत से स्रोत दिए गए हैं-

- (a) लेखक की सूजनात्मक दक्षता को सत्यापित करने हेतु
(b) यह बताने के लिए कि एक से अधिक स्रोत सदैव श्रेष्ठतर होते हैं
(c) प्रकरण (Topic) के चयन को न्यायोचित ठहराने हेतु
(d) विद्यार्थियों को अन्य स्रोतों पर कार्य करने तथा निष्कर्ष निकालने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (d) इतिहास की पाठ्यपुस्तक में प्रत्येक पाठ में बहुत से स्रोत दिये गये हैं ताकि विद्यार्थियों को अन्य स्रोतों पर कार्य करने तथा निष्कर्ष निकालने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। स्रोतों का प्रयोग करके शिक्षक छात्रों की जिज्ञासा को जागृत करके उनको अध्ययन एवं अनुसंधान कार्य करने के लिए प्रेरित कर सकता है। धीरे-धीरे उनको स्वतंत्र रूप से स्रोतों का उपयोग करने के लिए भी तैयार किया जा सकता है।

321. 'सामाजिक समानता' पढ़ाते समय, शिक्षण का सबसे उपयुक्त उपागम क्या होना चाहिए?

- (a) अस्पृश्यता के व्यवहार की विस्तार से व्याख्या करना
(b) पाठ्यपुस्तक में संकल्पना से सम्बन्धित दिए गए वर्णन की व्याख्या करना
(c) 'सामाजिक समानता' से जुड़ी पाठ्यसामग्रियों की समीक्षा के लिए विद्यार्थियों को परियोजना कार्य देना
(d) समुदायों से अनुभवों के दृष्टांत देना, जो बच्चे का सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश बनाते हैं

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (d) 'सामाजिक समानता' विषय-वस्तु पढ़ाते समय शिक्षक को समुदायों से अनुभवों के दृष्टांत देना चाहिए जो बच्चे का सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश बनाते हैं। बच्चों के सामने भारत में विद्यमान सामाजिक असमानता जैसे लैंगिक भेदभाव, जातीय भेदभाव, दलित, क्षेत्रीय भेदभाव, अल्पसंख्यकों के प्रति भेदभाव और उन भेदभाव व असमानता को रोकने के लिए संवैधानिक प्रावधानों को इस प्रकार प्रस्तुत करना चाहिए कि वे उनके सामाजिक व सांस्कृतिक परिवेश से संबंधित हो तथा उनके अनुभवों पर आधारित हों।

322. एक सामाजिक अध्ययन की अध्यायिका महाद्वीप और महासागरों की स्थिति बताना चाहती है। उसे मानचित्र प्रयोग में लेना चाहिए

- (a) संसार राजनीतिक का (b) संसार भौतिक का
(c) भारत भौतिक का (d) भारत राजनीतिक का

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (b) यदि किसी शिक्षिका को सामाजिक अध्ययन विषय में महाद्वीप और महासागरों की स्थिति बताना है तो उसे संसार का भौतिक मानचित्र प्रयोग में लाना चाहिए क्योंकि संसार के भौतिक मानचित्र में संसार के भौतिक स्वरूपों का निरूपण रहता है जैसे-पठार, महाद्वीप, महासागर, झील, पर्वत, नदियाँ, मैदान, मरुस्थल आदि।

323. विद्यार्थियों में सामाजिक विज्ञान में रुचि उत्पन्न करने के लिए अध्यापक को चाहिए कि वह-

- (a) समान शिक्षण-विधियों का प्रयोग करें
- (b) पाठ्य पुस्तक से पढ़ाए
- (c) विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने हेतु अवसर न दे
- (d) क्रिया आधारित (Activity based) शिक्षण करें

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (d) विद्यार्थियों में सामाजिक विज्ञान में रुचि उत्पन्न करने के लिए अध्यापक को चाहिए कि वह क्रिया आधारित शिक्षण करे। क्रिया आधारित शिक्षण में छात्र स्वयं करके सीखते हैं जिससे उनकी अधिकांश ज्ञानेन्द्रियाँ सीखने के प्रति सक्रिय रहती हैं, इससे विषय-वस्तु में रोचकता आती है और प्राप्त अनुभवों में स्थायित्व होता है।

324. निम्नलिखित में से कौन-सा सामाजिक विज्ञान शिक्षण में प्रभावकारी विंतन व्यवहार के संदर्भ में सत्य है?

- (a) समवयस्क-शिक्षण (Peer teaching) ध्यान से करना चाहिए, क्योंकि इससे शिक्षक-विद्यार्थियों की अपनी वैचारिक क्षमता प्रभावित होती है
- (b) चिंतन प्रक्रिया को ऐसे विद्यार्थी के लिए नकार देना चाहिए जो कक्षा में अनुशासन के लिए शिक्षण पद्धति को चुनौती देते हैं
- (c) चिंतन को सैद्धांतिक ढाँचे की ऐसी कड़ियों से निकाल देना चाहिए जो पछताछ करने तथा समस्या-समाधान को सीमित करती है
- (d) अध्यापक को विश्वास तथा प्रत्येक अधिगम स्थिति के प्रति नमनीय वातावरण का निर्माण करना चाहिए

NVS PGT 2018

Ans : (d) सामाजिक विज्ञान शिक्षण में प्रभावकारी विंतन व्यवहार के संदर्भ में अध्यापक को विश्वास तथा प्रत्येक अधिगम स्थिति के प्रति नमनीय वातावरण का निर्माण करना चाहिए।

325. राज्य सरकार के कार्यों पर चर्चा करते हुए स्वास्थ्य, जल, यातायात इत्यादि से सम्बन्धित मुद्दों पर चर्चा की जा सकती है, जिनसे—

- (a) विद्यार्थियों को इन मुद्दों पर उनके राज्य द्वारा किए जाने वाले प्रयासों की जानकारी मिल सके
- (b) विद्यार्थियों को इन क्षेत्रों में सरकार की भूमिका को याद करवाया जा सके
- (c) शिक्षार्थी इन मुद्दों को समझने तथा इन पर आलोचनात्मक विचार बनाने के लिए स्वतंत्र हों
- (d) विद्यार्थियों को सभी के लिए बेहतर सुविधाएँ पाने हेतु आन्दोलन आयोजित करने के लिए सज्जग किया जा सके

NVS PGT 2018

Ans : (c) राज्य सरकार के कार्यों पर चर्चा करते हुए स्वास्थ्य, जल, यातायात इत्यादि से सम्बन्धित मुद्दों पर चर्चा की जा सकती है जिनसे शिक्षार्थी इन मुद्दों को समझने तथा इन पर आलोचनात्मक विचार बनाने के लिए स्वतंत्र हो सकें।

326. राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा 2005 प्रस्तावित करता है कि भूगोल पढ़ाया जाए, जिससे—

- (a) भारत की विविध भौगोलिक विशेषताओं की इसके आर्थिक विकास में भूमिका को जाना जा सके
- (b) विद्यार्थियों का प्राकृतिक आपदाओं के भारत की अर्थव्यवस्था पर नष्टकारी प्रभावों के बारे में मार्गदर्शन किया जा सके
- (c) प्राकृतिक संसाधनों की अधिकतम् प्राप्ति और उपयोग पर ध्यान केन्द्रित किया जा सके
- (d) पर्यावरणीय चिंताओं तथा इसके संरक्षण के सम्बन्ध में आलोचनात्मक समझ पैदा की जा सके

NVS PGT 2018

Ans : (d) राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा, 2005 प्रस्तावित करता है कि भूगोल पढ़ाया जाए, जिससे विद्यार्थियों में पर्यावरणीय चिंताओं तथा इसके संरक्षण के सम्बन्ध में आलोचनात्मक समझ पैदा की जा सके।

327. सामाजिक विज्ञान की शिक्षण पद्धति और संसाधनों के बारे में राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा, 2005 के अनुसार सामाजिक विज्ञान के शिक्षण के लिए निम्नलिखित में से किसको अपनाना चाहिए

- (a) ऐसी रणनीतियाँ, जो विद्यार्थियों को लम्बे समय तक तथ्य याद रखने में सहायता करते हैं
- (b) मानसिक मानचित्र, जो सूचना को तुरन्त याद करने की क्षमता को बढ़ाते हैं
- (c) ऐसे तरीके, जो रचनात्मक और आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य को बढ़ाते हैं
- (d) ऐसा उपागम, जिसमें बुद्धिमत्ता को बढ़ाने के लिए अधिक शिक्षण सहायक सामग्री शामिल हो

NVS PGT 2018

Ans : (c) सामाजिक विज्ञान की शिक्षण पद्धति और संसाधनों के बारे में राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा, 2005 के अनुसार सामाजिक विज्ञान के शिक्षण के लिए ऐसे तरीके अपनाने चाहिए जो रचनात्मक और आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य को बढ़ाते हैं।

328. किसी सामाजिक विज्ञान की कक्षा में ढाँचे का मुख्य लक्ष्य होता है—

- (a) योजना निर्धारण के वांछित परिणामों को मजबूत करना
- (b) स्वतंत्र सोच निर्मित होने तक विद्यार्थियों की सहायता करना
- (c) आत्मसंयम के कौशल में सुधार को सुनिश्चित करना
- (d) विद्यार्थियों को विचारों पर सोचने योग्य बनाना

NVS PGT 2018

Ans : (b) किसी सामाजिक विज्ञान की कक्षा के ढाँचे का मुख्य लक्ष्य स्वतंत्र सोच निर्मित होने तक विद्यार्थियों की सहायता करना होता है।

329. निम्नलिखित में से किस उपागम को एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित पाठ्य पुस्तक 'सामाजिक और राजनीतिक जीवन' में निहित विचारों से विद्यार्थियों को अवगत करवाने के लिए अधिक प्रयोग किया गया है

- (a) घटनाक्रम
- (b) ग्राफ
- (c) चार्ट
- (d) कहानी-बोर्ड

NVS PGT 2018

Ans : (d) कहानी-बोर्ड उपागम को एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित पाठ्य पुस्तक 'सामाजिक और राजनीतिक जीवन' में निहित विचारों से विद्यार्थियों को अवगत करवाने के लिए अधिक प्रयोग किया गया है।

330. सामाजिक विज्ञान की पाठ्य सामग्री को—

- (a) सामाजिक मुद्दों और उनके समाधान की व्यापक जानकारी देनी चाहिए
- (b) केवल सामाजिक यथार्थ के मुद्दों पर अधिक ध्यान देना चाहिए और शोध के वैज्ञानिक तरीके को प्रोत्साहित नहीं करना चाहिए

- (c) विद्यार्थियों की इतिहास भूगोल और भारत की राजनीति के बारे में जागरूकता बढ़ाने का उद्देश्य तथा इनमें अन्तर्सम्बन्ध रखना चाहिए

(d) सुपरिचित सामाजिक वास्तविकताओं के बारे में गहन जानकारी एकत्र करने तथा प्रश्न पूछने के माध्यम से विद्यार्थियों की जागरूकता बढ़ाने का उद्देश्य रखना चाहिए

NVS PGT 2018

Ans : (d) सामाजिक विज्ञान की पाठ्य सामग्री को सुपरिचित सामाजिक वास्तविकताओं के बारे में गहन जानकारी एकत्र करने तथा प्रश्न पूछने के माध्यम से विद्यार्थियों की जागरूकता बढ़ाने का उद्देश्य रखना चाहिए।

331. सामाजिक विज्ञान में परियोजना कार्य (Projects)

उपयोगी होते हैं—

NVS PGT 2018

Ans : (c) सामाजिक विज्ञान में परियोजना कार्य (Projects) निम्नलिखित कार्यों में उपयोगी होते हैं-

- (i) विषय-आधारित कार्यों में
(ii) कक्षा अथवा घर पर समझ में कार्य करने के लिए।

332. सामाजिक विज्ञान के अध्यापकों के लिए क्षमता-प्राप्ति क्या है? अधिकारी हैं वर्गों कि?

- (a) ये उनकी व्यावसायिक प्रगति से सम्बन्धित हैं

(b) उनके वेतन में वृद्धि क्षमता-निर्माण कार्यक्रम पर निर्भर करती है

(c) अध्यापकों को व्यस्त रखने के लिए के.मा.शि. बोर्ड ने स्कूलों को ऐसे कार्यक्रम करने को कहा है

(d) उन्हें सामाजिक विज्ञान के विभिन्न घटकों की अवधारणाओं और शिक्षण-पद्धति में स्पष्टता की जरूरत है।

NVS PGT 2018

Ans : (d) सामाजिक विज्ञान के अध्यापकों के लिए क्षमता-निर्माण कार्यक्रम अनिवार्य है, क्योंकि उन्हें सामाजिक विज्ञान के विभिन्न घटकों की अवधारणाओं और शिक्षण-पद्धति में स्पष्टता की जरूरत है।

333. सामाजिक विज्ञान की किसी कक्षा में निम्नलिखित में से कौन-सा तरीका यह समझने के लिए उपयुक्त है कि ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक और खुले स्थान तेजी से लप्त हो रहे हैं?

- (a) कम्प्यूटरों की सहायता से प्रस्तुति करना
 - (b) निर्धारित पाठ्य सामग्री के आधार पर परिचर्चा
 - (c) सर्वेक्षण परियोजना
 - (d) विषय पर समह में चर्चा

NVS PGT 2018

Ans : (c) सामाजिक विज्ञान की किसी कक्षा में सर्वेक्षण परियोजना यह समझने के लिए उपयुक्त है कि ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक और खुले स्थान तेजी से क्याँ लुप्त हो रहे हैं तथा इसके क्या प्रभाव पढ़ने की संभावना है।

334. चार भावी शिक्षकों से कक्षा V के विद्यार्थियों के लिए मूल विषय 'यात्रा' पर प्रस्तुतीकरण बनाने के लिए कहा गया। प्रत्येक के निम्नलिखित नीतियों में से किसी एक पर मध्य रूप से केन्द्रित किया-

- (a) पाठ्य-पुस्तक की विषयवस्तु के उपयोग द्वारा यात्रा की विभिन्न विधियों की व्याख्या करवाना
 - (b) विद्यार्थियों से यात्रा के विभिन्न साधनों के चित्र एकत्र करके स्लैफबुक बनाने के लिए कहना
 - (c) विद्यार्थियों से यात्रा के उपयोग के लिए किए गए विभिन्न साधनों के अनुभवों का वर्णन करने के लिए कहना
 - (d) यात्रा के विभिन्न साधनों/विधियों को दर्शाने वाले चार्ट का उपयोग और उनकी व्याख्या

NVS PGT 2018

Ans : (c) भावी शिक्षकों द्वारा 'यात्रा' विषय पर प्रस्तुतीकरण बनाने की मुख्य नीति विद्यार्थियों से यात्रा में उपयोग किए गए विभिन्न साधनों के अनुभवों का वर्णन करने के लिए कहना होगा।

335. सामाजिक विज्ञान की कक्षा में उपयोग होने वाली विधि जिसमें शिक्षार्थियों को एक-दूसरे के प्रति लगाव का मूल्यांकन करने के लिए कहते हैं, कहा जाता है।

- (a) मनोमितीय तकनीक (b) स्व-आकलन
 (c) समाजमितीय तकनीक (d) केस अध्ययन

DSSSB TGT 2016

Ans : (c) सामाजिक विज्ञान की कक्षा में उपयोग होने वाली वह विधि जिसमें शिक्षार्थियों की एक-दूसरे के प्रति लगाव का मूल्यांकन किया जाता है, समाजमितीय तकनीक कहलाता है। दूसरे शब्दों में, विद्यार्थियों के सामाजिक संबंधों, समायोजन व अंतःक्रिया के मापन हेतु समाजमिति तकनीक का प्रयोग किया जाता है।

336. सामाजिक विज्ञान में, परीक्षा सुधार पर हाल ही का एन सी एफ. आधार पत्र पर बल देता है।

- (a) परीक्षा के समय बैठने की लचीली व्यवस्था
 - (b) खुली पुस्तक परीक्षा
 - (c) सतत आकलन
 - (d) परीक्षा निष्पादन

DSSSB TGT 2016

Ans : (c) सामाजिक विज्ञान में, परीक्षा सुधार पर हाल ही का एन.सी.एफ. आधार पत्र सतत आकलन पर बल देता है। अर्थात् आकलन को शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में एक नियमित गतिविधि बनाना ही सतत आकलन का मुख्य उद्देश्य है। सतत आकलन में छात्रों के प्रदर्शन को औपचारिक तथा अनौपचारिक तरीके से आँका जाता है।

337. सामाजिक विज्ञान के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सटी है?

- (a) सामाजिक विज्ञान एक विश्लेषणात्मक और सृजनात्मक मानस की नींव रखता है

(b) समाज के विविध सरोकारों से सामाजिक विज्ञान का कोई सम्बन्ध नहीं है

(c) सामाजिक विज्ञान सजातियता और रीति-स्थिराओं पर बल देता है

(d) सामाजिक विज्ञान एक विषयनिष्ठ अनशासन है

DSSSB TGT 2016

Ans : (a) सामाजिक विज्ञान एक विश्लेषणात्मक और सृजनात्मक मानस की नींव रखता है,– यह कथन सामाजिक विज्ञान के विषय में सही है।

338. सामाजिक विज्ञान की कक्षा में निदानात्मक और उपचारात्मक शिक्षण में शामिल होंगे—

- (a) शिक्षार्थियों की ट्रिटियों में तुरंत सुधार करना
- (b) शिक्षार्थी की कठिनाई विशेष की पहचान करना
- (c) पढ़ने के लिए बहुत अधिक सामग्री उपलब्ध कराना
- (d) चर्चा के लिए अनेक अवसर उपलब्ध कराना

DSSSB TGT 2016

Ans : (b) निदान का अर्थ होता है— जानना या पता लगाना। शिक्षक पहले निदानात्मक शिक्षण द्वारा छात्रों की कठिनाइयों का निदान करते हैं तो उपरांत इनको अपनी व्यक्तिगत कठिनाइयों से मुक्त करने के लिए उपचारात्मक शिक्षण (remedial teaching) का प्रयोग करते हैं। इस प्रकार निदानात्मक और उपचारात्मक शिक्षण में विद्यार्थियों की कठिनाइयों की पहचान की जाती है और तदनुरूप उसमें सुधार किया जाता है।

339. छोटे बच्चों की शिक्षा को समझने के लिए एक ग्रामीण समुदाय के जीवन-इतिहास का अध्ययन करना किस प्रकार के आँकड़े का उदाहरण है?

- (a) प्राथमिक आँकड़े
- (b) गौण (द्वितीयक) आँकड़े
- (c) वर्णनात्मक आँकड़े
- (d) क्लीनिकल केस-अध्ययन आँकड़े

DSSSB TGT 2016

Ans : (d) छोटे बच्चों की शिक्षा को समझने के लिए एक ग्रामीण समुदाय के जीवन-इतिहास का अध्ययन करना क्लीनिकल केस-अध्ययन आँकड़े का उदाहरण है।

340. शिक्षार्थी के व्यवहार के निम्नलिखित में से किस वर्णन को सामाजिक विज्ञान की कक्षा में अभिवृत्तियों और मूल्यों के आकलन में इस्तेमाल किया जा सकता है?

- (a) शैक्षणिक कार्यों में अच्छे ग्रेड प्राप्त करना
- (b) शिक्षकों के सभी विचारों को स्वीकार करना
- (c) अकेले कार्य करने के लिए जोर देना
- (d) प्रश्न पूछने के लिए स्वतंत्र अनुभूत करना

DSSSB TGT 2016

Ans : (d) शिक्षार्थियों द्वारा प्रश्न पूछने के लिए स्वतंत्र अनुभूत करना, सामाजिक विज्ञान की कक्षा में अभिवृत्तियों और मूल्यों के आकलन में इस्तेमाल किया जा सकता है। दूसरे शब्दों में जब विद्यार्थी स्वयं प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित होते हैं तो इससे उनके अभिवृत्तियों, मूल्यों, रूचियों, आवश्यकताओं आदि का पता चलता है।

341. एक दशक में एक क्षेत्र विशेष में वर्षा में आने वाले बदलावों को प्रदर्शित करने के लिए, निम्नलिखित में से कौन-सी शिक्षण सहायक सामग्री उपयुक्त है?

- (a) वेन आरेख
- (b) प्रवाह-संचित्र (flow chart)
- (c) दंड-आरेख (Bar-diagram)
- (d) आवृत्ति बहुभुज (Frequency polygon)

DSSSB TGT 2016

Ans : (d) एक दशक में एक क्षेत्र विशेष में वर्षा में आने वाले बदलावों को प्रदर्शित करने के लिए आवृत्ति बहुभुज शिक्षण-सामग्री उपयुक्त है। आवृत्ति बहुभुज में अनेक कोणों वाले चित्र की रचना की जाती है जिसका आकार टेढ़ा-मेढ़ा होता है।

342. एक चुनाव के दौरान उसके विभिन्न मुद्दों की भूमिका को समझाने के लिए आप विद्यार्थियों को निम्न में से सबसे ज्यादा क्या पूछना पसंद करेंगे?

- (a) विभिन्न पार्टियों के लिए राष्ट्रीय न्यूज चैनलों द्वारा समर्पित समय की तुलना और विश्लेषण करना
- (b) न्यूज पेपर के संपादनों में दिए गए विभिन्न पार्टियों द्वारा एक-दूसरों के प्रति तर्कों का विश्लेषण करना
- (c) प्रत्येक पार्टी की प्राथमिकताएँ और उसकी सर्वाधिक समर्थनकारी नीतियों के प्रकारों का विश्लेषण करना
- (d) राजनीतिक पार्टियों की लोकप्रियता जानने के लिए अपने स्थानिक तौर पर सर्वे करना

DSSSB TGT 2016

Ans : (c) किसी शिक्षक को एक चुनाव के दौरान उसके विभिन्न मुद्दों की भूमिका को समझाने के लिए विद्यार्थियों से प्रत्येक पार्टी की प्राथमिकताओं और उसकी सर्वाधिक समर्थनकारी नीतियों के प्रकारों का विश्लेषण करने से संबंधित प्रश्न पूछने चाहिए।

343. सामाजिक विज्ञान में निम्नलिखित में से कौन-सी शिक्षण पद्धति सबसे अधिक प्रभावी है, जिसे शिक्षकों को इस्तेमाल करना चाहिए?

- (a) गृहकार्य देना
- (b) बार-बार परीक्षा देने से यह सुनिश्चित करना कि शिक्षार्थी विषय-वस्तु को सीख गए हैं
- (c) उदार भाव से ग्रेड देना
- (d) शिक्षार्थियों को आलोचनात्मक और विचारोत्तेजक गतिविधियों में शामिल करना

DSSSB TGT 2016

Ans : (d) शिक्षार्थियों को आलोचनात्मक और विचारोत्तेजक गतिविधियों में शामिल करना सबसे अधिक प्रभावी शिक्षण पद्धति है, जिसे शिक्षकों को सामाजिक विज्ञान में इस्तेमाल करना चाहिए। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2005 के अनुसार सामाजिक विज्ञान शिक्षण में ऐसी विधियों का उपयोग किया जाना चाहिए जो रचनात्मकता, सौन्दर्यबोध तथा आलोचनात्मक समझ बढ़ाए और बच्चों को अतीत तथा वर्तमान के बीच सम्बन्ध बनाने एवं समाज में होने वाले परिवर्तनों को समझने में सक्षम करें।

344. कक्षा VII के विद्यार्थियों को मानव संसाधन के अध्यापन के समय आप विद्यार्थियों में किस मुख्य संदेश को विकसित करना चाहेंगे?

- (a) संसाधन के रूप में लोगों का महत्व
- (b) मानवों द्वारा संसाधनों का उपयोग
- (c) जनसंख्या का वितरण
- (d) भौतिक संसाधनों का महत्व

DSSSB TGT 2016

Ans : (a) कक्षा VII के विद्यार्थियों को मानव संसाधन के अध्यापन के समय एक शिक्षक को विद्यार्थियों को संसाधन के रूप में लोगों के महत्व के बारे में बताना चाहिए, साथ ही मानव संसाधन का विकास किस प्रकार किया जा सकता है, यह भी बताना चाहिए।

345. सामाजिक विज्ञान पढ़ाते समय एक शिक्षक का प्रयास होना चाहिए—

- (a) विस्तृत रूप से याद करने पर बत देना
- (b) तथ्यों, मूल्यों तथा आदर्शों पर बल देना
- (c) केवल तथ्यों पर बल देना, लेकिन मूल्यों पर नहीं
- (d) केवल मूल्यों पर बल देना, लेकिन तथ्यों पर नहीं

DSSSB TGT 2016

Ans : (b) सामाजिक विज्ञान पढ़ाते समय एक शिक्षक को तथ्यों, मूल्यों तथा आदर्शों पर बल देना चाहिए।

346. मान लिजिए सामाजिक विज्ञान की प्रस्तावित पाठ्य-पुस्तक विद्यार्थियों के लिए कठिन है। आप क्या करेंगे?

- (a) विभिन्न प्रकार की पूरक सामग्रियाँ प्रदान करेंगे
- (b) प्रत्येक पाठ का संक्षिप्त सामग्रियाँ प्रदान करेंगे
- (c) प्रश्न-उत्तर तकनीक का प्रयोग करेंगे
- (d) रटकर सीखने पर बल देंगे

DSSSB TGT 2016

Ans : (a) यदि सामाजिक विज्ञान की प्रस्तावित पाठ्य-पुस्तक विद्यार्थियों के लिए कठिन है, तो शिक्षक को विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रकार की पूरक सामग्रियाँ प्रदान करनी चाहिए। पूरक सामग्री वे सामग्री होती हैं जो विषय-वस्तु को आधार प्रदान करती हैं तथा शिक्षण को प्रभावी और रोचक बनाती हैं।

347. S.st में वृत्त आरेख (Pie diagram) किसके लिए उपयोगी है?

- (a) ऐतिहासिक अवधि की विशेषताओं को दर्शाना
- (b) विभिन्न मात्राओं की तुलना करना
- (c) समग्र के सम्बन्ध में किसी एक मूल्य को प्रदर्शित करना
- (d) एक प्रतिरूप को प्रदर्शित करना

NVS TGT 2017

Ans : (c) S.st (Social Studies) में वृत्त आरेख समग्र के सम्बन्ध में किसी एक मूल्य को प्रदर्शित करने के लिए उपयोगी है। एक पाई चार्ट, पाई के एक टुकड़े के रूप में प्रतिशत मान को दिखाता है।

348. कक्षा VI की इतिहास की पाठ्य-पुस्तक के प्रत्येक पाठ की शुरुआत एक युवा लड़की या लड़के के द्वारा की गई है। आपके विचार में पाठ्य-पुस्तक निर्माता द्वारा यह रणनीति क्यों अपनाई गई है?

- (a) दिखाना कि लड़के एवं लड़कियाँ इतिहास का अध्ययन कर सकते हैं
- (b) पाठ को विषय-वस्तु का मूल्यांकन करना
- (c) विद्यार्थियों में जुड़ाव, पूछताछ तथा खोज की भावना को विकसित करना
- (d) यह बताना कि प्रस्तावना कैसे दी जा सकती है

NVS TGT 2017

Ans : (c) प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर की लगभग सभी पाठ्य-पुस्तकों के प्रत्येक पाठ की शुरुआत एक युवा लड़की या लड़के के द्वारा की गयी है। पाठ्य-पुस्तक निर्माता द्वारा यह रणनीति विद्यार्थियों में जुड़ाव, पूछताछ तथा खोज की भावना को विकसित करने को ध्यान में रखकर बनायी गयी है।

349. आप अलाउद्दीन खिलजी या मोहम्मद बिन तुगलक के शासनकाल में एक किसान हैं और आप सुल्तान द्वारा लगाया गया कर नहीं चुका सकते। आप क्या करेंगे? उपर्युक्त प्रश्न में किसको बढ़ावा दिया जा रहा है?

- (a) इतिहास के सन्दर्भ में कल्पना
- (b) स्रोतों का महत्व
- (c) संस्कृति का सम्मान
- (d) साहित्य का महत्व

NVS TGT 2017

Ans : (a) उपर्युक्त प्रश्न में इतिहास के सन्दर्भ में कल्पना को बढ़ावा दिया जा रहा है। बच्चे इतिहास के सन्दर्भ में कल्पना करके बताएंगे कि कर न चुका पाने की स्थिति में वे क्या करेंगे।

350. उच्च प्राथमिक स्तर पर भूगोल और अर्थशास्त्र एक साथ निम्नलिखित में सहायक हो सकते हैं—

- (a) पर्यावरण, संसाधन एवं विकास के मुद्दों के प्रति दृष्टिकोण विकसित करना
- (b) बहुलवाद को समझना
- (c) पर्यावरण एवं स्थानों के बारे में ज्ञान को विकसित करना
- (d) संसाधनों के इष्टतम नियतन को समझना

NVS TGT 2017

Ans : (a) उच्च प्राथमिक स्तर पर भूगोल और अर्थशास्त्र एक साथ पर्यावरण, संसाधन एवं विकास के मुद्दों के प्रति दृष्टिकोण विकसित करने में सहायक हो सकते हैं।

351. S.st में रचनात्मक मूल्यांकन (Formative evaluation) कब किया जाता है?

- (a) सत्र के अंत में
- (b) नई-इकाई को पढ़ाने के पर्व
- (c) शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के दौरान
- (d) इकाई के अंत में

NVS TGT 2017

Ans : (c) S.st में रचनात्मक मूल्यांकन शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के दौरान किया जाता है। रचनात्मक मूल्यांकन के अंतर्गत शिक्षक, अपने शैक्षिक कार्यक्रमों, शिक्षण विधियों आदि की गणवत्ता, प्रभावकरिता तथा उपयोगिता का आकलन इसलिए करता है ताकि वह शैक्षिक कार्यक्रम, शिक्षण विधि को और अधिक उत्तम, प्रभावशाली तथा उपयोगी बना सके।

352. S.St कक्षा-कक्ष में पक्षपात, भेदभाव और पूर्वाग्रहों को किसके द्वारा दूर किया जा सकता है?

- (a) मानवता पर एक व्याख्यान का आयोजन करके
- (b) उनकी बातों पर ध्यान न देकर, क्योंकि बच्चे एक-न-एक दिन अपने आप इन्हें छोड़ देंगे
- (c) सामाजिक वास्तविकताओं के विभिन्न आयामों के बारे में परिचर्चा करके
- (d) संविधान के आमुख को प्रदान करके

NVS TGT 2017

Ans : (c) S.st कक्षा-कक्ष में पक्षपात, भेदभाव और पूर्वाग्रहों को सामाजिक वास्तविकताओं के विभिन्न आयामों के बारे में परिचर्चा करके दूर किया जा सकता है।

353. एक क्षेत्र के इतिहास के पाठ को शिक्षक 'ब' अभी पढ़ा रही है। आपके विचार में 'ब' को क्या करना चाहिए?

- (a) विभिन्न काल अवधियों में समानताओं तथा परिवर्तनों पर प्रकाश डालना
- (b) विभिन्न शासकों के व्यक्तित्वों पर प्रकाश डालना
- (c) अवधि के मुख्य लक्षणों को विद्यार्थियों को याद करने के लिए प्रोत्साहित करना
- (d) वर्तमान की भूतकाल से समानताओं पर प्रकाश डालना

NVS TGT 2017

Ans : (a) यदि एक शिक्षिका किसी क्षेत्र विशेष के इतिहास के पाठ को पढ़ा रही है तो उसे विभिन्न काल अवधियों में समानताओं तथा परिवर्तनों पर प्रकाश डालना चाहिए साथ ही उसका वैश्विक संदर्भ से संबंध भी स्थापित करना चाहिए।

354. S.St में सामाजिक अध्ययन मूल्यांकन का उद्देश्य क्या है?

- (a) समस्यात्मक विद्यार्थियों की पहचान करना
- (b) बच्चों को श्रेणियों में बाँटना
- (c) प्रतियोगिता को प्रोत्साहित करना
- (d) शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं में सुधार लाना

NVS TGT 2017

Ans : (d) S.st में सामाजिक अध्ययन मूल्यांकन के निम्न उद्देश्य हैं—

- शिक्षण अधिगम प्रक्रियाओं में सुधार लाना।
- अध्यापक की प्रभावशीलता का पता लगाना।
- छात्रों के सामाजिक और ज्ञानार्जन के साथ-साथ रुचियों, कुशलताओं, व्यवहारों आदि में हुए परिवर्तनों का पता लगाना।
- विद्यार्थियों को अधिगम के लिए प्रेरित करना आदि।

35. सामाजिक विज्ञान के शिक्षण में ऐतिहासिक फ़िल्म उपयोगी हैं?

- (a) व्यक्तिगत समस्या पर ध्यान केन्द्रित करने में
- (b) इतिहास को कल्पित कथा के रूप में चित्रित करने में
- (c) एक विशेष सामाजिक संरचना के विभिन्न आयामों का सजीव चित्रण करने में
- (d) एक अच्छा मनोरंजन प्रस्तुत करने में

NVS TGT 2017

Ans : (c) सामाजिक विज्ञान के शिक्षण में ऐतिहासिक फ़िल्में एक विशेष सामाजिक संरचना के विभिन्न आयामों का सजीव चित्रण करने में उपयोगी होती है। सामाजिक विज्ञान में कक्षा-कक्ष फ़िल्मों का शिक्षण-अधिगम सामग्री के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।

35.6. सामाजिक विज्ञान की पाठ्य-पुस्तकों के प्रति क्या दृष्टिकोण होना चाहिए?

- (a) याद करने योग्य एवं अभिलेख के रूप में
- (b) ज्ञान के भण्डार व आगामी पूछताछ के अवसर के रूप में
- (c) ज्ञान के भण्डार के रूप में
- (d) अनिम वक्तव्य के रूप में

NVS TGT 2017

Ans : (b) सामाजिक विज्ञान की पाठ्य-पुस्तकों के प्रति यह दृष्टिकोण होना चाहिए कि उसमें ज्ञान के भण्डार व आगामी पूछताछ के अवसर समाहित हों।

35.7. सामाजिक विज्ञान शिक्षण का आधार-पत्र किस पर बल देता है?

- (a) विभिन्न मतों का सम्मान करना तथा विचारों व अभ्यासों का परीक्षण करना
- (b) सामाजिक पदानुक्रमों को स्वीकार करना
- (c) पाठ्य-पुस्तकों का प्रयोग अधिक करना
- (d) याद करने को प्रोत्साहित करना

NVS TGT 2017

Ans : (a) सामाजिक विज्ञान शिक्षण का आधार-पत्र विभिन्न मतों का सम्मान करना तथा विचारों व अभ्यासों का परीक्षण करने पर बल देता है।

35.8. सामाजिक विज्ञान की पाठ्य-पुस्तकों में मानचित्रों और आरेखों का प्रयोग प्रासंगिक है, क्योंकि वे—

- (a) अवधारणा में नए आयाम को जोड़ते हैं
- (b) विशेषज्ञों द्वारा बनाए जाते हैं
- (c) पाठ्य-पुस्तकों को आकर्षक बनाते हैं
- (d) अवधारणा को स्पष्ट करते हैं

NVS TGT 2017

Ans : (d) सामाजिक विज्ञान की पाठ्य-पुस्तकों में मानचित्रों और आरेखों का प्रयोग प्रासंगिक है, क्योंकि वे अवधारणा को स्पष्ट करते हैं।

35.9. कक्षा में परिचर्चा के लिए दिए जाने वाले सामाजिक आन्दोलन के प्रतीक अध्ययन (केस स्टडी) में निम्नलिखित का होना आवश्यक नहीं है—

- (a) आन्दोलन के समाधान
- (b) आन्दोलन की पृष्ठभूमि
- (c) आन्दोलन के उद्देश्य
- (d) आन्दोलन से सम्बन्धित समस्याओं के क्षेत्र

NVS TGT 2017

Ans : (a) कक्षा में परिचर्चा के लिए दिये जाने वाले सामाजिक आन्दोलन के प्रतीक अध्ययन (केस स्टडी) में निम्नलिखित का होना आवश्यक है—

- आंदोलन की पृष्ठभूमि
- आंदोलन के उद्देश्य
- आंदोलन से संबंधित समस्याओं के क्षेत्र

36.0. सामाजिक विज्ञान के शिक्षण में प्रयोग की जाने वाली भाषा कैसी होनी चाहिए?

- (a) प्रमुख सम्हाँ विभिन्न अध्ययन करती हुई
- (b) पक्षपातपूर्ण
- (c) तटस्थ और संवेदनशील
- (d) मुश्किल

NVS TGT 2017

Ans : (c) सामाजिक विज्ञान के शिक्षण में प्रयोग की जाने वाली भाषा तटस्थ और संवेदनशील होनी चाहिए। भाषा कक्षा में सभी बच्चों द्वारा समझी और बोली जाने वाली होनी चाहिए तथा समावेशी शिक्षा को संपोषित करने वाली होनी चाहिए।

36.1. लोकतात्त्विक संस्थानों पर प्रोजेक्ट करके दिखाया जा सकता है कि—

- (a) इनका विश्लेषण करके इनकी विशेषताओं और चुनौतियों को पहचाना जा सकता है
- (b) वे जैसे पाठ्य-पुस्तकों में वर्णित हैं उसी प्रकार के हैं
- (c) यह संस्थान प्रभावशाली नहीं है
- (d) विद्यार्थियों को इन संस्थानों को जैसे हैं वैसे स्वीकार करना चाहिए

NVS TGT 2017

Ans : (a) प्रोजेक्ट विधि के द्वारा लोकतात्त्विक संस्थानों का विश्लेषण करके इनकी विशेषताओं और चुनौतियों को पहचाना जा सकता है। प्रोजेक्ट विधि के द्वारा किसी समस्या का हल वास्तविक परिस्थिति में खोजा जाता है।

36.2. S.st में सारांशित मूल्यांकन (Summative assessment) निम्नलिखित के लिए अनुपयुक्त है—

- (a) ग्रेड का निर्धारण करना
- (b) सत्र के अंत में मूल्यांकन
- (c) सीखने का सारांशीकरण करना
- (d) शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के दौरान प्रगति का आकलन

NVS TGT 2017

Ans : (d) S.st (Social Studies) या सामाजिक अध्ययन में सारांशित मूल्यांकन निम्नलिखित के लिए उपयुक्त है—

- ग्रेड का निर्धारण करने में
- सत्र के अंत में मूल्यांकन करने में
- सीखने के सारांशीकरण करने में
- बालकों को श्रेणीबद्ध करने में

अतः शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के दौरान प्रगति का आकलन रचनात्मक मूल्यांकन के लिए उपयुक्त है न कि सारांशित मूल्यांकन के लिए।

363. कक्षा VIII के किसी विद्यार्थी का यह कथन है, “हम पृथ्वी में रहते हैं और यह गोल है और यही कारण है कि कोलम्बस का जहाज अपने आरम्भिक बिन्दु पर लौट आया।” कक्षा VIII के विज्ञान शिक्षक के लिए इस पर प्रतिक्रिया के लिए सर्वोत्तम सलाह क्या होगी?

- (a) अन्तरिक्ष से लिए गए चित्रों को प्रस्तुत करके बच्चे को संकल्पना को चुनौती दीजिए और उसे यह समझने में सहायता कीजिए कि पृथ्वी की त्रिज्या कितनी अधिक बड़ी है।
- (b) उसे यह स्पष्ट कीजिए कि यद्यपि पृथ्वी गेंद की भाँति गोल है, परन्तु यह तश्तरी (प्लेट) की भाँति वृत्ताकार प्रतीत होती है।
- (c) इस कथन को स्वीकार कर लिया जाए, क्योंकि यह बच्चे की संकल्पना को इंगित करता है, जिसे आदर दिया जाना चाहिए।
- (d) इस कथन का निराकरण करिए और बच्चे से कहिए कि पृथ्वी ग्लोब की भाँति है और हम गोल पृथ्वी की सतह पर रहते हैं।

NVS TGT 2017

Ans : (d) उपर्युक्त विद्यार्थी द्वारा कहे गये कथन पर प्रतिक्रिया के लिए सर्वोत्तम होगा कि इस कथन का निराकरण करिये और बच्चे से कहिए कि पृथ्वी ग्लोब की भाँति है और हम गोल पृथ्वी की सतह पर रहते हैं। इस अवधारणा को स्पष्ट करने के लिए शिक्षण सहायक सामग्री जैसे— ग्लोब, नक्शा आदि का भी प्रयोग किया जा सकता है।

364. प्राथमिक स्तर पर ‘मानचित्रांकन’ सिखाने से शिक्षार्थियों में निम्नलिखित में से किस कौशल को बढ़ावा मिलता है?

- (a) गणनाएँ और अनुमान
- (b) माप के अनुसार चित्रण करना
- (c) सापेक्ष स्थिति की जानकारी
- (d) साफ सुथरा रेखांकन

NVS TGT 2017

Ans : (b) प्राथमिक स्तर पर ‘मानचित्रांकन’ सिखाने से शिक्षार्थियों में माप के अनुसार चित्रण करने के कौशल को बढ़ावा मिलता है। मानचित्रांकन का शाब्दिक अर्थ होता है— मानचित्र बनाने और रेखांचित्र अंकित करने की कला या कौशल।

365. आपके प्रधानाचार्य ने आपको कहा कि कक्षा V के विद्यार्थियों को शैक्षिक अवलोकन यात्रा के लिए ले जाएँ। इस अवलोकन यात्रा को सार्थक बनाने के लिए आप अपनी योजना में क्या सम्मिलित करेंगी?

- (a) जहाँ जाना हो उसके बारे में जानकारी प्राप्त करने और पढ़ने के लिए विद्यार्थियों को कहना
- (b) आनंद के लिए पर्याप्त भोजन और खिलौनों को साथ ले जाना
- (c) यह सुनिश्चित करना कि विद्यार्थी अनुशासित रहें और उस स्थान का शांतिपूर्वक अवलोकन करें
- (d) क्रियाकलायों की एक स्तरीकृत शीट उस स्थान के बारे में तैयार करना और प्रमाणिक तथा सार्थक अध्ययन के लिए उसे विद्यार्थियों के साथ यात्रा से पूर्व साझा करना

NVS TGT 2017

Ans : (d) यदि कक्षा V के विद्यार्थियों को शैक्षिक अवलोकन यात्रा पर ले जाना है तो एक शिक्षक को इस अवलोकन यात्रा को सार्थक बनाने के लिए क्रियाकलायों की एक स्तरीकृत शीट उस स्थान के बारे में तैयार करना चाहिए और प्रमाणिक तथा सार्थक अध्ययन के लिए उसे विद्यार्थियों के साथ यात्रा से पूर्व साझा करना चाहिए, ताकि अवलोकन यात्रा सुनियोजित ढंग से सम्पन्न हो और यात्रा में कोई व्यवधान न उत्पन्न हो।

366. एक अध्यापक को कक्षा IV के विद्यार्थियों को हमारे देश के भोजन की सांस्कृतिक विविधताएँ पढ़ानी है। इस विषय को पढ़ाने के लिए सर्वोत्तम विधि निम्नलिखित में से क्या है?

- (a) अपने देश के विभिन्न राज्यों के विभिन्न लोगों द्वारा खाए जाने वाले विविध भोजन के बारे में विद्यार्थियों को एक प्रोजेक्ट (परियोजना) दें।
- (b) विद्यार्थियों से पूछें कि उन्होंने क्या खाया है, उसके बाद चर्चा करें।
- (c) विद्यार्थियों से कहें कि वे अपने परिवार के भोजन के बारे में सूचना एकत्र करें।
- (d) विभिन्न प्रकार की खाने की चीजों के चित्रों वाले फ्लैश कार्ड दिखाएँ।

NVS TGT 2017

Ans : (a) यदि एक अध्यापक को कक्षा IV के विद्यार्थियों को हमारे देश के भोजन की सांस्कृतिक विविधताएँ पढ़ानी है, तो इसके लिए सर्वोत्तम विधि होगा कि अपने देश के विभिन्न राज्यों के विभिन्न लोगों द्वारा खाए जाने वाले विविध भोजन के बारे में विद्यार्थियों को प्रोजेक्ट दें। इससे छात्र स्वयं से करके सीखेंगे।

367. विभिन्न प्रकार के बाजार विषय को पढ़ाने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सी परियोजना सबसे अधिक उचित होगी?

- (a) कक्षा-कक्ष में बाजारों से खरीदे हुए उत्पादों की प्रदर्शनी लगाना व सांकेतिक बिक्री करना
- (b) अखबारों और पत्रिकाओं से बाजार पर कोलाज तैयार करना
- (c) शापिंग मॉल के बेचे जाने वाले उत्पादों को देखने के लिए जाना
- (d) दुकानदारों के उत्पादों को खरीदने व बेचने के दामों की तुलना करना

NVS TGT 2017

Ans : (a) विभिन्न प्रकार के बाजार विषय को पढ़ाने के लिए कक्षा-कक्ष में बाजारों से खरीदे हुए उत्पादों की प्रदर्शनी लगाना व सांकेतिक बिक्री करना, सबसे अधिक उचित परियोजना होगी। परियोजना विधि में छात्रों के जीवन से सम्बन्धित समस्याओं को वास्तविक रूप में प्रस्तुत किया जाता है। शिक्षक केवल निर्देशन का कार्य करता है। छात्र स्वयं विषय-वस्तु सामग्री का अध्ययन करके समस्या का समाधान करते हैं।

368. सबसे उचित विकल्प को चुनिए—

उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों को सामाजिक विज्ञान की परियोजना के तहत ‘क्षेत्र भ्रमण’ करने को कहा जा सकता है जिससे कि—

- (a) यह परियोजना पूर्ण करने की अनिवार्य आवश्यकता को पूर्ण करता है।
- (b) यह विद्यार्थियों के लिए भागीदारी बढ़ाता है और आनन्दमय होता है।

- (c) यह अवधारणाओं और विचारों के साथ वास्तविकताओं की तुलना करने में योग्य बनाता है व स्थायी ज्ञान प्रदान करना है

(d) विद्यार्थी व्यस्त रहते हैं और शिक्षक अन्य कार्यों को करने के लिए मुश्त हो जाते हैं

NVS PGT 2016

Ans : (c) उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों को सामाजिक विज्ञान की परियोजना के तहत 'क्षेत्र भ्रमण' करने को कहा जा सकता है, जिससे कि वह अवधारणाओं और विचारों के साथ वास्तविकताओं की तुलना करने में योग्य हों व स्थायी ज्ञान प्रदान किया जा सके। क्षेत्र भ्रमण विधि के द्वारा एक खुले तथा स्वतंत्र वातावरण में छात्रों को लाया जाता है जिससे सामाजिक प्रशिक्षण का अवसर मिलता है।

369. उच्च प्राथमिक स्तर पर भूगोल के शिक्षण के लिए निम्नलिखित में से कौन-सी विधि सबसे अधिक _____ है?

NVS PGT 2016

Ans : (c) उच्च प्राथमिक स्तर पर भूगोल शिक्षण के लिए क्षेत्र-भ्रमण विधि सबसे उपयुक्त है। भूगोल, प्राकृतिक दृश्यों, ऐतिहासिक स्थलों तथा अन्य विषयों की पाठ्यवस्तु का ज्ञान प्रत्यक्षीकरण द्वारा दिया जाये तब अधिक रुचिकर तथा बोधगम्य हो जाता है। इसके लिए क्षेत्र-भ्रमण विधि अधिक प्रभावशाली है।

370. उच्च प्राथमिक स्तर पर सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन की पाठ्य-पुस्तक शिक्षण निम्नलिखित में से किस एक उपागम पर बल देता है?

- (a) अवधारणाओं के संश्लेषण से सीखना
 - (b) वास्तविक जीवन की स्थितियों से सीखना
 - (c) परिभाषाओं द्वारा सीखना
 - (d) रुट करके सीखना

NVS PGT 2016

Ans : (b) उच्च प्राथमिक स्तर पर सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन की पाठ्य पुस्तक का शिक्षण वास्तविक जीवन की स्थितियों से सीखने पर बल देता है। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2005 इस बात पर बल देती है कि सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक और विषयवस्तु को अधिक से अधिक संभव तरीकों से बच्चें के दैनिक जीवन से जोड़ा जाये।

371. जब आप विद्यार्थियों को एक ऐतिहासिक स्मारक दिखाते हैं तब आप उन्हें किस प्रकार के अधिगम के स्रोत से सीखने के लिए प्रोत्पादित कर रहे हैं?

- (a) पारस्परिक लोक संसाधन
 - (b) प्राथमिक स्रोत
 - (c) लेखा-चित्र कला संसाधन
 - (d) पाठ्य स्रोत

NVS PGT 2016

Ans : (b) जब एक शिक्षक विद्यार्थियों को ऐतिहासिक स्मारक दिखाता है तो वह प्राथमिक स्रोत से सीखने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। प्राथमिक स्रोत के अंतर्गत अतीत की मौलिक वस्तुओं को ही सम्प्रिलिपि किया जाता है। उदाहरणार्थ- इमारतें या खण्डहर, स्मारक भग्नातशोष सिक्के आदि।

372. 'कल्पना कीजिए कि आपको श्रीरांगपट्टनम के युद्ध और टीपू सुल्तान की मौत के बारे में खबर देने वाले दो पुराने अखबार मिलते हैं। एक अखबार ब्रिटेन का है और दूसरा मैसूर का है। दोनों अखबारों के लिए इन घटनाओं के बारे में एक-एक सुर्खी लिखिए।

कक्षा 8 की इतिहास की पाठ्य पुस्तक में इस क्रियाकलाप को शामिल करने का क्या कारण है?

- (a) लोगों को ब्रिटिश नीतियों के बारे में बताना
 - (b) विद्यार्थियों में लिखने के कौशल को विकसित करना
 - (c) विद्यार्थियों में विचारों की विविधता की अवधारणा को विकसित करना
 - (d) ब्रिटेन द्वारा राज्य से मिलाए जाने का अभिलेख तैयार करना

NVS PGT 2016

Ans : (c) कक्षा 8 की इतिहास की पाठ्यपुस्तक में प्रश्नानुसार क्रियाकलाप को शामिल करने का मुख्य उद्देश्य है—विद्यार्थियों में विचारों की विविधता की अवधारणा को विकसित करना। इस प्रकार के क्रियाकलापों में विद्यार्थी अपने इतिहास के पूर्व ज्ञान का उपयोग करते हुए नोट लिखने का प्रयास करेंगे जिससे उनके विचारों, अवधारणाओं, सजनशीलता आदि का विकास होगा।

373. सामाजिक विज्ञान पर निम्नलिखित में से एक उचित और अर्थपूर्ण दत्त अभ्यास को चनिए—

- (a) पिछले वर्ष का अभ्यास
 - (b) अवधारणाओं के परीक्षण का एक मौलिक अभ्यास
 - (c) पठन सामग्री का सार
 - (d) पाठ्य पुस्तकों में से सही उत्तर ढूँढ़ना

NVS PGT 2016

Ans : (b) अवधारणाओं के परीक्षण का एक मौलिक अभ्यास, सामाजिक विज्ञान पर एक उचित और अर्थपूर्ण दत्त अभ्यास है। प्रो. जी.ए. ओकम के अनुसार, “दत्त कार्य शिक्षण की क्रिया में चिंतन करता है तथा क्रियाओं को योजना अध्ययन की तैयारी के लिए बनाता है।” दत्त अभ्यास से छात्रों की अभिभूतियों एवं आत्मगत्ताओं की पर्ति दोती है।

- 374. लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विद्यार्थियों में दोषदर्शिता को रोकने के लिए निम्नलिखित में से कौन-से विकल्प सबसे उचित होंगे?**

NVS PGT 2016

Ans : (c) लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विद्यार्थियों में दोषदर्शिता को ऐसे को के लिए प्राप्तिक्रिया उपरांत लिये जा सकते हैं।

- आदर्श कार्यप्रणाली एवं सिद्धांतों पर बल देना चाहिए।

- जागरूक जनता का भूमिका का इग्निट करना चाहए।

375. उच्च प्राथमिक स्तर के सामाजिक विज्ञान की कक्षा में लैंगिक भूमिका पर विद्यार्थियों की बातचीत को प्रोत्साहित करने के लिए सबसे उत्तम विधि

- (a) विद्यार्थियों द्वारा इंटरनेट में ढूँढ़ना
- (b) अनुभवों पर निर्देशित चर्चा
- (c) विशेषज्ञ द्वारा व्याख्यान
- (d) प्रदर्शनी में जाना

NVS PGT 2016

Ans : (b) उच्च प्राथमिक स्तर के सामाजिक विज्ञान की कक्षा में लैंगिक भूमिका पर विद्यार्थियों की बातचीत को प्रोत्साहित करने के लिए सबसे उत्तम विधि, अनुभवों पर निर्देशित चर्चा हो सकती है क्योंकि अनुभवों पर आधारित चर्चा रचनात्मक होती है तथा बच्चों को स्वयं अपने ज्ञान के निर्माण के अवसर उपलब्ध कराती है।

376. क्रिया-कलाप आधारित प्रश्न सामाजिक विज्ञान के पाठ को-

- | | |
|--------------------------|-------------------------|
| (a) विवादास्पद बनाते हैं | (b) लम्बा बनाते हैं |
| (c) विस्तृत बनाते हैं | (d) आनन्ददायी बनाते हैं |

NVS PGT 2016

Ans : (d) क्रियाकलाप आधारित प्रश्न सामाजिक विज्ञान के पाठ को आनन्ददायी बनाते हैं। बालक जिस कार्य को स्वयं करते हैं, उसे वे जल्दी सीखते हैं और उन्हें वह आनन्ददायी लगता है।

377. सामाजिक समस्याओं की समझदारी को विकसित करने के लिए निम्नलिखित में से सबसे उचित विधि कौन-सी है?

- | | |
|------------------|----------------------|
| (a) चित्र निबंध | (b) भूमिका निर्वाह |
| (c) वृत्त अध्ययन | (d) चलवित्र प्रदर्शन |

NVS PGT 2016

Ans : (b) सामाजिक समस्याओं की समझदारी को विकसित करने के लिए सबसे उचित विधि भूमिका निर्वाह विधि में अध्ययन किये जाने वाले विषय को चलते फिरते पात्रों के माध्यम से संप्रेषित किया जाता है। इससे अधिगम स्थायी होता है।

378. सामाजिक विज्ञान के विषयों के अध्ययन का महत्व इसलिए है, क्योंकि बच्चे इससे

- (a) समाज और उसके पर्यावरण को समझ सकते हैं
- (b) भूत की घटनाओं का मूल्यांकन कर सकते हैं
- (c) प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित कर सकते हैं
- (d) लोकतंत्र के बारे में विस्तार से सीख सकते हैं

NVS PGT 2016

Ans : (a) सामाजिक विज्ञान के विषयों के अध्ययन का महत्व इसलिए है, क्योंकि बच्चे इससे समाज और पर्यावरण को समझ सकते हैं। उच्च प्राथमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान विषय का प्रमुख उद्देश्य अपने आस-पास में होने वाली विभिन्न घटनाओं को विस्तार से समझाना है। अपेक्षित है कि इस विषय के अंतर्गत बच्चों को विभिन्न क्षेत्रों और संस्कृतियों में रहने वाले लोगों और उनकी सामाजिक रीतियों से परिचय कराया जाय।

379. सामाजिक विज्ञान के शिक्षण में चित्रपट कथा के प्रयोग के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारण क्या है?

- (a) दिए गए वृत्तांत पर चर्चा को प्रोत्साहित करना
- (b) घटनाओं का वर्णन करना
- (c) पाठ्य-पुस्तकों को आकर्षक बनाना
- (d) एकपक्षीय सूचना प्रदान करना

NVS PGT 2016

Ans : (a) सामाजिक विज्ञान के शिक्षण में चित्र-पट कथा के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारण है- दिये गये वृत्तांत पर चर्चा को प्रोत्साहित करना। उच्च प्राथमिक स्तर पर विभिन्न आंदोलनों के इतिहास को समझने और उनके पुनर्निर्माण के लिए देशी और ब्रिटिश दस्तावेजों, आत्मकथाओं, जीवनियों, उपन्यासों, चित्रों, फोटोग्राफ, समकालीन लेखन, दस्तावेजों, समाचार-पत्रों की रिपोर्ट, फिल्मों, वृत्तचित्रों, चित्र-पट कथाओं हाल के लेखन जैसे स्रोतों से परिचित करना चाहिए।

380. भारतीय संसद की भूमिका एवं कार्यप्रणाली की समझ को विकसित करने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा सबसे उचित क्रियाकलाप है?

- (a) विषय वस्तु का गठन
- (b) कार्यों एवं जिम्मेदारियों का प्रवाह आरेख
- (c) संसद के अवरोध पर समाचार पत्र के लेखन पर चर्चा
- (d) युवा संसद का आयोजन

NVS PGT 2016

Ans : (d) भारतीय संसद की भूमिका एवं कार्यप्रणाली की समझ को विकसित करने के लिए युवा संसद का आयोजन किया जा सकता है। इस प्रकार की गतिविधि में संसद को मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया जाता है जिसमें संसद के मूल नियमों, उसके कार्यप्रणालियों आदि से बच्चों को परिचित कराया जाता है।

381. प्राथमिक स्तर के शिक्षार्थियों में मानचित्र बनाने और समझने के लिए निम्नलिखित में से किन कौशल/कौशलों के विकास की आवश्यकता है?

1. स्थानों की सापेक्ष स्थिति की समझ।
 2. स्थानों की सापेक्ष दूरी और दिशाओं की समझ।
 3. प्रतीकों और स्केल/पैमाने की समझ।
 4. स्केल/पैमाने के अनुसार स्पष्ट ड्राइंग बनाना
- (a) केवल 4
 - (b) 1 और 2
 - (c) केवल 3
 - (d) 1, 2 और 3

KVS TGT 2018

Ans : (d) प्राथमिक स्तर के शिक्षार्थियों में मानचित्र बनाने और समझने के लिए उनमें स्थानों की सापेक्ष स्थिति की समझ, प्रतीकों और स्केल/पैमाने की समझ, स्थानों की सापेक्ष दूरी और दिशाओं की समझ के कौशलों के विकास की आवश्यकता है।

382. किसी क्रियाकलाप के लिए समूह बनाने हुए सामाजिक अध्ययन के शिक्षक को चाहिए कि वह-

- (a) केवल दो समूह बनाए और प्रत्येक में बहुत से विद्यार्थी हों
- (b) सभी प्रतिभागियों की सहभागिता और सहयोग सुनिश्चित करें
- (c) सुनिश्चित करें कि लड़के-लड़कियों के समूह अलग-अलग हों
- (d) उनके अंकों के अनुसार समूह बनाए

KVS TGT 2018

Ans : (b) किसी क्रियाकलाप के लिए समूह बनाते हुए सामाजिक अध्ययन के शिक्षक को सभी प्रतिभागियों की सहभागिता और सहयोग सुनिश्चित करना चाहिए।

383. लोकतांत्रिक संस्थानों की समझ को विकसित करने के लिए निम्नलिखित में से सबसे उचित पाठ्यक्रम सम्बन्धी उपागम को चुनिए।

- (a) वास्तविक स्थितियों के साथ आदर्श स्थिति में उदाहरणों को प्रस्तुत करना

- (b) आदर्श स्थितियों को दर्शाना
- (c) मुख्य रूप से राष्ट्रीय उदाहरणों को प्रस्तुत करना
- (d) शिक्षार्थियों को कठोर वास्तविक स्थितियों से परिचित कराना

KVS TGT 2018

Ans : (a) लोकतांत्रिक संस्थाओं की समझ को विकसित करने के लिए उचित पाठ्यक्रम सम्बन्धी उपागम वास्तविक स्थितियों के साथ आदर्श स्थिति के उदाहरणों को प्रस्तुत करना है।

- 384. उच्च प्राथमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान के स्वरूप पर (A), (B) और (C) कथनों पर विचार कीजिए—**
- (A) यह अपने वातावरण में लोगों का अध्ययन है
 - (B) यह लोगों के सम्बन्धों और उनकी अंतःनिर्भरता का अध्ययन है
 - (C) यह अतीत और वर्तमान के साथ सम्बन्धों का अध्ययन है।
- उपर्युक्त कथनों में से सबसे उचित विकल्प का चयन कीजिए।
- (a) (A), (B) और (C)
 - (b) (A) और (B)
 - (c) (B) और (C)
 - (d) (A) और (C)

KVS TGT 2018

Ans : (d) उच्च प्राथमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान विषय अपने वातावरण में लोगों का अध्ययन है तथा यह अतीत और वर्तमान के साथ सम्बन्धों का भी अध्ययन है। लोगों के सम्बन्धों और उनकी अंतःनिर्भरता का अध्ययन उच्च प्राथमिक स्तर पर किया जाता है।

- 385. उच्च प्राथमिक स्तर पर सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन की पाठ्य-पुस्तकों में निम्नलिखित विषयों में से किससे सम्बन्धित विषयवस्तु सम्मिलित है?**
- (a) अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध
 - (b) मनोविज्ञान
 - (c) अर्थशास्त्र
 - (d) दर्शनशास्त्र

KVS TGT 2018

Ans : (c) उच्च प्राथमिक स्तर पर सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन की पाठ्य-पुस्तकों में अर्थशास्त्र, इतिहास, भूगोल तथा नागरिक शास्त्र सम्बन्धित विषय-वस्तु को सम्मिलित किया गया है।

- 386. आप ऐतिहासिक कल्पना का प्रश्न क्यों पूछेंगे? निम्नलिखित में से सबसे उचित विकल्प को चुनिए।**
- (a) यह तिथि और घटनाओं को याद रखने का रोचक तरीका है
 - (b) यह दर्शाता है कि इतिहासकार इतिहास में अपनी कल्पना के साथ कैसे अन्तरों को पूरा करता है
 - (c) यह वर्तमान की अतीत के साथ तुलना करने में प्रोत्साहित करता है
 - (d) यह स्रोतों को पहचानने में शिक्षार्थियों की योग्यता का मूल्यांकन करता है

KVS TGT 2018

Ans : (c) ऐतिहासिक कल्पना पर आधारित प्रश्न वर्तमान की अतीत के साथ तुलना करने में प्रोत्साहन उत्पन्न करता है। ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य अतीत पर आधारित वर्तमान पर सूचना उपलब्ध कराने में सहयोगी होता है।

- 387. सामाजिक विज्ञान शिक्षण के लिए आप वृत्तांतों का प्रयोग क्यों करेंगे? दिए गए विकल्पों में से सबसे उचित कारण को चुनिए।**

- (a) पाठ्यक्रम की पूर्णता को सुनिश्चित कर सकें
- (b) शिक्षार्थियों को संवेदनशील बना सकें जिससे वे उचित आदर्श का पता कर सकें
- (c) कक्षा को मनोरंजक एवं सजीव बना सकें
- (d) अवधारणाओं को सजीव वास्तविकताओं के साथ जोड़ सकें

KVS TGT 2018

Ans : (d) सामाजिक विज्ञान शिक्षण में वृत्तांत का प्रयोग अवधारणाओं को सजीव तथा वास्तविकता के साथ जोड़ने के लिए किया जाता है। जिससे शिक्षण अधिगम को रुचिकर, सहज और सुगम बनाया जा सके।

- 388. राष्ट्रीय आधार समूह (2006) के अनुसार, सामाजिक विज्ञान का शिक्षण अपनी लोकप्रियता खो रहा है। क्योंकि—**

- (a) यह मानवीय मूल्यों में अन्तर्विरोध की कई स्थितियाँ प्रस्तुत करता है
- (b) यह अत्यधिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर बल देता है
- (c) यह एक अनुपयोगी विषय के रूप में जाना जाता है
- (d) यह कई विषयों के अध्ययन को प्रोत्साहित करता है

KVS TGT 2018

Ans : (c) राष्ट्रीय आधार समूह, 2006 के अनुसार सामाजिक विज्ञान का शिक्षण अपनी लोकप्रियता खो रहा है क्योंकि यह एक अनुपयोगी विषय के रूप में जाना जाता है और उनको विज्ञान से कम महत्व दिया जाता है।

- 389. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प विद्यालय-आधारित आकलन का अनुपयुक्त वर्णन है?**

- (a) यह केवल सहभागी पक्षों को सम्मिलित करता है
- (b) यह शैक्षिक पक्षों को सम्मिलित करता है
- (c) यह गैर-शैक्षिक पक्षों को सम्मिलित करता है
- (d) यह सभी पक्षों को सम्मिलित करता है

KVS TGT 2018

Ans : (a) विद्यालय आधारित आकलन शैक्षिक, गैर-शैक्षिक तथा अन्य सभी पक्षों को सम्मिलित करता है जबकि यह केवल सहभागी पक्षों को सम्मिलित करता है यह उपयुक्त नहीं है।

- 390. एक शिक्षक द्वारा सामाजिक विज्ञान के विषय को सम्पादित करने की भूमिका पर निम्नलिखित (A) और (B) कथनों पर विचार कीजिए तथा सही उत्तर का चयन कीजिए—**

- (A) शिक्षक सभी शिक्षार्थियों की गरिमा को अवश्य सुनिश्चित करें और संवेदनशीलता के साथ चर्चा को शुरू करें
 - (B) शिक्षक लड़कों के साथ तथ्यों और लड़कियों की भावनाओं पर अवश्य बल दें
- (a) ना तो (A) और न ही (B)
 - (b) केवल (A)
 - (c) केवल (B)
 - (d) दोनों (A) और (B)

KVS TGT 2018

Ans : (b) एक शिक्षक द्वारा सामाजिक विज्ञान के विषय को सम्पादित करने के लिए शिक्षक द्वारा शिक्षार्थियों की गरिमा को सुनिश्चित करना तथा संवेदनशीलता के साथ चर्चा को शुरू करना महत्वपूर्ण होता है।

391. मान लीजिए एक शिक्षक को कक्षा VII में पाठ 'ठणडा रेगिस्तान-लहाख' पढ़ाना है। निम्नलिखित में से कौन-सी विधि सबसे अधिक उचित होगी?

 - (a) कार्यशाला विधि
 - (b) सर्वेक्षण विधि
 - (c) प्रतीक अध्ययन विधि (Case study method)
 - (d) क्षेत्रीय अध्ययन विधि

KVS TGT 2018

Ans : (d) यदि किसी शिक्षक को कक्षा VII में पाठ ठण्डा रेगिस्ट्रेशन- लदाख पढ़ाना है तो इसके लिए क्षेत्रीय अध्ययन विधि सर्वाधिक उपयुक्त हो सकती है।

392. उच्च प्राथमिक स्तर पर ऐतिहासिक तथ्यों/इतिहास-लेखन को पढ़ने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सी विधि अधिक प्रासंगिक है?

(a) मानविक विधि (b) परियोजना विधि
(c) समस्या-समाधान विधि (d) स्रोत विधि

KVS TGT 2018

Ans : (d) ऐतिहासिक तथ्यों/इतिहास-लेखन को पढ़ाने के लिए स्रोत विधि का प्रयोग अधिक प्रासंगिक है। स्रोत विधि से विषय-वस्तु के बारे में सीधी जानकारी तथा अनुभव प्राप्त होते हैं। यह विधि छात्रों में चिंतन शक्ति का विकास करती है। विभिन्न कालों के ऐतिहासिक कार्य जिनमें मूल ऐतिहासिक कालों की सूचना प्राप्त होती है।

393. नागरिक शास्त्र की नामावली में राष्ट्रीय पाद्यचर्चाओं की रूपरेखा (एन.सी.एफ.) 2005 ने बदलाव का क्या सुझाव दिया है?

 - (a) भूगोल
 - (b) इतिहास
 - (c) सामाजिक और राजनीति जीवन
 - (d) अर्थशास्त्र

KVS TGT 2018

Ans : (c) गङ्गीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा, 2005 में नागरिक शास्त्र की नामावली में बदलाव कर नया नाम सामाजिक और राजनीतिक जीवन कर दिया गया है।

KVS TGT 2018

Ans : (b) उच्च प्रायोगिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान के कक्ष-कक्ष में सहयोग, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, समानता पर विशेष बल दिया जाना चाहिए। सामाजिक विज्ञान शिक्षण में ऐसी विधियों का उपयोग किया जाना चाहिए जो रचनात्मकता, सौन्दर्यबोध तथा आलोचनात्मक समझ बढ़ाये परन्तु प्रतियोगितात्मकता का विशेष महत्व नहीं होता है।

395. सामाजिक विज्ञान का अध्ययन 'वैज्ञानिक' क्या है?

 - (a) इसके अंतर्गत क्रमबद्ध तरीके से प्रमाणित ज्ञान को अर्जित किया जाता है
 - (b) यह पाठक को समाज के वैज्ञानिक अध्ययन करने में सहायता करता है
 - (c) इसकी विषयवस्तु वैज्ञानिक शब्दावली का प्रयोग है
 - (d) यह सामाजिक अध्ययन को विज्ञान कहने की माँग को पूरा करता है

KVS TGT 2018

Ans : (a) सामाजिक विज्ञान का अध्ययन वैज्ञानिक है क्योंकि इसके अंतर्गत क्रमबद्ध तरीके से प्रमाणित ज्ञान को अर्जित किया जाता है। यह मानव समाज का अध्ययन करने वाली शैक्षिक विधा है। सामाजिक विज्ञान की अनुभूतियाँ और ज्ञान, एक समतामूलक और शांतिमूलक समाज का ज्ञान-आधार तैयार करने की दिशा में अपरिहर्य हैं।

396. आप एक वर्ष में नियोजित, अल्पनियोजित और अनियोजित ग्रामीण श्रमिक द्वारा बिताए गए समय के समानुपात को चित्रित करना चाहते हैं। निम्नलिखित में से आप कौन-से आरेखीय चित्रण को चुनेंगे?

 - (a) दण्ड आरेख (Bardiagram)
 - (b) चक्र आरेख (Pie diagram)
 - (c) समय-रेखा आरेख (Time line diagram)
 - (d) प्रवाह आरेख (Flow diagram)

KVS TGT 2018

KVS TGT 2018

Ans : (b) चक्र आरेख (Pie Diagram) का उपयोग आँकड़ों के आलेखीय प्रस्तुतीकरण के रूप में होता है, जिसमें “आँकड़ों को प्रतीक द्वारा दर्शाया जाता है। एक चार्ट में सारणीबद्ध सांख्यिक आँकड़ों, प्रकारों या किसी प्रकार की गुणात्मक संरचनाओं को प्रदर्शित किया जाता है।

397. शिक्षार्थियों का सामाजिक विज्ञान विषय में कला के माध्यम से आकलन करने का सबसे उचित कारण चुनिए—

 - (a) यह पाठ्य-पुस्तक में दर्शाई गई विभिन्न अभिव्यक्ति शैलियों के आनन्द लेने का माध्यम है
 - (b) यह शिक्षार्थियों की चिक्रकला की योग्यता में सुधार लाता है
 - (c) यह एक आनन्ददायी मूल्यांकन का तरीका है
 - (d) यह अवधारणाओं का एक व्यक्तिगत प्रस्तुतीकरण करने का अवसर प्रदान करता है

KVS TGT 2018

Ans : (d) सामाजिक विज्ञान विषय में कला के माध्यम से आकलन अवधारणाओं का एक व्यक्तिगत प्रस्तुतीकरण करने का अवसर प्रदान करता है।

KVS TGT 2017

Ans : (b) शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को क्षेत्र-प्रमण पर ले जाने का उद्देश्य शिक्षार्थियों को प्रत्यक्ष, मूर्त व व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना होता है जो विद्यार्थियों के प्रकरण कौशल का विकास करता है तथा उन्हें ठोस अनुभव प्रदान करता है। प्रत्यक्ष अनुभवों द्वारा अर्जित ज्ञान न केवल स्थायी होता है वरन् कल्पना के विकास में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करता है।

399. S.St में सतत् और समग्र मूल्यांकन (CCE) के अनुसार, आकलन के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा उद्देश्य सबसे उपयुक्त है?

- (a) विद्यार्थियों को अंक देकर प्रेरित करना
- (b) विद्यार्थियों को उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करना
- (c) विषयवस्तु के बारे में विद्यार्थियों के प्रत्यास्मरण (recall) का परीक्षण करना
- (d) विद्यार्थियों की तुलना कर उनका रैंक निर्धारित करना

DSSSB PRT 2018

Ans : (b) S.st में सतत् और समग्र मूल्यांकन (CCE) के अनुसार, विद्यार्थियों को उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करना सबसे उपयुक्त उद्देश्य है, क्योंकि सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है जो शिक्षण अधिगम के दौरान बच्चों को पृष्ठ पोषण प्रदान करने तथा अधिगम में आने वाली त्रुटियों की पहचान करने में सहायक होती है।

400. इतिहास आपके लिए सहायक होगा-

1. वर्तमान का कैसे विकास हुआ यह समझने में
 2. हमारे भौतिक और सामाजिक विश्व की गतिविधि को समझने में
 3. अतीत की वर्तमान से तुलना करने में उपयुक्त में से कौन-से सही हैं?
- (a) 1 और 3
 - (b) 1 और 2
 - (c) 1, 2 और 3
 - (d) 2 और 3

DSSSB PRT 2018

Ans : (a) इतिहास हमारे लिए वर्तमान का कैसे विकास हुआ यह समझने में तथा अतीत की वर्तमान से तुलना करने में सहायक होता है।

401. कक्षा VII का एक शिक्षक 'भारत के विभाजन' पर प्राथमिक स्रोतों पर आधारित एक कार्ययोजना (प्रोजेक्ट) करवाना चाहता है। निम्नलिखित में से कौन-सा प्राथमिक स्रोत नहीं है?

- (a) आत्मकथाएँ
- (b) समाचार-पत्रों का पुरालेखागार
- (c) मौखिक इतिहास
- (d) उपन्यास

DSSSB PRT 2018

Ans : (d) यदि कोई शिक्षक कक्षा VII के बच्चों को 'भारत के विभाजन' पाठ को समझाने के लिए प्राथमिक स्रोतों पर आधारित कार्ययोजना करवाना चाहता है तो उसे विद्यार्थियों को तत्कालिक आत्मकथाएँ, समाचार-पत्रों का पुरालेखागार, मौखिक इतिहास, स्मारकों, सिक्कों, पुरातात्त्विक सामग्रियों आदि का अध्ययन करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

402. उच्च प्राथमिक स्तर पर, निम्नलिखित में से किस विषय को सामाजिक विज्ञान में सम्मिलित नहीं किया गया है?

- | | |
|---------------------|----------------|
| (a) इतिहास | (b) मनोविज्ञान |
| (c) राजनीति-विज्ञान | (d) भूगोल |

DSSSB PRT 2018

Ans : (b) उच्च प्राथमिक स्तर पर, मनोविज्ञान विषय को सामाजिक विज्ञान में सम्मिलित नहीं किया गया है। जबकि इतिहास, राजनीति विज्ञान, भूगोल और अर्थशास्त्र को सामाजिक विज्ञान में सम्मिलित किया गया है।

403. विभिन्न संदर्भों में रहने वाले दो व्यक्तियों की स्थितियों पर कोई वर्णन दिया जाता है, तो सामाजिक विज्ञान के शिक्षक को अपने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने का प्रयास करना चाहिए जिससे कि वे-

- (a) उनमें से आदर्श पात्र की पहचान करें
- (b) उसमें जाति/वर्ग/लिंग विवरण करें
- (c) उस वर्णन के पात्रों के बारे में मूल्यपरक निर्णय करें
- (d) उनके माध्यम से प्रस्तुत सूचना का परीक्षण करें

DSSSB PRT 2018

Ans : (d) विभिन्न सन्दर्भों में रहने वाले दो व्यक्तियों की स्थितियों पर कोई वर्णन दिया जाता है, तो सामाजिक विज्ञान के शिक्षक को अपने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने का प्रयास करना चाहिए जिससे कि वे उनके माध्यम से प्रस्तुत सूचना का परीक्षण कर सकें।

404. उच्च प्राथमिक स्तर पर, निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सामाजिक विज्ञान का सही वर्णन करता है?

- (a) यह ऐसे तथ्यों से भरपूर है, जिन्हें याद रखना जरूरी है
- (b) यह विवेचनात्मक सोच और कल्पनाशीलता को प्रेरित करता है
- (c) यह कम वैज्ञानिक है और धारणाओं पर आधारित है
- (d) यह वास्तविक जीवन और रोजगार दिलाने के लिए उपयोगी नहीं है

DSSSB PRT 2018

Ans : (b) "सामाजिक विज्ञान विवेचनात्मक सोच और कल्पनाशीलता को प्रेरित करता है।" यह कथन उच्च प्राथमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान का सही वर्णन करता है।

405. एक शिक्षक चाहता है कि उसके विद्यार्थी नगर निगम को उपलब्ध धनराशि के स्रोतों का पता लगाए। निम्नलिखित में से कौन-सी विधि सबसे अधिक विश्वसनीय और उपयुक्त होगी?

- (a) किसी विशेषज्ञ का भाषण आयोजित करना
- (b) सरकारी वेब साइटों को ढूँढ़ना
- (c) काउंसिलरों के साथ भेंटवाताएँ
- (d) आपस में विमर्श करना

DSSSB PRT 2018

Ans : (b) सरकारी वेब साइटों को ढूँढ़ना, नगर निगम को उपलब्ध धनराशि के स्रोतों का पता लगाने के लिए सबसे अधिक विश्वसनीय और उपयुक्त विधि होगी। क्योंकि यह प्राथमिक स्रोत से प्राप्त सूचना होगी।

406. निम्नलिखित में से किस विषय सामग्री को पाई आरेख के द्वारा सबसे अच्छी तरह प्रदर्शित किया जा सकता है?

- (a) तापमान का वितरण
- (b) वायुदाब का वितरण
- (c) जलाशयों का वितरण
- (d) समुद्री लहरों का वितरण

DSSSB PRT 2018

Ans : (c) जलाशयों के वितरण को पाई आरेख के द्वारा सबसे अच्छी तरह प्रदर्शित किया जा सकता है। पाई चार्ट एक गोलाकार सांख्यिकी ग्राफ है जिसे संख्यात्मक अनुपात को समझने के लिए स्लाइस से विभाजित किया जाता है। एक पाई चार्ट में प्रत्येक स्लाइस की चाप लम्बाई, उस मात्रा का अनुपात होता है, जिसका वो प्रतिनिधित्व करती है।

407. कक्षा VI के स्तर पर 'पृथ्वी का परिक्रमण' पढ़ाने के लिए सबसे उपयुक्त सहायक सामग्री क्या होगी?

- | | |
|-----------|--------------|
| (a) चार्ट | (b) ग्लोब |
| (c) एट्लस | (d) मानवित्र |

DSSSB PRT 2018

Ans : (b) कक्षा VI के स्तर पर 'पृथ्वी का परिक्रमण' पढ़ाने के लिए ग्लोब सबसे उपयुक्त सहायक सामग्री होगी।

408. विद्यार्थियों को इतिहासकारों के समान सोचने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु निम्नलिखित में से कौन-सी विधि सर्वाधिक उपयुक्त होगी?

- (a) पूछताछ
- (b) स्रोत विधि
- (c) परियोजना विधि
- (d) कहानी सुनाने वाली विधि

DSSSB PRT 2018

Ans : (b) विद्यार्थियों को इतिहासकारों के समान सोचने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु स्रोत विधि सर्वाधिक उपयुक्त विधि होगी।

409. 'कारखाना' विषय को पढ़ाने के लिए सबसे उपयोगी विधि होगी—

- (a) एक डॉक्युमेंटरी फ़िल्म दिखाना
- (b) एक कहानी सुनाना
- (c) किसी विशेषज्ञ को निमंत्रित करना
- (d) किसी औद्योगिक कारखाने की यात्रा आयोजित करना

DSSSB PRT 2018

Ans : (d) 'कारखाना' विषय को पढ़ाने के लिए किसी औद्योगिक कारखाने की यात्रा आयोजित करना सबसे उपयोगी विधि होगी, क्योंकि इससे विद्यार्थी प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त कर सकेंगे।

410. कक्षा VII का अध्यापक लोकतंत्र में चुनावों के सम्बन्ध में निम्नलिखित दो कथनों पर बच्चों से चर्चा करता है

1. प्रतिनिधित्व लोकतंत्र में लोग अपने प्रतिनिधियों को चुनकर अप्रत्यक्ष रूप से भाग लेते हैं और वे प्रतिनिधि पूरे देश के लिए कानून और नियम बनाते हैं

2. सरकारें नियमित चुनावों द्वारा बदली जा सकती हैं सही विकल्प चुनिए

- (a) 1 और 2 दोनों सही हैं
- (b) 1 और 2 दोनों गलत हैं
- (c) 1 सही और 2 गलत हैं
- (d) 1 गलत और 2 सही हैं

DSSSB PRT 2018

Ans : (a) लोकतंत्र के चुनावों के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथन सही है—

- (i) प्रतिनिधित्व लोकतंत्र में लोग अपने प्रतिनिधियों को चुनकर अप्रत्यक्ष रूप से भाग लेते हैं और वे प्रतिनिधि पूरे देश के लिए कानून और नियम बनाते हैं।
- (ii) सरकारें नियमित चुनावों द्वारा बदली जा सकती हैं।

अतः विकल्प 1 और 2 दोनों हैं।

411. रमाबाई, जो महिला शिक्षा की योद्धा थीं, कभी स्कूल नहीं गई। फिर भी उन्हें 'पण्डित' की उपाधि दी गई क्योंकि—

- (a) उन्होंने महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए पुणे के पास खेड़गाँव में एक मिशन स्थापित किया
- (b) उनके मिशन ने विधवाओं और गरीब महिलाओं को न केवल पढ़ने-लिखने के लिए प्रोत्साहित किया, अपितु व्यावसायिक कुशलताओं की सहायता से स्वालम्बी होने की शिक्षा भी दी।
- (c) उन्होंने अपने माता-पिता से पढ़ना-लिखना सीखा
- (d) वे संस्कृत पढ़ना-लिखना जानती थीं, जो एक बहुत बड़ी उपलब्धि थी, क्योंकि उनके समय में महिलाओं को इस प्रकार का ज्ञान अर्जित करने की अनुमति नहीं थी।

DSSSB PRT 2018

Ans : (d) रमाबाई, जो महिला शिक्षा की योद्धा थीं, कभी स्कूल नहीं गई। फिर भी उन्हें 'पण्डित' की उपाधि दी गई क्योंकि वे संस्कृत पढ़ना-लिखना जानती थीं, जो एक बहुत बड़ी उपलब्धि थी, क्योंकि उनके समय में महिलाओं को इस प्रकार का ज्ञान अर्जित करने की अनुमति नहीं थी।

निर्देश— नीचे दिए गए अवतरण को पढ़िए और उसके आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए

पहिएदार कुर्सी (व्हीलचेयर) का उपयोग करने वाले रंजन की कक्षा विद्यालय भवन की तीसरी मंजिल में लगती है। वह प्रत्येक दिन सहायक की प्रतीक्षा करता है जो उसे उठाकर विद्यार्थियों की भीड़ से होकर ले जाता है।

412. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद का उल्लंघन हो रहा है?

- (a) अनुच्छेद 370
- (b) अनुच्छेद 360
- (c) अनुच्छेद 15
- (d) अनुच्छेद 25

DSSSB PRT 2018

Ans : (c) उपर्युक्त प्रश्न के अनुसार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 15 का उल्लंघन हो रहा है। अनुच्छेद 15 के अनुसार, राज्य किसी नागरिक के विरुद्ध केवल धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग जन्मस्थान या इनमें से किसी के आधार पर कोई विशेष नहीं करेगा अर्थात् अनुच्छेद 15 सभी को भेदभाव से सुरक्षा का अधिकार देता है, जबकि रंजन के साथ भेदभाव किया जा रहा है।

413. विकलांग अधिनियम, 1995 के किस प्रावधान का पालन विद्यालय नहीं कर रहा है?

- (a) विकलांग व्यक्तियों के लिए मुख्यधारा वाली और संयोजित शिक्षा
- (b) अनौपचारिक शिक्षा के लिए योजनाएँ और कार्यक्रम
- (c) विकलांग व्यक्तियों के शिक्षा के अधिकार
- (d) रैम्प वाले सार्वजनिक स्थानों और भवनों तक सुरक्षित पहुँच

DSSSB PRT 2018

Ans : (d) विकलांगता अधिनियम, 1995 के रैम्प वाले सार्वजनिक स्थानों और भवनों तक सुरक्षित पहुँच के प्रावधन का पालन विद्यालय नहीं कर पा रहा है।

414. रंजन के प्रति सहानुभूति के विकास के लिए विद्यार्थियों के साथ किया गया निम्नलिखित में से कौन-सा क्रियाकलाप सबसे अधिक उपयुक्त होगा?

- (a) 'विकलांगता अधिनियम' पर एक भाषण देने के लिए किसी वकील को आमंत्रित करना
- (b) छीलचेयर कैसे ऊपर उठाया जाए इस पर एक विचारावेश
- (c) रंजन को सीढ़ियों से ऊपर उठाया जाए इस पर एक विचारावेश
- (d) एक भूमिका-निर्वाह नाटिका का आयोजन करना जिससे विद्यार्थी छीलचेयर में ले जाने का अनुभव कर सकें

DSSSB PRT 2018

Ans : (d) रंजन के प्रति सहानुभूति के विकास के लिए विद्यार्थियों के साथ एक भूमिका निर्वाह नाटिका का आयोजन करना चाहिए, जिससे विद्यार्थी छीलचेयर में ले जाने का अनुभव कर सकें।

415. किसी ऐतिहासिक वर्णन का चुनाव करते समय निम्नलिखित में से किस उद्देश्य पर विचार किया जाना चाहिए?

- (a) कारणात्मक सम्बन्ध और निष्कर्ष स्थापित करना
- (b) मूल्यपरक निर्णय देना
- (c) लोकप्रिय घटनाओं को उजागर करना
- (d) प्रसिद्ध व्यक्तियों का मूल्यवर्धन करना (valorizing)

DSSSB PRT 2018

Ans : (a) किसी ऐतिहासिक वर्णन का चुनाव करते समय कारणात्मक सम्बन्ध और निष्कर्ष स्थापित करना जैसे उद्देश्य पर विचार किया जाना चाहिए। इतिहास कारण और परिणामों के बीच संबंधों की व्याख्या करता है।

416. आप 'नए राज्य' पाठ में 'चोल' विषय पढ़ा रहे हैं। पाठ के अंत में 'अन्यत्र' खंड में चीन के तांग राजवंश पर सूचना दी गयी है (कक्षा VII, हमारे अतीत II पृष्ठ संख्या 28) सामाजिक विज्ञान के शिक्षक होने के नाते इस पर विचार-विमर्श करते समय आपका शैक्षिक विचार क्या होगा?

- (a) विद्यार्थियों को रोचक तथ्यों के प्रति जागरूक करना
- (b) विद्यार्थियों को चीन के अतीत पर कल्पना करने का अवसर प्रदान करना
- (c) विभिन्न समाजों में ऐतिहासिक विकास की तुलना करना
- (d) विद्यार्थियों को विश्व इतिहास से परिचित कराना

DSSSB PRT 2018

Ans : (c) उपर्युक्त प्रश्न के विषय में सामाजिक विज्ञान का शिक्षक होने के नाते इस पर विचार-विमर्श करते समय हमारा शैक्षिक विचार विभिन्न समाजों में ऐतिहासिक विकास की तुलना करना होगा।

417. आप देखते हैं कि सामाजिक विज्ञान की कक्षा में विद्यार्थी कुछ पूर्वाग्रहों का प्रदर्शन करते हैं। आपकी सबसे उपयुक्त प्रतिक्रिया होगी।

- (a) पढ़ाए जा रहे अध्याय को पढ़ाना बंद कर दूँगा
- (b) सामाजिक यथार्थ के आयामों पर एक परिचर्चा का आयोजन करूँगा
- (c) इन टिप्पणियों पर ध्यान नहीं दूँगा
- (d) विद्यार्थियों को दंडित करूँगा

DSSSB PRT 2018

Ans : (b) यदि सामाजिक विज्ञान की कक्षा में विद्यार्थी कुछ पूर्वाग्रहों का प्रदर्शन करते हैं, तो सामाजिक यथार्थ के आयामों पर एक परिचर्चा का आयोजन करना चाहिए ताकि विद्यार्थी समाज के विविध आयामों से परिचित हो सकें और अपने पूर्वाग्रहों में सुधार कर सकें।

418. सामाजिक और राजनीतिक जीवन पढ़ाने के लिए दिए गए उपायों 1, 2 और 3 में से सबसे उपयुक्त उपायों को चुनिए-

1. व्यक्ति अध्ययन
 2. परिभाषाएँ
 3. दृश्य सामग्रियाँ
- (a) 2 और 3
 - (b) 1, 2 और 3
 - (c) 1 और 2
 - (d) 1 और 3

DSSSB PRT 2018

Ans : (d) सामाजिक और राजनीतिक जीवन पढ़ाने के लिए व्यक्ति अध्ययन और दृश्य सामग्रियों का प्रयोग सबसे उपयुक्त उपाय है। दूसरे शब्दों में सामाजिक और राजनीतिक विषय में मानव विकास के विभिन्न पहलुओं, उनकी संस्कृति, सभ्यता, राजनीतिक जीवन आदि का अध्ययन किया जाता है।

13.

विविध

1. निम्नलिखित में से किस विधि में निष्कर्ष निकालने के लिए वर्तमान ज्ञान का उपयोग किया जाता है?
- निगमनात्मक तर्कणा विधि
 - सर्वेक्षण विधि
 - प्रत्यक्षवाद विधि
 - आगमनात्मक तर्कणा विधि

TGT-KVS, 08-01-2017

Ans : (a) निगमन तर्क में व्यक्ति अपने पूर्व अनुभवों, विश्वासों, सिद्धांतों के आधार पर अपनी समस्या के सम्बन्ध में चिन्तन करके समस्या का समाधान प्राप्त करता है। निगमन तर्क वास्तव में किसी सामान्य सिद्धांत को स्वीकार करने तथा उसे अन्य परिस्थितियों में प्रयुक्त करने से सम्बन्धित होता है। जैसे— सामान्य सिद्धांत है कि सभी प्राणी नश्वर होते हैं। व्यक्ति इसे स्वीकार करके तर्क कर सकता है कि रमेश एक प्राणी है, अतः रमेश भी नश्वर होगा। इस विधि में निष्कर्ष निकालने के लिए वर्तमान ज्ञान का उपयोग किया जाता है।

2. यदि आपको शिक्षक की नौकरी नहीं मिलती है, तो आप—
- घर से ही ट्यूशन देना आरम्भ करोगे
 - नौकरी मिलने तक घर पर ही रहोगे
 - दूसरी नौकरी लोगे
 - अध्यापन के लिए अर्जियाँ भेजते रहोगे

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (d) यदि किसी शिक्षक-प्रशिक्षण प्राप्त व्यक्ति को शिक्षक की नौकरी नहीं मिलती है तो उसे अध्यापन के लिए अर्जियाँ भेजते रहना चाहिए जब तक कि उसे शिक्षक की नौकरी मिल नहीं जाती है।

3. आर्यसमाज की स्थापना इन्होंने की—
- राजा राम मोहन राय
 - स्वामी दयानन्द सरस्वती
 - स्वामी सत्यानंद
 - कबीर

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (b) आर्य समाज की स्थापना महर्षि दयानन्द सरस्वती ने बम्बई में 10 अप्रैल 1875 में की। दयानन्द ने एंग्लोवर्नार्क्यूलर महाविद्यालयों और गुरुकुलों के द्वारा प्राचीन संस्कृति और इतिहास का प्रचार किया तथा आधुनिक भारत की शैक्षणिक उन्नति के लिए देश के राजनीतिक आंदोलन व पुनर्जागरण में योगदान दिया।

4. संघीय विश्वविद्यालयों में पाकिस्तान के राष्ट्रपति होते हैं।
- प्रबंधक
 - कुलाधिपति
 - प्राचार्य
 - प्रभारी

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (b) संघीय विश्वविद्यालयों में पाकिस्तान के राष्ट्रपति विश्वविद्यालय के कुलाधिपति होते हैं।

5. ब्रह्मसमाज की स्थापना किसने की?

- गुरु नानक
- कबीर
- रामानन्द
- राजा राममोहन राय

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (d) राजा राम मोहन राय को भारतीय पुनर्जागरण का अग्रदूत और आधुनिक भारत का जनक कहा जाता है। भारतीय सामाजिक और धार्मिक पुनर्जागरण के क्षेत्र में उनका विशिष्ट स्थान है। वे ब्रह्मसमाज के संस्थापक, भारतीय भाषायी प्रेस के प्रवर्तक, जनजागरण और सामाजिक सुधार आंदोलन के प्रणेता तथा बंगाल में नव जागरण युग के पितामह थे।

6. 1974 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग में स्थापित हुआ।

- पेशावर
- कराची
- लाहौर
- इस्लामाबाद

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (d) वर्ष 1974 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग इस्लामाबाद में स्थापित हुआ।

7. पाकिस्तान के कौन-से शहर को “कॉलेजों का शहर” कहा जाता है?

- पेशावर
- कराची
- लाहौर
- इस्लामाबाद

PRT-KVS Post Code 150/14, 19-10-2014

Ans : (c) लाहौर (पाकिस्तान) शहर को कालेजों का शहर कहा जाता है। यहाँ सौ से भी ज्यादा कॉलेज हैं।

8. निम्नलिखित कारण से छात्र में चिन्ताएं उत्पन्न होना स्वभाविक है—

- छात्रों के साथ असनुलित व्यवहार
- छात्रों में हताश युक्त भावना का सम्प्रेषण
- छात्रों के आत्मविश्वास पर वज्र-पात
- छात्रों की दयनीय स्थिति

PRT KVS 15-12-2013

Ans : (c) छात्रों के आत्मविश्वास पर वज्रपात करने से छात्र में चिन्ताएँ उत्पन्न होना स्वाभाविक है। अतः शिक्षक को कभी भी छात्रों के आत्मविश्वास पर चोट नहीं करनी चाहिए।

9. सम्मान प्राप्त करने के लिए सम्मान प्रदान करना आवश्यक है। यह कथन सत्य है—

- (a) सामाजिक सन्दर्भ में
- (b) व्यापारिक सन्दर्भ में
- (c) सरकारी कार्यालयों में
- (d) विद्यालयों में तथा अन्यत्र स्थानों पर समान रूप से

PRT KVS 15–12–2013

Ans : (d) सम्मान प्राप्त करने के लिए सम्मान प्रदान करना आवश्यक है। यह कथन विद्यालयों में तथा अन्यत्र स्थानों पर समान रूप से लागू होता है।

10. किसी हिल–स्टेशन की यात्रा के दौरान यादि आपका एक छात्र किसी महिला के साथ दुर्घट्वहार करता है तो आप क्या करेंगे?

- (a) उसकी गलती स्वीकार नहीं करेंगे क्योंकि आप सभी एक अत्यंत प्रतिष्ठित स्कूल से आते हैं।
- (b) उस महिला से बहस करेंगे और उसे पुलिस बुलाने के लिए कहेंगे।
- (c) अपने छात्र को उस वृद्ध महिला से माफी मांगने के लिए कहेंगे।
- (d) सभी छात्रों को तुरंत उस जगह से दूर लेकर जाएंगे।

PRT KVS 04–10–2015

Ans : (c) किसी हिल–स्टेशन की यात्रा के दौरान यदि एक छात्र किसी वृद्ध महिला के साथ दुर्घट्वहार करता है तो एक शिक्षक को अपने छात्र को उस वृद्ध महिला से माफी मांगने के लिए कहना चाहिए।

11. विद्यार्थी की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता होती है—

- (a) जिम्मेदारी का बोध
- (b) सत्य बोलना
- (c) सहकारिता
- (d) आज्ञापालन

KVS Assistant Teacher (Nursery) 31–08–2014

Ans : (d) विद्यार्थी की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता आज्ञापालन होती है। एक आदर्श विद्यार्थी वही होता है, जो अपने गुरुजनों, माता-पिता और बड़ों की आज्ञा का पालन करता है तथा उनके द्वारा बताये गये कार्यों को ईमानदारी पूर्वक करता है।

12. कक्षा आठ का एक बालक गणित में कम अंक आने का दोष अध्यापक और परीक्षक को देता है। इसमें बालक द्वारा प्रयुक्त रक्षायुक्त होगी—

- (a) प्रक्षेपण
- (b) युक्तीकरण
- (c) क्षतिपूर्ति
- (d) दमन

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (a) यदि कक्षा आठ का एक बालक गणित में कम अंक आने का दोष अध्यापक और परीक्षक को देता है तो इसमें बालक द्वारा प्रयुक्त रक्षायुक्त प्रक्षेपण होगी। प्रक्षेपण में व्यक्ति अपना तनाव दूर करने के लिए अपनी त्रुटियों, कमियों, असफलताओं आदि का आरोपण दूसरों पर करके स्वयं को दोषमुक्त समझता है, जिससे उसका तनाव दूर हो जाता है।

13. निम्न में से कौन—सा अभ्यास कौशल नहीं है?

- (a) टिप्पणी लिखना
- (b) विश्वज्ञान कोष (encyclopedia) में से जानकारी लेना
- (c) प्राथमिक विवरण लिखना
- (d) शब्द कोष (dictionary) का उपयोग करना

PRT Post Code 71/09 & 101/12, 25.08.2013

Ans : (c) टिप्पणी लिखना, विश्वज्ञान कोष में से जानकारी लेना, शब्दकोष का उपयोग करना, आदि अभ्यास कौशल के उदाहरण हैं जबकि प्राथमिक विवरण लिखना अभ्यास कौशल के अंतर्गत नहीं आता है। जिन कार्यों में अभ्यास के परिणाम स्वरूप उसके गति में तेजी आती है उस कार्य में अभ्यास कौशल की आवश्यकता होती है।

14. आदत किसे कहते हैं?

- (a) कोई कार्य की पुनरावृत्ति
- (b) यह एक स्वतः प्रक्रिया है
- (c) (a) और (b) दोनों
- (d) इनमें से कोई नहीं

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (c) जब कोई व्यक्ति किसी क्रिया या कार्य को अपनी इच्छा से अथवा अनिच्छा से बार-बार करता या दोहराता है तब कुछ समय व कुछ प्रयासों के बाद उस व्यक्ति में वह क्रिया बिना किसी प्रयास के स्वतः संचालित होने लगती है। बार-बार दोहराये गये कार्यों के इस प्रकार के परिणाम को आदत कहते हैं।

15. निम्न में से कौन—सा शैक्षणिक समायोजन का मार्ग है?

- (a) मानव शक्ति मार्ग
- (b) सामाजिक माँग मार्ग
- (c) (a) और (b) दोनों
- (d) इनमें से कोई नहीं

PRT (SPECIAL EDUCATION) Post Code 01/13, 28.07.2013

Ans : (c) मानव शक्ति मार्ग तथा सामाजिक माँग मार्ग शैक्षणिक समायोजन के मार्ग है। शिक्षा बालक के व्यवहारों में परिमार्जन करती है। उसके आंतरिक शक्तियों को दिशा प्रदान कर उसकी योग्यता व दक्षता को विकसित करती है। जिससे वह अपने विकास के साथ-साथ समाज का भी विकास करने में सक्षम होता है।